डॉ0 एस0 राधाकृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप

इन ह्यूमनटीज एण्ड सोशल साइन्स

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ

(जनपद फर्रूखाबाद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

शोध–प्रबन्ध

डॉ. नरेश चन्द्र शुक्ल
एम.ए.,पी–एच.डी.,समाजशास्त्र,
सी.एस.एन.पी.जी.कालेज, हरदोई
सुपरवाइजर

डॉ.नीतू सिंह तोमर
एम.ए., पी–एच.डी.,समाजशास्त्र,
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

फरवरी–2018

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002

डॉ. एस. राधाकृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप इन ह्यूमनटीज एण्ड सोशल साइन्स

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ

(फर्रूखाबाद जनपद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

शोध–प्रबन्ध

डॉ. नरेश चन्द्र शुक्ल

एम.ए.,पी–एच.डी.,समाजशास्त्र,

सी.एस.एन.पी.जी.कालेज, हरदोई

सुपरवाइजर

डॉ.नीतू सिंह तोमर

एम.ए.,पी–एच.डी.,समाजशास्त्र,

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली–110002

फरवरी–2018

सी. एस. एन. पी. जी. कालेज हरदोई, उ. प्र.

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह शोध प्रबन्ध ''दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ– (जनपद फर्रूखाबाद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)'' विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की पोस्ट डॉक्टोरल फेलो ''डॉ. नीतू सिंह तोमर'' का मौलिक कार्य है जो शोध कार्य मेरे दिशा निर्देशन में सम्पन्न हुआ है।

हस्ताक्षर.....

दिनांकः– 02/02/2018

(डॉ. एन. सी. शुक्ल)

शोध निर्देशक

पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग,

सी. एस. एन. पोस्ट ग्रेजुएट कालेज,

हरदोई, उत्तर–प्रदेश।

मुहर–

डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली
को जनसम्पर्क–संतुष्टि का संस्था प्रमुखों व ग्राम प्रधानों द्वारा दिए गए प्रमाण–पत्रों की सूची

क्र	तिथि	सस्था	पता	क्रम	तिथि	सस्था	पता	क्रम	तिथि	सस्था	पता
1	7.2.15	प्रिंस्पल	रा.इ.कालेजफते	51	4.7.16	प्र.अध्या	प्रापासाहबगंज	101	3.8.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.ईसापुर
2	18.2.15	प्र.अध्या	प्रा.पा.ग्वालटोली	52	4.7.16	प्र.अध्या	क.प्रा.पा.भोलेपु	102	22.8.16	प्रधान	तुर्काटाबिलावल
3	18.2.15	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.ग्वालटो	53	4.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.नगलादी	103	29.8.16	प्रधान	रतनपुरकमालगं
4	18.2.15	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.रंगसाज	54	4.7.16	प्र.अध्या	क.प्रापा.नदीना	104	30.8.16	प्रधान	बसेली–बढ़पुर
5	18.2.15	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.फतेहग	55	4.7.16	प्र.अध्या	कप्रापा.भोलेपुर	105	4.9.18	प्र.अध्या	प्रा.पा.बीसलपुर
6	21.2.15	प्र.अध्या	क.उ.प्रापा.रंगसा	56	8.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.न.गढिया	106	4.9.18	प्र.अध्या	उप्रापा.बीसलपुर
7	21.2.15	प्र.अध्या	सरीनप्रापा.फतेह	57	8.7.16	प्र.अध्या	उप्रापा.गंगाइच	107	10.8.16	प्रिंस्पल	न.पा.इं.का.फतेह
8	24.2.15	प्र.अध्या	शांतिप्रापा.भोलेपु	58	8.7.16	प्र.अध्या	कप्रापानगढिय	108	18.8.16	प्रधान	रानीगंवबलीपट्टी
9	24.2.15	प्र.अध्या	कं.प्रा.पा.भोलेपुर	59	8.7.16	प्रधान	नरायनपुरगढ़ि	109	20.8.16	प्रधान	अहमदपुदेवरिया
10	26.4.15	प्र.अध्या	प्रा.पा.चंदनपुर	60	9.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.कडक्का	110	31.8.16	प्रधान	बघौना–शमशाब
11	27.2.15	प्र.अध्या	प्रा.पा.नेकपुरचौर	61	9.7.16	प्र.अध्या	उप्रा.पा.कडका	111	31.8.16	प्रिंस्पल	बघौना–शमशाब
12	2.3.15	प्र.अध्या	प्रापा.सोताबहादु	62	11.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.कुबेरापुर	112	2.9.16	प्रधान	आसमपुरराजेपुर
13	2.3.15	प्र.अध्या	प्रापा.सोताबहादु	63	11.7.16	प्र.अध्या	उप्रा.पाकुबेरापु	113	7.9.16	प्रधान	कंझाना–कमाल
14	18.3.15	प्र.अध्या	प्रापा.लेनगां.बली	64	12.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.जरारी	114	10.9.16	प्रधान	महमदपुरअचला
15	24.3.15	प्र.अध्या	उ.प्रापा.कमालग	65	12.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.जरारी	117	12.9.16	प्रधान	महमदपुरचौकी
16	24.3.15	प्र.अध्या	प्रा.पा.मोहनपुर	66	13.7.16	प्र.अध्या	उप्रापारोशनाब	116	29.9.16	प्रधान	जिठौलीराजेपुर
17	24.3.15	प्र.अध्या	क.प्रापा.कमालगं	67	13.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.रोशनाबा	117	3.10.16	प्रधान	भाउपुरचौरासी
18	24.3.15	प्र.अध्या	उ.प्रापा.मोहनपुर	68	14.7.16	प्र.अध्या	प्रापारानीपुरगौ	118	7.10.16	प्रधान	शिवरईबरियार
19	26.3.15	प्र.अध्या	प्रा.पा.रजीपुर	69	15.7.16	प्रधान	निनौराश्रंखला	119	15.1016	प्रधान	सदरियापुरकमा
20	3011.15	प्राचार्य	भा.डि.का.फर्रूख	70	15.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.निनौराश्रं	120	17.10.16	प्रधान	दौलतपुरचकई
21	1212.15	प्रिंस्पल	ज.रा.इं.का.फतेह	71	15.7.16	प्र.अध्या	उप्रा.पा.निनौरा	121	18.10.16	प्रधान	अल्लापुरकायम
22	2.2.16	प्र.अध्या	क.प्रा.पा.बढ़पुर	72	19.7.16	प्रधान	शेरपुर–सराय	122	18.10.16	प्रिंस्पल	इं.का.अल्लापुर
23	2.2.16	प्र.अध्या	क.उ.प्रा.पा.बढ़पु	73	19.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.शेरपुरस	123	21.10.16	प्रधान	बहलोलपुरकायं
24	2.2.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.बढ़पुर	74	19.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.शेरपुर	124	22.10.16	प्रधान	बेग–नबाबगंज
25	2.2.16	प्र.अध्या	शीतलाजू.वि.बढ	75	20.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.रामपुर	125	28.10.16	प्रधान	जसी–कमालगं
26	12.5.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.उमरीखेडा	76	20.7.16	प्र.अध्या	प्रापा.रामपुरजो	126	30.10.17	प्रिस्पल	शिइका.खिमसेपु
27	9.6.16	प्रिंस्पल	भा.इ.का.फर्रूखा	77	20.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.2रामपुर	127	4.1116	प्रधान	वीरसिंहपुरराजे
28	10.6.16	प्र.अध्या	प्रापाफतेहउल्ला	78	21.7.16	प्रधान	दहेलियाराजेपु	128	16.1116	प्रधान	टिमरुआमोहमद
29	13.6.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.गाडीखाना	79	21.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.दहेलि	129	17.1116	प्रधान	हैवतपुरकमालगं
30	14.6.16	प्र.अध्या	उप्रा.पा.कमालगं	80	21.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.दहेलिया	130	18.1116	प्रधान	पट्टीमदारीकायम
31	16.6.16	प्रधान	दारापुर–राजेपुर	81	22.7.16	प्रधान	रेहाकरनपुर	131	19.1116	प्रधान	करनपुरदत्तराजे
32	16.6.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.दारापुर	82	22.9.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.रेहाकरन	132	19.1116	प्रिंस्पल	करनपुरदत्तराजे
33	17.6.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.बहादुरपुर	83	22.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.रेहानकर	133	14.12.16	प्रधान	लखरौअमोहमदा
34	18.6.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.कुटरागांव	84	21.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.गगनी	134	18.12.16	प्रधान	कमालपुरकमाल
35	20.6.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.नवदिया	85	26.7.16	प्रधान	कोरीखेडा	135	23.12.16	प्रधान	करथियामोहमद
36	22.6.16	प्र.अध्या	प्रापा.फतेहपुरका	86	26.7.17	प्र.अध्या	उप्रापा.कोरीखे	136	24.11.16	प्रधान	गदनपुरतुर्रा
37	23.6.16	प्रधान	नसरतपुरनौगांव	87	27.7.16	प्र.अध्या	प्रापाखुडनाबैद	137	30.12.16	प्रधान	महोईकमालगंज
38	21.6.16	प्रधान	बिचपुर–कमाल	88	28.7.17	प्र.अध्या	उप्रा.पा.भुडिया	138	30.11.16	प्रधान	हैवतपुरगढ़िया
39	22.6.16	प्रधान	फतेहपुरकायस्थ	89	28.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.भुडियाभे	139	2.12.16	प्रधान	उधरनपुरलीला
40	25.6.16	प्रधान	हरसिंहपुरगहल	90	29.7.17	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.मुडौल	140	6.12.16	प्रधान	प्रहलादपुरसंतोष
41	28.6.16	प्रधान	कढिउलीनबाब	91	29.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.मुडौल	141	16.12.16	प्रधान	पिथनापुरराजेपु
42	28.6.16	प्रधान	कक्वलीनबाबगं	92	29.7.16	प्रधान	मुडौल–कायम	142	9.12.16	प्रिंस्पल	प्रेम इ.का.रैसेपुर
43	29.2.16	प्रधान	बिलाउलपुरबढ़	93	1.8.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.डुडियापु	143	31.12.16	प्रधान	पुठरीमोहमदाबा
44	30.6.16	प्रधान	पुनपालपुरमोहम	94	1.8.16	प्रधान	कांधेमई–शमश	144	13.02.17	प्रिंस्पल	एस.इ.कालेकायं
45	1.7.16	प्रधान	गदनपुरदेवराज	95	1.8.16	प्रधान	खंडौलीराजेपु	145	17.2.17	प्रिंस्पल	टैगोरवि.फर्रूखा
46	2.7.16	प्रधान	धर्मपुरकटरीबढ़	96	2.8.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.खंडौली	146	25.2.17	प्रिंस्पल	चु.दे.डि.का.शमश
47	4.7.16	प्र.अध्या	क.प्रा.पा.लिंजीगं	97	2.8.16	प्र.अध्या	उप्रापा.खंडौली	147	4.4.17	प्रिंस्पल	स.वि.इ.का.फर्रू.
48	4.7.16	प्र.अध्या	प्रा.पा.ग्राटगुंज	98	2.8.16	प्र.अध्या	कंप्रापाखंडौली	148	8.12.17	प्रिंस्पल	जी.डी.सी.फर्रूख
49	4.7.16	प्र.अध्या	क.प्रा.पा.साहबगं	99	2.8.16	प्रिस्पल	जइका.खंडौल	149	16.1.17	लकूला	शिवरानी–सेवक
50	4.7.16	प्र.अध्या	उ.प्रा.पा.लिंजीगं	100	3.8.16	प्र.अध्या	उप्रा.पा.ईसापुर	150			

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ

(फर्रूखाबाद जनपद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

संक्षिप्तिका

भारत दुनियां के तेज आर्थिक विकास वाले देशों में है, पर इस विकास का लाभ दरिद्र व्यक्तियों को नहीं मिल रहा, इसका असर उसके विकास पर भी पड़ा, जो पिछले वर्षों में लगातार धीमा हुआ है। देश ने 90 के दशक में आर्थिक सुधार शुरु किया। प्रधानमन्त्री मनमोहन सिंह उस समय देश के वित्त मन्त्री थे। सुधारों से उम्मीद थी कि लोगों के आर्थिक हालात सुधरेंगे, लेकिन शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर ध्यान न देने की बजह से दरिद्रता, भुखमरी, कुपोषण, भ्रष्टाचार और आर्थिक विषमता जैसी सामाजिक समस्याएँ बढ़ी हैं। अब यह देश के विकास को प्रभावित कर रहा है। तीन दशक के आर्थिक सुधारों के कारण देश ने प्रगति तो की है, लेकिन एक तिहाई आबादी आज भी दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन–यापन कर रही है। भारत इस अवधि में ऐसा देश बन गया है जहाँ दुनियां भर के एक तिहाई दरिद्र रहते हैं। सामाजिक चुनौतियाँ बनी हुईं हैं और दरिद्रता बढ़ रही है।

दरिद्रता से पीड़ितों के लिए सहयोग जुटाने की तरह ही उन्हें यह समझाना आवश्यक है कि अपने व्यक्तित्व में दक्षता व्यवस्था तत्परता की कमी बनाए रखने वाला स्वभाव ही खुशहाली के मार्ग में भयानक चट्टान बन कर अड़ा हुआ है। यही दोष कभी अवसाद बन उत्पादन रोक देते हैं। कभी लापरवाही या अपव्यय बनकर साधनों को बर्वाद कर देता हैं। उक्त दोषो के रहते धन का सहयोग उल्टे आलस्य तथा दुर्व्यसन पैदा कर देता है। जो उन्नति के स्थान पर दुर्गति का कारण बनता है।

यदि लोगों में प्रगति के लिए व्यापक उत्साह उभारा जा सके और उसके आधार के रूप में अपनी दक्षता तत्परता के प्रयासों को स्वीकारा जा सके तो समझना चाहिए कि दरिद्रता उन्मूलन की आधी योजना सफल हो गई। ऐसा होने पर उदारवेत्ताओं, संस्थाओं, सरकारी सहयोगों की व्यवस्था बनाकर शेष आधा कार्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

दूसरे विश्वयुद्ध में बुरी तरह आहत जापान, जर्मन, रूस आदि ने अल्प समय में ही आश्चर्यजनक उन्नति कर ली। किसी समय का अफीमची देश चीन आज बड़ों–बड़ों को आँख दिखाने की स्थिति में है। यह चमत्कार तब हुए जब जन–जन ने निज दक्षता, व्यवस्था एवं श्रमशीलता उभारी और जनशक्ति को कष्ट साध्य कर्मठता में नियोजित किया।

शोध प्रबन्ध षष्ठ अध्यायों में विभक्त है।

प्रथम अध्याय दरिद्रता, दरिद्र व्यक्ति, सामाजिक समस्याओं के अर्थ पर प्रकाश ड़ालता है। साथ ही यह मानव जीवन की मूलभूत आवश्कताओं एवं दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं– रोटी, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा आदि से सम्बन्ध भी स्पष्ट करता है।

दरिद्रता से तात्पर्य वह आर्थिक तंगी जो अखरे और जिसके बिना जीवन निर्वाह में अड़चन पड़े। अपने देश में अधिकांश व्यक्तियों की ऐसी मनः स्थिति और परिस्थिति है जिनके अनेक कारण हैं। अदक्षता प्रथम कारण है और रोज़गार का न मिलना दूसरा। इसके अतिरिक्त भी अनेकों कारण हैं, यदि इन दोनों का हल ढूँढ़ लिया जाए तो 'गरीबी हटाओ' आन्दोलन की अधिकांश सफलता मिली समझी जा सकती है अन्यथा दरिद्रता के दबाव में व्यक्ति दिन–प्रतिदिन पिछड़ता जाएगा। अपनी उन उमंगों को भी गँवा बैठेगा जो प्रगतिशील स्तर तक पहुँचाने की पृष्ठिभूमि बनाती है। ऐसे लोगों का परिवार भी मुखिया का अनुशरण करता है, पिछड़ेपन का शिकार होता जाता है जबकि उन्हीं परिस्थितियों में पड़ोसी अपने उत्साह के आधार पर कहीं अधिक अच्छी स्थिति प्राप्त करने के लिए बढ़ते ही जाते हैं।

अदक्षता का सबसे बड़ा कारण है–शारीरिक आलस्य और मानसिक प्रमाद। यह एक प्रकार की अपंगता है जो प्रायः मनः क्षेत्र पर छायी रहती है। वह ढ़र्रे के क्रिया–कलाप तो पूरे कर लेती है, पर यह नहीं सोचने देती कि दक्षता या व्यवस्था में किसी प्रकार के सुधार की आवश्यकता है क्या? यदि है तो उसे किस प्रकार सम्भव किया जाना चाहिए। प्रगति के लिए प्रबल इच्छा का होना आवश्यक है। मन पर मूर्छानामुर्दनी छायी रहे तो यथास्थिति बनाए रहना भी कठिन हो जाता है। जो उठता नहीं वह गिरता है। यथास्थिति बनाए रखना थोड़े दिन ही सम्भव होता है। पतन या उत्थान दोनों में से एक उसे अपनी ओर खींचने में सफल हो ही जाते हैं। जड़ता पत्थरों के लिए स्वाभाविक मानी जाती है पर प्राणधारियों के लिए उसे अयोग्य ठहराया जाता है फिर भी मनुष्य की विशेषता को देखते हुए उससे और भी अधिक आशा की जाती है। बरगद का वृक्ष अपनी शाखाओं में से जड़े निकालता रहता है और उन्हें नीचे भूमि में धसाकर अधिक खुराक पाने और अधिक विस्तार करने में जुटा रहता है। यदि अवरोध बाधक न बना हो तो ऐसे कई वृक्ष असाधारण विस्तार करते और आश्चर्य कर देने वाला दीर्घायुष्य प्राप्त करते हैं। मनुष्यों के लिए उसकी चेतना को देखते हुए इच्छित दिशा में ऐसी ही प्रगति करते रहना एवं दरिद्रता की रेखा को लाँघते हुए समर्थ सम्पन्नता उपलब्ध कर सकना भी सम्भव है। परन्तु उस प्रमाद को क्या कहा जाए जो उज्ज्वल भविष्य के सपने देखना तक सहन नहीं करता और भाग्य भरोसे किसी प्रकार जिन्दगी के लिए काटते रहने की बात सोचकर अनिवार्य क्रियाशीलता न अपनाकर निष्क्रिय हो बैठता है। दरिद्रता से ग्रसित व्यक्तियों में से अधिकांश व्यक्ति मानसिक अवसाद के चंगुल में फंसे हुए होते हैं। छप्पर फाड़कर धन बरसने जैसे मीठे सपने उन्हें भले ही दीख जाते हों।

मनुष्य की सामर्थ्य असाधारण है, उसका पूरा उपयोग बन पड़ने पर निर्वाह की मौलिक आवश्यकताओं में कमी पड़ने जैसी दुर्घटना घटित नहीं हो सकती। पशु–पक्षी सर्वथा साधन रहित होते हुए भी शरीर यात्रा की आवश्यक साधन सामग्री अपनी अविकसित संरचना के सहारे भी जुटा लेते हैं और क्रीड़ा–कलोल करते, चहकते–उछलते जिन्दगी काट लेते हैं, परन्तु मनुष्य ही क्यों दरिद्रता के चंगुल में जकड़ा रहता है? उसे ही अभावग्रस्तता के कारण पग–पग पर अपने अरमानों को क्यों कुचलना पड़ता है?

अभावजन्य कष्ट सहना, उसके लिए भाग्य को या जिस–तिस को दोष देते रहना एक बात है और अपनी दक्षता एवं तत्परता को बढ़ाते हुए प्रगति का पथ प्रशस्त करना

सर्वथा दूसरी। जिसमें चेतना जागृत होती है, उपाय खोजती है, अपनी श्रमशीलता और इच्छाशक्ति को जगाकर उसे आगे बढ़ने की दिशा में कुछ करने के लिए कुछ बदलने के लिए बाधित करती है उसे लिए मार्ग अवरुद्ध नहीं रह सकता। दरिद्रता उसके लिए अनिवार्य नियति बनकर नहीं रह सकती। मनुष्य की प्रगति के इतिहास का हर पृष्ठ यही बताता है कि 'जिन खोजा तिन पाइयाँ' की उक्ति शत–प्रतिशत सही है। अमीवा से प्राणी और आदिमकाल से साधनहीन नर–वानर को आज के समय जैसा सभ्य और सुविधा–सम्पन्न बनाने में उसकी प्रबल उत्कण्ठा ही प्रधान कारण रही है। उसके अभाव में क्षुद्र प्राणी किसी प्रकार उन्हीं परिस्थितियों में जीते मरते रहे हैं। अब भी वनवासी कबीले उन्नत व्यक्ति से दूर रहने का पूर्वाग्रह अपनाए हुए हैं और संसार के अनेक भागों में वे आदिमानव का प्रतिनिधित्त्व करते जहाँ–तहाँ एक कौतूहल के रूप में देखे जाते हैं। यदि उनने कुछ प्रयत्न किया होता तो परिस्थितियाँ उनकी भरपूर सहायता करतीं। उत्तरी ध्रुव पर बसने वाले एस्किमों जाति के व्यक्तियों में से कुछ ने कनाडा से भी ऊपर उत्तरी ध्रुव पर जाकर बसने का साहस दिखाया और वे अपने सजातीयों को तुलना में सभ्य समाज के सदस्य बनकर सुविधायुक्त परिस्थितियाँ हस्तगत करने में सफल हुए। यह उदाहरण अन्यत्र भी लागू हो सकता है। फर्रूखाबाद के भडगड्डा अपनी परम्परा के साथ इतनी बुरी तरह चिपके हुए हैं कि निवास के लिए आवास एवं दरिद्र कल्याण की योजनाओं के लाभ से अभी भी वंचित हैं। फलतः यथास्थिति पीढ़ी–दर–पीढ़ी चलती आ रही है और इनका जीवन अति संकट में है।

दरिद्रता की रेखा से अधिकांश देशवासियों को उबारने, उनके पुनरुत्थान के लिए आवश्यक साधन प्रस्तुत करने की उदारता को न केवल अक्षुण्ण रहना चाहिए वरन् उसका अनुपात और भी बढ़ना चाहिए। इस मान्यता में भी कुछ सच्चाई है कि साधन मिलने पर उत्साह बढ़ता है और अनुकूलता प्राप्त करने के लिए प्रयास चलता है। सिद्धान्तः इस प्रकार के चिन्तन और प्रयास को भी सराहा ही जा सकता है, पर साथ ही उस मान्यता में एक कड़ी और भी जोड़नी आवश्यक है कि यदि अभावजन्य असन्तोष को न उभारा जा सका और दरिद्रता का मूल कारण अपनी दक्षता और व्यवस्था में कमी को दोषी न ठहराया जा सका तो पिछड़ेपन का आत्यन्तिक निदान या समाधान सम्भव न हो सकेगा। बाहर से दी हुई सहायता पिछड़ी प्रकृति के साथ जुड़े रहने वाले अनेकानेक छिद्रों में होकर बह जाएगी और फूटे घड़े में पानी टिक न सकने का उदाहरण बनेगी। स्वतन्त्रता के बाद पिछले सत्तर वर्षों में दरिद्रता हटाने में सरकारी अनुदानों में कोताही हुई है। यह लांछन कोई निष्पक्ष जन नहीं लगा सकता। फिर भी देखा जाता है कि पिछड़े क्षेत्र उतने ऊँचे नहीं उठ सके जितने कि कानूनी संरक्षण और आर्थिक प्रगति–प्रयासों के सहारे सम्भव हो सकता था। अर्थ साधन जुटाने की बात उचित भी है और सहज समझ में आने वाली भी, किन्तु ध्यान यह भी रखना चाहिए कि कुछ पा लेना एक बात है और उसका सही रीति से सदुपयोग कर सकना सर्वथा दूसरी। अर्थ–सहयोग की ही तरह दरिद्रता से पीड़ित व्यक्तियों को भी यह सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाए कि उनकी दक्षता और तत्परता में कमी किए रहने वाला स्वभाव भी खुशहाली के मार्ग में भयानक चट्टान बनकर अड़ तो नहीं रहा है।

यदि यह कभी भी बाधक जान पड़े तो सम्मुनत वर्ग का कर्त्तव्य है कि दरिद्रता को ही नहीं वरन् उसका निमित्त कारण बन रही अकर्मण्यता को भी उखाड़ फेंकने वाले प्रचण्ड

उत्साह उत्पन्न करें। इसके लिए जन सम्पर्क तो प्रमुख है ही, वैसा वृतान्त परिचायात्मक शैली में उनकी जानकारी में समाविष्ट किया जाए। इसके लिए चित्र प्रदर्शनी, स्लाइड प्रोजेक्टर से दिखाए जाने वाले प्रकाश चित्र, वीडियो, फिल्म्स, नाटक, अभिनव, लोकगीत, लोकनृत्य जैसे अनेकों माध्यमों का उपयोग किया जा सकता है। प्रगति मेले लग सकते हैं, जुलूसों, प्रभात फेरियों, पद यात्राओं, समारोह, आयोजनों, पंचायतों को उपरोक्त उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जा सकता है। उदासी हटे, उपेक्षा छटे, यथास्थिति बनाए रहने वाले आलस्य–प्रमाद का दबाव घटे तब कहीं वह उमंग उभरे जो चट्टानों को फाड़कर अपने लक्ष्य तक आगे बढ़ने का मार्ग बनाती है। प्राथमिक आवश्यकता इन दिनों इसी प्रचारात्मक प्रयोग की है, भले ही उसे कथा–वार्ताओं, सत्संग–कीर्तन जैसे धार्मिक प्रायोजनों द्वारा सम्पन्न किया जाए या आधुनिक स्तर के उन उपचार–प्रयोजनों से जो अशिक्षित स्तर के लिए ग्राम क्षेत्रों में बसी हुई जनता के गले उतर सके। प्रगति के लिए उत्साह उभारा जा सके और इसके लिए निजी प्रयास–परिवर्तन को प्रमुख आधार सिद्ध किया जा सके तो समझना चाहिए कि दरिद्रता उन्मूलन की आधी योजना सफल हो गई। शेष आधी में समर्थों का सामाजिक सहयोग शेष रह जाता है, जिसे व्यक्तिगत मानवी उदारता को जगाकर भी एक बड़े अंश में पूरा कराया जा सकता है। फिर सामाजिक संगठनों, अर्थ संस्थानों और सरकारी अनुदानों का अतिरिक्त समावेश भी जुड़ सके तो उसे सोने में सुहागा जुड़ जाने के सदृश ही कहा जाएगा। यदि इस ओर उपेक्षा अपनाई गई तो ऊपर से बरसने वाले मेघमालाएँ भी पथरीली भूमि पर हरियाली उगा नहीं सकेंगी। जो जितनी तेजी से बर्षा था उतनी ही तेजी से बहता हुआ नालों के तटबन्ध तोड़ेगा, बाढ़ जैसे विग्रह खड़े करेगा और दुर्व्यसनों की राह पर इस प्रकार धन व्यय होगा कि स्थिति पहले से भी अधिक बिगाड़कर रख दे।

विश्व में ऐसे असंख्यों उदाहरणों के इतिहास पर्वत बनकर खड़े है जिनमें नितान्त गई–गुजरी परिस्थितियों में जन्मे बालक अपने स्वाभिमान का, आत्म–गौरव का, छिपे वर्चस्व का अनुभव कर सकने में समर्थ हुए। ऊँचा उठने, आगे बढ़ने के लिए असामान्य तत्परता के साथ अपने व्यक्तित्व को, गुण–कर्म स्वभाव को इस योग्य बनाते चले गए जिनके रहते समुन्नत परिस्थितियों और तद्नुरूप व्यक्तियों के परामर्श सहयोग अनायास ही खिचते चले आए और उत्थान के अभियान में भरपूर सहायता दे सके। यही है उन सफलताओं के धनी व्यक्तियों के सार–संक्षेप जिनने खड्ड से उबरकर समतल तक पहुँचने और समतल से पर्वत शिखर पर जा पहुँचने की कीर्ति ध्वजा फहराई। यह उदाहरण किन्हीं बिरलों पर ही लागू नहीं होता वरन् देखा जाता है कि अनीति से लोहा लेते हुए हर मनस्वी को आगे बढ़ने का मार्ग इसी प्रकार मिला है। जो इस लक्ष्य की उपेक्षा करते रहे और साधनों के बाहुल्य को ही सब कुछ मानते रहे तो वे दक्षता के अभाव में पूर्वजों की संचित सम्पदा को भी अपनी कुपात्रता के कारण गँवाते हुए चले गए और राजा से रंक बन गए।

द्वितीय अध्याय में दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन एवं अध्ययन क्षेत्र का वर्णन किया गया है। साहित्य के द्वारा दरिद्र व्यक्तियों के जीवन यापन की स्थिति, क्रिया–कलाप, सामाजिक व्यवहार का ज्ञान होता है। दरिद्रता से सम्बन्धित साहित्य आर्थिक एवं सामाजिक क्रिया–कलापों का एक संग्रह माना जाता हैं।

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ मानव जीवन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं के वंचन तथा सामाजिक और आर्थिक असमानता पर आधारित है। भारतीय समाज विभिन्न धर्मों एवं वर्गों का संग्रह है। यहाँ विभिन्न मतालम्बी निवास करते हैं। धार्मिक एवं सामाजिक असमानता तथा आर्थिक विषमता के कारण उत्पन्न दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ जैसे (1) सामाजिक भेद–भाव और सामाजिक निन्दा, (2) आवास और (3) दरिद्रता की उपसंस्कृति। अर्थात् दरिद्र व्यक्तियों समस्याएँ (i) भोजन का अभाव, (ii) वस्त्रों का अभाव, (iii) आवास का अभाव, (iv) स्वास्थ्य का अभाव, (v) निरक्षरता, (vi) बेरोजगारी, (vii) ऋणग्रस्तता और बन्धुआ श्रम (vii) बालश्रम, (ix) शोषण, (x) भिक्षावृत्ति, (xi) वेश्यावृत्ति, (xii) बाल–विवाह, (xiii) पूँजीवाद, (xiv) जातिवाद, (xv) अस्पृश्यता, (xvi) मध्यपान, (xvii) नशा, (xvii) अन्याय, (xix) भ्रष्टाचार एवं (xx) प्राकृतिक आपदा हैं। जिससे दरिद्रों का जीवन दिनों दिन बद् से बद्त्तर हो रहा है।

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित अध्ययन के विकास में दरिद्रता सम्बन्धित अर्थशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों के अध्ययनों पर भी द्वितीय अध्याय में प्रकाश डाला गया है। दरिद्रता एवं दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित अध्ययन में अनेक अर्थशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों द्वारा अध्ययन करके विचार प्रकट किये गए हैं। जिनमें प्रमुख हैं– अमर्त्य सेन ने गरीबी और अकाल में, अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य अनुसन्धान संस्थान ने वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट 2012 में, अर्निका दीक्षित ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लाभान्वित परिवारों की समस्याएँ में, आनन्द कुमार ने समाज की प्राथमिक अवधारणाएँ में, आर. के. रस्तोगी ने भारतीय जनजातीय जीवन की समस्याएँ में, राष्ट्रीय शहरी गरीबी उन्मूलन में, एन. एल. गुप्ता ने दरिद्रीकरण में, काल मार्क्स ने बैसिमूल्य के सम्बोध में, खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट 2017 में, ग्रामीण विकास विभाग राजस्थान की रिपोर्ट 2017 में, जागरण वार्षिकी–2013 में, जी. वी. जोशी ने राइटिंग एण्ड स्पीच में, जवाहर लाल नेहरू ने कानपुर की गन्दी बस्तियों के लिये, दादा भाई नौरोजी ने पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया में, बीरेन्द्र कुमार शर्मा ने मानव विकास और भारत में, भारत विकास रिपोर्ट–2011 में, मानव विकास रिपोर्ट–2013 नें Mulity Poverty Index अनुमानों में, यू.एन.ओ. की रिपोर्ट 23 जून–2010 में, यू.एन.डी.पी. ने ह्यूमन डवलपमेंट रिपोर्ट में, योगेश अटल ने रोल ऑफ वैल्यू एण्ड इन्स्टीट्यूशन इन चेलेंजिज ऑफ पॉवर्टी इन इण्डिया में, योजना आयोग की राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास रिपोर्ट–2002 में, महात्मा गाँधी ने प्रन्यास सिद्धान्त में, महबूब उल–हक ने इप्लॉयमेंट एण्ड इन्कम डिस्ट्रीब्यूशन इन दि 1970 : ए न्यू पेर्सपेक्टिव में, वीरा एन्स्टे ने भारत में आर्थिक विकास में लिखा, रमेश चन्द्र शर्मा ने कृषि अर्थशास्त्र में, विश्व बैंक की विकास रिपोर्ट 2000–2001 में, विलियम विल्सन हण्टर ने इंग्लैण्ड वर्क इन इण्डिया में, सिंह एवं साधू (1983) ने इम्प्लाइमेंट ऑफ चिल्ड्रन ऑफ डिफरेंट ऑकुपेशन : स्टडी ऑफ इट्स प्रेस एण्ड कोन में, सचिन कुमार जैन ने मीडिया फॉर राइट्स में, सुरेश डी.तेन्दुलकर समिति रिपोर्ट 2011–12 में, सुभाष संतिया ने ग्रामीण विकास का आधार रोजगार में, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट फरवरी–2015में, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ फूड इन सिक्योरिटी इन द वर्ल्ड 2015 में, एस. एल. मित्तल ने भारतीय समाजशास्त्र में, संगीता यादव ने भारत में गरीबी में अपने विचार व्यक्त किए हैं। इनके द्वारा दरिद्रता सम्बन्धी अध्ययन कर परिणामस्वरूप विचार व्यक्त किए गए हैं।

तृतीय अध्याय में आर्थिक असमानता एवं दरिद्रता, विभिन्न वर्ग समूहों का सकल पारिवारिक व्यय में भाग, असमानता के मापक, दरिद्रता सूचकांक, दरिद्रता का आकलन, दरिद्रता आकलन के अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्ड, विषमता समायोजन, भारत में दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान एवं कुल दरिद्रता, भारत में दरिद्रता अनुपात, दरिद्रता उन्मूलन की योजनाएँ, मानव विकास, मानव विकास सूचकांक पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है।

चतुर्थ अध्याय में शोध प्रारूप एवं पद्धति को निरूपित किया गया है। साथ ही जनसंख्या एवं निदर्श दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के आर्थिक एवं सामाजिक तथ्यों तथा सामाजिक परिस्थितियों का वैज्ञानिक ढंग से ज्ञान, परिपक्वता तथा पूर्णतत्त्व प्राप्त करने के लिए इसमें प्रयोग तथा नियन्त्रण के आधार पर सम्बन्धित उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न किया गया है। शोधकार्य के प्रारम्भ करने से पूर्व ही इसका कार्यक्रम इस ढंग से बनाया गया है कि तथ्यों के संकलन, चयन तथा विश्लेषण से उद्देश्य की प्राप्ति हो सके।

शोध संरचना में शोध की रूपरेखा तैयार की गई तथा शोध की प्रक्रिया के अन्तर्गत शोधकार्य में उपकल्पना निर्मित कर उसका परीक्षण किया गया है। प्रतिचयन की सहायता से उपयोग में लाये जाने वाले आँकड़ों की विश्वसनीयता पर प्रसम्भावना सिद्धान्त द्वारा नियन्त्रण रखा गया है। प्रतिचयन या क्रमबद्ध चयन पद्धति की सहायता से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के समष्टि से सम्बन्धित व्यक्तिगत जिसमें अध्ययन के लिये कम से कम 1000 इकाइयों के प्रयोग की आवश्यकता पड़ी है। इस प्रकार प्रतिचयन के द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ के प्रतिदर्श को अपनी समष्टि का प्रतिनिधित्व बनाया गया है। अनुसन्धान योजना का अध्ययन प्रारंभ से अन्त तक निश्चित क्रम के अनुसार किया गया है। सामाजिक कार्य के लिए वैयक्तिक अध्ययन का चयन कर उसके द्वारा विश्वसनीय आँकड़े प्राप्त करके विश्वसनीय तथ्यों का संकलन कर परीक्षण योग्य निष्कर्ष निकाला गया है।

भारत की जनसंख्या का अलौकिक इतिहास है एवं जनसंख्या वृद्धि उसके विकास में सदैव बाधक रही है। तेजी से बढ़ रही जनसंख्या देश की महत्त्वपूर्ण समस्या है। जनसंख्या के विभिन्न गुणों में परिवर्तन से सामाजिक संरचनाओं में परिवर्तन होता है। **माल्थस** के जनसंख्या सिद्धान्त की व्याख्या के आधार पर जनसंख्या की वृद्धि ज्यामिति के अनुसार 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64,...बढ़ती है और खाद्यान्न अंकगणतीय पद्धति के अनुसार, 1, 2, 3, 4, 5, 6....बढ़ते हैं एवं 25 वर्ष में राष्ट्र की जनसंख्या दो गुनी हो जाती है। प्रत्येक 10 वर्ष उपरान्त होने वाली जनगणना से भारत की जनसंख्या की स्थितियाँ अथवा प्रवृत्तियाँ पता चलती हैं।

जनसंख्या निदर्श में अप्राचलिक विधि या प्रतिचयन की सहायता से प्रतिदर्श पर अनुसन्धान समस्या का अध्ययन किया गया है। अप्राचलिक विधि का आधार प्रतिदर्श है। दरिद्र व्यक्तियों का प्रतिदर्श समष्टि या सम्पूर्ण जनसंख्या का वह अंश है जिसमें अपनी समष्टि की समस्त विशेषताओं का स्पष्ट प्रतिबिम्ब है।

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद फर्रूखाबाद को चुना गया है। **भारतीय जनगणना–2011** के अनुसार, फर्रूखाबाद जिले का

भौगोलिक क्षेत्रफल 2181 वर्ग किलोमीटर, जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, कुल जनसंख्या 1887577 (पुरुष 1007479, स्त्रियाँ 880098) जिसमें 429990 नगरीय एवं 1457587 ग्रामीण जनसंख्या है तथा कुल साक्षर जनसंख्या 1125457 (70.57%) जिसमें पुरुष 676067(79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390 (60.51%) हैं। जनपद की कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष की जनसंख्या का कुल अनुपात 15.51 जिनमें बालक 15.43, बालिकाएँ 15.61 हैं। जनपद में तीन तहसीलें, सात विकासखण्ड, 2 नगर पालिका परिषद, 5 नगरपंचायतें, 87 न्यायपंचायतें, 513 ग्रामपंचायतें, 1009 गाँव हैं। वर्ष–2011 में कामगारों की जनसंख्या 592267 (97722 स्त्रियाँ, 494545 पुरुष) है। कुल मुख्य कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत 31.4(नगर 30.6%, ग्रामीण 31.7%) है। कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72 तथा कृषक एवं कृषि श्रमिक सहित कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। वर्ष–2015–16 में कृषक–245089 (46.0%), कृषि श्रमिक 135669 (20.40%), पारिवारिक उद्योग 43528 (5.6%), अन्य श्रमिक 167971 (28.0%) है। **दरिद्रता की रेखा से नीचे गुजारा करने वाले कुल परिवार 100600** (92100 ग्रामीण, 8500 नगरीय) जिनकी **जनसंख्या** 475111 है।

प्रतिदर्श में जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रो के दरिद्र व्यक्तियों, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है। प्रतिदर्श में चुनी गईं 1000 इकाइयों की प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 700 एवं नगरीय दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 300 है, जिनमें विकासखण्ड–बढ़पुर के 100 व्यक्ति, कमालगंज के 100 व्यक्ति, कायमगंज के 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 100 व्यक्ति, शमशाबाद के 100 व्यक्ति, राजेपुर के 100 व्यक्ति, नबाबगंज के 100 व्यक्ति हैं तथा नगर क्षेत्र–फर्रूखाबाद के 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 50 व्यक्ति, कमालगंज के 50 व्यक्ति, कायमगंज के 50 व्यक्ति, शमशाबाद के 50 व्यक्ति, कम्पिल के 50 व्यक्ति हैं। प्रतिदर्श सूची में वर्णित सभी धर्मों एवं जातियों तथा वर्गों के पुरुषों की कुल संख्या 362 एवं स्त्रियों की कुल संख्या 638 है।

समस्या के निष्कर्ष तक पहुँचने, सामान्यीकरण तथा सैद्धान्तीकरण के लिए सूचनाएँ, तथ्यों का संग्रह, संख्यात्मक एवं गुणात्मक बातें मालूम करने के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले तथ्यों के उपकरणों एवं विधियों की सहायता से संकलित किया गया है। तथ्यों के अन्तर्गत सूचनादाताओं से साक्षात्कार विधि से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित सूचनाएँ हैं। तथ्यों का तात्पर्य ऐसी सभी सूचनाओं, सामग्री एवं आँकड़ों से है जो उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रूखाबाद कार्यक्षेत्र एवं प्राथमिक स्रोतों के माध्यम से प्राप्त किये गये हैं। प्राथमिक तथ्यों के संकलन में आवश्यकतानुसार सरकारी संस्थाओं के आँकड़ों का प्रयोग किया गया है।

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए साक्षात्कार अनुसूची निर्मित करके फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित समस्याओं का अध्ययन किया गया है। साक्षात्कार प्रक्रिया में अनुसूची का उपयोग साक्षात्कार की वस्तुनिष्ट, नियन्त्रण व संरचित रूप प्रदान कर किया गया है। आँकड़ों के संकलन में साक्षात्कार अनुसूची उपकरण से विस्तृत तथा उपयोगी आँकड़े उपलब्ध हुए हैं तथा प्रस्तुत अनुसन्धान समस्या के गहन अध्ययन का भी समुचित अवसर प्राप्त हुआ है। इससे प्राप्त आँकड़ों के वर्गीकरण तथा स्पष्टीकरण में भी विशेष सुविधा रही है। अनुसूची का आकार मानक के

अनुरूप 20X12 सेमी. है तथा कागज की बनावट, स्याही एवं छपाई उत्तम प्रकार की है और उसके शीर्षक व उपशीर्षक यथास्थान पर लिखे गए हैं। प्रश्न एवं पदों की संख्या उपयुक्त है तथा अनुसूची के पृष्ठों पर दोनों ओर से न लिखकर केवल एक ओर ही लिखा गया है।

कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत अध्ययन–कर्ता द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद फर्रूखाबाद के व्यक्तियों से सम्पर्क किये जाने का विवरण है। अध्ययन–कर्ता द्वारा दरिद्र व्यक्तियों, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है, से वार्ता की गई तत्पश्चात् उपरोक्त वार्ता एवं सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अर्द्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया है। अध्ययन–कर्ता द्वारा दो वर्ष तक का समय उ. प्र. राज्य के जनपद फर्रूखाबाद के नगर क्षेत्र फतेहगढ़ एवं फर्रूखाबाद के बजाजा, दुर्गा–कालोनी एवं आवास विकास मोहल्लों में किराए पर निवास कर जनपद फर्रूखाबाद के सात विकासखण्ड की 513 में से 317 ग्रामसभाओं एवं छः नगरों के 117 वार्डस में घर–घर जाकर दरिद्र व्यक्तियों की स्थिति का अवलोकन कर वार्ता की गई तथा साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन किया गया है।

प्रस्तुत शोध में निदर्श के आधार पर यथोचित सांख्यिकीय पद्धति का प्रयोग किया गया है। सांख्यिकी के अन्तर्गत देश की राज्यबार जनसंख्या विवरण, उत्तर प्रदेश की जिलेबार जनसंख्या का विवरण, फर्रूखाबाद जनपद की विकासखण्डबार जनसंख्या का विवरण आदि के मुख्य तथ्य, प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्यों का वर्गीकरण, प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों की आयु वर्गानुसार वर्गीकरण, प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों आय का वर्गीकरण, प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों के लिंग, शिक्षा, व्यवसाय, जाति–वर्ग के अनुसार वर्गीकरण तथा साक्षात्कार में शामिल उत्तरदाताओं को अनुसूची के प्रश्न संख्या 1 से 15 तक के प्रश्नों में प्राप्त अंक एवं परिणाम तथा अनुसूची के प्रश्न संख्या 16 से 29 तक में प्राप्त अंक एवं योग का विवरण तथा अनुसूची के प्रश्न संख्या 1 से 29 तक में प्राप्त अंकों का कुल योग एवं प्रतिशत के संख्यात्मक तथ्य प्राप्त किए गए हैं। इसी अध्याय में फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों से तथ्यों का संकलन का विवरण भी है।

पंचम अध्याय में तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या का विवरण है। दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन करने हेतु ऐसे व्यक्तियों को लिया गया है जो दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों से हैं और इनके लिए प्रतिदर्श के आधार पर 1000 इकाइयों का प्रतिदर्श चुनकर अनुसूची की रचना में इसे उपयोग में लाया गया है। संपर्क के आधार पर प्रतिदर्श हेतु चुने गये 1000 व्यक्तियों की साक्षात्कार–सूची में वर्णित लोगों से सम्पर्क किया गया है तथा बातचीत एवं सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अर्द्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया है।

साक्षात्कार अनुसूची में कुल 1 से 29 तक प्रश्नों का विवरण **हैं। प्रश्न–1** से 15 तक में उत्तरदाताओं से व्यक्तिगत जानकारी हेतु प्रश्न पूँछे गए हैं। **प्रश्न–1** में उत्तरदाता की दाम्पत्य स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 2 अंक(विधवा/तलाक/विदुर/परित्यक्त–2,

वैवाहिक–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न 2** में उत्तरदाताओं के परिजनों की संख्या पूँछी गई है जिसके लिए कुल 12 अंक (सदस्य संख्या के आधार पर अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–3** में उत्तरदाताओं का व्यवसाय पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 4 अंक (भिखारी, खेतिहर मजदूर, मजदूर, बेरोजगार को क्रमशः 4, 3, 2, 1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–4** में उत्तरदाता की आय पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 4 अंक (आय सीमा रु.0–500 तक के लिए 4, रु.501–1000 तक के लिए 3, रु.1001–1500 तक के लिए 2, रु.1601–2000 तक के लिए 1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–5** में सम्पत्ति पर उत्तरदाताओं का स्वामित्त्व पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 2 अंक (हाँ–2, नहीं–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न 6** में उत्तरदाता के परिजनों की शिक्षा पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1,नहीं–0 अंक) **प्रश्न 7** में उत्तरदाताओं से उसके आश्रितों की शैक्षिक स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए 1 अंक (हाँ–1,नहीं–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न 8** उत्तरदाताओं के आश्रितों की स्वास्थ्य स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–9** में उत्तरदाता से उसके आश्रित की कुपोषण से मृत्यु के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–10** में उत्तरदाता से विद्युत उपभोग के सम्बन्ध में पूँछा है, जिसके लिए कुल 1 अंक(हाँ–0, नहीं–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–11** में उत्तरदाता के घर में शुद्ध जल उपलब्धता की स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–12** में उत्तरदाता की स्वच्छता के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–13** में उत्तरदाता की आवासीय स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1 अंक), **प्रश्न–14** में उत्तरदाता के निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करने के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0 अंक), **प्रश्न–15** में उत्तरदाता के पास मोटर चालित वाहन साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टी.वी. की सुविधा के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–16** में उत्तरदाता का आहार–भोजन पूँछा गया है। इस प्रश्न के 14 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 3 विकल्पः–पर्याप्त, कम, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 28 अंक (प्रत्येक पर्याप्त–0, कम–1, नहीं–2 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न 17** में उत्तरदाताओं के वस्त्रों की स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा गया है तथा इस प्रश्न के चार भाग और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 4 अंक (भाग–1, 3 में नहीं–1, हाँ–0, भाग–2 एवं 3 में नहीं–0, हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–18** में उत्तरदाताओं के आवास की स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के तीन भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 4 अंक (भाग–1, 2 में नहीं–1, हाँ–0, भाग–3 में नहीं–0, हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–19** में उत्तरदाताओं की स्वास्थ्य स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा है एवं इस प्रश्न के 2 भाग है और प्रत्येक भाग के लिए चार विकल्पः–सामान्य, रोगी, कमजोर, कुपोषित दिए हैं जिसके लिए कुल 6 अंक (प्रत्येक भाग कुपोषित–3, रोगी–2, कमजोर–1, सामान्य–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–20** में उत्तरदाताओं की सक्षमता पूँछी गई है और इस प्रश्न के 11 भाग हैं। प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 11 अंक (प्रत्येक भाग हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–21** में उत्तरदाताओं से योजनाओं की जानकारी के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 23 भाग है और प्रत्येक भाग के लिए 3

विकल्प–अधिक, कम, नहीं दिए हैं जिसके कुल 48 अंक (प्रत्येक भाग अधिक–2, कम–1, नहीं–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–22** में उत्तरदाताओं के आश्रितों की शिक्षा उपभोग की स्थिति पूँछी है तथा इस प्रश्न के चार भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए तीन विकल्पः–पर्याप्त, कम, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 8 अंक (प्रत्येक भाग पर्याप्त–0, कम–1, नहीं–2 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–23** में दरिद्रता के कारण जीवन–संघर्ष के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 12 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 12 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0, हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–24** में उत्तरदाताओं से अपराधों के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 10 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 10 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0, हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न 25** में उत्तरदाताओं से सरकारी योजनाओं के लाभ की स्थिति पूँछी है तथा इस प्रश्न के नौ भाग है और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 3 विकल्पः–हाँ, नहीं, कम दिए हैं जिसके लिए कुल 18 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–2, कम–1, हाँ–0 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–26** में उत्तरदाताओं के जीवन में भोजन–शिक्षा अभाव एवं गन्दगी, प्रदूषित जल के प्रभाव के सम्बन्ध में पूँछा है तथा उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 2 अंक (नहीं–0, हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–27** में उत्तरदाताओं से योजनाओं का लाभ न मिल पाने का कारण पूँछा है तथा इस प्रश्न के चार भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए 4 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0,हाँ–1 अंक) दिए गए हैं। **प्रश्न–28** में उत्तरदाताओं का मानव विकास में योगदान पूँछा है, जिसके लिए 3 अंक दिए गए हैं। **प्रश्न–29** के 11 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए 11 अंक (प्रत्येक हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। इस प्रकार **प्र. सं. 1 से 29 तक के अधिकतम अंक 2+12+4+4+2+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+28+4+3+6+11+46+8+12+10+38+2+4+3+11=200** निर्धारित कर प्रत्येक उत्तरदाता को अंक दिए गए हैं।

प्रथम प्रश्न से उन्तीसवें प्रश्न तक दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनकी समस्याएँ पूँछी गई हैं। फर्रूखाबाद जनपद के नगर– फर्रूखाबाद से 50 व्यक्ति, कमालगंज से 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद से 50 व्यक्ति, कायमगंज से 50 व्यक्ति, शमशाबाद से 50 व्यक्ति, कम्पिल से 50 व्यक्ति तथा विकास खण्ड– बढ़पुर से 100 व्यक्ति, कमालगंज से 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद से 100 व्यक्ति, कायमगंज से 100 व्यक्ति, शमशाबाद से 100 व्यक्ति, नबाबगंज से 100 व्यक्ति, राजेपुर से 100 व्यक्ति जो दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, कुल 1000 साक्षात्कारदाताओं से प्राप्त उत्तरों को वर्गीकृतकर व्याख्या की गई है और परिणामस्वरूप दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को विस्तृत रूप में जाना गया है कि, दरिद्र व्यक्ति अपने और अपने आश्रितों के जीवन को बनाए रखने के लिए जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं–रोटी, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा की पूर्ति कैसे करते हैं?

वर्तमान में लोकतान्त्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत सामान्य जन के लिए बनी राष्ट्रीय विकास की योजनाएँ एवं साधन स्वार्थी, विध्ववंशक, नाशक, धनी, ठगों एवं संगठित अपराधियों की सुख–सुविधाओं तथा आय के साधन बन गए हैं। इस सम्बन्ध में निरीक्षण तथ्य यह बताते हैं कि दरिद्र, असहाय, निरीह, पीड़ित, दुःखी, वृद्ध, बीमारी ग्रसित लोगों की पुकार

सुनने वाला कोई नहीं हैं और यदि कोई ऐसे लोगों की सहायता करने की चेष्टा भी करता है तो संगठित अपराधी उसे समूल नष्ट करने में कोई कसर बाँकी नहीं रखते हैं। अतः स्पष्ट है कि, (i) दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं में पूँजीवाद का प्रभाव है, (ii) दरिद्र व्यक्ति न्यूनतम कैलोरी प्राप्त करने हेतु आवश्यक आय जुटाने में असमर्थ रहते हैं, (iii) दरिद्र व्यक्ति और उनके प्रतिपाल्य जीवन उपयोगी आवश्यक शिक्षा से वंचित हैं, (iv) दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सामाजिक विचलन की समस्या उत्पन्न होती हैं तथा (v) दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ मानव विकास को प्रभावित करती हैं। जिसके कारण दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित जीवन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं से वंचित रहकर जीवन यापन कर रहे हैं।

षष्टम् अध्याय शोध एवं प्रबन्ध– दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ (जनपद फर्रूखाबाद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) अध्ययन का सामान्यीकरण एवं सुझाव प्रस्तुत करता है। दरिद्रता तथा दरिद्र व्यक्तियों के जीवन यापन की स्थिति और उनकी समस्याएँ दरिद्र व्यक्तियों से सम्पर्क करके और उनसे वार्ता से ही ज्ञात होती हैं। दरिद्र व्यक्ति अपने और अपने आश्रितों के जीवन को बनाए रखने के लिए जीवन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं के अभाव में किस प्रकार जीवन यापन करते हैं। इनके द्वारा द्वारा मानव जीवन की मूलभूत आवश्कताओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले अपराध प्रस्तुत किए गए हैं। दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के जीवन में रोटी, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा के वंचन से भूख, दुःख, दर्द एवं जलालत पूर्ण जीवन यापन करना अधिकांश भारतीयों की मजबूरी बनी हुई है।

भौतिक दृष्टि से दरिद्रता के अनके कारण हैं–पूँजी का अभाव, साधनों की कमी, परिस्थितियों की प्रतिकूलताएँ, प्रकृति का असहयोग, भाग्य विधान, सहयोग देने में सामर्थों की अनुदारता, प्रतिस्पर्धा, विरोधियों के व्यवधान आदि–आदि। इन सब कठिनाइयों द्वारा उत्पन्न होने वाले व्यवधानों को नकारा नहीं जा सकता। वे अड़चने अपने–अपने अवसरों पर कम बाधा नहीं पहुँचाती हों–दरिद्रता से निपटने में कम अवरोध उत्पन्न न करती हों, ऐसी बात नहीं है। इतने पर भी इस तथ्य को पत्थर की लकीर की तरह सुनिश्चित ही मान लेना चाहिए कि मनुष्य को अपनी गरिमा, क्षमता, दक्षता और समाधानों के प्रति मजबूत होना चाहिए। यह मानकर चलना चाहिए दरिद्रता का सबसे बड़ा कारण मनुष्य के अपने ही व्यक्तित्व के साथ घुला हुआ अवरोध मात्र है। अदक्ष, अनुत्साही, अव्यवस्थित, अस्त–व्यस्त व्यक्ति पिछड़ेपन से कदाचित ही कभी छुटकारा पा सके, उन्हीं जल में रहकर मीन प्यासी का उदाहरण बने रहना पड़ेगा। प्रगतिशीलों ने अपने दृष्टिकोण, क्रिया–कलाप और उत्साह को रचनात्मक प्रयोजनों के लिए, तन्मयतापूर्वक प्रयुक्त किया है साथ ही उन दुर्गुणों को छोड़ा भी है जो दूसरों की दृष्टि में अपने को हेय, उपेक्षणीय एवं हतभगी बनाते हैं–यही प्रगति एवं समृद्धि का राज मार्ग है।

(डॉ0 नीतू सिंह तोमर)

डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, वि.वि.अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा
नेशनल–इंटरनेशनल सेमिनार, कांफ्रेंस, वर्कशाप में प्रस्तुति एवं आब्सट्रेक्ट–पेपर प्रकाशन

क्र	सेमिनार–कांफ्रेंसविवरण	स्थान	तिथि	प्रस्तुतीकरण	प्रमाणपत्र	प्रस्तुति प्रकाशन कीस्थिति
1	इंटरनेशनलसेमिनाशाहजहां	एस.काले.	29.1.16	पर्यटन,व्यवसायवाद एवं मानव प्रसन्नता	30.1.16	Mumuksu Vol.9 june 17 ISSN 9765085
2	नेशनलसेमिनारशाहजहांपुर	जीएफसी	31.1.16	मानवीय मूल्यों का नैतिक महत्व	01.2.16	ISBN8188891606Pehv
3	नेश.वर्कशापपिहानी,हरदोई	जी.डी.सी	19.2.16	'भारतीय विकास में कृषि की भूमिकाःचुनौ.एवंसमस्याएँ	.2.2016	जर्नलप्रकाशननहींहुआ न ही उपलब्ध कराया
4	नेशनल सेमिनार शाहजहांपुर	एस.काले.	26.2.16	श्रीमती इंदिरा गांधी की राजनीतिक उपलब्धियाँ	26.2.16	ISSN9765085Mumuksu Vol 8 june 2016
5	नेशनलसेमिनारजलालाबाद	जी.डी.सी	27.2.16	उच्च शिक्षाः विद्या विधान और संस्थान फर्रू.जनपद कीशिक्षाकावर्तमान स्वरूप	27.2.16	Souvenir Published & Paper Pulished in IBSN978938542018
6	नेशनलसेमिनार फर्रूखाबा.	बी.डी.सी	27.2.17	'प्राकृतिक गुणवत्ता में प्रतिकूल परिवर्तन''	28.2.17	जर्नलप्रकाशननहींहुआ न ही उपलब्ध कराया
7	इंटरनेशनलसेमिनारबनारस	बी.एच.यू	02.6.16	UttarPradeshKiRajneet Aur Lok Prashashan Ka Vartman Swaroop	02.6.16	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ न ही उपलब्ध कराया
8	नेशनलसेमिनार वाराणसी	बी.एच.यू	14.9.16	वैश्वीकरण के युग में महिलाओं की समस्याएँ	15.9.16	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ
9	इंटरनेशनलकांफ्रेसवाराणस	बी.एच.यू	12.11.16	Climate Change and its Implication on crop Production& Food Security	12.11.16	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ न ही उपलब्ध कराया
10	इंटरनेशनलसेमिनारशाहजहाँ	जीएफसी	26.11.16	Climate Change and EnvironmentalIssues in Indian Context	27.11.16	Souvenir Published & FullPaper Publish in KIJEET-17 Online
11	नेशनल कांफ्रेंस लखनऊ	एल.यू.	3.03.17	शीर्षक लोकतांत्रिक सत्ता और अभिजन भूमिका	04.03.17	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ
12	नेशनल कांफ्रेंस लखनऊ	एल.यू.	23.3.17	अपराध,न्याय और दंड का वर्तमान स्वरूप	24.03.17	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ
13	नेशनल सेमिनार लखनऊ	एल.यू.	25.3.17	शीर्षक'अपराधऔर साइबर स्टाकिंग'	26.03.17	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ
14	नेशनल सेमिनार लखनऊ	एल.यू.	6.04.17	शीर्षक'उप्र.मेंग्रामीण दरिद्रताकावर्तमान स्वरूप	07.04.17	Souvenir Published जर्नलप्रकाशननहींहुआ
15	इंटरनेशनलवर्कशापअलीगढ़	एल.यू.	25.4.17	जाकिरहुसेनइंजीनि.कालेज	25.04.17	अलीगढ़विश्वविद्यालय
16	नेशनल कांफ्रेंस लखनऊ	एल.यू.	9.11.17	'भारतीयजनपदफर्रूखाबाद केनगरोंकावर्तमान स्वरूप'	12.11.17	Abtract Published in Book of IndianSo.So
17	इंटरनेशनलसेमिनाशाहजहां	एस.काले.	16.12.17	अंआतंकवाद,पर्यटनएवंआर्थिकस्वास्थ्यकेअंतर्गप्रस्तुति 'भारतमेंआतंकवाद'	17.12.17	Publiished Souvenir &FulPaper Publshed ISBN9788191066685
18	नेश.सेमिनारपिहानी,हरदोई	जी.डी.सी	271.17	'कानपुरविश्वविद्यालयसेसंबद्ध डिग्री कालेजांकी शिक्षा का वर्तमान स्वरूप'	27.1.17	Souvenir Published

दिनांक–02–02–2018 (डॉ.नीतू सिंह तोमर)

डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, वि. वि. अनुदान आयोग दिल्ली के नेशनल–इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित शोध–पत्र व आर्टिकल विवरण

क्र	प्रकाशित पत्र का शीर्षक	जर्न/बुक	प्रकार	आईएसएसएन/आईएसएसएन	वर्ष	वैल्यूम	इश्यू	पेज
1	दरिद्रता और कुपोषण	IRJMSH	अं.राष्ट्री	2277-9809(o)2348-9359(P	2015	6	4	75
2	डॉ.अम्बेडकर के व्यक्तित्व की छाप और दलितोद्धार	DBAVVP	बुक	91660556–7–8655166223859	2015	1	1	164
3	दरिद्रता कुचक्र और अर्थव्यवस्था	IRJMSH	अं.राष्ट्री	2277-9809(o)2348-9359(P	2015	6	8	86
4	खाद्य अधिकार की सुरक्षा और वितरण प्रणाली	IRJMSH	अं.राष्ट्री	2277-9809(o)2348-9359(P	2016	7	4	135
5	अपराधविकासऔरसत्यानाश	IRJMSH	अं.राष्ट्री	2277-9809(o)2348-9359(P	2016	7	7	230
6	Climate Change and its ImplicationoncropProduction & Food Security	IJAAS	अं.राष्ट्री	2395-1109eISSN2455-9709-Vanaras University	2016	2	4	2
7	उच्च शिक्षा : विद्या विधान और संस्थान फर्रू.जनपद कीशिक्षाका वर्तमान स्वरूप	BUSDEC	बुक	978-93-85420-10-8 G.D.CollegeJalala	2016	1	1	86
8	Climate Change and Environmental Issues in Indian Context	souvenir		APSF-2016& GFTCollegeShahja	2016	14-15 nov	2016	05
9	श्रीमती इंदिरागाँधी की राजनीतिकउपलब्धियाँ	MUMUKSHU	अं.राष्ट्री	0976-5085-June-16 Reffered Journal	2016	8	1	19
10	'वैश्वीकरण के युग में महिलाओं की समस्याएँ'	souvenir		IndianSociological Society & Dept.of Sociology BHU	2016	26-27 Nov	2016	111
11	उ.प्र.कीराजनीति और लोक प्रशासन का वर्तमान स्वरूप	souvenir		Social Science & Dept. of Political Science BHU	2016	14-15 Sept	2016	31
12	लोक तांत्रिक सत्ता और अभिजन भूमिका	souvenir		फोल्ककल्चरसोसा.एल.यू.4.3.17	2017	मार्च	2017	
13	अपराधऔरसाइबर स्टाकिंग			सोसलॉजीविभा.एल.यू.23.3.2017	2017	मार्च	2017	
14	अपराध,न्याय और दंड का वर्तमान स्वरूप	souvenir		फोरेसिंकसाइंस,एल.यू.25.3.2017	2017	मार्च	2017	70
15	'उप्र.में ग्रामीण दरिद्रता का वर्तमान स्वरूप	souvenir		अर्थशास्त्र,एल.यू. 6.4.17	2017	अप्रैल	2017	124
16	फर्रूखाबाद के काशीराम शहरी गरीब आवासों पर अवैध कब्जों का विवेचन	IRJMSH	अं.राष्ट्री	2277-9809(o)2348-9359(P	2016	7	12	202
17	मानवीय मूल्यों का नैतिक महत्वःएक विवेचन	P.E&HV	बुक	Nat.SemiISBN8188891606	2016	1	1	56
18	फर्रूखाबादजनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ	NJMRD	राष्ट्रीय	2455-9040-ImpactFac.5.22	2017	2	2	214
19	Climate Change & Environmental Issues.	KIJSET	अं.राष्ट्री	23485477ImpFactor176.10	2017	Sept	4	50
20	पर्यटन,व्यवसायवादएवंमानव प्रसन्नताःचुनौतियाँएवं अवसर	MUMUKSHU	अं.राष्ट्री	0976-5085-June-2017RefferedJourn	2017	9	1	490
21	भारतीयजनपद फर्रूखाबाद केनगरों का वर्तमान स्वरूप	Book of Abstract		Indian Sociology Society Sociology Department L.U	2017	Nov	9	268
22	भारतमें आतंकवाद–आब्सट्रे भारत में आतंकवाद–शोधपत्र	souvenir ITTEHW		E-Formate-Computer-CDISBN978-81-910666-85	2017 2017	Dec	सोव 1	744
23	कानपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कालेजों की शिक्षा का वर्तमान स्वरूप	souvenir		उच्चशिक्षाविभागःराजकीय डिग्री कालेज पिहानी, हरदोई	2018	Jan	सोवि	83
24	फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिकता का अध्ययन	NJMRD	राष्ट्रीय	2455-9040-ImpactFac.5.22	2017	2	3	608

दिनांक– 02–02–2018 (डॉ.नीतू सिंह तोमर)

डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित पत्राचार–सूची

क्र	तिथि	प्रापक	सन्दर्भ	क्रम	तिथि	प्रापक	सन्दर्भ	क्रम	तिथि	प्रापक	सन्दर्भ
1	7.2.15	डी.एम.फर्रू.	जनसंपर्क	51	25.1215	कुलपतिकानपु	कालेजरिपोर्ट	101	29.3.17	कुलसचिवका	यूजीसी
2	9.2.15	मुख्यसचिव	लकूलासम	52	25.1215	उच्चशि.सचिव	कालेजरिपोर्ट	102	15.4.17	सचिवमाध्यमि	सुधार
3	3.3.15	बी.एसए.फर्रू	स्कूलशिक्षा	53	14.1.16	बी.एस.ए.फर्रू.	सहयोगनिरीक्ष	103	15.4.17	सी.बी.एस.ई.	शिक्षा
4	9.3.15	राज्यपाल	गरीबीउन्मू	54	14.1.16	सचिव बेसिक	सहयोगनिरीक्ष	104	20.4.17	कुलपतिलख	सेमिनार
5	9.2.15	राष्ट्रपति	गरीबीउन्मू	55	7.3.16	डाकअधीक्षक	शिक्षा सुधार	105	20.4.17	डीनकलालख	सेमिनार
6	9.3.15	एस.पी.फर्रू	क्राइमउन्मू	56	16.3.16	प्रमुखसचिव	शिक्षा सुधार	106	20.4.17	एनसीआर.टी	शिक्षासु
7	12.3.15	जि.वि.निरी	स्कूलशिक्षा	57	16.3.16	निदेशकबेसिक	शिक्षा सुधार	107	20.4.17	लिंजीगंजहा.	शिक्षासु
8	12.3.15	सी.एम.ओ.	स्वा.व्यवस्थ	58	16.3.16	राज्यपाल उ.प्र	सुरक्षार्थव्यवस्था	108	20.4.17	टी.बीहास्पीट	शिक्षासु
9	9.4.15	श्रमअधिकारी	बन्धुआश्रम	59	16.3.16	मुख्यमन्त्री उप्र	गरीबीउन्मूलन	109	20.4.17	लोहियाहास्प	स्वास्थ्य
10	9.4.15	पशुचि.अधि.	पशुचिकित्त	60	16.3.16	राष्ट्रपति	गरीबीउन्मूलन	110	20.4.17	क्षे.उच्चशिक्षा	शिक्षा
11	9.4.15	कुषिअधिका	कृषिव्यवस्थ	61	16.3.16	प्रधानमंत्री	गरीबीउन्मूलन	111	12.6.17	संपा.न्यूजपेप	सहयोग
12	9.4.15	डी.एस.ओ.	खाद्यान्नवि	62	20.2.16	पुलिसअधीक्षक	गरीबीउन्मूलन	112	12.6.17	डूडाफर्रूखा	सहयोग
13	9.4.15	सी.डी.ओ.	जिलाविका	63	16.4.16	मण्डलायुक्त	शिक्षण सुधार	113	14.7.17	जिलाधिकारी	रिपोर्ट
14	9.4.15	जि.ग्रावि.अ	ग्रामव्यवस्था	64	16.4.16	मुख्य सचिव	शिक्षण सुधार	114	14.7.17	मुख्यमन्त्री	रिपोर्ट
15	16.3.15	जिला जज	न्यायव्यवस्-	65	8.4.16	राष्ट्रपति	शिक्षण सुधार	117	14.7.17	बी.एस.ए.	कोचिंग
16	16.3.15	जेलअधीक्षक	जेलव्यवस्था	66	84.16	प्रधानमंत्री	गरीबीउन्मूलन	116	28.7.17	आयुक्तवाणि	भ्रष्टाचा
17	11.4.15	राज्यपाल	सुरक्षा हेतु	67	8.4.16	राज्यपाल	मिड–डे–मील	117	28.7.17	मुख्यसचिव	सहयोग
18	11.4.15	जिलाधिकारी	सुरक्षा हेतु	68	8.4.16	जे.डी.बेसिकशि	मिड–डे–मील	118	28.7.17	सचिवस्वास्थ्य	सहयोग
19	24.4.15	यू.जी.सी.	वाहनव्यवस्-	69	8.4.16	बी.एस.ए.फर्रू	जाजपुरघटना	119	28.7.17	केंद्रीयस्वास्थ्य	सहयोग
20	3.6.15	एम.सी.आई	फर्जीचिकि	70	8.4.16	जिलाधिकारी	जाजपुरघटना	120	31.7.17	डाकअधीक्षक	पत्रपता
21	21.6.15	कुलसचिव	डिग्रीकाले	71	20.6.16	राज्यपाल	जाजपुरघटना	121	18.8.17	रानीराठौर	रसीद
22	24.7.15	डी.एस.ओ	राशनकार्ड	72	20.6.16	मंडलायुक्तकान	जाजपुरघटना	122	8.10.17	मुख्यमन्त्री	आख्या
23	24.7.15	खाद्यआयुक्त	राशनकार्ड	73	20.6.16	सचिव बेसिक	जाजपुरघटना	123	14.7.17	डी.आई.ओ.	कोचिंग
24	11.8.15	प्रा.रा.इ.काले	शिक्षाव्यवस्-	74	7.8.16	बी.एस.ए.फर्रू	संपर्कसहयोग	124			
25	11.8.15	प्रा.दु.न.काले	शिक्षाव्यवस्-	75	7.8.16	राज्यपाल उ.प्र	संपर्कसहयोग	125			
26	11.8.15	प्रा.भा.काले	शिक्षाव्यवस्-	76	7.8.16	शिक्षानिदेशक	संपर्कसहयोग	126			
27	11.8.15	प्रा.ब.वि.काले	शिक्षाव्यवस्-	77	7.8.16	सचिव बेसिक	संपर्कसहयोग	127			
28	11.8.15	प्रा.रा.डिकाले	शिक्षाव्यवस्-	78	7.8.16	जिलाधिकारी	संपर्कसहयोग	128			
29	21.9.15	सचिव खाद्य	फर्जीआवंट	79	10.9.16	डी.आईओ.एस	संपर्कसहयोग	129			
30	21.9.15	मुख्य सचिव	फर्जीआवंट	80	10.9.16	मुख्यसचिव	संपर्कसहयोग	130			
31	3..8.15	लेहियाहास्पी	चिकि.व्यव	81	10.9.16	मंडलायुक्तका	संपर्कसहयोग	131			
32	7.8.15	सचिवग्रा.वि.	ग्रामव्यवस्थ	82	24.9.16	निदेउच्चशिक्षा	संपर्कसहयोग	132			
33	7.8.15	जि.ग्रा.वि.अ.	ग्रामव्यवस्थ	83	6.1.17	जिलाबी.डीओ.	फर्रू.निरक्षरता	133			
34	7.8.15	बी.एस.ए.	शिक्षाव्यवस्-	84	6.1.17	जिलानगरअधि	फर्रू.निरक्षरता	134			
35	7.8.15	शिक्षानिदेशक	शिक्षाव्यवस्-	85	6.1.17	सचिवनगरवि.	फर्रू.निरक्षरता	135			
36	26.9.15	नगरआयुक्त	नगरगरीब	86	6.1.17	उपजिलाधिका	फर्रू.निरक्षरता	136			
37	26.9.15	जिलाधिकारी	नगरगरीब	87	1.3.17	प्रधानमन्त्री	फर्रू.निरक्षरता	137			
38	26.9.15	नगरअधिका	नगरगरीब	88	1.3.17	राष्ट्रपति	फर्रू.निरक्षरता	138			
39	26.9.15	मुख्य सचिव	नगरगरीब	89	1.3.17	राज्यपाल	योजनासुरक्षा	139			
40	29.9.15	राज्य चिकि.	अमा.चिकि	90	1.3.17	मुख्य सचिव	योजनासुरक्षा	140			
41	29.9.15	सी.एम.ओ.	अमा.चिकि	91	1.3.17	सचिवबेसिकशि	योजनासुरक्षा	141			
42	29.9.15	केंद्रीयस्वास्थ्य	अमा.चिकि	92	1.3.17	सचिवमाध्यमिक	योजनासुरक्षा	142			
43	18.11.15	बी.डीओ.बढ़	भ्रष्टाचार	93	9.3.17	प्रधानमन्त्री	योजनासुरक्षा	143			
44	29.11.15	अ.अजलपूर्ति	हेंडपम्प	94	9.3.17	राष्ट्रपति	योजनासुरक्षा	144			
45	7.12.15	सचिव श्रम	महिलासंरक्ष	95	9.3.17	राज्यपाल	सेमिनारव्यवस्-	145			
46	7.12.15	एस.पी.फर्रू.	महिलासंरक्ष	96	9.3.17	मुख्य सचिव	सेमिनारव्यवस्-	146			
47	25.12.15	डी.जी.पी.	महिलासंरक्ष	97	9.3.17	खाद्य सचिव	फर्जीराशकार्ड	147			
48	25.12.15	मुख्य सचिव	महिलासंरक्ष	98	9.3.17	मुख्यमन्त्री	फर्जीराशकार्ड	148			
49	25.12.15	डी.आई.जी	महिलासंरक्ष	99	29.3.17	आईसीएसआर	शिक्षासुधार	149			
50	25.12.15	महिलाआयो	महिलासंरक्ष	100	29.3.17	कुलपतिलखन	शिक्षासुधार	150			

दिनांक– – 02 –2018 (डॉ.नीतू सिंह तोमर)

तालिकाओं की सूची

शीर्षक	पृष्ठ
विभिन्न व्यय वर्गों में जनसंख्या एवं प्रतिशत भाग,औसत उपभोग,व्यय प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन	15
भारत में दरिद्रों और बहुत दरिद्रों की कुल संख्या (करोड़ व्यक्ति) एवं प्रतिशत	15
व्यक्ति के स्वास्थ्य को बनाए रखने हेतु 1 दिन के आहार में भोज्य पदार्थों की आवश्यक मात्रा	18
योजनावार औसतन गिनी–लारेन्ज अनुपात	81
विभिन्न पारिवारिक वर्ग समूहों का पारिवारिक व्यय में भाग–1983 एवं 1989–90	82
विभिन्न पारिवारिक वर्ग समूहों का सकल पारिवारिक व्यय में भाग 1989–90 से 2010 तक	83
भारत में दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान एवं कुल दरिद्र (वर्ष 1967–2012)	100
भारत में दरिद्रता अनुपात अथवा प्रतिशत	101
पंचवर्षीय योजनाएँ तथा दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ	105
भारत के राज्यवार मानव विकास सूचकांक	108
2011 की जनगणना के अनुसार भारत के शीर्ष 10 राज्य व देश की जनसंख्या में उनका प्रतिशत	117
फर्रूखाबाद जिले की जनसंख्या 2011का तहसील, ब्लाक, नगर वार विवरण के मुख्य तथ्य	133
डॉ.नीतू सिंह तोमर का फर्रूखाबाद जिले के ग्रामीण एव नगर क्षेत्रों में भ्रमण–सम्पर्क विवरण	133
सम्पर्क के आधार पर प्रतिदर्श–अनुसूची हेतु चुने गए लोगों की सूची	134
उक्त प्रतिदर्श सूची में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्य	151
भारत की जनसंख्या–2011,दरिद्रता–2014 का राज्यवार वितरण के मुख्य तथ्य	169
उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 2011 का जिलेवार विवरण के मुख्य तथ्य	170
फर्रूखाबाद जनपद के नगरों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य	174
फर्रूखाबाद जनपद के विकास खडों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य	175
निदर्शों का चयन	176
प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्यों का वर्गीकरण	177
प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों की आयु वर्गानुसार वर्गीकरण	178
प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्रों व्यक्तियों की आय–वर्गानुसार वर्गीकरण	179
प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्रों के लिंग, शिक्षा, व्यवसाय, जाति वर्गानुसार वर्गीकरण	180
अनुसूची के प्रश्न संख्या–1 से 5 तक के तथ्यों का वर्गीकरण	181
अनुसूची के प्रश्न संख्या–6 से 15 तक के तथ्यों का वर्गीकरण	182
अनुसूची के प्रश्न संख्या–16 के तथ्यों का वर्गीकरण	183
अनुसूची के प्रश्न संख्या–17 के तथ्यों का वर्गीकरण	184
अनुसूची के प्रश्न संख्या–18 के तथ्यों का वर्गीकरण	184
अनुसूची के प्रश्न संख्या–19 के तथ्यों का वर्गीकरण	184
अनुसूची के प्रश्न संख्या–20 के तथ्यों का वर्गीकरण	185
अनुसूची के प्रश्न संख्या–21 के तथ्यों का वर्गीकरण	186
अनुसूची के प्रश्न संख्या–22 के तथ्यों का वर्गीकरण	187
अनुसूची के प्रश्न संख्या–23 के तथ्यों का वर्गीकरण	188
अनुसूची के प्रश्न संख्या–24 के तथ्यों का वर्गीकरण	189
अनुसूची के प्रश्न संख्या–25 के तथ्यों का वर्गीकरण	190
अनुसूची के प्रश्न संख्या–26 के तथ्यों का वर्गीकरण	190
अनुसूची के प्रश्न संख्या–27 के तथ्यों का वर्गीकरण	190
अनुसूची के प्रश्न संख्या–28 के तथ्यों का वर्गीकरण	191
अनुसूची के प्रश्न संख्या–29 के तथ्यों का वर्गीकरण	192
प्रश्न संख्या 1 से 15 तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं परिणाम	192

प्र.सं.16(1) से 18 तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों एवं योग का विवरण	210
प्र.स.19(1) से 21(ब–7) तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों एवं योग का विवरण	228
प्र.सं.21(ब–8)–23(8) तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों व योग का विवरण	244
प्र.सं.23(9) से 25 तक तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं योग विवरण	262
प्र.सं. 26–29(9) तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं योग का विवरण	280
सेण्डलर का ए–परीक्षण सिद्धान्त के प्रयोग से प्राप्त परिणामों की तालिका	298
फर्रूखाबाद जिले में संचालित सरकारी योजनाओं के आवंटन की स्थिति	301
फर्रूखाबाद जन.के कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के निर्मित भवनों व उनके निवासियों की स्थिति	316
निरीक्षण–संपर्क अनुसार,फर्रू.जिले के काशी.शहरी गरीब आवासों के निर्मित भवनों व आबंटियों की स्थिति	316
निरीक्षण–संपर्क अनुसार, कांशीराम शहरी दरिद्र आवास फर्रू.नगर के भवनों में वर्तमान निवासियों की स्थिति	317
अध्ययन में प्रयुक्त उ.प्र. के कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राज–एडिड–स्ववित्तपोषी कालेज संख्या	323
अध्ययन में प्रयुक्त उत्तर प्रदेश के कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध फर्रूखाबाद के डिग्री कालेज	323
प्रथम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	328
द्वितीय प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	329
तृतीय प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	330
चतुर्थ प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	331
पंचम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	332
छठवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	333
सातवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	334
आठवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	335
नौवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	336
दशवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	337
ग्यारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	338
बारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	339
तेरहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	340
चौदहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	341
पन्द्रहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	342
सोलहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	343
सत्रहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	345
अठारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	346
उन्नीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	347
बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	348
इक्कीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	349
बाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	350
बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	351
इक्कीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	352
बाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	353
तेहसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	354
चौबीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	355
पच्चीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	356
छब्बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	357
सत्ताइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	358
अट्ठाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	359
उन्तीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	360

मानचित्र एवं रेखाचित्र तथा प्रारूप और परिचय (एक–दृष्टि) की सूची

शीर्षक	पृष्ठ
मानचित्र : उत्तर प्रदेश	123
मानचित्र : जनपद फर्रूखाबाद–1	125
मानचित्र : जनपद फर्रूखाबाद–2	126
मानचित्रः कांशीराम शहरी दरिद्र आवास हैवतपुर गढिया, जनपद फर्रूखाबाद, उ. प्र.	318
बारग्राफ : निदर्शों में चुने गए विकासखण्डों, नगरों एवं निदर्शों की संख्या का बारग्राफ	176
बारग्राफ : प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों की आयु वर्गानुसार वर्गीकरण	178
बारग्राफ : प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्रों व्यक्तियों की आय–वर्गानुसार वर्गीकरण	179
वक्र : लारेन्ज एवं समता रेखा	88
पारूप : साक्षात्कार अनुसूची का प्रारूप	156
परिचय : जनपद फर्रूखाबाद : परिचय एक दृष्टि में	163
परिचय : उत्तर प्रदेश : परिचय एक दृष्टि में भारत : परिचय एक दृष्टि में	166
सिद्धान्त : जनसंख्या और जनगणना में प्रयुक्त सिद्धान्त	117

भूमिका

आजादी के 70 वर्ष बाद भी दरिद्रता एक गम्भीर समस्या बनी हुई है। कोई राष्ट्र तब तक महान नहीं बन सकता जब तक उसके इतने अधिक नागरिकों का जीवन रोटी, कपड़ा और मकान से वंचित हो, जीवन संभावना कुपोषणग्रस्त हो, कम शिक्षा अवसरों तक सीमित हो, सामाजिक भेद–भाव किया जाता हो और विद्यार्थी सूर्योदय–सूर्यास्त दिशा से अज्ञान हों। आज दरिद्रों को न तो जीवन की मूलभूत वस्तुओं की प्राप्ति हो पा रही है और न ही शिक्षा के पर्याप्त अवसर सुलभ हो रहे हैं और न ही उन्हें सामाजिक, आर्थिक विकास की विविध गतिविधयों में भागीदारी का अवसर मिल रहा है। जीवन की गुणवत्ता एवं जीवन शैली में सुधार लाने वाले विकास कार्यक्रमों का लाभ पाने से दरिद्र वंचित हो रहे हैं। दरिद्रता, रोग, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता समस्याएँ गम्भीर रूप धारण कर रही हैं। स्फीतकारी प्रवृत्तियों, व्यापक भ्रष्टाचार तथा घोटालों को रोक पाने की असमर्थता से जनता में व्यापक रोष है।

भारतवर्ष में जन्म लेने के कारण मैं दीन–हीन असहाय की सहायता करना धर्म और धर्म को 'जीवन का अनुशासन' समझती हूँ। धर्म का पालन कर मनुष्य स्वयं का हित करते हुए सारी मानव जाति का भी हित करता है। हमारे देश के प्राचीन ऋषि–मुनियों ने लोगों में धर्म के प्रति आस्था जगाने के सतत् प्रयत्न किये। उन्होंने धर्म के तत्त्व, महत्त्व तथा जीवन पर उसके प्रभावों का मूल्य समझा और बताया कि धर्म के सहारे सफल जीवन यापन किया जा सकता है। संसार परिवर्तनशील है। प्रत्येक वस्तु चाहे वह मूर्त हो अथवा अमूर्त, निश्चिय ही परिवर्तनशील है। वर्तमान बदलते परिवेश में दरिद्रताग्रस्त दीन–हीन और असहाय व्यक्तियों की समस्याओं का जो रूप सामने आया है, उससे मुझे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं एवं उनके जीवन–यापन करने के तरीकों को जानने की विशेष उत्कण्ठा हुई। एतदर्थ इस विषय पर शोध कार्य करने का विचार आया और परिणामतः मैंने विश्व विद्यालय अनुदान आयोग नई–दिल्ली द्वारा संचालित डॉ. एस. राधाकृष्णनन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप ऑफ ह्यूमनटीज एण्ड सोशल साइन्स के अन्तर्गत चयन एवं प्रोपोजल शीर्षक 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ' अनुमोदन उपरान्त यह शोधग्रन्थ लिखना प्रारम्भ किया।

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के प्रति शोध प्रबन्ध लिखने के लिए मैंने विभिन्न ग्रन्थों का अध्ययन किया और फर्रूखाबाद के सात ब्लाकों की 317 ग्रामसभाओं एवं छः नगरों के 117 वार्डस में घर–घर जाकर दरिद्र व्यक्तियों से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं को संग्रहित किया। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध का सम्पूर्ण प्रतिपाद्य विषय–वस्तु विधान छः अध्यायों में विभक्त है।

प्रथम अध्याय में दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं पर विचार करते हुए उसके अर्थ की विवेचना की गई है। इसके अतिरिक्त दरिद्रता की परिभाषा, शोध के उद्देश्य, शोध उपकल्पना, दरिद्र व्यक्ति, समस्या पर विचार किया गया है।

द्वितीय अध्याय में दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन एवं अध्ययन क्षेत्र पर विचार करते हुए सम्बन्धित साहित्य का महत्त्व, दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ–भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, ऋणग्रस्तता, बन्धुआ मजदूर,

बालश्रम, भिक्षावृत्ति, पूँजीवाद, अस्पृश्यता, जातिवाद, मादक द्रव्य व्यसन, अपराध, भ्रष्टाचार, न्याय, प्राकृतिक आपदा और बाढ़ की विस्तृत मीमांसा कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं पर विभिन्न मनीषियों द्वारा किये गये अध्ययन से सम्बन्धित विषयों पर विशद प्रकाश ड़ाला गया है।

तृतीय अध्याय में आर्थिक असमानता एवं दरिद्रता, विभिन्न वर्ग समूहों का सकल पारिवारिक व्यय में भाग, असमानता के मापक, दरिद्रता सूचकांक, दरिद्रता का आकलन, दरिद्रता आकलन के अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्ड, विषमता समायोजन, भारत में दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान एवं कुल दरिद्रता, भारत में दरिद्रता अनुपात, दरिद्रता उन्मूलन की योजनाएँ, मानव विकास, मानव विकास सूचकांक का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

चतुर्थ अध्याय में शोध प्रारूप एवं पद्धति, उत्तर प्रदेश का मानचित्र और जनसंख्या, जनपद फर्रूखाबाद का मानचित्र और परिचय, जनसंख्या एवं निदर्श, जनसंख्या के आधार पर निदर्श अनुसूची हेतु चुने गए लोगों की सूची, तथ्यों का संकलन, अनुसूची, अनुसूची का प्रारूप, कार्यक्षेत्र, जनपद फर्रूखाबाद–उत्तर प्रदेश–भारत एक दृष्टि में, भारत की जनसंख्या और दरिद्रता का राज्यवार विवरण के मुख्य तथ्य, उ. प्र. की जनसंख्या का जिलेवार विवरण के मुख्य तथ्य, सांख्यकी, फर्रूखाबाद के नगरों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य, फर्रूखाबाद के विकासखण्डों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य, निदर्श का चयन, निदर्श में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्यों का विवरण, निदर्श में चुने गए व्यक्तियों आयु, आय, लिंग, शिक्षा, वर्ग अनुसार वर्गीकरण, अनुसूची के प्रश्नों के तथ्यों को वर्गीकृत किया गया है।

पंचम अध्याय में दरिद्र व्यक्तियों से संग्रहित तथ्यों का विश्लेषण करके प्राप्त आँकड़ों की व्याख्या की गई है जिसके आधार पर उपकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है।

षष्टम अध्याय में पूर्वोक्त सभी विषयों के प्रकाश में दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं की गहनीयता एवं गम्भीरता के कारणों की मीमांसा तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सामान्यीकरण एवं सुझावों को प्रस्तुत करते हुए विषय का समापन किया गया है।

मैं शोध निर्देशक डॉ. एन. सी. शुक्ल एवं प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. दया शंकर सिंह यादव सहित सी. एस. एन. पी. जी. कालेज के समस्त प्राध्यापकों कर्मचारियों और विद्यार्थियों की आभारी हूँ जिन्होंने इस शोधकार्य में योगदान प्रदान किया है। साथ ही विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, माध्यमिक–उच्चत्तर–प्राथमिक विद्यालयों, संस्थानों, समितियों के प्रबन्धतन्त्रों, प्रमुखों, अध्यापकों, कर्मचारियों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों के प्रति विशेष आभारी हूँ जिनके सहयोग से शोध कार्य सम्पन्न हो सका है। मैं विशेषकर फर्रूखाबाद जिले के पूर्व जिलाधिकारी श्री एन. के. सिंह चौहान एवं जिलापूर्ति अधिकारी श्री हिमांशु द्विवेदी की आभारी हूँ जिन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नेताओं द्वारा उत्पन्न किए गए अवरोधों के बावजूद जिला भ्रमण में सहयोग किया। अन्त में मैं फर्रूखाबाद जिले की सामान्य जनता के लिए अति विशेष आभारी हूँ जिनके स्नेहपूर्ण सहयोग और साक्षात्कार से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ संग्रहित हो सकी हैं और यह शोधकार्य पूर्ण करने में सफल हुई हूँ।

(डॉ0 नीतू सिंह तोमर)

विषयानुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण (विषय)	पृष्ठ संख्या
	शोध निर्देशक का प्रमाण–पत्र	i
	संस्थाओं–प्रधानों द्वारा दिए गए प्रमाण–पत्रों की सूची	ii
	संक्षिप्तिका	iii-xiii
	सेमिनार–काफ्रेन्स में प्रस्तुतियों की सूची	xiv
	नेशनल–इण्टरनेशनल जर्नल में प्रकाशित पत्रों की सूची	xv
	दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित पत्राचार–सूची	xvi
	तालिकाओं की सूची	xvii-xviii
	मानचित्र–ग्राफ व प्रारूप एवं परिचय एक–दृष्टि की सूची	xix
	भूमिका	xx-xxi
I.	प्रथम अध्याय– प्रस्तावना	2–17
II.	द्वितीय अध्याय– सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन एवं क्षेत्र	19–74
	i) दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ	23–66
	ii) सम्बन्धित अध्ययन	67–74
III.	तृतीय अध्याय– आर्थिक असमानता और दरिद्रता	76–108
IV.	चतुर्थ अध्याय– शोध प्रारूप एवं पद्धति	110–301
	A- i) जनसंख्या एवं निदर्श	114–151
	ii) तथ्यों का संकलन	152–160
	iii) कार्यक्षेत्र	161–173
	iv) सांख्यिकीय	174–301
	B- i) फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों से प्राप्त तथ्य	302–324
V.	पंचम अध्याय–तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	326–373
VI.	षष्टम अध्याय– सामान्यीकरण एवं सुझाव	374–384
	परिभाषित शब्दावली	385–388
	परिशिष्ट एवं सन्दर्भ–सूची	389–398

प्रथम

अध्याय

प्रस्तावना

दरिद्रता एक सर्वव्यापी समस्या है और समृद्ध देश भी इसकी चपेट से नहीं बच सके हैं। भारत में ऐसे अनेक परिवार हैं जो औसत दर्जे का जीवन व्यतीत नहीं कर पाते हैं। उनके पास पर्याप्त भोजन एवं वस्त्रों का अभाव है। प्राचीन समय में भी दरिद्रता थी, किन्तु आज जैसी भयंकर नहीं। वर्तमान समय में औद्योगिक क्रान्ति ने दरिद्रों एवं अमीरों में भीषण विषमता पैदा कर दी है। आज समूचा विश्व आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न तथा विपन्न दो भागों में बँट गया है। दरिद्रता के कारणों को ढूँढ़कर इसे दूर करने का प्रयत्न किया गया है फिर भी इससे छुटकारा पाने की कोई सम्भावना अभी नजर नहीं नहीं आती।[1]

दरिद्रता से आशय उस सामाजिक क्रिया से है, जिसमें समाज का एक भाग अपने जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर सकता। जब समाज का एक बहुत बड़ा अंग न्यूनतम जीवन–स्तर से वंचित रहता है और केवल निर्वाह–स्तर पर गुजारा करता है, तो यह कहा जाता है कि समाज में व्यापक दरिद्रता विद्यमान है।[2]

निःसन्देह दरिद्रता भारत की एक राष्ट्रीय समस्या है। दरिद्रता की समस्या व्यक्तियों के मात्र स्वास्थ्य तथा कुशलता के स्तर से ही जुड़ी नहीं है, अपितु यह व्यक्ति के जीवित रहने के लिए न्यूनतम पोषक तत्त्वों की पूर्ति से जुड़ी हुई है। फिर भी दरिद्रता स्वयं में एक सापेक्षिक अवधारणा है। वास्तव में दरिद्रता का सम्बन्ध मुख्यतः तीन तत्त्वों जैसे न्यूनतम जीवन स्तर, व्यक्ति पर आश्रित सदस्यों की संख्या और बाजार मूल्य से है। इसका अभिप्राय यह है कि जब किसी समाज के अधिकतर व्यक्तियों–परिवारों को इतना भी आर्थिक साधन प्राप्त नहीं हो पाता है कि एक क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुरूप अपने आश्रित सदस्यों के न्यूनतम जीवन स्तर को कायम रख सकें तब ऐसी स्थिति दरिद्रता की स्थिति कहलाती है। अतः दरिद्रता का तात्पर्य एक ऐसी अवस्था से है जिसमें समाज का एक भाग अपने जीवन की आधारभूत और न्यूनतम आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहता है।

वस्तुतः दरिद्रता समस्त अपराधों एवं पापों की जननी है। यह मनुष्य को न केवल निराशा के गर्त में डुबो देती है वरन् उसमें घिनौनी हीनता को भी जन्म देती है। यह दुर्भाग्य की बात है कि जहाँ पश्चिम के अनेक राष्ट्र असीम भौतिक सुखों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं वहीं आज दुनियां की 1.3 अरब दरिद्र जनसंख्या का सर्वाधिक 36% भाग भारत में है और दुनियां का हर तीसरा दरिद्र भारतीय है। इनके पास न खाने के लिए पर्याप्त भोजन है, न पहनने के लिए उपयुक्त वस्त्र और न रहने के लिए उचित आवास व्यवस्था है।[3] यही कारण है कि आज दरिद्रता हमारे देश की प्रमुखतम एवं ज्वलन्त सामाजिक समस्या है।

दरिद्रता की परिभाषा मायने रखती है, क्योंकि यह कैसे परिभाषित होगी, उससे ही यह निर्धारित होगा कि किस सीमा तक दरिद्रता मानी जाती है। परिभाषा, दरिद्रता की व्याख्या

---

1 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, तुलसी साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 74
2 दत्त गौरव व महाजन अश्वनी,दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कंपनी प्रा.लि.,रामनगर,नईदिल्ली,संस्क.55,पे.390
3. मित्तल एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, रस्तोगी स्ट्रीट, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 134

और उसके सुझाए गए समाधानों को प्रभावित कर सकती है। **रूथ लिस्टर** के अनुसार, ''हम दरिद्रता को कैसे परिभाषित करते हैं, उसी अवधारणा पर राजनीतिक, नीतिगत और शास्त्रीय बहस विवेचित होगी। यह समाधानों के निहितार्थों और व्याख्याओं की सीमा में होगी।''[4]

दरिद्रता रेखा की संकल्पना सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रथम **निदेशक लॉर्ड बॉयड ओर** ने वर्ष 1945 में की थी। उन्होंने बताया, यह रेखा बताती है कि जिन व्यक्तियों को 2300 कैलोरी का भोजन नहीं मिल पाता है उनको दरिद्रता की रेखा के नीचे माना जाना चाहिए।[5]

विश्व बैंक के पूर्व अध्यक्ष मैकनमारा के अनुसार, ''विश्व की सबसे ज्वलन्त समस्या दरिद्रता की है। विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग एक तिहाई लोग अत्यन्त दरिद्रता में जीवन–यापन करते हैं।''[6] भारत में योजना अवधि के दौरान अनेक आर्थिक विकास के बावजूद वर्ष 2004–05 में 41.6% जनसंख्या विश्वबैंक द्वारा परिभाषित 1.25 डालर प्रति व्यक्ति प्रति दिन आय की दरिद्रता रेखा से नीचे थी। जनसंख्या का यह बड़ा हिस्सा आज भी तमाम अभावों की जिन्दगी जी रहा है।[7]

लेस्टर आर. ब्राउन के अनुसार, ''दरिद्रता निराशा है, ऐसे पिता की जो दरिद्र देश में उत्पन्न हुआ है, जिसे सात व्यक्तियों के परिवार का पालन करना है पर जो बेरोजगारी की बढ़ती भीड़ में शामिल होता है और जिसके सामने बेरोज़गारी की क्षतिपूर्ति की कोई सम्भावना नहीं है। दरिद्रता लालसा है ऐसे बच्चे की जो गाँव के स्कूल के बाहर तो खेलता है पर उस स्कूल में प्रवेश नहीं कर सकता, क्योंकि उसके माँ–बाप के पास कापी–किताबें खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। दरिद्रता उन माता–पिता का शोक है जो कि बीमारी में मरते अपनों को देख सकते हैं पर इलाज नहीं करा सकते।''[8] आज भारत में असहाय, भूखे, नंगे, कुपोषित, दरिद्रता ग्रस्त दो जून की रोटी के लिए संघर्ष करते हुए करोड़ों भारतवासियों की यही स्थिति है।

अमर्त्य सेन के अनुसार, ''दरिद्रता का अर्थ यह नहीं है कि समाज का एक वर्ग अन्य वर्गों की तुलना में सापेक्ष रूप से दरिद्र है, बल्कि भौतिक कल्याण के मूल अवसरों का न होना–न्यूनतम सामर्थ्य को प्राप्त करने में असफल होना है।''[9]

गिलिन और गिलिन के अनुसार, ''दरिद्रता वह दशा है जिसमें एक व्यक्ति या तो अपर्याप्त आय अथवा मूर्खतापूर्ण व्यय के कारण अपने जीवन स्तर को इतना ऊँचा नहीं रख पाता कि उसकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमता बनी रह सके तथा उसको एवं उसके प्राकृतिक आश्रितों को अपने समाज के स्तरों के अनुसार उपयोगी ढंग से कार्य करने के योग्य बनाए रख सकें।''[10]

---

4 होलबोर्न एवं हरलाम्बोस, 2008: 214 में उद्धृत, सामाजिक समस्याएँ, राम अहूजा, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2016, पेज 22.
5. सिंह विजयपाल, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 94.
6. वही, पेज 94.
7. पुरी वी.के. एण्ड मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिकेशिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज 187
8. सिंह विजयपाल, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 96
9. वही, पेज 94.
10 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, तुलसी साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 74

गोडार्ड के अनुसार, ''दरिद्रता उन वस्तुओं की अपर्याप्त पूर्ति की दशा है जिनकी एक व्यक्ति को अपने तथा अपने आश्रितों के स्वास्थ्य एवं शक्ति बनाए रखने के लिए आवश्यकता होती है।''[11]

टॉवनसेण्ड पीटर के अनुसार, ''दरिद्रता किसी भी समाज में साधनों के त्रुटिपूर्ण वितरण का परिणाम है जिससे समाज में साधन सम्पन्न वर्ग की तुलना में दूसरा वर्ग अपनी प्राथमिक आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पाता है।''[12]

डेनिस गॉउटर के अनुसार, ''दरिद्रता और भुखमरी से गुजरने वाले लोग एक नरक जैसी स्थिति से गुजर रहे होते हैं और इसका अहसास केवल उसी व्यक्ति को हो सकता है जो उसका भुक्तभोगी हो। व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से टूटा हुआ, बीमारी और भूख से ग्रसित, प्राकृतिक विपदाओं का शिकार, अमानवीय वातावरण में रहने को मजबूर, अन्य व्यक्तियों की मेहरबानी पर निर्भर निर्धन व्यक्ति की यातना वह स्वयं ही समझ सकता है।''[13]

बीवर के अनुसार, ''दरिद्रता एक ऐसे जीवन स्तर के रूप में परिभाषित की जा सकती है जिसमें स्वास्थ्य और शरीर सम्बन्धी दक्षता नहीं बनी रहती है।''[14]

मेरियम वेस्टर शब्दकोष के अनुसा**र,** ''दरिद्रता किसी व्यक्ति की वह स्थिति है जब उसके पास आमतौर पर मान्य मात्रा में मुद्रा या भौतिक वस्तुओं का स्वामित्व नहीं हो,'' तथापि दरिद्रता केवल पर्याप्त मात्रा में आय की कमी मात्र नहीं है। इसके दूरगामी प्रभाव हैं।[15] इससे ग्रसित लोगों को अनेक अभावों एवं बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसमें भुखमरी और कुपोषण, शिक्षा एवं अन्य बुनयादी सेवाओं का अभाव, सामाजिक भेद–भाव एवं छुआ–छूत के साथ–साथ निर्णयन प्रक्रिया और राजनीतिक एवं सांस्कृतिक जीवन में भागीदारी की कमी भी शामिल है। यह गौरतलब है कि दरिद्रता को दान से दूर नहीं किया जा सकता। लोगों को सुविधाएँ देकर आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाकर ही दरिद्रता पर विजय पाई जा सकती है।

योजना आयोग के अनुसार, ''उन व्यक्तियों को दरिद्र माना जाता है जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति दिन 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी से कम उपभोग करते हैं।''[16]

विश्व बैंक के अनुसार, ''यदि कोई व्यक्ति प्रति दिन एक डालर की औसत आय अर्जित करने में असमर्थ है तो वह माना जायेगा कि वह दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहा है।''[17]

दरिद्रता एक ऐसी स्थिति है जो किसी के पास क्या है और उसके पास क्या होना चाहिए, के बीच की विसंगति का बोध कराती है। किसी के पास क्या होना चाहिए यह एक आन्तरिक रचना है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दरिद्रता के सम्बन्ध में अनुभव और अनुभूति

---

11 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, तुलसी साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज–74
12. टॉवनसेण्ड पीटर–मीनिंग ऑफ पॉवर्टी, बी.जे.एस., 1965
13 Denis Gouler, The Cruel Choice : A New Concept in The Theory of Development (New York. 1971), P.73
14 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, तुलसी साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज–74
15 सिंह विजयपाल, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 96
16 वही, पेज 94
17 वही, पेज 94

विशिष्ट और अनन्य होती है, लेकिन 'शक्तिहीनता' और 'संसाधनहीनता' की अनुभूति सभी दरिद्र व्यक्तियों में होती है। ऐसी धारणा एवं मान्यता है।[18]

हेनरी बर्सटीन–1992 ने दरिद्रता के चार आयाम बताए हैं: (i) जीविका रणनीतियों का अभाव, (ii) संसाधनों (धन, भूमि) की अगम्यता, (iii) असुरक्षा की भावना, (iv) संसाधनों के अभाव के कारण अन्य व्यक्तियों के साथ सामाजिक सम्बन्ध रखने एवं विकसित करने की अक्षमता।[19]

दरिद्रता की परिभाषा करते समय प्रायः तीन स्थितियों का उपयोग किया जाता है: (i) एक व्यक्ति को जीवित रहने के लिए कितना पैसा चाहिए, (ii) निम्नतम जीवन–निर्वाह का स्तर और (iii) समाज में कुछ व्यक्तियों के समृद्ध होने और अधिकतर के दरिद्र होने की दशाओं की तुलना। अन्तिम उपागम दरिद्रता को सापेक्षिकता और असमानता के दृष्टिकोणों से परिभाषित करता है। पहली दो परिभाषाएँ जबकि नितान्त दरिद्रता की आर्थिक अवधारणा का उल्लेख करती हैं, तीसरी उसको एक सामाजिक अवधारणा की तरह देखती हैं, अर्थात तल पर रह रहे व्यक्तियों का सम्पूर्ण राष्ट्रीय आय में हिस्से के रूप में।[20]

प्रथम मत–जीवित रहने के लिए न्यूनतम आय के सन्दर्भ में दरिद्रता को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि यह ''वह स्थिति है जो शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में, अर्थात् जीवित, सुरक्षित और निश्चिन्त रहने की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में असमर्थ है''। ये शारीरिक आवश्यकताएँ सामाजिक (अस्मिता/अहं की तुष्टि और स्वाभिमान), स्वायत्तता, स्वतन्त्रता और आत्मबोध की आवश्यकता से भिन्न है। शारीरिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए खाना एवं पोषण, घर तथा स्वास्थ्य की निवारक एवं संरक्षात्मक–बचाव सुविधाएँ न्यूनतम आवश्यकताएँ हैं। इसमें न्यूनतम आय (जो प्रत्येक समाज में भिन्न होती है) की आवश्यकता होती है, जिससे आवश्यक वस्तुएँ खरीदी जा सकें और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।[21]

यहाँ 'दरिद्रता' को 'दरिद्रता–रेखा' के द्वारा देखा जा रहा है, जिसका निर्धारण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक प्रचलित स्तर, निपुणता, बच्चों के पालन–पोषण, सामाजिक सहभागिता एवं आत्मसम्मान की सुरक्षा द्वारा किया जाता है।[22] व्यावहारिक रूप से दरिद्रता रेखा कैलोरी ग्रहण की न्यूनतम वांछनीय पोषण–स्तर से निर्धारित की जाती है। भारत में इसका निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी और शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी प्रति व्यक्ति ग्रहण से किया जाता है। इसके आधार पर प्रति माह में प्रति व्यक्ति के व्यय का हिसाब लगाया जा सकता है। तद्नुसार, वर्तमान में 368 रुपए प्रति माह आय वालों को दरिद्रता की रेखा से नीचे माना गया है, जिससे प्रति दिन 650 ग्राम अनाज ही प्रति दिन खरीदा जा सकता है।

द्वितीय मत के अनुसार, दरिद्रता भौतिक वस्तुओं और सम्पत्ति की कमी के तीन पहलू प्रकट करती है: (i) ऐसी वस्तुएँ जो शारीरिक पीड़ा से बचाती हैं और जो भूख और पनाह की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जरूरी हैं, अर्थात् वे वस्तुएँ जो जीवित रहने के लिए

18 अहूजा राम, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर, 2016, पेज 22.
19 वही, पेज 22.
20 लाल रामजी, समाजशास्त्र, रमेश पब्लिशिंग हाउस, 12–एच, न्यू दरियागंज रोड़, नई दिल्ली, वर्ष 2011, पेज–507
21 अहूजा राम, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर, 2016, पेज 22.
22 हाबर्ड बेकर, 1966, 436

आवश्यक हैं, (ii) ऐसी वस्तुएँ जो स्वास्थ्य के लिए मानव जरूरतों की पूर्ति करती हैं, अर्थात् जो पोषण प्रदान करती हैं और रोगों से बचाती हैं, (iii) ऐसी वस्तुएँ जिनकी जीवन निर्वाह के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। सामान्य शब्दों में यह मत आहार ग्रहण की न्यूनतम मात्रा तथा पर्याप्त मकान, वस्त्र, शिक्षा स्वास्थ्य की देखभाल पर बल देता है। नवम्बर 1993 के आधार पर ये ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति की 153 रुपए प्रति माह के व्यय एवं शहरी क्षेत्रों में 193 रुपए प्रति माह के व्यय करने की क्षमता का उल्लेख करता है।

ग्रोस और मिलर (1946 : 83) ने दरिद्रता को तीन कारकों के द्वारा समझाने का प्रयत्न किया हैः आय (गुप्त एवं प्रत्यक्ष), परिसम्पत्ति और सेवाओं (शैक्षणिक, चिकित्सा, मनोरंजन) उपलब्धता। परन्तु दूसरों ने दरिद्रता की अवधारणा इस परिप्रेक्ष्य से हटकर की है। उदाहरणार्थ, अमेरिका में वर्ष 1960 में दरिद्रता स्तर से नीचे रहने वाले व्यक्तियों में से 57. 6% के पास टेलीफोन, 79.2% के पास टी.वी. सेट व 72.6% के पास वाशिंग मशीन थी (बेकर 1966 : 435)। इसलिए दरिद्रता बतलाने का आधार परिसम्पत्ति या भौतिकवादी एवं सांसारिक सम्पत्ति नहीं हो सकता। इसी प्रकार दरिद्रता को 'आय' कारक से नहीं जोड़ा जा सकता। यदि 'दरों के स्तर' बढ़ जाते हैं तो लोग अपने परिवार के सदस्यों के लिए जीवन की जरूरत को भी नहीं जुटा पाते। स्पष्टतः फिर दरिद्रता को समय और स्थान से जोड़ना पड़ेगा।

तृतीय मत के अनुसार, ''प्रत्येक समाज के अनुरूप न्यूनतम जीवन स्तर से भी नीचे की स्थिति है'', या ''जीवन की आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए पैसा नहीं होना'', या ''शारीरिक आवश्यकताओं (जैसे भुखमरी, पोषणहीनता, बीमारी, कपड़े, मकान और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव) का घोर अभाव है।'' इस तरह का अभाव के निम्नतम स्तर के व्यक्तियों की जनसंख्या के दूसरे समूहों से तुलना करके आंका जाता है। इस प्रकार यह व्यक्तिपरक परिभाषा है न कि वस्तुनिष्ठ स्थितियों पर आधारित परिभाषा। दरिद्रता का निर्धारण समाज में विद्यमान मानदण्डों के द्वारा किया जाता है। **मिलर और रोबी** (1970 : 34–37) ने कहा है कि इस उपागम में दरिद्रता को सुस्पष्ट रूप से 'असमानता' माना जाता है। समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से यह परिभाषा अधिक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह दरिद्रों की जीवन दशा और उनके जीवित रहने की सम्भावनाओं पर आय की असमानता से पड़ने वाले प्रभाव बतलाती है। अत्यन्त दरिद्रता को दरिद्र व्यक्तियों के हाथ मे पैसा रख कर कम किया या मिटाया जा सकता है परन्तु, असमानता का समाधान व्यक्तियों को एक तुलनात्मक रेखा के ऊपर उठाकर नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति आयक्रम के तल पर रहते हैं, वे किसी न किसी रूप मे दरिद्र माने जाते हैं। यह स्थिति उस समय तक रहेगी जब तक समाज में स्तरीकरण अर्थात् प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं की भिन्नता के आधार पर प्रतिस्थितियों एवं भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत श्रेणीबद्धता रहेगी।

माइकल हैरिंगटन (195 8ः 83) ने दरिद्रता की परिभाषा वंचना के सन्दर्भ में की है। उनके अनुसार, दरिद्रता भोजन, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा और मनोरंजन के उन न्यूनतम स्तरों का वंचन है जो एक विशेष समाज के समकालीन प्रौद्योगिकी, विश्वास और मूल्यों के अनुरूप है। **मार्टिन रेन** (1968 : 116) ने दरिद्रता के तीन तत्त्व बतलाए हैंः भरण–पोषण, असमानता और बहिर्मुखता। भरण–पोषण जीवित रहने के अर्थ में स्वास्थ्य और कार्य करने

की क्षमता के लिए पर्याप्त साधनों के प्रबन्ध और शारीरिक सामर्थ्य को बनाए रखने की क्षमता पर बल देता है। असमानता स्तरित आय स्तर के निम्नतम स्थान पर होने वाले व्यक्तियों की स्थिति को उसी समाज में रह रहे अधिक सुविधा–प्राप्त व्यक्तियों की स्थिति में तुलना करती है। उनका वंचन तुलनात्मक होता है। बहिर्मुखता, दरिद्रता के समाज के अन्य व्यक्तियों पर होने वाले सामाजिक परिणामों को प्रकाश में लाती है। इसके साथ–साथ वह दरिद्रता के दरिद्र व्यक्तियों पर पड़ने वाले सभी परिणामों को बतलाती है।

सामाजिक दृष्टिकोण से दरिद्र व्यक्ति कुचक्र में फंस जाते हैं। दरिद्र होने का अर्थ होता है कि उन्हें दरिद्र बस्तियों में रहना पड़ेगा, वे बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाएँगे, जिसका अर्थ होता है कि न केवल उनको परन्तु बच्चों को भी कम वेतन वाली नौकरियाँ मिलेंगी या फिर नौकरियाँ मिलेंगी ही नहीं, जिसका अर्थ होता है, कि वे सदा–सदा के लिए दरिद्र रहेंगे। दरिद्र होने का यह भी अर्थ होता है कि वे घटिया खाना खाएँगे, जिसके फलस्वरूप उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा, वे या तो विकलांग या इतने दुर्बल हो जाएँगे कि वे हाथ का भारी काम नहीं कर सकेंगे, परिणामस्वरूप उन्हें अल्प वेतन का काम करना पड़ेगा, इस प्रकार वे सर्वदा दरिद्र बने रहेंगे। इस प्रकार प्रत्येक चक्र दरिद्रता से आरम्भ होकर दरिद्रता में ही समाप्त होता है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि **टौमस ग्लेडविन** (1967 : 76–77) जैसे समाजशास्त्री 'असमानता' या दरिद्रता की सामाजिक अवधारणा को अधिक महत्त्व देते हैं।[23]

दादाभाई नौरोजी ने पहली बार दरिद्रता मापन को जीने की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति से लगाया था। उन्होने दरिद्रता रेखा वर्ष 1967–68 के मूल्य पर प्रति व्यक्ति प्रति दिन विभिन्न क्षेत्रों के हिसाब से 16–35 रुपए निर्धारित की थी। उनके मूल्य निर्धारण में केवल खाने–पीने की वस्तुओं का समावेश था।[24] दाण्डेकर एवं रथ, मिन्हास, अहलूवालिया, प्रणव वर्धन ने वर्ष 1960 में दरिद्रता के अनुमान दिए। उन्होंने वर्ष 1967–68 में ग्रामीण जनसंख्या में दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान लगाए थे। बी.एस. मिन्हास का अनुमान 37.5%, पी.के. वर्धन का अनुमान 54.0%, एम.एस. अहलूवालिया का अनुमान 56.5%, बी.एम. दाण्डेकर एवं एन.के. रथ का अनुमान 40% दरिद्रता की व्यापकता थी।[25] पी.के. वर्धन के अनुसार, वर्ष 1970 के दशक में दरिद्रता रेखा से नीचे ग्रामीण व्यक्तियों की प्रतिशत संख्या में वृद्धि हुई थी। दाण्डेकर एवं रथ के अनुसार यह प्रतिशत संख्या स्थिर रही थी जबकि मिन्हास के अनुसार ग्रामीण दरिद्रों की प्रतिशत संख्या कम हुई थी। एम.एस. अहलूवालिया के अनुसार वर्ष 1956–57 के मध्य ग्रामीण दरिद्रता में कोई स्पष्ट प्रवृत्ति नहीं थी। इन अनुमानों के निष्कर्षों में भिन्नता के कारण यह कह पाना कठिन है कि योजना प्रक्रिया के कारण दरिद्रता की स्थिति में सुधार हुआ या नहीं। फिर भी, सभी अर्थशास्त्री इस बात पर सहमत थे कि जनता का एक काफी बड़ा हिस्सा दरिद्रता की रेखा से नीचे रह रहा है। योजना आयोग ने भी इस बात को स्वीकार किया कि वर्ष 1979–80 में ग्रामीण क्षेत्रों में 50.7% एवं शहरी क्षेत्रों में 38.19% जनसंख्या दरिद्रता की रेखा से नीचे थी तथा सम्पूर्ण जनसंख्या का 48.18% भाग

23. अहूजा राम, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर, 2016, पेज 25.
24 नौरोजी दादाभाई, पावर्टी एण्ड अन–ब्रिटिश रूल इन इण्डिया (लंदन 1901), पेज 1
25 पुरी वी.के. एंड मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिकेशिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज 198

दरिद्रता की रेखा से नीचे था।[26] दरिद्रता रेखा को वर्ष 1977–78 की कीमतों पर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 75 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति मास (2100 कैलोरी) परिभाषित किया गया।

राष्ट्रीय निदर्श सर्वेक्षण के 55–वें दौर (जुलाई 1999 से जून 2000) से उपलब्ध उपभोक्ता व्यय के आँकड़ो के आधार पर योजना आयोग ने दरिद्रता की व्यापकता के दो परस्पर भिन्न अनुमान प्रस्तुत किए हैं। 30 दिन की स्मृति पर आधारित उपभोक्ता व्यय के आँकड़ों के आधार पर वर्ष 1999–2000 में देश की 26.1% (27.1% ग्रामीण एवं 23.6% शहरी) जनसंख्या दरिद्रता की रेखा के नीचे थी। सात दिन की स्मृति पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में क्रमशः 24. 02% एवं 21.59% जनसंख्या तथा सम्पूर्ण देश की कुल जनसंख्या का 23.33% भाग दरिद्रता की रेखा के नीचे था।[27] राष्ट्रीय निदर्श सर्वेक्षण ने 61–वें दौर (1999–2000) दो अलग–अलग विधियों द्वारा दरिद्रता के अनुमान प्रस्तुत किए हैं। समान स्मृति विधि के आधार पर वर्ष 2004–05 में कुल 27.5% जनसंख्या (28.3% ग्रामीण, 25.7% शहरी) दरिद्रता की रेखा के नीचे थी। मिश्रित स्मृति विधि के आधार पर 21.8% (21.8% ग्रामीण एवं 21.7% शहरी) जनसंख्या दरिद्रता रेखा के नीचे थी।[28] 66–वें दौर के अनुसार, वर्ष 2009–10 में 33.8% ग्रामीण एवं 20. 9% शहरी तथा 29.8% कुल जनसंख्या दरिद्रता रेखा के नीचे थी।[29] 68–वें दौर के अनुसार, वर्ष 2011–12 में 25.7% ग्रामीण एवं 13.7% शहरी तथा 21.9% कुल जनसंख्या दरिद्रता की रेखा के नीचे थी।[30] इन भारतवासियों के पास न खाने के लिए पर्याप्त भोजन है, न पहनने के लिए वस्त्र और न रहने के लिए उचित आवास व्यवस्था है। 17% माताओं की मृत्यु बच्चे के जन्म के समय ही हो जाती है। नवजात बच्चों की मृत्यु दर सबसे अधिक है। वर्ष 2012 में यहाँ 14 लाख ऐसे बच्चों की मृत्यु हुई थी जिनकी उम्र पाँच वर्ष से कम थी।

पारिवारिक उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के आधार पर तैयार राष्ट्रीय निदर्श सर्वेक्षण के 66–वें दौर के आँकड़ों की सहायता से योजना आयोग ने यह दावा किया कि वर्ष 2004–05 से 2009–10 के मध्य पाँच वर्ष की अवधि में दरिद्रता के स्तर में गिरावट हुई है। परन्तु अधिकतर अर्थशास्त्री इन अनुमानों को स्वीकार नहीं करते। यहाँ तक कि दरिद्रता रेखा की भी इस आधार पर आलोचना की गई है कि यह रेखा बहुत कम स्तर पर परिभाषित की गई है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि दरिद्रता के स्तर में गिरावट हुई है। वस्तुतः सूचकांक के आधार पर देश की 53.7% जनसंख्या (61 करोड़ व्यक्ति) बहुआयामी दरिद्रता से पीड़ित हैं।[31]

दरिद्रता के अनुमानों पर विभिन्न विवादों के चलते, भारत सरकार ने सी. रंगराजन की अध्यक्षता में मई 2012 में एक समिति का गठन किया था जिसने जून 2014 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस समिति ने शहरी क्षेत्रों के लिए दरिद्रता रेखा को 47 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 32 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन परिभाषित किया।[32] इस परिभाषा के अनुसार, वर्ष 2011–12 में भारत के 29.5% व्यक्ति (ग्रामीण क्षेत्रों में 30.9%, शहरी

26 Government of India, Planning Commission,Sixth Five Year Plan 1980-85 (New Delhi) 1980, p.52
27 Government of India, Economic Servey 2000-2001 (New Delhi, 2001) Table 10-5, p.104
28 Government of India, Economic Servey 2007-08 (New Delhi, 2008) Table 10-4, p.243
29 पुरी वी.के. एवं मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, 2014, पेज 192
30 Government of India Economic Servy 2007-2008, Table 10-4, Page 243
31 UNDP, Human Development Report, 2011 (New York, 2011), Table 5, pp143-5
32 पुरी वी.के.एवं मिश्र एस.के.भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, आर्थिक समीक्षा 2013–14, पेज–(iiivxx)

क्षेत्रों में 26.4%) दरिद्रता रेखा से नीचे थे। इस प्रकार 2011–12 में 36.30 करोड़ व्यक्ति दरिद्रता रेखा से नीचे थे।[33] जहाँ तक दरिद्रों की संख्या का प्रश्न है, 2011–12 में 36.30 करोड़ व्यक्ति दरिद्रता रेखा से नीचे थे। इसके पूर्व 2011–12 के लिए योजना आयोग ने तेन्दुलकर समिति की विधि प्रयोग करते हुए दरिद्रता रेखा को शहरी क्षेत्रों के लिए 33 रुपए प्रति व्यक्ति व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 27 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन परिभाषित किया था। इस आधार पर, वर्ष 2011–12 में दरिद्रता रेखा से नीचे 21.9% व्यक्ति (25.7% ग्रामीण, 13.7% शहरी) थे।[34] जहाँ तक दरिद्रों की संख्या का प्रश्न है, 2011–12 में, तेन्दुलकर समिति द्वारा प्रयोग विधि अनुसार, 29.98 करोड़ व्यक्ति दरिद्रता रेखा से नीचे थे।[35] इस प्रकार, रंगराजन समिति के अनुसार, 2011–12 में दरिद्रता रेखा से नीचे लोगों की संख्या, तेन्दुलकर समिति द्वारा प्रयोग विधि के आधार पर प्राप्त संख्या की तुलना में, 9.3 करोड़ अधिक थी।

वर्ष 2004–05 में बी.पी.एल. जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 45% थी जो वर्ष 2011–12 में 17% घटकर 25.8% रह गई। इस अवधि में शहरी क्षेत्रों में बी.पी.एल. जनसंख्या 12% घटी थी। पूरे देश के आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004–05 में ग्रामीण क्षेत्रों में 32.3 करोड़ एवं शहरी क्षेत्रों में 8.1 करोड़ दरिद्र थे। 2011–12 में उनकी संख्या क्रमशः 21.7 करोड़ एवं 5.3 करोड़ थी। राज्यवार देखें तो वर्ष 2011–12 की अवधि में ओडिशा में कुल जनसंख्या के 32.6%, बिहार में कुल जनसंख्या के 34.6%, राजस्थान में कुल जनसंख्या के 14.7% दरिद्र हैं।[36]

राष्ट्रीय आयोग ने देश की जनसंख्या को उपभोग–व्यय के आधार पर छः वर्गों में बाँटने का प्रयास किया है। अत्यन्त दरिद्र वे व्यक्ति हैं जो औपचारिक दरिद्रता रेखा के तीन–चौथाई तक प्रति व्यक्ति उपभोग–व्यय करते हैं (अर्थात् वर्ष 2004–05 में 8.9 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन); **दूसरा** वर्ग उन दरिद्रों का है जो अत्यन्त दरिद्र और दरिद्र के बीच है जिनका प्रति व्यक्ति प्रति दिन उपभोग–व्यय दरिद्रता रेखा तक है (11.6 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन)। **तीसरा** वर्ग सीमान्त दरिद्रों का है जिनका उपभोग–व्यय औपचारिक दरिद्रता रेखा का 1.25 गुना है (14.6 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन) और **चौथा** दुर्बल व्यक्तियों का है, जिनका उपभोग व्यय दरिद्रता–रेखा से दुगना है (20.3 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन)। वर्ष 2004–05 में अत्यन्त दरिद्र 6.4%, दरिद्र 15.4%, सीमान्त दरिद्र 19% थे। ये तीन वर्ग मिलकर कुल जनसंख्या का 41% थे। यदि 'दुर्बल' इस वर्ग में जमा कर दिए जाएँ, तो यह कुल जनसंख्या का 77% हो जाता है। राष्ट्रीय आयोग ने 20 रुपए प्रति व्यक्ति प्रति दिन तक उपभोग व्यय करने वाले व्यक्तियों का अनुपात 77% आंका है अर्थात 83.6 करोड़ व्यक्ति जिन की आय लगभग दो डालर (क्रय शक्ति के आधार पर) कम है जनसंख्या के दरिद्र और दुर्बल वर्ग के रूप में आंके हैं।[37]

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि–(i) दरिद्रता की व्याख्या आय की उस सीमा तक कम होने के आधार पर की जाती है जिससे एक व्यक्ति अपने परिवार की न्यूनतम

33 सम–सामायिक घटना चक्र, उत्तर प्रदेश तथ्य सार 2016, एलनगंज, चर्च लेन, इलाहाबाद, वर्ष 2016, पेज 111
34 वही, पेज 110
35 वही, पेज 111
36 अहूजा राम, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 27
37 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कं.प्रा.लि.,नई दिल्ली,वर्ष 2016,सं.55,पे.272

आवश्यकताएँ पूर्ति कर पाने में अपने को असमर्थ पाता है। (ii) दरिद्रता जीवन की उस दशा की सूचक है जिसमें आवश्यकता एवं सन्तुष्टि के मध्य इतना असन्तुलन पाया जाए कि व्यक्ति अपने को अपने निकट समूह तथा समुदाय के अन्य लोगों की तुलना में दरिद्र मानने लगता है। (iii) दरिद्रता सापेक्षित अवधारणा है। दरिद्रता का कोई ऐसा निश्चित मापक नहीं है कि जिसे हर काल एवं समय पर एक ही अर्थ में प्रयोग में लाया जा सके। समाज, स्थान एवं काल के परिवर्तन के साथ–साथ दरिद्रता का सन्दर्भ भी परिवर्तित होता है। (iv) दरिद्रता व्यक्ति एवं उनके आश्रितों की कार्य क्षमता को प्रभावित करती है। (v) दरिद्रता समाज में संसाधनों के त्रृटिपूर्ण वितरण व्यवस्था का परिणाम है। दरिद्रता का सम्बन्ध समाज के विभिन्न वर्गों में आर्थिक दृष्टि से गम्भीरतम विषमताओं से है।

दरिद्रता शब्द का सभी प्रयोग करते हैं किन्तु सही अर्थ दो रूपों निरपेक्ष दरिद्रता और सापेक्ष दरिद्रता में व्यक्त किया जा सकता है।[38] किसी व्यक्ति की निरपेक्ष दरिद्रता का आशय यह है कि उसकी आय या उपभोग इतना कम है कि वह न्यूनतम भरण–पोषण स्तर से नीचे स्तर पर जीवन यापन कर रहा है। अन्य शब्दों में, मानव की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे रोटी, वस्त्र मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं चिकित्सा सेवा आदि की पूर्ति का भली–भाँति न हो पाना है। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि दरिद्रता का निरपेक्ष अर्थ उस न्यूनतम आय से है जिसकी एक परिवार के लिए आधारभूत न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवश्यक है, जिसे वह परिवार जुटा पाने में असमर्थ होता है।

सापेक्ष दरिद्रता से आशय आय की विषमताओं से है। जब दो देशों के प्रति व्यक्ति आय की तुलना करते हैं तो उसमें भारी अन्तर पाया जाता है, इसी अन्तर के आधार पर हम कह सकते हैं कि एक देश दूसरे देश से दरिद्र है। यह दरिद्रता सापेक्षिक दरिद्रता होती हैं, किन्तु भारत में दरिद्रता के निरपेक्ष विचार को ही अपनाया गया है।[39]

रोटी, कपड़ा और मकान जनता की बुनियादी आवश्यकता है। इन तीनों में भोजन सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। भोजन के बिना मनुष्य का जीवित रहना सम्भव नहीं है। अतः रोटी और रोटी देना प्रत्येक समाज और सरकार का पुनीत कर्त्तव्य है। इनकी पूर्ति किए बिना किसी भी व्यक्ति या सरकार का बना रहना असम्भव है। दूसरे यदि भोजन गुणात्मक से हीन है तो व्यक्ति का स्वास्थ्य गिर जाता है। जिससे उसकी कार्य क्षमता घट जाती है। तीसरे खाद्यान्नों का अभाव होने से उनका आयात करना पड़ता है जिससे विदेशी विनमय का अभाव हो जाता है और देश का विकास कार्य अवरूद्ध हो जाता है।[40]

हमारे लिए यह प्रश्न विचारणीय है कि पर्याप्त प्राकृतिक सम्पदा सम्पन्न राष्ट्र होते हुए भी भारत एक दरिद्र राष्ट्र है और भारतवासी दरिद्रता एवं बेरोज़गारी में जीवन–यापन कर रहे हैं। भारत में सम्पन्नता के साधन तो हैं किन्तु सम्पन्नता के इन साधनों का उचित विदोहन न हो पाने के कारण भारत के निवासी दरिद्रता में जीवन यापन कर रहे हैं।

38 सिंह विजय पाल सिंह एवं श्रीमती पूजा रस्तोगी, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 94
39 वही, पेज 95
40 वही, पेज 178

भारत में 'दरिद्रता' का कारण भी 'दरिद्रता' है अर्थात् 'दरिद्रता' दरिद्रता का कारण तथा परिणाम दोनों है। एक व्यक्ति दरिद्र है। इसलिए निश्चित रूप से उसकी आय, उपभोग स्तर, कार्यक्षमता एवं बचत कम होती है। अतः वह दरिद्र ही बना रहता है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरिद्रता के कुचक्र में फंसी हुई है। इसलिए यहाँ दरिद्रता विद्यमान है। दरिद्रता के कुचक्र को तोड़कर ही देश से दरिद्रता को दूर किया जा सकता है।[41]

भारत सरकार की आर्थिक नीतियाँ दीर्घकालीन तथा अस्पष्ट रही हैं। पिछले अनेक दशकों से **'गरीबी हटाओ'** का नारा दिया जा रहा है, किन्तु दरिद्रता में कोई बहुत अधिक कमी नहीं आयी है। हमारे भारत में आर्थिक नीतियाँ सत्ता में आया राजनीतिज्ञ अपने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए तैयार करता है। परिणाम यह होता है कि इन नीतियों का लाभ काफी बड़े जन समूह अथवा साधारण जनता को नहीं मिल पाता। यद्यपि योजनाकाल में औद्योगिक विकास की तरफ ध्यान दिया गया किन्तु आज भी देश में औद्योगिक विकास की दर काफी नीचे है। औद्योगिक क्षेत्र में उपभोग, उत्पादक एवं उद्योगों में असन्तुलन के साथ क्षेत्रीय विषमता भी विद्यमान है। उत्पादन का पैमाना भी छोटा होने की बजह से श्रम विभाजन सम्भव नहीं है एवं पूँजी की कमी के कारण भी उद्योगों का आधुनिकीकरण तथा विकास सम्भव नहीं है। इस कारण भी दरिद्रता की समस्या पूरी तरह से यथावत बनी है।

आज वक्त आ गया है कि अब हमें समाज में धन सम्बन्धी विषय से हटकर दरिद्रता के अध्ययन करने की आवश्यकता है अन्यथा भयानक दरिद्रता की चिंगारी अन्य भागों की सम्पन्नता एवं विकास के विनाश का कारण बन सकती है। **प्रो.मायर व बाल्डविन** के अनुसार, 'राष्ट्रों की दरिद्रता का अध्ययन राष्ट्रों के धन के अध्ययन से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है।' मोटे तौर पर भारत की एक चौथाई जनसंख्या वर्तमान में प्रति दिन एक डालर या 64.68 रुपए[42] से भी कम पर जीवन–निर्वाह करती है। यह एक अपरिष्कृत माप है, जो यह दर्शाता है कि प्रति दिन की भूख, दुःख और बीमारी, जिसे किसी भी मानव मात्र को नहीं झेलनी चाहिए।

पर्याप्त भोजन, वस्त्र, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के बिना भारत द्वारा मानवीय कल्याण तथा सामाजिक न्याय व वास्तविक लोकतन्त्र को प्राप्त करने की समस्त आशाएँ पूर्ण होनी असम्भव हो जाएगी। ऐसी स्थिति में समाज को यह स्मरण रखना आवश्यक है कि देश में मौजूद लगभग 36.7 करोड़ जनसंख्या की व्यापक दरिद्रता समस्या नहीं सुलझाई गई तो एक बहुत बड़ा विस्फोट देश की अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख सकता है। इस विस्फोट का सबसे बड़ा निशाना 'रहीस' ही होंगे।[43] जिन्होंने वक्त रहते दरिद्रों का खून चूसा और करोड़ों से नहाने लगे तथा विस्फोट के दौरान दरिद्रता से तंग आकर व्यक्ति हथियार उठाकर आतंकी तथा खून–खराबा को करके अमीर व्यक्तियों का जीना दुष्वार करके रख सकते हैं। अतः इस खतरनाक स्थिति से बचाव व प्रबन्धन करने की अत्यन्त आवश्यकता है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के अध्ययन में तथ्यों और निष्कर्षों को प्रस्तुत शोध में विश्लेषित कर सामाजिक जीवन के लिए उपयोगी तथ्यों को संग्रहित किया गया है।

41 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर मेरठ, वर्ष 2005, पेज 97
42 दैनिक जागरण समाचार पत्र, कानपुर संस्करण, दि.12.04.2017, पेज 11
43 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर मेरठ, वर्ष 2005, पेज 99

उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन ''**दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन**' है। अध्ययन का विस्तृत उद्देश्य यह जानना है कि **दरिद्र व्यक्ति अपने जीवन को बनाये रखने के लिए रोटी, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मानवीय आवश्यक जरूरतों की पूर्ति किस प्रकार करते हैं?** प्रस्तुत अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य निम्नांकित हैं:

1. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का आकलन।
2. दरिद्र व्यक्तियों की जीवन सम्बन्धी आवश्यक जरूरतों के अनुसार पूर्ति का वर्तमान स्वरूप।
3. दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों की पोषण सम्बन्धी समस्याओं का आकलन।
4. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के कारण होने वाला सामाजिक विचलन।
5. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के समाधान हेतु किये जाने योग्य प्रयास।
6. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के कारण मानव विकास के मार्ग में आने वाली बाधाएँ।

शोध–उपकल्पना

1. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं में पूँजीवाद का कोई प्रभाव नहीं हैं।
2. दरिद्र व्यक्ति न्यूनतम कैलोरी प्राप्त करने हेतु आवश्यक आय जुटाने में असमर्थ नहीं रहते।
3. दरिद्र व्यक्ति और उनके प्रतिपाल्य जीवन उपयोगी आवश्यक शिक्षा से वंचित नहीं हैं।
4. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सामाजिक विचलन की समस्या उत्पन्न नहीं होती।
5. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ मानव विकास को प्रभावित नहीं करती।

दरिद्र व्यक्ति

हिन्दी शब्दकोष के अनुसार, दरिद्र शब्द का **अर्थ गरीब, निर्धन, कंगाल, असहाय** है।

अधिकांश अर्थशास्त्री यह मानते हैं, कि वह व्यक्ति दरिद्र है जो दरिद्रता की रेखा से नीचे गुजर–बसर कर रहा है।

अमर्त्य सेन के अनुसार, ''दरिद्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज का एक व्यक्ति या वर्ग अन्य व्यक्तियों या वर्गों की तुलना मे सापेक्ष रूप से दरिद्र, बल्कि भौतिक कल्याण के मूल अवसरों का न होना–न्यूनतम सामर्थ्य को प्राप्त करने में असफल होना।''[44]

जे.एल.हेन्सन के अनुसार, ''न्यूनतम जीवन स्तर को बनाये रखने के लिए जितनी आय की आवश्यकता होती है, उससे कम आय हाने पर व्यक्ति को दरिद्र माना जाएगा।''

विश्व विकास रिपोर्ट–1999 के अनुसार, ''दरिद्रता न्यूनतम जीवन–स्तर को प्राप्त करने की अक्षमता है।''[45]

विश्व बैंक के अनुसार, ''यदि कोई व्यक्ति प्रति दिन एक डालर की औसत आय अर्जित करने में असमर्थ है तो माना जायेगा कि वह दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहा है।''[46]

योजना आयोग के अनुसार, ''उन व्यक्तियों की दरिद्र माना जाता है जो ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी से कम उपयोग करते हैं।''[47]

सामान्यतः दरिद्रों की तीन श्रेणियाँ–चिरकाल दरिद्र, अल्पकालिक दरिद्र एव कभी दरिद्र नहीं होती हैं। चिरकालिक दरिद्र दो प्रकार (मौसमी दरिद्र व अल्पकालिक दरिद्र) के होते हैं एवं अल्पकालिक दरिद्र दो प्रकार (मौसमी दरिद्र एवं अल्पकालिक दरिद्र) के होते हैं। मौसमी दरिद्र, दरिद्र एवं गैर–दरिद्र वर्ग के बीच में आते जाते रहते हैं, जैसे लघु किसान, मौसमी मजदूर आदि। अल्पकालिक दरिद्र वे व्यक्ति होते हैं जो सामान्यतः दरिद्र नहीं होते हैं, परन्तु कभी–कभी दुर्भाग्य का सामना करते हैं, जैसे जुआरी आदि। कभी दरिद्र नहीं वे व्यक्ति होते हैं, जिनकी आय बहुत अधिक होती हैं। जैसे–व्यवसायी, चतुर्थ एवं पंचम क्षेत्रक के लोग आदि।

स्वतन्त्रता के 70 वर्ष पश्चात् भी प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि सन्तोषजनक नहीं हुई (1.5% जो वर्ष 1951–81 के दौरान थी, से बढ़कर वर्ष 2014 में 7.4% हो गई)। कई देशों में यह पाँच या छः गुना हो गई है और जापान में यह युद्ध के तुरन्त बाद की आय से 50 गुना है। भारत में दरिद्रों और धनवानों में असमानताएँ यूरोप या जापान की तुलना में बहुत

---

44 "-------Poverty is not just a matter of being relatively poorer than others in the society, but of not having same basis opportunities of material well being the failure to have certain minmum capabilities. **A.K.Sen**

45 Poverty is th inability to attain a minmal standard living. **WDD-1990**

46 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय अर्थनीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 95.

47 वही, पेज 95.

अधिक हैं। यही नहीं ये कम होने के बजाय बढ़ रही हैं। एक सामान्य भारतीय जीवित रहने से आगे कुछ नहीं सोच सकता और अब तो केवल जीवित रहना भी सन्देह के दायरे में है।

70 वर्षों की योजनाओं के पश्चात् भी भारत अभी तक विश्व के सबसे अधिक दरिद्र देशों में से एक है। कई देशों ने जो भारत से कहीं छोटे हैं, प्रगति की है। संसार के दरिद्रों में प्रत्येक तीसरा दरिद्र व्यक्ति भारतीय है और इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही हैं। कुछ परिवर्तनीय स्थितियों जिनके कारण दरिद्र व्यक्ति एक–दूसरे से भिन्न हैं ये हैं: श्रमिक बल मे सहभागिता की मात्रा, रोजगार का प्रकार, परिवार की विशेषताएँ, वृहत समाज के ज्ञान की राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों के प्रति चेतना और राजनीति, धर्म तथा सामाजिक रीति–रिवाजों में मूल्य अभिमुखीकरण। **रोस्सी एण्ड ब्लम** (1967 : 39–41) के अनुसार, दरिद्र केवल मात्रा में एक–दूसरे से भिन्न हैं न कि स्वरूप में।

दरिद्र व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से अनुपात दरिद्रता अनुपात कहलाता है। जिसका सूत्रः

दरिद्रता अनुपात = दरिद्र व्यक्तियों की कुल संख्या/देश की कुल जनसंख्या।

तालिका–1

विभिन्न व्यय वर्गों में जनसंख्या एवं प्रतिशत भाग,औसत उपभोग,व्यय प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन[48]

क्रसं	व्यय वर्ग	1983–1994 (करोड़में)	1999–2000 करोड़में	2004–2005 (करोड़में)	प्रतिशत भाग (रूपए)	औसत उपभोग (रुपए)	व्यय प्रति व्यक्ति प्रति दिन(रुपए)
1	अत्यन्त दरिद्र(दरिद्र रेखा का 0.75 भाग से कम	10.3	8.7	7.0	11.5	8.7	6.4(9)
2	दरिद (0.75 से दरिद्रता रेखा तक)	17.2	17.4	16.7	19.2	17.3	15.4(12)
3	सीमांत दरिद्र (दरिद्र रेखा और 1.25 गुना तक)	16.8	20.0	20.7	18.8	199	19.0(15)
4	दुर्बल (दरिद्र रेखा और 1.25 से दो गुना तक)	29.0	34.9	39.2	32.4	34.8	36.0(20)
5	मध्य आय वर्ग(दरिद्र रेखा के 2 से 4 गुना तक)	13.9	16.7	21.1	15.5	16.7	19.3(37)
6	उच्च आय वर्ग(दरिद्र रेखा के 4 गुना सेअधिक)	2.4	2.6	44	2.7	2.6	4.0(93)
7	अत्यन्त दरिद्र (क्रम संख्या 1 एवं 2 का जोड़)	27.4	26.2	23.7	30.7	26.1	21.8(11)
8	सीमान्त दुर्बल (क्रम संख्या 3 एवं 4 का जोड़)	45.8	34.9	59.9	51.2	54.7	55.0(18)
9	दरिद्र और दुर्बल(क्रम संख्या 7 व 8 का जोड़)	73.2	81.1	83.6	81.8	80.7	76.7(16)
10	मध्य और उच्च आय(क्रम सं. 7 व 8 का जोड़)	16.2	19.3	25.3	18.2	19.3	23.3(46)
11	**कुल**	89.4	100.4	100.9	100	100	100.0(23)

तालिका–2

भारत में दरिद्रों और बहुत दरिद्रों की कुल संख्या(करोड़ व्यक्ति) एवं प्रतिशत[49]

क्षेत्र	1983	1993–1994	2004–5	दरिद्र% 1983	दरिद % 1993–94	दरिद % 2004–05	दरिद्रता में 1983–94	प्रतिशत परिवर्तन 1994– 2005
ग्रामीण	25.20	24.72	23.22					
दरिद्र	14.06	10.20	7.67	45.8%	37.3%	29.2%	–0.81	–0.73
बहुत दरिद्र	55.8	41.3	33.1	25.5%	15.4%	9.6%	–0.97	–0.52
शहरी	72.3	7.74	8.33					
दरिद्र	3.84	3.80	3.84	42.3%	32.3%	26.0%	–0.92	–0.59
बहुत दरिद्र	53.1	49.1	46.1	22.5%	16.0%	12.0%	–0.61	–0.36
अखिल भारत	32.4	32.46	37.55					
दरिद्र	17.90	1400	11.51	44.9%	36.0%	28.3%	–0.85	–0.70
बहुत दरिद्र	55.2	43.2	36.5	24.8%	15.5%	10.3%	–0.88	–0.48

48 स्रोतःराष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण,दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कम्पनी,नईदिल्ली,वर्ष 2016,संस्करण 55,पेज 753
49 स्रोत एस.महेंद्र व सी.रवि,गरीबी और असमानता,अखिल भारत और राज्य, 1983–2005, इक्नॉ.&पॉलिटिक्स वीकली, दि.10.2.2007

समस्याएँ

सामाजिक समस्या घटनाओं का समूह या दशा है, जिसे समाज में कुछ व्यक्ति आवांछित मानते हैं। समाज के एक वर्ग या समूह के समक्ष उत्पन्न स्थिति, जिसके हानिकारक परिणाम होते हैं और जिससे केवल सामूहिक प्रयासों से ही निबटा जा सकता है, को सामाजिक समस्या के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। (**रोनहार्ट**, 1952)। इस लिए कोई एक या कुछ व्यक्ति सामाजिक रूप से समस्याग्रस्त स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। इसकी जिम्मेदारी पूरे समाज की है। सामाजिक समस्या को ''सामाजिक आदर्श का विचलन माना गया है, जो सामूहिक प्रयत्न से ही ठीक हो सकता है।'' (**वाल्श और फरफे**, 1961 : 1)। इस परिभाषा में दो तत्त्व हैंः (i) एक स्थिति जो आदर्श से कम है, अर्थात् जो आवांछनीय या असाधारण है, (ii) जो सामूहिक प्रयत्न से ठीक हो सकती है। यद्यपि इसका निर्धारण करना सरल नहीं है कि कौन सी स्थिति आदर्श है और ऐसा कोई मापदण्ड भी नहीं है जिसे इसको जाँचने के लिए प्रयोग में लाया जा सके, फिर भी यह स्पष्ट है, कि सामाजिक आदर्श कोई मनमाना विचार या मत नहीं है और 'सामाजिक समस्या' शब्द उसी 'विषय' के लिए उपयोग किया जाता है, जिसे सामाजिक आचार–शास्त्र (जो सामूहिक सम्बन्धों में आचार–व्यवहार को सही और गलत बतलाता है) और समाज (जो सार्वजनिक कल्याण को प्रोत्साहित करता है और सार्वजनिक समस्या को बनाए रखता है) प्रतिकूल समझते हैं। विषय ऐसा भी होना चाहिए जिसका एक व्यक्ति स्वयं समाधान न कर सके। यदि किसी व्यक्ति को नौकरी चाहिए और उसको पाने के लिए उसे दूसरों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ता है, तो यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या है। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को मादक द्रव्यों के सेवन की आदत पड़ गई है और इसे छोड़ने के लिए उसे यदि किसी मनोचिकित्सीय संस्थान या सामुदायिक केन्द्र में भर्ती होना पड़ता है, तो वह भी उसकी व्यक्तिगत समस्या है। दूसरी ओर यदि किसी देश में 3–4 करोड़ व्यक्ति बेरोजगार हैं एवं कोई व्यक्ति अकेला उसके लिए प्रभावी कदम नहीं उठा सकता, तो उसके समाधान के लिए एक संगठित प्रयास की आवश्यकता है। इस प्रकार एक तरह की परिस्थिति में एक समस्या व्यक्तिगत समस्या होती है, तो दूसरी में वही एक सामाजिक समस्या।[50]

समय के साथ–साथ सामाजिक समस्याएँ बदलती हैं। जो कुछ दशकों पूर्व सामाजिक समस्या नहीं थी, वह दो दशकों बाद एक नाजुक सामाजिक समस्या बन सकती है। जैसे भारत में बीसवीं शताब्दी के 40 से पहले के दशकों में जनसंख्या विस्फोट को एक सामाजिक समस्या के रूप में नहीं देखा जाता था, परन्तु 40 के दशक में यह एक नाजुक सामाजिक समस्या बन गयी। सामाजिक परिवर्तन नई स्थितियों को जन्म देता है, जिनमें एक घटना एक सामाजिक समस्या बन जाती है। चालीस के दशक में भारत में युवा–असन्तोष जैसी कोई समस्या नहीं थी, परन्तु 50, 60 के दशकों में यह एक समस्या हो गई और 70, 80, 90 के दशकों में तो यह और गम्भीर हो गई और अब नई शताब्दी में भी यही स्थिति है।[51]

---

50 अहूजा राम, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 2
51 वही, पेज 2

करलिंगर के अनुसार, ''समस्या एक ऐसा प्रश्नवाचक वाक्य या कथन होता है जो प्रश्न करता है–दो या दो से अधिक चरों के बीच कैसा सम्बन्ध है।[52]

कूलर और मेयर्स के अनुसार, ''सामाजिक समस्या वह स्थिति है जिस व्यक्तियों की बडी संख्या आकांक्षित सामाजिक मानदण्डों से विचलन मानती है।''[53]

रेनहार्ट के अनुसार, ''सामाजिक समस्या वह स्थिति है जिससे समाज का एक खण्ड या एक बड़ा भाग प्रभावित होता है और जिसके ऐसे हानिकारक परिणाम हो सकते हैं अथवा होते हैं जिनका सामूहिक रूप से समाधान संभव है।''

हॉर्टन और लेस्ले के अनुसार, ''सामाजिक समस्या एक स्थिति है जो व्यक्तियों की एक बड़ी संख्या को ऐसे तरीकों से प्रभावित करती है जो आवांछनीय समझे जाते हैं और यह सोचा जाता है कि सामूहिक सामाजिक क्रिया के द्वारा उसके बारे में कुछ किया जा सकता है।''

52 सिंह अरूण, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल बनारसीदास, जवाहरनगर, दिल्ली,वर्ष 2013,पे.30
53 अहूजा राम, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 12

द्वितीय

अध्याय

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन एवं अध्ययन क्षेत्र

मानव जीवन के विकास एवं विस्तार में बह्मास्त्र के रुप में शोध प्रक्रिया को माना जाता है, कोई भी नया शोध कार्य एक ऐसे भवन की तरह होता है जो पूर्व में हुए शोध कार्य की नींव पर निर्मित किया जाता है, जिस प्रकार भवन की मजबूती में नींव की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है ठीक उसी प्रकार नए शोध रूपी भवन निर्माण कार्य में, पूर्व में किए गए शोध कार्य एवं उपलब्ध साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उपलब्ध साहित्य नए शोध कार्य, का आधार स्तम्भ होते हैं।

सम्बन्धित साहित्य से तात्पर्य प्रस्तुत शोध विषय '**दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं**' से सम्बन्धित उन सभी प्रकार की पुस्तकों, ज्ञान कोषों, पत्र–पत्रिकाओं, प्रकाशित एवं अप्रकाशित शोध प्रबन्धों एवं अभिलेखों आदि से है, जिनके अध्ययन से शोधकत्री को समस्या के चयन, परिकल्पनाओं के निर्माण, अध्ययन की रूपरेखा तैयार करने एवं कार्य को आगे बढ़ाने में सहायता मिली है। अर्थात् सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के बिना उचित दिशा में आगे नहीं बढ़ सकी है तथा यह जानकारी नहीं हो सकी कि प्रस्तुत विषय पर जो अनुसन्धान करना चाहती है, उस क्षेत्र में कितना अनुसन्धान हो चुका है, किस विधि से कार्य को किया जाना चाहिए अथवा कार्य को करने से किस प्रकार के निष्कर्ष प्राप्त होंगे। इस जानकारी के अभाव में न तो प्रस्तुत समस्या का निर्धारण कर पायी है और न ही शोध कार्य की रूपरेखा तैयार करके कार्य को सम्पन्न कर पायी है। अतः शोध कार्य से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन करना शोधकत्री के लिए आवश्यक रहा है। अतः शोध कार्य से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन के सन्दर्भ में,

गुड़, बार तथा स्केट्स के अनुसार, ''एक कुशल चिकित्सक के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने क्षेत्र में हो रही औषधि सम्बन्धी आधुनिक खोजों से परिचित होता रहे, उसी प्रकार शिक्षा के जिज्ञासु छात्र, अनुसन्धान क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा अनुसन्धान–कर्ता के लिए भी उस क्षेत्र से सम्बन्धित सूचनाओं एवं खोजों से परिचित होना आवश्यक है।''

डब्लू.आर.बोर्ग के अनुसार, ''किसी भी क्षेत्र का साहित्य उस आधार शिला के समान है, जिस पर सम्पूर्ण भावी कार्य आधारित होता है। यदि सम्बन्धित साहित्य के सर्वेक्षण द्वारा इस नींव को दृढ़ नहीं कर लेते तो हमारे कार्य के प्रभावहीन एवं महत्त्वहीन होने की सम्भावना रहती है अथवा उसके पुनरावृत्ति होने की भी सम्भावना रहती हैं।''

वेस्ट के अनुसार, ''व्यवहारिक दृष्टि से सारा मानव ज्ञान पुस्तकों एवं पुस्तकालयों से प्राप्त किया जा सकता है। अन्य जीवों के अतिरिक्त, जो प्रत्येक पीढ़ी को नये सिरे से प्रारम्भ करते हैं, मानव समाज अपने प्राचीन अनुभवों को संग्रहीत एवं सुरक्षित रखता है, ज्ञान के अथाह भण्डार में मानव का निरन्तर योग सभी क्षेत्रों में उसके विकास का आधार है।''

चार्टर वी. गुड के अनुसार, ''मुद्रित साहित्य के अपार भण्डार की कुन्जी अर्थपूर्ण समस्या और विश्लेषणीय परिकल्पना के स्रोतों के द्वार खोल देती है तथा समस्या के परिभाषीकरण,

अध्ययन की अवधि तथा विधि का चुनाव तथा प्राप्त सामग्री के तुलनात्मक विश्लेषण में सहायता करती है। वास्तव में रचनात्मकता, मौलिकता तथा चिन्तन के विकास हेतु विस्तृत सम्बन्धित साहित्य का गम्भीर अध्ययन आवश्यक है।''

केवल मानव ही एक ऐसा प्राणी है जो सदियों में एकत्र किए गए ज्ञान का लाभ उठा कर उस कार्य को अपने अध्ययन के आधार पर आगे बढ़ा सकता है। मानव ज्ञान के तीन पक्ष होते हैं–ज्ञान को एकत्र करना, एक–दूसरे तक पहुँचाना और ज्ञान में वृद्धि करना। यह तथ्य अनुसन्धान में विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है जो वास्तविकता के समीप लाने का निरन्तर प्रयास करता है। व्यावहारिक रूप में तो धन की भाँति सम्पूर्ण मानव ज्ञान पुस्तकों तथा पुस्तकालयों में मिल सकता है। अन्य प्राणियों से भिन्न मानव को अतीत से प्राप्त ज्ञान को प्रत्येक पीढ़ी के साथ नये रूप में प्रारम्भ करता है। ज्ञान के विस्तृत भण्डार में उसका निरन्तर योगदान प्रत्येक क्षेत्र में मानव द्वारा किए गए प्रयासों की सफलता को सम्भव बनाता है। साहित्य अध्ययन के आधार पर अनुसन्धान–कर्त्ता यह निश्चित कर सकता है कि उसके द्वारा प्रस्तावित शोध से सम्बन्धित विषयों पर विचारणीय कार्य पहले ही हो चुका है अथवा नहीं। यदि हुआ है तो किस स्तर का हुआ है और किस क्षेत्र में आगे अध्ययन किया जा सकता है।

अनुसन्धानकर्त्ता द्वारा किये जाने वाले शोध कार्य के लिए आधार भूमि पूर्व से संचित ज्ञान एवं पूर्व सम्पादित शोध होते हैं। किसी भी विषय के विकास में किसी विशेष शोध प्रारूप का स्थान बनाने के लिए शोधकर्ता को पूर्व सिद्धान्तों एवं शोधों से भली–भाँति अवगत होना चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में इस ज्ञान का भण्डार उपलब्ध है, इसकी जानकारी प्रत्येक शोधार्थी के लिए अनिवार्य होती है। इस जानकारी के अभाव में शोधकर्ता द्वारा किया जाने वाला सम्पूर्ण प्रयास दिशाहीन रहता है, ज्ञान विकास की दिशा में उसका योगदान शून्य रहता है तथा उसका समस्त प्रयास निरर्थक रहता है। अतः शोध समस्या का अन्तिम रूप में चयन करने से पूर्व शोधकर्ता को सम्बन्धित साहित्य एवं सूचनाओं का संग्रह तथा उसकी समीक्षा करना अत्यन्त आवश्यक है। सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से हमें इस बात का ज्ञान होता है कि प्रस्तावित समस्या के किन–किन पहलुओं पर सम्बन्धित कार्य पूर्व में हो चुके हैं तथा किस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। सभी अनुसन्धान विशेषज्ञ इस बात को स्वीकार करते हैं कि शोध प्रक्रिया की सबसे लम्बी सीढ़ी सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन एवं उसकी समीक्षा है।

अनुसन्धान विधि में साहित्य शब्द किसी विषय के अनुसन्धान के विशेष क्षेत्र में ज्ञान की ओर संकेत करता है जिसके अन्तर्गत सैद्धान्तिक, व्यवहारिक और शोध अध्ययन आते हैं। 'समीक्षा' शब्द का अर्थ शोध के विशेष क्षेत्र के ज्ञान की व्यवस्था करना एवं ज्ञान को विस्तृत करके दिखाना है कि उसके द्वारा किया गया अध्ययन इस क्षेत्र में योगदान होगा। साहित्य की समीक्षा का कार्य अत्यन्त सृजनात्मक एवं थकाने वाला होता है। क्योंकि शोधार्थी को अपने अध्ययन को युक्तिपूर्वक कथन प्रदान करने के लिए प्राप्त ज्ञान को विलक्षण रूप से एकत्र करना होता है। साहित्य के पुनर्निरीक्षण के दो पक्ष होते हैं। प्रथम पक्ष के अन्तर्गत, समस्या क्षेत्र में प्रकाशित सामग्री को पहचानना तथा जिस भाग से हम

पूरी तरह अवगत नहीं हैं उसको पढ़ना आता है। हम उन विचारों और परिणामों का विकास करते हैं, जिनके आधार पर अध्ययन किया जाता है। साहित्य के पुनर्निरीक्षण के शोधकर्त्ता और पढ़ने वाले दोनों के लिए लाभकारी है। शोधकर्त्ता के लिए यह उस क्षेत्र में भूमिका स्थापित करता है तथा पढ़ने वालों के लिए यह विचारों और अध्ययन के लिए आवश्यक शोधों का सारांश प्रस्तुत करता है।

'समीक्षा' और 'साहित्य' दोनों शब्दों का ऐतिहासिक विधि से विल्कुल भिन्न अर्थ है। ऐतिहासिक शोध में शोधकर्त्ता को प्रकाशित तथ्यों के पुनर्निरीक्षण की अपेक्षा बहुत कुछ स्वयं करना होता है, वह ऐसी नई जानकारी को खोजने और एकत्र करने का प्रयास करता है जो पहले कभी प्रकाशित नहीं हुई और न ही जिस पर कभी विचार हुआ। सर्वेक्षण और प्रयोगात्मक शोध की तुलना में ऐतिहासिक शोध में 'साहित्य की समीक्षा' में उपलक्षित विचार और प्रक्रिया के भिन्न अर्थ हैं। किसी भी क्षेत्र का साहित्य उसकी नींव बनाता है, जिसके ऊपर भविष्य का कार्य किया जाता है। यदि हम साहित्य की समीक्षा द्वारा प्रदान किए गए ज्ञान की नींव बनाने में असमर्थ होते हैं तो हमारा कार्य सम्भवतया तुच्छ और प्रायः उस कार्य की नकल मात्र ही होता है जो पहले किसी के द्वारा किया जा चुका है।

सर्वेक्षण और प्रायोगिक शोध में साहित्य की समीक्षा तथ्यों को एकत्र करके पहले से ही तैयार किए गए कार्यों की विभिन्नता को प्रदान करता है। इस शोध विधियों में साहित्य का पुनर्निरीक्षण, नए विषयों में एकत्र किए गए नए तथ्यों से किए जाने वाले नए अध्ययनों के लिए अतीत से प्राप्त सन्दर्भों को जाने के लिए किया जाता है। ऐतिहासिक विधि में हम अतीत को कभी भी अस्वीकार नहीं करते और उसमें साहित्य की समीक्षा ही तथ्यों को एकत्र करने की विधि है। इस सन्दर्भ में प्रयुक्त किए गए साधन शोध के 'आधार' तथा पुनर्निरीक्षित की गई सामग्री 'तथ्य' होते हैं। अतः ऐतिहासिक शोध में साहित्य के पुनर्निरीक्षण का प्राथमिक कार्य शोध तथ्य प्रदान करता है।

अनुसन्धान को अपने क्षेत्र तथा समस्या से सम्बन्धित पूर्व में हो चुके अनुसन्धान का सर्वेक्षण करने से कई लाभ मिलते हैं। उसे यह बोध होता है कि समस्या से सम्बन्धित अनुसन्धानों में शोधार्थी ने किस न्यादर्श का किस प्रकार चयन किया है। शोध हेतु प्रत्येक उपकरण का तो उसे ज्ञान होता है साथ ही विभिन्न शोधकर्त्ताओं ने कौन–कौन चरों का एवं कौन–कौन उद्देश्यों की प्राप्त के लिए अध्ययन अथवा प्रयास किए, इसका भी ज्ञान प्राप्त होता है। परिकल्पनाओं के सत्यापन हेतु प्रयुक्त सांख्यिकी विश्लेषण व प्राप्त निष्कर्षों की जानकारी भी मिलती है, जिससे शोघार्थी को अछूते पक्षों में शोधकार्य करने की सूझ भी प्राप्त होती है। इस प्रकार सम्बन्धित शोध का अध्ययन शोध कार्य प्रारम्भ करने की पहली सीढ़ी है। साहित्य का पुनरावलोकन करने के बाद ही शोधार्थी अपने कार्य की आधारशिला रख सकते हैं।

सम्बन्धित साहित्य का महत्त्व

प्रस्तुत शोध में सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन शोध–प्रबन्ध एक अध्याय के निर्माण अथवा ग्रन्थ सूची के तैयार करने के लिए नहीं किया गया है, अपितु अनुसन्धान के सभी स्तरों पर इसका अध्ययन सहायक हुआ है। प्रस्तुत समस्या का चुनाव और समस्या के परिभाषीकरण, विश्लेषण एवं परिकल्पनाओं के निर्माण, अध्ययन की सीमा के निर्धारण, अध्ययन की रूपरेखा तैयार करने, न्यायदर्श के चुनाव, आँकड़ों के संग्रह एवं सारणीयन सांख्यिकी विधियों के प्रयोग एवं निष्कर्ष निकालने में यह महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। अतः सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन का महत्व निम्न कारणों से स्पष्ट होता है–

1. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन ने अध्ययन–कर्ता को अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचाया है।

2. यह सभी प्रकार के शोध कार्यों का आधार है, क्योंकि इसकी सहायता से सम्बन्धित क्षेत्र में हो चुके कार्य की जानकारी मिली है।

3. पूर्व में किये गये शोध कार्य के आँकड़ों तथा विधि वर्तमान अध्ययन में सहायक हुए हैं।

4. सम्बन्धित कार्य की जानकारी हो जाने पर समस्या के चुनाव विश्लेषण एवं कथन में आसानी हुई है जिससे अध्ययन–कर्ता के समय की बचत हुई है।

5. पूर्व में किए गये कार्य का अध्ययन करके शोधार्थी त्रुटियों के प्रति सावधान रही है, जिससे उसका कार्य अधिक उपयोगी सिद्ध हुआ है।

6. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन ने इस तथ्य से अवगत कराया है कि शोधार्थी द्वारा किये प्रस्तुत कार्य किस सीमा तक सफल होगा एवं इसके निष्कर्षों की उपयोगिता क्या होगी।

यद्यपि सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन शोधकर्ता के लिए प्रस्तुत विषय में अत्यन्त आवश्यक और महत्त्वपूर्ण रहा है। परन्तु उसका सर्वेक्षण करते समय सावधान रहना पड़ा है। जैसे अध्ययन काल में समस्या के प्रति शोधार्थी के मन में पक्षपात का भाव आ जाता है, जिससे सम्पूर्ण प्रक्रिया के निष्कर्षों से स्वयं के द्वारा किये गये कार्य का विश्लेषण करते समय पूर्व शोध कार्य की अवधारणाएँ एवं न्यायदर्श की विशेषताओं पर ध्यान दिया गया है।

(अ) दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ

निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या गुणात्मक उन्नति की समस्त योजनाओं की जड़ खोदती हुई जान पड़ रही है। कोई मनुष्य दुःखी है तो कोई सुखी है परन्तु उसकी गणना आज एक संख्या के रूप में मानी जाती है। आज का मनुष्य परेशान है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देखा जाय तो मानव प्रत्येक क्षण दुःखी प्रतीत होता है। मनुष्य की इसी दुःखपूर्ण स्थिति को देखकर कुछ दार्शनिकों का मन दया से द्रवित हो गया और उन्होंने दीन–दुःखियों की सेवा करने को मानव–जीवन का चरम लक्ष्य घोषित किया। इस स्थिति में मानवतावाद की झलक मिलती है। मानवतावादी विचारक मानव को दुःखों से छुटकारा देने का उपाय ढूँढ़ता है, दुःख के कारणों पर विचार करता है और कुछ समाधान प्रस्तुत करता है। इस प्रकार वह मनुष्य को इस भीड़–भाड़युक्त संसार में भी अकेला देखता है और उसमें निराशा, कुण्ठा, संत्रास, चिन्ता आदि को देखकर मनुष्य की दयनीय स्थिति पर विचार करने लगता है।[54]

भारत में दरिद्रता का साम्राज्य है। व्यक्तियों के पास खाने को भोजन नहीं है और पहनने को वस्त्र नहीं हैं। एक ओर अत्यधिक दरिद्र हैं तो दूसरी ओर पूँजीपति और अधिक धनी होते जा रहे हैं। व्यक्तियों के रहन–सहन की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। बहुत–से व्यक्ति गन्दी झोपड़ियों में ही अपना पूरा जीवन काट देते हैं। आदर्शों एवं विश्वासों में भी शिथिलता आ गई है। व्यक्तियों में स्पष्ट चिन्तन का अभाव है। धार्मिक विश्वास टूट रहे हैं। पुराने विचार समाप्त हो रहे हैं। समाज के पुराने आदर्श एवं पुरानी परम्पराएँ लुप्त हो रही हैं किन्तु उनका स्थान नये आदर्श ले रहे हैं। एक प्रकार की विचारशून्यता की स्थिति है। इसलिए भ्रष्टाचार भी शनैः–शनैः समाज में छाता जा रहा है। संयुक्त परिवार नष्ट हो रहे हैं या फिर कलह के घर बनते जा रहे हैं।[55]

देश में बाल–विवाह का प्रचलन अभी भी है। ग्रामीण समाज में विधवा–विवाह अभी भी निन्दनीय है। अनमेल विवाहों का भी खूब चलन है। देहज–प्रथा से व्यक्ति परेशान हैं। आर्थिक दृष्टि से भी संकट है। मँहगाई दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। आबादी दिन प्रति दिन बढ़ती जी रही है और अन्नोत्पादन घट रहा है। इच्छाएँ एवं महत्त्वकांक्षाएँ बढ़ती जा रही हैं। जीवन–स्तर ऊँचा उठाने के प्रयत्न में सभी हैं किन्तु आय कम है। इस अन्तर को अनेक व्यक्ति अनैतिकता की कमाई से पूरा कर रहे हैं। अनेक लोग अभी भी ब्रिटिश शासन काल की देनों की उपासना कर रहे हैं।[56] हिन्दी राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में संविधान में स्वीकृत है किन्तु अभी भी अनेक व्यक्ति अंग्रेजी के मोह में फँसे हुए हैं। इस प्रकार आज का भारत संक्रान्ति काल से गुजर रहा है और सामान्यजनों का जीवन अस्त–व्यस्त है।

दरिद्र व्यक्ति की समस्याएँ ऐसी समस्याएँ हैं, जिसमें दरिद्र व्यक्ति अपने जीवन की मूल मानवीय आवश्यकताओं को पूरा कर पाने में असमर्थ रहता है। ये मूल आवश्यकताएँ– पर्याप्त पौष्टिक आहार प्राप्त करना, रहने के लिए उपयुक्त स्थान, पहनने के लिए मौसम

54 मंगल के.पी. एवं आर.एन.सिंह, यू.जी.सी.बी.एड.दिग्दर्शन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2, वर्ष 2010, पेज 194
55 वही, पेज 313
56 वही, पेज 313

अनुरूप वस्त्र की उपलब्धता, शिक्षा पाने शिक्षण साधनों की उपभोग तथा परिहार्य बीमारियों से बचने की क्षमता एवं उचित चिकित्सा आदि का वंचन हैं।

दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित जिन महत्त्वपूर्ण समस्याओं का सामना करते हैं वे हैं : (1) सामाजिक भेद–भाव और सामाजिक निन्दा, (2) आवास और (3) दरिद्रता की उपसंस्कृति।[57] अर्थात् दरिद्र और उनके आश्रित (i) भर पेट भोजन का अभाव, (ii) मौसम अनुकूल वस्त्रों का अभाव, (iii) रहने के लिए आवास का अभाव, (iv) सामान्य स्वास्थ्य का अभाव, (v) निरक्षरता, (vi) बेरोजगारी, (vii) ऋण ग्रस्तता, (viii) बन्धुआ मजदूरी (ix) बालश्रम, (x) शोषण, (xi) भिक्षावृत्ति, (xii) वैश्यावृत्ति, (xiii) बाल–विवाह, (xiv) पूँजीवाद, (xv) जातिवाद, (xvi) अस्पृश्यता, (xvii) मध्यपान, (xviii) नशा, (xix) अन्याय, (xx) भ्रष्टाचार तथा (xxi) प्राकृतिक आपदा आदि समस्याओं से ग्रसित हैं।

निम्न प्रति व्यक्ति आय, निम्न भोजन स्तर, सन्तुलित भोजन का अभाव, घटिया मकान और रहन सहन की बुरी दशाएँ–ये सभी स्वास्थ्य के स्तर को नीचा रखने की ओर ही क्रियाशील होती हैं। इस घटनाचक्र की अभिव्यक्ति जीवन की निम्न प्रत्याशा और उच्च मृत्यु–दर में पायी जाती है। भारत में वर्ष 2009 में औसत प्रत्याशित आयु 65.8 वर्ष थी जबकि चीन में 73.7 वर्ष, कोरियन गणराज्य में यह 80 वर्ष थी। इसी प्रकार भारत की शिशु मृत्यु–दर वर्ष 2010 में 63 प्रति हजार थी जबकि चीन में 18, कोरियन गणराज्य में 4 थी।[58]

भारत में लगभग 25 से 40% जनसंख्या कुपोषण की शिकार है। भारतीय भोजन में प्रति दिन औसतन 44 ग्राम प्रोटीन प्राप्त होती है जबकि उन्नत देशो में यह मात्रा तिगुनी है। भारत में वर्ष 1960 में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धि 46 किलोग्राम थी जो वर्ष 1997–98 में बढ़ कर 75 किलोग्राम हो गई है, परन्तु यह अब भी विकसित देशों की तुलना में कम है। वर्ष 1996 में 85% जनसंख्या को पीने का सुरक्षित पानी प्राप्त था। इसके कारण जनता की बीमारियों का मुकाबला करने की शक्ति कम हा जाती है और यह तत्त्व भारतीय श्रमिकों की निम्न कुशलता के लिए एक हद तक जिम्मेदार है।[59]

आवासों के सम्बन्ध में भी तस्वीर उतनी ही निराशाजनक है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 52% परिवार स्थायी आवासों में रहते थे, लगभग 30% अर्द्धस्थायी आवासों में और लगभग 18% परिवार अस्थायी आवासों में रहते थे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदत्तर थी और केवल 41% परिवार स्थायी आवासों में रह रहे थे और 59% अर्द्ध–स्थायी आवासों में रह रहे थे। तुलनात्मक रूप में नगरों में स्थिति बहुत बेहतर थी जहाँ 79% परिवार स्थायी आवासों में रह रहे थे और 15% परिवार अर्द्ध–स्थायी और केवल 5% परिवार अस्थायी आवासों में रहते थे।[60]

57 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 27
58 दत्त एवं सुन्दरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस. चन्द्र एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड.,रामनगर, नई दिल्ली, संस्करण 55, पेज 124
59 दत्त गौरव व महाजन अश्वनी,दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कम्पनी प्रा.लि.,रामनगर,नईदिल्ली,संस्क.55,पे.9
60 वही, पेज 9

भोजन

भोजन सभी प्राणियों के लिए अपरिहार्य है। पेड़–पौधे भी बिना भोजन (प्रकाश एवं पानी) के लम्बे समय तक जीवित नहीं रह सकते। कार्य करने के लिए ऊर्जा भोजन से ही प्राप्त होती है। शरीर के क्षतिग्रस्त ऊतक एवं कोशिकाएँ भी भोजन से प्राप्त प्रोटीन एवं विटामिनों से ही ठीक होते हैं। कुछ प्राणी भोजन को अपने शरीर में संरक्षित कर लेते हैं। इसकी सहायता से वे लम्बे समय तक जीवित रह सकते हैं। छोटे एवं फुर्तीले जन्तु शरीर में संरक्षित भोजन को जल्दी खत्म कर देते हैं। कुत्ता 20 दिन तक भोजन के बिना रह सकता है लेकिन खटमल एक वर्ष तक। मनुष्य भोजन को अपने शरीर में संरक्षित नहीं कर सकता। शरीर को रक्त परिसंचरण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। रक्त में मौजूद सभी तत्त्व भोजन से प्राप्त होते हैं। जैसे ही इन तत्त्वों की कमी होती है, तत्रिका तन्त्र के माध्यम से यह सूचना मस्तिष्क तक पहुँचती है और हम भूख महसूस करते हैं। वैज्ञानिक शोध के अनुसार सामान्य व्यक्ति बिना भोजन के केवल एक सप्ताह तक ही जीवित रह सकता है। भोजन की मात्रा व्यक्ति के आकार, वजन, उम्र एवं कार्य की प्रकृति से निर्धारित होती है।[61]

रोटी, कपड़ा और मकान मानव के जीवन की आधारभूत आवश्यकता है। इन तीनों में भोजन सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। भोजन के बिना मनुष्य का जीवित रहना सम्भव नहीं है। अतः रोटी और रोटी देना प्रत्येक समाज और सरकार का पुनीत कर्त्तव्य है। इनकी पूर्ति किए बिना किसी भी व्यक्ति अथवा सरकार का बना रहना असम्भव है। दूसरे यदि भोजन गुणात्मक से हीन है तो व्यक्ति का स्वास्थ्य गिर जाता है। जिससे उसकी कार्य क्षमता घट जाती है। तीसरे खाद्यान्नों का अभाव होने से उनका आयात करना पड़ता है जिससे विदेशी विनमय का अभाव हो जाता है और देश का विकास कार्य अवरूद्ध हो जाता है।

फोर्ड फाउण्डेशन के कृषि दल के अनुसार, ''पर्याप्त भोजन के बिना मानवीय कल्याण बढ़ाने तथा सामाजिक न्याय एवं लोकतन्त्र प्राप्त करने की सभी आशाएँ पूर्ण होनी असम्भव हो जायेंगी। अतः समस्या का गम्भीरतापूर्वक अध्ययन कर यथोचित हल निकालना जरूरी है।''[62]

प्रो.दांतावाल के अनुसार, ''हमें एक संकट का सामना नहीं करना है वरन् दीर्घकालीन बीमारी का इलाज करना है।''[63] खाद्यान्नों का पर्याप्त उत्पादन बढ़ जाने के बावजूद भी खाद्यान्न समस्या के देश में परिमाणात्मक, गुणात्मक, व्यवस्थापक, आर्थिक पहलू विद्यमान हैं।

परिमाणात्मक पहलू का सम्बन्ध खाद्यान्नो की माँग व पूर्ति से है। यद्यपि पिछले 70 वर्षों में खाद्यान्नों का उत्पादन लगभग चार गुना से भी अधिक हो गया है परन्तु जनसंख्या वृद्धि की तीव्र गति होने के कारण प्रति व्यक्ति खाद्यान्न की उपलब्धता में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई। खाद्यान्नों के अभाव के कारण योजना काल में लगभग 8000 करोड़ रुपए का खाद्यान्न विदेशो से आयात करना पड़ा है। खाद्यान्न की पूर्ति सदैव आवश्यकता से कम हो रही है।

---

61 जोशी आनन्द एवं राहुल धीरेन्द्र, पत्रिका इयर बुक, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर, वर्ष 2008, पेज 504
62 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मंदिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 179
63 व्ही, पेज 180.

गुणात्मक पहलू से तात्पर्य यह है कि जनसाधारण को खाद्यान्न कम मात्रा में ही नहीं मिला वरन् खाद्यान्न गुणात्मक दृष्टि से भी उत्तम नहीं होते। आहार विशेषज्ञों का कथन है कि एक सन्तुलित भोजन में 3000 कैलोरीज होनी चाहिए, परन्तु भारत में जो भोजन सामान्य रूप से प्राप्त होता है उसमें केवल 2000 कैलोरीज होती है। **डॉ. सुखात्मे के अनुसार,** ''भारतीय नागरिकों को जितने पौष्टिक तत्त्व मिलने चाहिए उनकी अपेक्षा उन्हें कम ही तत्त्व मिलते हैं।

भारत की आय बहुत कम है। इस कारण जनता में क्रय शक्ति का अभाव है। क्रय शक्ति के अभाव में जनता महंगें खाद्यान्नों को आवश्यकतानुसार क्रय करने में असमर्थ रहती है। इस प्रकार क्रय शक्ति का अभाव खाद्यान्नों का अकाल–सा पैदा कर सकता है।

भोजन ही आहार है, हम आहार को मुख्य रूप से दो रूप से दो भागों में बाँटते हैं (i) अपर्याप्त आहार तथा (ii) पर्याप्त आहार या सन्तुलित अहार।

अपर्याप्त आहार वह आहार है जो भूख को शान्त करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार के भोजन से हमारी भूख मिट जाती है एवं शरीर क्रियाशील रहता है पर भोजन में पौष्टिक तत्त्वों की कमी के कारण शरीर में रोग निरोधक क्षमता नहीं रहती है।

दूसरी ओर सन्तुलित आहार वह भोजन है जिसमें जिसमें सभी पौष्टिक तत्त्व उचित मात्रा में रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि सन्तुलित आहार वह है जिसमें समस्त पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए सभी पोषक तत्त्व उचित मात्रा में उपलब्ध रहता है। इसलिए सुपोषित भोजन हमारे लिए अत्यन्त आवश्यक है। पोषण उन प्रतिक्रियाओं का संयोजन है जिनके द्वारा जीवित प्राणी अपनी क्रियाशीलता को बनाए रखने के लिए तथा अपने अंगों की वृद्धि एवं उनके निर्माण हेतु आवश्यक पदार्थों को प्राप्त करता है एवं उनका उपभोग करता है। इस प्रकार पोषण शरीर में भोजन के विभिन्न कार्यों को करने की सामूहिक प्रतिक्रियाओं का ही नाम है।

एक संतुलित आहार में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, जल तथा खनिज उचित अनुपात में और विटामिन प्रचुर मात्रा में होने चाहिए। प्रोटीन जीवन की सामग्री कहलाती है। एक ग्राम प्रोटीन के पूर्ण दहन पर 5·6 k cal मिलती है। इसलिए प्रोटीन की दैनिक औसत आवश्यकता 55 से 70 ग्राम होती है। कार्बोहाइड्रेट पाचन में मुख्य अन्तिम उत्पाद ग्लूकोज होता है। इसका एक ग्राम ग्लूकोज के पूर्ण दहन पर 4.2 k cal निकलती है। कार्बोहाइड्रेट की दैनिक आवश्यकता 400–500 ग्राम होती है। वसा ऊर्जा का मुख्य स्रोत है जिसके एक ग्राम के पूर्ण दहन से 9.0 k cal ऊर्जा मिलती है। एक सामान्य आहार में लगभग 75 ग्राम वसा होनी चाहिए। वसा की कमी से कुछ अपूर्णता रोग हो जाते हैं। खनिज कोशिका और ऊतक की भैतिक दशा को कायम रखने में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, आयरन इत्यादि प्रमुख खनिज हैं। विटामिन की आवश्यकता अल्प मात्रा में होती है, लेकिन इनकी कमी से अपूर्णता रोग हो जाते हैं। विटामिनों की न्यूनतम आवश्यकता क्रमश विटामिन : A–5000 आई. यू. (अन्तर्राष्ट्रीय–यूनिट), विटामिन B–कॉम्पलेक्स (बायोमीन–1.5 मिग्रा, राइबोफ्लेविन–1.8 मिग्रा, नियासिन–18 मिग्रा,

विटामिन बी^{6}–2 मिग्रा, विटामिन B^{12} 0.003 मिग्रा, पेन्टोबेनिक एसिड 10 मिग्रा), एस्कॉबिक एसिड या ए.सी–75 मिग्रा, विटामिन D–400 आई.यू. तथा विटामिन K शरीर के आन्त के जीवाणुओं द्वारा संश्लेषित होता हैं।

मानव द्वारा दैनिक कार्य में खर्च होने वाली कैलोरी की मात्राएँ काफी भिन्न होती हैं। यह आवश्यकता लिंग, आयु, कार्य की प्रकृति और पर्यावरण पर निभर करती है। आहार ग्रहण करने से उपापचय 10% उद्दीप्त हो जाता है। 8 घंटों के आराम के दौरान हल्की फुल्की क्रियाओं में ऊर्जा व्यय 40 k cal प्रति घंटा तक बढ़ जाता है।

अपर्याप्त भोजन या कुपोषण के दुष्परिणाम निम्न लिखित लक्षणों के रूप में प्रकट होते हैं:–

(i) शरीर कमजोर होने लगता है क्योंकि शरीर को पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करने वाले भोजन तत्त्वों की कमी के कारण दूसरी शक्ति नहीं मिल पाती है।

((ii) शरीर में रक्त की कमी होने लगती है।

(iii) शरीर में वजन क्रमशः कम होने लगता है।

(iv) त्वचा, शुष्क, खुरदरी एवं झुर्रीदार हो जाती है।

(v) मांसपेशियाँ ढ़ीली एवं शिथिल हो जाती हैं।

(vi) अस्थियों की वृद्धि एवं विकास की गति में रूकावट हो जाती है जिसका शारीरिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

(vii) नेत्रों की ज्योति कम हो जाती है और बच्चे रतौंधी के शिकार हो जाते हैं।

(viii) थकान का अनुभव बड़ी शीघ्रता से होने लगता है।

इस तरह कहा जा सकता है कि भोजन में कई रासायनिक पदार्थ उपस्थित होते हैं ये भोज्य तत्त्व ही हमारे शरीर को स्वस्थ रखने एवं क्रियाशील रखने के उत्तरदायी होते हैं। ये तत्त्व कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, खनिज तत्त्व, विटामिन एवं जल हैं, जो भोजन में विभिन्न अनुपातों में उपथित रहते हैं। इन तत्त्वों से शरीर को क्रियाशील रखने के लिए ऊर्जा तथा शरीर को गर्म रखने के लिए ऊर्जा प्राप्त होती है। निरन्तर परिवर्तन होते रहना जीवित का एक विशेष गुण है। मनुष्य के शरीर में निरन्तर परिवर्तन होता रहता है। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में बराबर वृद्धि व विकास होता रहता है तथा विभिन्न अंगों के क्रियाशील रहने के कारण उनकी कोशिकाओं से बराबर टूट–फूट का निमार्ण करने में सहायक होती है। इसके अतिरिक्त भोज्य के तत्त्व हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न जटिल प्रतिक्रियाओं को नियन्त्रित करता है। जिससे हमारा स्वास्थ्य उत्तम रहता है और रोगादि से बचा रहता है।

दरिद्र परिवारों में निर्धनता के परिणामस्वरूप समुचित मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। श्रम के अनुरूप शरीर में ऊर्जा प्राप्त करने के लिए प्रचुर मात्रा में भोजन नितान्त आवश्यक है। दरिद्र परिवारों वाले दैनिक मजदूर, ठेला मजदूर, खेतिहर मजदूर, बन्धुआ मजदूर, रिक्शा चालक, खोमचे वाले तथा निम्न आय वर्गीय व्यक्ति होते हैं। अशिक्षा एवं अज्ञानतावश इनके परिवारों की संख्या अधिक होती है। अपनी सीमित आय से वे अपने

परिवार का भरण–पोषण सही ढंग से नहीं कर पाते हैं। दरिद्रता इनके लिए अभिशाप है। भोजन की समुचित मात्रा उपलब्ध नहीं होने दरिद्रो के बच्चे अपने बाल्यकाल में ही अनेक रोगों से ग्रसित हो जाते हैं। इनका शारीरिक एवं मानसिक विकास शिथिल पड़ जाता है।

केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों द्वारा दरिद्रों एवं असहाय व्यक्तियों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रहीं हैं। खाद्य सुरक्षा गारण्टी योजना–2013 के अन्तर्गत कंगालों को अन्त्योदय कार्ड पर 90 रुपए में 35 किलो अनाज, चीनी, किरोसिन तथा बी.पी.एल. एवं ए.पी.एल. राशनकार्ड धारकों को जिनकी शहरी आय तीन लाख वार्षिक एवं ग्रामीण आय दो लाख वार्षिक को पात्र गृहस्थी मानकर पाँच किलो प्रति व्यक्ति राशन दिया जाना उत्तर–प्रदेश सरकार द्वारा जनवरी 2016 से लागू किया है। जब कि कुछ राज्यों में यह व्यवस्था पूर्व से लागू है। यह नियम प्रत्येक तीन वर्ष बाद विचारोरान्त लागू होगी। केन्द्र एवं प्रदेश सरकारें सरकारी एवं अनुदानित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों को मध्यान्ह भोजन, दूध, फल तथा आँगनबाड़ी में छः वर्ष से कम आयु के बच्चों को पौष्टिक भोजन, दूध, तथा महिलाओं के मातृत्त्व धारण करने के उपरान्त पैष्टिक भोजन, दूध, फल, स्वास्थ्य जाँच–चिकित्सा एवं गर्भवती को किश्तों में 6000 रुपए मुहैया करा रही है।

व्यवस्थापक पहलू का तात्पर्य यह है कि देश के खाद्यान्नों की कमी वितरण व्यवस्था उचित न होने के कारण होती है। **डॉ.के.एन.राज के अनुसार,** ''देश में अन्न की वास्तविक कमी नहीं है, वरन् सरकार अदूरदर्शिता एवं प्रशासन अव्यवस्था के कारण जमाव प्रतीत होता है।''[64] कभी–कभी स्वार्थी तत्वों द्वारा खाद्यान्नों का संचय करके कमी उत्पन्न कर दी जाती है।

वर्तमान में सरकार द्वारा दरिद्रों को बी.पी.एल. एवं अन्त्योदय कार्ड उपलब्ध कराये गये है। जिसके अन्तर्गत उचित मात्रा में उचित मूल्य पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें दरिद्रों की पात्रता, आवेदन, धन आवंटन की औपचारिक प्रक्रिया निर्धारित है। जिसमें शासन के अधिकारियों, कर्मचारियों की निगरानी एवं जबाबदेह उत्तरदायित्त्व निर्धारित है। इसके बावजूद दरिद्रों की दुर्बल काया देखकर दरिद्रों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ वास्तविक दरिद्रों को उपलब्ध हो पा रहा है या नहीं विचारणी प्रश्न है।

व्यक्ति के स्वास्थ्य को बनाए रखने हेतु 1 दिन के आहार में भोज्य पदार्थों की आवश्यक मात्रा

भोज्य पदार्थ	भार[65](ग्राम में)	आहार की पौष्टिकता[66]		
अनाज	400	कैलोरियाँ	3000	
दालें तथा सूखे मेवे	85	प्रोटीन	90	ग्राम
हरी पत्तीदार सब्जियाँ	144	कार्बोहाइड्रेट्स	450	ग्राम
अन्य सब्जियाँ	85	वसा	90	ग्राम
तेल, घी आदि	57	कैल्सियम	1.4	ग्राम
दूध तथा दूध से बने पदार्थ	287	फॉस्फोरस	2.0	ग्राम
चीनी	57	लोहा	48	मिली ग्राम
माँस, अण्डा आदि	125	विटामिन 'ए'	4800	अन्तर्राष्ट्रीय इकाई
फल	85	विटामिन 'बी^{2}'	2.1	मिली ग्राम
		निकोटिनिक एसिड	22	मिली ग्राम
		विटामिन 'सी'	420	मिली ग्राम

64 सिंह विजय पाल सिंह एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मंदिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 179
65 मंगल के.पी. एवं सिंह आर.एन., बी.एड. दिग्दर्शन, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, ज्योति ब्लाक, संजय प्लेस, आगरा, वर्ष 2010, पे.329
66 वही, पेज 329

वस्त्र

यों तो निसर्ग ने मनुष्य को दिगम्बर वस्त्रहीन पैदा किया है और उस दृष्टिकोण से वस्त्रावरण उसके लिये कृत्रिम तथा अस्वाभाविक आवश्यकता है। अब चूँकि हजारों वर्ष से मनुष्य वस्त्रों को पहनता चला आया है, उसका शरीर सर्वथा सब ऋतुओं तथा कालों में दिगम्बर रह सकने में अक्षम हो गया है। साथ ही लोक–लज्जा तथा सामाजिक व्यवस्था और मानवीय मान्यताओं के कारण वस्त्र अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। सभ्यता का एक अंग मान लिया गया, शिष्टता तथा शालीनता का चिह्न बन गया है।

वस्त्रों को जीवन की एक अनिवार्य आवश्यकता माना गया है और उसे इतना महत्त्व दिया गया है कि भोजन के समकक्ष हो गई है। मनुष्य के स्वास्थ्य का सम्बन्ध भोजन से तो है ही वस्त्रों से भी कम नहीं है। मानव का शरीर जिन पाँच तत्त्वों से बना है उनमें वायु का बहुत महत्त्व है। यह दोनों चीजें जीवन के लिए नितान्त आवश्यक हैं। यदि मनुष्य को कुछ दिन सूर्य का प्रकाश मिलना बन्द हो जाए तो वह शीघ्र विविध प्रकार के रोगों से आक्रान्त हो जाये और वायु के अभाव में तो वह एक क्षण भी जीवित नहीं रह सकता।

भारत में प्रति व्यक्ति वस्त्र की खपत वर्ष 2011–12 में 37–38 वर्ग मीटर थी। उन्नत देशों में वस्त्र की वार्षिक खपत 50 से 60 वर्ग मीटर प्रति व्यक्ति है, अर्थात विकसित देशो में खपत भारत की तुलना में बहुत अधिक है।[67]

यदि प्रकृति, स्वास्थ्य तथा आवश्यकता के अनुसार देखा जाये तो पहनावे के विषय में भारतीय मनीषियों की मान्यता बहुत प्रशंसनीय तथा हितकर हैं वे प्रकृति के इस नियम को जानते थे कि शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य रक्षा की दृष्टि से वायु तथा प्रकाश का हमारी देह से जितना सम्पर्क रहेगा उतना ही लाभदायक होगा। इसलिये उनका उद्देश्य, लज्जा निवारण के लिए वस्त्र धारण करना रहता था। प्राचीन काल में वे अधोवस्त्र टखनों तक और ऊपर एक उतना बड़ा ही उत्तरीय डाले रहते थे। बस इससे अधिक वे कुछ न पहनते थे और न ओढ़ते थे। जनसाधारण भी अधिक से अधिक अँगरखा, धोती और पगड़ी पहनते थे जो काफी ढ़ीले–ढ़ाले और आराम देह रहते थे। यह वस्त्र न केवल स्वास्थ्यदायक ही होते थे वरन् सस्ता, सुलभ और जल्दी–जल्दी धोए जा सकने के योग्य भी होते थें। जाड़ों में वे अपेक्षाकृत कुछ मोटे ऊनी वस्त्र पहन लेते थै। यही पहनावा जलवायु तथा देश की आर्थिक स्थिति अनुकूल है और यही सर्व साधारण को पहनना चाहिए। अधिक से अधिक अँगरखा की स्थापना पर कुर्ता, पगड़ी के स्थान पर टोपी बदली जा सकती है। धोती, कुर्ता और टोपी वास्तविक भारतीय पहनावा अनुचित नहीं किन्तु वह होना देशी ही चाहिए विदेशी अथवा विजातीय नहीं। इसी में ध्येय है, गौरव है और स्वास्थ्य सुरक्षा।

मानव जीवन में वस्त्र एक मूलभूत आवश्यकता है। दरिद्र बस्तियों में निवास करने वाले व्यक्तियों की वस्त्र एक समस्या है। वे मैले कुचैले कपड़े पहनते हैं। व्यक्ति इन्हें घृणा

67 प्रतियोगिता दपर्ण, भारतीय अर्थ व्यवस्था, 641, प्रथम तल, डॉ.मुखर्जी नगर, दिल्ली–9, वर्ष 2016, पेज 135

की दृष्टि से देखते हैं। जिन दरिद्र व्यक्तियों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं होता उन्हें अच्छे वस्त्र उपलब्ध कहाँ होंगे? उनके बच्चे दिगम्बर अवस्था में रहते हैं, कुछ पहनते भी हैं तो वे मैले कुचैले होते हैं जिससे महामारी तथा अन्य रोग होने का खतरा रहता है। इस अवस्था में इनके बच्चे प्रायः अस्वस्थ रहते हैं, समुचित चिकित्सा के अभाव में वे अकाल ही काल कलवित हो जाते हैं। इस असहनीय पीड़ा से त्रस्त इनके परिवार के अन्य सदस्य चोरी, डकैती एवं अन्य अनैतिक कार्यों में संलग्न हो जाते हैं।

दीन–हीन अथवा अत्यन्त दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों के तन पर वस्त्र नहीं होते हैं, पहने गए वस्त्र जगह–जगह कटे–फटे और गन्दे होते हैं। लू–लपट एवं भीषण सर्दी से शरीर को सुरक्षित रखने के लिए उनके पास आवश्यक वस्त्र नहीं होते हैं और सर, उदर और पैर खुले रहते हैं। भीषण गर्मी एवं सर्दी तथा लू–लपट में उनका तन सिकुड़ कर त्वचा झुर्रीदार और चेहरा काला पड़ जाता है। शरीर पर जगह–जगह दाग–धब्बे हो जाते हैं और पैरों में विमाई और छालों के बड़े–बडे घाव हो जाते जाते हैं।

दिल्ली, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश महाराष्ट्र के कारखानों में जाने से यह पता चलता है, कि बड़ी संख्या में बाल श्रमिकों की छातियाँ बैठी हुई हैं और हड्डियों के जाल पतले हैं, जिसके कारण वे दुर्बल दिखते हैं। वे चिथडों की गुड़िया की भाँति लगते हैं, जो बिना नहाये और दुर्बल हैं। वे मोटे और खराब सिले हुए वस्त्र पहनते हैं। उनमें से कई के हाथों, बाहों और टांगों पर खाज होती है। कुछ के सिर मुड़े होते हैं, क्योंकि कदाचित उनकी सिर की त्वचा पर कोई बड़ी छूत की बीमारी हो गई है।[68]

सड़कों पर घूमने वाले दरिद्र बच्चे अक्सर बाजार, सिनेमाहाल और दूसरी सार्वजनिक स्थलों के आसपास नंगे पैर और फटेहाल स्थिति में देखने को मिलते हैं। दरिद्रता के कारण संख्या में लोग और उनके आश्रित आवश्यक वस्त्रों के अभाव में जीवन यापन कर हैं। दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित फटे–पुराने और एक ही वस्त्र को महीनों पहनते हैं जिससे उनका शरीर गन्दी बीमारियों से बुरी तरह ग्रसित रहता है।

68 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.215

आवास

भारत अपनी आजादी के 70–वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। लेकिन इतने वर्षों बाद भी बेघर लोगों की संख्या हमें काफी कुछ सोचने को मजबूर कर देती है। आजादी के कई वर्षों बाद तक बेघर लोगों की परिभाषा को लेकर ही कई तरह के मत पाये जाते थे। इस क्षेत्र के जानकारों यहाँ तक कि सरकार में शामिल लोगों का भी मानना रहा है कि बेघर लोगों की संख्या ठीक–ठीक बता पाना मुश्किल है क्योंकि ऐसे लोगों का कोई स्थायी निवास स्थान, पता–ठिकाना नहीं होता और ऐसे में बेघर लोगों को खोज पाना ही अपने आप में बड़ी मुश्किल का काम है। विवाद इस बात को भी लेकर रहा कि जिन मकानों की हालत अत्यन्त जर्जर है, जो घर बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं या फिर जिन घरों में एक छोटे से छत के नीचे बड़ी संख्या में लोग रहते हैं उन्हें भी बेघर गिना जाए या नहीं। इसे देखते हुए पहली बार 2011 को जनगणना में बेघर लोगों को स्पष्ट परिभाषा पर जोर दिया गया।

नई जनगणना में बेघर परिवारों के स्वरूप को स्पष्ट तरीके से परिभाषित किया गया। इस जनगणना में उन परिवारों को बेघर माना गया जो किसी भवन, जनगणना के क्रम दर्ज मकान में नहीं रहते बल्कि खुले में, सड़क के किनारे, फुटपाथ, फ्लाईओवर या फिर सीढ़ियों के नीचे रहने–सोने को बाध्य होते हैं या जो लोग पूजास्थल, रेलवे प्लेटफार्म अथवा मंडप आदि में रहते हैं। जनगणना में ऐसे लोगों की गिनती 28 फरवरी 2011 को हुई थी। 2011 के जनगणना के आँकड़ों के अनुसार देश में कम से कम 4.5 लाख परिवार बेघर हैं। लोगों की बात करें तो देश में आज भी 17.7 लाख लोग ऐसे हैं जिनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है। बेघर परिवारों में से प्रत्येक का औसत 4 (3.9 व्यक्ति) व्यक्तियों के लगभग है। हालांकि देश की कुल आबादी के अनुपात में चर्चा करें तो बेघर लोगों की संख्या महज 0.15% ही बैठती है। लेकिन इसके बावजूद 17.7 लाख लागों के पास सोने या रहने का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है, इस तथ्य को नजर–अन्दाज नहीं किया जा सकता है।[69]

हालांकि सबसे बड़ी राहत की बात रही है कि पिछले एक दशक के दौरान बेघरों की संख्या में गिरावट आई है। नए आँकड़ों के अनुसार पिछले दशक (2001–2011) के बीच बेघर लोगों की संख्या में लगभग 8% की कमी आई है। हालांकि 2001–2011 के 10 वर्षों के दौरान शहरी क्षेत्रों में बेघर लोगों की संख्या में 20.5% की भारी वृद्धि दर्ज की गयी है वहीं राहत की बात यह रही है कि इन्हीं 10 वर्षों के दौरान देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर लोगों की संख्या में 28.4% की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है। बेघर आबादी में बच्चों की संख्या वर्ष 2001 में 17.8% थी जो वर्ष 2011 में घटकर 15.3% पर आ गयी है।[70]

बेघर परिवारों की संख्या के मामले में शीर्ष के पाँच राज्यः उत्तर प्रदेश (3.3 लाख), महाराष्ट्र (2.1 लाख), राजस्थान (1.8 लाख), मध्य प्रदेश (1.46 लाख), आंध्र प्रदेश (1.45 लाख) हैं। यदि कुल आबादी में बेघर लोगों के अनुपात के लिहाज से देखें तो शीर्ष के पाँच राज्यों में राजस्थान (0.3%), गुजरात (0.24%), हरियाणा (0.2%), म.प्र. (0.2%) महाराष्ट (0.19%) हैं।

69 पाटक संतोष कुमार, योजना, सूचना भवन, सी.जी.ओ परिसर, लोधी रोड,नई दिल्ली–110003, अंक 7, जुलाई 2017, पेज 62
70 वही पेज 62

शहरी क्षेत्र में आवासों की कमी से सम्बन्धित एक तकनीकी समूह का आकलन है कि देश के शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2012 में 18078000 मकानों की कमी थी और इस कमी का 95% आर्थिक रूप से निम्न आय–वर्ग के व्यक्तियों से सम्बन्धित है। राष्ट्रीय आवास बैंक के आँकड़ों में ग्रामीण क्षेत्रों में 43090000 मकानों की कमी बताई गई है जिसका 90% आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित–वर्ग के लोगों से सम्बन्धित है।[71]

बेघर लोगों की इतनी बड़ी संख्या सरकार के लिए चिन्ता का विषय बन गई है। शहरों में तो यह समस्या भयावह रूप लेती जा रही है। खासतौर पर सर्दी के मौसम में कोई छत न होने की बजह से लोगों की मौतें होती हैं। इस सम्बन्ध में उच्चतम न्यायालय के कड़े आदेश के बाद सर्दी के मौसम में अनेक राज्य सरकारे बड़ी संख्या में रैन बसेरों की व्यवस्था करने लगी हैं जहाँ बेघर लोग रात में जाकर सो सकें। लेकिन यह सभी जानते हैं कि यह केवल अस्थाई समाधान ही हैं। स्थायी समाधान तो सिर्फ एक ही हो सकता है कि इन्हें मकान दिया जाए, छत मुहैया कराई जाए ताकि इन पर लगा बेघर का ठप्पा हट सके।

भारत के औद्योगिक क्षेत्रों में करोड़ों लोग गन्दे आवासों में निवास करते हैं। गाँवों की स्थिति भी गन्दे आवासों में अच्छी नहीं है। गन्दे आवासों में अत्यन्त छोटे–छोटे कमरों में मनुष्य भरे पड़े हैं। जाने के रास्ते तंग होते जा रहे हें, हवा एवं रोशनी इनमें नहीं पहुँचती है। शौच के असन्तोषजनक प्रबन्ध के कारण तथा कूड़े–करकट के यहाँ–वहाँ एकत्रित रहने से सम्पूर्ण वातावरण धूल, धुएँ, बदबू एवं कीटाणुयुक्त रहता है। गन्दे वातावरण में खाना बनता है। यहाँ नमी व कीचड़ ही कीचड़ रहती है। यहाँ मनुष्यता बर्बर हो जाती है, स्त्रियों का निरादर होता है तथा बच्चों पर घातक संस्कार प्रारम्भ से पड़ने शुरू हो जाते हैं। गन्दे आवासों में रहने से लोगों का शारीरिक, नैतिक, सामाजिक पतन एवं कार्य क्षमता का ह्रास होता है और फिर बीमारियाँ पीढ़ियों तक उनका पीछा नहीं छोड़ती। इन सब कारणों से इन गन्दे आवासो के निवासियों की मृत्यु दर अधिक रहना स्वाभाविक ही है।[72]

एक गन्दा आवास सदैव दरिद्र परिवार का ही आवास है। गन्दे आवास मुख्य रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ के निवास स्थान नष्ट हो गए हैं एवं अत्यधिक भीड़–भाड़ युक्त है, इनकी बनावट त्रुटिपूर्ण होती है जहाँ रोशनदान, प्रकाश एवं सफाई का अभाव है। इन कारकों के प्रभाव सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं नैतिकता के लिए हानिप्रद है।

ग्राम विकास विभाग राजस्थान के अनुसार, ''मलिन बस्ती बेहद तंग जगह है, जहाँ बीस से अधिक घर हों, जिसमें कंकरीट की छत, पेयजल, शौचालय और बन्द नाली न हो। इन छः मानकों के हिसाब से ही यह होता है कि कोई घर झुग्गी है या नहीं।''[73]

जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के अनुपात में मकान का निर्माण न हो पाने के कारण अनेक गन्दी बस्तियाँ बन गईं हैं। देश के प्रत्येक प्रमुख नगरों में आधे से दो तिहाई भाग तक जनसंख्या गन्दी बस्तियों या उसी के समान दशाओं वाले मकानों में रहती है। नगरों

71 पाठक संतोष कुमार, योजना, सूचना भवन, सी.जी.ओ परिसर, लोधी रोड,नई दिल्ली–110003, अंक 7, जुलाई 2017, पेज 62
72 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी.समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 106
73 एच.एस.चौपड़ा, हिन्दुस्तान समाचार पत्र, प्रकाशक बेनोय राय चौधरी, पदम टावर,सिविल लाइन कानपुर, दि.27–10–2017,पे.2

की कैंसर के समान यह वृद्धि व्याधि युक्त 'नरक' हैं। नगर की बस्तियों के मकानों में हवा, पानी, शौचालय, स्नानागार व रोशनी की पर्याप्त सुविधाओं का अभाव रहता है। इनमें स्नान घर अन्धेरे और शीलनयुक्त हैं। साथ ही इनमें मच्छर, खटमल, जुआँ, छिपकली, चूहों और बीमारी के कीटाणुओं की बहुलता पायी जाती है। नगर निवास की यह अर्द्ध–मानवीय दशा है। यह मानव जाति की शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से कमजोर पीढ़ी को जन्म देती है।

शहरों में गन्दी बस्तियों की भीषण समस्या है। शहरी जनसंख्या का 1/3 भाग गन्दी बस्तियों में निवास करता है। शहरों के अनेक श्रमिक गन्दी बस्तियों में रहते हैं। जनगणना 2001 के अनुसार, कुल जनसंख्या का 27.78% लोग शहरी क्षेत्र में रहते हैं। सरकारी आँकड़ों में गन्दी बस्तियों में रहने वाली जनसंख्या लगभग 6 करोड़ 13 लाख से बढ़कर लगभग 8 करोड़ हो गई है जबकि वास्तव में यह जनसंख्या लगभग 12 करोड़ हो गई है। शहरी जन संख्या में वृद्धि के साथ–साथ गन्दी बस्तियों की जनसंख्या में वृद्धि हुई। शहरों में भूमि की कीमत, इमारती सामान व श्रम की कीमत में वृद्धि हुई। अतः नये मकानों का निर्माण काफी कठिन हो गया है और कई मंजिले मकान बनाने पड़े हैं जिनमें हवा, रोशनी, जल व विद्युत का पूरा प्रबन्ध नहीं हो पाया है। उनमें स्वास्थ्य एवं सफाई की सुविधाओं का पूर्ण अभाव है।

गन्दी बस्तियों के सम्बन्ध में निरीक्षण तथ्य बताते हैं कि गन्दी बस्तियाँ देश एवं समाज की प्रगति के लिए घातक हैं। श्रमिक बस्तियों के निरीक्षण करते हुये पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इन्हें 'नरक–कुण्ड' की संज्ञा दी थी और उत्तेजित होकर कहा था कि, ''ये गन्दी बस्तियाँ मानवीय पतन की चरम सीमा का प्रतिनिधित्व करती हैं। इनके लिए उत्तरदायी व्यक्तियों को सूली पर लटका देना चाहिए।'' **डॉ.मसानी ने अपने अध्ययन में बताया कि** ''विश्व की रचना ईश्वर ने की है, नगरों की मानव ने और श्रम बस्तियों की शैतानों ने।''[74] गन्दी बस्तियाँ कानपुर में 'अहाता', कोलकाता में 'बस्ती', मुम्बई में 'चाल', दिल्ली में 'कटरा', चेन्नई में 'चेरी', खान–क्षेत्र में 'धोवरा', बागवान–क्षेत्र में 'बैरेक्स' आदि नामों से जानी जाती हैं। गन्दी बस्तियाँ घनी बसी हुई हैं। यहाँ के कमरे बहुत छोटे और सुख–सुविधाविहीन होते हैं। अनेक कमरे तो स्नानागार जितने छोटे होते हैं और एक कमरे में 10 से 15 व्यक्ति तक रहते हैं। इन कमरे की तुलना में तो घोड़े, गाय, भैंस, व जानवरों के लिये भी अधिक स्थान होता है। गन्दी बस्तियों से गन्दा पानी निकालने के लिये नालियों की व्यवस्था का अभाव रहता है। रोशनी के लिये बिजली तथा पानी के लिए नल की सुविधा नहीं है। कई लोग तो गोदामों की तरह भूमि के नीचे बने मकानों में रहते हैं।

श्रम के रायल कमीशन के अनुसार, कानपुर के अहातों में ''प्रायः प्रत्येक मकान एक–एक कमरे का है, जिसकी लम्बाई 10 फुट एवं चौड़ाई 8 फुट है। किसी भी कमरे के आगे बरामदा नहीं है और प्रत्येक कमरे में 3–4 परिवार रहते हैं। फर्श कच्चा एवं नम रहता है। कहीं भी स्वच्छ वायु, प्रकाश, आदि का प्रबन्ध नहीं।''[75]

देश में आवास एवं गन्दी बस्तियाँ गम्भीर समस्या है जो आधुनिक समाज के लिए चुनौती है। आवास की दुर्दशा अनेक आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक एवं पारिवारिक दोषों को

74 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी.समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 108
75 वही, पेज 108

जन्म देकर राष्ट्रीय प्रगति अवरूद्ध करती है। आवास सुविधाओं के अभाव एवं गन्दी बस्तियों के परिणाम स्वास्थ्य का ह्रास, नैतिक पतन, अपराध, परिवार–विघटन, वैयक्तिक–विघटन, सामुदायिक–विघटन, निम्न जीवन–स्तर श्रमिकों की कुशलता पर बुरा प्रभाव डालते है। गन्दे आवासों के निवासियों की कार्य क्षमता घटती है जिसका प्रभाव उनकी आय पर पड़ता है और कम आय होने पर लोग अपनी आवश्यक आवश्यकताओं को भी जुटाने में असमर्थ होते हैं। चाल, बेसमेण्ट की कतारें, आहाता, आन्तरिक बस्तियाँ, गन्दे घरौंदे, छप्पर–सभी तपेदिक व श्वांस रोग के घर बन गए हैं। गन्दे आवासों में मृत्युदर अन्य स्थानों की बजाय अधिक होती है। इन असंख्य गन्दी बस्तियों में मनुष्यता का निःसन्देह ही निर्दयता के साथ गला घोंटा जाता है, नारीत्व का अपमान होता है और शिशुता को प्रारम्भ से ही विषपान कराया जाता है। यहाँ के निवासी मानसिक तनाव एवं निराशा के शिकार हो जाते हैं।

कुलीन वर्ग को झुग्गी–झोपड़ियों वाले गाँवों की बस्तियों में रह रहे लोगों की गरीबी और दुर्दशा का अहसास तब होता है जब 'मन्त्र' कहानी के मुख्य पात्र जैसा कोई व्यक्ति प्रतिशोध के स्थान पर मानवता पूर्ण व्यवहार से उन्हें झटका देता है। इससे ऐसा लगता है कि वे अपने आसपास के यथार्थ को लेकर उदासीन और असंवेदनशील है। गाँव–देहात की झुग्गी–झोपड़ी के बारे में अनेक शोधकत्ताओं ने अपने अनुभवों पर अनेक पुस्तकें लिखीं तथा मैने भी फर्रूखाबाद जनपद के सात विकास खण्डों की 317 ग्रामसभाओं एवं छः नगरों के 117 वार्ड्स की झुग्गी–झोपड़ी बस्तियों में जाकर लोगों के बारे में अपने अनुभव में पाया कि,

''झुग्गी–झोपड़ी बस्तियों में मैं अनेक व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों से मिली, जो चाहते थे कि उन्हें बेहत्तर दशओं में जीने का मौका मिले। भिखारीनुमा पहनावा और हावभाव के माध्यम से वे अपनी क्लाँति का प्रदर्शन करते थे। कुछ गिड़गिड़ाते थे, कुछ धिक्कारते थे और कुछ को जैसे गुस्से का दौरा पड़ जाता था, लेकिन न तो उनके गिड़गिड़ाने, न गुस्से और न ही मुरझाए हुए रूग्ण चेहरों ने मुझे उद्वेलित किया। मेरी परेशानी का कारण तो वे लोग थे जो उनके पास से गुजरते हुए नजरें फेर लेते थे।'' असली समस्या उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रूखाबाद के कुलीनों का उदासीन रवैया था, जिसने झुगियों–झोपड़ियों को हटाकर उनके स्थान पर साफ–सुथरे आवास उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का हरण कर लिया है।

कोई भी व्यक्ति फर्रूखाबाद जिले की मलिन बस्तियों की दशा देखकर बेहद व्यथित हो जायेगा और झल्लाहट में उसके मुख से गुस्सा तथा हाय निकलगी। जो कि ऐसी भी हो सकती है– ''अगर कोई व्यक्ति खुले आसमान के नीचे खानाबदोश जैसी जिन्दगी बसर करे तो बुरा नहीं होगा। न ही इस बात का दुःख होगा कि कोई व्यक्ति मिट्टी की झोपड़ी में रह रहा है, लेकिन गाँव की झुग्गी बस्तियों से भय जरूर खायेगा। उसको इस बात से कोई लेना–देना नहीं है कि ये गाँव की बस्तियाँ आर्थिक तंगी से बनी या फिर अन्य कारणों से।''

फर्रूखाबाद जनपद में पंजीकृत एवं गैर–पंजीकृत झुग्गी–झोपड़ी (बस्तियों) में लाखों लोग रह रहे हैं। यहाँ की झुग्गी–झोपड़ी व्यक्तियों के दिमाग पर अमिट छाप डालती है। ये व्यक्ति को प्रभावित करके बुरी तरह हिलाकर रख देती हैं। ये बेपनाह दरिद्रता व प्रदूषण की मार झेल रही हैं और व्यक्ति का दिल बाँध देतीं हैं। इनका वर्णन किया जाना सम्भव नहीं है।

स्वास्थ्य

अंग्रेजी शब्द 'Health' स्वस्थता की दशा के लिए प्रयुक्त किया जाता था जिसका अभिप्राय सुरक्षा तथा निरोगता से लिया जाता था। सामान्यतः स्वास्थ्य का अर्थ उस स्वस्थ दशा से लगाया जाता है जिसके द्वारा शरीर तथा मस्तिष्क के समस्त कार्य सुचारु रूप से सक्रियतापूर्वक सम्पन्न किये जाते हैं।

जे. एफ. विलियन्स के अनुसार, ''स्वास्थ्य जीवन का वह गुण है जो व्यक्ति को अधिक समय तक जीवित रहने तथा सर्वोत्तम प्रकार से सेवा करने के योग्य बनाता है।''[76]

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ''स्वास्थ्य रोग या निर्बलता का मात्र अभाव नहीं है वरन् शारीरिक, मानविक तथा सामाजिक कल्याण की पूर्ण अवस्था है।''

वेब्सटर का शब्दकोश–''स्वास्थ्य शरीर, मन या आत्मा में स्वस्थता तथा निरोगता की अवस्था है। मुख्यता यह शारीरिक रोग या दुःख का अभाव है।''[77]

विकसित राष्ट्रो की अपेक्षा विकासशील देशों में स्वास्थ्य की समस्या विकराल है। इसका प्रमुख कारण दरिद्रता है। धन के अभाव में दरिद्र लोग पर्याप्त वस्तुओं जैसे दूध, फल, घी इत्यादि नहीं खरीद पाते। कुछ तो केवल अनाज से मुश्किल से पेट भर पाते हैं। लेकिन दरिद्रता के साथ ही एक बड़ा कारण अज्ञानता तथा निरक्षता भी है। अधिकांश व्यक्तियों, विशेषकर गाँव, देहात में रहने वाले व्यक्तियों को सन्तुलित भोजन के बारे में जानकारी नहीं होती, इस कारण वे स्वयं अपने बच्चों के भोजन में आवश्यक वस्तुओं का समावेश नहीं करते, इस कारण वे स्वयं तो रोग से ग्रस्त होते ही हैं साथ ही अपने परिवार को भी कुपोषण का शिकार बना देते हैं।

प्राचीन समय में किसी भी बीमारी का कारण ईश्वर की नाराजगी, आध्यात्मिक शक्तियों का नाराज होना, भूत–प्रेत का प्रभाव तथा पूर्वजन्म के कर्म आदि को माना जाता था। स्वास्थ्य की समस्याओं को हल करने के लिए यज्ञ, हवन, जप–तप, मन्त्रों तथा जादू–टोनों का उपयोग किया जाता था। दूसरे शब्दों में, दैविक शक्तियों के आधार पर ही स्वास्थ्य की समस्या का हल खोजा जाता था। किन्तु आधुनिक युग में शिक्षा के प्रचार–प्रसार एवं तार्किकता के आधार पर बीमारियों या स्वास्थ्य की समस्या के लिए रोगों के कीटाणुओं और विषाणुओं को भी उत्तरदायी माना जाता है।[78]

शरीर में सभी अंग या तन्त्र जब सामान्य कार्य कर रहे हो तो उसे स्वास्थ्य कहा जाता है किन्तु इसके विपरीत शरीर के किसी भी अंग या तन्त्र में जब सामान्य कार्य न हो रहे हों, तो उसे हम रोग (स्वास्थ्य समस्या) कहते हैं।

---

76 मंगल के.पी. एवं सिंह आर.एन., बी.एड. दिग्दर्शन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2, वर्ष 2010, पेज 307
77 वही पेज 307
78 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी.समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 121

मुक्त ज्ञानकोश विकिपीडिया से, शरीर के लिए आवश्यक सन्तुलित आहार लम्बे समय तक न मिलना ही कुपोषण है। कुपोषण के कारण बच्चों और महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जिससे वे आसानी से कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। अतः कुपोषण की जानकारियाँ होना अत्यन्त जरूरी है। कुपोषण प्रायः सन्तुलित आहार के अभाव में होता है। बच्चों और स्त्रियों के अधिकांश रोगों की जड़ कुपोषण ही होता है। स्त्रियों में रक्ताल्पता या घेंघा रोग अथवा बच्चों में सूखा रोग या रतौंधी और यहाँ तक कि अन्धत्त्व भी कुपोषण के ही दुष्परिणाम हैं। इसके अतिरिक्त अनेक कारण अपर्याप्त या असन्तुलित भोजन होता है।

दरिद्रता अनेक स्वास्थ्य कमियों को जन्म देती है। क्षय रोग को दरिद्रों की बीमारी माना गया है। सन्तुलित आहार एवं भरपेट भोजन न मिलने के कारण कुपोषण एवं थकान आदि की समस्या इनमें आम रूप से देखी जाती है। वस्त्रों के अभाव के कारण चर्म रोग तथा छूत की बीमारी आदि पैदा होती है।

भारत में हर तीन गर्भवती स्त्रियों में से एक कुपोषण की शिकार होने के कारण खून की कमी अर्थात् रक्ताल्पता की बीमारी से ग्रस्त हो जाती हैं। हमारे समाज में स्त्रियाँ अपने स्वयं के खान–पान पर ध्यान नहीं देतीं। जबकि गर्भवती स्त्रियों को अधिक पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है। उचित पोषण के अभाव में गर्भवती माताएँ स्वयं तो रोग ग्रस्त होती ही हैं साथ ही होने वाले बच्चे को भी कमजोर और रोग ग्रस्त बनाती हैं। अक्सर महिलाएँ पूरे परिवार को खिलाकर स्वयं बचा हुआ रूखा–सूखा खाना खाती हैं, जो उनके लिए अपर्याप्त होता है।

जिन बच्चों को लम्बे समय तक पोषण युक्त आहार नहीं मिलता, ऐसे बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते हैं। कुपोषित बच्चों की रोग प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है और ऐसे बच्चे अक्सर बीमार रहने लगते हैं। कुपोषण के सामान्य लक्षणों में बच्चों की त्वचा और बालों का रूखा और बेजान हो जाना, वज़न कम होना, पेट फूलना इत्यादि है। सिर्फ इतना ही नहीं कुपोषण के कारण बच्चे का विकास भी रुक जाता है और यदि समय रहते कुपोषण का इलाज न कराया जाये तो यह समस्या जानलेवा भी हो सकती है। यदि बच्चा स्वास्थ्य दिख रहा है, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसके पोषण पर ध्यान न दें। चाहे बात नवजात शिशु की करें या स्कूल जाने वाले बच्चों की, बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पोषण युक्त आहार बेहद आवश्यक होता है।

कुपोषण जैसी समस्या का सबसे बड़ा कारण दरिद्रता और जानकारी की कमी है। बच्चे को चाकलेट, बिस्केट, इत्यादि देने से बच्चे का मन तो बहल सकता है, लेकिन उन्हें सही पोषक आहार देना भी आवश्यक है। खासतौर पर बच्चे के शुरूआती समय में बच्चे को ऐसी वस्तुएँ बिल्कुल नहीं देनी चाहिए, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो। अगर माँ चाहती है कि उसका बच्चा बीमारियों से दूर रहे, तो उसके सम्पूर्ण पोषण पर ध्यान दें। घर पर ही बहुत कम खर्चे में पोषणयुक्त आहार बनाया जा सकता है। शिशु को दिन में चार ठोस आहार तथा तीन बार दूध और दूध बने उत्पाद देना आवश्यक है।

वास्तव में कुपोषण कोई बीमारी नहीं, लेकिन कुपोषण के कारण बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और बहुत सी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। शरीर को पर्याप्त पोषण न मिल पाने से कुपोषण की स्थिति पैदा होती है। इससे शरीर के जरूरी अंग ठीक तरीके से काम नहीं करते और बच्चे को बीमारियाँ होने लगती है। बच्चों का पेट भरा होने का अर्थ यह नहीं कि उन्हें पूरा पोषण मिल रहा है। बच्चों के खाने में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स, मिनरल्स जैसे पोषक तत्त्व होना भी जरूरी है। क्योंकि इन पोषक तत्त्वों की कमी से ही कुपोषण होता है। जिन बच्चों को समय पर भोजन नहीं मिलता, उनमें कुपोषण होने की सम्भावना सबसे अधिक रहती है। लेकिन जिन बच्चों को समय पर भोजन मिलता है, वे बच्चे भी कुपोषण के शिकार हो सकते हैं। ऐसा भी आवश्यक नहीं कि किसी एक बच्चे में सभी प्रकार के पोषक तत्त्वों की कमी पाई जाये। किसी एक प्रकार के पोषण तत्त्व की कमी से भी कुपोषण होता है। इसलिए बच्चे को कुपोषण से बचाना और अनाज, दालें, हरी सब्जियाँ, सलाद एवं दूध मौसमी फल खिलाना आवश्यक हैं।

स्वस्थ्य व्यक्ति न केवल कमाने योग्य होता है अपितु उसे बीमारी पर भी कम खर्च करना पड़ता है। यदि किसी देश में एक बड़ी संख्या में व्यक्ति दीर्घकालिक कुपोषण से ग्रस्त हैं अथवा अस्वस्थ्यकर वातावरण में रहते हैं तो वे कई बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। जिसके कारण वे काम करने और कमाने के योग्य नहीं रहते। दरिद्रता परिवार के आकार में वृद्धि से सह सम्बन्धित है। परिवार जितना बड़ा होगा उतनी ही प्रति व्यक्ति आय कम होगी और उतना ही नीचा जीवन स्तर होगा।

वैश्विक स्तर पर 2011–13 के दौरान 89.2 करोड व्यक्ति 'भयंकर भूख' के शिकार थे, जिन्हें एक स्वस्थ एवं अच्छे जीवन व्यतीत करने के लिए उपयुक्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं था। इसमें से 21.38 करोड़ अर्थात् एक चौथाई से अधिक भारत में थे।[79] 2010–12 की अवधि में भारत में जनसंख्या का 17.5% अल्पपोषित था अर्थात् प्रत्येक 6 में से एक व्यक्ति। 2008–12 की अवधि में 5 वर्ष से कम आयु के 40.2% बच्चे कम वजन के शिकार थे। 2011 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर 6.1% थी।

N.S.S.O. के 66–वें दौर के अनुसार, कैलोरी के रूप में व्यक्त पोषण वर्ष 1993–94 में 2153 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रति दिन था। वर्ष 2009–10 में यह कम होकर ग्रामीण क्षेत्रों में 2020 कैलोरी एवं शहरी क्षेत्रों में 1946 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रति दिन रह गया।[80]

तीसरा तथा अन्तिम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण वर्ष 2005–06 में किया गया। इसके अनुसार, पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से लगभग आधे बच्चे अवरुद्ध विकास के शिकार थे जिसका अर्थ यह है कि काफी समय से अल्पपोषण की स्थिति में गुजर रहे थे। 20% बच्चे अपनी लम्बाई के मुकाबले बहुत दुबले–पतले थे जिसका कारण अपर्याप्त भोजन

79 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयन पब्लिसिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–297
80 वही, पेज–297

हो सकता है या हाल की बीमारी। जीवन के प्रथम छः मास में भी, जब अधिकतर बच्चे स्तनपान पर निर्भर होते हैं, 20 में 30% बच्चे अल्पपोषण के शिकार थे।[81]

रक्त की कमी या रक्त क्षीणता भारत में एक मुख्य स्वास्थ्य समस्या है, विशेष रूप में स्त्रियों और बच्चों के लिए। तीसरे N.F.H.S. के अनुसार 6 से 59 मास के मध्य आयु के बच्चों का 70% रक्त की कमी का शिकार था। जहाँ तक स्त्रियों का सम्बन्ध है, उनका 35% रक्तक्षीणता का शिकार था।[82]

भारत में पिछले दो दशकों में प्रति व्यक्ति कैलोरी उपभोग में तेज गिरावट भी दिखाई देती है। आर्थिक समृद्धि तथा पोषणिक परिणामों के मध्य सम्बन्ध के सन्दर्भ में भारत का अनुभव एक 'वैश्विक पहेली' माना जा रहा है। जहाँ विश्व का अनुभव यह रहा है कि अल्पपोषण में गिरावट सकल घरेलू उत्पाद में संवृद्धि से लगभग आधी दर पर होती है, वहाँ भारत में 1990 से 2005 की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद में तो 4.2% प्रति वर्ष की संवृद्धि हुई परन्तु अल्पपोषण में गिरावट मात्र 0.63 हुई।[83]

शरीर में होने वाले रोगों को वैक्टेरिया जनित रोग, वायरस जनित रोग, फफूँद जनित रोग, प्रोटोजोआ जनित रोग एवं हैलमिन्थस जनित रोग भागों में विभक्त किया जा सकता हैः काली खाँसी या कुकुर खाँसी (Whooping Cough), निमोनिया (Pneumonia), हैजा (Cholera), तपेदिक (Tuberculosis), डिप्थीरिया (Diptheria), कुष्ठरोग (Leprosy), वैक्टेरिया जनित रोग हैं, पोलियो (Polio), डेंगू ज्वर, एड्स (Acquired Immuno Deficiency Syndrom), इन्फ्लुएंजा (Influanja), चेचक (SmallPox), छोटीमाता, खसरा (Measles), गलसुआ (Mumps), पीलिया (Juindis) कंजक्टिवाइटिस (Conjuctivifis), रैबीज–हाइड्रोफोबिया, मेनिनजाइटिस (Meninjits), हर्पीज (Herpies) वायरस जनित रोग हैं, अस्थमा, खाज (Scabies), एथलीट फुट, पायरिया, गंजापन (Baldness), दाद (Ringworm), मलेरिया, पेचिस (Dysentary), निद्रा रोग (Sleeping sickness), कालाजार (Kalazar), प्रोटोजोआ जनित रोग हैं, अतिसार (Dirrahoea), फाइलेरिया (Filaria), हैलमिन्थस जनित रोग है तथा वर्णांधता हीमोफीलिया, डाउन्स सिन्ड्रोम, टर्नर सिन्ड्रोम, क्लीनफेल्टर सिन्ड्रोम, पटाऊ सिन्ड्रोम मनुष्यों में होने वाले अनुवांशिक रोग हैं।

81 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयन पब्लिसिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–297.
82 वही, पेज 297
83 Bill Pritchard and Ana Rammohan, "Not Palatable for The Poor", Hindustan Times, October 16, 2013, p.4.

निरक्षरता

स्वतन्त्रता प्राप्ति के उपरान्त भारत ने विरासत में एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को प्राप्त किया, जो व्यापक पैमाने पर तथा अन्तर–क्षेत्रीय असन्तुलनो से युक्त थी। इस शिक्षा प्रणाली के द्वारा मात्र कुछ ही व्यक्तियों को शिक्षित किया जा रहा था, जिससे शिक्षित तथा निरक्षर व्यक्तियों की संख्या के बीच का अन्तर बहुत अधिक बढ़ रहा था। वर्ष 1947 में देश की साक्षरता की दर मात्र 14% थी तथा महिला साक्षरता अपने निम्नतम कम होते हुए 8% पर थी। इस प्रकार से सामान्य तौर पर ऐसा विश्वास किया जाता है, कि निरक्षरता को पर्याप्त रूप से दूर किए बिना भारत एक संसजग राष्ट्र नहीं बन सकता और अपने नागरिकों को वह जीवन नहीं उपलब्ध करा सकता जिसके लिए वे लम्बे समय से तरसते रहे हैं। इसमें किसी प्रकार का कोई आश्चर्य नहीं है, कि देश के विकास की प्रक्रिया में सामान्य तौर पर शिक्षा तथा विशेष तौर साक्षरता को उच्च प्राथमिकता क्यों प्रदान की गई है।

साक्षरता को किस प्रकार से परिभाषित किया जाता है? कोई भी ऐसा व्यक्ति जो किसी न किसी भाषा को पढ़ एवं लिख सकता हो, 'साक्षर' होता है। यूनेस्को (UNESCO) ने ऐसे किसी भी व्यक्ति को साक्षर के रूप में परिभाषित किया है ''जो अपने दैनिक जीवन में समझने के साथ–साथ किसी छोटे साधारण अभिकथन को पढ़ एवं लिख सकता हो।'' यूनेस्को का अनुसरण करते हुए, वर्ष 1991 की भारतीय जनगणना के द्वारा भी 'साक्षर' व्यक्ति को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है, जो न केवल पढ़ एवं लिख सकता हो बल्कि ''समझने के साथ–साथ'' किसी भी भारतीय भाषा में पढ़ एवं लिख सकता हो। ऐसे व्यक्ति, जो मात्र पढ़ सकते हैं, किन्तु लिख नहीं सकते, साक्षर नहीं होते। किसी भी व्यक्ति को साक्षर माने जाने के लिए उसके पास किसी विद्यालय में प्राप्त की गई औपचारिक शिक्षा का होना अनिवार्य नहीं है।

वर्ष 2011 की जनगणना के अस्थाई आँकड़ों के अनुसार, भारत के 26% अथवा कुल 272750015 लोग अभी भी निरक्षर हैं। 2001 में कुल जनसंख्या का 35% निरक्षर था।[84] इस प्रकार, गत दशक के दौरान प्राप्त निरक्षरों की कुल जनसंख्या में 31196847 की कमी आ गई। इस कमी में सर्वाधिक योगदान प्राप्त हुआ उत्तर प्रदेश से, जिसके बाद बिहार का स्थान था। इन दोनों ही राज्यों ने एक साथ मिलकर कुल 37.43% की गिरावट का योगदान किया। निरक्षरों की संख्या में भारी कमी का प्रदर्शन करने वाले अन्य राज्य हैं क्रमशः पश्चिम बंगाल (9.44%), गुजरात (7.60%), महाराष्ट्र (7.15%), तमिलनाडु (5.82%), ओडिशा (5.80%), आन्ध्र प्रदेश (4.87%), झारखण्ड (3.18%), छत्तीसगढ़ (0.81%), मध्य प्रदेश (0.80%)।

वर्ष 2001–2011 के दशक के दौरान पुरुष निरक्षरों की कुल संख्या में 14074650 तक की कमी आ चुकी है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा दमन एवं द्वीव को छोड़कर शेष राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों, जहाँ पुरुष निरक्षरों की संख्या में गिरावट आ चुकी है। यहाँ तक कि ऐसे राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों, जहाँ पुरुष निरक्षरों की संख्या में वृद्धि हुई भी है, वहाँ यह वृद्धि सम्पूर्ण अर्थों में कोई विशेष अधिक नहीं है। जिन राज्यों के

84 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.243

द्वारा दशकीय आधार पर 5% बिन्दुओं से अधिक की कमी का योगदान किया गया है वे इस प्रकार हैंः उत्तर प्रदेश (26.22%), बिहार (14.84%), गुजरात (7.39%), पश्चिम बंगाल (6.80%), महाराष्ट्र एवं कर्नाटक (5.86%)। इसी प्रकार वर्ष 2001–2011 के दौरान महिला निरक्षरों की संख्या में वृद्धि हुई है। जिन राज्यों के द्वारा महिला निरक्षरों की कुल संख्या में कमी लाए जाने का योगदान दिया गया है वे क्रमशः इस प्रकार हैंः उत्तर प्रदेश (21.81%), बिहार (12. 63%), पश्चिम बंगाल (11.61%), महाराष्ट्र (8.21%), गुजरात (7.77%), तमिलनाडु (7.31%), कर्नाटक (6.79%), ओडिशा (6.76%) तथा आन्ध्र प्रदेश (4.41%)।

साक्षरता की दरों में श्रेणीबद्धता के अर्थों में वर्ष 2011 के अस्थायी आँकड़ों के अनुसार, जैसा कि पहले भी रहा है, केरल (93.91%) प्रथम स्थान पर बना हुआ है, जिसके बाद क्रमशः लक्षद्वीप (2.28%), मिजोरम (91.58%), त्रिपुरा (87.75%), गोवा (87.40%), दमन एवं द्वीव (87.07%), पुड्डुचेरी (86.55%), चण्डीगढ़ (86.43%), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (86.34%), अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह (86.27%), हिमाचल प्रदेश (83.78%), महाराष्ट्र (82.91%) तथा सिक्कम (82.20%) का स्थान रहा है। सर्वाधिक निम्न साक्षरता दर के सन्दर्भ में बिहार (63.82%) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसके बाद क्रमशः अरुणाचल प्रदेश (66. 95%), राजस्थान (67.06%), झारखण्ड (67.63%) तथा आन्ध्र प्रदेश (67.66%) का क्रम था।

यदि भारत में निरक्षर लोगों की तुलना अन्य देशों के निरक्षर लोगों के प्रतिशत के साथ की जाती है, तो भारत बहुत अधिक पिछड़ा हुआ प्रतीत होता है। वर्ष 1998 में यूनीसेफ के द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार निरक्षर की सर्वाधिक ऊँची दर एशिया, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका के कम विकसित देशों में पाई गई थी, जबकि आस्ट्रेलिया, जापान तथा यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के तकनीकी रूप से और अधिक उन्नत देशों में यह न्यूनतम थी। उदाहरण के लिए, अमेरिका तथा कनाडा की कुल निरक्षरता दर मात्र 1% की थी।

भारत में स्त्रियों के बीच निरक्षरता की समस्या सर्वाधिक खराब है, यद्यपि इन अनेक वर्षों के दौरान लैंगिक विभेदकों में काफी कमी आ चुकी है। जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया जा चुका है, कि यद्यपि 2001–11 के बीच स्त्री निरक्षरों की कुल संख्या में 17122197 तक की कमी आ चुकी है, तथापि यह अन्य देशों की तुलना में काफी ऊँची बनी हुई है। 2011 की जनगणना में पुरुष एवं स्त्री साक्षरता की दरों में दशकीय अन्तर क्रमशः 6.88%, 11.79% बिन्दुओं पर बना हुआ है। निरक्षरता के सन्दर्भ में बच्चों की दशा भी खराब है। कुल साक्षरता दरों में एक बड़े सुधार के बावजूद स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या अभी भी बहुत अधिक बनी हुई है। 1991 की साक्षरता की दर 52% से बढ़कर 2011 में 65% हो चुकी है। पहली बार स्कूल छोड़ देने वाले गैर–साक्षरों की कुल संख्या में कमी आई तथा सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक स्कूलों में हुए सकल नामांकन 1950 के दशक के 1.90 करोड़ की तुलना में 2001 तक बढ़कर 11.40 करोड़ हो चुके थे। इन सबके बावजूद, 6–14 वर्ष की आयु के 20% बच्चे अभी भी स्कूलों में प्रवेश नहीं लेते हैं।[85] आज उ.प्र. के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई न होने से एवं अनेक लालच दिए जाने के बावजूद इनमे कोई अपने बच्चे को पढ़ाना नहीं चाहता है और इनमे छात्रहीनता–शिक्षणविहीन होने के बावजूद शिक्षकों की अधिकता हैं।

85 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.245

बेरोज़गारी

एक व्यक्ति को अपने जीवन में कई भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं, जिनमें से उसकी अधिकतर निर्णायक भूमिका कमाने वाले एक सदस्य की है। यह निर्णायक इसलिए नहीं है कि एक व्यक्ति इस भूमिका को निभाने में अपने जीवन का लगभग एक–तिहाई समय लगा देता है, अपितु इसलिए कि यह उसकी आजीविका और प्रस्थिति को निर्धारित करती है तथा उसको अपने परिवार की सहायता और अपने परिवार और समाज के सामाजिक दायित्त्वों को पूरा करने के योग्य बनाती है। यह उसे शक्तिशाली भी बनाती है। यदि सक्षम और अन्तर्निहित शक्ति रखने वाला व्यक्ति काम करने से इन्कार करता है या उसे काम नहीं मिलता है तो न केवल उसे समाज में कोई प्रतिष्ठा मिलती है, अपितु वह अनेक भावनात्मक एवं सामाजिक समस्याओं से ग्रसित भी हो जाता है। इसकी दशा से वही प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसका परिवार और समाज भी प्रभावित होते हैं।

भारत में निश्चय ही अधिकांश बेरोज़गारी ढांचागत है। 1961–2001 की अवधि में देश की जनसंख्या 21.5% प्रति वर्ष की तेज गति से बढ़ती रही है जिसके फलस्वरूप, श्रम बाजार में नौकरी की तलाश करने वाले लोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई हैं परन्तु धीमी आर्थिक संवृद्धि के चलते, रोज़गार अवसरों में वृद्धि बहुत कम हो गई है। एक योजना से दूसरी योजना में बेरोज़गारों की संख्या बढ़ती चली गई। इस बेरोज़गारी का स्वरूप ऐसा है कि इसे दूर करने के लिए अर्थव्यवस्था की संरचना में परिवर्तन आवश्यक हैं। संरचनात्मक बेरोज़गारी के साथ–साथ देश में कुछ चक्रीय बेरोज़गारी भी है जो शहरी क्षेत्रों में औद्योगिक मन्दी की स्थिति के कारण पैदा हुई है। देश में दीर्घकालिक बेरोज़गारी की समस्या उतनी गम्भीर नहीं है जितनी कि अल्प रोज़गार की समस्या। इसके अतिरिक्त, अल्प रोज़गार की परिस्थिति में गुजरने वाले व्यक्तियों की संरचना में भी परिवर्तन होते रहते हैं।

जब समाज में प्रचलित पारिश्रमिक पर भी काम करने के इच्छुक एवं सक्षम व्यक्तियों को कोई काम नहीं मिलता है तब ऐसे व्यक्तियों को बेरोज़गार एवं ऐसी समस्या बेरोज़गारी की समस्या कहलाती है।[86] दूसरे शब्दों में, जब योग्य और कुशल व्यक्तियों को उनकी क्षमताओं के अनुसार रोजगार नहीं मिल पाता है तो इस समस्या को बेरोज़गारी कहते हैं।

केन्द्रीय श्रम मन्त्री बंडारू दत्तात्रेय के अनुसार, ''राष्ट्रीय स्तर पर बेरोज़गारी का औसत 3.8% है। ग्रामीण क्षेत्रों में 4.5% बेरोज़गारी दर है। जबकि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोज़गारी की दर 5.8% और शहरी क्षेत्रों में 6.5% है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।''[87]

भारत सरकार के सांख्यकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मन्त्रालय के द्वारा संग्रहीत किए गए आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2010 से 2012 के बीच देश में 1.39 करोड़ नए रोज़गार सृजन किए जाने के बावजूद बेरोज़गारी में वृद्धि हुई क्योंकि देश का श्रमिक बल 45.9 करोड़ से बढ़कर 47.29 करोड़ हो गया है।

86 पुरी वी.के.एवं मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, गिरगाँ–केलेवाडी, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–149
87 संजय गुप्त, सम्पादकीय जागरण, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, दिनांक 24.7.2017 पेज 10

देश में बेरोज़गार की स्थिति को देखते हुए श्रम ब्यूरो ने रोज़गारी सर्वेक्षण की शुरूआत 2010 में की थी। दूसरा वार्षिक रोज़गार–बेरोज़गारी की रिपोर्ट 2012 में जारी की गई थी। भारत के सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मन्त्रालय द्वारा जून, 2013 में देश में बेरोजगारी एवं रोज़गार की स्थिति से सम्बन्धित रिपोर्ट जारी की गई, जिसके लिए NSSO के 68–वें चक्र के आँकड़ों को आधार बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल कामगारों की संख्या 472.9 मिलियन है, जिसमें पिछले 2 वर्षों में 13.9 मिलियन की वृद्धि हुई है। इसमें से 52% स्वरोज़गार में 18% नियमित वेतन स्वरोज़गार में तथा 30% अस्थाई रोज़गार में कार्यरत हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष कामगारों की संख्या 234.6 मिलियन व महिला कामगारों की संख्या 101.8 मिलियन है, वहीं शहरी क्षेत्रों में पुरुष कामगारों की संख्या 109.2 मिलियन एवं महिला कामगारों की संख्या 27.3 मिलियन है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोज़गार में नियोजित कामगारों का अनुपात 56% नियमिति मजदूरी वेतन वाले कामगारों का अनुपात 9% एवं अस्थाई श्रमिक का अनुपात 35% है। शहरी क्षेत्रों में स्वरोज़गार में नियोजित कामगारों, नियमित वेतन/मजदूरी वाले कामगारों एवं अस्थाई श्रमिकों का अनुपात क्रमशः 42%, 15% एवं 43% है।[88]

देश में लेबर फोर्स पार्टिशिपेशन रेट अर्थात कुल जनसंख्या में श्रमशक्ति का अनुपात 40% है। यह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 41% एवं शहरी क्षेत्रों के लिए 37% है। पुरुषों के सन्दर्भ में एल.एफ.पी.आर. जहाँ 56 है, वहीं स्त्रियों के सन्दर्भ में 23 है। देश में कार्यशील जनसंख्या अनुपात 39% के स्तर पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 40% एवं शहरी क्षेत्रों में 36% के स्तर पर है, पुनः स्त्रियों के सन्दर्भ में डब्लू. पी. आर. जहाँ 25% है, वहाँ पुरुषों के सन्दर्भ में 54% है।

जनवरी 2014 से जुलाई 2014 तक की अवधि के दौरान श्रम ब्यूरो द्वारा किए गए चौथे वार्षिक रोजगार–बेरोजगार सर्वेक्षण के अनुसार, श्रम बल सहभागिता दर सभी लोगों के लिए 52.5 है। 54.7 पर ग्रामीण क्षेत्रों में L.F.P.R. 47.2 पर शहरी क्षेत्रों से अधिक है। महिलाओं का L.F.P.R. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पुरुषों के L.F.P.R. से काफी कम है। कामगर जनसंख्या अनुपात भी महिलाओं के साथ समान पैटर्न प्रदर्शित करता है, जिससे महिलाओं की सहभागिता की दर शहरी व ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में परुषों की तुलना में निम्नतर है।[89]

वर्ष 1952 में लगभग 850 रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेकार व्यक्तियों की संख्या 4.37 लाख थी जो 1967 में बढ़ कर 27.40 लाख, 1971 में 50.99 लाख, 1976 में 93.26 लाख (सूर्या, जनवरी, 1979ः 50–51), 1981 में 178.3 लाख, 1983 में 219.5 लाख, 1985 में 262.7 लाख, 1987 में 302.4 लाख, 1990 में 346.3 लाख, 1991 में 363.0 लाख हो गई।[90] केन्द्रीय श्रम एवं रोज़गार मन्त्रालय के अनुसार, रोज़गार चाहने वाले ऐसे शिक्षितों–अशिक्षितों, जो ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं तथा जिनका पंजीकरण रोज़गार कार्यालयों में 31 दिसम्बर, 2009 तक हो चुका था, की कुल संख्या 381.52 लाख है।[91]

88 पुरी वी.के.एवं मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, गिरगाँ–केलेवाडी, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–149
89 जैन महेन्द्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण (प्रिण्ट यूनिट), स्वदेशी बीमा नगर, आगरा, वर्ष 2016, पेज–84
90 Government of India, Servey 1992 (New Delhi, 1992), p.296
91 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं,रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 59

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (NSSO) के निष्कर्षों, जो इस श्रृंखला में नवीनतम हैं, के अनुसार भारत में बेरोज़गारी की दर में जुलाई 2011 से जून 2012 के मध्य वृद्धि हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि दर 2% एवं शहरी भारत में 3% रही है। प्रत्येक 1000 की जनसंख्या पर बेरोज़गारी का आँकड़ा 27 का है, जबकि 2 वर्षों पूर्व यह संख्या 25 पर थी। 1 जनवरी, 2010 के दिन बेरोज़गार लोगों की कुल संख्या 98 लाख थी। 1 जनवरी, 2012 तक यह बढ़ कर 1.08 करोड़ हो चुकी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषो एवं स्त्रियों दोनों के लिए ही बेरोज़गारी की दर लगभग समान स्तर अर्थात् 2% पर है। किन्तु शहरी क्षेत्रों में पुरुषो की अपेक्षा स्त्रियाँ अधिक बेरोज़गार हैं। स्त्रियों के लिए यह दर 5% है तथा पुरुषो के लिए 2% है।[92]

कृषि बेरोज़गारी कई कारकों के कारण होती है। प्रथम, खेत इतने छोटे होते हैं कि परिवार के कार्य योग्य आयु वर्ग के सदस्यों को वे काम उपलब्ध नहीं करा पाते। द्वितीय, काम की प्रकृति मौसमी है। मोटे तौर पर भारत में कृषक एक वर्ष लगभग 4 से 6 महीने बेकार रहता है। बंगाल में नियुक्त भूमि राजस्व आयोग के अनुसार बंगाल में एक कृषक एक वर्ष में लगभग 6 महीने बेकार रहता है। **कीटिंग्ज़** ''रूरल इकॉनोमी ऑफ बॉम्बे डेकन'' में कहता है कि महाराष्ट्र में कृषक एक वर्ष में 180–190 दिन काम करता है। केल्वर्ट का मत है कि पंजाब में कृषक एक वर्ष में 150 दिन से अधिक काम नहीं करता। **आर.के.मुकर्जी** ने ''रूरल इकॉनोमी ऑफ इण्डिया'' में कहा है कि उत्तर भारत में एक औसत किसान 1 वर्ष में 200 दिन से अधिक व्यस्त नहीं रहता। **स्लेटर** का ''सम साउथ इण्डियन विलेजेज'' में मानना है कि दक्षिण भारत में कृषक एक वर्ष में केवल 5.5 महीने व्यस्त रहते हैं। **जैक** ''इकॉनोमिक लाइफ ऑफ ए बंगाल डिस्ट्रिक्ट'' में कहता है कि एक वर्ष में जूट श्रमिक 9 महीने और चावल–निर्माता 7.5 महीने बेकार रहते हैं। ये सब मौसमी बेरोज़गारी के उदाहरण हैं जो काम की प्रकृति के कारण होती है। ग्रामीण क्षेत्रों की कुल जनसंख्या के केवल 24.9% आत्मनिर्भर हैं, 59% बगैर कमाई करने वाले आश्रित हैं, और 11.6% कमाने वाले आश्रित हैं। इसका अर्थ यह होता है कि 29.4% व्यक्ति न केवल अपना भरण–पोषण करते हैं, परन्तु बाकी 70.6% व्यक्तियों को भी रोटी देते हैं।[93]

दरिद्रता का मूल कारण बेरोज़गारी है। काम करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए काम का नहीं पाया जाना या बेकारी एवं अर्द्ध–बेकारी से बेरोज़गारी की समस्या उत्पन्न होती है। पिछले 80–90 वर्षों में भूमि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ा है। जनसंख्या में जिस गति से वृद्धि हुई है, उस गति से देश में व्यापार और उद्योग–धन्धों का विकास नहीं हुआ है। फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर लोगों की निर्भरता बढ़ी है। यहाँ कृषि–श्रमिकों को पूरे वर्ष कठिनता से काम मिल पाता है। वर्ष में कई दिनों तक इन्हें बेकार रहना पड़ता है। अतः ग्रामों में जनसंख्या के एक बहुत बड़े भाग के लिए कार्य सुविधाएँ या नौकरी के अवसर प्राप्त करने की प्रमुख समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक निर्योग्यताओं को दूर करने की प्रक्रिया वास्तव में उस समय तक आंशिक और अधूरी रहेगी जब तक काम करने के सभी इच्छुक व्यक्तियों के लिए रोज़गार की सुविधाएँ उपलब्ध नहीं करा दी जाती।

92 टाइम्स ऑफ इंडिया, 23 जून, 2013, पेज 10

93 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं,रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 60

ऋणग्रस्तता और बन्धुआ मजदूर

अपने स्वार्थ एवं व्यक्तिगत हित के लिए दूसरे व्यक्ति को सदैव अपने बन्धन में रखने वाला व्यक्ति स्पष्ट क्रूरता और निर्दयतापूर्ण व्यवहार करता है। यह किसी क्षेत्र या देश में नहीं अपितु सदियों से वैश्विक रूप से सभी स्थानों पर बाइबल युग से आज तक चला आ रहा है। आस्ट्रेलिया स्थिति वॉक फ्री फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशित पहली वैश्विक गुलाम सूची में सम्पूर्ण विश्व के 26 लाख गुलामों में से भारत 13.9 लाख आधुनिक गुलामों के साथ वरीयता सूची में प्रथम स्थान पर है। आधुनिक गुलामों में परम्परागत गुलाम शामिल हैं, जो ऋण अनुबन्ध, जबरदस्ती श्रम में लगाये, बच्चों को बेंचना और तस्करी करते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के वर्ष 2013 के अनुमानों के अनुसार, सम्पूर्ण विश्व में 21 लाख व्यक्ति बन्धुआ मजदूर हैं। आज अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ने अनुमान लगाया है कि न्यूनतम 11.7 बन्धुआ मजदूर एशिया पैसेफिक क्षेत्र में हैं, जिनमे अधिकतर ऋण बन्धक हैं। तथापि यह शब्दावली समय–समय पर और स्थान–स्थान पर बदलती रहती है। गुलाम खेत जोतने वाला, कृषि मजदूर, दास या बन्धक मजदूर। भारत में इस प्रकार के मनुष्य का मनुष्य पर शोषण भिखारी और रैयत के नाम से वर्षों से चलता रहा है। भारत में बन्धुआ मजदूरी धारा 21 और 23 के तहत कानूनी रूप से निषिद्ध है। इसके लिए एक विशेष कानून बन्धक मजदूर कानून 1976 में बनाया गया। वैधानिक चेतावनियों के बावजूद भारत में लाखों बन्धुआ मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। वे अवहेलना, पीढ़ा और अवसाद नितान्त चुप्पी से झेल रहे हैं। वास्तव में बन्धुआ मजदूरी भारतीय समाज में सामन्ती श्रेणी के समाज का अवशेष है।[94]

बन्धुआ के सम्बन्ध में जानने के लिए 'बन्धुआ मजदूरी प्रथा' और 'बन्धुआ मजदूर' को समझना जरूरी है। 'बन्धुआ मजदूरी प्रथा' ऋण दाता और ऋण प्राप्तकर्ता के बीच सम्बन्धों को बताता है जो अपने दैनिक की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेता है और महाजन द्वारा प्रस्तुत शर्तों को स्वीकार कर लेता है। समझौते की प्रमुख शर्त यह होती है कि ऋण लेने वाला अपनी सेवाओं या अपने परिवार के सदस्यों की सेवाओं को निश्चित या अनिश्चित समय के लिए गिरवी रखने को सहमत हो जाता है। इस प्रकार के समझौते के आधार पर बना सम्बन्ध इतकी असमान शर्तों पर होता है कि जब अन्य प्रकार के श्रम के बदले में बाजार में उसके बराबर का मजदूरी होनी चाहिए, 'बन्धुआ मजदूरी प्रथा' की राशि चुकाने के लिए या फिर ऋण पर देय ब्याज की राशि चुकाने के लिए की जाती है। कर्ज़दार या तो स्वतन्त्रता से काम करता है या फिर पारिश्रमिक न्यूनतम श्रम अधिनियम में उल्लेखित न्यूनतम मजदूरी अथवा बाज़ार में चल रहे पारिश्रमिक से कम होता है।[95]

वर्ष 1976 के बन्धुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम में बन्धुआ मज़दूरी प्रथा को इस प्रकार परिभाषित किया गया है। बाध्य मज़दूरी की वह प्रथा जिसके अन्तर्गत एक कर्ज लेने वाला महाजन को अपनी सेवाएँ या परिवार के किसी अन्य सदस्य की सेवाएँ या अन्य किसी व्यक्ति की सेवाएँ, जो उसका आश्रित हो, अर्पित करता है। यह सेवा निश्चित या अनिश्चित समय के लिए होगी तथा उसके बदले में वह या तो पारिश्रमिक नहीं लेगा या

94 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.456
95 मित्तल एम.एल.व रस्तोगी वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, रस्तोगी स्ट्रीट, सुभाष बाजार मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 139

मामूली पारिश्रमिक लेगा, जो कर्ज या अन्य किसी प्रकार के आर्थिक आभार के रूप में प्राप्ति के बदले में होगा, या जो उसके द्वारा या उसके किसी पूर्वज द्वारा लिया गया हो या फिर किसी सामाजिक दायित्त्व के रूप में लिया जाना हो या उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त दायित्व निर्वाह में करने के लिए किया जाना हो। इस समझौते के अन्य परिणाम भी होते हैं, जैसे, कर्ज लेने वाले को रोज़गार करने की स्वतन्त्रता से देश के किसी भाग में आने जाने की स्वतन्त्रता से वंचित रहना और अपनी संपत्ति के किसी भाग को या अपने श्रम उत्पाद को बाजार मूल्य पर बेंचने के अधिकार से वंचित रहना।

प्रो.रमेश चन्द्र शर्मा ने अध्ययन **'कृषि अर्थशास्त्र'** में लिखा है कि, ''अधिकांश भारतवासी दरिद्र एवं ऋणग्रस्त हैं। औसत देशवासी की आय इतनी कम एवं उसके परिवार के सदस्यों की संख्या इतनी अधिक है कि कीमतों में हुई मामूली वृद्धि भी उसे संकट में डाल देती है।''

श्रम राष्ट्रीय आयोग के अनुसार, ''वह मजदूर जो कर्ज लेने के कारण किसी निश्चित समय के लिए बन्धक रहता है।'' अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आयुक्त ने अपनी 24–वीं रिपोर्ट में बन्धुआ मजदूर की व्याख्या करते हुए कहा कि वे ''व्यक्ति जो कर्ज लेने के कारण अपने ऋणदाताओं के लिए या तो बना पारिश्रमिक लिए या मामूली पारिश्रमिक लेकर काम करने के लिए बाध्य हों।''[96]

बन्धुआ मज़दूर की ऋणग्रस्तता और बलात् मज़दूरी मूल विशेषताएँ होती हैं। बलात् मज़दूरी पिता से पुत्र को या पीढ़ी वंशानुक्रम में प्राप्त हो सकती है। बन्धक अवधि में कर्ज़दार अन्यत्र कहीं रोज़गार नहीं लग सकता। आर्थिक सन्दर्भ में इसका अर्थ हुआ कि ''वह बाजार में, बाजार मूल्य पर अपना श्रम नहीं बेंच सकता।'' बन्धुआ मज़दूरी प्रथा अधिकतर गावों में खतिहर मज़दूरों में पाई जाती है, यद्यपि इसका विस्तार खदानों, कारखानों, विद्यालयों, दूकानों, कम्पनियों, शीतग्रहों, बीड़ी कारखानों आदि।

कृषि मजदूर कृषि जनसंख्या का सबसे कमजोर वर्ग है। कृषि मजदूरों को निम्न मजदूरी वह भी वर्ष के दौरान मात्र 200 दिन के लिए, उनकी आय इतनी निम्न रहती है कि वे परिवार को बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकते। निम्नतम मजदूरी कानून को पालन करने की अपेक्षा इसका अधिक उल्लंघन किया जाता है। परिणामतः इससे जिस राहत को मुहैया कराने की उम्मीद थी, इसमें यह विफल रहा।[97] ऐसी कोई सामाजिक सुरक्षा प्रणाली नहीं जो कृषि मजदूरों की मद्द करे। कृषि मजदूर कुछ राज्यों को छोड़कर अन्य अधिकतर राज्यों में मजदूर संघ बनाने में सफल नहीं हुए हैं। अनौपचारिक क्षेत्र के लिए सामाजिक सुरक्षा के अभाव में और विशेषकर कृषि मजदूरों के लिए उनकी दशा बहुत ही दयनीय है।

आज भी जब कृषक, घनी–महाजन का रुपया या ब्याज नहीं चुका पाते हैं तो धनी उन्हें उनकी भूमि से बेदखल करवा देता है। इस प्रकार ऋणग्रस्त कृषक भूमिहीन होकर अपनी ही भूमि धनी के लिये जोतने व बोने को मजबूर हो रहे हैं। कुछ कृषक कर्ज चुकाने के बदले में अपने लडके–लड़कियों को धनी–व्यापारी के यहाँ काम करने के लिए छोड़ देते थे, इस प्रकार इन बच्चों को गुलाम के रूप में काम करने की लिये विवश होना पड़ता है।

96 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.457
97 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पे.759–60

बाल–श्रम

उद्योग, व्यापार, स्कूलों, होटल, आवासों में लगे बाल श्रमिकों का शोषण हो रहा है, वे रोज़गार की खतरनाक परिस्थितियों का जोखिम उठाते हैं और कई घण्टे काम करने के बदले उन्हें कम वेतन दिया जाता है। वे शिक्षा को छोड़ने के लिये बाध्य होकर, अपनी आयु से कहीं अधिक दायित्त्वों का निर्वाह करते हैं, उस आयु में दुनियादार बनकर जबकि उनकी आयु के अन्य बालकों को अभी अपने माता–पिता की सुरक्षा के कवच को छोड़ना बाकी है, ये बच्चे कभी नहीं जान पाते कि बचपन क्या होता है। संविधान में यह प्रतिष्ठापित है किः

(1) चौदह वर्ष से कम आयु के किसी बालक को किसी फैक्ट्री में काम करने के लिए या किसी जोखिम वाले रोज़गार में नियुक्त नहीं किया जाएगा (धारा 24)।
(2) बाल्यावस्था और किशोरावस्था को शोषण और नैतिक एवं भौतिक परित्यक्ता से बचाया जाएगा (धारा 39–एफ)।
(3) संविधान के प्रारम्भ होने से 10 वर्षों की अवधि में सब बालकों की, जब तक 14 वर्ष की आयु को समाप्त नहीं कर लेते, राज्य निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करने का प्रयत्न करेगा (धारा 45)।

भारत में जनसंख्या के 40% से अधिक व्यक्ति घोर दरिद्रता की स्थितियों में रह रहे हैं। यहाँ बाल–श्रम बहुत ही पेचीदा विषय है। बच्चे दरिद्रता के कारण नौकरी करते हैं और उनकी कमाई बगैर उनके परिवारों का जीवन–स्तर और भी गिर सकता है। उनमें से अनेक के तो परिवार ही नहीं होते या सहारे के लिये आशा नहीं कर सकते। ऐसी परिस्थितियों में काम का विकल्प बेरोजगारी, दरिद्रता अथवा इससे भी अधिक खराब विकल्प अपराध है।

वर्ष 2001 में कुल 102.9 करोड की जनसंख्या में से 36.40 लाख (35.35%) बच्चे थे, जिनकी आयु 14 वर्ष से कम थी। 5 से 14 वर्ष आयु समूह में लगभग 25.60 लाख (24.60%) बच्चे थे (प्रेमी, 2011ः 79–80)। इस प्रकार वर्ष 1971 के बाद से 0 से 14 वर्ष के आयु समूह में आने वाले बच्चों के अनुपात में एक सुस्पष्ट गिरावट आ चुकी है, जिसका मुख्य कारण जन्म दर में कमी आना है। यद्यपि वैश्विक आधार पर बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष 2000 के बाद से एक–तिहाई तक की कमी आ चुकी है, जो 24.60 करोड़ से कम होकर 16.80 करोड़ हो चुकी है, तथापि यह अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के द्वारा सहमति प्रदान कर दिए जाने के बावजूद अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के माध्यम से वर्ष 2016 तक बाल श्रम सर्वाधिक बुरे स्वरूपों को समाप्त किए जाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है।[98]

दरिद्र परिवारों के करोड़ों बच्चे आर्थिक परिस्थिति के कारण श्रमिक बल के साथ जुड़ने के लिए बाध्य कर दिए जाते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक नई रिपोर्ट, 'Making Progress Against Child Labour (2013)' कहती है, कि बाल श्रमिकों की सर्वाधिक बड़ी संख्या (लगभग 7.80 करोड़) एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में पाई जाती है, किन्तु उप–सहारा अफ्रीका अभी भी ऐसा क्षेत्र बना हुआ है, जहाँ जनसंख्या के अनुपात के सन्दर्भ में बाल–श्रम

98 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.212

की व्यापकता 21% से भी अधिक होते हुए सर्वाधिक है। अपेक्षाकृत दरिद्र देशों में बाल–श्रम की व्यापकता सबसे अधिक है किन्तु मध्यम आय वाले देशों में बाल श्रमिकों की सबसे बड़ी संख्या मौजूद है। वर्ष 2000 के बाद से बालकों के 25% की तुलना में बालिकाओं के बीच बाल श्रमिकों की संख्या 40% तक की कमी आ चुकी है।

मालिक अपने दोष की भावनाओं को दबाने के लिए बच्चों को नौकर रखने को बड़ी दिलचस्पी से सफाइयाँ पेश करते हैं। वे कहते हैं कि, नौकरी उन्हें भूखा मरने से रोकती है। यह उन्हें अपराध करने से रोकती है, जो कि नौकरी नहीं होने की दशा में वे करते। अधिकारीगणों का यह कहना है कि बाल–श्रम का सम्पूर्ण उन्मूलन दुष्कर है, क्योंकि सरकार उन्हें पर्याप्त वैकल्पिक नौकरियाँ उपलब्ध नहीं करा सकती। सामाजिक वैज्ञानिक यह कहते हैं, कि बाल–श्रम का प्रमुख कारण दरिद्रता है। बच्चे या तो अपने माता–पिता की आय को बढ़ाते हैं या परिवार में वे अकेले ही वेतनभोगी होते हैं। योजना आयोग के द्वारा वर्ष 2011–12 के लिए भारत में दरिद्रता के लगाए गए अनुमानों, जिन्हें जुलाई 2013 में जारी किया गया था, के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या का 21.9% (27 करोड़ व्यक्ति) दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन–यापन कर रहे थे। इनमें से 21.7 करोड़ (25.7%) व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं तथा शेष 5.3 करोड़ व्यक्ति (13.7%) शहरी क्षेत्रों में। दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन–यापन करने वाले व्यक्तियों की सर्वाधिक बड़ी संख्या (5.98 करोड़) उत्तर प्रदेश में पाई गई है, जिसके बाद क्रमशः बिहार (3.58 करोड़), मध्य प्रदेश (2.34 करोड़) महाराष्ट्र (1.98 करोड़) का स्थान है। इन व्यक्तियों को अपने बच्चों को कारखाने आदि में काम करने के लिए बाध्य किया जाता है। दूसरा कारण यह है, कि बाल श्रम सस्ते मजदूर पाने के लिए निहित स्वार्थों द्वारा जान–बूझ कर उत्पन्न किया जाता है। बाल श्रम के होने के लिए तीसरा कारण यह दिया जाता है, कि इसमें उद्यमों को लाभ होता है। उदाहणार्थ, उत्तर प्रदेश का गलीचा का उद्यम, जिसमें एक लाख बच्चे नौकर हैं, 150 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा प्रति वर्ष कमाता है। वर्ष 1997 में निर्यात आय 350 करोड़ रुपए आंकी गई थी।[99]

बच्चे हानिकर प्रदूषित कारखानों में काम करते हैं, जिनकी ईंट की दीवारों पर कालिख जमी रहती है और जिनकी वायु विषादजनक बू होती हैं। वे ऐसी भट्टियों के पास काम करते हैं जो 1400^0C के तापमान पर जलती हैं। वे आर्सेनिक और पोटेशियम जैसे खतरनाक रसायनों को काम में लेते हैं। वे काँच–धमन की इकाइयों में कार्य करते हैं, जहाँ इस काम से उनके फेफड़ों पर जोर पड़ता है। जिससे तपेदिक जैसी बीमारियाँ होती हैं।

दिल्ली, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश महाराष्ट्र के कारखानों में जाने से यह पता चलता है, कि बड़ी संख्या में बाल श्रमिकों की छातियाँ बैठी हुई हैं और हड्डियों के जाल पतले हैं, जिसके कारण वे दुर्बल दिखते हैं। वे चिथडों की गुड़िया की भाँति लगते हैं, जो बिना नहाये और दुर्बल हैं। वे मोटे और खराब सिले हुए कपड़े पहनते हैं। उनमें से कई के हाथों, बांहों और टांगों पर खाज होती है। कुछ के सिर मुड़े होते हैं, क्योंकि कदाचित उनकी सिर की त्वचा पर कोई बड़ी छूत की बीमारी हो गई है।

99 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर, जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.215

भिक्षावृत्ति

यूं तो भिक्षावृत्ति किसी भी समाज के लिए अभिशाप है परन्तु भारत जैसे दरिद्र देश में तो यह जनता पर एक भारी बोझ भी है। आज भारत में लगभग पाँच लाख भिखारी हैं। ये लोग कुछ काम नहीं करते और इस तरह देश में दरिद्रता बढ़ाते हैं, परन्तु भिखारियों की समस्या केवल आर्थिक समस्या ही नहीं हैं। भिक्षावृत्ति का एक सामाजिक पहलू यह भी है कि साधारणतया भिखारियों में नाना प्रकार की भयंकर बीमारियाँ और दुराचरण पाये जाते हैं। इस प्रकार, वे समाज के स्वास्थ्य तथा शान्ति और व्यवस्था के शत्रु हैं। वे समाज के अंग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सड़–गल चुका है और जिसके शीघ्र उपचार कर पाने की आवश्यकता है। देश में भिखारियों की फोटो पश्चिमी देशों में ले जाकर व्यक्तियों ने भारतीय समाज की बदनामी की और उपहास किया। प्राचीन काल में जब कि देश में खाद्य–सामग्री और जीवन की अन्य आवश्यकतायें प्रचुर मात्रा में भी उस समय थी देश में भिखारी थे। प्राचीन काल में अधिकतर भिक्षुक धार्मिक लोग थे जो धर्म और अध्यात्म की खोज में समय बिताते थे और पेट भरने के लिय भीख माँग लाते थे। हिन्दू धर्मशास्त्रों में सन्यासियों और ब्रह्मचारियों के लिये भिक्षा माँग कर खाने का विधान था, परन्तु आज–कल भीख माँगना एक व्यवसाय बना लिया गया है और भीख माँगने वाले अपना समय घोर अनैतिक कार्यों में बिताते हैं। इसके अतिरिक्त आज–कल देश में काम करने वालों को भी जीवन की जरूरी वस्तुयें ठीक प्रकार से नही मिल पाती हैं। स्पष्ट है कि आज देश में ऐसे व्यक्तियों को कुछ नहीं मिलना चाहिये जो काम न करें। अतः यद्यपि कुछ धार्मिक रूढ़िवादी व्यक्ति भिक्षा देना अच्छा समझते हैं तथापि प्रत्येक समझदार व्यक्ति यह जानता है कि ऐसा करना समाज के इस कोढ़ को बनाये रखने की चेष्टा करना है। भिक्षावृत्ति के सामाजिक और आर्थिक वस्तुओं पर एक दृष्टि डालने के बाद उसका समूल उन्मूलन आवश्यक जान पड़ता है।[100]

"A person without means of subsistance and wondering about or found in public place or allowing himself to be use as exhibit for the purpose of begging is covered by definition."

The Bombay Begging Act, XXXIII of 1945.

"Begging includes exhibiting or exposing sores, soliciting alms, ailments or deformities or making false pretence of them for exciting pity for securing alms."

The Masore Prohibition of Begging ACT, XXXIII of 1944.

''एक व्यक्ति जिसके जीवन–यापन का कोई साधन नहीं है और जो इधर–उधर घूमता रहता है या सार्वजनिक स्थानों में पाया जाता है अथवा भीख माँगने के लिए अपना प्रदेशन स्वीकार करता है।''[101] इस परिभाषा के अनुसार, भिखारी में तीन बातें देखी जाती हैं– (i) जीविकोपार्जन के कोई प्रत्यक्ष साधन का न होना, (ii) सार्वजनिक स्थानों पर भीख माँगना, (iii) भीख माँगने के लिये बीमारी तथा घावों आदि का प्रदर्शन करना भिक्षावृत्ति की अन्य परिभाषाओं की भी उसमें ये बातें दिखाई पड़ती हैं।

100 शर्मा रामनाथ, अपराधशास्त्र एवं दंडशास्त्र तथा सामाजिक विघटन,एटलॉटिक पब्लिकेशन,विशाल इंक्लेव, दिल्ली, 2004,पे.379
101 वही, पेज 379.

वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार, भारत में 487857 भिखारी और आवारा लोग थे। इनमें से 344216 पुरुष और 143641 महिलायें थी।[102] देश में जिन स्थानों पर जनसंख्या अधिक है वहाँ भिखारियों की संख्या भी अधिक है। साधारणतया ये भिखारी मन्दिर, मस्जिद, रेलवे–स्टेशन, बस–स्टेशन, बाजार, मेला, पार्क, स्नानघाट आदि सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई पड़ते हैं जहाँ लोगों का आना–जाना अधिक होता है। इन भिखारियों में बहुत से संगठित रूप से भिक्षावृत्ति करते हैं। कहीं–कहीं पर भिन्न–भिन्न मोहल्ले भिखारियों में बाँट दिये जाते हैं। ये मोहल्ले बराबर बदलते रहते हैं। अधिकतर भिखारी गन्दी बस्तिया, सार्वजनिक स्थानों पर या नगर अथवा गाँव दोनों जगह पाये जाते हैं।

भिखारियों में भीख माँगने के बहुत से तरीके पाये जाते हैं। कुछ महिलायें अपनी असहायता के लिखित प्रमाण–पत्र लिये घूमती हैं और उसको दिखाकर भीख माँगती हैं। कुछ भिखारी अन्धे, अपाहिज या बालक को लिये घूमते हैं और उसके लिये भीख माँगते हैं।

भिखारी अनेक प्रकार के होते हैं। जिनमे प्रमुख हैं–(i) व्यवसायिक भिखारीः जो अपंगों तथा बालकों को भीख माँगने के लिये नौकर रखने वाले लोग हैं, (ii) काम करने वाले भिखारी जो रात में कहीं कार्य करते हैं और दिन में भीख माँगते हैं।

दरिद्रता और बेकारी के प्रभावित अनेक भिखारी ऐसे हैं जो बेकारी होने के कारण भीख माँगते हैं और काम मिलने पर भिक्षावृत्ति छोड़ सकते हैं परन्तु धार्मिक विचारों के लोग भिखारियों को दान देकर भिक्षावृत्ति में वृद्धि और प्रोत्साहित कर रहे हैं। तीर्थ स्थानों पर उनकी अच्छी–खासी आय एवं इतना धन मिल जाता हैं कि वे दरिद्र नहीं कहे जा सकते हैं।

भारत में इस समय पाँच लाख से अधिक भिखारी हैं। इनकी सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, मैसूर और मध्य प्रदेश में पाई जाती है। मुम्बई में इनकी संख्या 54000, कोलकाता में 3000, मद्रास में 25000 एवं दिल्ली में 12000 है।[103]

इन भिखारियों में विभिन्न प्रकार के बिकलांग, रोगी, वृद्ध और सन्यासी पाये जाते हैं। देश में एक लाख व्यक्ति वृद्धावस्था के कारण भीख माँगने का व्यवसाय करते हैं।, इनमें से बहुत थोड़े व्यक्तियों की सहायता हेतु केन्द्रों में जगह मिल जाती है। वर्ष 1968 में वृद्ध जन सम्मान समिति ने वृद्ध व्यक्तियों के पुनर्वास के लिये 400 करोड़ रुपये अनुमानित व्यय की योजना बनाई थी जिसमें एक वर्ष के अन्दर इस प्रकार के भिखारी समाप्त किये जा सकते थे। भिखारी में बिकलांगों की संख्या सर्वाधिक है। इनमें से एक बहुत बड़ी संख्या भीख माँगने का काम करती है। रोग के कारण भीख माँगने वालों में बड़ी संख्या कोढ़ियों की है। इस समय देश में डेढ़ लाख कोढ़ी हैं[104] जिन्हें आवास एवं मासिक पेंशन 2500 रुपए, 35 किग्रा राशन, चीनी, तेल निःशुल्क चिकित्सा मिलती है फिर भी भीख माँगने का अपराध कर रहे हैं।

102 शर्मा रामनाथ, अपराधशास्त्र एवं दंडशास्त्र तथा सामाजिक विघटन,एटलॉटिक पब्लिकेशन,विशाल इंक्लेव, दिल्ली,2004, पे.379
103 वही, पेज 379.
104 वही, पेज 381.

पूँजीवाद

पूँजीवादी व्यवस्था के विषय में प्रसिद्ध दार्शनिक एवं विद्वान कार्ल–मार्क्स के विचार उल्लेखनीय है। कार्ल मार्क्स के अनुसार, पूँजीवादी व्यवस्था समाज में दो वर्ग बन जाते हैं– एक ओर तो पूँजीपति, मिल मालिक या धनी वर्ग तथा दूसरी ओर श्रमिक या दरिद्र वर्ग।[105]

पूँजीवादी समाज का उद्भव सामन्तवादी समाज के अन्त होने पर होता है और उसका कारण उत्पादन के साधनों में परिवर्तन होता है। सामन्तवादी युग में भूमि उत्पादन का सर्वप्रथम साधन था। परन्तु मशीनों के आविष्कार के पश्चात् उत्पादन का मशीन और मशीनों से चलने वाले मिल, कारखाने आदि हो गए। उत्पादन के इन साधनो पर अधिकार उन्ही लोगों का हो सकता है जिनके पास बड़ी–बड़ी एवं कीमती मशीनों को खरीदने तथा मिल–कारखनों को स्थापित करने के लिए पर्याप्त पूँजी हो।

पूँजीवादी समाज 'मनूष्य का मनुष्य द्वारा शोषण' करने वाला समाज है, धनी को अधिक धनी और दरिद्र को अधिक दरिद्र बनाने वाला समाज है। यह दरिद्र जनता या श्रमिकों का खून चूसकर पनपता है, उनके श्रम पर टिका हुआ होता है और उन्हीं की अज्ञानता और संगठन के अभाव का नाजायज फायदा उठाकर जिन्दा रहता है। पूँजीपति वर्ग, श्रमिक वर्ग को उत्पीड़ित करता है।[106], उनका शोषण करता है।

पूँजीवादी समाज के सम्पूर्ण सदस्य नए उत्पादन के साधनों यथा मशीन, मिल, कारखाना आदि के उद्भव के साथ–साथ दो विराट वर्गों में स्वतः ही बँट जाते है। प्रथम् पूँजीपति वर्ग अल्पसंख्यक उन लोगों का होता है जिनका इन उत्पादन के साधनों पर अधिकार होता है। दूसरा वर्ग समाज के बहुसंख्यक श्रमिक लोगों का होता है जिनके पास पूँजी या जीविका–पालन के अन्य कोई साधन नहीं होते हैं उनके लिए जीवित रहने का एक ही मार्ग खुला होता है और वह यह कि वे अपने श्रम को पूँजीपति वर्ग द्वारा स्थापित मिल–कारखानों में जाकर बेंच दें, अर्थात् अपने श्रम से उत्पादन–कार्य में सक्रिय भाग लें और उसके बदले में वेतन उपार्जन करके अपने को तथा अपने परिवार के अन्य आश्रितों को जीवित रखें। यह वेतन कितना होगा, इसका निर्धारण श्रमिक नहीं अपितु पूँजीपति करता है। पूँजीपति वर्ग श्रमिकों की कमजोरियों को खूब जानता है और उसी के बल पर अपनी स्वार्थ–सिद्ध करता है।[107] पूँजीपति जानता है कि श्रमिक अपने श्रम को भविष्य के लिए संचय करके नहीं रख सकता और न वह रातों–रात अपने को इतना संगठित कर सकता है कि पूँजीपतियों से अपने वेतन की वृद्धि को सौदा कर सके। फलस्वरूप श्रमिक से कड़ी मेहनत करवा लेता है और उसके बदले में नाममात्र का वेतन देता है और भी स्पष्ट रूप में, श्रमिक अपने श्रम से जितना मूल्य उत्पन्न करता है, उसका उचित हिस्सा श्रमिक को वेतन के रूप में नहीं मिलता है, वरन् उसका एक बहुत छोटा भाग श्रमिक को देकर अधिकांश भाग पूँजीपति स्वयं हड़प जाता है। इस प्रकार मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण होता है।[108]

---

105 मित्तल .एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 210
106 वही
107 वही
108 वही, पेज 212

उक्त परिस्थितियों के फलस्वरूप अधिकाधिक पूँजी पूँजीपतियों की तिजोरियों में एकत्रित होती है अर्थात् धनवान अधिक धनी बन जाते हैं और जो लोग अपना खून–पसीना एक करके उस धन को उत्पन्न करते हैं और जिनका कि वास्तव में उस धन पर अधिकार होना चाहिए, वे क्रमशः दरिद्रता के निम्नतम स्तर पर आते जाते हैं। वेतनभोगी श्रमिक व्यक्तिगत रूप में क्योंकि स्वतन्त्र होते हैं, इसलिए पूँजीपति वर्ग उनको उस रूप में बेंच या मार तो नहीं सकते जैसा कि दासत्व के युग में दास के स्वामी अपने दासों के साथ करते थे, परन्तु इस व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का भारी मूल्य भी उन्हें चूकाना पड़ता है और पूँजीपतियों द्वारा शोषण के परिणामस्वरूप उनकी दशा दिन–प्रतिदिन अधिक दयनीय होती जाती है।

पूँजीपति समाज में फैक्ट्री प्रणाली के अन्तर्गत उत्पादन–कार्य बड़े पैमाने पर होता है, क्योंकि मशीनों से पूर्ण उपयोगिता बड़े पैमाने में उत्पादन होने से दो दुष्परिणाम सामने आते हैं– प्रथम तो यह है कि मशीन स्वयं ही श्रमिकों को रोज़गार से निकाल फेंकती है। अनेक मजदूर महीनों में जितना काम कर सकते है, एक मशीन एक मजदूर की सहायता से मिनटों में उतना ही काम कर डालती है। इससे मजदूरों में बेकारी बढ़ती है और बेकार व्यक्तियों की संख्या जितनी बढ़ती है, उतनी ही पूँजीवादी व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में असन्तोष की भावना उग्र हो जाती है। द्वितीय उत्पादन बड़े पैमाने पर होने के कारण बहुधा अति–उत्पादन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसके फलस्वरूप **'व्यापारिक मन्दी का चक्र'** आता है। इस मन्दी से न केवल बेकारों की संख्या बढ़ती है, अपितु छोटे मिल–मालिकों को व्यापार में भारी हानि होती है और वे अपनी पूँजी की शक्ति खोकर श्रमिक वर्ग मे आ मिलते है। इससे एक ओर श्रमिक वर्ग की सदस्य शक्ति बढ़ती है और दूसरी ओर कम हैसियत वालों को घाटा होने पर उनकी पूँजी भी अधिकाधिक अल्पसंख्यक पूँजीपतियों के पास एकत्रित होती जाती है। साथ ही, मन्दीकाल में मजदूरों का वेतन भी कम कर दिया जाता है जिससे कि उनकी क्रय–शक्ति घटती है और वे अपनी प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते है। इसके फलस्वरूप श्रमिकों में जो असन्तोष की भावना पनपती है, उससे वर्ग–संधर्ष उग्र होता है और अर्थ व्यवस्था में पूँजीपति तथा पूँजीहीनों के दो वर्ग स्पष्ट रूप से आमने–सामने अपने–अपने स्वार्थों को लेकर संघर्ष हेतु खड़े हो जाते है।

वस्तुतः पूँजीवाद व्यवस्था में ऐसे कई आन्तरिक विरोध क्रियाशील होते है जिनके कारण पूँजीपतियों के विरुद्ध श्रमिकों की क्रान्ति और उसके फलस्वरूप पूँजीवाद का विनाश अतिसम्भवी है। इसी प्रकार पूँजीवादी समाज की ऐतिहासिक मात्रा छोटे पैमाने के संगठन से आरम्भ होकर बड़े संगठन पर पहुँचकर समाप्त होती है। उसका आरम्भ मजदूरों के शोषण से होता है, परन्तु उसका अन्त स्वयं पूँजीपतियों के विनाश से होता है। उसका प्रारम्भ उज्जवल आशाओं से होता है पर उसका अन्त अन्धकार से भी अधिक अन्धकारमय होता है। इस प्रक्रिया को मार्क्स ने अपने आवेशमय तथा शक्तिशाली शब्दों में इस प्रकार व्यक्त किया है–''जैसे ही परिवर्तन की यह प्रक्रिया पुराने समाज को ऊपर से नीचे तक पर्याप्त रूप में कर लेती है, जैसे ही श्रमिक सर्वहारा का रूप धारण कर लेता है और उनके श्रम के साधन पूँजी में परिवर्तित हो जाते है तथा जैसे ही पूँजीवादी उत्पादन की पद्धति अपने स्वयं के पैरों पर खड़ी हो जाती है वैसे ही श्रम का अतिरिक्त समाजीकरण तथा भूमि एवं

उत्पादन के अन्य साधनों का समाज के लिए उपयुक्त और इसलिए, सामूहिक उत्पादनों के साधनों में परिवर्तन और साथ ही व्यक्तिगत सम्पत्तियों का स्वामित्व–हरण एक नया रूप धारण कर लेता है। अब जिसका स्वामित्व हरण होना है, वह अपने लिए काम करने वाला श्रमिक नहीं, अपितु बहुत से श्रमिकों का शोषण करने वाला पूँजीपति है। स्वामित्व–हरण का यह कार्य स्वय पूँजीवादी उत्पादन–प्रक्रिया में अन्तर्निहित नियमों की क्रियाशीलता अर्थात् पूँजी के केन्द्रीकरण के कारण घटित होता है। एक पूँजीपति हमेशा बहुतों को मारता है।[109] पूँजीवादी व्यवस्था में यदि एक ओर कम–से–कम लोगों के हाथ में पूँजी का अधिकाधिक केन्द्रीकरण होता है, तो दूसरी ओर बढ़ते हुए पैमाने पर श्रम–प्रक्रिया का सहयोगी स्वरूप, विज्ञान के सचेत प्रयोग, भूमि की विधिवत खेती, उत्पादन के साधनों का सामूहिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग, उत्पादन के समस्त साधनों में मितव्ययता तथा समग्र श्रमिक वर्ग का संसार व्यापक बाजार में सम्मिलित होना और इस प्रकार पूँजीवादी व्यवस्था के अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप का प्रकट होना आदि भी होता जाता है। पूँजीवादी व्यवस्था में यदि एक ओर परिवर्तन की प्रक्रिया के समस्त लाभों पर अपना एकाधिकार जमा लेने वाले बड़े पूँजीपतियों की संख्या निरन्तर घटती जाती है, तो दूसरी ओर दरिद्रता, दमन, दासता, नैतिक पतन एवं शोषण में निरन्तर वृद्धि होती जाती है और इसी के साथ श्रमिक वर्ग का विद्रोह भी बढ़ता जाता है क्योंकि स्वयं पूँजीवाद उत्पादन–प्रक्रिया की क्रियाशीलता के परिणामस्वरूप इस श्रमिक वर्ग की संख्या में निरन्तर वृद्धि होती जाती है और उसका अनुशासन, एकता और संगठन भी मजबूत होता जाता है। ''उत्पादन के साधनों का केन्द्रीकरण तथा श्रम का समाजीकरण अन्त में उस स्तर पर पहुँच जाता है जहाँ वे अपने पूँजीवादी आचरण में असंगत प्रकट होने लगते हैं। इसलिए वह आवरण तोड–फोड़ ड़ाला जाता है। पूँजीवाद व्यक्तिगत सम्पत्ति की मृत्यु की घण्टी बज जाती है। स्वामित्व–हरण करने वालों का स्वामित्व–हरण हो जाता है।''

मित्तल .एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 213

अस्पृश्यता और जातिवाद

वस्तुतः भारतीय समाज प्राचीन काल से ही विभिन्न वर्गों मे विभाजित रहा है। प्रारम्भ में वर्गीकरण का आधार वर्ग व्यवस्था थी। वर्ण व्यवस्था से ही जाति प्रथा प्रारम्भ हुई। जाति व्यवस्था के अन्तर्गत सारा समाज जातियों और उपजातियों में विभाजित था। इस विभाजन में अनेक लाभ भी हैं जैसे इस विभाजन के द्वारा समाज में सभी कार्य व्यवस्थित रूप से हो जाते हैं तथा सामाजिक नियन्त्रण बना रहता है।

आधुनिक भारतीय समाज भी विभिन्न जातियों में विभाजित है। एक जाति के अनुयायी लोग अपने आपको उसी जाति का सदस्य मानते हैं। यह आस्था कभी–कभी अन्ध आस्था या अन्ध समूह की भक्ति के रूप में प्रकट हुआ करती है। इस अन्ध आस्था को ही जातिवाद कहा जाता है। जातिवाद के अन्तर्गत जाति के सभी सदस्य अपनी जाति के हर प्रकार के हितों को प्राथमिकता दिया करते हैं। जाति के अनुयायी व्यक्ति अपने आर्थिक, राजनैतिक एवं व्यवसायिक समाज को अपनी जाति तक ही सीमित करने की चेष्टा किया करते हैं। इस प्रकार जातिवाद के पृथकता एवं एक सीमितता की भावना प्रधान हुआ करती है। जातिवाद के अन्तर्गत अपनी जाति के प्रति अनेक बार अन्ध एवं एकांगी निष्ठा भी प्रबल हुआ करती है।

काका कालेलकर के अनुसार, ''जातिवाद अन्ध और परमोच्च समूह शक्ति है जो न्याय के स्वस्थ सामाजिक मानदण्डों, औचित्य, नैतिक तथा सार्वभौमिक मातृत्व की उपेक्षा करती है।[110]

डा.एन.प्रसाद के अनुसार, ''राजनीति के रूपान्तरित जाति के प्रति निष्ठा को जातिवाद कहते हैं।''[111]

के.एन.पणिकर के अनुसार, राजनीति की परिभाषा में जाति के प्रति निष्ठा का भाव ही जातिवाद है।''[112]

गाँधीजी के शब्दों में, ''मैंने इस वर्ण–व्यवस्था को, प्राकृतिक विषय को, जैसा समझा और उसका जो अर्थ किया है, उससे तो यह नियम सर्वथा उपयोगी ही प्रतीत हुआ है। परन्तु प्रकृति के अनेक विषयों और व्यवस्थाओं की भाँति यह वर्ण–व्यवस्था भी विकृत हो गई है और इसी से आज हमें यह भयानवी–सी दिखाई पड़ती है। मनुष्य ने–हिन्दू नामधारी मनुष्य ने–उसका रूप बिगाड़ दिया है और उसमें छूत–छूत का काला रंग घोलकर उसे और कुरूप कर दिया है।''[113]

वस्तुतः भारत में जातिवाद के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को परिभाषित किया हैं। राजनीति में जातिवाद का बोलबाला है। चुनावों में वोट जाति के आधार पर माँगे जाते हैं।

---

110 मित्तल .एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 73.
111 वही, पेज 73.
112 वही, पेज 73.
113 मुकर्जी रवीन्द्र नाथ, सामाजिक विचारधारा, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली–7, वर्ष 2002, पेज 487.

मन्त्रिमण्डलों में पदों का विभाजन जाति के आधार पर किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी जातिवाद स्पष्ट रूप से क्रियाशील दिखाई देता है। विद्यालयों की स्थापना एवं नौकरियों में भर्ती जाति के आधार पर की जाती है। इसके फलस्वरूप सरकारी एवं सार्वजनिक विभागों सहित प्राइवेट संस्थानों एवं विद्यालयों में एक ही जाति विशेष के लोगों की नियुक्ति की जाती है। लेकिन जातिवाद का सबसे भयंकर रूप अस्पृश्यता में दिखाई देता है। पण्डित जवाहर लाल नेहरू के शब्दों में, ''अस्पृश्यता जातिवाद का एक अनिवार्य कार्य है।''[114]

अस्पृश्यता जाति प्रथा का भयंकर अभिशाप है। यह सामाजिक असमानता का वह नग्न दृश्य है जिसके आधार पर मनुष्य दूसरे मनुष्य के केवल स्पर्श मात्र से भ्रष्ट तथा अपवित्र हो जाता है। केवल स्पर्श करने से ही नहीं अपित इनकी और भी अधिक पराकाष्ठा पाई जाती है। लोग समीप जाने एवं देखने से ही अपवित्र हो जाते हैं। अस्पृश्यता जाति प्रथा के परिणामस्वरूप विकसित वह व्यवस्था है, जिसमें मनुष्य–मनुष्य के बीच इतना अधिक अन्तर किया जाता है कि स्पर्श मात्र से ही उच्च जातियों से पृथक रहने की व्यवस्था की गई है तथा अनेक प्रकार की निर्योग्यतायें निर्धारित की गई हैं इन निर्योग्ताओं के कारण अस्पृश्यों का जीवन नारकीय हो जाता है। जीवन के समस्त सुख एवं समृद्धि इससे छीन ली जाती है। एक प्रकार से उनकी सामाजिक हत्या कर दी जाती है तथा वे परासव जीवत रहते हुए भी मृत के समान जीवन व्यतीत करते हैं।[115]

मालिक–नियोक्ता, अमीर, अधिकारी और सरकार भी दरिद्रों से घृणा करती है। वे आलसी, अकुशल और समाज पर बोझ तथा अस्पृश्य माने जाते हैं। उनको हर स्तर पर सताया जाता है, अपमानित किया जाता है और उनसे भेद–भाव किया जाता है। उनका कोई प्रतिनिधित्व नहीं करता और वे शक्तिहीन होते हैं। इस कारण वे सदैव शक्तिशाली व्यक्तियों के आक्रमण और विद्वेष के निशाना बनाए जाते हैं। उन्हें निरक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनमें सामूहिक शक्ति का अभाव होता है और जब कभी वे स्थानीय या लघु स्तर पर समाज के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक समूहों के विरुद्ध एक होने का प्रयत्न करते हैं तो उन लोगों को लगता है कि उनके आधिपत्य को खतरा है और इस कारण उन दरिद्रों को कुचल दिया जाता है। उन्हीं ऋणों पर ऊँची दर पर ब्याज देना पड़ता है। उन पर दोषारोपण किया जाता है और उन्हें अनुशासनहीन, अपरिपक्य और बहुत कम दूरदर्शिता वाला कहा जाता है। पुलिस तो सबसे पहले उन क्षेत्रों में जाती है जहाँ दरिद्र रहते हैं जैसे कि केवल दरिद्र ही अपराध करते हैं। वे बिरले ही विश्वसनीय, भरोसे के और ईमानदार माने जाते हैं। इस प्रकार समाज के प्रत्येक स्तर पर प्रतिकूल उनकी आत्मछवि को गिराता है, उनमें हीन–भावना को जन्म देता है और अपनी सहायता के लिए साधन जुटाने के प्रयत्नों पर उन पर रोक लगाता है।[116]

114 मित्तल .एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 213
115 वही, पेज 79
116 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर,जयपुर,तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पेज 33

मादक द्रव्य व्यसन

'द्रव्य' एक रासायनिक पदार्थ है, जिसके कुछ विशिष्ट शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव होते हैं। यह व्यक्ति की साधारण शारीरिक प्रक्रियाओं व प्रकार्यों को बदलता है। चिकित्सीय सन्दर्भ में 'द्रव्य' पदार्थ है जो चिकित्सक द्वारा द्रव्यों के रूप में नियत किया जाता है, जिससे वह अपने रासायनिक प्रकृति द्वारा जीवित प्राणी की संरचना व प्रकार्यों पर आवश्यक प्रभाव डाल सके। मनोवैज्ञानिक व सामाजिक सन्दर्भों में द्रव्य वह शब्द है जो आदत–निर्माण के लिए उपयोग किया जाता है जो मस्तिष्क तथा नाड़ी मण्डल को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

द्रव्य का उपयोग एवं सेवन जिससे शारीरिक व मानसिक हानि होती है। इसमें गांजा, अफीम, चरस, भाँग, हीरोइन, कोकीन, हरीश, मदिरा, माजून, मार्फीन, ब्राउन सुगर, पैथोडीन, एस्प्रिरीन, हरीश का धुम्रपान, एल. एस. डी. का सेवन, मार्फीन का इन्जेक्शन आदि शामिल हैं। इन वस्तुओं का प्रयोग व्यक्ति 'सामान्य' बनने के लिए करता है। मादक द्रव्यों का सेवन जब एक बार किसी कारण से प्रारम्भ कर दिया जाता है तो वह आदत का रूप ले लेते हैं और उन्हें छोड़ने में शारीरिक एवं मानसिक कठिनाइयाँ महसूस होती हैं। इस प्रकार मादक द्रव्य के विषैले प्रभावों पर शरीर इतना आश्रित हो जाता है कि उसके बिना वह नहीं रह पाता है।

'द्रव्य' निर्भरता द्रव्य का आदी होना और नित्य सेवन करना सूचित करता है कि निर्भरता शारीरिक या मानसिक हो सकती है। शारीरिक निर्भरता द्रव्य के बार–बार के सेवन से उत्पन्न होती है जब कि द्रव्य की उपस्थिति के कारण शरीर अपने को समयोजित करता है। लेकिन इसके बन्द कर देने से व्यक्ति पीड़ा, दर्द, उलझन व्यथा तथा बीमारी का सामना करता है। व्यसन शब्द अधिकांशतः शारीरिक स्थिति को दर्शाती है। अतः व्यसन व शारीरिक निर्भरता एक वह स्थिति है जिससे शरीर को अपने कार्य संचालन के लिए द्रव्य का निरन्तर सेवन चाहिए। द्रव्य के बन्द कर देने से शरीर के कार्य निष्पादन में हस्ताक्षेप होता है और द्रव्य में पाए जाने वाले विशिष्ठ प्रतिरूप के अनुसार बन्द होने के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। वंचना के प्रतिपूर्ण प्रतिक्रिया के 'उपभोग स्थगन संलक्षण' कहा जाता है।

द्रव्य का दीर्घ स्थायी सेवन–कर्ता यह विचार विकसित करता है कि वह अपने द्रव्य की मात्रा का निरन्तर बढ़ाता जाता है, जिससे उसमें यह प्रभाव पैदा हो जो पहली खुराक लेते समय हुआ था। इस तथ्य को 'सहनशीलता' कहा जाता है। यह सहनशीलता बाहरी पदार्थ की उपस्थिति में शारीर की अपने को अनुकूल करने की क्षमता दर्शाती है। परन्तु समस्त व्यक्तियों में सभी द्रव्यों के लिए सहिष्णुता विकसित नहीं होती, यद्यपि कुछ द्रव्यों (मार्फीन) के लिए व्यसनी सहनशीलता को शीघ्र गठित कर लेते हैं। 'प्रति सहनशीलता' का तात्पर्य एक द्रव्य के लिए सहिष्णुता उसी प्रकार के अन्य द्रव्यों के लिए भी सहनशीलता पैदा करती है। मनोवैज्ञानिक निर्भरता तब उत्पन्न होती है जब व्यक्ति द्रव्य पर उससे उत्पन्न होने वाले सुख की अनुभूति करने लगता है। मनोवैज्ञानिक निर्भरता के लिए 'आदी होना' शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'आदी होना' और 'व्यसन' में अन्तर यह है कि जितना

व्यसन विनाशकारी है, उतनी आदत नहीं है। किसी द्रव्य के लिए व्यसन का तात्पर्य शरीर उस द्रव्य के विषैले, नशीले पदार्थ पर इतना निर्भर हो जाता है कि उसके बिना वह रह नहीं सकता।

मादक द्रव्य शामक या अवसाद व केन्द्रीय नाड़ी मण्डल को क्षीण आसक्त करते हैं, नींद उत्पन्न करते है तथा शाँतिपरक प्रभाव पैदा करते है। टैंक्विलाइजर (शाँति प्रदान करने वाले) द्रव्य और बाबिटयुरेट इस श्रेणी में आते हैं। चिकित्सीय दृष्टि से वे उच्च रक्तचाप, अनिद्रा व मिर्गी के लिए तथा शल्य चिकित्सा के पूर्व से बाद में रोगियों के आराम व शिथिलीकरण के लिए दिए जाते हैं। अवसादक पदार्थ के रूप में ये नसों और माँसपेशियों की क्रियाओं की गति कम करते हैं। छोटी मात्रा में ये सांस लेने व दिल की धडकन को धीमा करते हैं तथा लेने वाले को शिथिलता का अनुभव कराते हैं, लेकिन बड़ी मात्रा में इनके प्रभाव मदिरा की मादकता से मिलते जुलते हैं जिसके कारण इन्हें प्रयोग करने वाला आलसी, निष्क्रिय, उदासीन, चिड़चिड़ा व झगडालू भी बन जाता है। उसके सोचने, काम करने एवं ध्यान की शक्ति कम हो जाती है तथा उसका भावात्मक नियन्त्रण कम हो जाता है।

मादक द्रव्य उत्तेजक केन्द्रीय नाडी मण्डल के क्रियाशील बनते है, तनावों को कम करते है, हल्के अवसाद का उपचार करते है, अनिद्रा पैदा करते हैं, सतर्कता बढ़ाते हैं, थकान और आलस्य व निष्क्रियता का निवारण करते हैं तथा आक्रमणकारी अवरोध को कम करते हैं। जो उत्तेजक पदार्थ व्यापक रूप से उपयोग किए जाते है, वे हैं ऐम्फेटामाइन, कैफीन और कोकीन। चिकित्सक द्वारा निर्धारित एम्फेटामाइन का मध्यम डोज थकान को नियन्त्रित कर फुर्ती और आत्म–विश्वास व कल्याण की अनुभूति पैदा करता है। परन्तु इसका भारी डोज अति भयातुरता, अधीरता, अधीरता, चिडचिड़ापन, सरदर्द, पसीना निकालना, दस्त व अस्पष्ट बोलना पैदा करता है। उत्तेजक द्रव्य अधिकांशतः मौखिक रूप से लिए जाते हैं, यद्यपि कुछ शिराभ्यन्तर इन्जेक्शन द्वारा लिए जाते हैं। ये द्रव्य शारीरिक निर्भरता उत्पन्न नही करते यद्यपि ये मनोवैज्ञानिक दृष्टि से व्यसनी होते हैं। एम्फेटामाइन का दीर्घकालीन भारी उपयोग बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक व आर्थिक विकार की विभिन्न मात्राएँ पैदा करता है इसका अचानक बन्द कर देना मानसिक बीमारी व आत्महत्याजन्य अवसाद पैदा करता है।

निकोटीन में सिगरेट, बीड़ी, सिगार, नास व तम्बाकू सम्मिलित होते हैं। इसका कोई चिकित्सीय उपयोग नहीं है। लेकिन शारीरिक निर्भरता का जोखिम इसमें अवश्य होता है। निकोटीन शिथिलन पैदा करती है। केन्द्रीय नाड़ी मण्डल को उत्तेजित करती है, जागरण को बढ़ाती है तथा उबाऊपन दूर करती है लेकिन इसका अधिक सेवन दिल की बीमारी, फेफडे का कैंसर, श्वाँसनली का रोग पैदा कर सकता है। कानून इसे द्रव्य के रूप में नहीं मानता। उत्तेजक अवसादक, तन्द्रकार, भ्रमोत्पादक पदार्थों को मनोक्रियाशील पदार्थ भी कहा जाता है।

अफीम का प्रयोग देश में मुस्लिम व्यापारियों द्वारा 7–वीं सदी से आरम्भ हुआ। अफीम को पानी में घेलकर अथवा उसकी गोलियाँ बनाकर खाई जाती हैं। पाचन सम्बन्धी दोष, कफ, दर्द, पीडा, अनिद्रा की बीमारियों से मुक्ति के लिए अफीम कों दवा के रूप में प्रयोग किया जाता है। गाँवों में माताएँ बच्चों को सुलाने व दस्त बन्द करने के लिए अफीम देती हैं।

चरस का प्रयोग भारत में जन–साधारण द्वारा होता रहा है। चरस का पेड़ मध्य एशिया में पाया जाता है इसके पत्ते और फूलों का प्रयोग नशे के लिए किया जाता है। पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में चरस का प्रयोग बहुत होता है। भारत में चरस सिक्यांग थार्कलैंड से आयात होती थी। किन्तु अब इसका प्रयोग प्रतिबन्धित हो गया है। इसकी जगह लोग गाँजा व भाँग पीने लगे हैं। गाँजा व भाँग का एक पेड होता है। इस पेड़ की पत्तियां भाँग एवं फूल गाँजा कहलाता है। भाँग का प्रयोग पानी मे घोलकर पीने, गोलियाँ बनाकर, पकौड़ी व कचौड़ी बनाकर, लड्डू, बर्फी, बिस्कुट, कुल्फी, आदि में डालकर किया जाता है। गाँजे को चिलम में भरकर पिया जाता है। भाँग, गाँजा, अफीम व चरस का प्रयोग पण्डों, पुजारियों, फकीरों, सपेरों, नटों आदि द्वारा किया जाता है। उत्सवों तथा होली–शिवरात्रि के अवसर पर लोग भाग का प्रयोग करते हैं शिवरात्रि पर शिवभक्त इसका प्रयोग करते हैं। भांग हल्का नशा पैदा करती है और शरीर के लिए हानिकारक नहीं होती है। इसके पीने से तन्द्र की अवस्था बनी रहती है।

कोकीन का प्रयोग वर्ग के लोग, जमींदारों, मुस्लिम नबाबों, बादशाहों द्वारा किया जाता रहा है कोकीन कीथी नामक पेड की पत्तियों से प्राप्त किया जाता है। भारत में इसका आयात 1890 से होता रहा है। इसका प्रचलन अधिकतर उत्तरी भारत में ही रहा है। दांत दर्द एवं अन्य रोगों के लिए भी कोकीन का प्रयोग दवा के रूप में होता रहा है। अफीम, गाँजा और चरस को सम्मिलित कर एल. एस. डी. निर्मित होती है

मदिरा रासायनिक पदार्थ एथिल एल्कोहल–C_2H_5OH है। मदिरा-Wwine में 12%**,** बीयर–Bear में 4%, व्हिस्की, ब्राण्डी–Whiski & Brandi में 40% स 50%, रिक्टीफाइड स्प्रिट–Rectified Spirit में 95% एथिल एल्कोहल तथा शेष जल होता है। एस्टिक–एसिड–Astic Acid के 10% विलियन सिरका है। रिक्टीफाइड स्प्रिट ही कामर्शियल एल्कोहल है। मार्श गैस का प्रमुख रचक मीथेन–CH_4 है। तूतिया या नीलाथोथा (कॉपर सल्फेट.$CuSo_4$, $5H_2O$) जहर है। मदिरापान में एक व्यक्ति मदिरा लेने की मात्रा पर नियन्त्रण खो बैठता है जिससे कि वह पीना प्रारम्भ करने के पश्चात् उसे बन्द करने में सदैव असमर्थ रहता है। मदिरा कुछ लोग समान सुख बोधन व सामाजिक क्रिया के रूप में लेते हैं और कुछ इसे एक प्रेरणा तथा उत्तेजक के रूप में लेते है जिससे वे कार्य कर सकें। यह एक शाँतिकर पदार्थ के रूप में भी कार्य करती है जो नसों की शाँति करती है। यह एक संवेदनहारी के रूप में कार्य करती है जो जीवन की पीड़ा को कम करती है। शराब तनाव शाँत करती है तथा आक्रमणकारी अवरोध को कम करती है। यह फैसले या निर्णय को कमजोर करती है, असामान्य बनाती है व उलझन पैदा करती है।

पिछले कुछ वर्षों में नशीले पदार्थों के चोरी–छिपे ले जाने में वृद्धि हुई है। मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता इस व्यापार के केन्द्र बने हुए हैं जहाँ मध्य पूर्व के देशों से हेरोइन एवं हरीश आती है जिसे पश्चिम देशों में भेजा जाता है। परिवारों की भाँति मित्र मण्डली भी नशीले पदाथों के सेवन का प्रमुख कारण है। विभिन्न अध्ययनों के अवलोकन एवं डॉ. अहूजा के अध्ययन के अनुसार, 87% नशा करने वाले छात्रों के मित्र भी नशा करने वाले होते हैं, प्रतिशत छात्र वही नशीली दवाओं का सेवन करते हैं जो इनके मित्र करते हैं। 31% छात्र

नशीली दवाओं का सेवन सदैव मित्रों के साथ ही करते हैं। 63% छात्र में नशे हरीश का प्रथम ज्ञान अपने मित्रों से प्राप्त होता है तथा 17% पहली बार नशीली वस्तुओं का सेवन घर में करते हैं। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि मित्र–समूह की संस्कृति का नशीले पदाथों के सेवन से घनिष्ट सम्बन्ध होता है।

दो दशक पूर्व के अनुसार भारत में लगभग 12 लाख व्यक्ति हेरोइन के व्यसनी थे, 4.5 लाख अफीम और 50 लाख प्रकट रूप से घातक मतिभ्रष्ट करने वाले द्रव्यों के व्यसनी थे। वर्ष 1987 में हेरोइन दुरुपयोगियों की संख्या 5 लाख से बढ़कर, 1993 में 12 लाख और 1996 में 16 लाख हो जाना स्पष्ट करता है कि मादक पदार्थों का सेवन कैसी गम्भीर समस्या बनती जा रही है। भारत वैध अफीम का सबसे बडा उत्पादक है। जब सरकार ने इसके लिए 450 रुपये प्रति ग्राम खरीद मूल्य निश्चित किया, तस्कर इस 80,000 रुपये प्रति ग्राम से खरीदते हैं और सेवन करने वालों तक पहुँचते–पहुँचते इसका मूल्य बहुत अधिक हो जाता है। भारत में मादक द्रव्य सरदारों का घरेलू और अन्तराष्ट्रीय बाजार में केवल हेरोइन का ही मासिक विक्रय 200 करोड़ रुपये के बीच माना गया है। 1984 और 1998 के बीच अवैध द्रब्यों को जब्त करना बहुत ज्यादा बढ़ गया है। पूरे देश में हर वर्ष लगभग 11000 और 15000 के बीच अवैध धन के मामले पकड़े जाते हैं। पकड़े जाने वाले द्रव्यों में सबसे अधिक गाँजा औ इसके बाद हरीश, अफीम, हेरोइन होते हैं। प्रत्येक वर्ष लगभग 12000 व्यक्तियों के द्रव्य अवैध पकड़ा जाता है। अवैध द्रव्यों का सेवन सिर्फ सड़क के शरारती लड़कों में बल्कि निम्न आर्थिक, माध्यमिक, उच्च वर्गीय युवाओं व मध्य आयु के व्यक्तियों में भी पाया जाता है। इसके बावजूद, हमारे देश में मादक पदार्थों का दुरूपयोग अभी भी असामाजिक व्यवहार न मानकर विचलित व्यक्ति सामाजिक प्रतिमानों से उल्लंघन छिपाता है, प्रतिमानों से विचलन उनकी वैधानिकताओं को चुनौती दिए बिना करता है और बिना प्रतिमानों में परिवर्तन के लिए सुझाव देकर उनकी अवज्ञा के कारण मिलने वाले दड से बचने का प्रयत्न करता है ऐसा लोग केवल अपने व्यक्तिगत हितों को पूरा करने में लगा रहता है। मादक द्रव्यों के प्रयोग से शारीरिक क्षमता घट जाती है, दुर्बलता पैदा होती है एवं अनेक रोग उत्पन्न होते हैं। व्यक्ति, परिवार एवं समाज विघटित होता है। अपराध की प्रवृति पैदा होती है। अपराधों की वृद्धि, पुलिस प्रशासन और व्यवस्था की समस्या खडी होती है। मादक द्रव्य नाडी संस्थान को प्रभावित कर तनावों से क्षणिक मुक्ति तो दिलाते हैं किन्तु आगे चलकर नशे के आदी होने पर व्यसन शीघ्र ही मौत के मुँह में चले जाते हैं। व्यसनी व्यक्ति निष्क्रिय एवं कमजोर हो जाता है। मादक द्रव्यों का सेवन दरिद्रों के लिए उत्तरदायी है। नशीली दवाओं का दुष्प्रयोग एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक बुराई है। नशे के कारण हत्याएँ होती हैं, घर बिकते है, लोग दिवालिया होते हैं, डाकू बनते हैं, बच्चों का आपहरण एवं कत्ल होता है, नामर्द बनते हैं, तलाक होती है, सुहाग उजडते हैं, अबोध बिगड़ते हैं, शक्ति नष्ट होती है, स्त्री जाति अपमानित होती है और आत्महत्याएँ होती हैं। नशा दुःख और क्लेश पैदा करता है।

अपराध

अपराध मानव–व्यवहार है, किन्तु सभी प्रकार के मानव–व्यवहार अपराध नहीं हैं। वही मानव–व्यवहार अपराध जो सामाजिक मूल्यों के प्रतिकूल होते है और जिनसे समाज को हानि होती है। मनुष्य के इस प्रकार के व्यवहार जिनका सम्बन्ध अपराध से है, सार्वभौमिक है। प्रत्येक समाज में अपराध और अपराधी पाए जाते हैं, चाहे वह समाज आदिम हो या आधुनिक। अपराध मृत्यु और रोग की भाँति हर काल और समाज में पाए जाते हैं। आज मानव–समाज की समस्याओं में प्रमुख अपराध है। आज इस समस्या की जटिलता और गम्भीरता के कारण ही विश्व के सभी सभ्य राष्ट्र इस पर विपुल धनराशि खर्च कर रहे हैं। अनेक देशों में अपराध–निरोध के कार्य को पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। मानव–सभ्यता के विकास के साथ–ही–साथ अपराधों की मात्रा में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है। अपराधों की मात्रा में निरन्तर वृद्धि के कारण ही ऐसा प्रतीत होता है कि आधुनिक सभ्य समाज में अपराध के समाजीकरण की प्रक्रिया गतिशील है।[117]

सामाजिक मापदण्डों एवं प्रतिमानों के विपरीत आचरण करना अनाचरण है। अपराध से तात्पर्य है–राजकीय और सामाजिक नियमों का उल्लंघन करना। जब एक उच्च वर्ग का व्यक्ति अपने व्यवसाय के दौरान नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसे सफेदपोश या श्वेतवसन अपराध कहते हैं। लोग पैसा लेकर या देकर जब किसी जायज कार्य को करते हैं तो उसे भ्रष्टाचार कहते हैं। आज अपराध और अपराधी का वही अर्थ नहीं है जो वर्षों पूर्व था। उस समय अपराध के लिए भूत–प्रेत या अन्य आध्यात्मिक शक्तियों को उत्तरदायी ठहराया जाता था। आज अपराध के लिए लोम्ब्रोसो जैसे व्यक्ति जन्मजात शारीरिक कारकों तथा समाजशास्त्री सामाजिक पर्यावरण को उत्तरदायी ठहराते हैं। वर्तमान में समाज के लोग अनेक तनावों से ग्रस्त हैं, जिनसे मुक्ति पाने के लिए वे कई प्रकार के मादक–द्रव्यों का प्रयोग करते हैं। एक बार जब वे मादक–दव्य लेना शुरू कर देते हैं तो उनकी यह आदत बन जाती है। इसे ही मादक द्रव्य व्यसन कहते हैं। जब लोग समूह अथवा समाज से अत्याधिक लगाव महसूस करते हैं तो उसके लिए अपने प्राण तक उत्सर्ग कर देते हैं अथवा जब वे अपने को समूह या समाज से कटा हुआ महसूस करते हैं तब भी वे आत्महत्या कर लेते हैं। जीवन शाँतिपूर्वक चल रहा हो और अचानक उतार–चढ़ाव आ जाते हैं, तब भी लोग असामान्य परिस्थितियों से घबराकर आत्महत्या कर लेते हैं।[118]

अपराध में पाँच तत्त्व निहित हैं–(i) किसी क्रिया का होना, (ii) क्रिया स्वैक्षिक हो, (iii) क्रिया साभिप्राय हो, (iv) क्रिया फौजदारी कानून का उल्लंघन हो, (v) क्रिया औचित्यहीन हो। अपराध कानूनी तौर पर वर्जित और सभिप्राय कार्य है, जिसका सामाजिक हितों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, जिसका आपराधिक उद्देश्य है और जिसके लिए कानूनी तौर पर दण्ड निर्धारित है। इस प्रकार किसी भी कार्य को अपराध नहीं माना जा सकता जब तक उसमें पाँच बातें अन्तर्निहित न हों– कानून द्वारा वह वर्जित न हो, वह सभिप्राय हो, वह हानिकारक हो, उसका आपराधिक उद्देश्य हो और उसके लिए दण्ड निर्धारित हो।

117 बघेल डी.एस. अपराध शास्त्र, विवेक प्रकाशन, 7 यू ए, जवाहर नगर, नई–दिल्ली, वर्ष 2013, पेज 65
118 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, साहित्य प्रकाशन, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 124

हाल जिरोम के अनुसार, ''कानूनी तौर पर वर्जित और साभिप्राय कार्य है, जिसका सामाजिक हितों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, जिसका आपराधिक उद्देश्य है यदि जिसके लिए कानूनी तैर से दण्ड निर्धारित है।''[119]

पॉल टप्पन के अनुसार, ''अपराध एक साभिप्राय कार्य या आचरण है जो दण्ड कानून का उल्लंघन करता है और जो बिना किसी सफाई और औचित्य के किया जाता है।''[120]

सदरलैण्ड के अनुसार, ''अपराध सामाजिक दृष्टिकोण से सम्बन्धित है। अपराधी–कानून का उल्लंघन करने वाला व्यवहार ही अपराधी व्यवहार है।''

इलियट और मेरिल के अनुसार, ''अपराध वह क्रिया है जो कानून द्वारा वर्जित है, जिसके लिए मृत्यु, जुर्माना, कारावास, सुधारगृह या जेल में रखकर दण्डित किया जाता है।''[121]

अपराध बहुत से कारको का सम्मिलित परिणाम है। अर्थात् अपराध के लिए एक कारण उत्तरदायी नहीं है, बल्कि अनेक प्रमुख कारणों में व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि कारण उत्तरदायी हैं। आयु, लिंग, वंशानुक्रमण, मानसिक बीमारियाँ, संघर्ष, संस्थाएँ, व्यक्तिवाद, सामाजिकीकरण, औद्योगिकीकरण, व्यापारचक्र, दरिद्रता, कृषि की स्थिति, अकाल, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता, दलबन्दी, भ्रष्टाचार, पुलिस बर्बरता, राजनीति दण्ड, जेल, अन्याय, अश्लील साहित्य, उपन्यास, चलचित्र, क्लब, होटल आदि कारण हैं।[122]

भारत में अपराधों की संख्या में दिन–प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। **क्राइम इन इण्डिया 2011** के अनुसार, भारत में एक घंटे में लगभग 265 संज्ञेय अपराध भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत एवं 448 अपराध स्थानीय एवं विशेष कानून के तहत दर्ज होते हैं। एक दिन में लगभग 94 हत्याएँ, 66 बलात्कार, 122 अपहरण व अपगमन, 24 दहेज हत्याएँ, 12 डकैती की रिपोर्ट तथा अन्य फौजदारी अपराध पुलिस के सामने आते हैं।[123]

नेशनल ब्यूरो रिपोर्ट 2015 के अनुसार, **भारत में** 32127 हत्या, 34651 बलात्कार, 451069 एक्सीडेण्ट, 82919 अपहरण, 3972 डकैती, 65255 लूट, 467833 चोरी 7634 दहेजहत्या, 1218 दहेज एक्ट, 113403 घरेलू हिंसा, 19218 धोखाधड़ी, 198 बालश्रम, 5250 भ्रष्टाचार, 45003 हरिजन उत्पीडन, 192 ऑनर किलिंग, 11592 साइबरक्राइम, 85 रेल डकैती, 247 रेल हत्या, 270 रेल अपहरण, 73 रेलवे बलात्कार, 3968 वन कानून, 31396 जुबनाइल तथा **उत्तर प्रदेश में** 4732 हत्या, 3025 बलात्कार, 16492 मार्ग दुघर्टना, 49491 चोरी, 11999 अपहरण, 277 डकैती, 6813 लूट, 2335 दहेजहत्या, 22 दहेज एक्ट, 8660 घरेलू हिंसा, 3656 धोखाधड़ी, 24 बालश्रम, 8385 हरिजन एक्ट, 131 ऑनर किलिंग, 2208 साइबर क्राइम, 7 रेल डकैती, 23 रेल हत्या, 36 रेल अपहरण, 6 रेलवे बलात्कार, 1311 वन कानून में रिपोर्ट दर्ज हुईं हैं।[124]

---

119 लाल रामजी, समाजशास्त्र, रमेश पब्लिशिंग हाउस, 12–एच, न्यू दरियागंज रोट, नइ दिल्ली, वर्ष 2011, पेज 572
120 वही, पेज 572
121 बघेल डी.एस. अपराध शास्त्र, विवेक प्रकाशन, 7 यू ए, जवाहर नगर, नई–दिल्ली, वर्ष 2013, पेज 65
122 गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, साहित्य प्रकाशन, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004, पेज 130
123 बघेल डी.एस., अपराधशास्त्र, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली–7, वर्ष 2013, पेज 149
124 नेशनल क्राइम ब्यूरो, डेटा–संग्रह, क्राइम रिपोर्ट 2015, मिनिस्टर ऑफ ह्यूमन एफेयर, भारत सरकार, नई दिल्ली–1100066

भ्रष्टाचार

भ्रष्ट आचार ही भ्रष्टाचार है। भ्रष्ट का तात्पर्य पतित या निक्रिष्ट से है। इसी प्रकार आचार का तात्पर्य मानव व्यवहार और उसके क्रिया–कलाप। समग्र से मानव के पतित आचार विचार और क्रियाओं को ही भ्रष्टाचार के नाम से जाना जाता है। यहाँ मौलिक प्रश्न यह पैदा होता है कि व्यक्ति के किन व्यवहारों और क्रियाओं को भ्रष्टाचार की परिधि में सम्मिलित किया जा सकता है।[125] प्रत्येक समाज व्यक्ति के लिए कुछ निश्चित मूल्यों और मानदण्डों का निर्धारण करता है। ये मूल्य और मानदण्ड समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं। सामाजिक परिस्थितियों के दबाव के कारण या निजी दृष्टिकोण से जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्वीकृत मूल्यों और मापदण्डों की उपेक्षा करता है, तो इसे ही भ्रष्टाचार कहा जाता है।

सरल शब्दों में भ्रष्टाचार को रिश्वत का कार्य कहा जा सकता है। इसे निजी लाभ के लिए सार्वजनिक शक्ति को इस प्रकार प्रयोग करना जिसमें कानून तोड़ना शामिल हो या जिससे समाज के मानदण्डों का विचलन हुआ हो, भी कहा जाता है। **डी. एच. बेली** ने भ्रष्टाचार को ''निजी लाभ, जिनका मौद्रिक होना अनिवार्य नहीं है, के परिणामस्वरूप सत्ता का दुरूपयोग''[126] के रूप में स्पष्ट किया है। **एंडरिस्की** ने कहा है, ''भ्रष्टाचार वह व्यवहार है जो मानदण्डों और सार्वजनिक भूमिका निर्वाह के कर्तव्यों को संचालित करने या निजी लाभ कुछ कार्यों पर लगे प्रतिबन्धों की अवहेलना करके या उस कार्य के प्रति वैध विवेकाधिकार का प्रयोग करके या उस कार्य के प्रति कुछ कर्तव्यों को पूरा करने के द्वारा प्राप्त किया है।'' भ्रष्टाचार को इस प्रकार भी समझाया गया है, ''यह आर्थिक या प्रतिष्ठा सम्बन्धी लाभों की प्राप्ति के लिए सार्वजनिक भूमिका के प्रति औपचारिक कर्तव्यों के विचलन से है।''[127]

इलियट और मेरिल के अनुसार, 'प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष लाभ के लिए स्वेच्छा से निश्चित कर्त्तव्यों का पालन न करना भ्रष्टाचार है।''

रास के अनुसार, ''भ्रष्टाचार सामान्य नैतिकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है क्योंकि यह अविश्वास और आस्थाहीनता की प्रवृत्तियों को बढ़ाता है। इस प्रकार सामाजिक विघटन की स्थिति का निर्माण करता है।''

आर. बी. गुप्ता के अनुसार, ''भ्रष्टाचार का तात्पर्य उन व्यक्तियों द्वारा अर्जित अनुचित लाभ से है, जो सार्वजनिक हितों को तिलांजलि देकर सामाजिक प्रतिष्ठा, पद एवं धन के कारण कानून की आँखों में धूल झोंकने में समर्थ होते हैं।''[128]

भ्रष्टाचार जब जन–जीवन में सामान्य हो जाय, तो देश एवं समाज के लिये **'घातक'** होता है। आज भारत में भ्रष्टाचार आम हो गया है। इसके लिए उत्तरदायी कारण हैंः पूर्ण स्वार्थवाद, गोपनीयता, जन-जागरूकता का अभाव, अज्ञानता, दण्ड का अभाव, उच्च प्रतिष्ठा, कानून की अनभिज्ञता, जातिवाद, पूँजीवाद हैं।

125 बघेल डी.एस., अपराधशास्त्र, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली–7, वर्ष 2013, पेज 508
126 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर,जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.423
127 लाल रामजी, समाजशास्त्र, रमेश पब्लिशिंग हाउस, 12–एच, न्यू दरियागंज रोट, नइ दिल्ली, वर्ष 2011, पेज 588
128 वही, पेज 508

भ्रष्टाचार ने देश की कमर तोड दी है। 70 वर्ष बाद की आजादी में भारत में भ्रष्टाचार जिस तेजी से फैला है, शायद वेशरमा भी उतनी तेजी से नहीं फला होगा। आज भ्रष्टाचार आम जीवन में व्याप्त है और यही कारण है कि देश की सारी विकास योजनाएँ वांछित परिणाम नहीं दे पा रही हैं। आज देश की जनता भ्रष्टाचार से त्रस्त है।[129]

आज भ्रष्टाचार एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुदा है। ऐसे लगभग 341 अध्ययन हो चुके हैं, जिनमें रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार एवं कालाधन का हवाला दिया गया है। भ्रष्टाचार चाहे छोटा हो या बड़ा, दोनों से समाज का नैतिक तन्तु क्षीण होता है। बड़े स्तर का भ्रष्टाचार सरकारी ठेकों के काम को गलत ढ़ंग से निपटाने या कुछ लोगों को फायदा पहुँचाने के लिए ऐच्छिक फैसलों के फलस्वरूप होता है। भ्रष्टाचार आम लोगों की नजर में प्रणाली की वैधता को कम करता है। प्रतियोगिता के आधार पर कुशलता कायम करने की क्षमता कम करता है।

प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग–1966 ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपकर सिफारिश की थी कि भ्रष्टाचार विरोधी 'ओम्बड्समैन' की व्यवस्था केन्द्र एवं राज्यों में की जानी चाहिए। इसे केन्द्र में लोकपाल एवं राज्यों में लोकायुक्त के नाम से पुकारा जाएगा। कर्नाटक के अलावा लोकायुक्त आन्ध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, हरियाणा असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, म. प्र., उडीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखण्ड एवं उ.प्र. में भी सृजित हैं। लेकिन प्रदेशीय लोकायुक्तों की नियुक्ति राज्यों में बने विशेष कानूनों के अनुरूप हुई है। इसका अर्थ यह हुआ कि केन्द्रीयकृत अधिकारों का प्रावधान नहीं है। उनमें काफी अन्तर है। इससे यह भी स्पष्ट है कि लोकायुक्त के रूप में नियुक्त अलग–अलग व्यक्ति की सफलता भी भिन्न–भिन्न है। लोकायुक्तों के अधिकारों को लेकर भी कई समस्याएँ हैं। कुछ क्षेत्र लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। लोकायुक्तों की सिफारिशें कानूनी रूप से बाद्धकारी नहीं हैं और न ही उन्हें दण्ड देने का अधिकार है। राज्यों के लोकायुक्तों के समानान्तर ही केन्द्र में भी लोकपाल की नियुक्ति की अपेक्षा की जाती है। इस सम्बन्ध में अनेक विधेयक–1968, 71, 77, 85, 89, 96, 98, 2001, 5, 8 कालातीत हो गए और कोई केन्द्रीय कानून का रूप नहीं ले सका।

भ्रष्टाचार ने देश के आर्थिक विकास को मन्द कर दिया है। इसने समाज में हिंसा एवं अराजकता को जन्म दिया है, क्योंकि भ्रष्ट व्यक्ति के पास कानून के क्रियान्वयनकर्ताओं को अपनी सेवा करने के लिए प्रभावित करने की शक्ति मौजूद होती है। इसने जातिवाद, भाषावाद एवं साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया है। इसने नैतिकता को समाप्त तथा व्यक्तिगत चरित्र को नष्ट कर दिया है। इसने अकुशलता, भाई–भतीजावाद एवं अकर्मण्यता के स्तर को ऊँचा उठा दिया है तथा प्रशासन के समस्त क्षेत्रों में अनुशासनहीनता को जन्म दे दिया है, जिससे आम आदमी का जीवन कष्टप्रद हो गया है। इसने देश में काले–धन में वृद्धि कर दी है। इसने खाद्य–पदार्थों में मिलावट, नकली औषधियों तथा अनेक उपभोक्ता वस्तुओं के अभाव को उत्पन्न कर दिया है।[130] अतः हमें दृश्य एवं अदृश्य दोनों ही प्रकार के भ्रष्टाचार के ऐसे मामलों पर ध्यान केन्द्रित करना होगा, जो हमारी अन्तरात्मा को झगझोर देते हैं।

129 बघेल डी.एस., अपराधशास्त्र, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली–7, वर्ष 2013, पेज 510
130 राम अहूजा, सामाजिक समस्याएं, रावत पब्लिकेशन्स, श्याम अपार्टस, जवाहरनगर,जयपुर, तृतीय संस्करण, वर्ष 2016, पे.438

न्याय

विवादों को सुनने और उन पर निर्णय देने के लिए न्यायालयों की स्थापना पर कौटिल्य का निर्देश है कि दो गाँवों की सीमा (जनपद–सन्धि) पर, दस गाँवों के केन्द्र (संग्रहण) में, चार सौ गाँवों के केन्द्र (द्रोणमुख) में और आठ सौ गाँवों के केन्द्र (स्थानीय) में तीन–तीन धर्मस्य (न्यायाधीश) व अमात्य एक साथ रहकर इकरारनामा, शर्तनामा आदि व्यवहार–सम्बन्धी कार्यों का प्रबन्ध करें (अधि. 3, अध्याय 1 : 11)। इन न्यायालयों के अतिरिक्त ग्रामों में न्याय–कार्य–सम्पादन गाँव के बड़े–बूढ़ों एवं सामन्तों के द्वारा होना चाहिए। कौटिल्य का निर्देश है कि दो गाँवों की सीमा के झगड़ों को उन गाँवों के मुखिया या आस–पास के पाँच–पाँच, दस–दस गाँवों के मुखिया आपस में मिलकर निपटाएँ। खेतों के झगड़ों का निबटारा गाँच कि मुखिया तथा वृद्ध पुरुष करें। यदि उनका आपस में मतभेद हो जाए तो वे धार्मिक पुरुष उसका निर्णय करें जिनको प्रजा स्वीकार करती हो या किसी दूसरे को मध्यस्थ बनाकर निर्ण किया जाए (अधि. 3, अध्याय 1 : 11–12)।[131]

कौटिल्य के अनुसार, ''न्यायाधीशों को न्याय के कार्यक्षेत्र में छल–कपट का त्याग करना चाहिए। उनको समता के सिद्धान्त को निष्ठापूर्वक अपनाकर न्याय के समक्ष प्रत्येक व्यक्ति को समान मानना चाहिए। न्यायाधीश को लोकप्रिय एवं सबका विश्वासपात्र होना चाहिए। वादी, प्रतिवादी एवं साक्षियों के प्रति उनका व्यवहार शिष्ट होना चाहिए। उस न्यायाधीश को दण्ड दिया जाना चाहिए जो न्यायालय में व्यक्तव्य देते समय वादी, प्रतिवादी साक्षी को डराते, डाँटते, धमकाते या रिश्वत लेते हैं। छलरहित या सच्चा लिखित प्रमाण प्राप्त हो जाने पर अन्य प्रमाणों की कोई खास जरूरत नहीं होती। साक्षी को सत्य ही साक्ष्य देना चाहिए, असत्य साक्ष्य देने पर साक्षी को दण्ड होना चाहिए। चोर, डाकू, व्यभिचारी, जालसाज, कातिल आदि की दुष्ट जनों से प्रजा की रक्षा के लिए राजा द्वारा विशेष रूप में कड़े नियमों को बनाया जाना चाहिए। साथ ही गुप्तचरों को वेष बदलकर राज्य में स्थान–स्थान पर बिखरे हुए होना चाहिए और इनके द्वारा दुष्ट जनों के दैनिक आचरण की सूचना राजा तक पहुँचानी चाहिए ताकि दमन किया जा सके। राज्य कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले उत्पीड़न से भी प्रजा की रक्षा करने के लिए राजा को सतत् प्रयत्नशील होना चाहिए।''[132]

अपराधिक घटनाओं का अध्ययन से पता चलता है कि अधिकांश घटनाएँ राजनीति से जुड़े संगठित अपराधियों द्वारा घटित की जाती हैं। यह संगठित अपराधी पुलिस और प्रशासन से सांठ–गांठ कर योजनाबद्ध ढ़ंग से घटनाओं को अंजाम देते हैं। इन आपराधिक घटनाओं में उन्हीं को शिकार बनाया जाता है जो सीधे और सरल स्वभाव के होते हैं। इन व्यक्तियों पर डाकू, लुटेरे, ठग और उनके गुर्गे तरह–तरह के प्रपंचों से अपना प्रभाव जमाते हैं। उनकी सम्पत्ति को विवादित कराकर अपने संरक्षण में लेने की कानूनी प्रक्रिया सम्पन्न कराते हैं। राजनेताओं, अधिकारियों एवं कुख्यात लोगों के सम्पर्क से भय–दहशत उत्पन्न कर लोगों के मन–मस्तिष्क पर जबरदस्त प्रभाव बनाते हैं। इस प्रकार लोगों की अपने ऊपर पूर्ण निर्भरता एवं मानसिक दासता पाकर उनकी सम्पूर्ण धन–सम्पत्ति का हरण कर लेते हैं।

131 मुकर्जी रवीन्द्र नाथ, सामाजिक विचारधारा(कॉम्ट से मुकर्जी तक), विवेक प्रकाशन, जवाहरनगर, दिल्ली–7, वर्ष 2002, पे.464
132 वही, पे.465

सामाजिक घटनाओं पर पुलिस भूमिका सदैव संदिग्ध रहती है। किसी भी घटित हो रही घटना की सूचना पर पुलिस मौका–बारदात जाने से बचती है तथा घटना के काफी देर बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुँचती है। डाकू–लुटेरे घटना को अन्जाम देने के बाद गाँव–नगर की बस्तियों से बाहर जाकर **'इधर गए, उधर गए'** कहकर शोर मचाते हैं। जिससे लोग एकत्रित हो जाते और बदमाशों की खोज का नाटक होता हैं। घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति राजनीतिक दंबगों के साथ पुलिस स्टेशन पर पहुँचकर पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाते हैं और जब पीडित पक्ष घटना पर कानूनी कार्यवाही की बात कहता है तो सम्बन्धित पुलिस वाले कानून की उपेक्षा कर पीड़ित पक्ष को भगाने का प्रयास करते हैं। जन–आक्रोश बढ़ने पर मामले की एन.सी.आर. दर्ज की जाती है और समझौते की बात लिखकर मामले को दबा दिया जाता है। जब पीडित पक्ष अपनी बात न्यायालय में प्रस्तुत करता है तो न्यायालय में जिस प्रकार की न्यायिक कार्यवाही होती है वह किसी भी प्रकार **'नैसर्गिक न्याय सिद्धान्त'** के अनुरूप नहीं होती है। न्यायालय में बैठा पेशकार और पैरोकार पक्षकारों से न्यायालय में ही रूपए लेकर तारीख पर तारीख लगाते रहते हैं। यदि पक्षकार पेशकार को रुपए नही देता है तो उसे दिन भर न्यायालय के बाहर खड़ा कर देर शाम बिना उचित कारण मामले सुनवाई **'स्थगित'** कर तिथि दे दी जाती है या पक्षकार को अनुपस्थिति कर बारंट जारी करवा दिया जाता है और अभियुक्त बनाकर जेल में डाल दिया जाता है।

अन्याय या अपराध का विरोध करने पर अपराधियों द्वारा पीड़ित का अपहरण या हत्या कर दी जाती है अथवा उनकी माँ, बहिन, बेटी, पत्नी को अपनी हवस का शिकार बनाकर धन–सम्पत्ति लूट ली जाती है। पुलिस के समक्ष पीड़ित एवं जन आक्रोश पर पुलिस ऊल–जलूल तर्क देकर कार्यवाही की उपेक्षाकर अपराधियों को बचाने का प्रयास करती हैं।

पुलिस द्वारा फर्जी मामलों में तो आरोपी के विरुद्ध आरोप–पत्र और झूठी गवाही न्यायालय में प्रस्तुत करती है परन्तु वास्तविक घटना के वास्तविक अपराधियों के विरुद्ध 'आरोपपत्र' प्रस्तुत करने से बचती है। वादी द्वारा मामले को न्यायालय में सुनवाये जाने पर वादी–गवाहों को बुरी तरह उत्पीडित कर मामले को रफादफा कराने का प्रयास करते हैं।

अपराध के शिकार व्यक्तियों से सम्बन्धित अध्ययनों के फलस्वरूप प्राप्त निष्कर्ष तथ्य–वास्तविक अपराधी धन, पद एवं प्रतिष्ठा कवच धारी होते हैं और न्याय प्रक्रिया को द्विआर्थी शब्दो से दुरुपयोग कर फर्जी तथ्यों के साक्ष्यों से पीड़ित और निर्दोष को ही दण्ड दिलानें में सफल होते है। ऐसे अपराधों में धन–लोलुप नेता, दलाल, समाजसेवी, ठेकेदार, प्रशासनिक अधिकारी–कर्मचारी, ईर्ष्यालुओं की भूमिकाएँ प्रमुख होती हैं। अपराध का शिकार पीड़ित और उसके सहयोगी दण्ड का भागी होकर बेबसी के आँसू बहाने हेतु मजबूर होते है और अपराधी प्रोत्साहित होते हैं, तथ्य अति गम्भीर एवं विचारणीय हैं।

प्राकृतिक आपदा और बाढ़

प्रकृति के द्वारा किए गए ऐसे अकस्मात एवं नुकसानदायक परिवर्तन जिससे जन जीवन प्रभावित होता है प्राकृतिक आपदाएँ कहलाती है। बाढ़, सूखा, भूकम्प, तूफान, सुनामी आदि प्राकृतिक आपदाएँ हैं। जिस क्षेत्र में इस तरह की कोई आपदा आती है तो वहाँ निवास करने वाले सभी मनुष्य एवं जीव–जन्तुओं का जीवन प्रभावित हो जाता है। अगर आपदा बहुत तीव्र है तो जन धन की हानि भी होती है। भारी वर्षा के कारण भूमि के बहुत बड़े क्षेत्रफल पर नदी, नहर आदि के जल का फैल जाने की स्थिति बाढ़ कहलाती है। सामान्यतः नदी के आस–पास वाले इलाकों में वर्षा ऋतु में बाढ़ आने की सम्भावना अधिक होती है। गाँव, कस्बे, शहर में बाढ़ का जल आ जाने के कारण जन–जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है। कई बार बाढ़ आने की बजह से मकान गिर जाते हैं, जन धन की भी बड़ी क्षति होती है। बाढ़ से फसलें भी नष्ट हो जाती है या फिर उन्हें काफी नुकसान हो जाता है। बाढ़ आने का मुख्य कारण तो भारी वर्षा ही है परन्तु कुछ अप्रत्यक्ष कारण भी हैं जैसे जंगलों की अन्धा–धुन्ध कटाई, भूमि कटाव, ग्लोबल वार्मिंग आदि।[133] बाढ़ को रोकने के लिए नदियों पर बनाए गए बाँध काफी कारगर सिद्ध हुये हैं। नए–नए तालाब बनाकर भी बाढ़ को कम किया जा सकता है। परन्तु बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है जिसे पूर्ण रूप से रोक पाना असम्भव है।

गृह मन्त्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नियमित रूप से आने वाली आपदाओं में बाढ़ प्रमुख आपदा है, जिसका प्रभाव बड़े क्षेत्र में पड़ता है। दुनियां के सबसे अधिक बाढ़ सम्भावित देशों में से भारत एक है। 35 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में से 23 राज्य बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील हैं। भौगोलिक क्षेत्र के दृष्टिकोण से देश का 1/8–वाँ भाग या 40 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ के दृष्टिकोण से संवेदनशील है, जिसमें से 8 लाख हेक्टेयर भूमि प्रत्येक वर्ष बाढ़ से प्रभावित होती है।[134]

गंगा, दामोदर, कोसी, ब्रह्मपुत्र आदि नदियों द्वारा प्रत्येक वर्ष आस–पास के क्षेत्रों में बाढ़ लाई जाती है। कुछ वर्ष पूर्व उत्तराखण्ड में आई बाढ़ में हजारों लोग मारे गए। शासन द्वारा भी बाढ़ की स्थिति निपटने के लिए सेना की सहायता से प्रयास किए जाते हैं।

नदी के जल को रोक कर बाँध इसे नियन्त्रित दर पर छोड़ते हैं ताकि यह बाढ़ की रोकथाम कर सकें। तथाकथित बहु–उद्देश्यीय नदी–घाटी परियोजनाएँ अपने–अपने क्षेत्रों में बाढ़ों को रोकने के लिए कायम की गई हैं राष्ट्रीय बाढ़ नियन्त्रण कार्यक्रम 1954 में बहुत से बाँध, निकास–नलियाँ एवं नगर तथा ग्राम विकास योजनाएँ चालू की गई। मोटे तौर पर बाढ़ नियन्त्रण सम्बन्धी उपाय बुरी तरह विफल हुए हैं और साल–दर–साल बाढ़ों के कारण प्रभावित क्षेत्र तथा फसलों, पशुओं एवं मनुष्यों को होने वाले नुकसान में भारी वृद्धि हुई है।[135]

---

133 https://www.quora.com

134 वशिष्ट आशीष, बाढ़ का बढ़ता प्रकोप, डेली न्यूज एक्टिविस्ट, 20 अगस्त 2014

135 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पेज 380

जलाशयों में भारी मात्रा में गाद जमने से जलाशयों की संग्रहण क्षमता कम हो जाती है और परिणामतः वे भारी बाढ़ को रोकने के योग्य नहीं रहते। प्रायः एकाएक जल बढ़ जाने से कई बार अचानक बाढ़ आ जाती है जिससे भारी नुकसान होता है।

बाढ़ से जुड़ा अर्थशास्त्र भी चौंकाने वाला है। अकेले भारत में ही जान–माल की अपूर्णनीय क्षति के अतिरिक्त 1000 करोड़ रूपए की आर्थिक क्षति होती है। भारत की चार करोड़ हेक्टेयर भूमि अर्थात् देश का आठवाँ भाग बाढ़ के प्रभाव क्षेत्र में है। बाढ़ से होने वाली आर्थिक क्षति का सर्वाधिक 60–80% प्रभाव क्षेत्र उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और उड़ीसा राज्य में होता है। भारत के 8041 कि.मी. लम्बे समुद्र तटीय क्षेत्र तथा बांग्लादेश में उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात तथा इसके परिणामस्वरूप आने वाली बाढ़ की आशंका हमेशा बनी रहती है। दक्षिण एशिया के लगभग सभी देशों में अधिकतर क्षति अगस्त से सितम्बर माह में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी हिमालयी नदियों के चलते होता है।[136]

भूकम्प भी एक प्राकृतिक आपदा है। भूमि के अन्दर होने वाली टेक्टोनिक क्रियाएँ, भूकम्प आने का प्रमुख कारण है। भूकम्प से पृथ्वी हिलने लगती है और यदि भूकम्प की तीव्रता अधिक हो तो इमारते, भवन, ब्रिज आदि ढ़हने लगते हैं। मकान गिरने से अनेक लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। भारत में कच्छ गुजरात तथा नेपाल में आए भूकम्प से हजारों लोग मौत हो गई। भूकम्प को रिक्टर पैमाने पर नापा जाता है। भूकम्प से निपटने के लिए भूकम्परोधी इमारतें बनाई जा रही हैं। तूफान साइक्लोन आने से जन–जीवन प्रभावित होता है। उड़ीसा में हुड़–हुड़ तूफान के कारण काफी क्षति हुई।

समुद्र के अन्दर आने वाली बहुत ऊँची लहरों से तटीय क्षेत्रों में जल भर जाता है और बहुत बड़ी क्षति होती है। इसे ही सुनामी लहरें कहते हैं। ये मुख्यतः समुद्र के अन्दर भूकम्प आने से उत्पन्न होती हैं । इन सभी प्राकृतिक आपदाओं को रोक पाना असम्भव है इसी लिए सभी को इन से बचाव के बारे में जागरूक होना चाहिए।

ताजे जल को लेकर आई.पी.सी.सी. की रिपोर्ट का मूल्यांकन मूलरूप से एक डरावने और नकारात्मक स्थिति की ओर इशारा करता है। कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण से लाखों लोगों के जीवन पर खतरा मण्डरा रहा है। ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन के साथ ताजे पानी से सम्बन्धित खतरों में वृद्धि होने की आशंका बनी हुई है। दोबारा उत्पन्न करने योग्य सतही जल और भू–जल संसाधनों से ज्यादातर सूखे उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में उच्च आक्षांश वाले क्षेत्रों में नीचे जाने की आशंका बनी हुई है। साथ ही वैश्विक स्तर पर बाढ़ और सूखे के बढ़ने की आशंका है।

भारत एक ऐसा देश है, जिसका एक बड़ा भाग पहले से ही भयंकर जल संकट से जूझ रहा है। स्थायी सूखे जैसी स्थिति और बाढ़ एवं बादल फटने जैसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। यह सब इसलिए भी भयानक है, क्योंकि यहाँ की लगभग 22% जनता दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन–यापन करती है और कृषि जीविका का मुख्य साधन है।

136 वशिष्ट आशीष, बाढ़ का बढ़ता प्रकोप, डेली न्यूज एक्टिविस्ट, 20 अगस्त 2014

(ब) सम्बन्धित अध्ययन

अटल योगेश के अध्ययन **'रोल ऑफ वैल्यू एंड इन्स्टीट्यूशन इन चेलेंजिज ऑफ पॉवर्टी इन इण्डिया'** के अनुसार, ''दरिद्रता एक ऐसी अवधारणा है जो सापेक्षिक वंचन की घटना की ओर संकेत करती है। प्रबल वंचन की स्थिति निस्सहायता, निराश्रयता तथा दीनहीनता की वह स्थिति है जो उस वर्ग के लोगों के आर्थिक जीवन स्तर का बोध कराती है जो दरिद्रता रेखा से नीचे है। इस प्रकार वंचन से ग्रस्त अकिंचन व्यक्ति वह है जिसके पास जीवन निर्वाह के लिए न्यूनतम साधन नहीं हैं।''

अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य अनुसन्धान संस्थान की **वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट 2012** के अनुसार, भारत वैश्विक भूख सूचकांक में 65–वें स्थान पर है। हालांकि भारत में खाद्य उत्पादन की कम नहीं है फिर भी भारत में पाँच वर्ष से कम उम्र के सामान्य से कम वजन के बच्चों का प्रतिशत सबसे ज्यादा है। भारत 2020 तक सुपर पावर बनने के अथक प्रयास कर रहा है लेकिन भारत में इन दरिद्रों का क्या? क्योंकि अब भी अपना HGI सुधारने में काफी पीछे है।

उल–हक महबूब ने अपने अध्ययन **'इप्लॉयमेंट एण्ड इन्कम डिस्ट्रीब्यूशन इन दि 1970 : ए न्यू पेर्सपेक्टिव'** कहा है कि, ''विकास की प्रमुख समस्या दरिद्रता की सबसे भयानक किस्मों पर सीधा प्रहार करना है। दरिद्रता, भुखमरी, अशिक्षा, बेरोज़गारी और असमानताओं जैसी समस्याओं के उन्मूलन को विकास के मुख्य लक्ष्यों में शामिल किया जाना चाहिए। हमें यह सिखाया गया था कि सकल राष्ट्रीय उत्पाद को बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि इससे दरिद्रता का निवारण होगा। अब समय आ गया है कि हम इस सम्बन्ध को उलट दें। अब आवश्यकता इस बात की है कि हम मुख्यतः दरिद्रता पर ध्यान केन्द्रित करें। इस जरिए सकल राष्ट्रीय उत्पाद को अपने आप उचित महत्त्व मिल जाएगा। दूसरे शब्दों में, अब सकल राष्ट्रीय उत्पाद की वृद्धि दर पर कम और उसकी संरचना पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है।''

एन्स्टे वीरा ने अपनी पुस्तक **'भारत में आर्थिक विकास'** में लिखा है कि, ''भारत एक धनी देश है, जहाँ के निवासी दरिद्र हैं।'' यह भी कहा जाता है कि, ''इसकी मिट्टी धनी है, किन्तु निवासी दरिद्र हैं।''

कुमार आनन्द ने अपने अध्ययन **'समाज की प्राथमिक अवधारणाएँ'** में बताया कि ''पूँजीवाद औद्योगिक युग द्वारा उत्पन्न वह अर्थ व्यवस्था है जो समाज को दो स्पष्ट वर्गों में पूँजीपति व श्रमिक वर्ग में बाँट देती है। पूँजीपति वर्ग साधन सम्पन्न होता है एवं श्रमिक वर्ग साधन विहीन होता है एवं इस प्रकार श्रमिक अपने पेट का पालन श्रम बेंच कर करता है।''

खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट 2017 भारत में कुपोषित व्यक्तियों की संख्या 19.07 करोड़ है। देश में 15 से 49 वर्ष की 51.4% स्त्रियों में रक्त की कमी है। पाँच वर्ष से कम उम्र के 38.4% बच्चे अपनी आयु के मुताबिक कम लम्बाई के हैं। 21% का वजन अत्यधिक कम है। भोजन की कमी से हुई बीमारियों से सालाना देश में 3000 बच्चों की जान जाती है। वर्ष 2016 के ग्लोबल इण्डेक्स में 118 देशों में से भारत को 97–वाँ स्थान मिला है।

गाँधी महात्मा ने अपने **'प्रन्यास सिद्धान्त'** में कहा है कि, ''अमीर के यहाँ उसे नहीं चाहिए वैसी चीजें जो भरी पड़ी होती हैं, जो लापरवाही से खो जाती है, बिगड़ जाती हैं, जबकि इन्हीं चीजों की कमी के कारण करोडों लोग यहाँ–वहाँ भटकते हैं, भूखों मरते हैं, ठण्ड से ठिठुर जाते हैं। करोडपति अरबपति होना चाहता है, फिर भी उसको सन्तोष नहीं होता। कंगाल करोड़पति होना चाहता है, कंगाल को भरपेट भोजन ही मिलने से सन्तोष हो–ऐसा नहीं देखा जाता। फिर भी उसे भरपेट भोजन पाने का हक है, और उसे उतना पाने योग्य बनाना समाज का कर्त्तव्य है।''

ग्रामीण विकास विभाग राजस्थान की रिपोर्ट 2017 के अनुसार, भारत में 5% परिवार झुग्गियों में रहते हैं। यहीं झुग्गी–झोपडियों के लिहाज से पाँच राज्यों की हालत सबसे बदतर है। छत्तीसगढ़, के प्रति 100 घर में से 18 झुग्गियाँ हैं। जबकि ओडिशा में प्रति 100 घर में से 17, झारखण्ड में 14, तमिलनाडु में 12 और बिहार में 11 झुग्गियाँ हैं। इन राज्यों में देश की 51% मलिन बस्तियाँ मौजूद हैं। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 311169 झुग्गी हैं। यह देश में मौजूद झुग्गियों का 30% है। देश में 5.24 करोड़ लोग झुग्गियों में रहते हैं। मलिन बस्तियों की आबादी 15 करोड़ है और 31.5 लाख घर मलिन बस्तियों में हैं। उ.प्र. में 2%, उत्तराखण्ड में 1%, मध्यप्रदेश में 9%, पूरे महाराष्ट्र में सिर्फ 1% परिवार झुग्गी में हैं।

गुप्ता एन. एल. ने अपने अध्ययन **'दरिद्रीकरण'** में कहा है कि, ''दरिद्रता या गरीबी एक सर्वव्यापी समस्या है और संयुक्त देश भी इसकी चपेट से नहीं बच सके हैं। भारत में ऐसे लाखों परिवार हैं जो औसत दर्जे का जीवन व्यतीत नहीं कर पाते हैं। उनके पास पर्याप्त भोजन तथा वस्त्रों का अभाव है। वर्तमान समय में औद्योगिक क्रान्ति ने दरिद्रों एवं अमीरों में भी आर्थिक विषमता पैदा कर दी है। आज समूचा विश्व आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न एवं विपन्न दो भागों में बंट गया है।''

जागरण वार्षिकी–2013 के अनुसार, **''**योजना आयोग देश में दरिद्रता का आकलन एक नमूना सर्वेक्षण के आधार पर करती है जिसे राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा लगभग प्रत्येक पांच वर्ष के अन्तराल में किया जाता है। यह नमूना सर्वेक्षण परिवार के उपभोग के आधार पर किया जाता है। दरिद्रता रेखा पारम्परिक आधार कैलोरी खपत की दृष्टि से न्यूनतम पोषण स्तर है अर्थात् गरीबी कैलोरी खपत के अनुपात में प्राप्त न्यूनतम पोषण स्तर पर आधारित है। कैलोरी बिन्दु न्यूनतम आवश्यकताओं से जुड़ी सामग्रियों की क्रय करने के लिए आवश्यक राशि की गणना रुपये मे की जाती है जो परिवार इस स्तर से नीचे होता है उसे दरिद्रता रेखा के नीचे माना जाता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 62–वें राउण्ड के आधार पर वर्ष 2004–05 में ग्रामीण क्षेत्रों में दरिद्रता 28.3% है, वहीं शहरी क्षेत्रों में दरिद्रता 25.79% है। पूरे देश के लिए दरिद्रता 27.5% है।''

जी. वी. जोशी ने **राइटिंग एण्ड स्पीच** में कहा कि, ''मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि आधी खेतिहर जनता पूरे के पूरे वर्ष बीतने पर भी एक बार भरपेट भोजन नहीं कर पाती।**''**

जैन सचिन कुमार ने अपने अध्ययन **'मीडिया फॉर राइट्स'** में कहा है कि, ''गरीबी की रेखा एक ऐसी रेखा है जो गरीब के ऊपर से और अमीर के नीचे से निकलती है।''

तेन्दुलकर सुरेश डी.समिति रिपोर्ट 2011–12 के अनुसार, ''ग्रामीण क्षेत्रों में रुपए 27 व नगर क्षेत्रों में 33 रु.प्रति दिन व्यय करने वाला दरिद्र है जिनकी संख्या 27 करोड (21.8%) है।''

दीक्षित अर्निका ने अपने अध्ययन **'गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लाभान्वित परिवारों की समस्याएँ'** में बताया है कि ''गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को सरकार द्वारा दिये जाने वाले लाभों को प्राप्त करने के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनको व्यवसायिक, पारिवारिक, आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिससे वह दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन–यापन कर रहे है। इन परिवारों की स्थिति काफी दयनीय है। निर्धनता भारत की एक राष्ट्रीय सामाजिक समस्या है। निर्धनता का अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें समाज का एक बड़ा भाग न्यूनतम जीवन स्तर से वंचित रहता है और केवल निर्वाह स्तर पर गुजारा करता है। निर्धनता की समस्या नगरों की अपेक्षा गाँवों में अधिक है क्योंकि देश की कुल जनसंख्या का लगभग तीन–चौथाई भाग गाँवो में निवास करता है।''

नौरोजी दादा भाई ने ''**पावर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया**'' में लिखा है कि, ''देश लगातार दरिद्र और पंगु बनता जा रहा है।'' उन्होंने पहली बार दरिद्रता के मापन को जीने की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति से लगाया था, उन्होंने दरिद्रता मापने के लिए '**जीवन के निर्वाह लागत**' सिद्धान्त का प्रयोग किया। उन्होंने दरिद्रता रेखा वर्ष 1867–68 के मूल्य पर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष विभिन्न क्षेत्रों के हिसाब से 16 से 35 रुपया निर्धारित की थी।

नेहरू जवाहर लाल ने **'कानपुर की गन्दी बस्तियों'** के लिये कहा था, ''मुझे ऐसा अनुभव होता है कि इन श्रम–बस्तियों को जलाकर भस्म कर दिया जाये, जिससे विकास तीव्र गति के साथ हो सके। जब तक प्रतिबन्धात्मक उपायों को साफ नहीं किया जायेगा, तब तक अस्पतालों के निमार्ण से क्या लाभ होगा। यदि गन्दी बस्तियों को साफ कर दिया जाये तो निश्चय ही उत्पादन बढ़ेगा। मैं चाहता हूँ कि अस्पतालो पर व्यय किया जाने वाला सम्पूर्ण धन गन्दी बस्तियों पर व्यय किया जाये।''

भारत विकास रिपोर्ट–2011 के अनुसार,''वर्ष 1999–2000 एवं 2007–08 के बीच भारत में मानव विकास सूचकांक में 21% की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में सर्वाधिक योगदान शिक्षा का रहा है। वर्ष 2007–08 में मानव विकास सूचकांक में 0.790 के अंकों के साथ केरल शीर्ष स्थान पर, 0.358 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ 23–वें (अन्तिम) स्थान पर है। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा आसोम का मानव विकास सूचकांक राष्ट्रीय औसत से नीचे है।''भारत को इस रिपोर्ट में 0.467 अंक मिले हैं।

मानव विकास रिपोर्ट–2013–भारत में 53.7% जनसंख्या (61.22 करोड़) व्यक्ति बहुआयामी दरिद्रता की स्थिति में से गुजर रहे हैं। Mulity Poverty Index अनुमानों से पता चलता है कि

मध्यम तथा निम्न मानव विकास वाले देशों में स्थिति अत्यन्त शोचनीय है।[137] इनमें से अधिकतर देशों में एक–तिहाई से अधिक जनसंख्या बहुआयामी दरिद्रता से ग्रस्त है। वस्तुतः निम्न मानव विकास वाले देशों में आधी से अधिक जनसंख्या बहुआयामी दरिद्रता की स्थिति में से गुजर रही है। सबसे खराब स्थिति नाईजर की है जहाँ 92.4% जनसंख्या बहुआयामी दरिद्रता से प्रभावित है, अपवंचन की गहनता 69.4% है तथा 81.8% जनसंख्या अत्यधिक दरिद्रता की दलदल में फंसी है। भारत में 61.22 करोड़ व्यक्ति जो कुल जनसंख्या का 53. 7% हैं, बहुआयामी दरिद्रता से पीड़ित हैं। इतना ही नहीं 28.6% व्यक्ति अत्यधिक दरिद्रता की स्थिति में गुजर रहे हैं। जहाँ तक 1.25 डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की अन्तर्राष्ट्रीय दरिद्रता रेखा का प्रश्न है, भारत की 32.7% जनसंख्या, 2002–11 के दौरान इस रेखा से नीचे थी।

मार्क्स काल के **'बैसिमूल्य के संबोध' के अनुसार,** ''जब श्रमिक अपने श्रम समय से अधिक एवं अतिरिक्त संज्ञात्मक मूल्य का उत्पादन करता है तब वह बैसिमूल्य कहलाता है। श्रम समय वह कार्यकाल है जिसमें श्रमिक से अपने भुगतान के अनुरूप काम को आंका जाए। श्रमिक के इस बैसिमूल्य को पूँजीपति अपने लाभ के रूप में प्राप्त करता है। इस लाभ में श्रमिक का काई हिस्सा नहीं होता है और वह दरिद्र ही रहता है। यह आर्थिक शोषण की प्रक्रिया का द्योतक है।''

मित्तल एस. एल. ने अपने अध्ययन **'भारतीय समाजशास्त्र'** में बताया है कि, ''पूँजीवादी समाज 'मनुष्य का मनुष्य द्वारा शोषण' करने वाला समाज है, धनी अधिक धनी और निर्धन अधिक निर्धन वाला समाज है। पूँजीवादी समाज दरिद्रों का खून चूसकर पनपता है, उनके श्रम पर टिका हुआ है और उन्हीं की अज्ञानता व संगठन के अभाव का अवैध लाभ उठाकर जिन्दा रहता है। पूँजीपति वर्ग, श्रमिक वर्ग को उत्पीडित करता है, उनका शोषण करता है।''

मुकर्जी राधा कमल के अनुसार, ''झोपडियों में प्रकाश का अभाव रहता है और उनमें भी बहुत नमी रहती है तथा वायु स्वच्छता तथा पानी की पूर्ति की सुविधाएँ अपर्याप्त हैं।''

113 मानव विकास प्रतिवेदन में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम मानना है कि, **''**आय के साथ बुनियादी शिक्षा, लोक संसाधनों तक पहुँच का अभाव और आय के मापदण्ड गरीबी को मापने के लिए जरूरी है। उदारीकरण और खुले बाजार की प्रतिस्पर्धा को सार्थक सिद्ध करने के लिए सरकार पर हमेशा विकसित देशों, विश्व बैंक और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का दबाव रहा है कि वह अपने देश की गरीबी को या तो कम करें या कम दिखायें।''

यादव संगीता ने अपने अध्ययन **'भारत में गरीबी'** में कहा है कि, **''**रंगराजन समिति की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष–2009–10 में देश में 38.2% लोग दरिद्र थे जो आँकड़ा घटकर वर्ष 2011–12 में 29.5 रह गया। इनके अनुसार 1407 रुपए से कम मासिक खर्च करने वाले व्यक्ति को दरिद्र माना जाना चाहिए। इस तरह वर्ष 2009–10 में देश में 45.5 करोड व्यक्ति दरिद्र थे। योजना मन्त्री को सौंपी गई रिपोर्ट में रंगराजन समिति ने सिफारिश की

137 UNDP, Human Development Report, 2011 (New York, 2011), Table 5, pp143-5

है कि गाँवों में प्रति दिन 32 रुपए तथा शहरों में प्रति दिन 47 रुपए से कम खर्च करने वाले व्यक्ति को दरिद्र की श्रेणी में रखा जाना चाहिए, जबकि तेन्दुलकर समिति ने गाँवों और शहरों प्रति व्यक्ति क्रमशः 27 और 33 रूपए का पैमाना निर्धारित किया है।''

यू.एन.ओ. की रिपोर्ट 23 जून–2010 के अनुसार, ''भारत में दरिद्रता अनुपात जो वर्ष 1990 में 51% थी वह 2015 में 24% तक आने की संभावना है। निर्धनता अनुपात घटाने के मामले में पूर्व एवं दक्षिण–पूर्व एशिया के देश सबसे आगे हैं जबकि दक्षिण एशिया के अधिकांश देश निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अभी भी पीछे हैं। वैश्विक मन्दी में रोजगार पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा तथा बड़ी संख्या में लोगों को अपनी नौकरियाँ गवानी पड़ी किन्तु इससे निर्धनता अनुपात के लक्ष्य हासिल करने पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा इसके विपरीत तीव्र मुद्रास्फीति ने इसे अवश्य प्रभावित किया है।''

यू.एन.डी.पी. की मानव विकास रिपोर्ट–1997 के अनुसार, ''मानव विकास की वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जनमानस के विकल्पों का विस्तार किया जाता है और इसके द्वारा उच्च कल्याण स्तर को प्राप्त किया जाता है। यही मानव विकास की धारणा का मूल तत्त्व है। ऐसे सिद्धान्त न ही स्थैतिक होते हैं और नही सीमाबद्ध। परन्तु विकास के स्तर को दृष्टि में न रखते हुए जन–सामान्य के पास 3 विकल्प हैं–एक लम्बा एवं स्वास्थ जीवन व्यतीत करना, ज्ञान प्राप्त करना एवं अच्छा जीवन–स्तर प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधनों तक अपनी पहुँच बढ़ाना। कई और विकल्प भी हैं जिन्हें बहुत–से लोग महत्त्वपूर्ण मानते हैं। इनमें उल्लेखनीय हैं–राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्वतन्त्रता से सृजनात्मक और उत्पादक बनने के अवसर और स्वाभिमान एवं गारण्टीकृत मानवीय अधिकारों का लाभ उठाना... आय केवल एक विकल्प है जो लोग प्राप्त करना चाहेंगे, चाहे यह बहुत महत्त्वपूर्ण है परन्तु यह उनके समग्र जीवन का सार नहीं है। आय एक साधन है जबकि मानव विकास एक साध्य।''

यू.एन.डी.पी.की रिपोर्ट अक्टूबर–2010 के अनुसार, ''भारत के आठ राज्यों में ही दरिद्रों की कुल संख्या अफ्रीका के 26 निर्धनतम देशा में दरिद्रों की कुल संख्या से अधिक है, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल इनमें शामिल हैं। जहाँ दरिद्रो की कुल संख्या 42.1 करोड़ है, जबकि अफ्रीका के 26 निर्धनतम देशों में कुल मिलाकर यह संख्या 41 करोड़ ही है।''

यू.एन.डी.पी. की **'ह्यूमन डवलपमेंट रिपोर्ट' के अनुसार,** ''आठ राज्यों में दरिद्रता बढ़ी है। ये हैं बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिसा, राजस्थान में गरीबों की संख्या बहुत अधिक है। यहाँ पर दरिद्रता निरन्तर बढ़ती जा रही है। इसके चलते गरीबों की संख्या में बेहताशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इन राज्यों में दरिद्रता अफ्रीका देश इथियोसिया और तंजानिया में रहने वाले दरिद्रों जैसी है। इन लोगों को न तो स्वास्थ्य की सुविधा प्राप्त है और न ही शिक्षा की बुनियादी सुविधाओं की। बुनियादी सुविधाओं की बात छोड़िये इन लोगों को भूख मिटाने के लिए साफ पानी तक नहीं मिलता है। यह लोग गन्दा पानी पीकर किसी तरह से जीवन गुजार रहे हैं।''

योजना आयोग की राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास रिपोर्ट–2002 के अनुसार, ''चण्डीगढ़, दिल्ली, केरल, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश ने उदारीकरण का काफी हद तक लाभ उठाया है और तेजी से आगे बढ़े। राजस्थान, बिहार, उत्तर–प्रदेश तथा मध्य प्रदेश मानव विकास में पीछे बने हुए है। इन राज्यों में ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच संसाधन एवं सुविधाओं की दृष्टि से भारी अन्तर बना रहा।''

योजना आयोग के अनुसार, ''उन व्यक्तियों को दरिद्र माना जाता है जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी से कम उपभोग करते हैं।''

रस्तोगी आर. के. ने अपने अध्ययन **'भारतीय जनजातीय जीवन की समस्याएँ'** में बताया कि ''कारखानों, चाय के बगीचों और खानों में काम करने वाले जनजातीय लोग दयनीयता से परिपूर्ण हैं। वे वास्तव में दया के पात्र हैं। इन्हें परिश्रम का उचित प्रकार का पारिश्रमिक नहीं मिल पाता है। जैसे कारखाने में मजदूरों का हर प्रकार से उनका शोषण किया जाता है, उसी प्रकार से उनका भी आज खानों और कारखानों में हर प्रकार का शोषण हो रहा है। इसी कारण वे अपनी क्षुधा की शान्ति भी नहीं कर पाते हैं और ऋणग्रस्तताओं के रूपों में उन्हें अपनी जिन्दगी बितानी पड़ती है। एक तरह से तो शहरी सभ्यता के अन्तर्गत कारखानों में मालिक खुलेआम मजदूरों का शोषण कर रहे हैं। धनपति कहलाने हेतु इन्सानियत का गला घोंटकर मजदूरों का खून पी रहे हैं, ठीक उसी प्रकार से उन जनजाति के औद्योगिक श्रमिकों की दशा हो रही है।''

राष्ट्रीय आयोग 2007 के अनुसार, ''इसमें सन्देह नहीं कि 'चमकते भारत' का पिछले कुछ वर्षों में विस्तार हुआ है और यह अब बड़ी तेजी से फैल रहा है। परन्तु यह तस्वीर उस समय खराब हो जाती है जब हमें देश की 77% गरीब और दुर्बल वर्गों की अत्यन्त दयनीय रूप में जीवन व्यतीत करने की दशाओं का पता चलता है यह दूसरी दुनियाँ है जिसे आम आदमी की दुनिया कहा जा सकता है। इस वर्ग के पास से विकास–प्रक्रिया गुजर गई है।''

राष्ट्रीय शहरी किराए की आवास नीति 2015 के अनुसार, शहर में 60% झुग्गी वाली बस्तियाँ सरकारी जमीन पर हैं वहीं 40% स्थानीय निकाय की जमीन पर स्थिति हैं।

राष्ट्रीय शहरी गरीबी उन्मूलन के अनुसार, मलिन बस्तियों में स्कूल और स्वास्थ्य केन्द्र कम हुए हैं। 1993 में 63% बस्तियों के एक किलोमीटर के दायरे में स्वास्थ्य केन्द्र थे, जबकि 2015 में इनकी संख्या घटकर 47% रह गई।

रीन एम. लिखते हैं कि, ''लोगों को इतना गरीब नहीं होने देना चाहिए कि उनसे घिन आने लगे या वे समाज को नुकसान पहुँचाने लगे। इस नजरिए में गरीबों के कष्ट एवं दुःखों का नहीं बल्कि समाज की असुविधाओं और लागतों का महत्त्व अधिक प्रतीत होता है। गरीबी की समास्या उसी सीमा तक चिन्तनीय है जहाँ तक कि उसके कारण, जो गरीब नहीं हो उन्हें भी समस्यायें भुगतनी पड़ती हैं।''

रंगराजन सी. समिति की रिपोर्ट–2011–12 के अनुसार, ''प्रति दिन 32 रुपये व्यय करने वाले ग्रामीण एव 47 रुपये प्रति दिन व्यय करने वाले शहरी दरिद्र है। जिनकी संख्या 36.5 करोड तथा प्रतिशत 21.8 है।''

विश्व बैंक की विकास रिपोर्ट 2000–2001 के अनुसार, ''लगभग 120 करोड व्यक्ति (विश्व की कुल जनसंख्या का 20%) दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं तथा वे अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु औसत रूप से एक डालर प्रतिदिन का व्यय करने में भी असमर्थ हैं। दुनियाँ के लगभग 2.8 अरब लोग (विश्व की कुल जनसंख्या का 1/2) को 2 डालर प्रतिदिन की औसत आय सें भी कम आय पर जीवन यापन करना पड़ता है।''

विश्व बैंक के अनुसार, ''यदि कोई व्यक्ति एक डालर की औसत आय अर्जित करने में असमर्थ है तो यह माना जायेगा कि वह दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहा है।''

शर्मा बीरेन्द्र कुमार ने अपने अध्ययन **'मानव विकास और भारत'** में कहा है कि, ''मानव विकास एक वृहद अवधारणा है। इसके अन्तर्गत जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति आय, साक्षरता दर, सकल नामांकन अनुपात, जीवन की गुणवत्ता, दरिद्रता रेखा के नीचे की जनसंख्या व शहरीकरण प्रमुख अवयव हैं। इन सबको समेकित कर औसत रूप में मानव विकास सूचकांक को सृजित किया जाता है। इन सूचकांकों के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञात होता है कि मानव विकास की दृष्टि से कौन सा राष्ट्र पिछड़ा। इससे जहाँ अन्तर्राष्ट्रीय विकास अन्तराल का अध्ययन किया जाता है वहीं राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों के विकास अन्तराल को भी मापा जा सकता है।''

शर्मा रमेश चन्द्र ने अध्ययन **'कृषि अर्थशास्त्र'** में लिखा है कि, ''अधिकांश भारतवासी दरिद्र एवं ऋणग्रस्त हैं। औसत देशवासी की आय इतनी कम एवं उसके परिवार के सदस्यों की संख्या इतनी अधिक है कि कीमतों में हुई मामूली वृद्धि भी उसे संकट में डाल देती है।''

सिंह एवं साधू (1983) ने अपने अध्ययन **'इम्प्लाइमेंट ऑफ चिल्ड्रन ऑफ डिफरेंट ऑकुपेशन : स्टडी ऑफ इट्स प्रेस एण्ड कोन'** में यह निष्कर्ष निकाला कि, ''अधिकांश जनजातियां दरिद्र एवं निरक्षर हैं ही, इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में वे रहते हैं वहाँ पर रोजगार क अवसर भी उन्हें बहुत कम मिलते हैं। वहाँ किसी प्रकार के उद्योग भी नहीं रहते, जहाँ जनजाति युवा कार्य कर सकें। रोजगार मिलने पर वे अपनी दरिद्रता दूर कर सकेंगे।''

सेन अमर्त्य ने अपने अध्ययन **'गरीबी और अकाल'** में बताया कि '''दरिद्र कोई एक आर्थिक वर्ग नहीं है। दरिद्रता बहुत सी परिस्थितियों का परिणाम है। इसलिए दरिद्रता की समस्या का हल करने के लिए स्वयं दरिद्रता की संकल्पना से परे जाना चाहिए। दरिद्रता के विश्लेषण के दो चरण होने चाहिए। पहले चरण में तो यह पता लगाना चाहिए कि अलग–अलग लोगों को कितना मिला और इस आधार पर प्रति व्यक्ति आय के किसी मापदण्ड के सहारे दरिद्रियों का पता लगाना चाहिए। दूसरे चरण में हमें इस बात का अनुमान लगाना चाहिए कि स्थिति वास्तव में कितनी 'खराब' है और एक खराब स्थिति में

दूसरी खराब स्थिति से कितनी भयावह है। यह जानना काफी नहीं है कि कितने लोग दरिद्र हैं। यह जानना भी महत्त्वपूर्ण है कि दरिद्र व्यक्ति 'कितने' दरिद्र है।''

संतिया सुभाष ने अपने अध्ययन **'ग्रामीण विकास का आधार रोजगार'** में कहा है कि, ''रोजगार किसी भी देश और समाज के विकास की कुन्जी है। जिस गति से रोजगार पाने वालों की संख्या और उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी होती है उसी गति देश विकास के पथ पर अग्रसर होता है, लेकिन जैसे–जैसे बेरोजगारी बढ़गी दरिद्रता उसी प्रकार बढ़ती जाएगी।''

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट फरवरी–2015 के अनुसार, ''भारत में लगभग 30 करोड व्यक्ति अब भी अत्यन्त दरिद्रता में जीवन यापन कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2000 में तय सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (एम.जी.डी.) के कार्यक्रम दिसम्बर 2015 में समाप्त होने जा रहे हैं। भारत की जनसंख्या 125 करोड से अधिक है। देश ने वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र के एम.जी. डी. कार्यक्रम को अपनाया था जिसमें देश की दरिद्रता अनुपात को वर्ष 2015 तक आधा करना का लक्ष्य रखा गया था। इस आठ सूत्री कार्यक्रम में निरक्षरता, लिंग समानता एवं महिला सशक्तीकरण, शिशु मृत्युदर में कमी लाना तथा मातृत्व स्वास्थ्य में सुधार लक्ष्य भी शामिल है। भारत के पास सतत् विकास में अग्रणी बनने का आधार है।''

संयुक्त राष्ट्र के एशिया प्रान्त के लिए आर्थिक एवं सामाजिक आयोग(ई.एस.सी.ए. पी.) के कार्यकारी सचिव शमशाद अख्तर के अनुसार, ''भारत ने एम.जी.डी. के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन आत्ममुग्ध होने की कोई गुन्जाइश नहीं है। व्यापक अवसर है और हासिल करने के लिए काफी गुन्जाइस है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि एम.जी. डी. की अवधि इस वर्ष समाप्त हो रही है तो हम इस वर्ष काम की गति बढ़ाएँ ताकि हम सतत् विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) एजेण्डे को लागू कर सकें।''

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ फूड इन सिक्योरिटी इन द वर्ल्ड 2015' के अनुसार, ''भारत में 19.4 करोड़ व्यक्ति भूखे सोते हैं।

हण्टर विलियम विल्सन ने **'इंग्लैण्ड वर्क इन इण्डिया'** में लिखा है कि, ''भारत की चार करोड़ आबादी अपर्याप्त भोजन पर जीवन निर्वाह करती है।''

हार्बन एण्ड बॉस हरलम के अनुसार, ''व्यक्तियों, परिवारों और जनसंख्या के समूहों को उस स्थिति में दरिद्र कहा जा सकता है, जब उनके आहार के प्रकार, क्रियाकलापों में प्रतिभागिता में कमी हो और उनके जीवन की स्थितियाँ और सुख–सुविधाएँ ऐसी हों, जो पारम्परिक हो अथवा कम से कम उस समाज में व्यापक रूप में प्रोत्साहित और अनुमोदित हों, जिससे वे सम्बन्ध रखते हों। उनके संसाधन उतने कम हों कि उनके बारे में औसत व्यक्ति अथवा परिवार द्वारा उन्हें अपर्याप्त समझा जाए और उनके कारण सामान्य जीवन का तरीका, परम्परा और क्रिया कलापों से वंचित होते हों।''

हेन्सन जे. एल. के अनुसार, ''न्यूनतम जीवन स्तर बनाये रखने के लिये जितनी आय की आवश्यकता है, उससे कम आय होने पर व्यक्ति दरिद्र माना जायेगा।''

तृतीय अध्याय

आर्थिक असमानता तथा दरिद्रता

असमानता से आशय है अन्तर, विभेद, विषमता। आर्थिक असमानता से आशय हुआ–विभिन्न व्यक्तियों अथवा विभिन्न समूहों के खर्च में पाई जाने वाली असमानता। समाज में जब कुछ व्यक्ति या वर्ग अत्यन्त दरिद्र हो एवं दूसरी ओर कुछ व्यक्ति या वर्ग अत्यन्त सम्पन्न हों तो इसे हम समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता कहेंगे। इस असमानता के परिणामस्वरूप समाज के धनी एवं दरिद्र वर्ग में एक गहरी खाई उत्पन्न हो जाती है।[138]

भारत में बढ़ रही अरबपतियों की संख्या और सम्पत्ति धन के असमान बंटवारे का परिणाम है। देश के सबसे अमीर 1% लोगों के पास देश की कुल सम्पत्ति का 58% है। यह 50% के वैश्विक आँकड़े से कहीं अधिक है। अर्थात 57 रहीसों के पास उतनी ही दौलत है जितनी देश 70% निचले लोगों के पास है। विश्व बैंक की रिपोर्ट–2016 के अनुसार 2013 में विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन–यापन करने वाले लोगों की संख्या भारत में सर्वाधिक थी। देश की 30% जनसंख्या 1.9 डालर प्रति दिन से भी कम में गुजारा करने को अभिशप्त थी। इस वर्ष विश्व के अरबपतियों की सूची में 55 भारतीय शामिल हुए हैं।[139]

अमर्त्य सेन के अनुसार, ''दरिद्रता का अर्थ यह नहीं है कि समाज का एक व्यक्ति या वर्ग अन्य व्यक्तियों या वर्गों की तुलना मे सापेक्ष रूप से दरिद्र, बल्कि भौतिक कल्याण के मूल अवसरों का न होना–न्यूनतम सामर्थ्य को प्राप्त करने में असफल होना।''

भारतीय समाज के व्यक्ति जो महँगे होटलों में ठहरते हैं और महँगी से महँगी गाड़ियों में सवारी करते हैं, पर चिन्ता हमेशा दरिद्र व्यक्तियों और दरिद्रता की करते हैं। प्रत्येक दरिद्र चाहता है कि वह अमीर बने, यदि अमीर नहीं बन पाया तो कम–से–कम दो वक्त का खाने का तो इन्तजाम हो जाए। आज भारत में जिस लोकतन्त्र की स्थापना के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया था, वह लोकतन्त्र कहीं दिखाई नहीं देता। वर्तमान में अमीर और भी अमीर होता जा रहा है और दरिद्र और भी दरिद्र बनता जा रहा है। अमीर और दरिद्र के बीच गहरी खाई बनती जा रही है। यदि प्राकृतिक आपदा से किसी व्यक्ति का मकान ढह जाता है तो वह बेघर हो जाता है। प्रशासन की तरफ से तहसीलदार अधिकतम 3500 रुपए मुआबजा देने का अधिकारी है। जबकि झोपड़ी बनाने की लागत 25000 रुपए से अधिक आती है। इसका एक दूसरा पक्ष यह है कि जब कोई अधिकारी राज्य से बाहर मीटिंग में जाते हैं तो फ्लाइट का उपयोग कर महँगे से महँगे पाँच सितारा होटलों में ठहरते हैं जहाँ एक दिन कमरे का किराया 20000–50000 तक होता है, एक काफी 300 रुपए की और भोजन लगभग 5000 रुपए में आता है। वहीं एक दरिद्र अपनी गुजर–बसर रोजाना 50 रुपए से कर रहा है।[140] कितनी घोर असमानता है।

तेन्दुलकर समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि एक अनुमान के आधार पर भारत में 25 से 30 करोड़ व्यक्ति भूखे सोते हैं, भारत में 25000 ऐसे अमीर हैं जिनके

138 मित्तल एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पेज 209
139 दैनिक जागरण समाचार पत्र, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, सर्वोदय नगर कानपुर, दिनांक 15–10–2017, पेज 13
140 शर्मा ललित, अमीरी और गरीबी में बढ़ती विषमता, दैनिक हाक, जनचेतना पब्लिसर्स बहादराबाद, हरिद्वार, दि.1.1.2015, पे.4

प्रत्येक के पास 2 करोड़ से ऊपर कीमत की गाड़ियाँ है।[141] भारत में 20 लाख व्यक्तियों के पास देश के 90% संसाधनों पर कब्जा है। 80% व्यक्तियों के पास मात्र 4% संसाधनों पर कब्जा है। कितनी भयावह स्थिति है आर्थिक असमानता की।

एक आँकड़े के हिसाब से वर्ष 2004 की लोकसभा में 154 सांसद करोड़पति थे, वर्ष 2009 की लोकसभा में 306 सांसद करोड़पति थे तथा वर्ष 2014 की लोकसभा में बढ़कर 442 सांसद करोड़पति हैं। इन सभी सांसदों की कुल सम्पत्ति 6500 करोड़ रुपए की है, इनमें से लगभग 300 से अधिक सांसद आम जनों की पार्टी कहे जाने वाले दलों से हैं। जो सदैव चुनाव में दलित–दरिद्र और दबे–कुचले लोगों के उत्थान की बात कर वोट माँगते हैं तथा इसी भारत में लगभग 29 करोड़ से अधिक व्यक्ति प्रति दिन 12–20 रुपए की राशि में अपना घर चला रहे हैं। कितनी अधिक असमानता है। आज हम देख सकते हैं कि दरिद्र का प्रतिनिधित्व कितने अमीर सासंद कर रहे हैं।[142] क्या इस तरह से अमीर जन–प्रतिनिधि दरिद्रों के प्रति समर्पित रह सकते हैं? हर बार दरिद्र छला जाता है। देश की 90% दरिद्र आबादी का प्रतिनिधित्व करोड़पति एवं अरबपति लोग कर रहे हैं। किसी को गरीब है, अच्छा काम करेगा, सोचकर जनता चुन कर भेजती है, वह भी कुछ दिनों बाद 10–12 लाख की गाड़ी में घूमने लगता है। यह तो सांसद जैसे बड़े पद की बात है, यदि कोई छोटे पद पर पहुँचता है तो उसके पास 5–7 लाख की गाड़ी तो एक–दो महीने के अन्दर आ जाती है। ऐसी कौन सी जादू की छड़ी है जिसे घुमाते ही अमीर हो जाते हैं। इसका सीधा अर्थ यही है कि भ्रष्टाचार अपनी सीमाएँ लाँघ चुका है और आम आदमी टी.वी. पर बैठ कर सास–बहू का धारावाहिक और छल–कपट जवानी का नाच देख रहा है, उसे कोई मतलब नहीं कहाँ क्या हो रहा है। बस एक ही प्रश्न उठता है कि हमारे देश का लोकतन्त्र कहाँ जा रहा है।

प्रो.रामनर नर्क्से द्वारा प्रतिपादित 'दरिद्रता का दुष्चक्र' (Vicious Circle of Poverty) अवधारणा के अनुसार, एक अल्पविकसित देश दरिद्रता के दुष्चक्र में फंसा होता है और यह दुष्चक्र अनेक शक्तियों का एक ऐसा चक्र होता है जो एक–दूसरे के साथ इस प्रकार प्रति क्रिया करते हैं कि एक दरिद्र सदैव दरिद्र बना रहता है। एक देश की दरिद्रता ही उसके दरिद्रता का कारण है अर्थात् एक देश दरिद्र है क्योंकि वह दरिद्र है। दरिद्रता के दुष्चक्र के विभिन्न कारकों में से सबसे प्रमुख कारक 'पूँजी का अभाव' है क्योंकि पूँजी के अभाव से निवेश कम होता है, जिससे उत्पादन, रोजगार एवं आय तीनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।[143]

वस्तुतः सामाजिक स्तरीकरण एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है। प्रत्येक समाज में सभी लोगों एवं वर्गों की स्थिति समान नहीं होती, लोगों की बुद्धि, योग्यता, कार्यक्षमता, व्यवसाय, धन में अत्यधिक अन्तर होते हैं। इसी स्तरीकरण का एक महत्त्वपूर्ण स्वरूप आर्थिक असमानता के रूप में परिलक्षित होता है। आर्थिक दृष्टि से विभिन्न लोगों एव वर्गों में अत्यधिक असमानताएँ पाई जाती हैं। व्यक्तियों की आय, सम्पत्ति, धन आदि में विभिन्नताएँ पाई जाती हैं। प्रत्येक व्यक्ति की पारिवारिक स्थिति भिन्न होती है। किसी व्यक्ति को पूर्वजों द्वारा सम्पत्ति प्राप्त हो

141 शर्मा ललित, अमीरी और गरीबी में बढ़ती विषमता, दैनिक हाक, जनचेतना पब्लिसर्स बहादराबाद, हरिद्वार, दि.1.1.2015, पे.4
142 वही, पेज .4.
143 Gradestack.com/IBPS/BankPo/2344-2352

जाती है तथा किसी को नहीं। इस प्राप्त सम्पत्ति की मात्रा भी बहुत भिन्न–भिन्न होती है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति क्या व्यवसाय चुनता है, आजीविका उपार्जन किस प्रकार करता है, इस दृष्टि से अत्यधिक विभिन्नताएँ पाईं जाती हैं। प्रत्येक व्यक्ति की रूचि, कार्यक्षमता, परिश्रम, योग्यता के आधार पर एवं अन्य बहुत से बाहरी कारणों पर यह निर्भर करता है कि उसकी आर्थिक स्थिति क्या होगी। समाज में भिन्न–भिन्न प्रकार के व्यवसाय एवं पेशे व्यक्तियों द्वारा अपनाए जाते हैं। इन्हीं के अनुसार उनकी आर्थिक स्थिति निर्धारित होती है।[144]

आर्थिक असमानता का सम्बन्ध प्रत्यक्ष रूप से अर्थ व्यवस्था से भी है। समाज में प्राचीन काल से भिन्न–भिन्न प्रकार की आर्थिक व्यवस्थाएँ विद्यमान रही है। पूर्व में जब जजमानी प्रथा पाई जाती थी, वस्तु–विनिमय की प्रथा थी। उस समय अधिक आर्थिक असमानता का प्रश्न नहीं था। धीरे–धीरे जब बाजार अर्थ–व्यवस्था का विकास हुआ और मुद्रा विनिमय का माध्यम बन गई तब आर्थिक–व्यवस्था में क्रान्तिकारी परिवर्तन आए। बाजार अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम हुआ मुद्रा को संचय करने की प्रवृत्ति का विकास। यह प्रवृत्ति पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के विकास के साथ–साथ बहुत तीव्र रूप धारण करती गई।

ग्लोबल इनोवेशन इण्डेक्स में भारत 143 अर्थव्यवस्थाओं में भारत 76–वें पायदान पर है। रोजगार–बेरोज़गार सर्वे के अनुसार देश के 77% परिवारों की आय का कोई नियमित स्रोत नहीं है। देश के 20% व्यक्तियों के पास देश का 85% धन है, जबकि शेष 80% व्यक्तियों के पास मात्र 15% धन है। कार्बन उत्सर्जन में भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद चौथे स्थान पर है।[145]

भारत में राष्ट्रीय आय के वितरण की वैज्ञानिक व्याख्या के लिए पर्याप्त आँकड़ों का अभाव है। **केन्द्रीय सांख्यकीय संगठन (C.S.O.)** यद्यपि लगभग छः दशकों से राष्ट्रीय आय के अनुमान तैयार कर रहा है, तथापि इसके द्वारा उपलब्ध किए जाने वाले आँकड़े आय के वितरण के विश्लेषण की दृष्टि से अधूरे हैं। आय के वितरण की जाँच करने के लिए भारत सरकार ने **प्रोफेसर महलानीविस** की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की थी जिसकी रिपोर्ट वर्ष 1964 में प्रकाशित हुई थी। इस समिति के अतिरिक्त R.B.I. एवं N.C.A.E.R. तथा अनेक व्यक्तिगत शोधकर्ताओं ने भी 'आय के वितरण' के सम्बन्ध में जाँच की है।

भारत में आय के वितरण की सीधी जाँच के लिए आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इसीलिए सभी अध्ययनों में आयकर सम्बन्धी आँकड़ों के अतिरिक्त पारिवारिक सर्वेक्षणों द्वारा उपलब्ध आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। भारत में लगभग 1% व्यक्ति आयकर देते हैं। कृषि–आय पर आयकर नहीं लगाया जाता। इसके अतिरिक्त आयकर की चोरी भी बहुत है। अतः आय कर सम्बन्धी आँकड़े आय वितरण के अध्ययन के लिए न तो पर्याप्त हैं और न ही सन्तोषजनक हैं। राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षण (National Sample Survey) के आँकड़ों में कठनाई यह है कि वे आय से सम्बद्ध न होकर उपभोग से सम्बद्ध हैं, परन्तु बेहतर आँकड़ों के अभाव के कारण आयकर सम्बन्धी आँकड़ों और N.S.S. के आँकड़ों का प्रयोग ही

144 मित्तल एल. मित्तल एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, सुभाष बाजार, मेरठ, वर्ष 1991–92, पे. 209
145 ठाकुर मुकेश, शोध से विकास–अग्निब्लास्ट, agniblast.com/जून 2017/10

आय–वितरण का ढ़ाँचा जानने के लिए किया गया है। आय–वितरण के विभिन्न अनुमान विभिन्न वर्षों तथा विभिन्न अवधियों के लिए हैं और अभी तक कोई ऐसी काल श्रेणी (Time series) उपलब्ध नहीं है जो यह बता सके कि समय के साथ वितरण के ढाँचे में क्या परिवर्तन हुए हैं।

आयोजन काल के पहले 3 दशकों में आय का वितरण बीसवीं शताब्दी के छठे दशक में विभिन्न वर्षों के लिए आय वितरण का अध्ययन एफ. एच. लाइडाल[146], मुकर्जी[147], भारतीय रिजर्व बैंक[148] एवं नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) ने किया है।

चूँकि वर्ष 1950–51 से 1960–61 के लिए किए गए अध्ययनों में अलग–अलग रीतियों का प्रयोग किया गया इसलिए आय वितरण की प्रवृत्तियों के सम्बन्ध में कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकाले जा सके। परन्तु जो मुख्य बातें सामने आती हैं, वे हैं–(i) लाइडाल एवं नेशनल काउन्सिल ऑफ इप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च के अनुमानों से लगता है कि सबसे सम्पन्न 10% परिवारों का राष्ट्रीय आय में हिस्सा लगभग 35% था। रिजर्व बैंक तथा आयंगर एवं मुकर्जी के अनुमानों के अनुसार यह हिस्सा लगभग 25% था। (ii) नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च के अतिरिक्त अन्य अनुमानों के अनुसार सबसे नीचे के 20% परिवारों का राष्ट्रीय आय में हिस्सा 8–9% के बीच था जबकि नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च के अनुसार इससे लगभग आधा (4%) था। (iii) नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च तथा रिजर्व बैंक के अनुमानों से ऐसा लगता है कि 6–वें दशक में शहरी क्षेत्र में निजी आय में असमानता ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक थी।[149]

आयोजन काल के दूसरे दशक के लिए **नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च तथा पी.डी.ओझा व वी. पी. भट्ट[150] ने** आय वितरण के आँकड़े प्रस्तुत किए हैं। नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक रिसर्च ने वर्ष 1964–65 में अखिल भारतीय स्तर पर उपभोक्ताओं के व्यय के सर्वेक्षण द्वारा प्रयोज्य व्यक्तिगत आय (Disposable Personal Income) के जनसंख्या के दशमक समूहों (Decile Group of Population) में वितरण का अनुमान लगाया है। अपने अध्ययन में **ओझा और भट्ट** ने 1963–64 और 1964–65 (औसत) के लिए आय के वितरण का अनुमान लगाया है। कुल उपभोग व्यय का अनुमान लगाने के लिए वे केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के राष्ट्रीय आय आँकड़ों, अनिगमित उद्यमों (Unincorporated Business) के प्रत्यक्ष करों के अनुमानों तथा परिवारों के बचत सम्बन्धी अनुमानों का प्रयोग करते हैं। **ओझा और भट्ट** यह मान्यता भी लेते हैं कि बचत केवल सबसे सम्पन्न दशमक समूह द्वारा की जाती है। इस प्रकार बचत को एक दशमक समूह के उपभोग व्यय के बराबर मान लिया गया है। **ओझा और भट्ट** के अनुमान भी नेशनल काउन्सिल ऑफ इकोनोमिक रिसर्च अनुमान से काफी मिलते–जुलते हैं।

146 Lydall F.H., " The Inquality of Indian Income", Economic Weekly, Special Number, June, 1960
147 Lyngar N.S. & Mukarjee M., "A Note on the Derivation of Size Distribution of Personal Household Income From Size Distribution of Consumes Expenditure." (Mimeo)
148 R.B.I., "Distribution of Income in The Indian Economy,1953-54 to 1956-57", RBI Bulletin, September, 1962
149 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नईदिल्ली, वर्ष 2016, पेज 179
150 Ojha P. D. & Bhatt V. V., "Pattern of Income Distribution of India; 1953-54 to 1963-65", in T. N. Srinivasan & P.K.Bardhan (eds.) Poverty and Income Distribution in India (Calcutta, 1974), pp.163-66

जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है, विभिन्न अध्ययनों में राष्ट्रीय आय के वितरण का अनुमान लगाने के लिए अलग–अलग आँकड़ों और रीतियों का प्रयोग किया गया है। फिर भी आयोजन के दूसरे दशक में किए गए इन अध्ययनों के परिणाम काफी मिलते–जुलते हैं। सभी अनुमानों पर यदि एक साथ विचार करें तो यह स्पष्ट होता है कि सबसे दरिद्र 20% लोगों का कुल निजी आय में हिस्सा लगभग 7.5% था जबकि सबसे सम्पन्न 20% लोगों का हिस्सा लगभग 47% था। अर्थात्, कुल आय का लगभग आधा सबसे सम्पन्न 20% लोगों के हाथ में था। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह निकलती है कि आय के ऊपरी हिस्से में केन्द्रीयकरण अधिक है। जैसे, सबसे धनी 10% लोगों के पास 30–35% (लगभग एक तिहाई) आय थी।[151]

एक अन्य महत्त्वपूर्ण बात जो अध्ययनों में प्रकट होती है, वह यह है कि शहरी क्षेत्र में असमानता और केन्द्रीयकरण ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक था। उदाहरण के लिए शहरी क्षेत्र में सबसे सम्पन्न 10% व्यक्तियों की आय सबसे दरिद्र नगर क्षेत्र में 10% व्यक्तियों की आय की तुलना में 18 गुनी थी जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह 10 गुनी थी।

हाल के वर्षों के लिए आय के वितरण पर कोई महत्त्वपूर्ण अध्ययन नहीं किया गया है। परन्तु योजना आयोग ने '**ड्राफ्ट फाइव प्लेन, 1978–83**' में यह मत व्यक्त किया था कि 1973–74 में ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे निर्धन 20% व्यक्तियों का कुल उपभोग में हिस्सा मात्र 9.5% था जबकि सबसे सम्पन्न 20% व्यक्तियों का हिस्सा 38% था। शहरी क्षेत्रों के लिए ये हिस्से क्रमशः 9.2% थे। योजना आयोग के अनुसार, आय में असमानताएँ उपभोग में इन असमानताओं की तुलना में अधिक रही होगी[152]

योजना आयोग के मत की आय–असमानताएँ उपभोग–असमानताओं से अधिक होती है विश्व बैंक के आय की असमानाताओं से सम्बन्धित 1973–76 के अनुमानों से पुष्ट होती है। विश्व बैंक को भारत में 1975–76 में आय के वितरण सम्बन्धी अनुमान विश्व बैंक और आई. एल. ओ. के एक संयुक्त अध्ययन से प्राप्त हुए हैं। इन अनुमानों से प्रकट होता है कि 1975–76 में सबसे नीचे के 20% परिवारों (ग्रामीण–शहरी मिलाकर) का पारिवारिक आय में भाग जहाँ मात्र 7.0% था वहाँ सबसे ऊपर के 20% परिवारों को 49.4% भाग प्राप्त हुआ।[153]

एन. एस. आयंगर और **पी. आर. ब्रह्मानन्द** ने प्रथम पंचवर्षीय से लेकर छठी पंचवर्षीय योजना तक की अवधि में मौद्रिक प्रति व्यक्ति पारिवारिक व्यक्तिगत उपभोग व्यय के परिणाम वितरण (Size distribution of nominal per capita household private consumption expenditure) हेतु गिनी लारेन्ज अनुपातों की गणना की है। इस उद्देश्य के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षण के उपभोग व्यय के आँकड़ों का सहारा लिया है। जिसके निष्कर्ष आगे सारणी में दिए हैं।[154]

151 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पेज 179
152 Government of India, Planning Commission, Draft Five Year Plan, 1978-83, (New Delhi, 1980)
153 The World Bank, Word Development Report 1988 (Oxford, 1987) Table 26, pp. 272-73.
154 Iyangar N.S.& Brahmananda P.R.,"Estemated Distribution Parameters and Behavior", in P.R.Brahmananda and V.R.Panchmukhi (eds) the Development Process of the Indian Economy (Bombay, 1987), p.87.

योजनावार औसतन गिनी–लारेन्ज अनुपात

योजना	ग्रामीण	शहरी
पहली (1951–56)	0.34	0.38
दूसरी (1956–61)	0.33	0.37
तीसरी (1961–65)	0.33	0.35
1966–68*	0.30	0.33
चौथी (1969–73)	0.29	0.33
पांचवी (1974–79)	0.31	0.33
1979–80*	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
छठवी (1980–84)	0.30	0.33
*वार्षिक योजनाएँ		

उक्त सारणी से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किए जा सकते हैं:

1. वर्ष 1960 के दशक में औसत गिनी–लारेन्ज अनुपात, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के बाद के दशकों की तुलना में अधिक थे। इसलिए समय के साथ उपभोग व्यय के वितरण में असमानताए कम हुई हैं।

2. वर्ष 1960 से 1984 तक ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी–लारेन्ज अनुपात 0.30 के आस–पास स्थिर रहा है। इस अवधि में शहरी क्षेत्रों में भी गिनी–लारेन्ज अनुपात 0.33 के आस–पास स्थिर रहा है अर्थात् शहरी क्षेत्रों में भी असमानताओं में पिछले दशकों में वृद्धि नहीं हुई है।

3. शहरों में गिनी–लारेन्ज अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 10–12% अधिक है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि शहरी क्षेत्रों में असमानताएँ ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हैं।

उक्त निष्कर्षों के आधार पर आयंगर और ब्रह्मानन्द यह मत व्यक्त करते हैं कि यह मान्यता कि किसी दरिद्र अर्थव्यवस्था में संवृद्धि एवं विकास से आय वितरण में असमानताएँ बढ़ती हैं, भारतीय आँकड़ों से पुष्ट नहीं होती। वास्तव में किसी प्रजातान्त्रिक देश में जहाँ राजनैतिक नेतृत्त्व जनमत के प्रति जागरूक है, यह असमानता वास्तव में कम हो सकती है।[155]

जो गिनी–लारेन्ज अनुपात उपलब्ध हैं उनके आधार पर निष्कर्ष सही नहीं है कि आय असमानताओं में कमी हुई है। इसके निम्नलिखित कारण हैं:

1. आयंगर तथा ब्रह्मानन्द ने गिनी–गुणांकों का पता लगाने के लिए जिस राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षणों के आँकड़ों का सहारा लिया है वे उच्च आय वर्गों के उपभोग व्ययों को ठीक व्यक्त नहीं करते। इसका कारण यह है कि धनी वर्ग के व्यक्तियों के पास बड़ी मात्रा में काली आय है जिसे वे उपभोग पर व्यय करते हैं। अतः इस वर्ग के व्यक्ति अक्सर अपना उपभोग व्यय सही नहीं बताते अर्थात जितना उपभोग व्यय होता है उससे कम बताते हैं।

2. कम्पनियों के उच्च अधिकारियों को जो अतिरिक्त लाभ या आय (Perquisites) दी जाती है वह राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षण के उपभोग व्यय आँकड़ों में दिखाई नहीं देती।[156]

155 Ibid, p-87

156 Chellah Raja J. and Lal R.N., "The Incidenceof Indirect Taxation in India-1973-74" in Dwivedi R.N. (ed), Readings in Indisn Public Finance (Delhi, 1981), p-82.

यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि समय के साथ भारत में बचत दर में भी वृद्धि हुई है। इसलिए केवल विभिन्न वर्गों के निजी मुद्रा उपभोग–व्ययों के आधार पर आयंगर एवं ब्रह्मानन्द का यह निष्कर्ष निकालना कि आय असमानताओं में कमी हुई है, सही नहीं है। उदाहरण के लिए, भारत में बचतें अधिकतर धनी वर्ग द्वारा की जाती हैं। इसलिए यदि बचत दर में समय के साथ वृद्धि हुई है तो इसका अर्थ यह है कि उच्च आय वर्गों की आय उनके उपभोग व्यय की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। इसलिए ऐसा हो सकता है कि समय के साथ आय वितरण के ढ़ांचे में कोई सुधार न हुआ हो परन्तु मुद्रा के रूप में निजी उपभोग व्यय अपेक्षाकृत अधिक समान हो गया हो।

वर्ष 1980 के दशक में परिवार व्यय के विवरण में विश्व बैंक ने 1983 तथा 1989–90 के लिए पारिवारिक व्यय के वितरण के अनुमान प्रस्तुत किए हैं जो 1975–76 के आँकड़ों से तुलनीय नहीं हैं क्योंकि 1975–76 के आँकड़े आय के वितरण से सम्बन्धित हैं।[157]

विश्व बैंक के पारिवारिक व्यय सम्बन्धी आँकड़ों से स्पष्ट है कि वर्ष 1983 से 1989–90 के बीच व्यय वितरण के ढाँचे में नगण्य परिवर्तन हुआ। वर्ष 1983 में सर्वोच्च 20% परिवारों का परिवार क्षेत्र के कुल व्यय में हिस्सा 41.4% था। वर्ष 1989–90 में यह लगभग अपरिवर्तित रहा (41.3%)। वर्ष 1983 में सबसे नीचे वर्ग के 20% परिवारों का परिवार क्षेत्र के कुल व्यय में हिस्सा 8.1% था जो 1989–90 में थोड़ा बढ़ कर 8.8% हो गया। इस वर्ग को जो थोड़ा सा लाभ प्राप्त हुआ वह 60–80% वर्ग की कीमत पर हुआ जिनका परिवार व्यय में हिस्सा 1983 में 22.0% से कम होकर 1989–90 में 21.3% रह गया।

विभिन्न पारिवारिक वर्ग समूहों का पारिवारिक व्यय में भाग–1983 एवं 1989–90[158]

पारिवारिक वर्ग समूह नीचे से (%)	1983	1989–90
0–20	8.1	8.8
20–40	12.3	12.5
40–60	16.3	16.2
60–80	22.0	21.3
80–100	41.4	41.3
90–100	26.7	27.1

1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था एक व्यापक संकट की शिकार हुई। सरकार ने इस आर्थिक संकट का सामना नव–उदारवादी सुधारों को व्यापक स्तर पर अपना कर किया। 1991 के बाद की अवधि में राष्ट्रीय आय में वृद्धि की दर 6.3% तक पहुँच गई। दसवीं योजना की अवधि (2002 से 2006) में तो राष्ट्रीय आय 7.8% प्रति वर्ष थी। इस प्रकार भारत चीन के बाद, विश्व का दूसरा सबसे अधिक संवृद्धि प्राप्त करने वाला देश बन गया है। प्रति व्यक्ति आय की संवृद्धि दर जो आयोजन के पहले चार दशकों में मात्र 1.7% प्रति वर्ष थी, 1990–91 से 2008–09 में 18 वर्षों में बढ़कर 4.2% हो गई। सरकार ने इन आँकड़ों का

157 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पेज 181

158 The Word Bank, World Development Repor 1992, Table 30, pp.276-277 & World Development Report 1993, Table30, pp.296-297.

व्यापक प्रचार किया है तथा यह भी दावा किया है कि ''संवृद्धि दरिद्रों के हित में है'' और इससे अमीर और दरिद्र के बीच अन्तर कम हो रहा है। लेकिन तथ्यों से स्पष्ट हो जाता है कि भारत में संवृद्धि दर में जो भी वृद्धि हुई है उससे आय की असमानताएँ बढ़ी हैं। इसमें सन्देह नहीं है कि 1980 के दशक की तुलना में आर्थिक सुधारों की अवधि में संवृद्धि दर थोड़ी ऊँची रही है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में भी वृद्धि हुई है। लेकिन न तो इससे दरिद्रता की व्यापकता में कमी हुई है और न ही आय की असमानताएँ कम हुई हैं।

निम्नांकित सारणी में वर्ष 1989–90, 1994, 1997, 2005 व 2010 के लिए पारिवारिक व्यय के आँकड़ों के अनुमान दिए गए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, 1989–90 से 1994 के मध्य पारिवारिक व्यय के बितरण ढ़ाँचे में कुछ सुधार दिखाई देता है। इस अवधि में सबसे नीचे के 40% परिवारों का पारिवारिक व्यय में हिस्सा 21.3% से बढ़ कर 21.7% हो गया जबकि सबसे धनी 20% परिवारों का पारिवारिक व्यय में हिस्सा 41.3% से कम होकर 39. 3% रह गया। परन्तु उसके बाद उपभोग व्यय का वितरण और असमान हो गया। ये वर्ष उदारीकरण के वर्ष थे। सबसे धनी 20% परिवारों का पारिवारिक व्यय में हिस्सा 1994 में 39.5% से बढ़कर 2010 में 45% तक जा पहुँचा। इसी दौरान सबसे धनी 10% परिवारों का पारिवारिक व्यय में हिस्सा 25% से बढ़कर 29% हो गया। वर्ष 2010 में सबसे धनी 10% और सबसे निर्धन 10% व्यय का अनुपात 7.5 था और गिनी गुणांक (Gini index) 34 था।[159]

विभिन्न पारिवारिक वर्ग समूहों का सकल पारिवारिक व्यय में भाग 1989–90 से 2010 तक

पारिवारिक वर्ग समूह (%)	1989–90	1994	1997[160]	2005[161]	2010[162]
0–20	8.8	9.2	8.1	8.6	9
20–40	12.5	13.0	11.0	12.2	12
40–60	16.2	16.8	15.0	15.8	16
60–80	21.3	21.7	19.3	21.0	21
80–100	41.3	39.3	46.1	42.4	43
90–100	27.1	25.0	33.5	28.3	29

यहाँ इस बात पर भी जोर देना आवश्यक है कि आय में असमानताएँ, व्यय में असमानताओं की तुलना में अक्सर बहुत अधिक होती है। इसका कारण यह है कि सबसे दरिद्र 10% या 20% व्यक्तियों की बचतें नाममात्र होती हैं तथा अधिकतर बचतें सबसे धनी 20% व्यक्तियों द्वारा की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, 1983 के बाद से पारिवारिक क्षेत्र की बचतों में काफी अधिक वृद्धि हुई है जो इस बात का द्योतक है कि सबसे धनी 20% व्यक्तियों की आय में काफी वृद्धि हुई है।

योजना आयोग द्वारा 21 मई, 2012 को जारी किए गए आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004–05 के बीच की पाँच वर्ष की अवधि में आय असमानताओं में वृद्धि हुई है। यही वह अवधि है

159 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पेज 181
160 1989–90,1994 & 1997 के आँकड़ों के लिए World Bank,World Development Report, 999-2000 Table 5,pp.238-9
161 2005 के आँकड़ों के लिए World Bank, World Development Report, 2012 Table 2-9, pp.74-6
162 2010 के आँकड़ों के लिए World Bank, World Development Report, 2013 Table 2-9.

जिसमें अर्थव्यवस्था में तेज आर्थिक संवृद्धि हुई थी। इस अवधि में आय असमानताओं में वृद्धि इस बात से स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी गुणांक जो वर्ष 2004–05 में 0.27 था, वर्ष 2009–10 में बढ़कर 0.28 तथा शहरी क्षेत्रों के लिए इसी अवधि में 0.35 से बढ़ कर 0.39 हो गया। देश के 11 राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 18 राज्यों में शहरी क्षेत्रों में असमानताओं में वृद्धि हुई।[163] आय असमानताओं पर नवीनतम जानकारी वर्ष 2011–12 के लिए N.S.S.O. के 68–वें दौर के परिणामों में उपलब्ध है। इस जानकारी के अनुसार, ग्रामीण जनसंख्या निर्धनतम 10% व्यक्तियों के मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में वर्ष 2009–10 के 66–वें दौर की तुलना में 11.5% वृद्धि दिखाई देती है। इसके विपरीत, इसी अवधि में, सबसे धनी 10% व्यक्तियों के प्रति व्यक्ति व्यय में 38% की वृद्धि हुई। शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि क्रमशः 17.2% तथा 30.5% थी। जहाँ सबसे धनी 10% की मासिक प्रति व्यक्ति व्यय का सबसे दरिद्र 10% के मासिक प्रति व्यक्ति व्यय से अनुपात का सम्बन्ध है, यह अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वर्ष 2009–10 में 5.8 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 6.9 हो गया। इसी दौरान, शहरी क्षेत्रों के लिए यह अनुपात 10.1 से बढ़कर 10.9 हो गया। वर्ष 2011–12 में ग्रामीण क्षेत्रों के 10% सबसे धनी उपभोक्ताओं का उपभोग व्यय, दरिद्रतम 10% के उपभाग व्यय का औसतन 7 गुना था जबकि शहरी क्षेत्र के सबसे धनी 10% उपभोक्ताओं का उपभोग व्यय, दरिद्रतम 10% के उपभोग व्यय का लगभग 11 गुना था।

OECD द्वारा दिसम्बर 2011 में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में (जो कि आर्थिक सुधार की अवधि रही है) भारत में कमाई (earning) में असमानताएँ दुगनी हो गई हैं और इस प्रकार उभर रही अर्थ व्यक्तियों में भारत की निष्पत्ति सबसे खराब रही है।[164] रिपोर्ट के अनुसार जहाँ आज से 20 वर्ष पूर्व सबसे अधिक 10% कमाई करने वाले व्यक्तियों की सबसे कम 10% कमाई करने वाले व्यक्तियों की तुलना में कमाई 6 गुना थी, अब यह 12 गुना हो गई है।[165] भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक आय असमानताओं का अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है कि इस देश में सबसे धनी 100 व्यक्तियों की कुल मिलाकर मालियत (networth) 2011 में 2206375 करोड़ थी जो वर्ष 2010–11 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद 7157412 करोड़ रूपए का लगभग 17% है। दूसरे शब्दों में, सबसे धनी 100 व्यक्तियों की कुल मालियत देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग छठवाँ हिस्सा है। यदि यहाँ इस बात का भी अध्ययन देखें कि देश में अत्यधिक काला धन है और यह धन अधिकतर कुछ धनी व शक्तिशाली व्यक्तियों के हाथों में केन्द्रित है तो हम सहज ही भारत में व्यापक आय असमानताओं का अनुमान लगा सकते हैं।

असमानता और विद्रोह में बहुत निकट सम्बन्ध है। यह सम्बन्ध दोतरफा ही है। असमानता की अनुभूति तो किसी भी समाज में विद्रोह के स्वर मुखर कर सकती है–पर यह समझ लेना भी आवश्यक है कि असमानता की अनुभूति और उसके अस्पष्ट स्वरूप की संरचना भी मुख्यतः वास्तविक विद्रोह की सम्भावनाओं पर ही आधारित रहती है। एथेन्स के विद्वानों को समता के चिन्तन में दासों की अनदेखी करने में कोई मानसिक कठिनाई नहीं

163 Mint, March 22, 2012, p.1
164 दत्त गौरव एवं महाजन अश्वनी, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि.रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, पेज 181
165 Times of India] December 7, 2011

हुई। इसका एक कारण यह भी था कि वे ऐसा कर गुजरने में समर्थ थे। इतिहास साक्षी है कि समता एवं न्याय की अवधारणाओं में अधिक परिवर्तन हुए हैं। जैसे–जैसे स्तर–अनुक्रमणन एवं भेद–भाव के प्रति असहिष्णुता में संवृद्धि हुई है, असमानता की संकल्पना में भी क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं।

असमानता के मापन के प्रश्न का विवेचन हम विश्लेषण विधि से जुड़ी एक बात से कर सकता हैं। अर्थशास्त्रियों की रचनाओं में असमानता के जो माप सुझाए गए हैं, उन्हें हम दो श्रेणियों में बाँट सकते हैं। पहले वर्ग में वे मापन विधियाँ हैं जिनसे किसी–न–किसी वस्तुपरक स्वरूप में असमानता का आकलन किया गया है। इनमें आय के सापेक्ष स्तर में परिवर्तनों को किसी सांख्यकीय विधि द्वारा मापने का प्रयास होता है। दूसरी श्रेणी में हम उन विधियों को रखते है जिनमें सामाजिक कल्याण की किसी आदर्श मूलक संकल्पना का प्रयोग होता है। यहाँ सामाजिक कल्याण के विचार का निरूपण कुछ इस प्रकार किया जाता है कि समाज की समग्र आय का स्तर पूर्ववत् रहते हुए भी यदि उसके बंटवारे से असमानताओं में वृद्धि हो जाए तो सामाजिक कल्याण के स्तर में गिरावट आ जाएगी। यह कहा जा सकता है, कि पहली विधि, अर्थात् वस्तुपरक मापन विधि का प्रयोग करने में कुछ विशेष लाभ रहते हैं, जैसे–(i) एक तो हम स्पष्टतः यह देख पाते हैं कि असमानता कम हुई है या अधिक, (ii) दूसरे, नीतिशास्त्रीय दृष्टि से इनका न्यून या अधिक मूल्यांकन हो पाता है। किन्तु आदर्शमूलक विधि में असमानताओं का वस्तुपरक आकलन कर पाना सहज नहीं होता, वस्तुतः असमानता की संकल्पना का अपना स्वरूप ही वस्तुपरक नहीं रह जाता। यही नहीं, इस विधि में तो मापन की समस्या नीतिशास्त्रीय मूल्यांकनों की समस्याओं के जाल में उलझ–सी जाती है।

असमानता के मापक

असमानता के विभिन्न मापकों को दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। प्रथम श्रेणी में वे वस्तुपरक मापक आते हैं जिनमें सामाजिक कल्याण के विचार का कोई प्रयोग नहीं होता। द्वितीय श्रेणी में आदर्शमूलक मापन विधियाँ हैं। इनमें स्पष्टतः सामाजिक कल्याण के विचार का प्रतिपादन एवं प्रयोग होता है और असमानतापूर्ण वितरण के कारण कल्याणकारी हानि का आकलन करने का प्रयास भी किया जाता है। यद्यपि अर्थशास्त्रियों का तर्क रहा है कि इन दो श्रेणियों की विभाजन रेखा बहुत स्पष्ट नहीं किन्तु फिर भी इनमें कुछ अन्तर तो होते ही हैं। इन मापकों की अलग–अलग व्याख्या करना उपयोगी रहेगा।[166]

वस्तुपरक मापक

परिसर : 'n' व्यक्तियों के बीच आय के वितरण पर विचार करें। yi द्वारा व्यक्ति की i आय दर्शाई जा सकती है। यदि सभी की औसत आय का स्तर μ द्वारा दिखाया जाए तो फिर

$$E^{n}_{i} = I^{y}i = n\mu \qquad (2\text{-}1)$$

व्यक्ति i को कुल आय का x_t अंश (सापेक्ष या प्रतिशत) मिलता हो तो–

$$y = n_{\mu}x_i \qquad (2\text{-}2)$$

इस वितरण में उच्चतम एवं निम्नतम आय स्तरों की तुलना से हमें असमानता का सरलतम मान प्राप्त होता है। अतः इम इन दो स्तरों के बीच के अन्तर को औसत अनुपात के रूप में अभिव्यक्ति करते हुए परिसर (Range) का नाम दे सकते हैं इस प्रकार परिभाषित परिसर को हम E द्वारा निर्दिष्ट करते हैं:

$$E = (Max_i y_i - Min_i y_i)\mu \qquad (2\text{-}3)$$

यदि आय के वितरण में कोई असमानता न हो अर्थात् पूर्ण समता हो तो $E=0_i$, क्योंकि उस दशा में $Max_i y_i$ और $Min_i y_i$ एक–दूसरे के समान होंगे। अगर सारी ही आय एक व्यक्ति को सौंप दी जाए तो फिर E का मान n होगा। अतः E का मान 0 एवं n के बीच में रहता है।

परिसर की सबसे बड़ी त्रुटि तो यही है कि इसमें न्यूनतम से अधिकतम के बीच में वितरण के स्वरूप पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। दो वितरणों में वितरण AA' का परिसर BB' से अधिक विस्तृत है। AA' के अधिकाँश सदस्य औसत आय का ही उपयोग कर रहे हैं केवल न्यूनतम एवं अधिकतम ही इस औसत से परे चले गए हैं। दूसरी ओर–वितरण BB' स्पष्टतः समाज को दो वर्गों में बाँट देता है–दरिद्र एवं अमीर। यहाँ यह स्पष्ट है कि केवल अधिकतम एवं न्यूनतम पर आश्रित होने के कारण समाज के इस दो वर्गों में हुए विभाजन पर कोई ध्यान नहीं दे पाएगा।

सापेक्ष औसत विच्युति समग्र वितरण पर ध्यान देने का एक तरीका यह है कि प्रत्येक आय स्तर का औसत आय से अन्तर ज्ञान कर उन अन्तरों के परम मान के योगफल को समग्र आय के अनुपात के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। इस हम सापेक्ष औसत विच्युति का नाम देते हैं, और M द्वारा लिखते हैं।

$$M = E^{n}_{i=1} \; I\mu = {}^{yI} / n\mu \qquad (2\text{-}4)$$

166 सेन अमर्त्य, आर्थिक विषमताएँ, अनुवाद भवानी बागला शंकर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, वर्ष 2001, पेज 39

यदि समाज में पूर्ण समता हो तो M का मान 0 होगा। यदि सारी आय किसी एक ही व्यक्ति को सौंप दी जाए तो M का मान होगा 2(n-1)/n. पर यह बात विचारणीय है कि E के विपरीत M में सारे ही आवंटन पर ध्यान दिया गया है अतः BB' से जुड़ा M का मान AA' की अपेक्षा अधिक बैठेगा। यह बात असमानता के सम्बन्ध में हमारी धारणा से भी मेल खाती है।

सापेक्ष औसत विच्युति के प्रयोग में भी एक गम्भीर समस्या पैदा हो सकती है। यदि हम औसत आय के एक ही ओर अवस्थित एक दरिद्र व्यक्ति की आय का कुछ अंश छीन कर किसी अमीर को सौंप दे तो M के मान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। यह बात कुछ विचित्र सी लगती है। इसी प्रकार यदि समाज के सबसे दरिद्र व्यक्ति से एक रुपया छीनकर औसत रेखा से लीचे वाले किसी अपेक्षाकृत सम्पन्न व्यक्ति की जेब में डाल दिया जाए तो उसका औसत से अन्तर उतना ही कम होगा जितना कि सबसे दरिद्र का अन्तर बढ़ जायेगा। अतः जब दोनों का योगफल देखते हैं तो उसमें कोई बदलाव नहीं दिखाई पड़ता है। अतः इस प्रकार के हस्तान्तरण के कारण M अप्रभावित रह जाता है।

प्रसरण एवं प्रसरण गुणांक औसत स्तर से परम अन्तरों के योग के स्थान पर उनके वर्गों का योग करने पर औसत से अधिक दूर अवस्थिति वाले अन्तरों का महत्त्व–मान सम्बन्धित हो जाता है। सांख्यिकी में सामान्यतः प्रयुक्त संकल्पना–प्रसरण में यह विशेषता बहुत स्पष्ट होती है। हम प्रसरण को द्वारा अभिव्यक्त करते हैं:

$$V = E^{n}_{i=1} \; (I\mu = {}^{y}_{I})^2 / n\mu \qquad (2\text{-}5)$$

इस प्रकार से किसी दरिद्र की आय छीनकर अमीर को देने पर प्रसरण का मान सदैव बढ़ता ही हैं। असमानता मापक में इस खूबी का होना बहुत आकर्षक प्रतीत होता है। वस्तुतः आज के समय से काफी पहले 1920 में ही **ह्यू डाल्टन साहब** का कहना था कि इस खूबी या विशेषता को किसी भी असमानता मापक की 'न्यूनतम ग्राह्यता' मानना चाहिए। डाल्टन इस सन्दर्भ में पीगू द्वारा सुझाए मार्ग पर ही चल रहे थे। अतः इसे हम **पीगू–डाल्टन** अनिवार्यता का नाम दे रहे हैं। पर यह प्रसरण औसत आय स्तर पर निर्भर करता है। किसी वितरण में सापेक्ष उतार–चढ़ाव अधिक होने पर भी उसका प्रसरण मान कम रह सकता है–अगर इसमें अपेक्षाकृत कम औसत आय के गिर्द अन्तरालों के आधार पर आकलन किया गया हो। इस त्रुटि से मुक्त एवं केवल सापेक्ष उतार–चढ़ाव पर आश्रित ऐसे मान को हम **प्रसरण गुणांक** का नाम देते हैं। यह वस्तृतः प्रसरण के वर्गमूल एवं औसत का अनुपात ही है। इसे C द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है।[167]

$$C = E^{1/2}/\mu \qquad (2\text{-}6)$$

एक अन्य कार्य विधि से जुड़ा प्रश्न भी कई बार उठाया गया है। क्या प्रत्येक आय स्तर का औसत से अन्तर मापना ही तुलना का एकमात्र तरीका है? क्या प्रत्येक युग्म के परस्पर आय अन्तरों का आकलन तुलना की दृष्टि से अधिक उपयोगी नहीं होगा? इस दूसरी विधि में प्रत्येक व्यक्ति की आय का अन्य सभी की आयों से अन्तर आकलित हो जाता है, जबकि औसत से अन्तर में तो कुछ–न–कुछ अस्पष्टता ही रहती है (क्योंकि यह आवश्यक नहीं कि समाज में किसी भी व्यक्ति की आय औसत के समान हो)।

167 सेन अमर्त्य, आर्थिक विषमताएँ, अनुवाद भवानी बागला शंकर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, वर्ष 2001, पेज 41

गिनी–गुणांक एवं सापेक्ष औसत अन्तर असमानता के स्तर आकलन के लिए गिनी द्वारा 1912 में सुझाए गए मापक का बहुत बढ़–चढ़ कर प्रयोग हुआ है। इस मापक पर अनेक विद्वानों ने बहुत काम किया है। इसका एक स्वरूप तो लारेन्ज वक्र विश्लेषण है। (यह बड़ी विचित्र बात है कि इस वक्र के निरूपण का श्रेय लारेन्ज को नहीं दिया जाता)। इसमें जन संख्या के प्रतिशत अंशों को न्यून से अधिक आय अंश के अनुसार संकलित कर क्षैतिज अक्ष दर्शाया जाता है तथा प्रत्येक शतांक का आय अंश ऊर्ध्व अक्ष पर अंकित किया जाता है।

यह तो स्पष्ट ही है कि जनसंख्या के 0 शतांक को आय का भी 0 शतांश ही प्राप्त होगा। इसी प्रकार शत–प्रतिशत जनसंख्या को शत–प्रतिशत आय प्राप्त होने में भी किसी को कोई सन्देह नहीं होता। अतः लारेन्ज वक्र एक इकाई वर्ग के एक कोने से आरम्भ होकर उससे बिल्कुल विकर्णाभिमुख बिन्दू तक फैली होगी। यदि सभी व्यक्तियों की आय समान होती तो लारेन्ज वक्र विकर्ण का अनुसरण करती। पर असमानता के कारण निम्न आय वर्गों को अपने संख्या बल के अनुपात से आय नहीं मिल पाती। उनका आय अंश संख्या अंश से कम रह जाता है। अतः स्वाभाविक ही है कि सामान्यतः किसी भी असमानतापूर्ण समाज में लारेन्ज वक्र विकर्ण से नीचे ही रहेगा। इसका ढाल भी जैसे–जैसे हम और अमीर वर्गों की ओर चलेंगे, बढ़ता ही जाएगा (इस ढाल में कमी आने की कोई सम्भावना हरगिज नहीं होगी)।

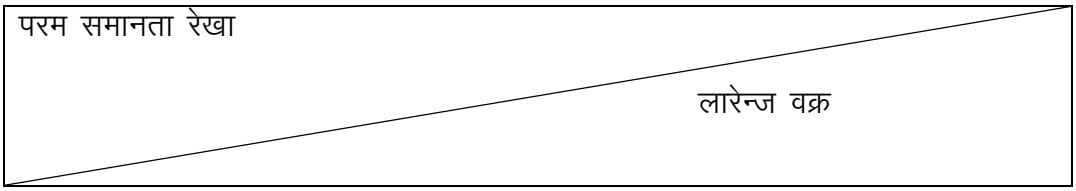

जनसंख्या का प्रतिशत

गिनी–गुणांक परम् समता रेखा (विकर्ण) एवं लॉरेन्ज वक्र के बीच के कल्याण और विकर्ण के नीचे वाले त्रिभुज का अनुपात है। गिनी–गुणांक की परिभाषा कई प्रकार से हो सकती है। कुछ जटिल से गणितीय प्रयासों द्वारा भी सिद्ध हो सकती है कि इसका मान वस्तुतः सापेक्ष औसत अन्तर के आधे के समान ही होता है। सापेक्ष औसत अन्तर को प्रत्येक आय युग्म में परम अन्तरों की औसत द्वारा ही आकलित किया जाता है।

$$G = (1/2n^2\mu)E^n_{i=1}\, E^n_{j=1}\ |y_1-y_2| \qquad (2\text{-}8\text{-}1)$$

$$= 1-(1/n^2\mu)E^n_{i=1}\, E^n_{j=1}\ \text{Min}\ (y_1-y_2) \qquad (2\text{-}8\text{-}2)$$

$$= +(1/n) -(2/n2\mu)\ (y_1+2y_2+\ldots.ny_n) \qquad (2\text{-}8\text{-}2)$$

यदि $y_1 > \text{or} = y_2 \ldots.. > \text{or} = y_n$

सभी आय–युग्मों के अन्तरों का आकलन करने के कारण गिनी–गुणांक C, V अथवा H की तरह केवल औसत से अन्तर के कारण हुई आलोचनाओं से बच जाता है। इसमें C,V या H की तरह मनमानीपूर्ण वर्गफल का दोष भी नहीं है। अतः यह अमीर से दरिद्र को अन्तरण के प्रति सचेत रहते हुए आकलन की अपेक्षाकृत प्रत्यक्ष विधि भी प्रतीत होती है। वस्तुतः गिनी–गुणांक अथवा सापेक्ष औसत अन्तर का सबसे बड़ा आकर्षण यही है कि इसमें प्रत्येक आय कुग्म के अन्तर की प्रत्यक्ष गणना की जाती है।

आय के औसत स्तर में परिवर्तन का प्रभाव[168]

डाल्टन का मापक[169]

डाल्टन ने अपनी एक सारगर्भित रचना में आग्रह किया है कि असमानता के किसी भी मापन का आर्थिक कल्याण से सम्बन्ध होने पर ही वह मापन उपयुक्त अथवा प्रासंगिक बन पाता है। उन्होंने जिस मापन का चयन किया था, वह उपयोगितावादी साँचे में ही ढला हुआ है। उसमें उपयोगिता के वास्तविक स्तर की उस सम्भावित स्तर से तुलना की गई है जो आय के समान बँटवारे की स्थिति में समाज को सुलभ हो पाती। उन्होंने एक अशिक्षित अवनतोदर उपयोगिता फलन का प्रयोग किया है। अर्थात् आय की सीमान्त उपयोगिता ह्रास मान मानी है और सभी व्यक्तियों के लिए एक जैसी ही उपयोगिता फलन के प्रयोग का आग्रह भी किया है। इसी कारण से समग्र कल्याण को अधिकतम करने के लिए आय का समान बँटवारा अनिवार्य हो जाता है। डाल्टन ने वास्तविक सामाजिक अनुपात को समता का माप माना–(सभी की उपयोगिताएँ धनात्मक रखते हुए)। अतः

$$D = [E^{n}_{i=1} E^{n}_{j=1} \; U(y_i)]/nU(\mu) \qquad (2\text{-}9)$$

एटकिन्सन का कहना है कि यह मापक उपयोगिता फलन के धनात्मक रेखीय प्रत्यावर्तनों से अप्रभावित नहीं रह पाता। गणनावाची उपयोगिता में तो किन्हीं उपयोगिता अंकों के स्थान पर उनके किसी भी धनात्मक रेखीय पत्यावर्तन का प्रयोग सम्भव है जबकि डाल्टन का मापक प्रयुक्त प्रत्यावर्तन विशेष को ध्यान में रख मनमाने ढंग से कुछ मूल्यों का चयन कर लेता है। उनका कहना है कि मैं बिना किसी हिचकिचाहट के यह स्वीकार करती हूँ कि मुझे इस तर्क में कुछ खास दम नजर नहीं आता। इसका कारण यही है कि धनात्मक रेखीय प्रत्यावर्तनों से डाल्टन के मापक द्वारा निर्धारित क्रमिकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता और इन मापकों में इनकी क्रमकता ही विशेष गुण होती है। फिर भी, इस मापक को इस प्रकार भी ढाला जा सकता है कि मापन में प्रयुक्त अंक कल्याण अंकों 'ग्राह्य' प्रत्यावर्तनों के बाद भी अविचल रहें। एटकिन्सन ने अपने विश्लेषण में यही कार्य किया है।

एटकिन्सन का मापक[170]

एटकिन्सन ने दिऐ हुए समग्र आय के आवंटन के लिए एक 'सम आवंटित समतुल्य आय' की संकल्पना की रचना की है। वे उस प्रति व्यक्ति आय का आकलन करते हैं जिसका उपभोग करते हुए समाज के सदस्य सामूहिक रूप से उतने ही समग्र कल्याण को प्राप्त कर सकेंगे जिस पर यह समाज वर्तमान आय एवं उसके वास्ततिक वितरण के आधार पर होते हैं। हम YE द्वारा इस 'सम आवंटित समतुल्य आय' को दिखा रहे हैं।

$$Y_e = y \; I[nU(y) = E^{n}_{i=1} \; U(y_i)] \qquad (2\text{-}9)$$

अर्थात वास्तविक कल्याण स्तरों का योगफल उस कल्याण योग के समान होगा जिसे समाज उस अवस्था में पा सकेगा जबकि प्रत्येक व्यक्ति की आय Y_e के समान हो। प्रत्येक U(y) एक अवनतोदर फलन है आर्थत् आय की सीमान्त उपयोगिता में वृद्धि नहीं हो

168 सेन अमर्त्य, आर्थिक विषमताएँ, अनुवाद भवानी बागला शंकर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, वर्ष 2001, पेज 49
169 वही, पेज 50
170 वही, पेज 51

रही। अतः ye का आकार समाज की औसत आय μ से अधिक नहीं हो सकता। यह भी सिद्ध किया जा सकता है कि आय के वितरण में जितनी अधिक समता होगी, ye भी μ के उतना ही अधिक निकट हो जाएगा। एटकिन्सन की असमानता मापी इस प्रकार है।

$$A = I-(Y_e/\mu) \qquad (2\text{-}10)$$

यदि समाज में आय का वितरण समान रूप से हुआ हो तो ye और μ समान होंगे। इस दशा में A=0 होगा। अन्य किसी आय आवंटन के लिए A का मान 0 व 1 के बीच होगा।

यदि वर्तमान में आय की असमानता बनी रहती है तो निम्नतम 30% दरिद्रता रेखा के नीचे रहेंगे। इसके अलावा यह अनुमान लगाया जाता है कि 2011 तक हमारी जनसंख्या लगभग 121 करोड़ से अधिक हो गई। 2004–05 में दरिद्रता 37.2% थी जबकि 2009–10 में यह 32% हो गई।[171] इसलिए प्रति व्यक्ति आय पर इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ा और दरिद्रता रेखा से नीचे रहने वालों की संख्या निश्चित करने के सारे प्रयास जारी रखे गए। बुद्धि को भी अनदेखी करने के पश्चात् यह तथ्य सामने आया है कि भारत की राष्ट्रीय आय में अवश्य ऐसी प्रभावशाली वृद्धि नहीं हुई क्योंकि इन वर्षों में जनसंख्या काफी बढ़ गई।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति की आय में भी भयंकर असमानता है। वर्ष 1983 में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आय वितरण बतलाता है कि शहरी क्षेत्रों में 11% एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 30% उच्च वर्ग में आते थे जिनकी आय 1970–71 के मूल्यों के स्तर के आधार पर रु.30000 वार्षिक थी, शहरी क्षेत्रों में 1983 में एक उच्च वर्ग के परिवार की औसत आय रु.5985 प्रति वर्ष थी और ग्रमीण क्षेत्रों में निम्नतम वर्ग के परिवार की औसत आय रु.1044 वार्षिक थी। यह अनुमान लगाया गया कि ग्रामीण परिवारों में 70% के पास कोई भूमि नहीं है। शेष 30% के पास 1.5 एकड़, 16.8% के पास 6.15 एकड़, 5% के पास 16.5 एकड़ एवं 0.4% के पास 50 एकड़ से अधिक भूमि है। इसके अतिरिक्त 30% परिवार जिनके पास भूमि है उसमे 31.43% सीमान्त परिवार, 35.71% परिवार जिनके पास भूमि है उनमें 31.41% सीमान्त परिवार 35.71 छोटे परिवार 22.81% मध्यम परिवार 8.81% बड़े परिवार एवं 1.24% भीमकाय परिवार हैं।[172]

भूमिहीन व्यक्तियों की विशेष निर्भरता खपत पर या इसके बाहर वेतन मजदूरी पर होती है। मजदूर परिवार के तीन चौथाई लोग अनियत मजदूरों की तरह काम करते हैं। अर्थात् जब कभी काम मिलता है उसी समय काम करते हैं। अन्यथा बेरोजगार मानव पूँजी या श्रमिकों की कार्यकुशलताओं एवं क्षमताओं मे कमी उन्हे अच्छा रोजगार प्राप्त करने में बाधक होती है। इस तरह उनकी आय बढ़ने में भी कार्यकुशलताएँ एवं क्षमताएँ प्राप्त करना अवसरों की उपलब्धता तथा सुलभता पर अधिक निर्भर करता है न कि आनुवांशिक प्रतिभा या प्राकृतिक क्षमता पर। क्योंकि दरिद्र एक ऐसे सामाजिक वातावरण में रहते हैं। जहाँ उन्हें आवश्यक अवसरों की प्राप्ति नहीं होती और अकुशल रह जाते है। जिनके फलस्वरूप औद्योगिक विकास पर प्रभाव पड़ता है।

171 जैन महेन्द, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण (अतिरिक्तांक), स्वदेशी बीमा नगर, आगरा, वर्ष 2017, पेज 50
172 पुरी वी.के. एवं मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, संस्करण 26, पेज 243

मुद्रास्फीति के दबावों में दरिद्रता को बढ़ावा मिला है। जब तक आय वितरण में असमानता कम नहीं की जाती, दरिद्रता रेखा के नीचे रह रहे व्यक्तियों की संख्या को कम करने की संभावनाएँ बहुत कम होगी।

आर्थिक कारणों को समझने के लिए हमें उन लोगों में अन्तर करना पड़ेगा जिनका पास काम है और जिनके पास काम नहीं है। उसके क्या कारण हैं? क्या यह उनके अपने दुर्गणों अर्थात् दोषी लक्षणों के कारण या समाज के दोषों के कारण या 'प्रतिबन्धित अवसरों' के कारण है। इसका परीक्षण अपर्याप्त विकास, मुद्रास्फीत के दबाव, पूँजी का अभाव श्रमिकों में कार्य कुशलता की कमी एवं बेरोजगारी कारणों से किया जा सकता है।

मानव विकास रिपोर्ट–2014 के अनुसार, वर्ष 2013 में भारत का मानव विकास सूचकांक 0.586 था जिसके आधार पर भारत का 186 देशों के मध्य 135–वाँ स्थान रहा। मानव विकास सूचकांक में तीन सूचकांक शामिल हैं–(i) एक लम्बे और स्वास्थ्य जीवन के लिए जन्म पर जीवन प्रत्याशा, सकल घरेलू उत्पाद, प्रतिव्यक्ति क्रय शक्ति के आधार पर अमेरिकी डॉलर में, आयु प्रत्याशा (ii) ज्ञान जिसके माप के लिए बालिग साक्षरता दर और समग्र प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक कुल नामांकन अनुपात तथा एक अच्छा जीवन स्तर जिसका माप है प्रति व्यक्ति सकल देशीय उत्पाद के आधार पर किया जाता है। वर्ष 1980 में भारत का मानव विकास सूचकांक 0.612 था जो वर्ष 2000 में 0.556 तथा वर्ष 2013 में यह 0.586 के स्तर पर पहुँच गया।[173]

भारत एवं विकसित देशों के स्वास्थ्य और शिक्षा सूचकों में काफी बड़ी खाई है। यहाँ तक कि कई विकासशील देश भी इस मामले में भारत से काफी आगे हैं। इस खाई को तेजी से भरना जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यक्रम की मानव विकास रिपोर्ट 2013 के अनुसार, 2012 में भारत की जन्म के समय आयु प्रत्याशा 65.8 वर्ष थी[174] जबकि इसकी तुलना में चीन की आयु प्रत्याशा 73.7 वर्ष, मलेशिया की 74.3 वर्ष, श्रीलंका की 75.1 वर्ष, वियतनाम की 75.4 वर्ष थी। देश की प्रौढ़ साक्षरता दर 1999–07 के दौरान 66.0% थी जबकि इसकी तुलना में चीन व विकसित देशों की प्रौढ़ साक्षरता दर लगभग 100% रही।

योजना आयोग देश में दरिद्रता का आकलन एक नमूना सर्वेक्षण के आधार पर करता है जिसे राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा लगभग प्रत्येक पाँच वर्ष के अन्तराल में किया जाता है। यह नमूना सर्वेक्षण परिवार के उपभोग का खर्च के आधार पर किया जाता है। दरिद्रता रेखा का पारम्परिक आधार के कैलोरी खपत की दृष्टि से न्यूनतम पोषण स्तर है अर्थात दरिद्रता कैलोरी खपत के अनुपात में प्राप्त न्यूनतम पोषण स्तर पर आधारित है। कैलोरी सम्बन्धी न्यूनतम आवश्कताओं से जुड़ी सामग्रियों को क्रय करने के लिए आवश्यक राशि की गणना रुपए के रूप में की जाती है। जो परिवार इस स्तर से नीचे होता है उसे दरिद्रता रेखा के नीचे माना जाता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 62–वें राउण्ड के आधार

173 दत्त एवं सुन्दरम, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चन्द्र एण्ड कम्पनी प्रा.लि., रामनगर, नई दिल्ली, वर्ष 2016, संस्करण 55, पे.49
174 वही, पेज 124.

पर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ दरिद्रता 28.3% है वहीं शहरी क्षेत्रों में दरिद्रता का प्रतिशत 25.7 है। 2004–05 में पूरे देश के लिए दरिद्रता का प्रतिशत 27.5 हैं।

विश्व आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुरेश तेन्दुलकर के नेतृत्व वाले विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट–2009 के अनुसार, देश में दरिद्रों की संख्या में लगभग 10% की वृद्धि हुई है। इस तरह से भारत की कुल जनसंख्या के 37% व्यक्ति दरिद्रता रेखा के नीचे गुजर–बसर कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 41.8% ग्रामीण जनसंख्या प्रति माह मात्र 446.68 रुपए से ही अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। हालाँकि शहरी क्षेत्रों में हालात कुछ बेहतर है। यहाँ 25.7% जनसंख्या दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है और प्रति माह 578.80 रुपए खर्च करती है।[175] हालांकि दरिद्रता के मामले में विश्व बैंक का पैमाना अलग है। उसका मानना है कि प्रति दिन एक डॉलर से नीचे गुजर–बसर करने वालों को दरिद्रता की रेखा से नीचे माना जाना चाहिए। इस प्रकार से देश की 41.6% जनसंख्या दरिद्रता रेखा से नीचे है।

विगत वर्षों के आर्थिक सर्वेक्षण जो राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन के आँकड़ों पर आधारित हैं, के अनुसार वर्ष 1999–2000 एवं वर्ष 2004–05 के मध्य देश में लगभग 4 करोड़ 70 लाख नए रोजगार सृजित हुए। दूसरी ओर वर्ष 1993–94 से वर्ष 1999–2000 के मध्य 2 करोड़ 40 लाख नए रोजगार सृजित हुए थे। इस दौरान देश में रोजगार सृजन की दर 1.25% प्रति वर्ष से बढ़कर 2.62% प्रति वर्ष हो गई। परन्तु देश में कार्यशक्ति की अपेक्षा श्रमशक्ति में 2.84% की तीव्र गति से वृद्धि हुई है। इसलिए देश में बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। करेण्ट डेली स्टेटस के आधार पर बेरोजगारी की दर वर्ष 1999–2000 के 7.31% की तुलना में वर्ष 2004–05 में 8.28% हो गई है।

देश की उत्पादित एवं सृजित माल और सेवाओं के सकल योग के राशिगत मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है। राशिगत मूल्य की गणना के लिए प्रयुक्त बाजार मूल्य से उत्पादन का वास्तविक मूल्य पूर्णतः स्पष्ट नहीं होता क्योंकि बाजार मूल्य में सब्सिडी (यदि कोई है) और अप्रत्यक्ष कर शामिल होते हैं। इसलिए हम तथ्य लागत पर सकल घरेलू उत्पाद की जानकारी के लिए सकल घरेलू उत्पाद से बाजार मूल्य के अनुरूप अप्रत्यक्ष करों को घटाते और सब्सिडी को जोड़ते है। केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा वित्त वर्ष 2007–08 के लिए जारी अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 1999–2000 के स्थिर मूल्य पर अधिकर्त्ता लागत के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद 3529712 करोड़ रुपए रहा, जबकि वर्ष 2006–07 में यह 2871118 करोड़ रुपए था और वर्ष 1999–2000 में स्थिर मूल्यों पर वर्ष 2007–08 में राष्ट्रीय आय (अभिकर्त्ता पर शुद्ध राष्ट्रीय आय) 2764795 करोड़ रुपए रही। इसकी तुलना में वर्ष 2006–07 में यह 2535450 करोड़ रुपए थी। वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2007–08 में राष्ट्रीय आय 3787596 करोड़ रुपए थी। विशेषज्ञों के अनुसार हर तीसरा भारतीय दरिद्रता की रेखा से नीचे है। समूह के अनुसार भारतीय जनसंख्या के लगभग 37% लोग दरिद्र हैं और यह प्रतिशत पूर्वानुमान से 10% अधिक हैं।

175 पुरी वी.के. एवं मिश्र एस.के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, संस्करण 26, पेज 193

दरिद्रता सूचकांक

दरिद्रता को परिभाषित करते समय प्रायः 3 बातों–एक व्यक्ति को जीवित रहने के लिए कितना पैसा चाहिए, समाज में कुछ व्यक्तियों के समूह होने एवं अधिकतर के दरिद्र होने की दशाओं की तुलना और निम्नतम जीवन निर्वाह का स्तर क्या है? का ध्यान रखा जाता है।[176]

दूसरा उपाय दरिद्रता को सापेक्षिक और असमानता के दृष्टिकोणों से परिभाषित करता था। पहली और अन्तिम दो परिभाषाएँ नितान्त दरिद्रता की आर्थिक अवधारणा का उल्लेख करती हैं। दूसरी उसको एक सामाजिक अवधारणा की तरह देखती है, अर्थात् तल पर रह रहे व्यक्तियों का पूरी राष्ट्रीय आय हिस्से के रूप में। जीवित रहने की लिए न्यूनतम आय के सन्दर्भ में दरिद्रता को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि यह ''वह स्थिति है जो शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति कम में अर्थात् जीवित, सुरक्षित और निश्चित रहने की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में असमर्थ है। ये शारीरिक आवश्कताएँ सामाजिक आवश्यकताओं (अस्मिता) अहम की तुष्टि और स्वाभिमान स्वायसत्ता की आवश्यकता, स्वतन्त्रता की आवश्यकता और आत्मबोध की आवश्यकता से भिन्न है। शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भोजन और पोषण, घर और स्वास्थ्य की निवारण और संरक्षण बचाव सुविधाएँ बुनियादी जरूरी हैं। इससे न्यूनतम आय जो प्रत्येक समाज से भिन्न होती है, जिससे आवश्यक वस्तुएं क्रय की जा सकें और सुविधाएँ उपलब्ध हो सके।[177]

यहाँ दरिद्रता को दरिद्रता रेखा से द्वारा देखा जा रहा है। जिसका निर्माण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक प्रचलित स्तर निपुणता, बच्चों का पालन–पोषण, सामाजिक सहभागिता और आत्म सम्मान की सुरक्षा आदि द्वारा किया जाता है। व्यवहारिक रूप से दरिद्रता रेखा कैलोरी ग्रहण करने की न्यूनतम वांछनीय पोषण स्तर से निर्धारित की जाती है। भारत में इसका निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 2400 कैलोरी और शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी प्रति दिन के ग्रहण से किया जाता है। इसके आधार पर प्रति व्यक्ति के खपत व्यय का हिसाब लगाया जा सकता है।

$$\textbf{दरिद्रता अनुपात} = \frac{\text{दरिद्र व्यक्तियों की कुल संख्या}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$$

(i) मानव दरिद्रता सूचकांक

मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, मानव दरिद्रता सूचकांक मनुष्य के विभिन्न अभावों का मिला–जुला सूचकांक है। मानव दरिद्रता का अनुमान किसी विशिष्ट मापक के द्वारा लगा पाना सम्भव नहीं है। मानव दरिद्रता की अवधारणा में स्वतन्त्रता व निर्णयों में भागीदारी का अभाव और व्यक्तिगत सुरक्षा की कमी जैसी बातें भी आती है। लेकिन चूँकि इन सभी का परिमाणत्मक माप सम्भव नहीं है अतः मानव विकास रिपोर्ट में मानव जीवन के तीन मुख्य अभावों का ध्यान केन्द्रित किया है। ये हैं– (i) जीवन की लम्बी अवधि न होना, (ii) ज्ञान का अभाव और (iii) अच्छे जीवन स्तर का न होना।

176 सेन आमत्य, गरीबी और अकाल, वर्ष 2002

177 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, विशाल प्रकाशन मन्दिर, विजयनगर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 94

(ii) बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक

मानव विकास रिपोर्ट वर्ष 2010 में मानव दरिद्रता सूचकांक (H.P.I.) की संकल्पना का त्याग, करके बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक (M.P.I.) की संकल्पना को अपनाया गया। M.P.I. की गणना के लिए बहुआयामी दरिद्रता से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या के कुल जनसंख्या से अनुपात (जिसे व्यक्ति गणना अनुपात या Headcount ratio कहा जाता है) को प्रत्येक बहुआयामीय दरिद्रता परिवार की औसत वंचनों (जिसे दरिद्रता की गहनता या intensity of poverty कहा जाता है) के साथ गुणा किया जाता है। M.P.I. में H.D.I. को प्रतिबिम्बित करने वाले तीन आयाम लिए गए हैं–स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जीवन स्तर–जिन्हें 10 सूचकों में विभाजित किया गया है। अधिकतम अंक (Score) 100% है। प्रत्येक आयाम को समान भार दिया गया है। इस प्रकार प्रत्येक आयाम का अधिकतम अंक 33.3% है। शिक्षा तथा स्वास्थ्य आयामों में से प्रत्येक में दो सूचक हैं, इस प्रकार प्रत्येक अंश (component) का भार 5/3 या 16.7% है। जीवन–स्तर में छः सूचक हैं, इस प्रकार प्रत्येक अंश का भार 5/9 या 5.6% है।[178]

शिक्षा आयाम के दो सूचक हैं– (i) किसी ने भी पाँच तक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है, तथा (ii) स्कूल (आठवीं कक्षा तक) में जाने योग्य कम–से–कम एक बालक/बालिका जो स्कूल में नामांकित नहीं है। स्वास्थ्य आयाम के लिए दो सूचक हैं–(i) परिवार का कम–से–कम एक सदस्य कुपोषित है, तथा (ii) एक या एक से अधिक बच्चे की मृत्यु हुई है। जीवन स्तर के लिए छः सूचक हैंः (i) बिजली नहीं है, (ii) स्वच्छ पेय जल उपलब्ध नहीं है, (iii) उपयुक्त सफाई या स्वच्छता का प्रबन्ध नहीं है, (iv) घर में फर्श गन्दा है, (v) परिवार भोजन बनाने के लिए उपलों, लकड़ी या काष्ठ–कोयले जैसे निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करता है, तथा (vi) परिवार के पास कार या ऐसा मोटर–चालित कोई वाहन नहीं है तथा उसके पास परिसम्पत्तियों में ज्यादा–से–ज्यादा एक परिसम्पत्ति है–साईकिल, मोटर साईकिल, रेडियो, फ्रिज, टेलीफोन या मोबाइल या टेलीविजन।[179]

बहुआयामी दरिद्रता से ग्रस्त लोगों का पता लगाने के लिए, प्रत्येक परिवार के लिए वंचन अंक (Deprivation score) को जोड़ कर पारिवारिक वंचन (Household deprivation) C प्राप्त किया जाता है। दरिद्रों तथा अन्य लोगों (Non-poor) में अन्तर करने के लिए 33.3% का विच्छेदन लिया गया है जो भारित सूचकों के एक–तिहाई के समकक्ष है। यदि C=33.3% या उससे अधिक है तो परिवार तथा उसका प्रत्येक सदस्य बहुआयामीय दरिद्र है। जिन परिवारों का वंचन अंक या C=20% से 33.3% के बीच है उनके बहुआयामीय दरिद्र बनने का खतरा है। जिन परिवारों का वंचन अंक 50% या उससे अधिक है वे गम्भीर रूप से बहुआयामीय दरिद्र हैं।[180]

M.P.I. का मान प्राप्त करने के लिए दो सूचकों को गुणा किया जाता हैः (i) व्यक्ति गणना अनुपात तथा (ii) दरिद्रता की गहनता।

178. पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थशास्त्र, हिमालयन पब्लिसिंग हाइस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–195
179 वही।
180. वही, पेज–195

व्यक्ति गणना अनुपात जनसंख्या का वह अनुपात है जो बहुआयामीय रूप से दरिद्र है। यदि गणना अनुपात H, q बहुआयामीय अधार पर दरिद्र व्यक्ति, n कुल जनसंख्या है तो

$$H = q/n$$

'दरिद्रता की गहनता' (संकेत A) उन दरिद्रता के सूचकों का भारित अनुपात है जिनमें दरिद्र व्यक्तियों को वंचन का सामना करना पड़ रहा है। केवल दरिद्र परिवारों के लिए वंचन अंकों का समग्रीकरण किया जाता है तथा उसे दरिद्रों की कुल संख्या से भाग किया जाता है।[181] बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है–

$$MPI = H_{*}A$$

(iii) भुखमरी सूचकांक

भुखमरी में एक बहुआयामी सांख्यिकीय आँकडों का प्रयोग कर देश की भुखमरी के सन्दर्भ में स्थिति को स्पष्ट किया जाता है। इस सूचकांक को इण्टरनेशनल फूड पॉलसी रिसर्च इन्स्टीट्यूट द्वारा विकसित किया गया था इसका सर्वप्रथम प्रकाशन वर्ष 2006 में हुआ। यह सूचकांक प्रतिवर्ष किया जाता है। प्रत्येक वर्ष इस सूचकांक में किसी एक मुख्य मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जो कि भुखमरी को प्रभावित करता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक तीन मानकों के आधार पर निकाला जाता है। इन तीनों मानकों का समान महत्त्व है। ये मानक अल्पपोषित व्यक्तियों का अनुपात, पाँच वर्ष से कम आयु के औसत से कम वजन के बच्चों का अनुपात तथा पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर हैं। वर्ष 2013 के सूचकांक में 78 देशों में भारत का 63–वाँ स्थान है। इस सूचकांक में प्रथम तीन स्थानों पर क्रमशः अल्वानिया, मॉरिशस, उजबेकिस्तान हैं, वहीं सबसे अन्तिम स्थान पर बरूण्डी हैं। इस सूचकांक का मापन 0 से 100 के बीच करते हैं। 0 का अर्थ अच्छा और 100 का अर्थ बहुत खराब अवस्था से लगाया जाता है।

खाद्य एवं कृषि संगठन रिपोर्ट 2017 के अनुसार, विश्व की 7.1 अरब जनसंख्या में से 80 करोड़ व्यक्ति भुखमरी के शिकार हैं। 20 करोड़ भुखमरी के शिकार व्यक्तियों की संख्या के साथ भारत शीर्ष स्थान पर है। 84.2 करोड़ विश्व में भूखे रहने को अभिशप्त हैं। 98% इसमें विकासशील देशों की हिस्सेदारी है। 60% भुखमरी से ग्रस्त कुल जनसंख्या में महिलाएँ हैं। 90 लाख अन्न की कमी से मरने वाले लोग हैं। 31 लाख इन मौतों में बच्चों की हिस्सेदारी है। 1.9 अरब वैश्विक आबादी में से अधिक वज़नी लोग हैं।[182]

181. वी.पी. पुरी और एस.के मिश्रा, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयन पब्लिसिंग हाइस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज–195
182 दैनिक जागरण समाचार पत्र, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, सर्वोदय नगर कानपुर, दि0 16–10–2017, पेज 15

दरिद्रता का आकलन

भारत में योजना आयोग 1970 के दशक के प्रारम्भ से दरिद्रता के अनुमान प्रस्तुत करता रहा है।[183] यह देश में दरिद्रता का आकलन राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (N.S.S.O.) के माध्यम से तथा घरेलू उपभोक्ता व्यय के सम्बन्ध में आयोजित पंचवर्षीय व्यापक नमूना सर्वेक्षण के आधार पर करता है। योजना आयोग द्वारा इस सम्बन्ध में टास्कफोर्स (टास्कफोर्स ऑन मिनमम नीड एण्ड इफेक्टिव कन्जप्शन डिमाण्ड) गठित किया गया है, जिसकी रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 2400 कैलोरी प्रति दिन एवं शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी प्रतिदिन से कम भोजन प्राप्त करने वाले को दरिद्रता रेखा से नीचे माना जाएगा।

देश में दरिद्रता रेखा के निर्धारण के लिए जिस दाण्डेकर एवं रथ फार्मूलों का प्रयोग 1971 से किया जाता रहा है, उसमें भोजन में कैलोरी की मात्रा को ही एक मात्र आधार माना गया है। समिति के नए फार्मूला में कास्ट ऑफ लिविंग को दरिद्रता की पहचान के लिए आधार के रूप में स्वीकार किया गया है। इसमे यह देखा जाता है कि जीवन यापन के लिए कम–से–कम कितनी राशि जरूरी है। राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षण संगठन के निर्णय को स्वीकार किया गया है कि पारिवारिक व्यय का अनुमान लगाने की स्मृति विधि में भविष्य में सभी उपभोक्ता सर्वेक्षण में मिश्रित स्मृति अवधि विधि का प्रयोग किया जाता है।[184]

योजना आयोग के विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट– सितम्बर 1989 में डी. टी. लकड़वाला की अध्यक्षता में एक विशेष समूह की नियुक्त हुई, जिसका गठन भारत में दरिद्रों की संख्या और अनुपात के अनुमान की कार्य विधि एवं परिकलन पर विचार के लिए किया गया था, इन्होंने अपनी रिपोर्ट जुलाई–1993 में प्रस्तुत की थी। लकड़वाला फार्मूले में शहरी दरिद्रता के आकलन हेतु औद्योगिक व्यक्तियों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को आधार बनाया गया।[185] फार्मूले के तहत सभी राज्यों में अलग–अलग दरिद्रता रेखा अर्थात् कुल 35 दरिद्रता रेखाएँ हैं।

दरिद्रता और तेन्दुलकर समिति की रिपोर्ट– भारत में योजना आयोग ने दरिद्रता रेखा से नीचे (B.P.L.) के लोगों की पहिचान के लिए फार्मूले के निर्धारण हेतु डॉ.सुरेश तेन्दुलकर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की। इस समिति ने दिसम्बर 2009 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सिफारिश की कि दरिद्रों के अनुमान हेतु राष्ट्रीय सेम्पल सर्वेक्षण द्वारा संग्रहित भारतीय परिवारों के नीचे पारिवारिक उपभोक्ता व्यय सम्बन्धी आँकडों का ही प्रयोग होना चाहिए।[186]

दरिद्रता आकलन हेतु रंगराजन समिति–19 मार्च 2012 को तेन्दुलकर समिति फार्मूले के आधार पर वर्ष 2009–10 के लिए दरिद्रता के आँकडे, जिसे ज्ञात करने के लिए उपभोग व्यय' को आधार मानकर बनाया गया था। ग्रामीण क्षेत्रों में 672.80 रुपए (22.42 रुपए प्रति दिन) प्रति माह एवं शहरी क्षेत्रों में 859.60 रुपए (28.65 रुपए प्रति दिन) प्रति माह से कम उपभोग व्यय करने वालों को इस फार्मूले के तहत दरिद्र माना गया, जिसका देशव्यापी

183 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, 2014, पेज 188
184 वही, पेज 191
185 सिंह रमेश, भारतीय अर्थव्यवस्था, एम.सी.ग्रीव हिल एजूकेशन (भारत) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, वर्ष 2014, पेज 13.8
186 वही, पेज 191

विरोध हुआ। इस विरोध के चलते दरिद्रता रेखा के निर्धारण व दरिद्रो की पहचान के लिए तेन्दुलकर समिति द्वारा अपनाई गई पद्धति की समीक्षा के लिए प्रधानमन्त्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष डॉ. सी. रंगराजन की अध्यक्षता में एक नवीन तकनीक समूह का गठन योजना आयोग ने 24 मई 2014 को किया और समिति को अपनी रिपोर्ट 9 माह में प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। समिति में इन्दिरा गाँधी विकास अनुसन्धान संस्थान के निदेशक प्रो.महेन्द्र देव, सेण्टर फॉर मॉनीटरिंग इण्डिया इकोनोमी के के.सुन्दरम, महेश व्यास व योजना आयोग में परामर्शदाता के.एल.दत्ता इस विशेषज्ञ समूह के अन्य सदस्य बनाए गए।

अमर्त्य सेन भी अपनी पुस्तक '**गरीबी और अकाल**' में दरिद्रता के स्वरूप, इसकी पहचान और इसके प्रसार को मापने की उचित विधियों की समीक्षा करते हुए नई विधियों की सम्भावनाओं को देखते हैं। सेन अपने विश्लेषण में आय की असमानता को दरिद्रता से जोड़ते हैं। उनके हिसाब से दरिद्र वर्गों के बीच आन्तरिक आय के बँटवारे के स्वरूप में आ रहे परिवर्तन को आधार बनाना ज्यादा उचित है। सेन का आग्रह है कि दरिद्र व्यक्ति कितने अभावग्रस्त हैं और उनकी दशा में किस दिशा में परिवर्तन आ रहे हैं, इन दो बातो पर विचार किए बिना दरिद्रता की समस्या का सही निदान सम्भव नहीं होगा और सही निदान के अभाव में सही उपचार होना भी मुश्किल है।[187]

मिशेल चोरडुवस्की की पुस्तक '**ग्लोबलाइजेशन ऑफ पावर्टी**' भारत ही नहीं, बल्कि विकसित देशों में भी प्रचलित दरिद्रता की अवधारणा और उससे जुड़ी कमियों पर प्रकाश ड़ालती है। उनका कहना है कि पूरे विश्व की सरकारें स्पष्ट रूप में नव उदारवादी एजेण्डे से प्रभावित हैं और इस पर एक आम राजनीतिक सहमति विकसित हो चुकी है। समान आर्थिक उपचारों को पूरे विश्व पर आरोपित किया गया है। दरिद्रता का वैश्वीकरण द्रुतगामी तकनीकी और वैज्ञानिक उपलब्धियों के काल में पनप रहा है। नवीन अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था ने दरिद्रता और सस्ते श्रम को और बढ़ावा दिया है। विकसित और विकासशील देशों में ऊँचे स्तर की राष्ट्रीय बेरोज़गारी ने वास्तविक वेतनों को कम करने में योगदान दिया है ये बेरोज़गारी भी अब वैश्विक हो चुकी है क्योंकि पूँजी निरन्तर सस्ते श्रम की तलाश में एक देश से दूसरे देश में पलायन कर रही है।[188]

प्रो.उत्सा पटनायक जो दरिद्रता जैसे विषय की विशेषज्ञ मानी जाती हैं। योजना आयोग के दरिद्रता आँकड़ों और उसके आकलन की विधियों को सिरे से खारिज करती हैं। अपनी '**रिपब्लिक ऑफ हंगर**' में वे इसके कारणों की विस्तार पूर्वक चर्चा करती हैं, जिसके अनुसार योजना आयोग के आकलन के ढंगों में सैद्धान्तिक एवं अन्य तर्कों का पूर्णतया अभाव है बल्कि आँकड़े भी उल्टी तस्वीर बयान करते हैं, जिनके अनुसार दरिद्रता कम होने के बजाय बढ़ती गई है और ग्रामीण क्षेत्र की तीन–चौथाई जनता इसकी शिकार है। इसके अतिरिक्त पहले 15 वर्षों के दौरान अपनाए गए नव–उदारवादी सुधारों के दौर में इसकी तीव्रता में इजाफा हुआ है। व्यक्तियों के पोषण स्तर में पहले से कहीं ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है।

187 चान्टिया आलोक एवं मिश्रा प्रीति,गरीबी और मानवाधिकार, नई दिशाएँ, रा.मा.अ.आ. भारत,वार्षिक अंक 12,वर्ष 2015, पे.194
188 वही, पेज 195

दरिद्रता आकलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्ड

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने क्षमता दरिद्रता माप (Capecity Poverity Measure) का एक नया मानदण्ड प्रस्तुत किया है, क्योंकि USDP का मानना है कि वास्तव में दरिद्रता एक बहुआयामी प्रकल्पना है। इसे केवल आय के आधार पर नहीं निकाला जा सकता अर्थात् आय दरिद्रता (Income Poverity) अपने आप में पूर्ण नहीं है, बल्कि उसके लिए अन्य मानकों को भी ध्यान में रखना होगा। इसके अन्य मानकों में स्वास्थ्य एवं पोषाहारों की क्षमता, जिसके अन्तर्गत यह देखा जाता है कि पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों का कितना प्रतिशत भाग कुपोषण का शिकार है या मानक भार से नीचे है। परिवार के सदस्यों की शैक्षणिक स्थिति को भी इसमें सम्मिलित किया जाता है। दरिद्रता के आकलन के लिए दो और विधियों–लारेन्ज वक्र और गिनी गुणांक का उपयोग किया जाता है।

लारेन्ज वक्र

लारेन्ज वक्र के द्वारा किसी देश के लोगों के बीच आयी विषमता को ज्ञात करते हैं। इसे वर्ष 1905 में मैक्स ओ. लारेन्ज ने विकसित किया। इस वक्र का प्रत्येक बिन्दु उन व्यक्तियों को प्रदर्शित करता है, जो एक निश्चित आय के प्रतिशत के नीचे होते हैं।

गिनी गुणांक

गिनी गुणांक को 1912 में इटेलियन सांख्यिकीविद् कोरेडो गिनी ने विकसित किया। यह लारेन्ज वक्र से क्षेत्रफल और काल्पनिक समता रेखा के नीचे के पूरे क्षेत्रफल के अनुपात को प्रदर्शित करता है, जिसका मान 0 से 1 के बीच होता है। यदि असमानता अधिकतम है तो इसका मान 1 होगा और असमानता न्यूनतम है तो इसका मान 0 होगा। किसी गुणांक में यदि 100 से गुणा कर दे ंतो गिनी सूचकांक निकलता है।

उल्लेखनीय है कि लारेन्ज वक्र तथा गिनी गुणांक आय की विषमता की माप से सम्बन्धित है तथा आय की विषमता को प्रति व्यक्ति आय या कुजनेट्स विषमता वक्र से नहीं मापा जा सकता है। इसे विभिन्न आय वर्गों में आबादी % बँटवारे के आधार पर भी मापा जा सकता है। प्रति व्यक्ति आय इससे सम्बन्धित नहीं है।

गिनी गुणांक – $\frac{\text{आदर्श आय वितरण रेखा व लारेन्ज वक्र का क्षेत्रफल}}{\text{आदर्श आय वितरण रेखा के बीच क्षेत्रफल}}$

गिनी गुणांक किसी आवृत्ति वितरण के संकेन्द्रण को मापने वाला गुणांक है। गिनी का गुणांक उसके द्वारा बनाए गए माध्य अन्तर को समान्तर माध्य के दो गुने से भाग देने पर प्राप्त होता । सामान्य वितरण में यह 0 होगा। वितरण में जैसे–जैसे असमानता बढ़ेगी, वैसे–वैसे गुणंक का मान बढ़ेगा। पूर्ण संकेन्द्रण की अवस्था 1 होगा–

सूत्र रूप में– $G = \Delta i/2\alpha$ (G = गिनी गुणांक, ΔI = गिनी का माध्य अन्तर, 2α = समान्तर माध्य)

विषमता समायोजन

प्रति व्यक्ति आय–अवधारणा का प्रतिपादन अमर्त्य सेन द्वारा किया गया, उन्होने आय के स्तर तथा वितरण के आयाम को जोड़कर आर्थिक कल्याण के मापन के लिए इस धारणा को विकसित किया। उनके अनुसार मानव कल्याण में वृद्धि तब होगी, जब प्रति व्यक्ति आय के स्तर में वृद्धि हो या आय की विषमता समायोजित हो अर्थात् आय की विषमता में कमी।

बी. पी. एल. जनगणना

दरिद्र ग्रामीण परिवारों की पहिचान हेतु **डॉ.एन.सी.सक्सेना** वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट 2009 में प्रस्तुत की। समिति ने कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों के अपने आप से बहिष्करण एवं सोसायटी के कतिपय वंचित और अत्यन्त कमजोर वर्गों के स्वमेव समावेशन तथा 10 के पैमाने पर उनका रैंक देने के लिए शेष आबादी का सर्वेक्षण कराने की सिफारिश की है।[189]

स्वमेव बहिष्करण

वे परिवार जो इन शर्तों में से किसी भी शर्त को पूरा करेंगे उनका बी.पी.एल.जनगणना के लिए सर्वेक्षण नहीं किया जाएगाः जिन परिवारों के पास प्रति खेतिहर परिवार आंशिक तौर या पूर्णतः सिंचित कृषिगत भूमि जिला औसत भूमि से दुगुनी हो या तिगुनी यदि पूर्णतः असिंचित है। जिन परिवारों के पास जीप एवं एस. यू. वी. जैसे मोटर युक्त वाहन हो। जिन परिवारों के पास ट्रैक्टर, पावर ट्रिलर, थ्रेशर, हार्वेस्टर जैसा कम–से–कम कोई 1 यंत्रचालित फार्म उपकरण हो। जिन परिवारों का कोई एक व्यक्ति किसी गैर–सरकारी/निजी संगठन से रू.10000 प्रति माह से अधिक वेतन आहरित कर रहा हो अथवा पेंशन आधारित समान लाभों के साथ नियमित आधार पर सरकार में नियोजित हो। जो आयकर दाता हो।[190]

स्वमेव समावेशन

ऐसे सभी व्यक्तियों को अनिवार्यतः बी.पी.एल. सूची में शामिल किया जाता है जो आदिकालीन जनजाति वर्ग के रूप में नामोद्दिष्ट अनुसूचित में सर्वाधिक भेदभावग्रस्त वर्ग अर्थात् महादलित वर्ग के रूप में नामित हों। एकल महिला–शीर्ष वाला परिवार के असहाय परिवार, जो उत्तर जीविका हेतु मुख्यतः भिक्षा पर आश्रित हैं। वे परिवार जिनमें सदस्य के रूप में कोई बन्धुआ मजदूर हो।[191] शेष ग्रामीण परिवारों का सर्वेक्षण किया जाएगा तथा अंग समिति द्वारा संस्तुति विभिन्न सामाजिक–आर्थिक प्राचलों पर दिए जायेंगे। ग्रामीण विकास मन्त्रालय प्रायोगिक अध्ययन तथा सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (PRA) कराने की प्रक्रिया है ताकि कार्य प्रणाली के साथ तालमेल अच्छा हो सके। दरिद्रता रेखा के निर्धारण के सम्बन्ध में अधिक प्रभावी एवं आधिकारिक प्रयास छटी योजना के दौरान 1977 में हुआ, जबकि योजना आयोग ने न्यूनतम आवश्यकता प्रभावपूर्ण माँग के पूर्वानुमान के लिए एक कार्यदल गठित किया। विश्वबैंक के अनुसार, दरिद्रता रेखा का मानक 1.25 डॉलर प्रति व्यक्ति द्वारा प्रति दिन व्यय है।

189 सिंह रमेश, भारतीय अर्थव्यवस्था, एम.सी.ग्रेव हिल एजूकेशन (भारत) प्रा.लि., नई दिल्ली, वर्ष 2014, पेज 13.9
190 वही 13.10
191 वही पेज 13.10

भारत में दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान एवं कुल दरिद्र (वर्ष 1967–2012)

NSS दौर	वर्ष	अनुमान–कर्ता	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	कुलव्यापक दरिद्रता[192]	दरिद्रसं ग्रामीण करोडमें	दरिद्रसं शहरी करोडमें	कुल दरिद्रसं करोडमें
	1956–57	बी.ए.मिन्हास	65.0%			21.5		
	1960–61	पी.के.बर्धन	38.0%			13.1		
	1963–64	मंटेकअहलूवालिया	54.1%			18.1		
	1967–68	बी.एस.मिन्हास			**57.1%**			
	1967–68	पी.के.वर्धन	53.0%		**54.0%**	22.0		
	1967–68	एमएसअहलूवालिया			**56.5%**			
	1969–70	बीएम.दांडेकर,एनके.रथ	40.4%	50.0%	**41.0%**[193]	16.6	4.2	21.5
	1973–74	योजना आयोग	56.4%	49.0%	**54.9%**			
	1983–84	योजना आयोग	45.7%	40.8%	**44.5%**[194]			32.3
	1993–94	योजना आयोग	37.3%	32.4%	**36.0%**			
27	1972–73	दत्त	55.4%	45.7%				
27	1972–73	सुन्दरम–तेन्दुलकर	57.2%	47.0%				
28	1973–74	दत्त	55.4%	48.0%				
28	1973–74	सुन्दरम–तेन्दुलकर	56.2%	49.2%				
32	1977–78	दत्त	50.6%	40.5%				
32	1977–78	सुन्दरम–तेन्दुलकर	54.5%	42.9%				
38	1983–83	दत्त	45.3%	35.7%				
38	1973–83	सुन्दरम–तेन्दुलकर	49.4%	38.5%				32.3
42	1986–87	दत्त	39.8%	34.3%				
43	1987–88	जैन,सुन्दरम,तेन्दुल.	44.8%	35.5%	35.5%	28.4	7.7	30.5
44	1988–89	दत्त	39.1%	34.8%				
44	1978–89	सुन्दरम–तेन्दुलकर	42.2%	34.8%				
45	1989–90	दत्त	39.8%	33.4%				27.6
45	1990–91	सुन्दरम–तेन्दुलकर	34.3%	34.8%				29.1
46	1990–91	दत्त	36.4%	32.8%				
46	1978–79	सुन्दरम–तेन्दुलकर	35.0%	33.2%				
	1979–80	छठीयोजना 80–85	50.7%	40.0%	48.2%	26.0	5.7	**31.7**
	1983–84	बी.एम.दाण्डेकर	28.6%	44.4%				
	1987–88	योजना आयोग[195]	39.1%	40.2%	39.12%	22.9	8.3	**31.2**
47	1991–92	दत्त	37.4%	33.2%				34.8
47	1991–92	सुन्दरम–तेन्दुलकर	40.1%	34.8%				
48	1992–93	दत्त	43.5%	33.7%				
48	1992–93	सुन्दरम–तेन्दुलकर	46.1%	36.4%				
49	1993–93	दत्त	उपलब्धनहीं	उपलब्धनहीं	**उपलब्धनहीं**			
49	1993–93	सुन्दरम–तेन्दुलकर	44.2%	38.9%				
50	1993–94	दत्त	36.7%	30.5%				
50	1993–94	सुन्दरम–तेन्दुलकर	39.7%	30.9%		32.86	7.43	**40.37**
51	1994–95	दत्त	41.0%	33.5%				
51	1993–94	सुन्दरम–तेन्दुलकर	43.6%	34.1%				
52	1995–96	दत्त	36.2%	28.0%				
52	1995–96	सुन्दरम–तेन्दुलकर	40.1%	28.7%				32.8

192 दत्त गौरव एव महाजन अश्वनी,दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कंपनी,नईदिल्ली,वर्ष 2016,संस्करण 55,पे.391

193 Reserve Bank of India,Handbook of Statistics on the Indian Economy 2009-10(Mumbai,2010Tab162),p.288

194 महेन्द्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, अतिरिक्तांक प्रतियागिता दर्पण (पिंट यूनिट), 2/11ए, स्वदेशीनगर,आगरा–2, वर्ष 2017,पे.88

195 दत्त गौरव एव महाजन अश्वनी,दत्त एवं सुंदरम भारतीय अर्थव्यवस्था,एस.चंद्र एंड कंपनी,नईदिल्ली,वर्ष 2016,संस्करण 55,पे.391

	1996–97	योजना आयोग	30.6%	25.6%	29.2%	21.1	6.6	**27.7**
53	1997–97	दत्त	35.8%	30.0%				
53	1997–97	सुन्दरम–तेन्दुलकर	38.3%	31.0%				
54	1998–98	दत्त	उपलब्धनहीं	34.3%				
54	1998–98	सुन्दरम–तेन्दुलकर	44.9%	31.6%[196]				
	99–2000	योजना आयोग	27.1%	23.6%	26.1%	19.5	6.5	**26.0**
55	99–2000	30दिनकीयाददाश्त	27.09%	23.62%	**26.10%**			
55	99–2000	7दिनकीयाददाश्त[197]	24.02%	21.59%	**23.62%**			
61	2004–05	समानयाददाश्तअवधि	28.3%	23.7%	**27.3%**	उपभोग ग्रागीण		446. 6मास
61	2004–05	मिश्रितयाददाश्अवधि[198]	21.8%	21.7%	**21.8%**	उपभोग शहरी		578. 6मास
	2004–05	योजना आयोग	28.3%	25.7%	27.5%	22.1	8.1	**30.2**
	2004–05	तेन्दुलकर	41.8%	25.7%	**37.28%**[199]	32.63	8.08	**40.71**
68	2009–10	राष्ट्रीयसेंपलसर्वेक्षण परिवारिकउपभोक्ताव्यय	**33.8%** रू.2240/दिन	**20.9%** रू.28.60/दै	**29.8%**	27.82	7.64	**35.47**
	2009–10	तेंदुलकर–**संपूर्णभारत** **उत्तरप्रदेश**	36.8% 39.4%	20.9% 31.1%	**29.8%** **37.7%**	21.65	5.28	**26.93**
	2009–10	रंगराजन–**संपूर्णभारत** **उत्तरप्रदेश**	39.6% 48.3%	35.1% 49.6%	**38.2%** **47.0%**	39.6	35.1	**45.45**
68	2011–12	राष्ट्रीयसेंपलसर्वेक्षण[200] परिवारिउपभोक्ताव्यय	**25.7%** रू.27.20दैनिक	**13.7%** रू33.33दैनिक	**21.9%**	उपभो.ग्राम उपभोनगर	रू.27.2दैनि 33.33दैनि	816मासि 1000मास
	2011–12	तेन्दुलकर–**संपूर्णभारत** **उत्तरप्रदेश**	25.7% 30.4%	13.7% 28.1%	**21.9%** **29.4%**[201]	25.7	13.7	**26.98**
	2011–12	रंगराजन–**संपूर्णभारत** **उत्तरप्रदेश**	30.9% 38.1%	26.4% 45.7%	**29.59%** **39.9%**[202]	26.05	10.25	**36.30**

तालिका–4

भारत में दरिद्रता अनुपात अथवा प्रतिशत[203]

राज्य	ग्रामीण 1973–1974	ग्रामीण 1993–1994	ग्रामीण 1999–2000	ग्रामीण 2011–2012	शहरी 1973–1974	शहरी 1993–1994	शहरी 1999–2000	शहरी 2011–2012	कुल 1993–1974	कुल 1993–1994	कुल 1999–2000	कुल 201–2012
आंध्रप्रदेश	48.41	15.92	11.05	12.7	50.61	38.33	26.53	71.5	48.86	22.19	15.77	13.7
बिहार	62.99	58.21	44.30	40.1	42.98	44.50	32.91	50.8	61.91	54.96	42.60	40.9
गुजरात	46.35	22.18	13.17	31.4	57.97	27.89	15.59	22.2	48.15	24.21	14.07	27.4
हरियाणा	34.23	28.02	8.27	11.0	40.18	16.38	9.99	15.3	35.36	25.05	08.74	12.5
जम्मूकश्मीर	45.51	30.34	3.97	12.6	21.32	9.18	1.98	21.6	40.83	25.17	03.48	15.1
मध्यप्रदेश	62.66	40.64	37.06	45.2	57.65	48.38	38.44	42.1	61.18	42.52	37.43	44.3
महाराष्ट्र	67.71	37.93	23.72	22.5	43.87	35.15	26.81	17.0	53.24	36.88	25.02	20.0
उड़ीसा	67.28	47.72	48.01	47.8	55.62	41.64	42.83	36.3	66.18	48.56	47.15	45.9
राजस्थान	44.76	26.46	13.74	21.4	52.13	30.49	19.54	22.5	46.14	27.41	15.28	21.7
उत्तरप्रदेश	56.53	42.28	31.22	38.1	60.09	35.39	30.89	45.7	57.07	40.85	31.15	39.8
दिल्ली	24.44	1.90	0.40	11.9	52.23	18.03	9.42	15.7	49.61	14.69	08.23	15.6
भारत	**56.44**	**27.09**	**27.09**	**30.9**	**49.01**	**32.36**	**3.62**	**26.4**	**54.88**	**35.97**	**26.10**	**29.5**

196 Abhijit Sen "Estimates of Consumer Expenditure & its Distribution-Statistical Prionties alter NSS Round", Economics and Political Weekly, December 16, 2000, Table 1, p 4500

197 Government of India, Economic Servey 2000-2001, Table 10.5, p.104

198 Government of India, Economic Servey 2000-2001, Table 10.5, p.104

199 Government of India, Planning Commission, Reports of The Expert Group in Review the Methology for Esitimation of Poverty, (Tendulkar Committee, Novemver, 2009, Annexure A, p,17

200 पुरी वी. के. एवं मिश्रा एस. के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, 2014, पेज 193

201 सम–सामायिक घटना चक्र, उत्तर प्रदेश तथ्य सार 2016, एलनगंज, चर्च लेन, इलाहाबाद,, वर्ष 2016, पेज 110

202 वही, पेज 111

203 स्रोत योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ

ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के माध्यम से दरिद्रता पर सीधा प्रहार करने की नीति हाल के वर्षों में ही अपनाई गई है। वास्तव में दरिद्रता निवारण को आर्थिक आयोजन का एक मुख्य लक्ष्य पाँचवी पंचवर्षीय योजना से ही माना जाने लगा। वर्ष 1970 के दशक के दौरान ग्रामीण दरिद्र जनता के लिए बहुत–से विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए जिनमें से प्रमुख थे : लघु किसान विकास एजेन्सी, सीमान्त किसान एवं खेतिहर मजदूर विकास एजेन्सी, सूखासम्भाव्यता क्षेत्र कार्यक्रम, ग्रामीण रोजगार का पुरजोर कार्यक्रम, आरम्भिक गहन ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम तथा काम के बदले अनाज कार्यक्रम। इनमें से कोई भी कार्यक्रम ऐसा नहीं था जो व्यापक हो और पूरे देश में चल रहा हो। हाँ, कुछ क्षेत्रों में एक ही वर्ग के लोगों के लिए इनमें से एक से अधिक कार्यक्रम काम कर रहे थे। इसके अतिरिक्त इन कार्यक्रमों की लम्बे काल तक रोजगार प्रदान करने की सामर्थ्य नहीं थी क्योंकि ये किसी दीर्घकालीन नीति का हिस्सा नहीं थे। वास्तव में ये कार्यक्रम केवल आर्थिक सहायता बाँटने का माध्यम बनकर रह गए। इसलिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता महसूस की गई जो न केवल देशव्यापी हों बल्कि ग्रामीण दरिद्रता पर सीधा प्रहार कर सकें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम खेतिहर मजदूर रोजगार गारण्टी कार्यक्रम चालू किए गए। वर्ष 1989 में सरकार ने एक और बृहद रोजगार योजना जवाहर रोजगार योजना के नाम से शुरू की। समन्वित ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम को प्रथम बार वर्ष 1978–79 में देश के 2300 विकास खण्डों में लागू किया गया। छठी पंचवर्षीय योजना में इसका पूरे देश में प्रसार किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम भी इसी समय आरम्भ किया गया और इसका उद्देश्य उन लोगों को रोज़गार प्रदान करना था जो अपने निर्वाह के लिए केवल मजदूरी पर निर्भर करते हैं और जिनके पास क्षीण कृषि काल में आय को कोई साधन नहीं होता। ग्रामीण खेतिहर मजदूर रोज़गार गारण्टी कार्यक्रम 15 अगस्त, 1983 को शुरू किया गया[204] जिसका उद्देश्य भूमिहीन श्रमिकों या खेतिहर मजदूरों को रोज़गार प्रदान करना था। हालांकि इन कार्यक्रमों के अधीन लाभ प्राप्त करने वालो की संख्या के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है फिर भी यह बात बता पाना कठिन है कि दरिद्रता उन्मूलन के क्षेत्र में इन कार्यक्रमों ने क्या सफलता प्राप्त की है।

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे या सीमान्त किसानों, खेतिहर मजदूरों तथा ग्रामीण दस्तकारों की सहायता करना था। आयोजकों के अनुसार, समाज के ये व्यक्ति दरिद्र थे क्योंकि इनके पास न तो कोई उत्पादक परिसम्पत्तियाँ थीं और न ही कोई विशेष कौशल। इस प्रकार समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत इन व्यक्तियों को नई परिसम्पत्तियाँ प्रदान करने की व्यवस्था थी ताकि वे इन परिसम्पत्तियों के माध्यम से जीविका–उपार्जन के लिए आय जुटा सकें। इन परिसम्पत्तियों में सिंचाई के साधन, बैल और उपकरण, खेती के लिए बीज एवं खाद, डेरी एवं पशुपालन के लिए पशु तथा कुटीर उद्योगों में हस्तशिल्प के लिए औजार एवं प्रशिक्षण शामिल थे। इस प्रकार समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम एक स्व–रोजगार कार्यक्रम था जिसमें दरिद्र व्यक्तियों को उत्पादक परिसम्पत्तियाँ

204 पुरी वी.के व मिश्र एस.के.,भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, गिरगाँव, मुम्बई, संस्कर 26, वर्ष 2014, पेज 198

उपलब्ध कराने की व्यवस्था थी ताकि वे इनसे आय पैदा करके दरिद्रता की रेखा को पार कर सकें। योजना आयोग के कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन, रिजर्व बैंक, कृषि एवं ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय बैंक–नाबार्ड तथा इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइनेन्शियल मैनेजमेंट ने समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम की निष्पत्ति का मूल्यांकन किया हैं। इन अध्ययनों से यह पता लगता है कि यद्यपि समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम में शामिल 55 से 90% व्यक्तियों को अतिरिक्त आय प्राप्त हुई थी, तथापि 40% से अधिक व्यक्ति दरिद्रता की रेखा को पार नहीं कर पाए (अलग–अलग अध्ययनों में यह संख्या 18% से लेकर 49.4% तक है)। इन अध्ययनों से सामान्य निष्कर्ष यह प्राप्त होता है कि समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम दरिद्रता निवारण के दृष्टिकोण से कोई सफल नहीं रहा और उसमें सुधार लाने की जरूरत थी।[205]

वर्ष 1989–90 में जवाहर रोज़गार योजना शुरू की गई थी और इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण कार्यक्रम और खेतिहर मजदूर रोज़गार गारण्टी कार्यक्रम का विलय कर दिया गया। जवाहर रोजगार योजना इस तरह तैयार कि गई थी जिससे ग्रामीण बेरोज़गार और अल्प रोज़गार प्राप्त व्यक्तियों को ऐसे निर्माण कार्यों पर जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादनकारी परिसम्पत्तियों का सृजन हो सके, अतिरिक्त अल्पावधि रोज़गार देना सम्भव हो। जवाहर रोज़गार योजना की भी दरिद्रता निवारण की दृष्टि से वही कमजोरियाँ थीं जो राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार कार्यक्रम और खेतिहर मजदूर गारण्टी कार्यक्रम में थीं। अप्रैल 1999 में जवाहर रोज़गार योजना को पूनर्गठित कर जवाहर ग्राम समृद्धि योजना नाम दिया गया। ग्रामीण दरिद्र वर्ग को रोज़गार प्रदान करने की लिए फरवरी 2006 में सबसे व्यापक एवं महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया गया जिसे महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारण्टी योजना (मनरेगा) का नाम दिया गया है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के अन्तर्गत शामिल परिवारों में से प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को एक वित्तीय वर्ष में कम–से–कम 100 दिन रोज़गार गारण्टी देने का प्रावधान है।[206]

दरिद्रता निवारण कार्यक्रम का विश्लेषण करने पर यह बात स्पष्ट हो जाती है कि आयोजकों ने यह मान्यता दी थी कि सभी दरिद्र एक ही जैसे हैं। उदाहरण के लिए, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम में उन सब परिवारों को दरिद्र माना गया था जिनकी वार्षिक आय 3500 रुपए वार्षिक या प्रति व्यक्ति आय 700 रुपए से कम थी। आयोजकों ने इन लोगों को अलग–अलग बांटने की आवश्यकता नहीं समझी। **इन्दिरा हीरवे** के अनुसार, दरिद्रों को दो वर्गों में बांटना आवश्यक है– एक वर्ग में वे दरिद्र होंगे जिनके पास कोई कौशल है (और इसलिए वे स्व–रोज़गार कार्यक्रम के लिए उपयुक्त हैं) तथा दूसरे वर्ग में वे दरिद्र होंगे जिनके पास कोई कौशल या प्रशिक्षण नहीं है (और जो इसलिए मजदूरी पर ही रोज़गार कार्यक्रमों में काम कर सकते हैं)। इनमें से प्रत्येक वर्ग को अलग–अलग मानकर उसके लिए अलग–अलग नीति बनाई जानी चाहिए।[207] **नीलकंठ रथ** के अनुसार, उत्पादक परिसम्पत्तियाँ प्रदान करने की समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम की नीति उपयुक्त नहीं थी। उनके मतानुसार, मजदूरी प्रदान करने वाले एक व्यापक रोज़गार कार्यक्रम की

205 पुरी वी.के व मिश्र एस.के.,भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाउस, गिरगाँव, मुम्बई, संस्कर 26, वर्ष 2014, पेज 199
206 वही, पेज 199
207 Indira Hirway, "Garibi Hatao : Can IRDP Do it?" Economic and Political Weekly, March 20,1985, P.562

आवश्यकता है।[208] परन्तु **हीरवे** तथा **एम. एल. दंतवाला** के अनुसार, दरिद्रता निवारण के परिप्रेक्ष्य में स्व–रोज़गार कार्यक्रमों के महत्त्व से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्व–रोज़गार के द्वारा बहुत–से व्यक्तियों को रोज़गार मिला हुआ है। इसके अतिरिक्त, केवल मजदूरी पर रोज़गार प्रदान करने वाले कार्यक्रम पर जोर देने से मजदूर पूरी तरह से रोज़गार देने वाले पर निर्भर हो जाएँगे। इससे धनी लोगों के साधन और बढ़ेंगे तथा सम्भव है कि आय असमानताएँ भी बढ़ जाएँ।[209] इसलिए सही युक्ति वह है जिसमें स्व–रोज़गार व मजदूरी पर रोज़गार के कार्यक्रमों के मध्य उचित समन्वय किया जाए। समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम तथा जवाहर रोज़गार योजना में किसी प्रकार का कोई समन्वय नहीं था और दोनों कार्यक्रमों को बिल्कुल अलग–अलग तैयार एवं कार्यान्वित किया जाता था। वर्तमान दरिद्रता निवारण युक्ति की एक प्रमुख कमी यह है कि इसमे उन परिवारों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है जिनके पर न तो कोई परिसम्पत्ति या कौशल है न ही कोई काम करने योग्य वयस्क है। इन परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं के अन्तर्गत अलग से कदम उठाने आवश्यक हैं।

सरकार के दरिद्रता निवारण कार्यक्रमों में अव्यवस्थति योजना के कारण बाधाएँ उत्पन्न होती हैं दूसरे, सरकार द्वारा कृषि उत्पादन व उत्पादकता की सर्वोच्च प्राथमिकता देने के उपरान्त भी सामाजिक एवं आर्थिक असमानताएँ नहीं मिटी है और न ही आय की असमानताएँ कम हुई हैं। इन योजनाओं के लाभ देश के सभी भागों के सर्वाधिक दरिद्र व्यक्तियों तक नहीं पहुँचा है। पानी के संसाधन, ऋण, खाद में सब्सिडी एवं अन्य सुविधाएँ कुछ बड़े किसानों द्वारा हड़प ली जाती हैं। मध्यम एवं दरिद्र किसानों को यह वस्तुएँ बहुत अधिक दरों पर क्रय करनी पड़ती है। तीसरे विभिन्न कार्यक्रमों में कोई तालमेल नहीं है। विभिन्न रोजगार कार्यक्रमों के जवाहर रोजगार योजना में विलय हो जाने के पश्चात् सरकार अब पंचायतों को समय पर आवश्यक धन राशि नहीं भेज पाती है। चौथे इनके कार्यक्रमों से जुड़े अधिकारियों का सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों में अधिक विश्वास नहीं है। जिसके परिणामस्वरूप उनको दी गई भूमिका के प्रति वचनबद्ध नहीं होते। इस प्रकार इन कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु लोगों में आवश्यक जागरूकता उत्पन्न करने में वे थोड़ा भी परिश्रम नहीं करते इसलिए कोई आश्चर्य नहीं है कि सरकार उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सफल नहीं हो सकी है। पाँचवें जवाहर योजना की राशि को राज्य अपनी पार्टी के कामों में लगा देते हैं।

स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत सरकार व राज्य सरकारों ने दरिद्रता उन्मूलन के लिए पंचवर्षीय योजनाएँ, राष्ट्रीयकरण 20 सूत्रीय कार्यक्रम, आई.आर.डी.पी.एन.आर.ई.पी, अन्त्योदय एवं जवाहर रोजगार योजना कार्यक्रम आरम्भ किए। परन्तु राज्य में राजनीतिक परिवर्तनों ने कार्यक्रमों पर प्रभाव डाला। अब यह कहा जा सकता है कि कुल मिलाकर यह योजनाएँ पूर्णता असफल रहीं। असफलता के प्रमुख कारण परिवारों के चयन में पक्षपात, अधिकार उपेक्षा, असहयोग, ऋण देने में बिलम्ब हैं।

---

208 Nilkanth Rath, “Garibi Hatao : Can IRDP Do it?” Economic and Political Weekly, March 16,1985
209 M.L. Dantwala, “Garibi Hatao : Strategy option”, Economic and Political Weekly, March 3,1985

पंचवर्षीय योजनाएँ तथा दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ

क्र	पंचवर्षीय योजना	अवधि	योजना	स्थापित	विशेष
1	प्रथम पंचवर्षीय	1951–56	सामुदायिक विकास व समाजकल्याण	1951	ग्रामीण जनकल्या.योजनाएँ
2	द्वितीय पंचवर्षीय	1956–61	रूरलजेंडरलेसएम्पलायमेंटगारंटीस्कीम		ग्राम स्वरोजगार सहायता
3	तृतीय पंचवर्षीय	1961–66	अन्त्योदय कार्यक्रम		दरिद्रता उन्मूलन कार्यक्रम
	तीन वर्षीय	1966–69	उपलब्ध नहीं		उपलब्ध नहीं
4	चतुर्थ पंचवर्षीय	1969–74	पेयजल आपूर्ति–72,20–सूत्रीय कार्यक्रम	1972–73	ग्राम जलापूर्ति–हैण्डपम्प
5	पंचम पंचवर्षीय	1974–79	एम.एन.पी.,न्यून आवश्यकता योजना		
			एन.आर.ई.पी.	1976	
			अन्त्योदय कार्यक्रम (राजस्थान सरकार)	1977	दरिद्रता उन्मूलन कार्यक्रम
			ट्राईसेम	15.8.1979	ग्रामस्वरोजगारयुवाप्रशिक्षण
6	षष्टम पंचवर्षीय	1980–85	स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवा प्रशिक्षण	1979	स्वरोजगार हेतु सहायता
7	सप्तम पंचवर्षीय	1980–85	इन्दिरा आवास–85 एवं जवाहर रोजगार	1989	दरिद्र श्रमिकहेतु आवास
8	अष्टम पंचवर्षीय	1992–97	सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना	23.12.93	विकासकार्य 5करोड़वार्षिक
			विद्यालयों को मध्याह्न भोजन	15.8.1995	छात्रोंका पोषणयुक्त भोजन
9	नवम पंचवर्षीय	97–2002	कस्तूरबा गांधी शिक्षा योजना	15.8.1997	सवर्ण छोड़ बालिका शिक्षा
			स्वर्ण जयंती ग्राम–शहरी स्वरोजगार	1.12.1997	शहरी दरिद्र उन्मूलन
			जवाहर ग्राम समृद्धि(विलीन–ग्रामीणरोज)	1.4.1999	ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार
			जनश्री बीमा	10.8.2000	सामूहिक जीवन सुरक्षा
			अन्नपूर्णा	2.10.2000	वृद्ध जनों को खाद्यान्न
			प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क	25.12.000	दरिद्रता उन्मूलन घटक
			प्रधानमन्त्री ग्रामोदय योजना	2001–02	स्वास्थ,शिक्षा,जल,घर,सड़क
			कृषि–मजदूर सामाजिक सुरक्षा (बीमा)	1.7.2001	18–60 श्रमिकजीवनसुरक्षा
			सर्व शिक्षा अभियान	2000–01	6–14उम्रसभीको8कीशिक्षा
			सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार	25.9.2001	काम के बदले अनाज
			अन्त्योदय अन्न योजना	25.12.001	दरिद्रों को 35 किग्रा अन्न
10	दशम पंचवर्षीय	2002–07	प्रधानमन्त्री ग्रामोदय योजना	2001–02	स्वास्थ,शिक्षा,जल,घर,सड़क
			प्रधानमन्त्री ग्रामीण रोजगार	2.10.2002	उद्योग स्थापना, रोजगार
			प्रधानमन्त्री ग्रामीण आवास योजना	2002	ग्रामीण गरीब आवास
			वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना	14.7.2003	60–80वर्षीय दरिद्र वृद्ध
			बाल श्रम उन्मूलन परियोजना	9.2.2004	5–9वर्ष बालश्रमिक शिक्षा
			कस्तूरबा बालिका विद्यालय योजना	जुलाई,04	सवर्णछोड़बालिकाशिक्षा
			राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन	12.4.2005	ग्रामीणदरिद्र स्वास्थ्य सेवा
			जननी सुरक्षा योजना	1.4.2005	दरिद्र महिला कल्याण
			भारत निर्माण योजना	16.12.05	सि,सड़क,जल,विद्यु,संचा
			जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी मिशन	2005–12	आवास,दरिद्रबस्ती उन्नयन
			म.गाँ.राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम	2.2.2006	100 दिन काम/रु.191
			उज्ज्वला योजना	4.12.2007	शोषित महिला पुनर्वास
			विजन–2020 (दरिद्र उन्मूलन)	2003	दरिद्रताउन्मूलन योजना
11	ग्यारहवींपंचवर्षीय	2007–12	राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना	1.10.2007	असंगठित क्षेत्र श्रमिक
			प्रधानमन्त्री रोजगार सृजन कार्यक्रम	15.8.2008	लाख25वि.नि,10व्यापा.ऋण
			राजीव गाँधी किशोरी अधिकारिता	19.11.010	किशोरी के पौषटिकआहार
			राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	3.6.2011	स्वयं सहयता समूह केरूप
12	बारहवीं पंचवर्षीय	2007–12	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा	20.8.2013	65वर्षीय वृद्ध खाद्यान्नआदि
			राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन	2013	शामिल–स्वरोज.शहरीरोज
			समाजवादी पेंशन	28.1.2014	दरिद्र व्यक्ति कल्याण
			राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम	मार्च–14	70 लीटर जल/व्यक्ति
			प्रधानमन्त्री जनधन योजना	15.8.2014	7.5करोड़परिवारकेबैंकखाते
			दीनदयाल अन्त्योदय योजना	25.9.2014	शहरी दरिद्रता उन्मूलन
			दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल	16.10.14	निर्धनयुवा क्षमताविकास
			दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना	3.12.2014	405.42लाख दरिद्र–विद्युत
			सुकन्या समृद्धि खाता	22.1.2015	0–10 वर्षीय कन्या खाते
			प्रधानमन्त्री कौशल विकास योजना	21.3.2015	1.4 मिलियन युवा प्रशिक्षण
			शहरी आवास योजना	17.6.2015	मलिन बस्ती पुनर्स्थापन
			अटल पेंशन योजना	31.12.15	वृद्ध पेंशन रु.1–5 हजार
			प्रधानमन्त्री ग्रामीण आवास योजना	23.3.2016	1 करोड़ ग्रामीण आवास
13	तेरहवीं पंचवर्षीय	2017–			

मानव विकास

वर्ष 1990 में सर्व प्रथम प्रकाशित Human Development Report के अनुसार, विकास व्यक्तियों के सामने विकल्प के विस्तार की प्रक्रिया है।[210] संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nation Development Programme) की मानवीय विकास रिपोर्ट–1977 में मानव विकास की अवधारणा की व्याख्या इस प्रकार की गई है–

''यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जन–सामान्य के विकल्पों का विस्तार किया जाता है और इनके द्वारा मानव कल्याण के उन्नत स्तर को प्राप्त किया जाता है। यही मानवीय विकास की धारणा का मूल है। ऐसे सिद्धान्त न तो सीमाबद्ध होते हैं और न ही स्थैतिक। परन्तु विकास के स्तर की दृष्टि में न रखते हुए जन–सामान्य के पास तीन विकल्प हैं– एक लम्बा और स्वास्थ्य जीवन व्यतीत करना, ज्ञान प्राप्त करना तथा अच्छा जीवन–स्तर प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधनों तक अपनी पहुँच बढ़ाना। कई और विकल्प भी हैं जिन्हें बहुत से व्यक्ति महत्त्वपूर्ण मानते है। इनमें प्रमुख है–राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्वतन्त्रता से सृजनात्मक और उत्पादक बनने के अवसर और स्वाभिमान एवं गारण्टीकृत मानवीय अधिकारों का लाभ उठाना..... आय केवल एक विकल्प है जो लोग प्राप्त करना चाहेंगे, चाहे यह बहुत महत्वपूर्ण है परन्तु यह उनके समग्र जीवन का सार नहीं है। आय एक साधन है जबकि मानव विकास एक साध्य।''[211]

महबूब–उल–हक के अनुसार, ''आर्थिक विकास एवं मानव विकास की विचारधारा में परिभाषिक अन्तर यह है कि जहाँ आर्थिक विकास में केवल एक विकल्प–आय पर ही ध्यान केन्द्रित किया जाता है, वहाँ मानव विकास में सभी मानवीय विकल्पों का विस्तार आ जाता है। ये विकल्प चाहे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक या राजनैतिक हों।''[212] मनुष्य के सामने आर्थिक कल्पना से भी अधिक महत्त्वपूर्ण अनेक विकल्प हैं। ज्ञान, स्वास्थ्य, स्वच्छ भौतिक वातावरण, राजनैतिक स्वतन्त्रता और जीवन की अन्य साधारण खुशियाँ आय पर निर्भर नहीं करतीं। वस्तुतः जो अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, वह है धन का उपयोग, न कि धन।

मानव विकास उद्देश्य है। आर्थिक विकास की सम्पूर्ण प्रक्रिया का अन्तिम उद्देश्य मानव की स्थितियों में सुधार करना एवं व्यक्तियों के विकल्पों में विस्तार करना है। स्वस्थ्य, सु–पोषित, शिक्षित, कुशल और सक्रिय तथा सतर्क देश की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उत्पादक परिसम्पत्ति है। शिक्षा के स्तर में सुधार, अच्छी स्वास्थ्य सेवायें तथा बाल एवं मातृत्त्व मृत्युदर में कमी से जन्म दर में गिरावट आती है और छोटे परिवार के लाभों के प्रति चेतना उत्पन्न होती है। मानव विकास भौतिक पर्यावरण के संरक्षण में सहायक हैं। दरिद्रता में कमी से स्वस्थ समाज के गठन, लोकतन्त्र के निर्माण और सामाजिक स्थिरिता में सहायता मिलती है। मानव विकास से सामाजिक उपद्रव कम होते हैं और राजनीतिक स्थिरिता बढ़ती है।[213]

---

210 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मंदिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 18
211 दत्त अद्र एवं सुदाम, भारतीय अर्थव्यवस्था, 2004, पेज 4
212 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, 2003, पेज 26
213 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मंदिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 19

मानव विकास सूचकांक

मानवीय विकास सूचक तीन मूल आयामों की औसत उपलब्धि है[214]:–

(1) एक लम्बे और स्वस्थ्य जीवन के माप के लिए जन्म पर जीवन प्रत्याशा (25 वर्ष एवं 85 वर्ष)।

(2) ज्ञान जिसके मान के लिए बालिग साक्षरता दर (2/3 भार) एवं समग्र प्राथमिक, माध्यमिक एवं तृतीयक कुल नामांकन (1/3 भार) को आँका जाता है।

(3) एक अच्छा जीवन स्तर जिसकी माप प्रति व्यक्ति सकल देशीय उत्पाद (यू.एस. डॉलर क्रय–शक्ति समता) है।

मानव विकास सूचकांक की अवधारणा का प्रतिपादन वर्ष 1990 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (U.N.D.P.) से सम्बद्ध पाकिस्तानी अर्थशास्त्री **महबूब–उल–हक** तथा अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री **ए. के. सेन** तथा **सिंगर हंस** ने किया। मानव विकास सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आय स्तर के आधार पर तैयार किया जाने वाला संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (U.N.D.P.) का सूचकांक है। इसमे प्रत्येक चर का न्यूनतम एवं अधिकम मूल्य स्थिर है। मानव विकास सूचकांक (H.D.I.) का अधिकतम मूल्य 1 तथा न्यूनतम मूल्य 0 होता है। मानव विकास सूचकांक की रचना तीन सूचकांकों के आधार पर– (i) जीवन प्रत्याशा सूचकांक, (ii) शिक्षा सूचकांक, (iii) जीवन निर्वाह का स्तर जिसमें क्रयशक्ति समायोजित प्रति व्यक्ति आय (डालर) में व्यक्त करते हैं।[215] ये तीनों सूचकांक अलग–अलग तीन पदों पर आधारित होते हैं, सभी मिलकर मानव विकास सूचकांक का निर्माण करते हैं। इस प्रकार,

मानव विकास सूचकांक =1/3 (जीवन प्रत्याशा सूचकांक,शिक्षा सूचकांक एवं जी.डी.पी.सूचकांक का जोड)

मानव विकास सूचकांक के लिए स्वास्थ्य स्तर का आकलन जीवन प्रत्याशा के द्वारा शैक्षणिक स्तर प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक स्तर पंजीकरण के आधार पर तथा रहन–सहन स्तर का आकलन आय के स्तर व क्रय–शक्ति क्षमता के आधार पर किया जाता है।

भारत विकास रिपोर्ट–2014 के अनुसार मानव विकास सूचकांक(H.D.I.) तीन मूलभूत मानकों, जैसे–स्वास्थ्य और दीर्घजीवन, शिक्षा और ज्ञान तथा समूचित जीवन स्तर जीने के आधार पर, 187 देशों के मूल्यांकन और श्रेणीकरण का एक तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। वर्ष 2013 में (H.D.I.) मूल्यांकन 0.586 रहा है जिसमें 187 देशों में और क्षेत्रों में भारत का 135–वाँ स्थान रहा। ब्रिक्स देशों में यह सबसे नीचे रहा जिसमें रूस का स्थान 57–वाँ, ब्राजील का 79–वाँ, चीन का 91–वाँ एवं दक्षिण अफ्रीका का 118–वाँ स्थान रहा।[216] भारत बंगला देश और पाकिस्तान से थोड़ा ही आगे रहा। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि वर्ष 2008 और वर्ष 2013 के बीच चीन ने अपना स्थान दस सीढ़ियाँ सुधार किया।

214 सिंह विजय पाल एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मंदिर, मेरठ, वर्ष 2005, पेज 19
215 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, मुम्बई, 2003, पेज 22
216 आर्थिक समीक्षा 2014–15, यंग ग्लोबल पब्लिकेशन्स, डी–4, वंदना बिल्डिंग्स बेसमेंट, टोलस्टोय मार्ग नईदिल्ली,,2015,पे.140

योजना आयोग की पहल पर अनुप्रयोगात्मक मानव शक्ति अनुसन्धान संस्थान रिपोर्ट 2011 के अनुसार, वर्ष 1999–2000 एवं वर्ष 2007–08 के बीच भारत में मानव विकास सूचकांक में 21% की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में सर्वाधिक योगदान शिक्षा का रहा है। मानव विकास सूचकांक के निम्नलिखित तीन विमाओं को शामिल किया गया है–

1. जीवन प्रत्याशा द्वारा परिलक्षित दीर्घजीवी एवं स्वस्थ जीवन।

2. जीवन प्रत्याशा शिक्षा के माध्य वर्ष(स्कूलों से बाहर के बच्चों को समायोजित करते हुए) व साक्षरता दर(7 वर्ष व इससे अधिक आयु वर्ग) द्वारा परिलक्षित शिक्षा एवं ज्ञान की प्राप्ति।

3. मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (मुद्रास्फीत एवं असमानता से समायोजित) के रूप में परिलक्षित जीवन स्तर।

उक्त रिपोर्ट के अनुसार 2007–08 में H. D. I. में 0.790 के मान के साथ केरल शीर्ष स्थान पर 0.358 मान के साथ छत्तीसगढ़ 23–वें स्थान पर है। बिहार, राजस्थान, उ. प्र. एवं उत्तराखण्ड का मानव विकास सूचकांक राष्ट्रीय औसत से नीचे है। भारत का मान 0.467 है।

भारत के राज्यवार मानव विकास सूचकांक[217]

राज्य	मानवविकाससूचकांक 1999–2000	मानवविकास सूचकांक 2007–08	रैंक 1999–2000	रैंक 2007–08
केरल	0.677	0.790	2	1
दिल्ली	0.783	0.750	1	2
हिमाचल प्रदेश	0.581	0.652	4	3
गोवा	0.595	0.617	3	4
पंजाब	0.543	0.605	5	5
उत्तर पूर्व (असम नहीं)	0.473	0.573	9	6
महाराष्ट्र	0.501	0.572	6	7
तमिलनाडु	0.480	0.570	8	8
हरियाणा	0.501	0.552	7	9
जम्मू–कश्मीर	0.465	0.529	11	10
गुजरात	0.466	0.527	10	11
कर्नाटक	0.432	0.519	12	12
पश्चिम–बंगाल	0.422	0.492	13	13
उत्तराखण्ड	0.339	0.490	16	14
आन्ध्र प्रदेश	0.368	0.473	15	15
असम	0.336	0.444	17	16
राजस्थान	0.387	0.43	14	17
उत्तर–प्रदेश	0.316	0.380	18	18
झारखण्ड	0.268	0.376	23	19
मध्य–प्रदेश	0.285	0.375	20	20
बिहार	0.292	0.367	19	21
ओडिशा	0.275	0.362	22	22
छत्तीसगढ़	0.278	0.358	23	23

217 भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011, योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

चतुर्थ अध्याय

शोध प्रारूप एवं पद्धति

प्रस्तुत शोध 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं' के सामाजिक एवं आर्थिक तथ्यों का वैज्ञानिक ढ़ंग से ज्ञान, परिपक्वता तथा पूर्णता प्राप्त करता है। शोधकार्य आरम्भ होने से पूर्व शोध विषय, विश्लेषणात्मक पद्धति उपकरण तथा प्रक्रिया से सम्बन्धित सभी बातें सुव्यवस्थिति ढ़ंग से निश्चित कर शोध कार्यक्रम बनाया गया है, जो कि प्रस्तुत शोध की प्ररचना है। इसमें प्रयोग तथा नियन्त्रण के आधार पर सम्बन्धित उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न किया गया है। शोध कार्य के प्रारम्भ करने से पूर्व ही इसका कार्यक्रम इस ढ़ंग से बनाया गया है कि तथ्यों के संकलन, चयन तथा विश्लेषण से उद्देश्य की प्राप्ति हो सके।

शोध प्ररचना के अन्तर्गत सर्वप्रथम शोध की रूपरेखा तैयार की है। शोध संरचना की प्रक्रिया के अन्तर्गत शोध कार्य में उपकल्पना निर्मित की गई और उसका परीक्षण किया गया है। शोध प्ररचना एवं सामाजिक विज्ञान एक सांकेतिक निर्माण की संरचना करते हैं, जो विभिन्न इकाइयों एवं कल्पनाओं से बना होता है। जिसे शोध एवं प्रयोगात्मक प्रारूप कहते हैं। इसी के अनुरूप प्रस्तुत विषय का अध्ययन निश्चित एवं नियन्त्रित सीमाओं में रहकर किया गया है। जिससे समस्या का अध्ययन करना सरल हुआ है।

प्रस्तुत अध्ययन जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन है। अतीत में जो कुछ विद्यमान था उसको खोजना तथा उसकी व्याख्या करना ऐतिहासिक अध्ययनों का कार्य है। किन्तु यह ऐसा अनुसन्धान हैं, जो वर्तमान में विद्यमान तथ्यों का अध्ययन, वर्णन एवं व्याख्या करता है। इस अनुसन्धान के अन्तर्गत वर्णात्मक, साक्षात्कार की प्रत्यक्ष सहचर्यात्मक अभिवृत्तियाँ शामिल हैं। साक्षात्कार–अनुसूची वर्तमान प्रवृत्ति को निर्धारित करती है तथा वर्तमान व्यवहारिक समस्याओं का निराकरण प्रस्तुत करती है। इस साक्षात्कार अनुसूची के प्रत्यक्ष एवं सहचर्यात्मक सम्बन्धों से व्यक्तियों के जीवन की मूलभूत समस्याओं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, तनाव, संघर्ष, विचलन एवं इच्छाओं को जानकर समस्याओं का निदान तथा भावी विकास क्रमों की ओर संकेत किया गया है। दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के प्रति साक्षात्कार–अनुसूची उपागम व्यापक रूप से प्रयुक्त किए जाने वाले उपागम में से है। इस साक्षात्कार–अनुसूची पर आधारित प्रस्तुत शोध से व्याख्या, विश्लेषण, मूल्यांकन एवं सामान्यीकरण भी किया जा सका है जिससे आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु जानकारी प्राप्त हुई है।

प्रस्तुत अध्ययन में प्राचलिक विधि का प्रयोग सम्भव नहीं हो सका, क्योंकि इस विधि के द्वारा अध्ययन धन, समय, सुविधा के दृष्टिकोण से सापेक्षिक अत्यधिक खर्चीला एवं जटिल है। इसके विपरीत व्यवहारिक तथा सैद्धान्तिक दृष्टिकोण से अप्राचलिक विधि द्वारा अध्ययन पर्याप्त मात्रा में सुगम, सरल, अल्पव्ययी तथा शुद्ध है। अप्राचलिक विधि के अध्ययन का आधार प्रतिदर्श है। प्रतिदर्श दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के समष्टि का एक अंश है जिसमें अपनी समष्टि की समस्त विशेषताओं का स्पष्ट प्रतिबिम्ब रहा है।

प्रस्तुत शोध में प्रतिचयन की सहायता से उपयोग में लाये जाने वाले आँकड़ों की विश्वसनीयता पर प्रसम्भावना सिद्धान्त द्वारा नियन्त्रण रखा गया है। अनुसन्धान प्रक्रम में प्रतिचयन से अभिप्राय उस क्रमबद्ध चयन–पद्धति से है, जिसकी सहायता से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के समष्टि से सम्बन्धित अध्ययन के लिए कम से कम इकाइयों के उपयोग की आवश्यकता पड़ी है। इस प्रकार प्रतिचयन के द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को अपनी समष्टि का प्रतिनिधित्त्व बनाया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसन्धान का कार्य बिना पद्धति के सम्भव नहीं हुआ है। पद्धति के अन्तर्गत अनुसन्धान योजना का अध्ययन प्रारम्भ से अन्त तक एक निश्चित क्रम के अनुसार किया गया है। प्रस्तुत शोध में अवलोकन सहित साक्षात्कार अध्ययन पद्धति का चयन किया गया है जिसके द्वारा विश्वसनीय आँकड़ें प्राप्त किये गए हैं तथा विश्वसनीय तथ्यों का संकलन किया गया है। इसके आधार पर परीक्षण योग्य निष्कर्ष निकाला गया है।

गुडे तथा **हैट** के अनुसार, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति एक ऐसा उपागम है, जो किसी एक सामाजिक इकाई को उसके सम्पूर्ण रूप में देखता है। इससे लगभग सदैव यह अभिप्राय है कि इस उपागम के यन्त्र में उस इकाई का विकास सम्मिलित है, और वह एक व्यक्ति, एक परिवार या अन्य एक सामाजिक समूह, प्रक्रमों व सम्बन्धों का एक समुदाय तथा एक सम्पूर्ण संस्कृति कुछ भी हो सकती है।

अवलोकन सहित साक्षात्कार पद्धति शोध में सूचनाओं को एकत्रित करने की सूक्ष्म विधि है। इसके अन्तर्गत अध्ययनकर्ता ने दरिद्रों से सम्बन्धित समस्याओं की वास्तविकता का पता लगाने में सरलता प्राप्त की है। कभी–कभी दरिद्र व्यक्तियों ने अपनी वास्तविक स्थिति को छुपाना चाहा है। इस वास्तविकता को निरीक्षण द्वारा वस्तु स्थिति से जाना जा सका है।

अवलोकन' अंग्रेजी शब्द 'OBSERVATION' का हिन्दी रूपान्तरण है, जिसका अर्थ देखना, प्रेक्षण, निरीक्षण, अवलोकन है। दूसरे शब्दों में कार्य–कारण या पारस्परिक सम्बन्ध को जानने हेतु स्वाभाविक रूप से घटित होने वाली घटनाओं को सूक्ष्म रूप से देखना ही अवलोकन है।

मोजर–(1955) के अनुसार, ''अवलोकन को उचित रूप से वैज्ञानिक पूँछताँछ की श्रेष्ठ विधि कहा जा सकता है। ठोस अर्थों में कानों और वाणी की अपेक्षा नेत्रों का उपयोग होता है।''

यंग–(1966):–''अवलोकन आँख के द्वारा विचारपूर्ण किया गया अध्ययन है जिसके सामूहिक व्यवहार तथा जटिल सामाजिक संस्थाओं के साथ–साथ सम्पूर्णता का निर्माण करने वाली पृथक–पृथक इकाइयों का सूक्ष्म निरीक्षण करने के रूप में किया जा सकता है।''

नियन्त्रित अवलोकन एक क्रमबद्ध, व्यवस्थित, वस्तुनिष्ठ अध्ययन है। इसके अन्तर्गत सम्बन्धित अवलोकित व्यवहार अथवा सामाजिक स्थिति के गुणात्मक अध्ययन के स्थान पर, मात्रात्मक अध्ययन किया जाता है। **पी. वी. यंग** ने अपने अध्ययन में बताया कि, नियन्त्रित अवलोकन साधारणतया ऐसी निश्चित व पूर्व निर्धारित योजनाओं के अनुसार

सम्पन्न किया जाता है, जिसके अन्तर्गत पर्याप्त प्रयोगिक प्रक्रिया भी सम्मिलित की जा सकती है।

वैज्ञानिक अवलोकन में अनुसन्धान पद्धति का स्वरूप अधिक नियन्त्रित तथा वस्तुनिष्ठ रहता है। अध्ययन में वस्तुनिष्ठता तथा नियन्त्रण की मात्रा पर ही वैज्ञानिक अवलोकन के स्तर का आकलन किया जाता है।

वस्तुपरक अथवा वैज्ञानिक अवलोकन के अध्ययन से सम्बन्धित अनेक समस्यायें होती हैं। समस्याओं का अध्ययन अवलोकन द्वारा किया जाता है और अवलोकन से घटना के विभिन्न अंगों के प्रकार्यात्मक एकता स्थापित करने के बाद, उनमें वैधता के स्तर को निर्धारित किया जाता है। तदुपरान्त इससे अवलोकन से प्राप्त निष्कर्षों की वैधता की जाँच उपलब्ध होती है। अन्त में निष्कर्ष के विषय में विश्वसनीयता के स्तर की स्थापना की जाती है और विश्वसनीयता की स्थितियों के आधार पर निश्चित रूप से भविष्य कथन किया जाता है।

प्रस्तुत शोध में अनुसन्धानकर्ता ने दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन अवलोकन द्वारा किया है। अवलोकन से प्राप्त निष्कर्षों की वैधता की जाँच उपलब्ध हुई है। जिसके आधार पर निष्कर्ष के विषय में विश्वसनीयता के स्तर की स्थापना हुई है और विश्वसनीयता की स्थितियों के आधार पर निश्चित रूप से भविष्य कथन किये हैं।

साक्षात्कार अंग्रेजी के दो शब्दों 'INTER' + 'VIEW' से मिलकर बना 'INTERVIEW' का अर्थ–'आन्तरिक अवलोकन' करना है। इस प्रकार साक्षात्कार अथवा इण्टरव्यू का सम्मिलित शाब्दिक अर्थ 'देखना' या 'आन्तरिक अवलोकन करना' है।

ई. ई. मैक्कोनी एवं मैक्कोनी के अनुसार, ''साक्षात्कार से अभिप्रायः एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें एक व्यक्ति साक्षात्कार–कर्ता आमने–सामने के पारस्परिक मौखिक आदान–प्रदान से दूसरे व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को सूचना देने अथवा अपने विचार तथा विश्वास व्यक्त करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता है।''

पी. वी. यंग के अनुसार, ''साक्षात्कार को ऐसी व्यवस्थिति विधि माना जा सकता है, जिसके अन्तर्गत एक व्यक्ति काल्पनिक रूप से कम या अधिक एक ऐसे व्यक्ति के आन्तरिक जीवन में प्रवेश करता है, जो कि उसके लिए अपेक्षाकृत है।''

सिन पाओ यंग के अनुसार, ''साक्षात्कार क्षेत्र अध्ययन की ऐसी प्रविधि है, जिसके द्वारा एक अथवा अनेक व्यक्तियों के व्यवहार का निरीक्षण व कथनों का अभिलेख इस आशय से किया जाता है, ताकि प्राप्त निश्चित परिणामों के आधार पर एक सामाजिक अथवा समूह की अन्तर्क्रिया का अवलोकन (प्रेक्षण) किया जा सके। इस प्रकार यह ऐसा सामाजिक उपक्रम है, जिसमें प्रायः दो व्यक्तियों की अन्तर्क्रिया सम्बन्धित रहती है।''

कारलिंगर ने 'फाउण्डेशन ऑफ रिसर्च' अध्ययन में बताया है कि ''सामाजिक अन्तर–व्यक्तिगत भूमिका की ऐसी स्थिति है, जिसमें एक व्यक्ति, साक्षात्कारकर्ता, एक दूसरे व्यक्ति, जिसका साक्षात्कार किया जा रहा है या साक्षात्कार से इन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करना चाहता है, जिसकी रचना सम्बन्धित अनुसंधान समस्या के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु की गई है।''

साक्षात्कार की विभिन्न व्याख्याओं के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि साक्षात्कार आधुनिक वैज्ञानिक अनुसन्धान में एक साधारण प्रक्रिया नहीं है, बल्कि अब इसने एक विकसित कला तथा अध्ययन की वैज्ञानिक अनुसन्धान की पद्धति का रूप धारण कर लिया है। अब साक्षात्कार–कर्ता एक सामाजिक स्थिति में केवल पारस्परिक वार्तालाप से ही सम्बन्धित नहीं रह गया है, बल्कि साक्षात्कार में अब उनकी भूमिका सक्रिय तथा अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गई है। इस सन्दर्भ मे साक्षात्कार के स्वरूप का ठीक–ठीक जानना और समझना अति आवश्यक जान पड़ता है।

प्रस्तुत शोध में साक्षात्कार के आमने–सामने सहचर्यात्मक सम्बन्धों से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने समझने का प्रयत्न किया गया है। प्रस्तुत समस्या के गहन अध्ययन में उपलब्ध आयाम के आधार पर अथवा सामाजिक स्थिति से सम्बन्धित उपकल्पनाओं में सहायता मिली है। व्यक्तिगत एवं गुणात्मक तथ्यों की जानकारी प्राप्त की जा सकी है तथा आधार सन्दर्भों के मापों की जानकारी एवं प्रयोगिक अध्ययनों में जानकारी एवं योगदान प्राप्त हुआ है तथा प्रस्तुत विषय सामग्री की अपेक्षा प्रायोज्य प्रतिक्रियाओं का अध्ययन हुआ है।

ऐतिहासिक पद्धति अनुसन्धान की द्वितीयक पद्धति है। इसका विश्लेषणात्मक एवं विवरणात्मक तथ्यों को प्राप्त करने में महत्त्व है। इनके द्वारा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन में इसी आधार पर विविध प्रकार के भावों को विचारबद्ध किया गया है।

जनसंख्या

भारत देश एक विभिन्नता समाज है। यहाँ की भौगोलिक बनावट, जलवायु, जनसंख्या, जाति, प्रजाति, धर्म इतिहास, राजनीति, भाषा, संस्कृति एवं समाज की दृष्टि से भारत के विभिन्न भागों में विषमताएँ पाई जाती हैं। इसकी स्थिति मुख्य $8^0 4^1$ से $37^0 6^1$ उत्तरी अक्षॉश तथा $68^0 7^1$ से $97^0 25^1$ पूर्वी देशान्तर के बीच फैली हुई है। इसका क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी.है, जो हिमालय की हिमाच्छादित चोटियों से लेकर दक्षिण के उष्णकटिबन्धीय सघन वनों तक फैला हुआ है। विश्व के इस 7–वें विशालतम देश को पर्वत एवं समुद्र शेष एशिया से अलग करते हैं, जिससे इसका अलग भौगोलिक अस्तित्व है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वत श्रृंखला है, जहाँ से यह दक्षिण में बढ़ता हुआ कर्क रेखा तक, पूर्व में बंगाल की खाड़ी एवं पश्चिम में अरब सागर एवं दक्षिण में हिन्द महासागर तक फैला हुआ है। इसका विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3214 किमी. एवं पूर्व से पश्चिम तक 2933 किमी. है। इसकी भूमि सीमा लगभग 15200 किमी.है। मुख्य भूमि, लक्षद्वीप समूह व अंडमान–निकोबार द्वीप समूह के समुद्री तट की कुल लम्बाई 7516.6 किमी है। भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का मात्र 2.4% है।

वर्ष 1921 तक भारत की जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि नहीं हो पाई क्योंकि इससे पूर्व जन्म–दर एवं मृत्यु–दर 47–48 प्रति हजार के आस–पास ही बनी रही, परन्तु उसके बाद जन्म–दर में अन्तर निरन्तर बढ़ता चला गया। वर्ष 1921 में भारत की जनसंख्या 25.13 करोड़ हो गई। इस समय देश में प्रति डेढ़ सेकेण्ड में एक बच्चे का जन्म होता है और इस तरह प्रति वर्ष 1.3 करोड़ शिशुओं का जन्म होता है। भारत की वर्तमान जनसंख्या वृद्धि दर 2.35 करोड़ वार्षिक है जो अत्यधिक है। यदि यही दर (दशकीय 20%) बनी रही तो वर्ष 2040 तक भारत की जनसंख्या दो गुनी अर्थात् 2.4 अरब हो जाएगी। निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या गुणात्मक उन्नति की समस्त सम्भावनाओं की जड़ खोदती हुई जान पड़ रही है।

भारत में तीव्रगति से जनसंख्या वृद्धि देश की बड़ी समस्या है। जनसंख्या के विभिन्न गुणों के परिवर्तन से सामाजिक संरचनाओं में परिवर्तन होता है। **एडाल्फ कास्ट** के अनुसार, ''सामाजिक घटनाओं का उद्भव जनसंख्या की वृद्धि एवं उसके घनत्व पर आधारित है।''

कास्ट के अनुसार, सभ्यताओं का विकास भी जनसंख्या की वृद्धि पर आधारित है तथा जनसंख्या समाज के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करती है। समाज में सदस्यों की मृत्युदर जनसंख्या को प्रभावित करती है। जनसंख्या तथा उसके घनत्व में धनात्मक सम्बन्ध होता है। जनसंख्या में वृद्धि के साथ–साथ मृत्युदर में भी उसी अनुपात मे वृद्धि होती है।

माल्थस ने सर्वप्रथम जनसंख्या सम्बन्धी समस्याओं पर विश्लेषण किया और वर्ष 1798 में "Essay on the Principle of Population as its affects the Future Inprovement of Society" में प्रकाशित कराया तथा तीन वर्षों तक विदेश में भ्रमण करके जनसंख्या सम्बन्धी आँकड़े एकत्र कर यह निष्कर्ष निकाला कि गरीबी, बेरोजगारी, अभाव जनसंख्या का जीवन–निर्वाह के साधनों से अधिक बढ़ जाने का परिणाम है। अतः उन्होंने जनसंख्या वृद्धि को कड़े नियन्त्रण में रखने की वांछनीयता पर बल देकर वर्ष 1803 में "An Essay on the Principle of Population"

में अपने विचार विस्तृत रूप में रखा। जो कि माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त कहलाता है। इनके अनुसार, ''उत्पादन कलाओं की एक दी हुई स्थित के अन्तर्गत, जनसंख्या जीवन–निर्वाह के साधनों से अधिक तीव्रगति से बढ़ने की प्रवृत्ति दिखाती है।'' अर्थात जनसंख्या वृद्धि जीवन–यापन के साधनों–खाद्यान्न द्वारा सीमित होती है और खाद्यान्न वृद्धि होने की दर से अधिक होती है। इस सिद्धान्त के आधार पर जनसंख्या की वृद्धि की दर ज्यामित के अनुसार, 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64, 128, 256,...बढ़ती है और खाद्यान्न अंकगणतीय वृद्धि के अनुसार, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7,....बढते हैं एवं प्रत्येक 25 वर्ष में राष्ट्र की जनसंख्या दो गुनी हो जाती है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं दार्शिनिक '**माल्थस**' ने जनसंख्या वृद्धि के अनुपात की ज्यामितिक गति तथा संसाधनों के विकास के अनुपात अंकगणतीय ढंग से सिद्ध किया है। नगर (City)–आज विश्व में सभी देशों में नगरीकरण की गति तीव्र है जैसे पहले कभी नहीं रही है विकासशील देशों में जहाँ विश्व की तीन–चौथाई जनसंख्या रहती है, वहाँ जनसंख्या का स्थानान्तरण गाँव से नगरों की और बहुत हुआ है और हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विश्व की नगरीय आबादी तीव्र गति से बढ़ रही है।

आर.पर्ल के अनुसार, जनसंख्या के आकार तथा घनत्व पर ही जनसंख्या की वृद्धि निर्भर करती है। जनसंख्या के एक सीमा तक बढ़ जाने के पश्चात् उसकी वृद्धि दर घटने लगती है, परन्तु लोगों के आवास–व्यवस्था हो जाने पर पुनः जनसंख्या में वृद्धि होती है। समाज के सदस्यों के स्वास्थ्य व बीमारी का प्रत्यक्ष प्रभाव उसकी जन्म एवं मृत्यु दर पर पड़ता है। स्वस्थ होने पर मृत्युदर स्वाभाविक रूप से कम होगी। जन्मदर में अचानक वृद्धि से समाज में अनेक सामाजिक समस्यायें–बेरोजगारी, दरिद्रता, अकुशलता आदि उत्पन्न हो जाती है।

मोरलैण्ड के विचार से 17वीं शताब्दी के प्रारम्भ में अखण्ड भारत की जनसंख्या लगभग 1 से 12 करोड अनुमानित की गई थी किन्तु कार–साण्डस्, शिराज तथा मुखर्जी इससे सहमत नहीं थे। शिराज के अनुसार भारत की जनसंख्या 13 करोड़ थी और मुखर्जी के अनुमान के अनुसार 15 करोड़ रही होगी। किंग्सले डेविस के विचार से ईसा के 400 वर्ष पूर्व से 1800 ई. तक भारत की जनसंख्या 12 करोड़ के बीच रही जो 1871 में बढकर 25.5 करोड़ हो गई। इन आँकड़ों पर ध्यान देना उचित नहीं लगता, क्योंकि उस समय जन्म एवं मृत्युदर के आँकड़े सुनियोजित रूप से नहीं रखे जाते थे, जिसका प्रमुख करण अशिक्षा, रूढ़िवादिता थी। फिर भी यह अनुमान लगा सकते हैं कि बीमारियाँ विशेष कर प्लेग, अकाल, युद्ध आदि प्राकृतिक अवरोधों के कारण देश में दीर्घकाल तक जनसंख्या लगभग स्थाई रही होगी। इसके पश्चात् भारत की जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि होने लगी।[218]

गिस्ट और हेलबर्ट (**Gist and Halbert**) के अनुसार, सभ्यता की उत्पत्ति के साथ ही नगरों की उत्पत्ति भी हुई। मानवीय साधनों के विकास के साथ–साथ नगरों का भी विकास हुआ। आखेट और पशुपालन की अवस्था को पार करते हुए जब मनुष्य ने कृषि युग में प्रवेश किया उसी समय ग्राम एवं नगरों की उत्पत्ति हुई। कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय का भी जन्म हुआ। धीरे–धीरे जनसंख्या वृद्धि होने लगी और नगरों का विकास होना प्रारम्भ हो गया।

218 प्रो.विजय पाल सिंह एवं पूजा रस्तोगी, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, विजयनगर, मेरठ, वर्ष 2005,पेज 62

फेयर चाइल्ड के अनुसार–"नगरीयकरण का अर्थ नगरीय बनने की प्रक्रिया से है। अर्थात– व्यक्तियों का नगरीय क्षेत्रों का गमन तथा नगरीय प्रक्रियाओं, जनसंख्या तथा क्षेत्रों की वृद्धि।

नोइल प्रिण्ट और एल. एस. हर्बर्ट के अनुसार–नगरों की विशेषताओं का वर्गीकरण–(i) उत्पादन का केन्द्र (ii) व्यापार तथा वाणिज्य केन्द्र (iii) राजनीति राजधानियाँ (iv) सांस्कृतिक केन्द्र (v) दर्शनीय तथा अवकाश कालीन नगर (vi) विविधता पूर्ण नगर आदि। आधुनिक युग में नगरों की स्थापना उद्योग तथा तकनीकि के आधार पर हो रही है। वे स्थान पर बड़ी–बड़ी मिले व कारखाने स्थापित किये जा रहे हैं। वे स्वतः ही नगर बन जा रहे हैं।

भारत में पहली जनगणना 1872 ई. में सम्पन्न हुई लेकिन इसकी विधिवत शुरूआत 1881 ई. में लॉर्ड रिपन के कार्यकाल से मानी जाती है। तब से प्रति दस वर्षों के अन्तराल पर नियमित जनगणना होती रही है इसी क्रम में 31 मार्च 2011 को 1872 से लगातार 15–वीं और स्वतन्त्र भारत की लगातार 7–वीं जनगणना के समग्र अन्तिम आँकड़े 31 मार्च, 2011 को तथा अन्तिम आँकड़े 30 अप्रैल 2013 को जारी किए गए जबकि उत्तर प्रदेश राज्य स्तर पर अन्तिम आँकड़े 29 मई, 2013 को जारी किए गए। जनसंख्या की दृष्टि से संसार में चीन के बाद भारत का दूसरा स्थान है।[219] भारत की जनसंख्या वृद्धि को जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, जन्मदर एवं मृत्युदर के चरणों में विभाजित किया जा सकता है।

प्रत्येक दस वर्ष उपरान्त होने वाली जनगणना से भारत की जनसंख्या की स्थितियाँ एवं प्रवत्तियाँ पता चलती हैं। वर्ष 2001 तथा वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारतीय जनसंख्या तीव्रगति से बढ़ रही है तथा वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के दशक में इसका प्रतिशत 16.7 था। वर्ष 2011 में भारत की जनसंख्या 1210193422 थी जो विश्व की जनसंख्या का 17.7% थी, जबकि भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का 2.14% है। विश्व में चीन के पश्चात भारत का द्वितीय स्थान है। भारत की जनसंख्या तृतीय, चतुर्थ और पंचम स्थानों पर आने वाले देशों अर्थात् अमेरिका, इण्डोनेशिया तथा ब्राजील की जनसंख्या से भी अधिक है। भारत की जनसंख्या 1901 में 23.84 करोड़ थी जो 2011 में बढ़कर 121.019 करोड़ हो गई इस प्रकार 110 वर्षों की अवधि में भारत की जनसंख्या पाँच गुनी हो गई। वर्ष 1951 से तो जनसंख्या में वृद्धि तीब्रतम गति से हो रही है, जो जनसंख्या विस्फोट की स्थिति है।

भारत में लगभग 5.5 लाख ग्राम हैं। जिनमें देश की लगभग 72% जनसंख्या निवास करती है। स्त्रियों एवं पुरुषों के अनुपात की दृष्टि से भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में बहुत भिन्न है। विश्व के अधिकांश देशों में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों की संख्या अधिक है, जबकि भारत में कम है। इस दृष्टि से यह बंगलादेश तथा पाकिस्तान की श्रेणी में आता है। वर्ष 2011 में प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या 940 है। भारत में जीवन प्रत्याशा 1971 में 46 वर्ष थी जो 1981 में बढ़कर 54 वर्ष हो गई। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जन्मदर 21 एवं मृत्यदर 9 तथा जीवन–प्रत्याशा 69.89 वर्ष (2009 अनुमानित) वर्ष तथा कुल साक्षता 74.04%, जिनमें 82.14% पुरुष एवं 65.48% स्त्रियाँ हैं।

219 जगरण वार्षिकी, दैनिक जागरण प्रेस, सेक्टर 63, नोयडा, वर्ष 2015, पेज 298

जनगणना–1971 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 54.74 करोड़ थी जिसमें 10.88 करोड़ व्यक्ति नगरों में निवासी थे। वर्ष 1971 में देश में 3,126 व 1981 में 4,029 एवं 1991 में 4,689 नगर थे। यद्यपि वर्ष 1951 से 1991 के बीच कुल जनसंख्या में 2.3 गुना वृद्धि हुई, किन्तु जनसंख्या का पुनर्वितरण बड़ा आश्चर्यजनक रहा है, क्योकि 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरो की आबादी छह गुना से अधिक वृद्धि हुई। दस लाख आबादी वाले शहर 1951 में मात्र 5 थे जो 2001 में बढ़कर 35 हो गए। 2011 की जनगणना में ऐसे शहरों की संख्या 50 हो सकती है। 50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले चार महानगर ग्रेटर मुम्बई, जिसकी जनसंख्या 1.63 करोड से अधिक ही है, उसके बाद कोलकाता (1.32 करोड़), दिल्ली (1.27 करोड़) एवं चेन्नइ (64.24 लाख) नगर में आते हैं। भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है। जहाँ 49.8% जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती है इसके बाद तमिलनाडू (44.1%) महाराष्ट्र (42.4%) गुजरात (37.4%)है। उत्तर प्रदेश में 20.1% मध्य प्रदेश में 26.5%, राजस्थान में 23.4% तथा बिहार 10.5% जनसंख्या नगर में निवास करती है। उपर्युक्त सभी तथ्यों में स्पष्ट है कि भारत में नगरीयकरण 1951–2001 के दशकों में अधिक हुआ है फिर भी दूसरे देशों की तुलना में यह गति धीमी है। इस बढ़ते नगरीकरण में भारत में अनेकों सामाजिक–आर्थिक समस्याओं पविर्तनों एवं प्रभावों को जन्म दिया है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत के शीर्ष 10 राज्य व देश की जनसंख्या में उनका प्रतिशत

राज्य	जनसंख्या प्रतिशत	घनत्व
उत्तर–प्रदेश	9.29	382
महाराष्ट्र	8.50	365
बिहार	8.50	1104
पश्चिम बंगाल	7.55	1029
आंध्र–प्रदेश	7.0	308
मध्य–प्रदेश	6.0	236
तमिलनाडु	5.96	555
राजस्थान	5.67	201
कर्नाटक	5.05	319
गुजरात	4.99	308

जनगणना–2011 के अनुसार, 1 मार्च 2011 को भारत की अनन्तिम जनसंख्या 1210193422 (62372228 पुरुष, 586469174 स्त्री) हैं। कुल साक्षरों की संख्या 778454120 (444203762 पुरुष, 586469174 स्त्री) हैं।[220] देश की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या का 17. 3% है, जबकि भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का 2.4% है। जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. रहा जो पिछले दशक से 57 अंक अधिक रहा है। कुल साक्षरता 65. 38%, जिनमें 75.85% पुरुष, 54.11% स्त्रियाँ हैं। लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर 940 स्त्रियाँ रही है। वर्ष 1971 में जीवन प्रत्याशा 46 वर्ष थी जो वर्ष 2009 में बढ़कर 69.89 वर्ष हो गई। वर्ष 2009 में अनुमानित जन्म दर 22.22 जन्म प्रति 1000 जनसंख्या, मृत्युदर 6.4 मृत्यु प्रति 1000 एवं आयु–प्रत्याशा 69.89 वर्ष[221] जिनमें पुरुष 67.46 वर्ष, स्त्री 72.61 वर्ष हो गई।

220 छत्तीसगढ़ समसामायिकी 2011–12, चिन्मय सागर, सिविल अकादमी लेखन सहयोग, गीतांजली–11
221 जागरण वार्षिकी, दैनिक जागरण प्रेस, सेक्टर 63, नोयडा, वर्ष 2015, पेज 298

जनसंख्या और जनगणना में प्रयुक्त सिद्धान्त

1. **जन्मदर** एक वर्ष के अन्दर वृद्धि में प्रति हजार जनसंख्या पर बच्चों की जन्म संख्या।

$$\textbf{जन्म दर} = \frac{\text{एक वर्ष में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या}}{1000}$$

2. **मृत्युदर** एक वर्ष के अन्दर प्रति हजार जनसंख्या में मृत्युओं की संख्या।

$$\textbf{मृत्युदर} = \frac{\text{एक वर्ष में मृत्युओं की संख्या}}{1000}$$

3. **जीवन प्रत्याशा** जन्म होने के उपरान्त लोगों के जीवित रहने की आयु या औसत आयु।

4. **जनसंख्या घनत्व** एक वर्ग किमी में निवास करने वाले कुल लोगों की औसत संख्या।

5. **जनसंख्या** एक परिवार, एक समुदाय, एक क्षेत्र, एक जनपद, एक राष्ट्र अथवा संसार में निवास करने वाले कुल लोगों की संख्या।

6. **जनसंख्या–वृद्धि** एक वर्ष एवं दस वर्षों की जनगणना–10 वर्ष के अन्तराल पर से जनसंख्या की वृद्धि निर्धारित होती है।

$$\textbf{जनसंख्या वृद्धि} = \frac{\text{1 वर्ष में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या}}{1000} - \frac{\text{1 वर्ष में मौतों की संख्या}}{1000}$$

7. **लिंगानुपात** प्रति हजार पुरुषों में स्त्रियों की संख्या।

8. **साक्षरता/जनसंख्या दर**

$$\textbf{जनसंख्या वृद्धि दर} = \frac{\text{पूर्व जनसंख्या} - \text{नवीन जनसंख्या}}{100}$$

$$\textbf{साक्षरता दर} = \frac{\text{पूर्व जनगणना में साक्षरता} - \text{जनगणना में साक्षरता}}{100}$$

9. **साक्षरता**–जनगणना में 7 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की गणना की जाती है जो कि किसी भाषा में लिख व पढ़ सकते हैं।

$$\textbf{साक्षरता\%} = \frac{\text{7 वर्ष अथवा उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों की साक्षर संख्या}}{100}$$

निदर्श

प्रस्तुत शोध 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ' उत्तर प्रदेश राज्य के फर्रूखाबाद जनपद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन में आँकड़ों को मुख्यतः दो स्रोतों से एकत्र किया जा सकता है। अनुसन्धान सम्बन्धी आँकड़ों के एकत्रीकरण के इन दो स्रोतों से सम्बन्धित दो अध्ययन पद्धतियाँ– (i)– संगणक पद्धति अथवा प्राचलिक पद्धति, (ii)– अप्राचलिक पद्धति या प्रतिचयन विधि हैं।[222] संगणना पद्धति अथवा समष्टि अथवा प्राचलिक पद्धति में सम्पूर्ण जनसंख्या अथवा समष्टि की समस्त इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। जब किसी समूह, समुदाय, समाज या देश की सम्पूर्ण जनसंख्या या समष्टि के स्तर पर प्रत्येक इकाई से किसी गुण या विशेषता के सम्बन्ध में आँकड़ों को एकत्र किया जाता है या समस्या का अध्ययन किया जाता है तो यह संगणना पद्धति कहलाती है। समष्टि मुख्यतः परिसीमित एवं अपरिमित दो प्रकार की होती है। जब समष्टि सीमित होती है तो वह परिमित समष्टि कहलाती है। जब समष्टि असीमित अथवा दूर–दूर तक फैली होती है तब जनसंख्या अपरिमित समष्टि कहलाती है। अप्राचलिक विधि या प्रतिचयन का आधार प्रतिदर्श होता है।

प्रस्तुत अध्ययन में अप्राचलिक विधि या प्रतिचयन की सहायता से प्रतिदर्श पर अनुसन्धान समस्या का अध्ययन किया गया है। अप्राचलिक विधि अथवा प्रतिचयन का आधार प्रतिदर्श है। प्रस्तुत शोध में दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ का प्रतिदर्श समष्टि अथवा सम्पूर्ण जनसंख्या का वह एक अंश है जिसमें अपनी समष्टि की समस्त विशेषताओं का स्पष्ट प्रतिबिम्ब है। इस सन्दर्भ में :

पी. वी. यंग के अनुसार, ''प्रतिदर्श अपने समस्त समूह का एक लघु चित्र होता है।''

यदि समष्टि का स्वरूप समजातीय (जब कोई गुण या विशेषता समष्टि की प्रत्येक इकाई पर समान रूप से वितरित किया जाता है) रहता है, तब प्रतिदर्श के चयन में कठनाई नहीं होती, परन्तु जब समष्टि का स्वरूप विषमजातीय (जब कोई गुण अथवा विशेषता समष्टि की प्रत्येक इकाई पर समान रूप से वितरित नहीं किया जाता है) रहता है, तब प्रतिदर्श की इकाइयों के चयन के लिए प्रतिचयन (Sampling) प्रक्रिया का उपयोग करना पड़ता है।

डेमिंग के अनुसार, ''प्रतिचयन वह कला एवं विज्ञान है, जिसकी सहायता से उपयोग में लाये जाने वाले आँकड़ों की विश्वसनीयता पर प्रसम्भाव्यता सिद्धान्त द्वारा नियन्त्रण रखा जाता है, जिसकी सहायता से एक समष्टि से सम्बन्धित वैज्ञानिक अध्ययन के लिये कम से कम इकाइयों के उपयोग की आवश्यकता पड़ती है। इस प्रकार प्रतिचयन के द्वारा प्रतिदर्श को अपनी समष्टि का प्रतिनिधि बनाया जाता है।''

समष्टि के मध्यमान, मध्यांक, बहुलक और प्रमाणिक विचलन आदि को सांख्यिकीय भाषा में प्राचल (Parameter) कहते हैं एवं प्रतिदर्श के मध्यमान, मध्यांक, बहुलांक और प्रमाणिक विचलन आदि को आकल (Estimate) कहते हैं। जब प्रतिदर्श द्वारा अनुसन्धान समस्या का

222 गर्ग ए. के. एवं जैन के. आर, सांख्यिकीय विश्लेषण, स्वाती प्रकाशन, इण्डियन प्रेस, राजेन्द्रनगर, मेरठ, वर्ष 2017, पेज 21.1

अध्ययन किया जाता है तब अध्ययन में आकल के आधार पर प्राचल के सम्बन्ध में अनुमान लगाकर परिणामों का सामान्यीकरण किया जाता है। आकल के आधार पर प्राचल के सम्बन्ध में शुद्ध अनुमान तभी लगाया जा सकता है जब चुना गया प्रतिदर्श प्रतिनिधिपूर्ण हो।

प्रतिनिधिपूर्ण प्रतिदर्श सांख्यिकीय अवधारणाओं पर एक प्रक्रिया है। सांख्यिकीय वैज्ञानिकों ने ऐसी सांख्यिकीय विधियों का विकास किया है, जिसकी सहायता से एक छोटे प्रतिदर्श से भी अध्ययन करके सम्पूर्ण जनसंख्या का समष्टि के सम्बन्ध में वैज्ञानिक निष्कर्ष प्राप्त किए जाते हैं। इस प्रकार से सांख्यिकीय विधियों को प्रतिचयन सांख्यिकीय कहते हैं।

प्रतिदर्श का चयन किसी न किसी प्रतिचयन विधि से किया जाता है। प्रतिदर्श चुनते समय अनुसन्धान–कर्ता अध्ययन उद्देश्य का परिभाषीकरण, समष्टि का परिभाषीकरण, स्रोत–सूची, प्रतिदर्श के आकार का निर्धारण, साधनों की उपलब्धि, शोध की प्रकृति, इकाइयों का भौगोलिक वितरण, आवश्यक शुद्धता की मात्रा का पूर्व निर्धारण (0.1 या 0.5 सार्थकता स्तर), प्रतिचयन आदि पदों के आधार पर प्रतिदर्श का चुनाव करता है। प्रतिदर्श के पदों का क्रम निश्चित नहीं होता है। अनुसन्धान–कर्ता को इन सभी बिन्दुओं पर लगभग एक साथ विचार करना पड़ता है। प्रतिचयन मुख्यतः दो प्रकार के प्रचलित हैं– (i) असम्भाव्य तथा (ii) सम्भाव्य प्रतिचयन। प्रतिचयन के वर्गीकरण में असम्भाव्य प्रतिचयन के अन्तर्गत उद्देश्यपूर्ण अथवा सविचार प्रतिचयन, अंश प्रतिचयन, आकस्मिक प्रतिचयन, सुविधानुसार प्रतिचयन, स्वेच्छानुसार प्रतिचयन है तथा सम्भाव्य प्रतियचन के अन्तर्गत अनियत अथवा संयोगिक प्रतिचयन, वर्गबद्ध प्रतिचयन, क्लस्तर प्रतिचयन, द्विस्तर प्रतिचयन है। चुने गए प्रतिदर्श की विश्वसनीयता ज्ञात करने के चार उपागम– (i) समान्तर प्रतिचयन, (ii) समष्टि तुलना, (iii) प्रतिदर्श से प्रतिचयन अथवा उपप्रतिदर्श, (iv) मानक त्रुटि हैं। इन चारों उपागमों में सार्थकता परीक्षण अथवा मानक त्रुटि परीक्षण सर्वश्रेष्ठ है। कठिनाई यह है कि सभी प्रतिदर्शों की मानक त्रुटियाँ ज्ञात नहीं होती हैं। मानकत्रुटि सम्भाव्य प्रतिचयन में ही उपलब्ध होती है।

मानकत्रुटि $(SE_m) = S / \sqrt{N-1}$

संकेतः–S $\Rightarrow$ प्रतिदर्श का प्रमाणिक विचलन, **N** $\Rightarrow$ प्रतिदर्श की इकाइयों की संख्या।

मानक त्रुटि का मान 1.96 से जितना अधिक या कम होता है तो यह माना जाता है कि चुने गए प्रतिदर्श में विशेषताएँ और भिन्नतायें कम हैं अर्थात् प्रतिदर्श विश्वसनीय है। दूसरी ओर जब मानक त्रुटि की मात्रा 1.96 से बढ़ती है और जितनी अधिक बढ़ती है तो उतना ही विश्वास किया जाता है कि प्रतिदर्श में विशेषताएँ और भिन्नताएँ अधिक हैं और वह समष्टि का प्रतिनिधि नहीं है अर्थात् चुना गया प्रतिदर्श विश्वसनीय नहीं है।

प्रस्तुत अध्ययन में मानव दरिद्र सूचकांक (H. P. I.) की संकल्पना का त्याग, करके बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक (H. D. I.) की संकल्पना को अपनाया गया है। M. P. I. की गणना के लिए बहुआयामी दरिद्रता से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या से अनुपात (जिसे व्यक्ति गणना अनुपात अथवा head count ratio कहा जाता है) को प्रत्येक बहुआयामी दरिद्र परिवार की

औसत वंचना (जिसे दरिद्रता की गहनता अथवा intensity of poverty कहा जाता है) के साथ गुणा किया गया है। M. P. I. में H. D. I. को प्रतिबिम्बित करने वाले 3 आयाम–स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर लिए गए हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर–को 10 सूचकों में विभाजित किया गया है। जिनके अधिकतम अंक(score) 100% है। प्रत्येक आयाम को समान भार दिया गया है (इस प्रकार प्रत्येक आयाम का अधिकतम अंक 33.3% है)। शिक्षा एवं स्वास्थ्य आयामों में से प्रत्येक में 2 सूचक हैं, इस प्रकार प्रत्येक अंश (Component) का भार 5/3 अथवा (16. 7%) है। जीवन–स्तर में 6 सूचक हैं, इस प्रकार प्रत्येक अंश का भार 5/9 या (5.6%) है।

शिक्षा आयाम के दो सूचक हैं–(i) किसी ने भी पाँच तक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है, तथा (ii) स्कूल (आठवीं कक्षा तक) में जाने योग्य कम–से–कम एक बालक/बालिका जो स्कूल में नामांकित नहीं है। स्वास्थ्य आयाम के लिए दो सूचक हैं– (i) परिवार का कम–से–कम एक सदस्य कुपोषित है, तथा (ii) एक अथवा एक से अधिक बच्चे की मृत्यु हुई है। जीवन स्तर के लिए 6 सूचक हैंः (i) बिजली नहीं है, (ii) स्वच्छ पेय जल उपलब्ध नहीं है, (iii) उपयुक्त सफाई अथवा स्वच्छता का प्रबन्ध नहीं है, (iv) घर में फर्श गन्दा है, (v) परिवार भोजन बनाने के लिए उपलों, लकड़ी या काठकोयले जैसे निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करता है, तथा (vi) परिवार के पास कार अथवा ऐसा मोटर–चालित कोई वाहन नहीं है तथा उसके पास परिसम्पत्तियों में ज्यादा–से–ज्यादा एक परिसम्पत्ति है– साइकिल, मोटर साइकिल, रेडियो, फ्रिज, टेलीफोन अथवा मोबाइल अथवा टेलीविजन।[223]

बहुआयामी दरिद्रता से ग्रस्त लोगों का पता लगाने के लिए, प्रत्येक परिवार के लिए वंचन अंक (Deprivation score) को जोड़कर पारिवारिक वंचन (Household deprivation) C प्राप्त किया जाता है। दरिद्रों तथा अन्य लोगों (Non-poor) में अन्तर करने के लिए 33.3% का विच्छेदन (Cut off) लिया गया है जो भारित सूचकों के एक–तिहाई के समकक्ष है। यदि C 33.3% या उससे अधिक है तो परिवार तथा उसका प्रत्येक सदस्य बहुआयामीय दरिद्र है। जिन परिवारों का वंचन अंक या C 20-33.3% के बीच है उनके बहुआयामीय दरिद्र बनने का खतरा है। जिन परिवारों का वंचन अंक 50% या उससे अधिक है वे गम्भीर रूप से बहुआयामीय दरिद्र हैं।[224]

बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक (M. P. I.) का मान प्राप्त करने के लिए दो सूचकों को गुणा किया गया हैः (i) व्यक्ति गणना अनुपात तथा (ii) दरिद्रता की गहनता।

व्यक्ति गणना अनुपात जनसंख्या का वह अनुपात है जो बहुआयामीय रूप से दरिद्र हैं। यदि गणना अनुपात H,q बहुआयामीय आधार पर दरिद्र व्यक्ति तथा n कुल जनसंख्या है तो

$$H = q/n$$

'दरिद्रता की गहनता' (संकेत A) उन दरिद्रता के सूचकों का भारित अनुपात है जिनमें दरिद्र व्यक्तियों को वंचन (Deprivation) का सामना करना पड़ रहा है। केवल दरिद्र

223 पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयन पब्लिसिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज 195.
224. वही, पेज 196

परिवारों के लिए वंचन अंकों (Deprivation Scores) का समग्रीकरण किया गया है तथा उसे दरिद्रों की कुल संख्या से भाग किया गया है।[225] इस प्रकार,

$A = \Sigma^{q} c_1/q$ जहाँ c दरिद्रों को प्राप्त होने वाला वंचन है।

बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक निम्न सूत्र से ज्ञात किया गया है–

MPI = H.A

प्रस्तुत अध्ययन में **सेण्डलर** का A–परीक्षण सिद्धान्त[226] दो समूहों के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता की जाँच हेतु प्रयोग किया गया है। इसके माध्यम से जाँच की गणना का कार्य केवल सुविधाजनक ही नहीं रहा, बल्कि शीध्रता से भी पूरा हुआ है। A–परीक्षण द्वारा कुल अधिकतम अंकों एवं प्राप्तांकों के दो समूहों के अन्तर की जाँच के लिए पहले कुल अंकों एवं प्राप्तांकों की दोनों स्थितियों का अन्तर (D) अलग–अलग ज्ञात किया है। इसके पश्चात् प्रत्येक प्राप्तांक अन्तर (D) के मान को वर्गित (D^2) किया है। अन्त में वर्गित मान के योग ($\sum D^2$) को अन्तर मान के योग के वर्ग $(\sum D)^2$ से विभाजित कर A मान ज्ञात किया है।

$$A = \sum D^2 / (\sum D)^2$$

N→ साक्षात्कारदाताओं की कुल संख्या = 1000

S.D.→ साक्षात्कारदाताओं की कुल संख्या–1 = 999

$\sum n_1$→उत्तर के लिए अधिकतम अंकों का योग

$\sum n_2$→ उत्तरदाताओं के प्राप्तांकों का योग

$M_1 = \sum n_1 / n_1 = \sum n_1 / 1000$

$M_2 = \sum n_2 / n_2 = \sum n_2 / 1000$

$\sum D$→ कुल अंकों एवं प्राप्तांको के अन्तर का योग

$\sum D^2$→कुल अंको एवं प्राप्तांको के अन्तर के वर्ग का योग

प्रस्तुत अध्ययन की अनुसूची के प्रश्न 1 से 29 तक की गणना में प्राप्त A का मान सिद्धान्त के अनुरूप जितना ही कम रहा है, वह उतना ही अधिक विश्वसनीय तथा सार्थक रहा है।

225. पुरी वी.पी. और मिश्र एस.के, भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालयन पब्लिसिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014, पेज 196.
226 सांख्यिकीय विश्लेषण

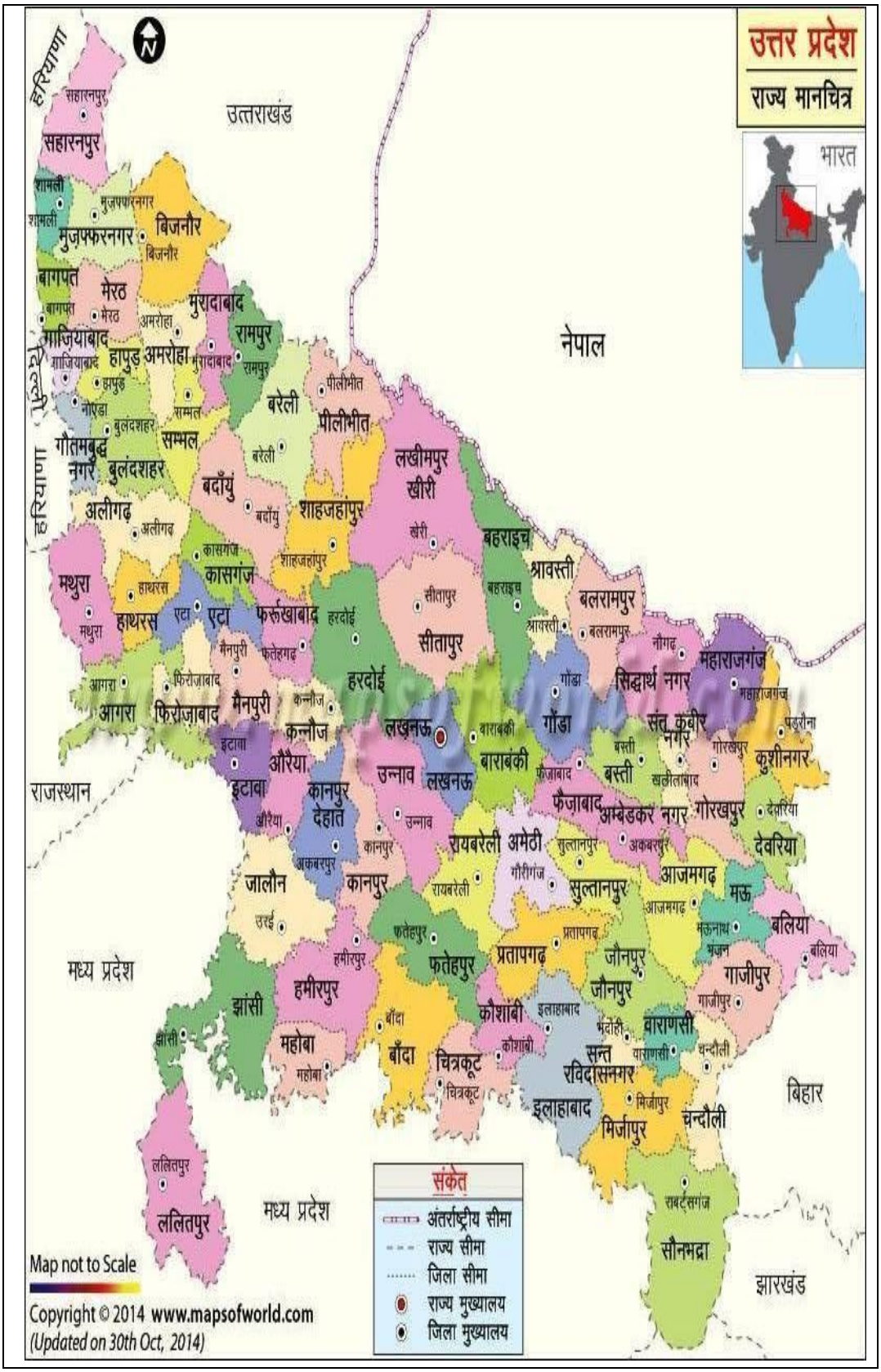
उत्तर प्रदेश
राज्य मानचित्र
भारत
उत्तराखंड
नेपाल
हरियाणा
राजस्थान
मध्य प्रदेश
बिहार
झारखंड
सहारनपुर
शामली
मुज़फ्फरनगर
बिजनौर
बागपत
मेरठ
मुरादाबाद
रामपुर
गाज़ियाबाद
हापुड़
अमरोहा
बरेली
पीलीभीत
सम्भल
गौतमबुद्ध नगर
बुलंदशहर
बदाँयु
लखीमपुर खीरी
अलीगढ़
शाहजहांपुर
बहराइच
श्रावस्ती
मथुरा
हाथरस
कासगंज
एटा
फर्रुखाबाद
हरदोई
सीतापुर
बलरामपुर
आगरा
फिरोज़ाबाद
मैनपुरी
कन्नौज
लखनऊ
गोंडा
सिद्धार्थ नगर
महाराजगंज
संत कबीर नगर
कुशीनगर
इटावा
औरैया
उन्नाव
बाराबंकी
बस्ती
फैज़ाबाद
अम्बेडकर नगर
गोरखपुर
देवरिया
कानपुर देहात
रायबरेली
अमेठी
सुल्तानपुर
आजमगढ़
मऊ
जालौन
कानपुर
फतेहपुर
प्रतापगढ़
बलिया
हमीरपुर
जौनपुर
गाजीपुर
झांसी
महोबा
बाँदा
कौशांबी
इलाहाबाद
वाराणसी
चित्रकूट
सन्त रविदासनगर
मिर्जापुर
चन्दौली
ललितपुर
सोनभद्रा
संकेत
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
राज्य सीमा
जिला सीमा
राज्य मुख्यालय
जिला मुख्यालय
Map not to Scale
Copyright © 2014 www.mapsofworld.com
(Updated on 30th Oct, 2014)

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित है। इसकी उत्तरी सीमा अन्तर्राष्ट्रीय रेखा है जो भारत को नेपाल से अलग करती है। जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से इसका स्थान पाँचवाँ है। इस राज्य का इतिहास काफी प्राचीन है। उत्तर प्रदेश में पाषाण युगीन संस्कृति से लेकर नवपाषाण काल, ताम्रयुगीन, हड़प्पा संस्कृति आदि तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश वैदिक काल के भारद्वाज, याज्ञवल्क्य, वशिष्ट, विश्वामित्र, बाल्मीक जैसे महान मुनियों की कर्मभूमि रहा है। आर्यों की कई पुस्तकें भी इसी प्रदेश में लिखी गई हैं। भारत के दो महान महाकाव्य–रामायण और महाभारत की कथा भी इसी क्षेत्र में लिखी गयी तथा रामायण और महाभारत के प्रेरणा स्रोत भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अतिरिक्त ईसा पूर्व छठी शताब्दी में उ. प्र. जैन व बौद्ध धर्मों के सम्पर्क में आया।[227] महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी के निकट सारनाथ में दिया तथा कुशीनगर में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के प्रयाग, वाराणसी और मथुरा नगर विद्या–अध्ययन के प्रसिद्ध केन्द्र रहे। मध्यकाल में उ. प्र. मुस्लिम शासकों के अधीन रहा जिससे हिन्दू एवं इस्लाम के सम्पर्क से एक नई मिली–जुली संस्कृति का जन्म हुआ। वर्ष 1857 के बाद उ. प्र. में अपना आधिपत्य कायम करने के बाद अंग्रेजों ने आगरा और अवध प्रांत को मिलाकर एक संयुक्त प्रान्त बनाया, जिसे संयुक्त प्रान्त (यूनाइटेड प्रॉविन्स) नाम दिया गया। स्वतन्त्रता उपरान्त 1950 में इसका नाम संयुक्त प्रान्त से बदलकर उत्तर प्रदेश कर दिया गया।

जनगणना–2011 के अनुसार, उ.प्र. का कुल क्षेत्रफल 240928 वर्ग किमी., जनसंख्या घनत्व 829 व्यक्ति/वर्गकिमी., लिंगानुपात 1000 : 918 है।[228] कुल जनसंख्या 199812341, नगरीय जनसंख्या 44495063, ग्रामीण जनसंख्या 155317278 तथा साक्षरता 67.7% है। कुल साक्षर जनसंख्या 135272955, जिनमें 77511403 (77.3%) पुरुष, 77376130 (57.2%) स्त्रियाँ हैं।[229] दरिद्रता रेखा के नीचे गुजरा करने वालों की जनसंख्या (2011–12)–58804772 (29.43%) है। प्रदेश में लगभग 66% जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं लगभग 167.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि होती है। गन्ना राज्य की प्रमुख नगदी फसल है। यह आलू, तिलहन का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। राज्य में वस्त्रोद्योग एवं चीनी उद्योग दो महत्त्वपूर्ण उद्योग है। इसके अतिरिक्त राज्य में चमड़े का काम सर्वाधिक मात्रा में होता है। आगरा एवं कानपुर चमड़े के उद्योगों का मुख्य केन्द्र है। भारत में महाराष्ट्र के बाद उ. प्र. दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक सम्पदा प्रचुर मात्रा में है। राज्य के कुल क्षेत्रफल के 1688844 हेक्टेयर भाग पर वन पाये जाते हैं। राज्य का उत्तरी भाग हिमालय पर्वत के निकट होने के कारण यहाँ अपेक्षाकृत ठंडी जलवायु रहती है। जबकि मध्य भाग मैदानी है और दक्षिणी भाग पठारी है। फलतः इन भागों में मौसम गर्म रहता है। सामान्यतः नवम्बर–फरवरी शीतऋतु, मार्च–जून ग्रीष्मऋतु तथा जुलाई–सितम्बर के बीच यहाँ वर्षा का मौसम होता है।

227 त्रिवेदी आदित्य कुमार, जिला फर्रूखाबाद, नन्दन पुस्तक भण्डार किराना बाजार–फर्रूखाबाद, प्रथम संस्करण, वर्ष 2002, पे.7
228 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.
229 उत्तर प्रदेश तथ्य सार, सम–सामायिक घटना चक्र, 188ए/128 एलनगंज, चर्च लेन, इलाहाबाद, वर्ष 2016, पेज 3

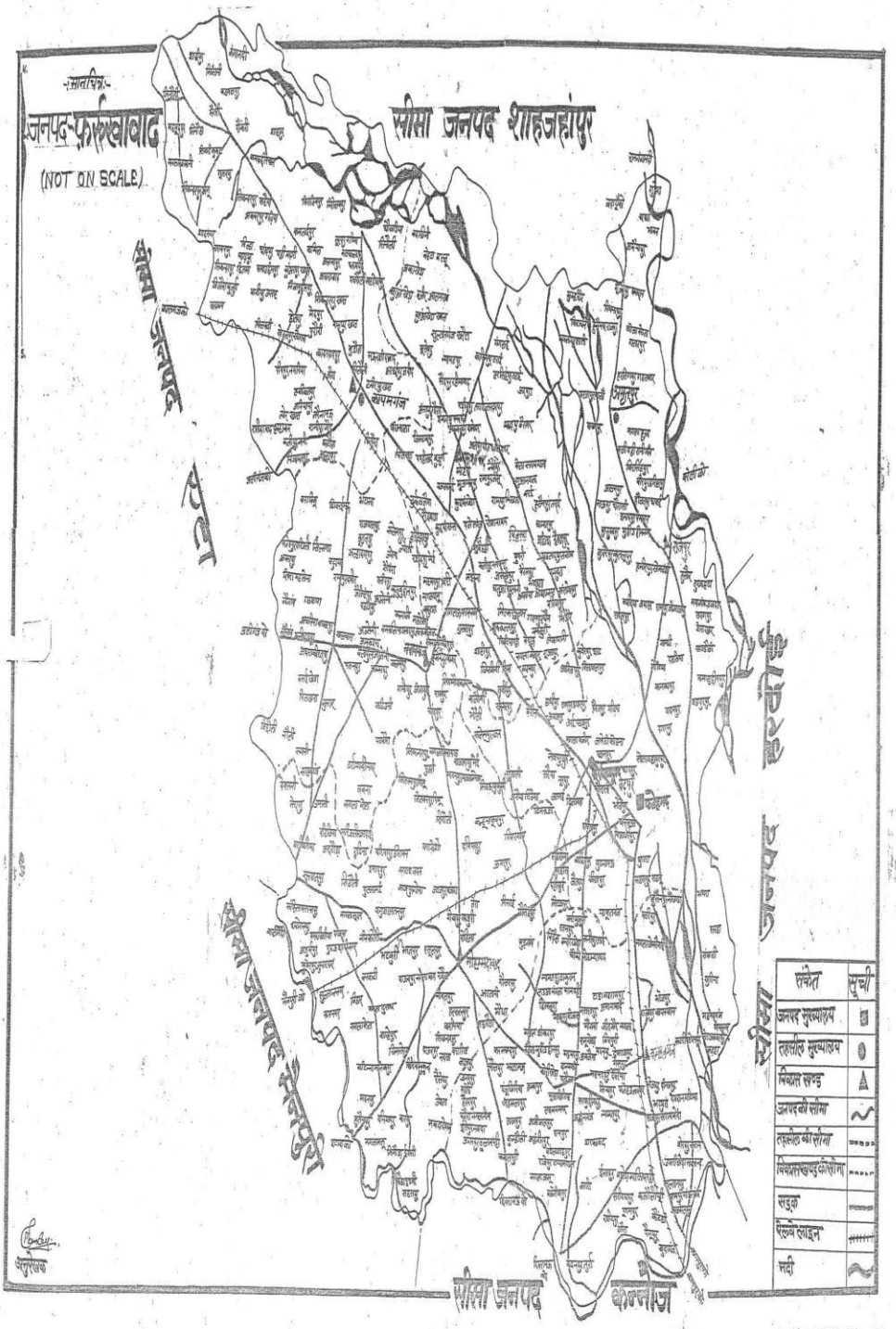
-मानचित्र-
जनपद-फर्रुखाबाद
(NOT ON SCALE)
सीमा जनपद शाहजहांपुर
सीमा जनपद हरदोई
सीमा जनपद कन्नौज
सीमा जनपद कानपुर देहात
संकेत
सूची
जनपद मुख्यालय
तहसील मुख्यालय
विकास खण्ड
जनपद की सीमा
तहसील की सीमा
विकासखण्ड की सीमा
सड़क
रेलवे लाइन
नदी

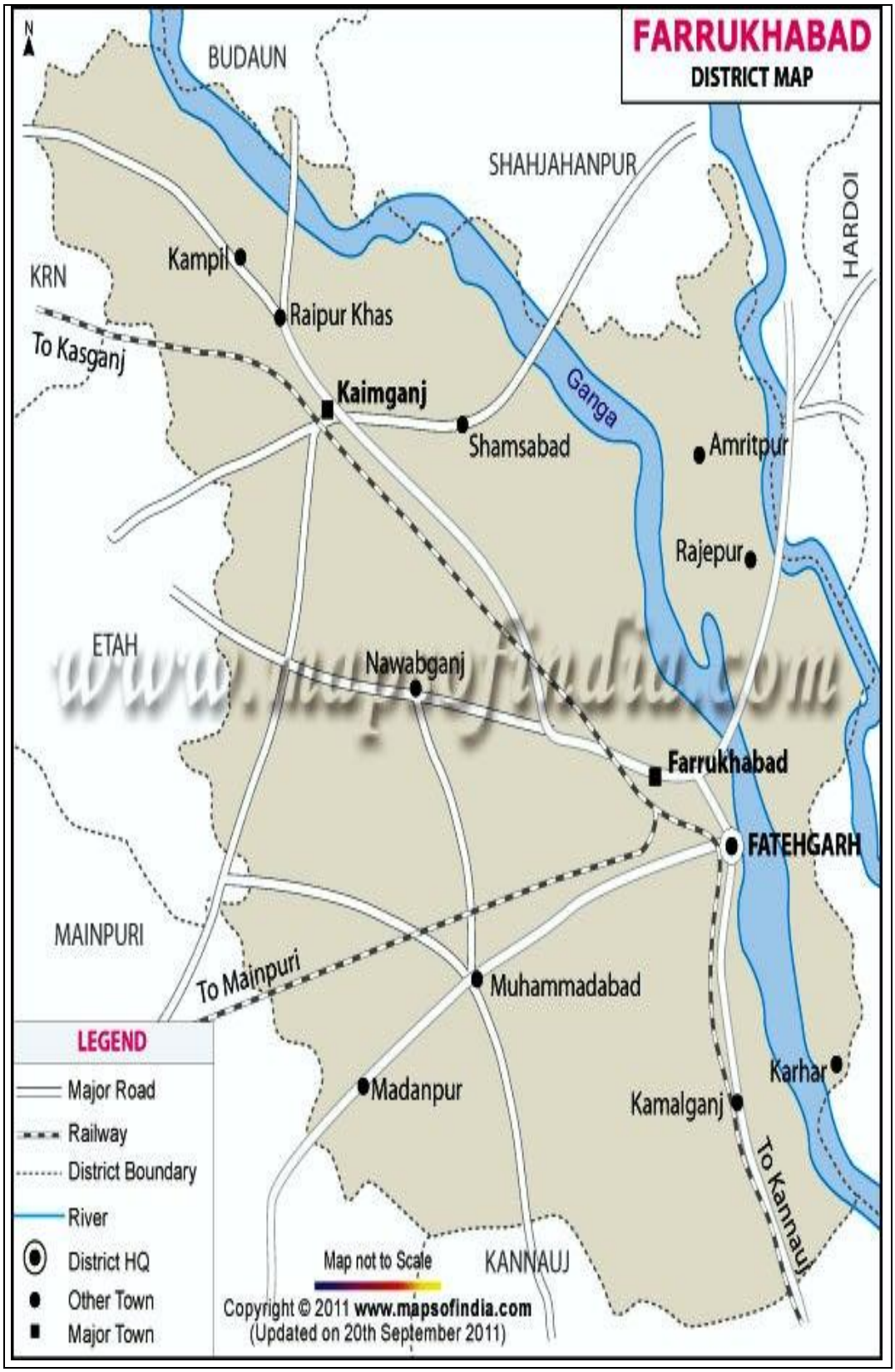
FARRUKHABAD
DISTRICT MAP
N
BUDAUN
SHAHJAHANPUR
HARDOI
KRN
Kampil
Raipur Khas
To Kasganj
Kaimganj
Ganga
Shamsabad
Amritpur
Rajepur
ETAH
Nawabganj
Farrukhabad
FATEHGARH
MAINPURI
To Mainpuri
Muhammadabad
Madanpur
Karhar
Kamalganj
To Kannauj
KANNAUJ
Map not to Scale
Copyright © 2011 www.mapsofindia.com
(Updated on 20th September 2011)
LEGEND
Major Road
Railway
District Boundary
River
District HQ
Other Town
Major Town

जनपद फर्रूखाबाद

'फर्रूखाबाद' शब्द का आधार **उर्दू** के दो शब्दों **'फर्रूख'** एवं **'बाद'** है। **'फर्रूख'** का तात्पर्य 18वीं सदी के मुगल शासक **'फर्रूखशियर'** व **'बाद'** का तात्पर्य **'नगर या शासन'** है।[230]

फर्रूखाबाद जनपद उत्तर प्रदेश के कानपुर मण्डल का भाग है। जनपद का मुख्यालय फतेहगढ़ है। इसका परिमाप 105 किमी. लम्बा तथा 60 किमी. चौड़ा है। इसका क्षेत्रफल 2181 वर्ग किलोमीटर है। फर्रूखाबाद नगर दिल्ली के उत्तर–पूर्व में 308 किमी. एवं लखनऊ से पश्चिम में 218 कि.मी. दूरी पर स्थित है। गंगा, रामगंगा एवं काली नदी इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ हैं।[231] मुख्य नदी गंगा एटा से आती हुई उत्तरी कोने से प्रवेश करती है तथा बदायूँ और शाहजहाँपुर जनपदों को फर्रूखाबाद जनपद से प्रथक करती है। जनपद का कुछ क्षेत्र उत्तरी–पूर्वी भाग गंगा के उस पार है शेष सम्पूर्ण जनपद गंगा के इसी ओर दक्षिण–पश्चिम में बसा है। गंगा की धारा प्रत्येक वर्ष अपना रास्ता थोड़ा–बहुत बदल देती है। किसी समय यह कम्पिल, कायमगंज और शमशाबाद के बहुत पास होकर बहती थी परन्तु आज यह इन स्थानों से लगभग 3–4 किमी. दूर बहती है। दूसरी नदी रामगंगा शाहजहाँपुर से आकर जनपद फर्रूखाबाद में कुछ दूर बहकर हरदोई जनपद में चली जाती है। तीसरी नदी बूढ़ी गंगा कहलाती है यह एटा जनपद से आकर जनपद के जटवारा मौजा में गंगानदी में मिल जाती है। बरसात में रामगंगा व गंगा का रूप बढ़ा भयंकर हो जाता है तथा आवागमन का मार्ग ध्वस्त हो जाने पर लोगों का जीवन बड़ा कष्टमय हो जाता है।

फर्रूखाबाद जनपद उत्तर में बदायूँ एवं शाहजहाँपुर, पूर्व में हरदोई, दक्षिण में कन्नौज, पश्चिम में एटा एवं मैनपुरी की सीमा से घिरा है। यहाँ की मिट्टी उपजाऊ किस्म की दोमट, बलुआ एवं पीली है। यहाँ रबी की फसल में गेहूँ, चना, लाही, मटर, तम्बाकू, आलू, खरीफ में ज्वार, बाजरा, धान, गन्ना, अरहर उगाई जाती है। यहाँ की जलवायु शीतोष्ण रहती है, गर्मी में अधिक गर्मी एवं सर्दियों में ठंडक रहती है।

फर्रूखाबाद जनपद तीन तहसीलों–फर्रूखाबाद, कायमगंज, अमृतपुर में बंटा है। तहसील फर्रूखाबाद के अन्तर्गत तीन विकासक्षेत्र–मोहम्मदाबाद, कमालगंज, बढ़पुर जिनके अन्तर्गत पाँच परगना–शमशाबादपूर्वी, पहाड़ा, भोजपुर, खखटामऊ, मोहम्मदाबाद आते हैं। तहसील कायमगंज के अन्तर्गत तीन विकासक्षेत्र–कायमगंज, शमशाबाद, नबाबगंज जिसके अन्तर्गत दो परगना–कम्पिल, शमशाबाद पश्चिमी हैं। तहसील अमृतपुर के अन्तर्गत 1 विकासक्षेत्र–राजेपुर एवं दो परगना अमृतपुर, परम्नगर हैं। जिले में एक नगर पालिका परिषद–फर्रूखाबाद, पाँच नगर पंचायत–कायमगंज, कमालगंज, शमशाबाद, मोहम्मदाबाद, कम्पिल हैं।

फर्रूखाबाद के इतिहास के अनुसार, सन् 1714 में दिल्ली के बादशाह फर्रूख शियर को प्रसन्न करने के लिए नबाब मुहम्मद खाँ बंगश ने इस स्थल का नाम फर्रूखाबाद रखा। इस शहर में नवाबी समय के 9 पुराने दरवाजे बने हुए हैं। दो पुराने किले भी हैं। एक शहर के अन्दर

---

230 बाहरी .हरदेव, हिन्दी शब्दकोश, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, वर्ष 1992, पेज 589

231 त्रिवेदी आदित्य कुमार, जनपद फर्रूखाबाद,नन्दन पुस्तक भण्डार किराना बाजार–फर्रूखाबाद,प्रथम संस्करण,वर्ष 2002, पे.11

जिसमें साहब रहा करते थे, अब ध्वस्त अवस्था में है। दूसरा फतेहगढ़ में शत्रुओं से सुरक्षा हेतु गंगा के किनारे बना है। लखनऊ के बादशाह शहादत अली खां अंग्रेजी फौज का खर्च, जो उनके इलाके में रहती थी, अदा न कर सके तो सन् 1802 में फौजी खर्च के बदले में गंगा यमुना के बीच के जिले अंग्रेजों को दे दिए गए। इसी प्रबन्ध में फर्रूखाबाद का जिला भी अंग्रेजो के अधिकार में चला गया। जब फर्रूखाबाद के नवाब साहब हशमत खाँ सरकारी माल गुजारी तथा अपने इलाकों का प्रबन्ध न कर सके तो नवाब साहब कल इलाकों का इस्तीफा देकर 17225 रुपए मासिक की पेंशन और थोड़े से गाँव माफी में लेकर सरकारी पेंशनदार बन गए। 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में यहाँ के नवाब तफज्जुल हुसैन खाँ ब्रिटिश सरकार से लड़े। इस कारण उनकी पेंशन जब्त करके उन्हें देश से निकाल दिया गया।[232]

आज हम जिस स्थान को फर्रूखाबाद कहते हैं। वहाँ पर 300 वर्ष पूर्व यह नगर नहीं था। सन् 1947 ई. से पूर्व अंग्रेजों का राज्य था। अंग्रेजों से पूर्व जब मुगलों का राज्य था उसी समय सन् 1665 ई. में कायमगंज के पास एक गाँव (मऊरसीदाबाद) में एक पठान मुहम्मद खाँ का जन्म हुआ। अपने साहस और वीरता के बल पर वह मुगल बादशाह फर्रूख शियर का सहयोगी बना। अपने चचेरे भाई जहांदारा शाह को पराजित करने पर फर्रूख शियर ने मुहम्मद खाँ को नवाब की पदवी दे दी और आस–पास के बहुत से गाँव इनाम में दिए। मुहम्मद खाँ ने दो नए गाँव बसाए, एक अपने नाम से दूसरा अपने सबसे बड़े लड़के के नाम से। पहला मोहम्मदाबाद और दूसरा कायमगंज। फर्रूखशियर को यह बात अच्छी न लगी अतः मुहम्मद खाँ ने फर्रूखशियर के नाम से फर्रूखाबाद बनाने की घोषणा कर दी और वर्ष 1714 ई. में उसकी नींव डाल दी। फर्रूखाबाद मुहम्मद खाँ के समय में बहुत ही सुन्दर नगर था। उसके चारों ओर तिकोनी ऊँची दीवाल थी। जो लगभग 15 फुट ऊँची थी। इसके बीच–बीच में 12 दरवाजे थे। नगर के दो किनारों पर दो बड़ी सरायें थीं। लाल सराय और मऊ सराय जिनको मुहम्मद खाँ और उसकी बीबी ने बनवाया था।[233] प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से पूर्व बने गंगा के घाट जो विश्रान्त के नाम से पुकारे जाते थे बड़े ही सुन्दर हैं। इन घाटों को सन् 1830 ई. के मध्य शाह बिहारी लाल ने बनवाया था। फर्रूखाबाद का टाउनहाल भी नगर का एक पुराना तथा सुन्दर स्थल है। कहते हैं यहाँ पर नवाबों का एक पुराना किला था। उसके नष्ट हो जाने पर अंग्रेजों ने सन् 1860 ई. में इस हाल को बनवाया था। आज इस हाल में म्यूनिसिपिल बोर्ड़ का कार्यालय है।[234]

व्यापार एवं व्यवसाय की दृष्टि से फर्रूखाबाद पहले भी और अभी तक एक महत्त्वपूर्ण शहर है। यह 100 किमी. के अर्द्धव्यास का शहर आज भी अपना एक महत्त्व रखता है। यहाँ 300–400 वर्ष पुराने अनेक खण्डहर अभी बचे हैं। परवर्ती शासकों और अन्य शासकवंशों के समर्थकों ने ही सम्भवतः इन भवनों को नष्ट किया है। यहाँ के लगभग 20 मकबरों का सूक्ष्म विश्लेषण एक पृथक तथ्य का उद्घाटन करता है। प्लास्टर की परत के नीचे छिपे स्थापत्य कला के मौलिक तत्व प्राचीन स्थापत्य–कौशल तथा हिन्दू कलाकारों के प्रतीक चिह्न हैं।[235]

---

232 त्रिवेदी आदित्य कुमार, नंदन पुस्तक भण्डार, किराना बाजार, फर्रूखाबाद, वर्ष 2002, पेज 10
233 वही, पेज 11.
234 वही, 12.
235 https:/hi.wikipedia.org (Farrukhabad ka Itihas)

फर्रूखाबाद जनपद की संस्कृति का गंगा नदी एवं इसके धार्मिक महत्त्व से अटूट रिश्ता है। यहाँ का इतिहास भी पुरातन है, परम्पराओं से पुराना है। फर्रूखाबाद में कम्पिल से प्राचीन धारा बूढ़ी गंगा से लेकर खुदागंज तक लगभग 36 विश्रान्त घाट बने हुए थे। इन विश्रान्तों का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन काल के व्यापार के लिए प्रयोग किया जाता था। जिसने कलकत्ता से लेकर गढ़मुक्तेश्वर तक व्यापारिक बड़ी नावें चला करती थीं। जिनमें नगम, नील, शोरा, अफीम, वस्त्र, बर्तन के उद्योग का व्यापार होता था। उसी के साथ–साथ धार्मिक महत्त्व सांस्कृतिक गतिविधियों में मुगल बादशाहों सेठ, धन्ना सेठों ने विश्रान्त घाटों का निर्माण कराया था। विशेष पर्वों पर यहाँ भीड़ होती थी। लेकिन आज खण्डहर पड़े हैं।[236]

फर्रूखाबाद जनपद की भूमि प्राकृतिक उपज के लिए अच्छी कही जाती है। यहाँ साधारण रूप से गेहूँ, जौ, चना, मक्का, उड़द, सौंफ, मटर, ज्वार, बाजरा, सरसों, गन्ना की उपज अच्छी होती है परन्तु फर्रूखाबाद आलू और तम्बाकू के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ सदर तहसील क्षेत्र में आलू तथा तम्बाकू की जितनी उपज होती है सम्भवतः उतनी किसी अन्य जिले में नहीं होती है। तम्बाकू की उपज से जितनी आय सरकार को फर्रूखाबाद की भूमि से होती है उतनी प्रदेश के किसी अन्य क्षेत्र से नहीं होती है। कम्पिल की भूमि तम्बाकू की उपज के लिए प्राकृतिक गुणों की खान है। कायमगंज क्षेत्र का टिकारी आम प्रसिद्ध है।

जनपद में जिला कारागार, केन्द्रीय कारागार, छावनी, 1 लोकसभा एवं 4 विधानसभा क्षेत्र, 13 पुलिसस्टेशन, 95 बसस्टाप, 19 रेलवेस्टेशन, 151 डाकघर, 716 सरकारी राशन की दूकानें, 103 सहकारी बैंक, 69 शीतगृह, 3265 बायोगैस संयन्त्र, 1290 प्राथमिक स्कूल, 565 उच्च प्राइमरी स्कूल, 256 माध्यमिक स्कूल, 76 महाविद्यालय, 9 परास्नातक महाविद्यालय, 3 मेडिकल कालेज, 1 आई.टी.आई, 1 पोलिटेक्निक, 3 यूनानी, 43 एलोपैथिक चिकित्सालय, 16 आयुर्वेदिक, 19 होम्योपैथिक, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 28 प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्र,17 परिवार व मातृ शिशु कल्याण केन्द्र, 191 परिवार व मातृ शिशु कल्याण उपकेन्द्र, 1 टी.बी. अस्पताल हैं।[237]

फतेहगढ से 35 किमी. दूर स्थित संकिशा है। इसका प्रथमोल्लेख बाल्मीकि रामयाण में पाया जाता है। सीता स्वयंवर में संकिशा नरेश ने गर्व का प्रदर्शन किया। वे सीता को बिना शर्त ले जाना चाहते थे। वे राजा जनक द्वारा वीरगति को प्राप्त हुए तत्पश्चात् जनक के अनुज कुंशध्वज का संकिशा पर अधिकार हुआ। बौद्धधर्म के इतिहास में इसका उल्लेख बहुधा पाया जाता है। संकिशा बौद्धों के लिए पवित्र तीर्थ स्थली है। संकिशा का उल्लेख पाणिनी की अष्टाध्यायी में भी हुआ है। चीनी यात्री हवेनत्सांग के अनुसार संकिशा उच्च कोटि के भवनों से सुसज्जित नगर है जिसका निर्माण सम्राट अशोक तथा उसके उत्तरवर्ती शासको ने किया।[238] संकिशा ने अब अपना वैभव खो दिया और मात्र ग्राम रूप में शेष है।

प्राचीन नगरी कम्पिल पांचाल देश की राजधानी थी। इसका उल्लेख, पंचाली एवं पांचाल–नरेश अनेकानेक रूपों में महाभारत में उद्धृत है।[239] यहाँ कपिल मुनि का आश्रम है

236 पत्रिका न्यूज फर्रूखाबाद, 500 साल पुराना है फर्रूखाबाद के गंगाघाटों का इतिहास बेवसाइट–पत्रिका.काम
237 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका 1
238 https:/hi.wikipedia.org (Farrukhabad ka Itihas)
239 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

जिसके अनुरूप यह नामकरण प्रसिद्ध हुआ। यह स्थान हिन्दू व जैन दोनों ही के लिए पवित्र है। धर्मग्रन्थों के अनुसार प्रथम तीर्थकर श्री ऋषभदेव ने नगर को बसाया तथा अपना पहला उपदेश दिया। 13–वें तीर्थकर विमलदेव ने अपना सम्पूर्ण जीवन व्यतीत किया।[240] कम्पिल में 11 मंजिल विशाल मन्दिर स्थित है, जिसको देखने के लिए विदेशों से भी पर्यटक आते हैं। कम्पिल नगरी जैन, बौद्ध और नाग संस्कृति की अप्रियतम धरोहर है।[241]

फर्रूखाबाद में सबसे प्राचीन मन्दिर पण्डाबाग के सम्बन्ध में लोगों का मत है कि इसकी स्थापना स्वयं पाण्डवों ने की थी। इसमें शिव की प्राचीन मूर्ति व शिवलिंग स्थापित हैं। इसमें महादेव शिव के साथ कई और देवताओं की मूर्तिया भी स्थापित की गई हैं। फतेहगढ़ के एक मन्दिर में उमा–महेश्वर एवं गणेश की प्रतिमाएँ हैं। शैली और प्रतीकात्मक आधार पर ये 11–12 सदी की हैं, जो कि कला पारखियों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं उत्तर मुगलकालीन समय के अनेक मंदिर यहाँ हैं। ये मन्दिर दार्व्हिष्टक सौंदर्य और स्थापत्य कला के श्रेष्ठता के उदाहरण है। बढ़पुर में ईंटों से निर्मित मंदिर में हिन्दू देवी–देवताओं की पाषाण–मूर्तियां हैं। उलवैरूनी ने अपने पुस्तक किताब–उल–हिन्द में भी फर्रूखाबाद का उल्लेख किया है।[242]

जनगणना–2011 के अनुसार, फर्रूखाबाद जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग कि.मी., जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी., लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ हैं। जनपद की कुल जनसंख्या 1887577 जिसमें 1007479 पुरुष एवं 880098 स्त्रियाँ है। नगरीय जनसंख्या 429990, ग्रामीण जनसंख्या 1457587 तथा साक्षरता 70.57% है। कुल साक्षर जन संख्या 1125457, जिसमें पुरुष 676067 (79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390 (60.51%) हैं।[243] कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष की जनसंख्या का कुल अनुपात 15.51, जिनमें पुरुष 15.43, स्त्री 15. 61 हैं। जिले में 87 न्याय पंचायतें, 513 ग्राम पंचायतें, 1009 गाँव जिनमें 885 आबाद एवं 124 गैर–आबाद गाँव हैं। अन्त्योदय कार्ड धारकों की कुल संख्या 37699 (34626 ग्रामीण, 3073 शहरी) एवं बी.पी.एल.राशन कार्ड धारकों की संख्या 60588 (4738 शहरी, 55850 ग्रामीण) है।

बी.पी.एल–(2002) जिले में बी.पी.एल. परिवारों की कुल संख्या 100600 (92100 ग्रामीण व 8500 नगरीय परिवार) है। इनकी कुल जनसंख्या 475111 एवं कुल आवास 95932 हैं।[244]

कामगर–जनगणना–(2011) के अनुसार, जिले में कामगरों की कुल जनसंख्या 592267 (स्त्रियाँ–97722, पुरुष–494545) है।[245] कुल मुख्य कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत 31.4 (नगरीय–30.6%, ग्रामीण–31.7%) है। कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। कृषक एवं कृषि श्रमिक सहित कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। वर्ष 2015–16 में कृषक–245089(46.0%), कृषि श्रमिक–135669 (20.40%), पारवारिक उद्योग–43528 (5.6%) एवं अन्य मजदूर–167971 (28.0%) है।[246]

---

240 https:/hi.wikipedia.org (Farrukhabad ka Itihas)
241 राजपूत राम कृष्ण, स्मारिका, फर्रूखाबाद : हमारी विरासत, जी.एम.प्रकाशन, सहकारी समिति फर्रूखाबाद, 2011–12, पेज 57
242 पत्रिका न्यूज फर्रूखाबाद, 500 साल पुराना है फर्रूखाबाद के गंगाघाटों का इतिहास बेवसाइट–पत्रिका.काम
243 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका–1
244 एचटीटीपी/आरडी.यूपी.एनआईसी.इन/यूपी 2002.एचटीएम पेज 1/2
245 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका 1
246 वही, तालिका 1

(अ) जनसंख्या एवं निदर्श

प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जनपद के **'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'** है। इस जनपद में तीन तहसीलें–फर्रूखाबाद, कायमगंज, अमृतपुर एवं सात विकासखण्ड–मोहम्दाबाद, बढ़पुर, कमालगंज, कायमगंज, शमशाबाद, नबाबगंज, राजेपुर तथा छः नगर–फर्रूखाबाद, मोहम्मदाबाद, कमालगंज, शमशाबाद, कायमगंज, कम्पिल हैं।

जनगणना–2011 के अनुसार, फर्रूखाबाद जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग कि.मी., जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी., लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ हैं। जनपद की कुल जनसंख्या 1887577 जिसमें 1007479 पुरुष एवं 880098 स्त्रियाँ है। नगरीय जनसंख्या 429990, ग्रामीण जनसंख्या 1457587 तथा साक्षरता 70.57% है। कुल साक्षर जन संख्या 1125457, जिसमें पुरुष 676067 (79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390 (60.51%) हैं।[247] कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष की जनसंख्या का कुल अनुपात 15.51, जिनमें पुरुष 15.43, स्त्री 15. 61 हैं। जिले में 87 न्याय पंचायतें, 513 ग्राम पंचायतें, 1009 गाँव जिनमें 885 आबाद एवं 124 गैर–आबाद गाँव हैं। अन्त्योदय कार्ड धारकों की कुल संख्या 37699 (34626 ग्रामीण, 3073 शहरी) एवं बी.पी.एल.राशन कार्ड धारकों की संख्या 60588 (4738 शहरी, 55850 ग्रामीण) है।

बी.पी.एल–(2002) जिले में बी.पी.एल. परिवारों की कुल संख्या 100600 (92100 ग्रामीण व 8500 नगरीय परिवार) है। इनकी कुल जनसंख्या 475111 एवं कुल आवास 95932 हैं।[248]

कामगर–जनगणना–(2011) के अनुसार, जिले में कामगरों की कुल जनसंख्या 592267 (स्त्रियाँ–97722, पुरुष–494545) है।[249] कुल मुख्य कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत 31.4 (नगरीय–30.6%, ग्रामीण–31.7%) है। कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। कृषक एवं कृषि श्रमिक सहित कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। वर्ष 2015–16 में कृषक–245089(46.0%), कृषि श्रमिक–135669 (20.40%), पारवारिक उद्योग–43528 (5.6%) एवं अन्य मजदूर–167971 (28.0%) है।[250]

फर्रूखाबाद जनपद उ. प्र. राज्य का पिछड़ा जनपद है और आज भी विकास योजनाएँ या तो प्रदेश–बजट जुड़ी रहती हैं या फिर सरकारी कागजी कार्यवाही में दबकर खानापूर्ति की औपचारिकता तक सीमित रहती हैं। इस जनपद के तहसील क्षेत्र अमृतपुर एवं कायमगंज तथा विकासखण्ड बढ़पुर क्षेत्र बाढ़ प्रभावित हैं। यहाँ का जन–जीवन अस्त–व्यस्त और गंगा एवं रामगंगा की भयानक बाढ़ की चपेट में रहने के कारण व्यक्ति–परिवार दरिद्रताग्रस्त जीवन–यापन करने को अति मजबूर हैं। यह कैसी विडम्बना है कि, केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित योजनाएँ–दरिद्रता उन्मूलन एवं दरिद्रों के कल्याणकारी लाभ पर राष्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा व्यय होने के बावजूद दरिद्रता और भुखमरी लगातार बढ़ती जा रही है।

---

247 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका–1
248 एचटीटीपी/आरडी.यूपी.एनआईसी.इन/यूपी 2002.एचटीएम पेज 1/2
249 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका 1
250 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2015–16, तालिका 1

निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या गुणात्मक उन्नति की समस्त योजनाओं की जड़ खोदती हुई जान पड़ रही है। कोई मनुष्य दुःखी है तो कोई सुखी है परन्तु उसकी गणना आज एक संख्या के रूप में मानी जाती है। आज का मनुष्य परेशान है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देखा जाय तो मानव प्रत्येक क्षण दुःखी प्रतीत होता है। मनुष्य की इसी दुःखपूर्ण स्थिति को देखकर कुछ दार्शनिकों का मन दया से द्रवित हो गया और उन्होंने दीन–दुःखियों की सेवा करने को मानव–जीवन का चरम लक्ष्य घोषित किया। इस स्थिति में मानवतावाद की झलक मिलती है। मानवतावादी विचारक मानव को दुःखों से छुटकारा देने का उपाय ढूँढता है, दुःख के कारणों पर विचार करता है और कुछ समाधान प्रस्तुत करता है। इस प्रकार वह मनुष्य को इस भीड़–भाड़युक्त संसार में भी अकेला देखता है और उसमें निराशा, कुण्ठा, संत्रास, चिन्ता आदि को देखकर मनुष्य की दयनीय स्थिति पर विचार करने लगता है।[251]

प्रस्तुत शोध 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन' में फर्रूखाबाद जनपद के सभी नगर एवं ब्लाक क्षेत्रों के जो दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले हैं, को लिया गया है। चूँकि जनपद में बी.पी.एल. परिवारों तथा असहाय पेंशनर्स तथा अन्त्योदय–बी.पी.एल.राशनकार्ड धारकों की समान कुल संख्या लगभग 100000 जिसका 1% भाग 1000 है। इसलिए प्रस्तुत अध्ययन में सविचार प्रतिदर्श पद्धति के आधार पर **1000 इकाइयों का प्रति दर्श** चुना गया है। इसके लिए उपयोग में लायी जाने वाली अनुसूची की रचना की गई है।

प्रस्तुत शोध दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन–जनपद फर्रूखाबाद का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन है। इस अध्ययन में जनपद फर्रूखाबाद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रो के दरिद्र व्यक्तियों, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है। अध्ययन में चुनी 1000 इकाइयों की प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 700 एवं नगरीय क्षेत्र के दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 300 है। ग्रामीण क्षेत्र के विकासखण्ड–बढ़पुर के 100 व्यक्ति, कमालगंज के 100 व्यक्ति, कायमगंज के 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 100 व्यक्ति, शमशाबाद के 100 व्यक्ति, राजेपुर के 100 व्यक्ति, नबाबगंज के 100 व्यक्ति एवं नगरक्षेत्र फर्रूखाबाद के 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 50 व्यक्ति, कमालगंज के 50 व्यक्ति, कायमगंज के 50 व्यक्ति, शमशाबाद के 50 व्यक्ति, कम्पिल के 50 व्यक्ति हैं। प्रतिदर्श सूची में वर्णित सभी धर्म एवं जाति–वर्ग के पुरुषों की संख्या 362 एवं स्त्रियों की संख्या 638 है।

प्रस्तुत अध्ययन में फर्रूखाबाद जनपद के **6 नगरों** के सभी **117 वार्डस** तथा 7 **विकास खण्डों** की 513 ग्रामसभाओं में से **317 ग्राम सभाओं** के **दरिद्रता की रेखा से नीचे गुजारा करने वाले** (बी.पी.एल., अन्त्योदय, असहाय पेंशन धारकों व दरिद्र कल्याण योजनाओं के लाभार्थी) **व्यक्तियों के घर–घर जाकर** उनकी स्थिति का अवलोकन कर वार्ता की और दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के सम्बन्ध में अनुसूची निर्मित कर इनसे सम्बन्धित शोध का अध्ययन किया गया है। अनुसूची की सहायता से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन कर प्राप्त तथ्यों को क्रमबद्ध ढंग से संकलित किया गया है तथा अनावश्यक तथ्यों से बचने के लिए इसका उपयोग किया गया है।

251 मंगल के.पी. एवं आर.एन.सिंह, यू.जी.सी.बी.एड.दिग्दर्शन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2, वर्ष 2010, पेज 194

फर्रूखाबाद जिले की जनसंख्या 2011का तहसील, ब्लाक, नगर वार विवरण के मुख्य तथ्य[252]

तहसील नगरनाम	विका खण्ड	क्षेत्रफल वर्गकिमी	कुल जनसंख्या	कुल पुरूष	कुल महिला	लिंग अनु.	0.6वर्ष बच्चे	साक्षर व्यक्ति	साक्षर पुरूष	साक्षर महिला	सा %	म.सा %	पुसा %
फर्रूखाबा	बढ़पुर	273.39	164730	88654	76076	856	27064	98859	56856	37003	56	64	48
फर्रूखाबा	नगर	37–वार्ड	291374	154776	136598	899	36107	189271	106270	83001	74	78	69
फर्रूखाबा	कमाल	394.24	277306	145816	131490	902	47459	156409	94321	62088	56	64	47
कमालगंज	नगर	12–वार्ड	15477	8248	7229	876	2208	10140	5795	4345	76	82	70
फर्रूखाबा	मोहम्म	300.05	259396	138745	120651	870	21127	169313	100903	68410	65	72	56
मोहम्मदाब	नगर	15–वार्ड	24687	13243	11444	864	3600	16545	9709	6836	78	86	70
कायमगंज	कायम	254.21	225078	120607	104471	866	20770	109669	67954	41715	48	56	39
कायमगंज	नगर	25–वार्ड	34384	18135	16249	896	4383	23376	13041	10335	78	83	73
कम्पिल	नगर	10–वार्ड	10281	5477	4804	877	1783	5465	3263	2202	64	72	55
कायमगंज	शमशा	245.97	202299	108229	94070	869	18267	109603	67609	41995	54	62	44
शमशाबाद	नगर	15–वार्ड	28454	14950	13504	903	4549	14333	8322	6011	59	68	53
कायमगंज	नबाब	245.97	165555	88970	76585	861	28104	91380	56705	34675	55	63	45
अमृतपुर	राजेपु	273.39	186183	100390	85793	855	17555	103314	64080	39234	55	63	45
योग–	2011	2181	1885204	100240	878964	971	302612	1092677	654827	437850	69	59	77
	2001	2181	1570808	849800	720608		288157				61	71	49

डॉ.नीतू सिंह तोमर का फर्रूखाबाद जिले के ग्रामीण एव नगर क्षेत्रों में भ्रमण–सम्पर्क विवरण

क्रम	नग/ ग्राम	ग्राम	भ्रमण	ग्रामसभा/वार्ड–मुहल्ला का नाम	विशेष
1	फर्रूखाबाद (न.पा.प.)	37	37	अब्दुलहमीदनगर,अंबेडकरनगर,अशफाकउल्लाखाननगर,अशोकनगर,आजादनगर,बलरामनगर,भगतसिंहनगर,ब्रह्मनगर,बुद्धनगर,चन्द्रगुप्तनगर,चित्रगुप्तनगर,दुर्गानगर,गंगानगर,गोबिंदनगर,गुरूतेगबहादुरनगर,कबीरनगर,कृष्णानगर,लक्ष्मननगर,लक्ष्मीनगर,लोहियानगर,महादेवीवर्मानगर,महादेवनगर,महाराणप्रतापनगर,नानकनगर,परशुरामनगर,पटेलनगर,रामनगर,विवेकानंदनगर,रविदासनगर,शिवाजीनगर,श्यामनगर,सुदामानगर,तुलसीनगर,विसमिलनगर	अन्त्योदयबी.पीएलधारकोंकेघर–घरजाकरउनकीसमस्याएंसुनी
2	छावनीबोर्ड	7	7	शीशमबाग1,2,कर्नलगंज1,2,3,कर्नलगंज1,2,कासिमबाग	उपरोक्त
3	कायमगंज (न.प.)	24	24	अब्दुलकलामआजदनगर,अंबेडकरनगर,अशोकनगर,आजादनगर,बाल्मीकनगर,गांधीनगर,गंगानगर,इंदिरानगर,जगजीवनपुरम,लक्ष्मीनगर,लोहियानगर,महावीरनगर,नेहरूनगर,पंतनगर,पटेलनगर,राजीवनगर,रविदासपुरम,संजयपुरम,सरोजनीनग,शास्त्रीनगर,शिवनगर,सुभाषनगर,विवेकानगर,जाकिरनगर	उपरोक्त
4	कमालगंज (न.प.)	12	12	अंबेडकरनगर,अशोकनगर,अजादनगर,गांधीनगर,इंदिरानगर,,जवाहरनगर,किदवईनगर,लोहियानगर,प्रतापनगर,शास्त्रीनगर–1,शास्त्रीनगर–2,सुभाषनगर	उपरोक्त
5	कम्पिल (न.प.)	10	10	अब्दुलकलामआजादनगर,अंबेडकरनगर,भगतसिंहआजादनगर,द्रोपदीनगर,गांधीनगर,इंदिरानगर,किदवईनगरलक्ष्मीबाईनगर,नेहरूनगर,शास्त्रीनगर	उपरोक्त
6	मोहम्दाबाद (नप.)	12	12	अंबेडकरनगर,आबंतीबाईनगर,आजादनगर,गांधीनगर,इंदिरानगर,कबीरनगर,किदवईनगर,कृष्णानगर,राजीवनगर,रविदासनगर,शास्त्रीनगर,शिवाजीनगर	उपरोक्त
7	शमशाबाद (न.प.)	15	15	अबेडकरनगर,अशोकनगर,आजानगर,फकरूद्दीननगर,गांधीनगर,रागांधीनगर,नेहरूनगर,इंनगर,किदवईनगर,संजयनगर,शानगर,सुनगर,टीपूनगर,तुलसीनगर,जाकिरहुसैननगर	उपरोक्त
8	बढ़पुर ब्लाक	49	49	दहेलिया,धंसुआ,धरमपुरकटरी,चांदपुर,चौसपुर,अजमतपुर,अमेठीजदीद,अमेठीकोहना,आमिलपुर,बसेली,बिजाधरपुर,बिलावलपुर,बीसलपुर,गंगोली,घारमपुर,गुतासी,हैवतपुरगढिया,अर्राफाड़पुर,आवाजपुर,बाबरपुर,बरौन,भाउपुरखुर्द,बुढनामऊ,रेहाकरनपुर,जैतपुर,खानपुर,कुबेरपुरघाट,माघौपुर,याकूतगंज,देवरामपुर,नगलाबजीरखारबंदी,निनौआ,नूरपुर,पपियापुर,पिथुआमेंहदिया,रम्पुरा,रसीदपुर,सरैया,हाथीपुर,जासमई,कीरतपुर,कुटरा,लखमीपुर,महलई,महरूपुर,मसेनी,बहादुरपुर,महमदपुरकरसान,जनैया–सठैया	उपरोक्त
9	कायमगंज ब्लाक	76	34	हमीरपुर,अताईपुरजद,अताईपुरकोह,ब्राहिमपुर,चिलौली,रानीपुर,जिजपुरा,जौरा,कुबेरपुर,कुंवरपुरइमलाक,मझोला,गिर्द,पितौरा,रानीपुर,रूटौल,शिवरई,सिंकंदरपुरखास,कटरारहमतखां,मऊरसीद,मेदपुर,मुडौल,नसंहपुर,रसीदपुर,बहलोपुर,अल्लापुर,कुंअरपुर,पट्टीमदारी,पुरौरी,कादरपुर,नरैनामऊ,झब्बूपुर,लुधैया	उपरोक्त
10	कमालगंज ब्लाक	98	83	ईशापुर,चंदनपुर,चौकीमहमदपुर,बहोरनपुरटप्पाहवेली,बहोरिकपुर,बलीपुर,अहमदपुरदेवरिया,भढ़ौसा,बंथलशाहपुर,भोजपुर,अमानाबाद,बंदरखेड़ा,बीबीपुर,बिचपुर,बिढैल,दानमंडी,गौसपुर,बर्नाबुजुर्ग,भटपुरा,राजेपुरसरायमेदा,रजीपुर,रतनपुर,रूनीचुरसई,जहानगंज,जीरागौर,गनेशपुर,मकरंदनगरबसा,मोहनपुरदीनापुर,सिराजेज,सितौली,देवरानगढ़िया,फतेहपुरकायस्थान,फतुल्लापुर,गदनपुरदेवराजपुर,गगनी,नगलादाउद,निनौआ श्रंखलापुर,न्यामतपुरकुमि,न्यामतपुरठाकुर,रामपुरमांझगांव,रानूखेड़ा,शेखपुररूस्तमपुर,शेखपुरसराय,श्रंगीरामपुर,सिंधौली,हुसैनपुरनौखंडा,जरारी,कैटहा,कंझाना,कतरौली,खुदागंज,कोरीखेड़ा,लौआनगरामानपट्टी,महमदपुरअचला,महमदपुरअमलैया,महरूपुरबीजल,महरूपुरखार,ताजपुर,ऊगरपुर,मूसाखिरया,नसरतपुरनौगवां,खूटादेव,कंधरापुर,गंगाइच,सदरियापुर,हिसांपुर,दरौरा,उसमानगंज,झसी,रठौरामोहद्दीनपुर,सरफुद्दीनपुर,गदनपुरतुर्रा,कर्मचंदपुर,भरतामऊ,नगरिया,भूलनपुरचरपुरा,गोपालपुर,कमालपुर,नगराखेमरांगी,शर्फाबाद,रसीदपुर,डूंगरपुर,अहिमलापुर,नगराभीखा,महोई,ऊगरपुरसुल्तानपट्टी	उपरोक्त
11	मोहम्दाबाद ब्लाक	83	35	धीरपुर,अलावलपुर,दहेलिया,हरकमपुर,पर्सिंगपुर,पट्टीखुर्द,पिपरगांव,जैतपुर,ज्योता,खिमसेपुर,सकवाई,तेरा,गैसिंगपुर,गोसरपुर,नदौरा,बागरठौरा,नंदसा,निसाई,रैसेपुर,पुनपालपुर,संकिसा,शेखपुरखजुरी,जाजपुरबंजारा,मुढ़गांव,नीबकरोरी,मौधा,टिमरूआ,रैसेपुर,बराकेशव,पुठरी,बरारिख,मदनपुर,सिकंदरपुर	उपरोक्त
12	राजेपुर ब्लाक	76	67	बहादुरपुर,भरखा,मोहद्दीपुर,अमृतपुर,अंबरपुर,बदनपुर,भुरियाभेड़ा,भुवनपुरताजपुर,बिलावलपुरतुर्कहटा,डबरौ,दहेलिया,दारापुर,गूजरपुर,हमीरपुरसोमवंशी,असमपुर,भाऊपुरचौरासी,चाचूपुरजटपुरा,राजेपुरटौरी,जैनापुर,जिठौली,कडक्का,खंडौली,खरगपुर,कुबेरपुरकूतुल,सलेमपुर,सीढ़ेचकरपुर,बलीपट्टीरानीगांव,गांधी,नगलाहूसा,नगरियाजवाहर,रामपुरजोगपुर,सथरा,सवासी,शेराखार,गौटिया,हरसिंहपुरगहरवार,हुसैनपुरराजे,कमालुद्दीनपुर,कंचनपुरमहमदपुरगढिया,तुषौर,उजरेमऊनवगांव,भुसेरा,,वीरपुरहैहैपुर,बरूआ,नगलाकेवल,दौलतपुर,वीरसिंहपुर,करनपुर,लीलापुर,पिथनापुर,रतनपुर,चपरा,गुढेरा,अमैयापुर,भावन	उपरोक्त
13	शमशाबाद ब्लाक	78	37	बघौना,कलुआपुर,बलीपुर,दलेलगंज,गुसरापुर,बरझाला,चिलसरा,रजलामई,रोशनाबाद,कासिमपुरतरई,छिनमिनी,कुइयांखेड़,कुइयांधीर,कुइयांखेरखास,कुइयांसंत,मंझना,मिल्कमौजमुल्ला,सामसपुरभिखारी,सोनाजानकीपुर,नगलाकलार,पपड़ीखुर्द,सादिकपुर,हरसिंहपुरगोवा,कंधेमईखुडनावैद्य,किसरौली,मुराठी,नगरियाबबुराला,भिड़ौल,दुबरी,संतोषपुर,गढ़ियाहैवतपुर,प्रहलादपुर,पलिया,सिकंदरपुर,लाडमपुर	उपरोक्त
14	नबाबगंज ब्लाक	57	22	बबना,बरतल,बीरपुर,गनीपुर,पत्योरा,खदिउली,बेग,सरमौरा,कक्यौली,भटासा,तुर्कललैया,चंदुइया,इजौर,अचरा,खिलवारा,सलेमपुर,अठरूइया,उमरपुर,समैचीपुर,चंदनी,इमादपुर	उपरोक्त

252 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

सम्पर्क के आधार पर प्रतिदर्श–अनुसूची हेतु चुने गए लोगों की सूची

क्रम	नाम	पिता/पति	जाति	वर्ग	लिंग	आयु	सद	ग्रामपता	ब्लाक–नगर	शिक्षा	पेशा	आय
1	मुन्नी देवी	बे.अशर्फी	कंजड	एसटी	स्त्री	50	4	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
2	शीतला	बेवा सोनू	कंजड	एसटी	स्त्री	40	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
3	सावित्री	कश्मीर	कंजड	एसटी	स्त्री	40	6	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	800
4	अनीता	बे.बलवीर	कंजड	एसटी	स्त्री	42	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	500
5	लाली	मनोज	कंजड	एसटी	स्त्री	35	7	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
6	मीरा	दिनेश	कंजड	एसटी	स्त्री	36	6	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
7	कल्लो	बेजोगराज	कंजड	एसटी	स्त्री	72	7	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	500
8	सीमा	बुद्धपाल	कंजड	एसटी	स्त्री	27	6	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
9	कपूरी	रामगोपाल	कंजड	एसटी	स्त्री	45	10	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1200
10	सीता	भानू	कंजड	एसटी	स्त्री	35	8	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1200
11	केला	बेवा सुरेंद्र	कंजड	एसटी	स्त्री	40	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
12	प्रीती	बृजेंद्र	कंजड	एसटी	स्त्री	26	3	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
13	सुखरानी	फेरूसिंह	कंजड	एसटी	स्त्री	65	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
14	पूजा	वीरसिंह	कंजड	एसटी	स्त्री	29	6	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
15	रीना	संतोष	कंजड	एसटी	स्त्री	40	10	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
16	विनीता	राकेश	कंजड	एसटी	स्त्री	28	7	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1400
17	गुड्डी	भूरा	कंजड	एसटी	स्त्री	33	7	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1200
18	प्रीती	विनय	कंजड	एसटी	स्त्री	24	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
19	रूबी	मुकेश	कंजड	एसटी	स्त्री	25	6	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
20	सरला	छोटे	कंजड	एसटी	स्त्री	43	8	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
21	बसंती	बे .ध्रुवसिंह	कंजड	एसटी	स्त्री	35	3	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
22	सुनीता	शिवरतन	कंजड	एसटी	स्त्री	38	10	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
23	सुशीला	बे.रामचंद्र	कंजड	एसटी	स्त्री	60	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
24	जयंती	बे.जोगेंद्र	कंजड	एसटी	स्त्री	55	4	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
25	बीना	शंकर	कंजड	एसटी	स्त्री	24	5	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1500
26	मुन्नी	बे.रूपसिंह	कंजड	एसटी	स्त्री	40	10	लकूला	फर्रूखाबाद	निरक्षर	फेमज	1000
27	पुष्पा	बे.श्रीकृष्ण	कहार	बी.सी	स्त्री	46	7	तिर्वाकोठी	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
28	अजीत	रामेश्वर	नट	एसटी	पुरू	35	6	सिला.मडैया	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1600
29	रानी	सुनील	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	32	7	ग्रानगंज	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
30	ओमवीर	सत्यपाल	बाल्मी	अनुसू	पुरु	35	5	ग्रानगंज	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
31	सरिता	जितेंद्र	नट	एसटी	स्त्री	28	6	सिला.मडैया	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
32	रिंकी	पप्पू	नट	एसटी	स्त्री	35	6	सिला.मडैया	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
33	प्रकाश	श्रीराम	बाल्मी	अनुसू	पुरु	43	6	नवदिया	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1100
34	क्रिशना	रामबाबू	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	36	6	नवदिया	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
35	राजाराम	बाबूराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	52	5	पुलमंडी	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
36	नूरमोहम्म	बुलाकीशाह	फकीर	मुस्लि	पुरु	85	3	जाफरी	फर्रूखाबाद	निरक्षर	भीख	400
37	बचान	मुसीर	भडग	एसटी	पुरु	40	1	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	800
38	अजय	पप्पू	भडग	एसटी	पुरु	21	3	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
39	राजो	विक्रम	भडग	एसटी	स्त्री	29	5	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
40	रसाल	बाबूराम	भडग	एसटी	पुरु	56	4	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
41	अमरसिंह	रिंकू हाथी	भडग	एसटी	पुरु	42	8	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
42	रामबेटी	बाबूराम	भडग	एसटी	स्त्री	68	6	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1100
43	मंजो	विनोद	भडग	एसटी	स्त्री	32	5	फतेहगढ़	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
44	संतोष	देशराज	भूर्जी	बीसी	पुरू	34	5	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	प्राइमरी	मजदू	1400
45	रामप्रकाश	राजाराम	भूर्जी	बीसी	पुरू	60	4	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	प्राइमरी	मजदू	1000
46	हरदेवी	बेकृष्णलाल	भूर्जी	बीसी	स्त्री	60	6	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
47	रघुवीर	भगवानदास	भूर्जी	बीसी	पूरू	55	4	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	निरक्षर	मजदू	700
48	रीता	रंजीत	दुबे	ब्राह्मण	स्त्री	35	4	गंगानगर	फर्रूखाबाद	प्राइमरी	मजदू	1500
49	श्रीकृष्ण	भजनलाल	भूर्जी	बीसी	पुरु	70	4	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	निरक्षर	भीख	1000
50	भरतलाल	मक्कालाल	भूर्जी	बीसी	पुरु	79	5	लिंजीगंज	फर्रूखाबाद	प्राइमरी	भीख	800
51	रामबेटी	मोतीलाल	कोरी	अनुसू	स्त्री	50	7	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
52	गिरजा	राजेश्वर	कोरी	अनुसू	स्त्री	45	6	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
53	धर्मेंद्र	पंची	कोरी	अनुसू	पुरु	55	8	ठंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
54	रूपवती	बे.रामासरे	कोरी	अनुसू	स्त्री	62	1	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	800
55	रामकली	राकेश	कहार	बी.सी	स्त्री	32	6	शिवजीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500

56	धनदेवी	महादेव	कहार	अनु	स्त्री	52	7	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
57	लज्जावती	रामनिवास	कहार	बी.सी	स्त्री	45	7	लोहियानग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
58	जयदेवी	राकेश	कोरी	अनु	स्त्री	52	8	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
59	मुन्नी	**बे** छविनाथ	कहार	बी.सी	स्त्री	65	3	प्रतापनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
60	जरीना	जसरूद्दीन	बेहना	बी.सी	स्त्री	56	9	प्रतापनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
61	देवकी	राधेश्याम	कहार	बी.सी	स्त्री	35	6	प्रतापनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
62	राखी	**बेवा** दुर्वेश	जाटव	अनुसू	स्त्री	24	4	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
63	सियारानी	**बे**.इतवारी	कहार	बी.सी	स्त्री	68	4	प्रतापनगर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	1000
64	बहादुर	इतवारी	कहार	बी.सी	पुरु	55	4	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1700
65	रामबेटी	**बेवा** छोटे	कहार	बी.सी	स्त्री	58	4	प्रतापनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
66	सीमा	रामबहादुर	कोरी	अनुसू	स्त्री	40	9	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
67	सुभाष	जयलाल	जाटव	अनुसू	पुरू	52	8	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
68	अंजू	नीरज	कोरी	अनुसू	स्त्री	28	4	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
69	रंजीत	चुन्नेलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	35	2	अंबेडकरनग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
70	गुड्डी	राजपाल	कोरी	अनुसू	स्त्री	42	7	अंबेडकरनग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1600
71	श्यामदेवी	संतोष	कहार	बी.सी	स्त्री	40	6	अंबेडकरनग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
72	गुड्डी	**बे**वाकिशन	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	4	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
73	प्रेमा	रामनाथ	जाटव	अनुसू	स्त्री	70	2	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
74	सोनकली	**बे**वा.अशोक	जाटव	अनुसू	स्त्री	38	8	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	900
75	जूली	राहुल	कोरी	अनुसू	स्त्री	25	4	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
76	सियादेवी	रामबक्स	कोरी	अनुसू	स्त्री	65	3	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
77	ममता	रामसनेही	कोरी	अनुसू	स्त्री	35	7	लोहियानग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
78	रमेशचंद्र	रामगुलाम	कोरी	अनुसू	पुरु	61	3	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
79	रामबेटी	ईश्वरदया	कोरी	अनुसू	स्त्री	65	3	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
80	रानी	राजू	कोरी	अनुसू	स्त्री	31	5	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
81	राजेंद्र	रामेश्वर	कोरी	अनुसू	पुरु	45	2	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
82	शकुंतला	मैकूलाल	कोरी	अनुसू	स्त्री	60	3	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
83	राजेश्वरी	चंद्रपाल	कोरी	अनुसू	स्त्री	38	3	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
84	इन्दिरा	रमेश	कोरी	अनुसू	स्त्री	45	8	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
85	रेशमा	**बे**.सियाराम	कोरी	अनुसू	पुरू	45	7	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
86	श्रीओम	जमुनाधर	हलवई	बी.सी	पुरू	65	4	अशोकनगर	कमालगंज	इंटर	भीख	400
87	मुन्नी	**बे**.सीताराम	कोरी	अनुसू	स्त्री	46	5	इंदिरानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
88	कुसमा	मनोज	कोरी	अनुसू	स्त्री	36	4	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
89	नाजरीन	रहीम	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	46	7	लोहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1100
90	रेनू	छोटेलाल	वैश्य	बनिय	स्त्री	36	9	गांधीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1700
91	अजय	रमेश	भुर्जी	बी.सी	पुरु	42	5	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1600
92	शायरा	गंगी	शेख	मुस्लि	स्त्री	36	8	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
93	नफीसा	इकरार	पठान	मुस्लि	स्त्री	37	8	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1600
94	नगमा	अच्छेमियां	शेख	मुस्लि	स्त्री	38	7	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
95	सोनी	मदन	भडग	एसटी	स्त्री	40	5	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
96	सुमन	विजय	भडग	एसटी	स्त्री	26	4	शास्त्रीनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
97	शाहना	बेसमसुद्दीन	अंसारी	मुस्लि	स्त्री	46	6	किदवईनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	500
98	रेखा	बृजमोहन	लोधी	बी.सी	स्त्री	36	5	किदवईनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
99	रमेश	मथुरी	धोबी	अनुसू	पुरु	66	2	सुभाषनगर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	600
100	आशा	सूबेदार	कोरी	अनुसू	स्त्री	46	6	लेहियानगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
101	गूजर	भोले	भडग	एसटी	स्त्री	55	6	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
102	रामभजन	मोहर	भडग	एसटी	पुरु	60	4	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
103	शिवराम	लालाराम	जाटव	अनुसू	पुरु	45	9	मो.दलवीरखां	शमशाबाद	निरक्षर	मोची	1200
104	राजबाई	**परत्य.**बचान	भडग	एसटी	स्त्री	40	2	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
105	तेजराम	झब्बूलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	45	8	कलाशमशाब	शमशाबाद	निरक्षर	मोची	1200
106	वीरू	भोलेसिंह	भडग	एसटी	पुरु	22	3	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
107	राकेश	राधेश्याम	तेली	बी.सी.	स्त्री	40	7	अशोकनगर	शमशाबाद	6–वीं	मजदू	1500
108	शान्ति	नेत्रपाल	तेली	बी.सी.	स्त्री	30	3	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
109	चन्द्रावती	**बे.**नन्हकू	जाटव	अनुसू	स्त्री	70	4	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	500
110	तुलाराम	गिरधारी	तेली	बी.सी.	पुरु	60	4	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
111	ज्ञानदेवी	बाबूराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	20	4	चौखण्डा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
112	सन्नोबेगम	मीरूद्दीन	धोबी	मुस्लि	स्त्री	35	5	मझलीहवेली	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
113	सद्दीक	खैराती	भटयर	मुस्लि	पुरु	55	7	मझलीहवेली	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1100

114	मीनाबेगम	राशिद	धोबी	मुस्लि	स्त्री	35	6	गोदाममोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
115	बानो	**बेवा.**बसीर	धोबी	मुस्लि	स्त्री	60	8	गोदाममोह0	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	1500
116	राबिया	रहमत	धोबी	मुस्लि	स्त्री	50	11	गोदाममोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
117	नाबूदीबेग	**बे**हसनअली	धोबी	मुस्लि	स्त्री	68	5	गोदाममोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
118	फरज्राना	**बे.**असलम	सैयद	मुस्लि	स्त्री	60	2	गोदाममोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
119	गिरन्द	भोला	भडग	एसटी	पुरु	27	4	मीनादरवाजा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
120	अनवरी	**बेवा.**हासिम	फकीर	मुस्लि	स्त्री	50	6	बजरिया	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
121	शम्मोबेगम	पप्पू	पठान	मुस्लि	स्त्री	50	4	इमलीदरवजा	शमशाबाद	10–वीं	मजदू	1500
122	जैनबबेगम	**बेवा**रहमुल्ला	पठान	मुस्लि	स्त्री	55	8	इमलीदरवजा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	500
123	मुस्तरी	इस्लामखान	पठान	मुस्लि	स्त्री	35	10	इमलीदरवजा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
124	राजेश	सुखराम	जाटव	अनुसू	पुरु	42	7	चौराहा थाना	शमशाबाद	8–वीं	मोची	1500
125	शहमीदा	**बे.**रहमतशेर	पठान	मुस्लि	स्त्री	60	8	घटियापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
126	रज्जूखान	मुकीम खान	पठान	मुस्लि	पुरु	65	3	घटियापुर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	800
127	नियाजबनो	**बेवा.**सज्जाद	पठान	मुस्लि	स्त्री	60	10	घटियापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
128	साधनाबेग	गुड्डू खान	पठान	मुस्लि	स्त्री	32	9	घटियापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
129	पप्पू शाह	सरवार शाह	फकीर	मुस्लि	पुरू	27	5	बजरिया	शमशाबाद	4–थी	मजदू	1500
130	साईनबेग	मुन्ना	फकीर	मुस्लि	स्त्री	40	8	बजरिया	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
131	जनाब	बजीरआलम	पठान	मुस्लि	पुरु	60	8	कोटिला	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
132	मरजीना	मुन्ना	पठान	मुस्लि	स्त्री	35	8	कोटिला	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
133	आमनाबेग	नब्बी शेर	फकीर	मुस्लि	स्त्री	70	4	सैय्यदबाड़ा	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	1000
134	संजीदा	अफसर	पठान	मुस्लि	स्त्री	45	7	कोटिला	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
135	अतीक	बाबू	अंसारी	मुस्लि	पुरु	35	4	कोटिला	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
136	शैतानसिंह	भोला	भडग.	एसटी	पुरु	40	7	चौराहा थाना	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
137	बबली	शिम्भू	भडग.	एसटी	स्त्री	27	4	चौराहा थाना	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
138	मोरपाल	नंदरामपाल	गडरि	बी.सी.	पुरु.	40	7	ताड़–हवेली	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
139	राजेंद्रीदेवी	केशवचन्द्र	काछी	बी.सी.	स्त्री	45	8	मो.दलमीखां	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
140	रूबीबेगम	सलीम	पठान	मुस्लि	स्त्री	40	8	मो.दलमीखां	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
141	रूकशाना	साबिर	फकीर	मुस्लि	स्त्री	36	7	मो.दलमीखां	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
142	रेशमाबानो	इरशादखान	फकीर	मुस्लि	स्त्री	30	5	मो.दलमीखां	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	500
143	बिनीशा	नबीहसन	मच्छी	मुस्लि	स्त्री	35	8	मो.दलमीखां	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
144	अतीकखां	मासूकखान	फकीर	मुस्लि	पुरु	46	7	तराई–मोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
145	मनोराबेग	मुखत्यार	पठान	मुस्लि	स्त्री	45	8	तराई–मोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
146	जमीलखां	मुन्ने खान	सुन्नी	मुस्लि	स्त्री	28	5	तराई–मोह0	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
147	कुसुमलता	नरेश चन्द्र	जाटव	अनुसू	स्त्री	38	5	घटियापुरमो0	शमशाबाद	7–वीं	मजदू	1500
148	शिवराम	बच्चाराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	27	2	घटियापुरमो0	शमशाबाद	10–वीं	मजदू	1500
149	जरीना	पप्पू	फकीर	बी.सी	स्त्री	40	7	मीरादरवाजा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
150	जुबैदाबानो	**बे**साकिरअली	फकीर	बी.सी	स्त्री	60	3	मीरादरवाजा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
151	मनोरमा	देबेंद्रकुमार	कठेरि	अनुसू	स्त्री	40	8	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
152	बबली	मनोजकुमार	कठेरि	अनुसू	स्त्री	30	5	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
153	गुड्डू	नरेश चंद्र	कठेरि	अनुसू	पुरु	28	4	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
154	रीना देवी	बबलू	कठेरि	अनुसू	स्त्री	32	2	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
155	ममता	दिलीप	कोरी	अनुसू	स्त्री	25	5	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
156	कटोरी	सोबरनलाल	कठेरि	अनुसू	स्त्री	45	7	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
157	स्नेहलता	रामजीलाल	कठेरि	अनुसू	स्त्री	30	8	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
158	जगरूप	मुंशीलाल	पाल	बी.सी	पुरु	42	6	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	7–वीं	मजदू	1500
159	संगीता	**परि.**रामू	पाल	बी.सी	स्त्री	20	2	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
160	प्रेमा देवी	राजाराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	60	2	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
161	कमलेश	राम रतन	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	45	8	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
162	शकुन्तला	रामसेवक	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	36	6	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
163	सामलिया	कालीचरन	हबूड़ा	एसटी	पुरू.	31	5	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	4–था	मजदू	1200
164	गुडिया	**परि.**रेलबाबू	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	40	3	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	800
165	सुनीता	**बेवा**राधेश्याम	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	35	4	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
166	कमला	रामकिशन	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	50	8	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	5–वीं	मजदू	1500
167	हरीश	हरिश्चन्द्र	हबूड़ा	एसटी	पुरु	25	2	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	12–वीं	मजदू	1500
168	संतोष	कालीचरन	हबूड़ा	एसटी	पुरु	30	5	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
169	रेखा	राजवीर	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	35	7	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
170	राजेन्द्र	रामलाल	हबूड़ा	एसटी	पुरु	65	6	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
171	लाली	हरवेश	हबूड़ा	एसटी	स्त्री	65	5	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500

172	ओमकार	रामलाल	हबूड़ा	एसटी	पुरु	60	7	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
173	जौहरी	केहरी	हबूड़ा	एसटी	पुरु	52	6	अंबेडकरनगर	मोहम्मदाबाद	12–वीं	मजदू	1500
174	निशा	जितेन्द्र	कोरी	अनुसू	स्त्री	26	4	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
175	सुबाना	समसुद्दीन	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	40	7	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
176	मुनीशा	नदीम	पठान	मुस्लि	स्त्री	30	7	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
177	सुमन	मनोज	बढ़ई	बी.सी	स्त्री	35	5	कबीरनगर	मोहम्मदाबाद	8–वीं	मजदू	1500
178	बीरू	भूरे सिंह	भडग	एसटी	पुरु	30	4	जवाहरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
179	सन्नो	शहंशाह	भडग	एसटी	स्त्री	26	6	जवाहरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
180	गीता	बृजेन्द्र	भडग	एसटी	स्त्री	25	6	जवाहरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
181	माया	गुलाब	भडग	एसटी	स्त्री	22	4	कबीरनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
182	विक्रम	भूरे सिंह	भडग	एसटी	स्त्री	40	6	राजीवनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
183	शबाना	राजूखान	कंजड	एसटी	स्त्री	30	5	किदवईनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मोची	1500
184	रूबली	विनोद	कंजड़	एसटी	स्त्री	20	4	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
185	सोनी	बेवा सुनील	कंजड़	एसटी	स्त्री	30	9	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	800
186	गुडिया	भारत	कंजड़	एसटी	स्त्री	50	12	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
187	रूबी	सर्वेश	कंजड़	एसटी	स्त्री	30	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
188	लालाराम	पातीराम	कंजड़	एसटी	पुरु	40	10	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
189	मंजू	महेश	कंजड़	एसटी	स्त्री	40	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
190	जितेन्द्र	अमरसिंह	कंजड़	एसटी	पुरु	42	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
191	बाबा	कुंवरसिंह	कंजड़	एसटी	पुरु	35	6	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
192	जोगराज	पंजाबी	कंजड़	एसटी	पुरु	50	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
193	मुकेश	मिट्ठूलाल	कंजड़	एसटी	पुरु	40	8	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
194	नीलम	राजवीर	कंजड़	एसटी	स्त्री	30	6	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
195	मीरा	चांदीलाल	कंजड़	एसटी	स्त्री	46	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
196	गुड्डी	सुरेश	कंजड़	एसटी	स्त्री	40	8	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
197	शेरसिंह	रघुवीर	कंजड़	एसटी	पुरु	40	9	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
198	आजाद	रघुवीर	कंजड़	एसटी	स्त्री	28	6	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
199	कमलेश	चंदनसिंह	कंजड़	एसटी	स्त्री	40	8	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
200	गिरंदसिंह	लंकुश	कंजड़	एसटी	पुरू	60	7	गांधीनगर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
201	शेरा	हजारी	भडग	एसटी	पुरू	24	3	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
202	रेखा	सरदारमिश्री	भडग	एसटी	स्त्री	25	4	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
203	विक्रम	मोहरपाल	भडग	एसटी	पुरू	35	4	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
204	शारदा	फेरूसिंह	भडग	एसटी	स्त्री	40	8	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
205	सरदार	झंडू	भडग	एसटी	पुरु	52	4	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
206	रामबेटी	**बेवा** राजेंद्र	भडग	एसटी	स्त्री	45	8	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
207	रानी	बीरेन्द्र	भडग	एसटी	स्त्री	60	11	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1100
208	भीमसेन	डल्ली	भडग	एसटी	पुरू	70	4	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
209	लाली	राकेश	भडग	एसटी	स्त्री	26	3	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
210	खजानी	राकेश	भडग	एसटी	स्त्री	35	7	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
211	राजू	मोहरसिंह	भडग	एसटी	पुरु	55	7	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
212	मो.ताहिर	मो.अलीखां	पठान	मुस्लि	पुरु	65	1	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	भीख	300
213	मुन्नी	हजारी	भडग	एसटी	स्त्री	55	11	जटवारा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
214	नूरजहाँ	मुन्ना मिस्त्री	कुंजडा	बी.सी	स्त्री	55	7	काजमखांमो.	कायमगंज	निरक्षर	भीख	1500
215	श्रीकृष्ण	द्वारिका	कहार	बी.सी	पुरु	60	8	झील	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
216	अंसार	बाबू खान	कुंजडा	बी.सी	पुरु	55	7	काजमखांमो	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
217	इरफान	बसीर	कुंजडा	बी.सी	पुरु	40	9	काजमखांमो	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
218	मदीना	सिराजुद्दीन	कुंजडा	बी.सी	स्त्री	30	8	काजमखांमो	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
219	श्यामदेवी	**बेवा**मुन्नालाल	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	40	4	कूँचागंगानगर	कायमगंज	निरक्षर	भीख	600
220	अनीता	सुभाष	घोबी	अनुसू	स्त्री	35	8	नोनियमगंज	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
221	सुनीता	**बेवा.**बीरेन्द्र	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	40	5	बगियामंगूला	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1300
222	ज्ञानदेवी	राजकुमार	धोबी	अनुसू	स्त्री	30	8	नोनियमगंज	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
223	रामसिंह	झब्बूलाल	कोरी	अनुसू	पुरु	60	7	बजरियाबृंदा	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
224	कमलादेवी	**बे.**रमेशचंद्र	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	8	चिलांकातलैय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
225	अकबरी	**बेवा** कल्लू	पठान	मुस्लि	स्त्री	70	6	चिलौलीशहर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
226	परवीन	नासिरअली	अबास	मुस्लि	स्त्री	55	8	चिलांका	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
227	कृष्णादेवी	नेकराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	60	7	चिलांकातलैय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
228	ऊषा	अनिल	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	7	चिलांकातलैय	कायमगंज	निरक्षर	मोची	1500
229	फैमीदा	नफीस	पठान	मुस्लि	स्त्री	50	9	चिलौलीशहर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500

230	नजमाबेग	**बे**.कुदरतशेर	पठान	मुस्लि	स्त्री	65	2	चिलौलीशहर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
231	सीता	अमीरदास	कोरी	अनुसू	स्त्री	40	8	पटवन–गली	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
232	फूलमती	उमेश	कोरी	अनुसू	स्त्री	27	3	पटवन–गली	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
233	राजबहादुर	बाबूराम	कोरी	अनुसू	पुरु	60	2	पटवन–गली	कायमगंज	निरक्षर	भीख	800
234	बाबू खान	शब्बू खान	धुनहा	मुस्लि	पुरु	35	6	पटवन–गली	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
235	रूपराम	बाबूराम	कोरी	अनुसू	स्त्री	60	5	पटवन–गली	कायमगंज	निरक्षर	भीख	900
236	बाबर	बच्चू खान	शेख	मुस्लि	स्त्री	32	4	चिलौलीशहर	कायमगंज	8–वीं	मजदू	1500
237	कुसमादेवी	**बे**अवधकिशो	खटिक	अनुसू	स्त्री	40	6	चिलांका	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
238	मीरा	परसादी	भडग	एसटी	स्त्री	45	7	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
239	हजारी	हीरालाल	भडग	एसटी	पुरु	65	5	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	भीख	800
240	रूपसिंह	शंकरलाल	भडग	एसटी	पुरु	33	3	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
241	बिन्जी	अमरसिंह	भडग	एसटी	स्त्री	50	9	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
242	सुनीता	**परि**.भजनला	भडग	एसटी	स्त्री	35	2	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
243	विटोली	नाहरसिंह	भडग	एसटी	स्त्री	40	4	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
244	मंगली	हजारी	भडग	एसटी	पुरु	40	4	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
245	रेशमा	धारा सिंह	भडग	एसटी	स्त्री	40	8	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
246	सौदरा	भजनलाल	भडग	एसटी	स्त्री	40	7	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
247	सितारा	लालाराम	भडग	एसटी	स्त्री	45	9	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
248	सीमा	संजयकुमार	भडग	एसटी	स्त्री	35	4	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
249	गीता	भागीरथ	भडग	एसटी	स्त्री	30	4	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
250	कला	गूजर	भडग	एसटी	स्त्री	40	5	रेलवेकब्रितान	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
251	निसारा	गुड्डू खान	धुनहा	बी.सी	स्त्री	35	8	अंबेडकरनगर	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1200
252	लक्ष्मीदेवी	रामनिवास	जाटव	अनुसू	स्त्री	32	6	अंबेडकरनगर	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
253	रामप्रसाद	दिवारीलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	65	3	अंबेडकरनगर	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	800
254	शीला	करू	जाटव	अनुसू	स्त्री	25	5	अंबेडकरनगर	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1400
255	गुड्डी	पप्पू	जाटव	अनुसू	स्त्री	26	10	अंबेडकरनगर	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
256	मीरा	रक्षपाल	नाई	बी.सी	स्त्री	45	3	चौधरियान	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
257	श्यामसुंदर	**बेवा** अजय	जाटव	अनुसू	पुरु	20	7	कंपिलचौराहा	कम्पिल	निरक्षर	मोची	1500
258	प्रदीप	चेतराम	जाटव	अनुसू	पुरु	35	8	कंपिलचौराहा	कम्पिल	9–वीं	मोची	1500
259	राजकुमार	राधेश्याम	बारी	अनुसू	पुरु	35	7	धर्मशाला गेट	कम्पिल	निरक्षर	मोची	1400
260	देवकी	प्रदीपकुमार	कहार	बी.सी	स्त्री	25	3	कहारनटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
261	रागिनी	बृजपाल	कहार	बी.सी	स्त्री	40	8	पट्टीमदारीमो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
262	अर्चनादेवी	सतीश चंद्र	पांडेय	ब्राह्मण	स्त्री	42	4	गंगाटोला	कम्पिल	10–वीं	मजदू	1000
263	रानीदेवी	पुरूषोत्तम	बढ़ई	बी.सी.	स्त्री	40	8	चौधरियानमो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
264	रानीदेवी	**बे**.मुकेशचंद्र	बढ़ई	बी.सी	स्त्री	40	6	पट्टीमदारीमो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
265	चंपारानी	कमलेशकुमा	कठेरि	अनुसू	स्त्री	35	8	पट्टीमदारीमो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
266	हेमलता	अवधेशकुमार	बढ़ई	बी.सी.	स्त्री	36	6	पट्टीमदारीमो.	कम्पिल	5–वीं	मजदू	1500
267	दिनेशकुमा	पूरनलाल	तेली	बी.सी.	पुरु	45	4	मांझगांव मो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
268	दिनेशलाला	रामस्वरूप	नाई	बी.सी.	पुरु	48	4	गंगाटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
269	शहजाद	आले नवी	शेख	मुस्लि	पुरु	45	6	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	10'वीं	मजदू	1500
270	रहीसन	**बेवा**.सुलेमान	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	45	3	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
271	रघुवर	बनवारी	कुंहार	बी.सी	पुरु	70	6	मांझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
272	मीना	निजामुद्दीन	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	35	6	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
273	जरीना	बादशाह	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	55	10	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1400
274	बानो	नत्थू	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	50	6	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
275	शकीला	**बेव.**लियाकत	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	40	6	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
276	गुडिया	नवी हसन	**बंजारा**	मुस्लि	स्त्री	35	9	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
277	सकीना	झम्मन	बंजारा	मुस्लि	स्त्री	35	7	काजीटोला	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
278	निर्मला	दिवारीलाल	अहीर	बी.सी.	स्त्री	30	6	चौधरियान	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
279	रमेशचंद्र	हरि दयाल	तेली	बी.सी.	पुरु	40	2	शुक्लान मो.	कम्पिल	5–वीं	मजदू	1500
280	रूपलाल	सोनेलाल	तेली	बी.सी.	पुरु	45	9	शुक्ला मो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
281	ओमवती	सरवन	काछी	बी.सी.	स्त्री	50	7	चौधरियानमो.	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
282	लता देवी	बहोरन	कहार	बी.सी.	स्त्री	35	3	कहारनटोलापू	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1400
283	राजकरन	लालमन	कहार	बी.सी.	पुरु	40	5	कहारनटोलापू	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
284	लता	**बेवा**.बीरेन्द्र	कहार	बी.सी.	स्त्री	40	6	कहारनटोलापू	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
285	तैयबअली	मो.बाजिद	पठान	मुस्लि	पुरु	45	6	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	5–वीं	मजदू	1500
286	माजरा	**बेवा**.रसीद	मंसूरी	मुस्लि	स्त्री	70	2	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	300
287	नूरसुभा	मगनशेर	मंसूरी	मुस्लि	स्त्री	50	6	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500

288	कुंअरपाल	सुखराम	नट	एसटी	पुरु	40	6	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	भीख	1000
289	नन्हींदेवी	प्रमोद	नट	एसटी	स्त्री	30	7	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	भीख	1000
290	संजीव	क्षविराज	नट	एसटी	पुरु	30	6	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	भीख	1000
291	उर्मिला	**बे.**छोटेलाल	नट	एसटी	स्त्री	38	10	मांझगांव पूर्व	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	600
292	साबराबेग	मुस्ताक	स्न्नी	मुस्लि	स्त्री	35	6	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
293	शहनाज	हसरतउल्ला	पठान	मुस्लि	स्त्री	35	6	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
294	गुलशन	**बेवा**लियाकत	पठान	मुस्लि	स्त्री	50	5	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
295	नफीसा	**बेवा**.शराफत	पठान	मुस्लि	स्त्री	70	6	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	600
296	आरजाबेग	**बेवा**.अजमत	पठान	मुस्लि	स्त्री	40	2	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	500
297	नसीरजमा	सोरीजमाखां	भट्टी	मुस्लि	पुरु	50	6	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1000
298	सहानाबेग	अब्दुलहमीद	पठान	मुस्लि	स्त्री	55	10	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
299	नूरसवाबेग	कल्लू–मुशी	दर्जी	मुस्लि	स्त्री	40	9	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
300	खुशनुमा	मुईनुद्दीन	पठान	मुस्लि	स्त्री	35	8	मंझगांवपश्चि	कम्पिल	निरक्षर	मजदू	1500
301	राजकुमारी	कालीचरन	भडग	एसटी	स्त्री	46	5	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
302	गीता	बृजेश	जाटव	अनु.	स्त्री	31	5	धन्सुआ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
303	रूपदेवी	रामस्वरूप	भडग	एसटी	पुरु	56	9	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	900
304	गुच्छोवी	श्याम	भडग	एसटी	स्त्री	27	5	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
305	झबरा	रामवरन	भडग	एसटी	पुरु	24	3	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
306	श्यामा	रामदीन	भडग	एसटी	स्त्री	28	5	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
307	गीता	महेन्द्र	भडग	एसटी	स्त्री	29	5	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
308	रेखा	बृजेन्द्र	भडग	एसटी	स्त्री	37	6	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
309	अनीता	श्रीपाल	भडग	अनुसू	स्त्री	57	8	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
310	रानी	अलवर	भडग	एसटी	स्त्री	38	6	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
311	राजा	बाबूराम	भडग	एसटी	पुरू	37	5	जसमईदरवा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
312	मनोज	सरदार	भडग	एसटी	पुरू	22	4	बाबरपुर	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
313	गुड्डी	सरदार	भडग	एसटी	स्त्री	52	7	बाबरपुर	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
314	बद्री	बिहारी	भडग	एसटी	पुरू	33	2	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
315	गीता	हुकुम	भडग	एसटी	स्त्री	29	7	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
316	नीलू	कप्तान	भडग	एसटी	स्त्री	48	7	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
317	मल्लो	गजराज	भडग	एसटी	स्त्री	38	8	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
318	गीता	कमलेश	भडग	एसटी	स्त्री	27	5	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
319	संतरा	बृजेन्द्र	भडग	एसटी	स्त्री	36	7	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
320	सितारा	अर्जुन	भडग	एसटी	स्त्री	33	6	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
321	माया	कमलेश	भडग	एसटी	स्त्री	62	4	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	700
322	लल्लूसिंह	रामरतन	भडग	एसटी	पुरु	66	3	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	600
323	सुनीता	किशन	भडग	एसटी	स्त्री	32	6	पंचालघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
324	रामकटोरी	**बे.**रामबृक्ष	अहीर	बी.सी	स्त्री	60	3	देवरामपुर	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	600
325	किरन	अनिल	जाटव	अनुसू	स्त्री	27	3	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
326	धूपराम	रामभरोसे	कठेरि	अनुसू	पुरु	54	11	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
327	अनीता	विजय	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	36	3	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
328	माधुरी	धर्मपाल	काछी	बी.सी	स्त्री	25	5	खैरबंदढिलाब	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1300
329	सीमा	रमन	जाटव	अनुसू	स्त्री	42	8	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1300
330	गीता	जयद्रथ	जाटव	अनुसू	स्त्री	37	5	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
331	सत्यप्रका.	छेदालाल	जाटव	अनुसू	पुरु	48	6	ढिलावल	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
332	अजय	रघुराई	काछी	बी.सी	पुरु	40	4	खैरबंदढिलाब	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
333	गंगाधर	अमरसिंह	काछी	बी.सी	पुरु	42	4	खैरबंदढिलाब	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1300
334	श्यामपाल	हरदयाल	कठेरि	अनु.	पुरु	53	9	खैरबंदढिलाब	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
335	सदानंद	बालिस्टर	बढ़ई	बी.सी	पुरु	42	3	खैरबंदढिलाब	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1600
336	रामतीर्थ	नत्थूलाल	धोबी	अनुसू	पुरु	45	7	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
337	अवधेश	नत्थूलाल	धोबी	अनुसू	पुरु	40	8	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
338	राजू	ओमप्रकाश	बढ़ई	बी.सी	पुरु	35	7	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1300
339	इदरीश	उसमान	शेख	मुस्लि	पुरू	40	8	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
340	ईश्वरदया	गंगाराम	लोधी	बी.सी	पुरु	45	4	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
341	मदनपाल	बनवारी	कहार	बी.सी	पुरु	50	3	याकूतगंज	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
342	प्रीती	**बे.**सुरेशचंद्र	कहार	बी.सी	स्त्री	35	4	निनौआ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
343	सुदामा	उमेश	जाटव	अनुसू	पुरु	30	6	निनौआ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
344	बीरेंद्रसिंह	सुखलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	35	3	निनौआ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
345	ऊषादेवी	सरनामसिंह	कुर्मी	बी.सी	स्त्री	35	3	निनौआ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500

346	पुष्पादेवी	लंकुश	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	8	रामपुरा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
347	मुन्नीदेवी	**बे**.जौहरी	जाटव	अनुसू	स्त्री	65	5	रामपुरा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
348	महावीर	जौहरी	जाटव	अनुसू	पुरु	35	7	रामपुरा	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
349	नेबूलता	अशोक	कठेरि	अनुसू	स्त्री	40	2	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
350	रूपदेवी	प्रकाशचंद्र	कपडि	अनुसू	स्त्री	60	8	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
351	रेनू	**बे**.अश्वनी	कपडि	अनुसू	स्त्री	30	5	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
352	सोमवती	राजन	कपडि	अनुसू	स्त्री	26	6	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
353	प्रेमवती	धर्मवीर	कपडि	अनुसू	स्त्री	25	4	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
354	अर्चना	सरवन	कपडि	अनुसू	स्त्री	35	8	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
355	रामस्वरूप	रामसिंह	कपडि	अनुसू	पुरू	65	6	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
356	शीलूदेवी	चौहान	कपडि	अनुसू	स्त्री	30	6	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
357	चंद्रवती	**बे**.मनीराम	कपडि	अनुसू	स्त्री	65	2	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	600
358	विद्यावती	**बे**.मटरू	कपडि	अनुसू	स्त्री	70	8	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
359	राकेश	भुजबल	कपडि	अनुसू	पुरु	40	6	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1300
360	संतोषी	जनक	कपडि	अनुसू	स्त्री	30	5	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1000
361	सोनादेवी	**बे**.रमेशचंद्र	कपडि	अनुसू	स्त्री	55	5	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	800
362	रीता	मनजीत	कपडि	अनुसू	स्त्री	35	6	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1200
363	प्रीती	संजय	कठेरि	अनुसू	स्त्री	28	4	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	1400
364	सीमा	राकेश	कठेरि	अनुसू	स्त्री	35	4	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
365	सुखराम	सूबेदार	कठेरि	अनुसू	पुरू	40	7	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
366	रामबाबू	मकरन्द्र	कपडि	अनुसू	पुरू	42	5	बुढ़नामऊ	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
367	रामदेवी	राजेंद्रसिंह	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	40	7	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
368	फूलमती	रामदुलारे	काछी	बी.सी	स्त्री	35	8	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
369	फूलसिंह	श्रीकृष्ण	भुर्जी	बी.सी	पुरु	36	8	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
370	दर्शनदेवी	**बे.**बाबूराम	जाटव	अनु	स्त्री	40	4	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	700
371	लक्ष्मीदेवी	**बे**रामनिवास	नाई	बी.सी	स्त्री	40	5	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	900
372	सुखदेवी	**बे**.पातीराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	5	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
373	रामलली	**बेवा**प्रहलाद	काछी	बी.सी	स्त्री	45	5	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
374	सीतादेवी	दाताराम	बढई	बी.सी	स्त्री	40	7	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1400
375	लक्ष्मीदेवी	**बे**.रामसिंह	लोधी	बी.सी	स्त्री	35	6	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	900
376	रामवती	**बे**.क्षत्रसिंह	लोधी	बी.सी	स्त्री	40	7	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1500
377	विद्यादेवी	सूरजसिंह	जाटव	अनुसू	स्त्री	40	6	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
378	श्रीकृष्ण	महतूलाल	नाई	बी.सी	पुरू	40	6	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
379	सुखदेवी	**बे**.पातीराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	6	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
380	सरलादेवी	कैलाशचंद्र	कहार	बी.सी	स्त्री	40	7	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
381	रामलक्ष्मी	**बे**रामनिवास	काछी	बी.सी	स्त्री	45	7	जनैयासठैया	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
382	गंगादेवी	**बे**.रामसिंह	काछी	बी.सी	स्त्री	45	5	अमेठीकोहना	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
383	श्यामादेवी	**बे**.अशोक	कहार	बी.सी	स्त्री	45	5	अमेठीकोहना	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
384	नाजिया	**बे**.चुन्ने खां	मुस्लि	मुस्लि	स्त्री	45	5	अमेठीजदीद	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	900
385	प्रेमा	**बे**.सोबरन	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	1	मेठीजदीद	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	600
386	हसीना	खलील	नट	एसटी	स्त्री	40	8	गुतासी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
387	सीमाकुमा	प्यारेसिंह	नट	एसटी	स्त्री	45	9	गुतासी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
388	देवीश्री	**बे**देवीसहाय	जाटव	अनुसू	स्त्री	46	4	गुतासी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	700
389	सुनीता	**बे.**शैलेन्द्र	कुंहार	बी.सी	स्त्री	30	5	गुतासी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	900
390	बिट्ठादेवी	**बे**.वीरेश	कठेरि	अनु	स्त्री	35	5	कुबेराघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	700
390	बालिस्टर	फूलचन्द्र	कठेरि	अनु.	पुरू	55	7	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
391	पुष्पादेवी	**बे.**सेवकराम	भुर्जी	बीसी	स्त्री	35	6	कुबेराघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
392	रानीदेवी	**बे.**केतुका	कठेरि	अनुसू	स्त्री	55	7	कुबेराघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
393	तोताराम	मातादीन	लोधी	बीसी	पुरू	45	7	कुबेराघाट	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
394	बुद्धिलाल	रामप्यारे	लोधी	बीसी	पुरू	65	1	हैवतपुरगढ़ि	बढ़पुर	निरक्षर	भीख	800
395	मुन्नीदेवी	**बे**.मुन्नूलाल	लोधी	बीसी	स्त्री	30	3	धर्मपुरकटरी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
396	हुस्नबानो	**बे**ईदमोहम्मद	पंखिय	मुस्लि	स्त्री	35	4	धर्मपुरकटरी	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
397	गोमती	**बे.**रामनाथ	जाटव	अनुसू	स्त्री	65	6	हैवतपुरगढ़ि	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	800
398	गंगाराम	गौरीलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	65	6	हैवतपुरगढ़ि	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1200
399	शिवरानी	**बे.**रामसेवक	कठेरि	अनुसू	स्त्री	45	7	हैवतपुरगढ़ि	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1100
400	सावित्री	**बे**मोतीलाल	जाटव	अनुसू	स्त्री	46	5	हैवतपुरगढ़ि	बढ़पुर	निरक्षर	मजदू	1000
401	गंगादेवी	मेवा	भडग	एसटी	स्त्री	85	3	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
402	बच्चू	मिश्री	भडग	एसटी	पुरु	40	7	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000

403	पप्पू	मेवा	भडग	एसटी	पुरु	40	3	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
404	विनोद	मिश्री	भडग	एसटी	पुरु	35	5	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
405	शैतान	रामसिंह	भडग	एसटी	पुरु	27	4	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
406	सुंदरी	**बे**.रामचंद्र	भडग	एसटी	स्त्री	50	3	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
407	रज्जो	**बेवा** साधू	भडग	एसटी	स्त्री	40	1	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
408	सोनिया	धर्मसिंह	भडग	एसटी	स्त्री	22	4	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
409	कप्तान	मेवा	भडग	एसटी	पुरु	30	4	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
410	डोली	दिवारी	भडग	एसटी	स्त्री	25	2	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
411	रामसिंह	मिश्री	भडग	एसटी	पुरु	45	4	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
412	सूरजदीन	रामचंद्र	बाल्मी	अनुसू	पुरु	70	7	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
413	वीरपाल	शिवनंदन	दर्जी	बी.सी	पुरु	53	8	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
414	पप्पू	स्वर्गदीन	बाल्मी	अनुसू	पुरु	28	7	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
415	ज्ञानदेवी	**बेवा** बबलू	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	30	3	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
416	रामादेवी	फरेनसिंह	कठेरि	अनुसू	स्त्री	28	6	मुरहास	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
417	रेशमा	अहिबरन	कठेरि	अनुसू	स्त्री	40	9	पट्टीखुर्द	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
418	रचना	तेजपाल	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	22	1	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	0000
419	रामजीत	रघुनंदन	कहार	बी.सी	पुरू	35	6	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
420	वीरपाल	महेंद्रसिंह	चौहान	ठाकुर	पुरू	80	3	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
421	धनदेवी	श्रीकृष्ण	कठेरि	अनु.	स्त्री	65	3	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
422	अच्छनखा	इस्लामखां	मुस्लि	मुस्लि	पुरु	86	1	बराकेशव	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
423	वेदराम	मेवारा	कठेरि	अनुसू	पुरु	62	6	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
424	रामादेवी	रामसेवक	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	35	9	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
425	मुरीदन	**बेव**.रहीस	मुस्लि	मुस्लि	स्त्री	45	2	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	500
426	तेजपाल	महेशसिंह	तोमर	ठाकुर	पुरु	47	8	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1600
427	निर्मला	**बेवा**.राजेश	काछी	बी.सी	स्त्री	46	3	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	800
428	जयादेवी	रामवीर	काछी	बी.सी	स्त्री	30	4	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
429	रानी	शैलेन्द्र	नाई	बी.सी	स्त्री	26	3	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
430	कमलेश	अशोक	काछी	बी.सी	स्त्री	32	6	पुठरी	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
431	श्यामप्रका	गुलजारी	बढ़ई	बी.सी	पुरू	56	6	बरारिख	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
432	कान्ति	**बे**.राधेश्याम	जाटव	अनुसू	स्त्री	50	8	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	800
433	गीता	मनीष	जाटव	अनुसू	स्त्री	26	4	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
434	रीना	शैलेश	जाटव	अनुसू	स्त्री	28	6	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1100
435	विजयसिं	गुरूबक्स	चंदेल	ठाकुर	पुरु	54	9	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	8–वीं	कृषि	1400
436	सीमा	प्रमोदसिंह	चंदल	ठाकुर	पुरु	40	9	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	प्राथमि	कषि	1300
437	धीरेन्द्र	हेतराम	तेली	बी.सी	पुरु	30	4	बरारिख	मोहम्मदाबाद	8–वीं	मजदू	1200
438	श्यामबाबू	भीकमलाल	कहार	बी.सी	पुरु	45	9	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
439	रैवारी	भीकमलाल	कहार	बी.सी	पुरु	52	7	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
440	सोनी	**बे**.रामवीर	कहार	बी.सी	स्त्री	46	4	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	प्राइम	900
441	राधा	महावीर	कहार	बी.सी	स्त्री	32	4	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
442	हरभजन	गंगाराम	कहार	बी.सी	पुरु	28	4	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
443	सुमन	अजय	कहार	बी.सी	स्त्री	28	6	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
444	सरोज	रिशीपाल	कहार	बी.सी	स्त्री	26	6	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
445	सरिता	मूलचन्द्र	कहार	बी.सी	स्त्री	36	5	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
446	सर्वेन्द्र	रामप्रसाद	कहार	बी.सी	पुरू	36	5	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
447	हरीराम	रामचरन	बाल्मी	अनुसू	पुरू	48	4	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
448	मुन्नी	प्रेमचन्द्र	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	63	2	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
449	राममूर्ति	नरेश	धोबी	अनुसू	स्त्री	48	9	बरारिख	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
450	अनीता	अनारसिंह	पाल	बी.सी	स्त्री	30	6	बरारिख	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
451	काशीराम	सोनपाल	कोरी	अनुसू	पुरु	47	2	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
452	गौरादेवी	**बे**.श्रीकृष्ण	जाटव	अनुसू	स्त्री	66	7	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
453	मंजो	सोबरन	जाटव	अनुसू	स्त्री	33	10	सिकंदरपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
454	प्रदीप	हरीशंकर	शुक्ल	ब्राह्मण	पुरु	38	6	बरारिख	मोहम्मदाबाद	प्राइमर	मजदू	1200
455	किशोर	रामभरोसे	कहार	बी.सी	पुरु	40	6	न.धनासिकंद	मोहम्मदाबाद	8–वीं	मजदू	1400
456	राजवीर	मुंशीलाल	काछी	बी.सी	पुरु	55	6	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	कुषि	1500
457	सरला	रामरक्षपाल	दुबे	ब्राह्मण	स्त्री	56	8	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
458	प्रीती	विनोद	काछी	बी.सी	स्त्री	28	7	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	8–वीं	मजदू	1500
459	मीना	**बे**.ब्राह्मानंद	काछी	बी.सी	स्त्री	45	5	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
460	प्रदीप	रबेंद्र	कोरी	अनुसू	पुरु	36	5	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	9–वीं	मजदू	1500

461	हरबंश	सुन्नीलाल	काछी	बी.सी	पुरु	44	7	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
462	सुशीला	बे.शिवपाल	काछी	बी.सी	स्त्री	48	8	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
463	कुमोदनी	श्रीकांता	अहीर	बी.सी	स्त्री	40	9	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
464	मुन्नू	होरीलाल	नाई	बी.सी	पुरु	43	9	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
465	रामप्यारी	रघुवीर	सिसो.	ठाकुर	स्त्री	51	9	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
466	गंगादेवी	**बे.**रामनाथ	कहार	बी.सी	स्त्री	62	2	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
467	रामदर्शनी	रामकिशन	काली	बी.सी	स्त्री	47	7	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
468	सेवारानी	राजेश	कहार	बी.सी	स्त्री	40	7	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	5–वीं	मजदू	1200
469	अलउद्दीन	रूस्तमखां	बेहना	मुस्लि	पुरु	67		मदनपुर	मोहम्मदाबाद	प्राथमि	मजदू	800
470	वर्माजीत	परमाई	काछी	बी.सी	पुरु	50	8	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1100
471	महेन्द्र	सुखीराम	धोबी	अनुसू	पुरू	27	3	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	10–वीं	मजदू	1500
472	बालकृष्ण	सुखवासी	दुबे	ब्राह्मण	पुरू	46	6	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	इण्टर	मजदू	1500
473	ममता	राधाकृष्ण	अहीर	बी.सी	स्त्री	42	6	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	8–वीं	मजदू	1500
474	सुरेश	तुलसीराम	दर्जी	बी.सी	पुरू	60	3	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	प्राथमि	मजदू	1000
475	कविता	सर्वेश	अहीर	बी.सी	स्त्री	46	11	मदनपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1500
476	अनारकली	**बे.**खुशीनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	76	8	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1500
477	जयवीर	दिलीपनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	72	9	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	5–वीं	भीख	900
478	रानी	**बे**मनोहरनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	46	7	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
479	गुड्डी	अमरनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	44	9	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	900
480	पानकी	तेजसिंहनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	36	5	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
481	ऊषा	परवेन्द्रनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	31	2	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
482	प्रकाश	निरोत्तमनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	60	10	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
483	महावीर	मुद्दरनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	70	10	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
484	रामसिंह	चन्द्रानाथ	जोगी	एसटी	पुरु	56	7	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
485	शकुन्तला	**बे**लौहरीनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	46	5	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	800
486	जगदीश	बिर्शनाथ	जोगी	एसटी	पुरू	82	7	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
487	रामदेवी	**बे.**डालनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	66	2	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
488	कमलेश	पोखरनाथ	जोगी	एसटी	पुरू	40	7	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
489	शान्ति	**बे**.मुंशीनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	52	8	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
490	रोहताश	निरोत्तमनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	60	11	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	इण्टर	भीख	1000
491	घूंसूनाथ	आलोकनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	42	8	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	8–वीं	भीख	1000
492	बाबूखां	नूरमोहम्मद	धूनहा	बीसी	पुरु	46	6	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
493	राजेश	खुशीनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	36	8	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	इण्टर	भीख	1000
494	नरायनी	**बे**.जयकरन	जोगी	एसटी	स्त्री	62	5	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
495	सुनीता	कन्हैयानाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	32	9	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
496	वेदराम	मोरनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	41	6	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
497	भूदेवनाथ	मानपाल	जोगी	एसटी	पुरु	56	9	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
498	शिवदयाल	मौरनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	51	7	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1000
499	मौरनाथ	पोपीनाथ	जोगी	एसटी	पुरु	86	9	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	500
500	हेमलता	सत्यवीरनाथ	जोगी	एसटी	स्त्री	34	5	खिमसेपुर	मोहम्मदाबाद	निरक्षर	भीख	1500
501	किरन	रामबरन	बढई	बी.सी	स्त्री	36	6	अहिमलापुर	कमालगंज	प्राइम	मजदू	1500
502	सुधा	अजयपाल	जाटव	अनुसू	स्त्री	35	6	अहिमलापुर	कमालगंज	प्राइम	मजदू	1000
503	प्रेमचन्द्र	मंगूलाल	जाटव	अनुसू	पुरू	40	6	अहिमलापुर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
504	बालकराम	रामसहाय	जाटव	अनुसू	पुरु	65	2	अहिमलापुर	कमालगंज	प्राइम	मजदू	1000
505	रेशमा	**बेवा** गिरन्द	धोबी	अनुसू	स्त्री	50	1	अहिमलापुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	1000
506	बेंचेलाल	नत्थूलाल	कहार	बी.सी	पुरु	60	1	अहिमलापुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	800
507	कुसुम	**बेवा** रमन	सक्से	बी.सी	स्त्री	45	2	महोई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
508	गीता	**बेव**.कैलाश	बाल्मी	अनु.	स्त्री	35	6	महोई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
509	शकीला	**बे.**इस्लाम	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	38	2	महोई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
510	रिंकी	प्रमोद	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	26	3	महोई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
511	अखिलेश	उदयवीर	माली	बी.सी	पुरु	40	7	महोई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1600
512	जगदीश	जुगुल	दर्जी	बी.सी	पुरु	70	2	महोई	कमालगंज	निरक्षर	भीख	800
513	अनूप	हृदयराम	कंजड	एसटी	पुरु	55	5	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
514	कान्ती	बच्चू	कंजड	एसटी	स्त्री	42	8	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1300
515	लक्ष्मी	**बे.**होरीलाल	कंजड	एसटी	स्त्री	55	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	900
516	मुन्नी	राजकुमार	कंजड	एसटी	स्त्री	43	11	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
517	रेशमा	**बे**.पेशकार	कंजड	एसटी	स्त्री	52	8	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
518	संगीता	**बे.**मनोज	कंजड	एसटी	स्त्री	35	3	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000

519	गंगा	रबी	कंजड	एसटी	स्त्री	38	7	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
520	भारती	सुमित	कंजड	एसटी	स्त्री	20	4	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
521	मधू	विजय	कंजड	एसटी	स्त्री	28	4	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
522	पिल्लू	रामचरन	कंजड	एसटी	पुरु	62	11	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
523	राधे	बनवारी	कंजड	एसटी	पुरु	55	9	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1600
524	गुड्डी	**बे.**नेकराम	कंजड	एसटी	स्त्री	58	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
525	शशी	मनोज	कंजड	एसटी	स्त्री	38	7	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
526	केशकली	प्रताप	कंजड	एसटी	स्त्री	46	8	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
527	रामदुलारी	रामौतार	कंजड	एसटी	स्त्री	48	7	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
528	गुडिया	करिया	कंजड	एसटी	स्त्री	37	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
529	ज्योति	शिवा	कंजड	एसटी	स्त्री	30	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
530	सपना	रामसागर	कंजड	एसटी	स्त्री	32	5	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
531	संगीता	विनोद	कंजड	एसटी	स्त्री	42	7	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
532	सुशीला	बक्षराम	कंजड	एसटी	स्त्री	45	5	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
533	बच्चिया	रामबाबू	कंजड	एसटी	स्त्री	30	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
534	विक्की	रामासरे	कंजड	एसटी	स्त्री	27	4	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
535	गुड्डी	रूपसिंह	कंजड	एसटी	स्त्री	46	9	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
536	राहुल	अमरसिंह	कंजड	एसटी	पुरु	26	4	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
537	मिल्ला	गुड्डन	कंजड	एसटी	स्त्री	42	7	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
538	सरोजनी	**बेवा** सुरेश	कंजड	एसटी	स्त्री	56	6	महरूपुररवी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
539	सीता	सरवन	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	32	4	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	900
540	भूरेलाल	मुन्नालाल	बाल्मी	अनुसू	पुरु	38	8	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
541	विटान	कपूरे	बाल्मी	अनुसू	स्त्री	38	5	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
542	विमला	राकेश	जाटव	अनुसू	स्त्री	32	3	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1100
543	सुरेश	रामपाल	कहार	बी.सी	पुरु	52	9	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
544	ललिता	सुनील	जाटव	अनुसू	स्त्री	21	3	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	8वीं	मजदू	1300
545	बीजू	सुदामालाल	जाटव	अनुसू	स्त्री	27	4	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	900
546	जमुनाप्रसा	मिश्रीलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	50	7	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
547	इन्द्रवती	**वे**रामस्वरू	जाटव	अनुसू	स्त्री	70	3	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
548	शिवकली	गंगासहाय	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	4	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
549	कान्ति	राजेश	कठेरि	अनुसू	स्त्री	36	9	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
550	शकुन्तला	**बे**राजकुमार	कठेरि	अनुसू	स्त्री	48	8	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
551	चमेली	**बेवा.**महेन्द्र	कठेरि	अनुसू	स्त्री	56	7	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
552	जानकी	धर्मपाल	जाटव	अनुसू	स्त्री	42	7	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
553	ऊषा	महेश	कहार	बी.सी	स्त्री	60	8	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1100
554	अवधेश	पुत्तूलाल	कहार	बी.सी	पुरु	42	6	ऊगरपुरसुल्त	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
555	संजय	बच्चन	जाटव	अनुसू	पुरु	32	4	रूनीचुरसई	कमालगंज	5–वीं	मजदू	1500
556	रीता	सुनील	जाटव	अनुसू	स्त्री	38	8	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
557	सज्जो	जाबिर	फकीर	बीसी	स्त्री	35	5	तकियरूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
558	मीनाबेगम	सिराजुद्दीन	फकीर	बीसी	स्त्री	30	8	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
559	अफशाना	बुद्धाशाह	फकीर	बीसी	स्त्री	48	4	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
560	आशिक	कासिम	फकीर	बीसी	पुरु	21	2	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	भीख	500
561	जायदा	शहाबुद्दीन	फकीर	बीसी	स्त्री	32	5	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1530
562	सीमाबेग	शराफत	फकीर	बीसी	स्त्री	36	6	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
563	नूरजहां	दिलशाद	फकीर	बीसी	स्त्री	25	3	तकियारूर्नी	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
564	सुषमा	सत्यपाल	कठेरि	अनुसू	स्त्री	25	7	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
565	पुष्पा	भैयालाल	कठेरि	अनुसू	स्त्री	65	8	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
566	विनीता	धीरज	कठेरि	अनुसू	स्त्री	21	3	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
567	सुरेश	रघुवर	कठेरि	अनुसू	पुरू	44	7	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
568	अनीता	आनंद	भुर्जी	बीसी	स्त्री	32	5	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
569	रमेश	मोतीलाल	बाल्मी	अनुसू	पुरु	60	6	रूनीचुरसई	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
570	राजेन्द्र	रघुनाथ	नट	एसटी	पुरु	37	7	रूनीबगिया	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
571	बबलू	विनोद	कहार	बीसी	पुरु	40	5	न्यामतपुर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
572	वेदपाल	मौजीलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	55	6	बंदरखेडा	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
573	राजेश्वरी	राजेश	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	5	रूनीबगिया	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1400
574	अवधेश	गजराज	जाटव	अनुसू	पुरु	36	5	दरियावगंज	कमालगंज	8–वीं	मजदू	1400
575	रामजीत	गजराज	जाटव	अनुसू	पुरु	27	4	दरियावगंज	कमालगंज	बी.ए.	मजदू	1500
576	ज्ञानदेवी	शिवशंकर	जाटव	अनुसू	स्त्री	45	9	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200

577	लता	बे.सुनील	नट	एसटी	स्त्री	30	8	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	700
578	शान्ति	बे.मलिखान	नट	एसटी	स्त्री	70	4	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
579	विनोद	हुलासी	भुडग	एसटी	पुरु	48	9	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
580	रेशमा	बे.हुलासी	भुडग	एसटी	स्त्री	65	7	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	भीख	800
581	सुनीता	बच्चो	भुडग	एसटी	स्त्री	34	5	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
582	गिरन्द	हुलासी	भुडग	एसटी	पुरु	30	5	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
583	गीता	राजू	भुडग	एसटी	स्त्री	42	9	दरियावगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
584	उमा	इन्द्रपाल	भुर्जी	बीसी	स्त्री	45	3	लउआनगर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1500
585	आरती	बेगौतमलाल	नाई	बीसी	पुरु	45	2	कुंदनगनेशपु	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	700
586	गायत्री	बेवारघुवीर	काछी	बीसी	पुरु	28	2	कुंदनगनेशपु	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
587	कुन्तीदेवी	बे.साहबसिंह	राठौर	ठाकुर	स्त्री	45	1	हैदरपरु	कमालगंज	निरक्षर	भीख	700
588	तारावती	बेबालकराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	55	3	हैदरपुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	500
589	गुड्डीदेवी	तोताराम	लेधी	बीसी	स्त्री	46	6	रसीदपुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	800
590	शकुंतला	विश्राम	नाई	बीसी	पुरु	49	6	रसीदपुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	900
591	मौरश्री	बेलालूप्रसाद	कठेरि	अनुसू	स्त्री	55	4	भूलनपुरचिर	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	600
592	मायादेवी	बे.चुन्नूसिंह	राठौर	ठाकुर	स्त्री	50	3	गदनपुरतुर्रा	कमालगंज	निरक्षर	भीख	1000
593	उर्मिला	सुभाष	नाई	बीसी	स्त्री	40	6	गदनपुरतुर्रा	कमालगंज	निरक्षर	भीख	900
594	राजबहादु	बंडी लाल	कठेरि	अनुसू	पुरु	55	3	कर्मचंदपुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	700
595	रिहाना	बे.रियाजुद्दीन	फकीर	मुस्लि	स्त्री	55	8	हिसामपुर	कमालगंज	निरक्षर	भीख	700
596	उर्मिला	बे.रामजी	कहार	बीसी	स्त्री	35	6	उस्मानगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
597	शोभाराम	मोतीलाल	कहार	बीसी	पुरु	65	5	उस्मानगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	700
598	पुष्पा	लालाराम	जाटव	अनुसू	स्त्री	30	6	उस्मानगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	800
599	विनीता	मोतीलाल	कहार	बीसी	स्त्री	28	4	उस्मानगंज	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1000
600	जहीर	नसीर	मंसूरी	मुस्लि	पुरु	35	6	नगलाखेमरैंग	कमालगंज	निरक्षर	मजदू	1200
601	सियादेवी	बे.जयद्रथ	चौहान	ठाकुर	स्त्री	62	1	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	700
602	सदाप्यारी	बे.रतीराम	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	63	3	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
603	रामदुलारी	बे.निरंजन	जाटव	अनुसू	स्त्री	58	1	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
604	रिंकी	राजन	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	22	3	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
605	छोटीबिटि	रामवीर	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	40	6	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
606	मनोज	सियाराम	भुर्जी	बी.सी	पुरु	32	7	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
607	हुल्लास	लल्लूसिंह	चौहान	ठाकुर	पुरु	75	1	दुबरी	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	500
608	रामनाथ	बनवारी	जाटव	अनुसू	पुरु	50	4	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
609	बदलशेर	जहरखान	फकीर	बीसी	पुरू	42	6	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
610	शिवकुमार	सोमराज	फकीर	बी.सी	पुरु	45	5	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
611	सुरेश	बनवारी	जाटव	अनुसू	पुरु	50	2	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
612	विजय	भैयालाल	जाटव	अनुसू	पुरू	45	5	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
613	अनीता	बे.रामेश्वर	जाटव	अनुसू	स्त्री	36	4	रजलामई	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	700
614	अनुपमा	बे.रिंकूसिंह	राठौर	ठाकुर	स्त्री	30	4	गुसरापुर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	1000
615	माया	बेरामप्रसाद	जाटव	अनुसू	स्त्री	42	5	गुसरापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
616	मीना	बे.नेकराम	कहार	बीसी	स्त्री	40	5	गुसरापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	600
617	द्रोपदी	बे.रामसरन	जाटव	अनुसू	स्त्री	35	6	कुंइयाधीर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
618	निसारखां	आसिनशाह	फकीर	मुस्लि	पुरु	45	5	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1300
619	बीरेन्द्र	सुरेंद्र सिंह	राठौर	ठाकुर	पुरु	40	4	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
620	समीना	पप्पू	फकीर	मुस्लि	स्त्री	42	7	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
621	रजिया	समीम	फकीर	मुस्लि	स्त्री	48	8	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
622	अमीना	बे.चांदमियां	फकीर	मुस्लि	स्त्री	35	7	पपड़ीखर्द	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1100
623	राधेश्याम	सीताराम	जाटव	अनुसू	पुरु	50	5	पपड़ीखर्द	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
624	राजाराम	मैकूलाल	जाटव	अनुसू	पुरु	65	1	पपड़ीखर्द	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	500
625	इड़ाखान	रसीदखान	फकीर	मुस्लि	पुरु	55	1	पपड़ीखर्द	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
626	रीता	बे.अशोक	कोरी	अनुसू	स्त्री	36	3	मंझना	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
627	सत्यप्रका	हनुमान	चतुर्वे	ब्राह्मण	पुरु	45	5	मंझना	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
628	मंजू	बे.प्रमोदकुम	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	35	5	दलेलगंज	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
629	लक्ष्मी	बे.संतोष	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	30	4	दलेलगंज	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
630	रामकिशो	चिरौंजीलाल	नट	एसटी	पुरु	35	7	दलेलगंज	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
631	मुन्नीबेगम	बे.अल्ताफ	फकीर	मुस्लि	स्त्री	50	3	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	600
632	अलीमोह	नूरमोहम्मद	फकीर	मुस्लि	पुरु	45	7	चिलसरा	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
633	केतुकी	बे.ग्रीसचंद्र	जाटव	अनुसू	स्त्री	32	5	प्रहलादपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
634	रामवती	बे.विनोद	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	50	1	प्रहलादपुर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	1000

635	रामदास	राजाराम	नाई	बी.सी	पुरु	65	3	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
636	सुरेशचंद्र	रामचंद्र	नाई	बी.सी	पुरु	55	5	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
637	सूबेदार	फकीरेलाल	नाई	बी.सी	पुरु	68	6	संतोषापुर	शमशाबाद	8–वीं	मजदू	800
638	रामआसरे	रामदयाल	कहार	बी.सी	पुरु	60	5	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
639	उपासना	बेवा.पप्पू	कठेरि	अनुसू	स्त्री	35	3	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
640	धनपाल	चेतराम	धोबी	अनुसू	पुरु	55	7	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	700
641	नन्हींदेवी	बेमोहनलाल	जाटव	अनुसू	स्त्री	75	4	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
642	रामबेटी	बे.फूलसिंह	तोमर	ठाकुर	स्त्री	80	4	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	800
643	छोटेलाल	तोताराम	कठेरि	अनु	पुरु	70	4	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	800
644	फूलश्री	बे.रामभजन	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	70	2	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	500
645	राजकुमार	भाई सिंह	पाल	बी.सी	पुरू	40	6	भिडौर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1400
646	सुनीता	महाराम	नाई	बी.सी	स्त्री	45	6	साम.भिखारी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
647	रमेशचंद्र	लालाराम	तेली	बी.सी	पुरू	35	7	साम.भिखारी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
648	मौकिन्ना	बे.सरदार	जाटव	अनुसू	स्त्री	50	3	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
649	रमेशचंद्र	बेंचेलाल	बाल्मी	अनुसू	पुरु	40	7	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1500
650	रामरानी	बेरामगुपाल	कहार	बी.सी	स्त्री	45	6	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
651	मीनादेवी	बे.रामरहीस	कठेरि	अनुसू	स्त्री	35	5	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	700
652	सुमनदेवी	अमरसिंह	नाई	बी.सी	स्त्री	30	6	संतोषापुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
653	रामकरन	छदामी	लोधी	बी.सी	पुरु	35	4	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
654	गंगासिंह	रामलडैते	लोधी	बी.सी	पुरु	45	8	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
655	रामवती	रामलडैते	लोधी	बी.सी	स्त्री	60	4	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
656	रेखादेवी	बृजमोहन	लोधी	बी.सी	स्त्री	40	5	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1100
657	धर्मपाल	वेदराम	लोधी	बी.सी	पुरु	38	7	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1200
658	दयाराम	केवल	लोधी	बी.सी	पुरु	40	5	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
659	कुसमदेवी	अतरसिंह	लोधी	बी.सी	स्त्री	35	6	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
660	माधुरी	जयसिंह	लोधी	बी.सी	स्त्री	30	5	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
661	रामप्रकाश	नन्हेंलाल	लोधी	बी.सी	पुरु	40	7	हैवतपुरगढि	शमशाबाद	निरक्षर	कृषक	1000
662	रेखा	महावीर	बढ़ई	बी.सी	स्त्री	35	7	प्रहलादपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
663	कंठश्री	बेप्रकाशचंद्र	बढ़ई	बी.सी	स्त्री	40	4	प्रहलादपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	700
664	धनीराम	अनतू	काछी	बी.सी	पुरु	30	5	प्रहलादपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
665	भूरी	बे.राधेश्याम	कहार	बी.सी	स्त्री	35	3	किसरौली	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
666	राधिका	बेमिश्रीलाल	तेली	बी.सी	स्त्री	60	1	किसरौली	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	700
667	दिनेशचंद्र	गंगाराम	जाटव	अनुसू	पुरू	40	4	किसरौली	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
668	रिहाना	बे.इकबाल	मुस्लि	मुस्लि	स्त्री	36	4	कलुआपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
669	इन्दूलाल	नंदराम	तेली	बी.सी	पुरू	45	5	कलुआपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
670	फूलनदेवी	कल्लू	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	45	4	सोनाजानकी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
671	राजेश	छत्तरलाल	काछी	बी.सी	पुरु	40	5	सोनाजानकी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
672	राजवती	बेभूपकिशोर	काछी	बी.सी	स्त्री	45	6	सोनाजानकी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
673	रामबेटी	बे.प्रेमसिंह	लोधी	बी.सी	स्त्री	45	6	सोनाजानकी	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
674	बच्चनलाल	लच्छूलाल	कोरी	अनुसू	पुरु	66	4	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	800
675	नन्हींदेवी	बे.रतीराम	धोबी	अनुसू	स्त्री	45	5	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	800
676	रामबेटी	बेरामप्रकाश	लोधी	बी.सी	स्त्री	40	1	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	700
677	रामबेटी	बे.काशीराम	कोरी	अनुसू	स्त्री	45	4	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
678	नीरा	बे.दिनेश	लोधी	बी.सी	स्त्री	40	5	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	900
679	आकिल	अब्दुलमजीर	मुस्लि	बीसी	पुरू	35	5	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
680	मुन्नीदेवी	बे.जयसिंह	धोबी	अनुसू	पुरू	40	5	रोशनाबाद	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
681	श्यामसखी	तुलाराम	काछी	बीसी	स्त्री	40	10	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1200
682	रामचंद्र	प्यारेलाल	बाल्मी	अनुसू	पुरु	60	6	मिलकिया	शमशाबाद	निरक्षर	भीख	700
683	खुशनुमा	इरशाद	पठान	मुस्लि	स्त्री	40	8	मिलकिया	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1200
684	प्रमोद	बक्षराज	लोधी	बीसी	पुरु	25	4	लोधीपुर	शमशाबाद	9–वीं	कृषि	1200
685	सुंदरीदेवी	जितेंद्रकुमार	लोधी	बीसी	स्त्री	30	5	लोधीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1300
686	श्यामा	बे.हरीओम	धोबी	अनुसू	स्त्री	60	9	समैचीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
687	आशाराम	वीरसहाय	लोधी	बीसी	पुरु	50	1	लोधीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1100
688	रामदेवी	बेरामगुपाल	लोधी	बीसी	स्त्री	40	7	लोधीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
689	रामभजन	राजाराम	लोधी	बीसी	पुरु	45	8	लोधीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1200
690	लक्ष्मीदेवी	प्रभूदयाल	लोधी	बीसी	स्त्री	30	6	लोधीपुर	शमशाबाद	10–वीं	कृषि	1400
691	ईश्वरदया	गंगाराम	लोधी	बीसी	पुरु	55	8	लोधीपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000
692	पूनमदेवी	रामवरन	काछी	बीसी	स्त्री	30	6	कासिमपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000

693	लक्ष्मीदेवी	**बे.**हरीराम	काछी	बीसी	स्त्री	30	4	कासिमपुर	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000
694	सोनपाल	कप्तानसिंह	काछी	बीसी	पुरु	40	2	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000
695	गंगासिंह	मैकूलाल	काछी	बीसी	पुरु	60	5	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1100
696	रामनरेश	मिहीलाल	काछी	बीसी	पुरु	45	5	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000
697	लालाराम	पंचमलाल	काछी	बीसी	पुरु	50	4	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1200
698	प्रेमावती	**बे.**रामसेवक	बढ़ई	बीसी	स्त्री	36	6	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	मजदू	1000
699	सरोजदेवी	महावीर	काछी	बीसी	स्त्री	30	6	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1200
700	राजेंद्र	गेंदनलाल	नाई	बीसी	पुरू	60	9	साधोसराय	शमशाबाद	निरक्षर	कृषि	1000
701	पुत्तूलाल	झंमनलाल	धोबी	अनुसू	पुरू	58	2	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1600
702	नन्हींदेवी	सुधीर	धोबी	अनुसू	स्त्री	26	7	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
703	सुशीला	**बे.**ओमकार	भुर्जी	बी.सी	स्त्री	50	5	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
704	लक्ष्मी	मुकेश	कहार	बी.सी	स्त्री	35	7	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1600
705	अफशाना	**बे.**मुंतियाज	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	36	9	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
706	हसीना	इकरार	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	32	6	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1600
707	कालीचरन	बुद्धीलाल	खटिक	अनु.	पुरु	72	1	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
708	रामनिवास	डम्बरलाल	कुंहार	बी.सी	पुरु	66	1	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	600
709	मुन्नीबेगम	इलामुद्दीन	धुनहा	मुस्लि	स्त्री	35	5	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
710	रामदेवी	हरपाल	धोबी	अनुसू	स्त्री	69	3	नरैनामऊ	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
711	नत्थूखान	बादशाह	फकीर	मुस्लि	पुरु	46	5	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
712	शमशेर	वशीरशाह	फकीर	मुस्लि	पुरु	52	3	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
713	मुन्ना	अलीमोहम्मद	फकीर	मुस्लि	पुरु	44	8	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
714	साहबअल	याकूबअली	फकीर	मुस्लि	पुरु	50	5	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
715	राजेश	मंगली	तेली	बीसी	पुरु	43	6	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
716	जसोदा	**बे.**जाहिर	जाटव	अनुसू	स्त्री	36	4	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
717	मुन्नीबेगम	**बे.**सद्दीक	फकीर	मुस्लि	पुरू	66	9	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	500
718	राधेश्याम	लालाराम	तेली	बी.सी	पुरू	55	2	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
719	शान्ति	**बे.**नन्दराम	जाटव	अनुस	स्त्री	46	6	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
720	सवितादे	**बे.**बंगाली	तेली	बी.सी	स्त्री	30	3	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
721	रामभजन	चिरौंजीलाल	कहार	बी.सी	पुरु	40	4	नरसिंहपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
722	अतीक	अबीबुलरह	फकीर	मुस्लि	पुरु	45	2	गिर्द	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
723	प्यारी	**बे.**जनक	नट	एसटी	स्त्री	45	5	पुरौरी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1100
724	महिपाल	दरबारी	कुंहार	बी.सी	पुरु	64	6	कादरदादपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
725	सुशीला	**बे.**बृंदावन	कठेरि	अनुस	स्त्री	45	4	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	900
726	सावित्री	**बे.**मेघनाब	लेधी	बी.सी	स्त्री	40	6	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
727	मीना	रामप्रसाद	काछी	बी.सी	स्त्री	48	6	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
728	कुंवरपाल	मलिखान	बाल्मी	अनुस	पुरु	40	6	कुंवरपुरखास	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
729	भूमिराज	नेकराम	कठेरि	अनुस	पुरु	45	11	कुंवरपुरखास	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
730	राजेश	मिश्रीलाल	कठेरि	अनुस	पुरु	40	6	कुंवरपुरखास	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
731	तरूननिशा	अल्लाबक्स	फकीर	बी.सी	स्त्री	30	5	कुंवरपुरखास	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
732	कांतीदेवी	नेकसेलाल	कुंहार	बी.सी	स्त्री	35	6	कादरदादपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
733	सुल्तान	बालिस्टर	लोधी	बी.सी	पुरु	30	5	कादरदादपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
734	उमेशचंद्र	नंदराम	लोधी	बी.सी	पुरु	35	6	कादरदादपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
735	भगवान	जयराम	काछी	बी.सी	पुरु	40	5	पुरौरी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
736	गुड्डीदेवी	**बे**सूरजपाल	काछी	बी.सी	पुरु	40	5	पुरौरी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
737	बाचाराम	अमरसिंह	अहीर	बी.सी	पुरु	28	5	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
738	सुशीला	बृंदावन	कठेरि	अनुस	स्त्री	45	5	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
739	रामवीर	किशोरी	नट	एसटी	पुरू	40	7	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
740	नरेशचंद्र	बालकराम	कठेरि	अनुस	पुरू	35	5	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
741	प्रीतम	भोजराज	लोधी	बीसी	पुरू	28	4	पट्टीमदारी	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
742	रामबेटी	**बे.**लालाराम	जाटव	अनुस	स्त्री	60	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
743	अजयसिं	सुखराम	जाटव	अनुस	पुरु	40	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
744	सावित्री	बे.आशाराम	जाटव	अनुस	स्त्री	60	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
745	रूपवती	नन्हेलाल	जाटव	अनुस	स्त्री	40	6	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
746	महादेवी	कप्तानसिंह	जाटव	अनुस	स्त्री	60	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
747	प्रकाश	जीवाराम	जाटव	अनुस	पुरु	55	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
748	रामभजन	सिद्धार्थ	कठेरि	अनुस	पुरु	50	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
749	हीरालाल	हिम्मतलाल	कठेरि	अनुस	पुरु	65	6	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
750	राजेन्द्र	सोहनलाल	जाटव	अनुस	पुरु	45	6	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000

751	किशोरी	**बे.**नत्थूलाल	जाटव	अनुस	स्त्री	40	6	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
752	तेजराम	गंगाराम	जाटव	अनुसू	पुरु	35	5	बहलोलपुर	कायमगंज	निरक्षर	भीख	800
753	लाडली	पालू	नट	एसटी	स्त्री	45	7	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
754	गंगासहय	बनवारी	नट	एसटी	पुरु	50	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
755	गजरानी	बेरामकिशन	नट	एसटी	स्त्री	65	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	800
756	ममता	कल्लू	नट	एसटी	स्त्री	30	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
757	बीरेन्द्र	मनीराम	नट	एसटी	पुरु	35	5	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
758	नत्थूलाल	बनवारी	नट	एसटी	पुरु	65	5	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
759	मायावती	**बे.**महताब	नट	एसटी	स्त्री	65	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
760	रक्षपाल	बसंतलाल	काछी	बीसी	पुरु	62	7	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
761	रामश्री	**बे.**कड्डीलाल	जाटव	अनुस	स्त्री	65	2	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	भीख	500
762	शकुंतला	**बे**.पातीराम	नट	एसटी	स्त्री	70	5	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	भीख	500
763	रामदयाल	मनोहर	जाटव	अनुस	पुरु	70	3	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	भीख	800
764	मीना	मुखराम	नट	एसटी	स्त्री	40	5	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
765	राममूर्ति	राजवीर	जाटव	अनुस	स्त्री	35	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
766	संतोषी	रामबाबू	कहार	बी.सी	स्त्री	35	5	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
767	उर्मिला	हरीओम	नट	एसटी	स्त्री	30	6	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
768	सुनीता	नरेश	नट	एसटी	स्त्री	65	7	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	भीख	800
769	रामरतन	भूपालसिंह	जाटव	अनु	पुरू	35	4	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
770	सुमित्रा	महिपाल	जाटव	अनु	स्त्री	40	4	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
771	कल्लू	ईश्वरी	नट	एसटी	पुरू	40	7	शिवराईबरिय	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
772	सीतादेवी	गणेश	तेली	बीसी	स्त्री	28	6	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
773	श्रीदेवी	**बे.**हुलासी	काछी	बीसी	स्त्री	55	3	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
774	चंदनदेवी	विशुनदयाल	काछी	बीसी	स्त्री	30	4	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
775	संगीता	दीपक	काछी	बीसी	स्त्री	25	5	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
776	सुधीर	नानिकराम	बाल्मी	अनु.	पुरु	40	7	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
777	रेखादेवी	पन्नालाल	कहार	बीसी	स्त्री	35	6	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
778	चंद्रशेखर	मैकूलाल	काछी	बीसी	पुरु	40	4	झब्बूपुर	कायमगंज	8–वीं	मजदू	1200
779	गीतादेवी	मेघनाथ	कहार	बीसी	स्त्री	45	7	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
780	ललिता	सर्वेशकुमार	कहार	बीसी	स्त्री	30	4	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
781	निहालमीर	नादर मीर	पठान	मुस्लि	पुरु	40	4	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
782	राजेंद्रसिं	रामेश्वर	कहार	बीसी	पुरू	45	8	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1300
783	अंजूदेवी	सुधीरकुमार	तेली	बीसी	स्त्री	25	6	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
784	रबीन्द्र	रामप्रकाश	तेली	बीसी	पुरू	42	6	झब्बूपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
785	सुखरानी	पूरनलाल	कहार	बीसी	स्त्री	55	6	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
786	फूलमती	बहोरनलाल	तेली	बीसी	स्त्री	50	9	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
787	मूलवती	**बे**.रनवीर	तेली	बीसी	स्त्री	55	5	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
788	निर्मला	रमेशचंद्र	काछी	बीसी	स्त्री	30	5	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1000
789	लक्ष्मण	निरंजन	काछी	बीसी	पुरु	70	6	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	कृषि	1000
790	कांतीदेवी	जालिम	काछी	बीसी	स्त्री	50	10	लटूरनगर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
791	बिन्दावती	रामरहीम	अहीर	बीसी	स्त्री	46	7	लुधैया	कायमगंज	निरक्षर	कृषि	1500
792	सिंहजी	इतवारी	भुर्जी	बीसी	पुरु	40	7	लुधैया	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
793	शोभा	अनिल	भुर्जी	बीसी	स्त्री	35	5	लुधैया	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1400
794	सुखदेवी	**बे.**रामसनेही	पाल	बीसी	स्त्री	60	3	लुधैया	कायमगंज	निरक्षर	कृषि	1000
795	मुनासिब	सुल्तान	धुनहा	मुस्लि	पुरु	49	8	लुधैया	कायमगंज	8–वीं	कृषि	1200
796	बृजेश	लालाराम	पाल	बीसी	पुरु	45	6	लुधैया	कायमगंज	7–वीं	कृषि	1400
797	महेन्द्र	घुरई	जाटव	बीसी	पुरु	40	7	लुधैया	कायमगंज	8–वीं	कृषि	1100
798	अनीता	मोहन	बाल्मी	अनु.	स्त्री	38	8	लुधैया	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1200
799	जयदेवी	बे.लालसिंह	लोधी	बीसी	स्त्री	30	5	सिकंदरपुर	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	700
800	रन्जीत	दीनदयाल	कठेरि	अनु.	स्त्री	30	5	चिलौली	कायमगंज	निरक्षर	मजदू	1500
801	इस्लावी	**बे**वा खुमानी	कहार	बीसी	स्त्री	35	5	पिथनापुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
802	मनोज	फकीरे	बाल्मी	बीसी	पुरु	22	3	अमैयापुर	राजेपुर	8–वीं	मजदू	1500
803	गुड्डी	**बे**.रामेश्वर	बाल्मी	अनु.	पुरु	40	1	पिथनापुर	राजेपुर	8–वीं	मजदू	1500
804	सपूती	अशोक	काछी	बीसी	स्त्री	36	7	भावन	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
805	नन्हीं	केशराम	काछी	बीसी	स्त्री	40	7	भावन	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
806	ओमवती	रामवीर	काछी	बीसी	स्त्री	40	7	भावन	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
807	बच्चूसिंह	जनकसिंह	काछी	बीसी	पुरु	35	5	भावन	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
808	मुन्नालाल	इतवारी	भुर्जी	बीसी	पुरु	40	2	भावन	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200

809	मेनकादेवी	शैलेश	जाटव	अनु	स्त्री	25	2	कुमरौर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
810	रामबेटी	जयराम	जाटव	अनु	स्त्री	60	3	भावन	राजेपुर	निरक्षर	भीख	1000
811	फकीरे	खुमानी	कहार	बीसी	पुरु	80	3	कुमरौर	राजेपुर	प्राइमर	मजदू	1000
812	नीलम	सतेंद्र	काछी	बीसी	स्त्री	28	6	रतनपुरपमरान	राजेपुर	निरक्षर	भीख	1500
813	सुनीता	मोरपाल	काछी	बीसी	स्त्री	40	8	रतनपुरपमरान	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
814	अनीता	रविराम	काछी	बीसी	स्त्री	30	6	रतनपुरपमरान	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
815	नन्हीं	रामबाबू	काछी	बीसी	स्त्री	50	5	रतनपुरपमरान	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
816	पूजा	बिट्ठनलाल	काछी	बीसी	स्त्री	28	4	रतनपुरपमरान	राजेपुर	8–वीं	मजदू	1500
817	रामबरन	गणपति	काछी	बीसी	पुरु	60	1	रतनपुरपमरान	राजेपुर	प्राइमर	मजदू	1000
818	रक्षपाल	मिलापसिहं	ठावैस	ठाकुर	पुरु	51	5	आसमपुर	राजेपुर	प्राइमर	मजदू	1100
819	सुनीता	गुड्डू	लोधी	बीसी	स्त्री	45	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
820	गुड्डू	रामभरोसे	कहार	बीसी	पुरु	46	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
821	फेरीलाल	रामस्वरूप	कहार	बीसी	पुरु	75	7	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
822	रामबेटी	**बे.**बाबूराम	लोधी	बीसी	स्त्री	66	10	तौफीकआसम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
823	पूजा	शिवराज	तेली	बीसी	स्त्री	38	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
824	शिवदेवी	**बे**रामबक्स	तेली	बीसी	स्त्री	78	5	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
825	ममता	मूलचन्द्र	लोधी	बीसी	स्त्री	36	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
826	हंसराम	रामभरोसे	लोधी	बीसी	पुरु	34	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
827	ऊषा	सरनाम	लोधी	बीसी	स्त्री	48	5	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
828	रानी	नरेन्द्र	नाई	बीसी	स्त्री	35	7	तौफीकआसम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
829	बिटोली	देबेन्द्र	बढ़ई	बीसी	स्त्री	38	7	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
830	रामपाल	भिखारी	बढ़ई	बीसी	पुरु	50	8	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
831	संजीव	भगवान	बढ़ई	बीसी	पुरु	35	4	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
832	गुड्डू	राजबहादु	बढ़ई	बीसी	पुरु	28	5	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
833	अनारकली	प्रेमचन्द्र	बढ़ई	बीसी	स्त्री	42	10	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
834	गुड्डीदेवी	राकेश	बढ़ई	बीसी	स्त्री	44	7	हूसाकलक्ट	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
835	खुशीराम	रामभरोसे	कहार	बीसी	पुरू	58	6	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	900
836	छोटेलाल	रामस्वरूप	कहार	बीसी	पुरू	42	2	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
837	लीला	सुरेन्द्र	लोधी	बीसी	स्त्री	34	5	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
838	सुखवासी	रामस्वरूप	कहार	बीसी	पुरु	52	8	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
839	बृजगुपाल	सीताराम	लोधी	बीसी	पुरु	66	2	आसमपुर	राजेपुर	निरक्षर	भीख	900
840	सुरेशसिंह	आरजवीर	सोमवं	ठाकुर	पुरु	52	6	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
841	सर्वेश	बृजलाल	बढ़ई	बीसी	पुरु	41	8	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
842	शरीफन	छोटेखान	शेख	मुस्लि	स्त्री	34	5	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
843	मोरफली	नूरहसन	शेख	मुस्लि	स्त्री	62	4	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
844	सोनपाल	अलीहसन	शेख	मुस्लि	स्त्री	54	4	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
845	बतासो	**बे.**छुटकुनू	शेख	मुस्लि	स्त्री	68	9	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
846	किरन	विनोद	भुर्जी	बीसी	स्त्री	42	9	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
847	रीता	**बे.**समरपाल	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	28	2	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	भीख	600
848	श्रीकान्ता	**बे**राजबहादुर	चौहान	ठाकुर	स्त्री	74	4	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
849	रामबेटी	बीरेन्द्र	भुर्जी	बीसी	स्त्री	46	9	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
850	रामदेवी	**बे.**चेतराम	भुर्जी	बीसी	स्त्री	67	7	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
851	दीनबानो	राजू	शेख	मुस्लि	स्त्री	27	4	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
852	शबीना	सरवन	शेख	मुस्लि	स्त्री	24	6	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
853	प्रेमवती	**बे.**ठाकुरसिं	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	63	5	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1000
854	इमली	रामखिलाव	लोधी	बीसी	स्त्री	32	6	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
855	लौंगवती	मनोज	लोधी	बीसी	स्त्री	26	5	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
856	ओमपाल	बृजपाल	सोमवं	ठाकुर	पुरू	42	7	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1000
857	किरन	मन्नीलाल	कहार	बीसी	पुरू	37	10	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
858	दिनेशसिं	लक्ष्मणसिं	सोमवं	ठाकुर	पुरू	55	8	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
859	पिंकी	उमेशसिंह	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	34	3	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	800
860	सावित्री	बेअनिलसिंह	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	54	2	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	700
861	मिथलेश	ओमपाल	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	46	4	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1100
862	मेवाराम	चंपत	जाटव	अनु.	पुरु	38	9	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
863	प्रकाशवती	**बे.**लेखपाल	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	67	7	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
864	उमादेवी	रहीसपाल	कहार	बीसी	स्त्री	36	8	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
865	जयश्री	सियाराम	पाल	बीसी	स्त्री	59	7	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	800
866	गुड्डी	सुरेश	कहार	बीसी	स्त्री	41	5	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000

867	वीरपाल	बनवारी	मुस्लि	बीसी	पुरु	46	5	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
868	उर्मिला	पहचन्नू	मुस्लि	बीसी	स्त्री	45	10	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
869	रूकशाना	इक्तियार	शेख	मुस्लि	स्त्री	42	10	सीढ़ेचकरपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
870	पूनम	जागेन्द्र	लुहार	बीसी	स्त्री	23	4	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
871	कान्ती	नन्द लाल	लुहार	बीसी	स्त्री	25	4	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
872	अनीता	शिव सरन	लुहार	बीसी	स्त्री	38	8	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1300
873	कन्हैया	इतवारी	काछी	बीसी	पुरु	42	6	भावन	राजेपुर	7–वीं	मजदू	1300
874	रामसखी	**बे**.तोताराम	लोधी	बीसी	स्त्री	31	6	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	500
875	उर्मिला	शिवराम	लोधी	बीसी	स्त्री	48	6	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1500
876	सोनेलाल	राम दुलारे	लोधी	बीसी	पुरू	56	7	गुढ़ेरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1000
877	मुनेन्द्रसिं	मोरपाल	राठौर	ठाकुर	पुरू	30	5	गुढ़ेरा	राजेपुर	8–वीं	मजदू	1200
878	वीरवती	वीर सिंह	काछी	बीसी	स्त्री	35	7	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1200
879	चन्द्रपाल	तुलाराम	लोधी	बीसी	पुरु	40	8	चपरा	राजेपुर	इंटर	कृषि	1400
880	भूरेलाल	विश्राम	काछी	बीसी	पुरु	23	5	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1200
881	पृथ्वीराज	फूल सिंह	काछी	बीसी	पुरु	45	6	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1100
882	सीता	शिवराज	काछी	बीसी	स्त्री	26	5	चपरा	राजेपुर	प्राथमि	मजदू	1300
883	सरोज	महेन्द्र सिंह	लोधी	बीसी	स्त्री	36	5	चपरा	राजेपुर	10–वीं	कृषि	1000
884	मालती	रामकुमार	लोधी	बीसी	स्त्री	32	3	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1500
885	पप्पू	रामनाथ	लेधी	बीसी	पुरु	40	11	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1500
886	नन्हींदेवी	राजाराम	लोधी	बीसी	स्त्री	60	7	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	कृषि	1000
887	रामौतार	तुलाराम	लोधी	बीसी	पुरु	48	5	चपरा	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
888	बिटियादेवी	**बे**.सुमेरसिंह	तोमर	ठाकुर	स्त्री	65	2	वीरसिंहपुर	राजेपुर	निरक्षर	भीख	600
889	सकीलन	नबाबशेर	फकीर	मुस्लि	स्त्री	36	7	करनपुरदत्त	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1400
890	शान्ति	अजयनाथ	बढ़ई	बीसी	स्त्री	30	5	करनपुरदत्त	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
891	उजागर	जितता	कहार	बीसी	पुरू	75	4	नगलाकेवल	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	600
892	मंजू	**बे**.राजेंदेसिंह	सोमवं	ठाकुर	स्त्री	40	3	नगलाकेवल	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	800
893	रामरतन	छोटेसिंह	नाई	बीसी	पुरू	40	6	नगलाकेवल	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	800
894	ज्ञानवती	**बे**.बनवारी	बाल्मी	बीसी	स्त्री	50	5	राजेपुर	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	600
895	रामनिवास	रामसनेही	भुर्जी	बीसी	पुरु	50	6	नगलाकेवल	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
896	अजयपाल	शेरसिंह	सोमवं	ठाकुर	पुरु	38	5	हमीरपुरसोम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1000
897	तारावती	पप्पू	जाटव	अनु.	स्त्री	30	6	हमीरपुरसोम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1500
898	बृजेंद्रसिंह	राजाराम	काछी	बीसी	पुरु	42	7	हमीरपुरसोम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
899	खजानादेवी	**बे**.श्रीपाल	नाई	बीसी	स्त्री	45	4	हमीरपुरसोम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	600
900	पातीराम	बच्चूलाल	बाल्मी	अनु..	पुरू	38	7	हमीरपुरसोम	राजेपुर	निरक्षर	मजदू	1200
901	कमला	**बे**.श्रीराम	भुर्जी	बीसी	स्त्री	36	2	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
902	रामदेवी	**बे**बच्चनलाल	बढ़ई	बीसी	स्त्री	35	2	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
903	जलदेवी	**बे**.राधेलाल	भुर्जी	बीसी	स्त्री	35	2	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
904	बुद्धालाल	कैलाश	नाई	बीसी	पुरु	55	2	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
905	सावित्री	**बे**.बेंचेलाल	बढ़ई	बीसी	स्त्री	52	2	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
906	रामदेवी	**बे**कंचनलाल	तेली	बीसी	स्त्री	46	1	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	600
907	रेखादेवी	**बे**.इंद्रपाल	गौर	ठाकु	स्त्री	42	3	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
908	मरजीना	**बे**.जमालुद्दीन	फकीर	मुस्लि	स्त्री	35	3	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
909	कृपांतिदेवी	**बे**.रामसिंह	बढ़ई	बीसी	स्त्री	40	5	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
910	कांतिदेवी	**बे**.बेंचेलाल	कहार	बीसी	स्त्री	35	4	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	900
911	मायादेवी	**बेवा** फकीरे	फकीर	मुस्लि	स्त्री	55	1	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	भीख	500
912	नन्हींदेवी	**बे**.सर्वेशकुम	नाई	बीसी	स्त्री	45	4	गनीजोगपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
913	शांतिदेवी	राजकिशोर	तेली	बीसी	स्त्री	35	5	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
914	रघुवीर	वीरसहाय	काछी	बीसी	पुरू	65	8	तुर्कललैया	नबाबगंज	प्राथमि	कृषि	1000
915	कृष्णपाल	मातादीन	काछी	बीसी	पुरू	42	5	तुर्कललैया	नबाबगंज	8–वीं	कृषि	1500
916	प्रदीप	जयवीर	तेली	बीसी	पुरू	33	5	तुर्कललैया	नबाबगंज	7–वीं	कृषि	1400
917	प्रीतमलाल	बनवारी	तेली	बीसी	पुरू	75	7	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
918	गुड्डी	रामवीर	कुंहार	बीसी	स्त्री	35	12	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
919	नफीसा	**बे**.खलील	धुनहा	बीसी	स्त्री	60	5	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
920	अनीश	इस्लाम	फकीर	बीसी	पुरु	45	10	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
921	रामप्रकाश	बनवारी	तेली	बीसी	पुरु	70	6	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
922	बाबूराम	भूवनलाल	भुर्जी	बीसी	पुरु	70	6	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
923	धनदेवी	पिण्टू	भुर्जी	बीसी	स्त्री	22	2	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
924	नंदराम	रामलाल	तेली	बीसी	पुरु	65	6	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000

925	लज्जाराम	कुम्भी	भुर्जी	बीसी	पुरु	65	1	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	500
926	अनीशा	**बे**.मुन्ने खान	फकीर	बीसी	स्त्री	40	2	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
927	पप्पू	राम स्वरूप	कठेरि	अनु	पुरु	45	5	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
928	कृष्णादेवी	जुगुलकिशो	कठेरि	अनु	स्त्री	45	9	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
929	पार्वती	रामनिवास	कठेरि	अनु.	स्त्री	45	9	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
930	बालिस्टर	फूलचन्द्र	कठेरि	अनु.	पुरु	55	7	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
931	ऊषादेवी	बालकिशन	कठेरि	अनु	स्त्री	45	5	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
932	हरनाम	माखनलाल	जाटव	अनु	पुरु	65	3	भटासा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1300
933	रमेशचंद्र	प्रताप	कंजड	एसटी	पुरु	45	6	ममापुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
934	रूपलाल	रामचंद्र	बढई	बीसी	पुरु	40	7	सिरमौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
935	हरीराम	मनफूल	बाल्मी	अनु.	पुरु	35	6	सिरमौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
936	नुनाराबेग	**बे.**साबिर	मुस्लि	बीसी	स्त्री	32	6	सिरमौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
937	मुन्नीबेगम	**बे.**सादिक	फकीर	बीसी	स्त्री	36	5	बरतल	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	900
938	गीतादेवी	**बे**.भूरे	नट	एसटी	स्त्री	45	4	बरतल	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	800
939	सुरजन	बच्चनलाल	बाल्मी	अनु.	पुरु	45	5	बबना	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
940	राकेश	सच्चिदानंद	बढई	बीसी	पुरु	45	5	बबना	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
941	सतीश	रामनरायन	कहार	बीसी	पुरु	62	5	बबना	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
942	भजनलाल	मिश्रीलाल	कहार	बीसी	पुरु	35	6	ककिउली	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
943	राजेश्वरी	**बे**प्रदीपकुमा	जाटव	बीसी	स्त्री	35	6	पतौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
944	गीतादेवी	जागेश्वर	कठेरि	अनु.	स्त्री	35	4	पतौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	700
945	सरोजनी	राजेश्वर	कठेरि	अनु.	स्त्री	35	5	पतौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
946	बनवारी	दयाराम	पाल	बीसी	पुरु	30	3	पतौरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	600
947	नीतादेवी	**बे**.नरेंद्रनाथ	चौबे	ब्राह्मण	स्त्री	45	4	ककिउली	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
948	बीनादेवी	**बे**कुष्णकांत	चौबे	**पंडित**	स्त्री	60	5	ककिउली	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	900
949	रानीदेवी	बे.सत्यपाल	खटक	अनु.	स्त्री	40	4	ककिउली	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
950	मालती	बे.जगदीश	कहार	बीसी	स्त्री	60	7	चंदुइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
951	प्रेमवती	प्रताप	कहार	बीसी	स्त्री	40	6	चंदुइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1400
952	रामादेवी	कल्यानसिं	धोबी	अनु.	स्त्री	55	6	चंदुइया	नबाबगंज	प्राथमि	मजदू	1500
953	रतीराम	बाबूराम	धोबी	अनु.	पुरू	35	6	चंदुइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	700
954	अनारसिं	रामआसरे	कठेरि	अनु.	पुरु	36	7	चंदुइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1300
955	तेजसिंह	बाबूराम	अहीर	बीसी	पुरु	50	6	इजौर	नबाबगंज	प्राथमि	कृषि	1400
956	कुसमा	अमरीष	कठेरि	अनु.	स्त्री	30	7	चंदुइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1400
957	मायादेवी	रन सिंह	खटक	अनु.	स्त्री	45	5	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
958	विजयलक्ष्मी	रामवीर	खटक	अनु.	स्त्री	40	9	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
959	सीता	सुरेशचंद्र	बाल्मी	अनु.	स्त्री	40	8	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
960	सरोजनी	बे.कल्लूराम	बाल्मी	अनु.	स्त्री	40	5	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
961	कैलाश	पूसेलाल	जाटव	अनु.	पुरू	35	5	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
962	सविता	जगमोहन	कहार	बीसी	स्त्री	22	4	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
963	सुखराम	कुंवरसेन	तेली	बीसी	पुरु	56	5	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
964	कुसमा	नरसिंह	कहार	बीसी	स्त्री	35	6	इजौर	नबाबगंज	प्राथमि	मजदू	1200
965	सुमनदेवी	सुभाष	बाल्मी	अनु.	स्त्री	25	7	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
966	रामबेटी	बे.रामकृष्ण	तेली	बीसी	स्त्री	43	4	इजौर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
967	निर्मला	नरायन	नाई	बीसी	स्त्री	25	6	खिलवारा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
968	बसंती	**बे.**संतराम	अहीर	बीसी	स्त्री	35	3	खिलवारा	नबाबगंज	निरक्षर	भीख	800
969	लौंगश्री	रामनिवास	अहीर	बीसी	स्त्री	60	9	खिलवारा	नबाबगंज	निरक्षर	कृषि	1400
970	मनीष	रामवीर	भुर्जी	बीसी	पुरु	35	9	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
971	दयानंद	रामप्रकाश	भुर्जी	बीसी	पुरु	30	6	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
972	उर्मिला	जयवीर	भुर्जी	बीसी	स्त्री	40	9	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1100
973	जिलेदार	महाराम	कठेरि	अनु	पुरु	46	9	अचरा	नबाबगंज	9–वीं	मजदू	1000
974	सुखदेवी	रामसेवक	जाटव	अनु	स्त्री	40	12	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
975	रामवती	**बे.**मैकूलाल	कठेरि	अनु	स्त्री	45	6	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
976	ममतादेवी	धर्मवीर	जाटव	अनु	स्त्री	28	6	अचरा	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
977	रीना	किशनपाल	जाटव	अनु	स्त्री	23	4	अचरा	नबाबगंज	8–वीं	मजदू	1400
978	सोनी	मुनीष	जाटव	अनु	स्त्री	30	4	अचरा	नबाबगंज	6–वीं	मजदू	1200
979	नीलूदेवी	बृजेंद्र	जाटव	अनु	स्त्री	25	5	अचरा	नबाबगंज	इण्टर	मजदू	1400
980	मीनादेवी	योगेंद्रसिंह	अहीर	बीसी	स्त्री	32	7	खिलवारा	नबाबगंज	निरक्षर	कृषि	1400
981	मीना	पप्पू–राकेश	अहीर	बीसी	पुरू	45	10	खिलवारा	नबाबगंज	प्राथमि	कृषि	1500
982	रामप्यारी	प्रतापसिंह	लोधी	बीसी	स्त्री	50	4	सलेमपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200

983	रामानन्द	बाबूराम	तेली	बीसी	पुरु	42	8	अठरूइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
984	रमेशचंद्र	पत्तूलाल	तेली	बीसी	पुरु	60	8	अठरूइया	नबाबगंज	8–वीं	मजदू	1000
985	आदेश	अतरासी	खटक	अनु.	पुरु	30	7	अठरूइया	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
986	जयपाल	रामभरोसे	नाई	बीसी	पुरु	45	5	उम्मरपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1000
987	लालाराम	जानकीप्रसा	खटक	अनु.	पुरु	58	4	अठरूइया	नबाबगंज	5–वीं	मजदू	1200
988	सोनकली	बे.राजाराम	काछी	बीसी	स्त्री	60	5	दौलतपुर	नबाबगंज	निरक्षर	भीख	800
989	उर्मिला	रामनिवास	काछी	बीसी	स्त्री	45	8	दौलतपुर	नबाबगंज	निरक्षर	कृषि	1500
990	बिटोली	अमरसिंह	भुर्जी	बीसी	स्त्री	60	4	चंदनी	नबाबगंज	5–वीं	कृषि	1000
991	अफसाना	रफीमोहम्मद	इदरी	मुस्लि	स्त्री	40	8	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
992	कमला	परवेशकुमा	भुर्जी	बीसी	स्त्री	35	6	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1300
993	जाकिर	मुस्ताक	इदरी	बीसी	पुरु	26	3	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1400
994	मायादेवी	विशम्भर	कहार	बीसी	स्त्री	40	8	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
995	गायत्री	बे.राजाराम	जाटव	अनु	स्त्री	55	5	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1200
996	शेषकली	शीशराम	जाटव	अनु	स्त्री	60	7	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
997	मीना	ईश्वरदयाल	जाटव	अनु	स्त्री	40	7	चंदनी	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1500
998	चंद्रकली	रामकिशन	काछी	बीसी	स्त्री	60	5	दौलतपुर	नबाबगंज	निरक्षर	मजदू	1300
999	संतोष	रामलाल	नाई	बीसी	पुरु	46	8	दौलतपुर	नबाबगंज	9–वीं	मजदू	1500
1000	शिवकुमर	छोटेलाल	कुंहार	बीसी	पुरु	28	8	दौलतपुर	नबाबगंज	प्राथमि	मजदू	1000

उक्त प्रतिदर्श सूची में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्य

कुल स्त्रियों को किया गया–638, कुल पुरुषों का चयनित किया गया–362, कुल चयनित किए गए–1000

चयनित कुल व्यक्ति 100 जिनमें पारिवारिक कुल सदस्य संख्या 5519 जिनका औसत–5.52 सदस्य, विधवाएँ–216, परित्यक्त–4,

फर्रूखाबाद नगर क्षेत्र से कुल चयनित लोगों की संख्या 50, जिनके परिवार की कुल सदस्य संख्या–287, जिनमें 37 स्त्रियाँ, 13 पुरुष, 12 विधवाएँ हैं। के साक्षात्कारदाता–कंजड–26 (27 स्त्री, निरक्षर), नट–3(2 स्त्री, 1 पुरुष, निरक्षर), कहार–1(1 स्त्री, निरक्षर), बाल्मीक–4 (2 स्त्री, 2 पुरुष, निरक्षर), जाटव–1, मुस्लिम फकीर–1 (1पुरुष, निरक्षर), भडगडा–7(3स्त्री, 4पुरुष, निरक्षर), भुजी–6(2 स्त्री, 4 पुरुष, 3 पुरुष प्राइमरी), पंडित–1 (1स्त्री, प्राइमरी) हैं। इसी प्रकार नगरक्षेत्र कमालगंज, मोहम्मदाबाद, कमालगंज, कम्पिल,शमशाबाद, कायमगंज एवं विकासखण्ड–बढ़पुर, मोहम्मदाबाद, कमालगंज, राजेपुर, शमशाबाद, नबाबगंज, कायमगंज के चयनित दरिद्र व्यक्तियों का विवरण सूची में दर्ज है, जिसे समयाभाव के कारण लिखा नहीं जा सका है।

क्र	विवरण	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	ब्लाक–नगरक्षेत्र	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
	चयन–स्थिति	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
1.	विवाहित	38	40	46	41	40	40	70	77	81	77	61	72	83	245	521	**766**
	विदुर	1			1			1	1	2	2	4	1	1	2	12	**14**
	विधवा	11	10	2	7	9	10	29	22	17	21	35	27	16	49	167	**216**
	परित्यक्त			2	1	1									4		**4**
2.	1सदस्य परि	1	1	0	1	0	0	2	3	4	2	8	2	3	03	24	**27**
	2सदस्य परि	0	3	4	3	3	3	3	7	7	4	3	7	7	16	38	**54**
	3सदस्य परि	4	6	1	4	4	5	10	11	10	6	8	6	6	24	57	**81**
	4सदस्य परि	7	10	6	10	9	3	11	13	11	10	19	11	13	45	88	**133**
	5सदस्य परि	12	4	7	4	6	3	23	13	9	30	26	21	22	36	144	**180**
	6सदस्य परि	11	7	10	3	3	18	21	20	16	27	16	18	18	52	136	**188**
	7सदस्य परि	6	8	11	9	9	5	14	13	14	11	12	17	11	48	92	**140**
	8सदस्य परि	5	8	7	10	11	6	13	11	10	5	5	8	9	47	61	**108**
	9सदस्य परि	0	3	2	4	2	3	2	7	14	3	2	4	7	14	39	**53**
	10 सदस्यपरि	4	0	1	0	2	4	0	0	3	1	1	5	2	11	12	**23**
	11 सदस्यपरि	0	0	0	2	1	0	1	2	2	1	0	1	0	3	7	**10**
	12 सदस्यपरि	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	2	**3**
3.	मजदूरी	50			44	45	45	0	0	0	0	0	0	0	184	0	**184**
	खेति.मज		46	49				85	88	65	95	90	95	98	95	616	**711**
	दान–भीख		4	1	6	5	5	15	12	35	5	10	5	2	21	84	**105**
4.	आयरु500मा	3	2	0	1	3	2	0	2	2	2	3	2	1	11	12	**23**
	आयरु.1000	19	21	10	20	7	15	57	47	54	54	73	54	41	92	380	**472**
	आयरु.1500	27	22	40	29	40	33	42	49	43	41	24	44	58	191	301	**492**
	आयरु.2000	1	5	0				1	2	1	3				6	7	**13**

(ब) तथ्यों का संकलन

प्रस्ततु अध्ययन में 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं' से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन शोध प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण चरण है। प्रस्तुत अध्ययन की समस्या के निष्कर्ष तक पहुँचने एवं सामान्यीकरण तथा सैद्धान्तीकरण के लिए सूचनाएँ प्राप्त करना, तथ्य एकत्रित करना, संख्यात्मक एवं गुणात्मक बातें मालूम करना आवश्यक है। शोध हेतु प्रयुक्त किये जाने वाले तथ्यों को अध्ययन–कर्ता ने मनमाने ढ़ंग से एकत्रित नहीं करके उपकरणों एवं विधियों की सहायता से संकलित किया है। तथ्यों के अन्तर्गत सूचनादाताओं से विभिन्न विधियों की सभी प्रकार की सूचनाएँ हैं। तथ्य का तात्पर्य ऐसी सभी सूचनाओं, सामग्री एवं आँकड़ों से है जो कि क्षेत्रीय कार्य और प्राथमिक स्रोतों के माध्यम से प्राप्त किये हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसन्धान–कर्ता ने सम्बन्धित तथ्यों को निश्चित प्रविधियों द्वारा जब तक एकत्रित नहीं किया, तब तक अध्ययन के आधार पर कोई भी निष्कर्ष नहीं निकाले जा सके हैं और न ही किसी प्रकार के नियमों का प्रतिपादन किया जा सका है। चूँकि प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन एक परिणामात्मक अध्ययन है। अतः मुख्य रूप से प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया है। आवश्यकतानुसार सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं के आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन हेतु तथ्यों के संकलन की प्रविधियों के अन्तर्गत अवलोकन सहित साक्षात्कार–अनुसूची का निर्माण कर, साक्षात्कार–अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

जनगणना–2011 के अनुसार, फर्रूखाबाद जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग कि.मी., जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी., लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ हैं। जनपद की कुल जनसंख्या 1887577 जिसमें 1007479 पुरुष एवं 880098 स्त्रियाँ है। नगरीय जनसंख्या 429990, ग्रामीण जनसंख्या 1457587 तथा साक्षरता 70.57% है। कुल साक्षर जनसंख्या 1125457, जिसमें पुरुष 676067(79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390(60.51%) हैं। कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष की जनसंख्या का कुल अनुपात 15.51 जिनमें बालक 15.43, बालिकाएँ 15.61 हैं। जिले में 1 नगर पालिका परिषद, 5 नगरपंचायत, 7 विकासखण्ड, 87 न्यायपंचायतें, 513 ग्रामपंचायतें, 1009 गाँव हैं। वर्ष–2011 में कामगरों की जनसंख्या 592267(97722 स्त्रियाँ, 494545 पुरुष) है।[253] कुल मुख्य कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत 31.4(नगर 30.6%, ग्रामीण 31.7%) है। कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72 तथा कृषक एवं कृषि श्रमिक सहित कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। वर्ष–2015–16 में कृषक–245089 (46.0%), कृषि श्रमिक 135669 (20.40%), पारवारिकउद्योग 43528 (5.6%), अन्य श्रमिक 167971 (28.0%) है।[254] **दरिद्रता की रेखा से नीचे गुजारा करने वाले कुल परिवार 100600** (92100 ग्रामीण, 8500 नगरीय) जिनकी **जनसख्या** 475111 है।[255]

253 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका 1
254 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2015–16, तालिका 1
[255] जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका–1

प्रस्तुत शोध दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन–फर्रूखाबाद जनपद का एक अध्ययन है। इस अध्ययन में फर्रूखाबाद जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रो के दरिद्र व्यक्ति, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है। अध्ययन में चुनी 1000 इकाइयों की प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 700 एवं नगरीय दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 300 है, जिनमें विकासखण्ड–बढ़पुर के 100 व्यक्ति, कमालगंज के 100 व्यक्ति, कायमगंज के 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 100 व्यक्ति, शमशाबाद के 100 व्यक्ति, राजेपुर के 100 व्यक्ति, नबाबगंज के 100 व्यक्ति हैं तथा नगर क्षेत्र–फर्रूखाबाद के 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 50 व्यक्ति, कमालगंज के 50 व्यक्ति, कायमगंज के 50 व्यक्ति, शमशाबाद के 50 व्यक्ति, कम्पिल के 50 व्यक्ति हैं। प्रतिदर्श सूची में वर्णित सभी धर्मों एवं जातियों तथा वर्गों के पुरुषों की कुल संख्या 362 एवं स्त्रियों की कुल संख्या 638 है।

अनुसूची

गुडे तथा हैट के अनुसार, ''अनुसूची प्रायः उन प्रश्नों की ऐसी प्रयुक्त तालिका है, जिसमें प्रश्नों के उत्तर साक्षात्कार–कर्ता आमने–सामने की स्थिति में दूसरे व्यक्ति से पूँछता है, तथा उन्हें तालिका में स्वयं भरता है।''

करलिंगर के अनुसार, ''अनुसूची द्वारा प्राप्त सूचना में ऐसी तथ्यात्मक सूचनायें सम्मिलित रहती हैं, जिनका सम्बन्ध मतों व अभिवृत्तियों से रहता है तथा जिसमें व्यवहार, विचार एवं अभिवृत्तियों के कारणों का समावेश रहता है।''

प्रस्तुत शोध में साक्षात्कार–अनुसूची की सहायता से प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया है। अध्ययनकर्ता ने दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के सम्बन्ध में साक्षात्कार अनुसूची निर्मित करके इनसे सम्बन्धित समस्याओं का अध्ययन किया है। साक्षात्कार प्रक्रिया में अनुसूची का उपयोग साक्षात्कार को वस्तुनिष्ठ, नियन्त्रित व संरचित रूप प्रदान किया गया है। आँकड़ों के संकलन में साक्षात्कार अनुसूची उपकरण से विस्तृत तथा उपयोगी आँकड़े उपलब्ध हुए हैं तथा प्रस्तुत अनुसन्धान समस्या के गहन अध्ययन का भी समुचित अवसर प्राप्त हुआ है। इससे प्राप्त आँकड़ों के वर्गीकरण एवं सारणीयन में भी विशेष सुविधा रही है।

प्रस्तुत शोध 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं' का अध्ययन है। इस अध्ययन में फर्रूखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों को लिया गया है। अध्ययन में सविचार प्रतिदर्श के आधार पर 1000 इकाइयों का प्रतिदर्श चुना गया है। इनके लिए उपयोग में लाई जाने वाली अनुसूची की रचना निम्नलिखत ढंग से की है।

अनुसूची का आकार 12X20 सेमी. तथा कागज एवं छपाई उत्तम प्रकार की है तथा शीर्षक एवं उपशीर्षक यथा स्थान पर हैं। अनुसूची के पृष्ठों पर केवल एक ओर ही लिखा गया है तथा अनुसूची की रचना की प्रक्रिया मुख्य रूप से पाँच चरणों में चरणबद्ध है।

प्रथम–चरण में पूर्व एवं प्रारम्भिक विचार प्रस्तुत शोध प्रक्रम को आरम्भ करने से पहले अध्ययन समस्या के वास्तविक एवं स्पष्ट स्वरूप, अध्ययन पद्धति, तथ्यों का संकलन, वित्तीय स्थिति शोध अवधि, प्राप्त तथ्यों की वैधता एवं विश्वसनीयता आदि विषयों में महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसके साथ ही साथ, यह भी जाना और समझा गया है कि सम्बन्धित तथ्यों के संकलन में आने वाली बाधायें कैसे दूर की जायेगीं? इन विषयों पर शोध की पूर्व एवं प्रारम्भिक स्थिति में ठीक–ठीक सोच–विचार किया गया है, ताकि आगे चलकर इनके प्रति पहले से सचेत रहकर, अनेक अनपेक्षित कठिनाइयों एवं दुष्कर बाधाओं का सामना किया जा सके।

द्वितीय चरण में प्रस्तुत अध्ययन से सम्बन्धित समस्या के विभिन्न मुख्य तथा महत्त्वपूर्ण अंगों को समझा गया है, और फिर उन्हें क्रमबद्ध रूप से विभिन्न भागों में प्रस्तुत करने के पश्चात् प्रत्येक भाग को भी उसके उपभागों में विभाजित किया गया है ताकि प्रस्तुत शोध से सम्बन्धित समस्या का सम्पूर्ण रूप से क्रमबद्ध अध्ययन की व्यवस्था सुलभ हो सके।

तृतीय चरण में अनुसूची के लिए उपयुक्त एवं आवश्यक प्रश्नों की संरचना की गई है। प्रश्नों की रचना के लिए प्रश्नों की भाषा सरल, स्पष्ट, संक्षिप्त तथा प्रचलित है। प्रश्न इतने लम्बे, जटिल एवं चमकदार नहीं हैं कि उत्तरदाता असमंजस में पड़ जाए। प्रश्नों की रचना में बहुअर्थक शब्दों का प्रयोग नहीं किया गया है। प्रश्न छोटे–छोटे प्रश्नों के रूप में छोटे–छोटे प्रश्न पूँछे गए हैं तथा प्रश्नों का स्वरूप सरल है। प्रश्नों का स्वरूप जहाँ तक सम्भव हो सका है प्रतिबन्धित (Clossed ended) तथा बहुविकल्प (Multiple Choice) वाला है।

चतुर्थ चरण के अन्तर्गत पूर्व रचित प्रश्नों की उपयुक्तता, वैधता, स्पष्टता तथा भाषा सम्बन्धी दोषों की जाँच पथ–प्रदर्शी अध्ययन के आधार पर की है। इसके अन्तर्गत अनुसूची के प्रश्नों की रचना की जाँच को सम्बन्धित उत्तरदाताओं की भाषा तथा सूचना के आधार पर की है। इस कारण अनुसूची के पूर्व अध्ययन द्वारा संचालन में सामने आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों, अस्पष्टताओं व दोषों को समझने एवं इन्हें दूर करने का प्रयास किया गया है। इसके पश्चात्, प्रश्नों को क्रमबद्ध रूप प्रदान किया है और इस प्रकार अनुसूची के प्रथम स्वरूप की रचना की गई है। इसमें प्रश्नों को ऐसे क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है कि उत्तरदाता के सम्मुख एक सन्दर्भ परिधि (Frame of refrence) निरन्तर बनी रहे।

पंचम चरण में अनुसूची का पूर्व–परीक्षण सम्बन्धित समष्टि के प्रतिनिधि प्रतिदर्श पर किया गया है, और इस अनुसूची के प्रश्नों की अन्तिम रूप से उपयुक्तता की जाँच की गई है, पूर्व परीक्षण के आधार पर अनुसूची में ऐसे प्रश्न निकाल दिए गए हैं, जिनको अधिकांशतः उत्तरदाता नहीं समझ पाये हैं, या जिनके प्रति बहुत ही कम या बहुत ही अधिक उत्तर प्राप्त हुए हैं, ऐसी जाँच के द्वारा प्रश्नों के स्वरूप तथा अनुक्रम में आवश्यक संशोधन किये गए हैं और अनुसूची का अन्तिम प्रारूप में केवल वैध–प्रश्नों को ही सम्मिलित किया गया है।

1. प्रश्नों का उद्देश्य दरिद्रों से सम्बन्धित समस्याओं का विस्तृत तथा गहन रूप से अध्ययन करना है। अतः उत्तरदाता को मुक्तोत्तर प्रश्नों से उत्तर देने को अभिप्रेरित किया गया है।
2. दरिद्रों से सम्बन्धित समस्याओं के अन्तर्गत द्विभाजी प्रश्नों का उत्तर देने में पर्याप्त, कम, हाँ, नहीं, कभी नहीं, सामान्य, कुपोषित विकल्पों में से किसी 1 विकल्प के चयन तक सीमित है। इस तरह के उत्तर देने में उत्तरदाता पूर्ण स्वतन्त्र नहीं है। बहुवैकल्पिक या श्रेणीबद्ध प्रश्नों के अन्तर्गत प्रश्न का उत्तर देने में उत्तरदाता को एक निरन्तरता पर प्रस्तुत श्रेणी बद्ध प्रश्नों में से किसी एक विकल्प का चयन अपने निकटतम विचारानुसार करता है।

साक्षात्कार–अनुसूची की विषय सामग्री को प्रारम्भिक जानकारी, मुख्य प्रश्न भागों में विभाजित किया है। प्रारम्भिक जानकारी के अन्तर्गत, 1–समस्या का शीर्षक, सुपरवाइजर एवं शोधकर्ता का नाम, पद, पता एवं 2–उत्तरदाता का नाम, पिता/पति का नाम, पेशा, लिंग, जाति, शिक्षा, आयु, आय, परिवार की सदयों संख्या, पता, ब्लाक, ग्रामीण, नगरीय, सम्पर्क सूत्र हैं।

मुख्य प्रश्न के अन्तर्गत फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन समस्या से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार एवं स्तर के प्रश्न हैं। अनुसूची में प्रश्नों के प्रस्तुती–करण में अनुक्रम 1–मैत्रिक, 2–खोजपरक, 3–मूल्यांकन, 4–निर्णायक, 5–पुष्टकारक प्रश्न हैं।

अनुसूची का प्रारूप

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

क्रमांकः—01 से 1000

फर्रूखाबाद जनपद के

दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ

साक्षात्कार अनुसूची

डॉ. एन.सी. शुक्ल
एम.ए.पीएच.डी.समाजशास्त्र
सुपरवाइजर

डॉ. नीतू सिंह तोमर
एम.ए.पीएच.डी.समाजशास्त्र
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

मॉनीटरिंग केंद्र—सी.एस.एन.पी.जी.कालेज, हरदोई, उ.प्र.

सूचनादाता या उत्तरदाता के बारे में प्रारम्भिक जानकारीः

1.नाम ..... 2.पिता/पति का नाम ..... 3.पेशा नौकरी/मजदू/व्यापा/दयादान

4.लिंगः—स्त्री/पुरुष 5.जाति—वर्ग.....सा./पि.जा/अनु.जा. 6.शिक्षा उच्च/निम्न/निरक्षर

7. आयु.....वर्ष 8.कुलआय रू.....दैनिक/मासिक/वार्षिक 9.परिवार-सदस्य संख्या...

10.पताः—.....ब्लाक.....(ग्रामीण/नगर) 11.संपर्क—सूत्र.....

निर्देशः—इस अनुसूची में कुछ कथन दिये गये हैं जिनकी सहायता से दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ जानना चाहते हैं। यह अनुसूची शोध—कार्य के लिए है। आपके उत्तरों को गुप्त रखा जायेगा, अतः आप निःसंकोच होकर सभी कथनों के प्रति अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्र.1:— आपकी वैवाहिक स्थिति क्या है:—विवाहित/अविवाहित/विधवा/विधुर/तलाकशुदा/परित्यक्त

प्र.2:— आपके परिवार में सदस्यों की संख्या कितनी है? कुल..... पति/पत्नी.....बच्चे.....

प्र.3:— आपके परिवार की आय के स्रोत हैं:—नौकरी/मजदूरी/खेति.मजदूर/व्यापार/बेरोज/दया—दान

प्र.4:— आपकी कुल मासिक आय है:— रू. 0—1000/रू. 1001—2000/रू. 2000—5000 के मध्य

प्र.5:— क्या आपके पास स्वयं की/पैतृक चल—अचल सम्पत्ति का स्वामित्त्व है? हाँ/नहीं

प्र.6:— क्या आपके परिवार में किसी ने भी 5 वर्ष की स्कूल शिक्षा प्राप्त नहीं की है?हाँ/नहीं

प्र.7:— क्या स्कूल जाने की आयु वाला कम-से-कम एक आश्रित स्कूल छात्र नहीं है?हाँ/नहीं

प्र.8:— क्या आपके परिवार में कम—से—कम एक सदस्य कुपोषित है? हाँ/नहीं

प्र.9:— क्या आपके परिवार में एक या एक से अधिक बच्चे की मृत्यु हो चुकी है?.हाँ/नहीं

प्र.10:— क्या आपके घर में बिजली है? हाँ/नहीं

प्र.11:— क्या आपके घर में स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध है? हाँ/नहीं

प्र.12:— क्या आपके आवास के बाहर उपयुक्त सफाई या स्वच्छता का प्रबंध है? हाँ/नहीं

प्र.13:— क्या आपके घर में फर्श और छत स्वच्छ है? हाँ/नहीं

प्र.14:— क्या आपका परिवार भोजन बनाने के लिए 'निकृष्ट' ईंधन का प्रयोग करता है?हाँ/नहीं

प्र.15:— क्या आपके पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, तथा टी.वी. में से ज्यादा—से—ज्यादा केवल एक सुविधा या परिसम्पत्ति है? हाँ/नहीं

प्र.16:— आप एवं आपके आश्रितों के दैनिक भोजन में निम्नलिखित की मात्रा रहती है:—

खाद्य पदार्थ—	**पर्याप्त**	**कम**	**नहीं**
1. गेहूँ—मक्का—बाजरा की रोटी	.....	.....	.....
2. चावल	.....	.....	.....
3. हरी—मौसमी सब्जी—सलाद	.....	.....	.....
4. दाल/चना/अंकुरित बीज	.....	.....	.....
5. घी/दूध/दही/पनीर/चीनी	.....	.....	.....
6. नमक	.....	.....	.....
7. तेल—मसाले	.....	.....	.....
8. मांस—मछली	.....	.....	.....
9. अण्डा	.....	.....	.....
10. नाश्ता	.....	.....	.....
11 चाय/काफी	.....	.....	.....
12. मिठाई	.....	.....	.....
13 मौसमी फल	.....	.....	.....
14. शुद्ध ताजा पानी	.....	.....	.....

प्र.17:— निम्नलिखित में आप एवं आपके प्रतिपाल्यों में वस्त्रों की उपभोग स्थिति है:—

वस्त्र—पोशाक	**हाँ**	**नहीं**
1. ऋतु आधारित सामान्य पोशाकें/वस्त्र	.....	.....
2. फटे—पुराने एवं अल्प वस्त्र	.....	.....
3. ऋतु आधारित आरामदेह बिस्तर .	.....	.....
4. टूटीखाट—फटाचादर—टाट—पट्टी	.....	.....

प्र.18:– निम्नलिखित में आप एवं आपके प्रतिपाल्यों के आवास–निवास की स्थिति है:–

निवास / आवास	**हाँ**	**नहीं**
1. स्वच्छ एवं हवादार पक्का लेंटर्ड भवन	.....	.....
2. स्वच्छ वातावरण में झोपड़ी युक्त पुराना भवन	.....	.....
3. गन्दे वातावरण में झोपड़ी / कच्चा / जर्जर आवास	.....	.....

प्र.19:– निम्नलिखित में आप एवं आपके प्रतिपाल्यों के स्वास्थ्य की स्थिति है:–

सदस्य	**सामान्य**	**रोगी**	**कमजोर**	**कुपोषित**
1. पति–पत्नी	.....	.....	.....	.....
2. बच्चे	.....	.....	.....	.....

प्र.20:– निम्नलिखित को प्राप्त करने में क्या आप अक्षम हैं:–

	हाँ	**नहीं**
1. अस्वस्थ्य होने पर उचित चिकित्सा के लिए	.....	.....
2. उचित शिक्षा के लिए	.....	.....
3. अपनी बात कहने के लिए	.....	.....
4. तीन–पहर का भोजन खाने के लिए	.....	.....
5. कैलोरी युक्त भरपेट भोजन खाने के लिए	.....	.....
6. आवश्यक वस्त्र धारण करने करने के लिए	.....	.....
7. आवश्यक जूते–चप्पल धारण के लिए	.....	.....
8. स्वयं का घर बनाने या खरीदने के लिए	.....	.....
9. उचित काम कर पर्याप्त धन अर्जित करने के लिए	.....	.....
10 सामाजिक न्याय पाने के लिए	.....	.....
11 हिंसात्मक गतिविधियों से सुरक्षा के लिए	.....	.....

प्र.21:– दरिद्रता निवारण सम्बन्धी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ अनेक स्रोतों से प्राप्त कर सकते हैं। निम्न में से जो नहीं हो उसे बताइए–

(अ) स्थानीय स्रोत–	**अधिक**	**कम**	**कभी नहीं**
1. पारिवारिक सदस्य	.....	.....	.....
2. पड़ोसी	.....	.....	.....
3. मित्र	.....	.....	.....
4. रिश्तेदार	.....	.....	.....
(ब) अधिकारिक स्रोत–			
1. सचिव–निदेशक / कमिश्नर	.....	.....	.....
2. डी.एम. / सी.डी.ओ / डी.डी.ओ	.....	.....	.....
3. एस.डी.एम / तहसीलदार / बी.डी.ओ.	.....	.....	.....
4. ए.डी.ओ. / वी.डी.ओ. / लेखपाल	.....	.....	.....
5. समाज कल्याण अधिकारी	.....	.....	.....
6. सी.एम.ओ. / स्वास्थ्य अधिकारी	.....	.....	.....
7. ए.एन.एम. / आशा / चिकित्सक	.....	.....	.....
8. जिला / ब्लाक / ग्राम पंचायत अध्यक्ष	.....	.....	.....

9. नगर / टाउन / ग्राम पंचायत सचिव ....
10. ग्राम / टाउन / नगर की खुली बैठक ....
11. सांसद / विधायक / मंत्री / सलाहकार ....
12. सामाजिक कार्यकर्ता / स्वैच्छिक संगठन ....
13. शिक्षक / प्रेरक / आंगनबाड़ी ....
14. अन्य ....

(स) संचार माध्यम–

1. समाचार–पत्र ....
2. पत्रिका ....
3. रेडियो ....
4. पोस्टर ....
5. पम्पलेट ....

प्र.22:– आपके आश्रित निम्नलिखित का उपभोग कर पा रहे है:–	**पर्याप्त**	**कम**	**कभी नहीं**
1. प्राइमरी पाठशाला / उच्च प्रा.पा. / मदरसा	.....	.....	.....
2. प्रौढ़–आँगनबाड़ी केन्द्र / मदरसा	.....	.....	.....
3. उच्चत्तर एवं माध्यमिक विद्यालय	.....	.....	.....
4. पब्लिक / कान्वेट / अन्य विद्यालय	.....	.....	.....

प्र.23:– दरिद्रता के कारण मजबूर होना / झेलना पड़ता हैं–	**हाँ**	**नहीं**
1. पूँजीवाद से आवश्यक वस्तुओं के अभाव में जीवन यापन	.....	.....
2. आर्थिक असमानता	.....	.....
3. सामन्तवादी–जातिवादी दबंगों का दहशतयुक्त वातावरण	.....	.....
4. रोजगार साधनों का अभाव और बेरोजगारी	.....	.....
5. अस्वस्थता और कुपोषण का जीवन यापन	.....	.....
6. निरक्षरता और अज्ञानता के दुष्परिणामों का प्रभाव	.....	.....
7. मक्खी–मच्छरों एवं कीटों का प्रकोप	.....	.....
8. बाल–बन्धुआ मजदूरी एवं ऋण ग्रस्तता तथा शोषण	.....	.....
9. दरिद्र कल्याण की योजनाओं के लाभों का अभाव	.....	.....
10. उचित पारिश्रमिक एवं सामाजिक न्याय की उपेक्षा	.....	.....
11. योग्यता अनुरूप रोजगार एवं पदासीनता का अभाव	.....	.....
12. सामाजिक एवं राजनीतिक भागीदारी का अभाव	.....	.....

प्र.24:– दरिद्रता के कारण से निम्नलिखित अपराध होते हैं:–	**हाँ**	**नहीं**
1. मारपीट / चोरी / डकैती / लूटपाट / राहजनी	.....	.....
2. बाल विवाह	.....	.....
3. बाल मजदूरी	.....	.....
4. शोषण–उत्पात का शिकार	.....	.....
5. नशा–मादक द्रव्य का सेवन	.....	.....
6. वैश्यावृत्ति		

7. आत्महत्या ....
8. अस्पृश्यता / जातिवाद / उत्पात ....
9. घरेलू कलह ....
10. सामाजिक विद्रोह ....
11. अन्य अपराध ....

प्र.25:– क्या आपको निम्नलिखित योजनाओं के लाभ मिल रहा हैं:– **हाँ** **नही** **कम**

1. मनरेगा की निर्धारित मजदूरी ....
2. कोटे का राशन ....
3. दरिद्रता सम्बन्धी पेंशन ....
4. दरिद्र आवास ....
5. गैस कनेक्शन ....
6. दरिद्र पट्टा–भूमि ....
7. दरिद्र जीवन सुरक्षा बीमा ....
8. स्वास्थ्य चिकित्सा और शिक्षा ....
9. योग्यता अनुरूप रोजगार एवं पदासीनता ....

प्र.26:– क्या आपका जीवन भोजन–शिक्षा अभाव, गन्दिगी, प्रदूषित जल से प्रभावित हैं? हाँ / नहीं

प्र.27:– दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं का लाभ आपको न मिल पाने का कारण क्या है? **हाँ** **नहीं**

1. दरिद्रता ....
2. अशिक्षा ....
3. दबंगों की अमानक पदासीनता और फर्जीबाड़ा ....
4. भ्रष्टाचार ....
5. घूस ....

प्र.28:– दरिद्रता ग्रसित व्यक्ति मानव विकास में किस प्रकार योगदान देते हैं?.....
.....

प्र.29:– मानव विकास एवं समाज–कल्याण के लिए आवश्यक है:– **हाँ** **नहीं**

1. दरिद्रता उन्मूलन ....
2. भुखमरी उन्मूलन ....
3. बेहतर स्वास्थ्य ....
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ....
5. भ्रष्टाचार उन्मूलन ....
6. स्वच्छ जल एवं स्वच्छता ....
7. दरिद्रा को बहेतर रोजगार एवं आर्थिक विकास ....
8. दरिद्रों के जीवन एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा ....
9. दरिद्र पर अत्याचार करने वालों को दण्ड ....
10. फर्जी दरिद्र बनकर लाभ हड़पने वालों पर अंकुश ....
11. व्यक्ति समानता एवं सामाजिक न्याय ....

(स) कार्यक्षेत्र

फर्रूखाबाद जनपद

प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रूखाबाद के 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन' है। चूँकि प्रस्तुत शोध से सम्बन्धित समस्या का अध्ययन एक परिणामात्मक अध्ययन है। अतः मुख्य रूप से प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया है। प्रस्तुत शोध में दरिद्र व्यक्तियों जो दरिद्रता की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले हैं, को लिया गया है। अध्ययन में सविचार प्रतिदर्श पद्धति के आधार पर 1000 इकाइयों का प्रतिदर्श चुना है एवं अध्ययन हेतु अवलोकन सहित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया है।

फर्रूखाबाद जनपद की तहसील फर्रूखाबाद के अन्तर्गत तीन विकासखण्ड–बढ़पुर, मोहम्मदाबाद, कमालगंज एव पाँच परगना–शमशाबाद–पूर्वी, पहाड़ा, भोजपुर, खखटामऊ, मोहम्मदाबाद तथा कायमगंज तहसील के अन्तर्गत तीन विकासक्षेत्र–कायमगंज, शमशाबाद, नबाबगंज एवं दो परगना–कम्पिल, शमशाबाद पश्चिमी तथा अमृतपुर तहसील के अंतर्गत एक विकासक्षेत्र–राजेपुर एवं दो परगना अमृतपुर, परम्नगर हैं। जनपद में छः नगर हैं जिनमें नगर पालिका परिषद– फर्रूखाबाद, पाँच नगर पंचायत–कायमगंज, कमालगंज, कम्पिल, शमशाबाद, मोहम्मदाबाद, कमालगंज हैं। जिले में 1 जिला कारागार, 1 केन्द्रीय कारागार, छावनी, 1 लोकसभा, 4 विधानसभा क्षेत्र, 13 पुलिस स्टेशन, 95 बसस्टाप, 19 रेलवे स्टेशन, 151 डाकघर, 716 सरकारी राशन की दूकान, 103 सहकारी बैंक, 69 शीतगृह, 3265 बायोगैस संयन्त्र, 1290 प्राथमिक स्कूल, 565 उच्च प्राइमरी स्कूल, 256 माध्यमिक स्कूल, 76 महाविद्यालय, 9 परास्नातक महाविद्यालय, 3 मेडिकल कालेज, 1 आई. टी.आई, 1 पोलिटेक्निक, 3 यूनानी, 43 एलोपैथिक चिकित्सालय, 16 आयुर्वेदिक, 19 होम्योपैथिक, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 28 प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्र, 17 परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र, 191 परिवार व मातृ शिशु कल्याण उपकेंद्र, 1 टी.बी.अस्पताल हैं।

जनगणना–2011 के अनुसार, फर्रूखाबाद जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग किमी., जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी., लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ हैं। जनपद की कुल जनसंख्या 1887577 जिसमें 1007479 पुरुष एवं 880098 स्त्रियाँ है। नगरीय जनसंख्या 429990, ग्रामीण जनसंख्या 1457587 तथा साक्षरता 70.57% है। कुल साक्षर जनसंख्या 1125457, जिसमें पुरुष 676067(79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390(60.51%) हैं। कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष की जनसंख्या का कुल अनुपात 15.51 जिनमें बालक 15.43, बालिकाएँ 15.61 हैं। जिले में 1 नगर पालिका परिषद, 5 नगर पंचायत, 7 विकासखण्ड, 87 न्याय पंचायतें, 513 ग्राम पंचायतें एवं 1009 गाँव हैं। वर्ष 2011 में कामगरों की जनसंख्या 592267(97722 स्त्रियाँ, 494545 पुरुष) है। कुल मुख्य कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत 31.4(नगर 30.6%, ग्रामीण 31.7%) है। कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72 तथा कृषक एवं कृषि श्रमिक सहित कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से कुल प्रतिशत 16.72% है। वर्ष 2015–16 में कृषक–245089(46.0%), कृषि श्रमिक 135669(20.40%), पारिवारिक उद्योग

43528(5.6%), अन्य श्रमिक 167971(28.0%) है। दरिद्रता की रेखा से नीचे गुजारा करने वाले कुल परिवार 100600 (92100 ग्रामीण, 8500 नगरीय) जिनकी जनसंख्या 475111 है।

प्रस्तुत अध्ययन 'दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं' का अध्ययन में फर्रूखाबाद जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रो के दरिद्र व्यक्ति, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है। अध्ययन में चुनी 1000 इकाइयों की प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण क्षेत्रों के दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 700 तथा नगरीय क्षेत्रों के दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 300 है। प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण क्षेत्रों के अन्तर्गत विकासखण्ड–बढ़पुर के 100 व्यक्ति, कमालगंज के 100 व्यक्ति, कायमगंज के 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 100 व्यक्ति, शमशाबाद के 100 व्यक्ति, राजेपुर के 100 व्यक्ति, नबाबगंज के 100 व्यक्ति हैं तथा नगरीय क्षेत्रों के अन्तर्गत नगर क्षेत्र–फर्रूखाबाद के 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 50 व्यक्ति, कमालगंज के 50 व्यक्ति, कायमगंज के 50 व्यक्ति, शमशाबाद के 50 व्यक्ति, कम्पिल के 50 व्यक्ति हैं। प्रतिदर्श सूची में वर्णित सभी जाति वर्ग के पुरुष की संख्या 362 एवं स्त्रियों की संख्या 638 है।

प्रस्तुत शोध के अध्ययन में अध्ययन–कर्ता ने जनपद फर्रूखाबाद के सभी धर्मो एवं जाति–वर्गों के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दरिद्र व्यक्तियों जो दरिद्रता की रेखा से नीचे जीवन–यापन करने वाले हैं, के घर–घर जाकर सम्पर्क किया और उनकी स्थिति का अवलोकन कर सामान्य बातचीत की। बातचीत की तत्पश्चात् उपरोक्त बातचीत तथा सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अर्द्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया है। अध्ययन–कर्त्ता ने शोध के लिए दो वर्ष का समय फर्रूखाबाद नगर मोहल्ला दुर्गाकालोनी एवं आवास विकास कालोनी फर्रूखाबाद में किराए के आवास में रहकर फर्रूखाबाद जनपद के सभी सात विकासखण्डों– बढ़पुर, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, शमशाबाद, नबाबगंज, कायमगंज, राजेपुर की कुल 513 ग्रामसभाओं में 317 ग्रामसभाओं एवं सभी छः नगरों– फर्रूखाबाद, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, कायमगंज, कम्पिल, शमशाबाद के सभी 117 वार्डस में घर–घर जाकर (बी.पी.एल. परिवारों, अन्त्योदय–बी.पी.एल. गृहस्थ राशनकार्ड धारकों, वृद्धा–विधवा–बिकलांग–समाजवादी पेंशनधारकों की सूची सहित) सम्पर्क कर उनकी स्थिति का अवलोकन किया तथा दरिद्रताग्रसित व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित तथ्यों को संकलित करने के लिए साक्षात्कार–अनुसूची का प्रयोग किया।

जनपद फर्रूखाबाद : परिचय एक दृष्टि में[256]

भौगोलिक स्थितिः–	लेट 26°46' उ., 27°43' उ लांग–79°7'पू.,80°2' पू.
जलवायुः–वर्ष–2015	वर्षाः–सामान्य–465 मि.मी., वास्तविक–506 मि.मि.
	तापमानः–वर्ष–2013–14, उच्च 46.4 सेंटीग्रेट, न्यून.5.1 सेंग्रे
भौगोलिक क्षेत्रफल(2011):–	2181² किमी(ग्रामीण 2132.6² किमी, नगर 48.4² किमी)
जनसंख्या–(2011):–	कुल–1887577 (स्त्रियाँ–880098, पुरुष–1007479)[257]
जनसंख्या वृद्धि (2001–2011):–	20.0% (कुल–302612,ग्रामीण–.240155,नगर–74641)
0–6 वर्ष के बच्चों की जनसंख्याः–	302612 (ग्रामीण–248167, नगरीय–54445)
लिंगानुपातः–	100 पुरुषों पर 871 स्त्रियाँ
जनसंख्या घनत्वः–	864 व्यक्ति/प्रति वर्ग किमी, ग्रामीण 689,नगर 8599
ग्रामीण जनसंख्याः–	1469019 (स्त्रियाँ–683718, पुरुष–785301)
धर्म के अनुसार जनसंख्याः–	हिं.84.87%,जै.03%,मु.14.9%,ई.0.17%,सि.0.17%,बौ.0.17%,अ.0.1%
कुल आवास व शौचालयः–	कुल 314144, ग्रामीण 288568, शौचालय 148328[258]
नगरीय जनसंख्याः–	416185 (स्त्रियाँ–195246, पुरुष–220939)
अनुसूचित जाति की जनसंख्याः–	312712(16.6%), (ग्रामीण–256428, नगरीय–56254)
अनुसूचित जन–जाति की जनसंख्याः–	230(ग्रामीण–155, नगरीय–75, स्त्री–106, पुरुष–124)
कुल साक्षरता (2011):–	1092667 (स्त्रियाँ–437850, पुरुष–654827)
साक्षरता दर (2011):–	69.0%(स्त्री.59.4%,पुरुष 77.4%,नगर 73.4%,ग्रामीण 67.8%
जनसंख्या में बिकलांग व्यक्तिः–2011	कुल प्रतिशतः–25.2
दरिद्रता रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की कुल संख्या–2002 (अवधि 2011):–	कुल–100.6हजार, ग्रामीण–92.10हजार, नगरीय–8.5हजार
बी.पी.एल. जनसंख्या[259] (2002):–	475111(परिवार 96493,आवास.95932,अनु.25830,पि.55182
दरिद्रता रेखा से नीचे राशनकार्ड	कुलः98287,ग्रामीणः90475,नगरीय–781(राशनकार्ड
अन्त्योदय कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–37699, नगरीयः–3073, ग्रामीणः–34626
बी.पी.एल.कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–60588, नगरीयः–4738, ग्रामीणः–55850
अन्त्योदय–बी.पी.एल.कार्डधारकों की संख्याः–	कुलः–98287, नगरीयः–7811, ग्रामीणः–90476
ए.पी.एल.कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–144453, नगरीयः–66226, ग्रामीणः–78227
राशन कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–241741, नगरीयः–74037, ग्रामीणः–168704
कामगरों की कुल जनसंख्याः–	592267 (स्त्रियाँ–97722, पुरुष–494545)[260]
कुलमुख्यकर्मकारों का जनसंख्या से प्रति.(2011)	31.4%, नगरीयः–30.6%, ग्रामीणः–31.7%
कृषि कर्मकारों का जनसंख्या से प्रतिशत(2011)	कुलः–16.72% कृषक तथा कृषि श्रमिक सहित
कृषि श्रमिकों का जनसंख्या से प्रतिशत(2011):	कुल प्रतिशतः–16.72%
कृषक–(2015–16):–	245089 (46.0%)
कृषि श्रमिक–(2015–16):–	135669 (20.40%)
पारवारिक उद्योग (2015–16):–	43528 (5.6%)
अन्य मजदूर (2015–16):–	167971 (28.0%)
सीमावर्ती जनपदः–	एटा–कासगंज(पश्चि),मैनपुरी(दक्षि–पश्चि.),कन्नौज(दक्षि.पूर्व) हरदोई(पूर्व), बदायूँ(उत्तर–पश्चिम), शाहजहाँपुर(उत्तर)

256 जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2015–16, तालिका 1
257 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.
258 दैनिक जागरण हिन्दी समाचार पत्र, जागरण प्रेस, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, दिनांक 27.03.2017, पेज 7
259 एचटीटीपी/आरडी.यूपी.एनआईसी.इन/यूपी 2002.एचटीएम पेज 1/2
260 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

मौसमः–	(1) ग्रीष्म(मार्च–जून), (1) वर्षा(जुलाई–सितंबर), (1) शीत(अक्टूबर–फर)
प्रमुख फसलें:–	रबी एवं खरीफ–गेहूँ,मक्का,सूरजमुखी,आलू,तम्बाकू,तिलहन,गन्ना,आम
तहसील (2015–16):–	(1) फर्रूखाबाद–सदर, (2) कायमगंज (3) अमृतपुर
विकास खण्ड (2015–16):–	(1)**राजेपुर**:–क्षेत्रफल–346.55^{2}कि.,जनसंख्या–186183,साक्षरता–55% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (2)**कायमगंज**:क्षेत्रफल–332.04^{2}कि.जनसंख्या–225078, साक्षरता–48% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (3)**मोहम्मदाबाद**क्षेत्रफल–375.06^{2}कि.जनसंख्या–259396,साक्षरता–65% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (4)**बढ़पुर**:क्षेत्रफल–139.24^{2}किमी.जनसंख्या–164730, साक्षरता–55% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (5)**नबाबगंज**:–क्षेत्रफल–232.68^{2}कि.जनसंख्या–165555, साक्षरता–55% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (6)**शमशाबाद**:क्षेत्रफल–346.91^{2}कि.जनसंख्या–202299, साक्षरता–54% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55% (7)**कमालगंज**:क्षेत्रफल–332.04^{2}कि.जनसंख्या–277306,साक्षरता–56% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55%
नगर पा.परिषद:	(1)**फर्रूखाबाद**:जनसंख्या–291334,हिंदू–74.23%,मुस्लिम–24.67%, ईसाई–0.59%,सिख–0.15%,बौद्ध–0.05%,जैन–0.09%,अन्य–0.21% **जातिवर्ग**–सामान्य 50.49%, पिछड़ी 37.91%, अनुसूचित जाति 11.6% (2)**कायमगंज**:जनसंख्या–34384,हिंदू–77.25%,मुस्लिम–22.24%, ईसाई–0.02%,सिख–0.00%,बौद्ध–0.01%,जैन–0.19%,अन्य–0.13% **जातिवर्ग**–सामान्य 39.06%, पिछड़ी 45.4%, अनुसूचित जाति 15.55%
नगर पंचायत[261] (1)**कम्पिल**:–	क्षेत्रफल 1.0^{2}किलोमीटर.,जनसंख्या 11555,हिंदू 77.25%,जैन–0.19%, मुस्लिम 22.24%,ईसाई 0.02%,सिख 0.00%,बौद्ध 0.01%, अन्य 0.13% **जातिवर्ग**–सामान्य 24.5%,पिछड़ी 60.14%,अनुसूचित जाति 15.36%
(2)**मोहम्मदाबाद**:–	क्षेत्रफल–10.00^2 कि.,जनसंख्या–24687,हिंदू–77.25%,मुस्लिम 22.24%, ईसाई 0.02%,सिख 0.00%,बौद्ध 0.01%,जैन–0.19%, अन्य–0.13% **जातिवर्ग**–सामान्य 25.58%,पिछड़ी 55.02%,अनुसूचित जाति 19.39%
(3) **कमालगंज**:–	क्षेत्रफल–2.59^{2}किमी,जनसंख्या–15477,हिंदू–77.25%,मुस्लिम 22.24%, ईसाई–0.02%,सिख 0.0%,बौद्ध 0.01%,जैन–0.19%, अन्य–0.13% **जातिवर्ग**–सामान्य 31.63%,पिछड़ी 42.79%,अनुसूचित जाति 25.58%
(4) **शमशाबाद**:–	क्षेत्रफल–4.00^{2}किमी.,जनसंख्या–28454,हिंदू–39.11%,मुस्लिम 60.72%, ईसाई 0.05%,सिख–0.00%,बौद्ध 0.00%,जैन 0.00%, अन्य–0.11% **जातिवर्ग**–सामान्य 46.42%,पिछड़ी 44.27%,अनुसूचित जाति 9.31%
छावनी क्षेत्रः–	**फतेहगढ़–कैंट**: क्षेत्रफल–4.29^{2}किलोमीटर.,वार्ड–7, जनसंख्या–14793
छावनी बोर्ड का प्रशासनः–	**अध्यक्ष**:बिग्रेडियर,**सचिव**:ई.ओ, **सभासद**:1 आबंती, 2 रतन, 3 शशिमोहन, 4 बाबी जाटव, 5 रजियाबेगम, 6 विजयभानकठेरिया, 7 वीरपालसिंह
पुलिस स्टेशनः–	**कुलः–13,** (1) **ग्रामीण**:– 5, (6) **नगरीय**:– 8
पुलिस स्टेशन (2015–16):–	**कोतवाली–फतेहगढ, फर्रूखाबाद, कायमगंज, मोहम्मदाबाद** **थाना मऊदरवाजा,कमालगंज,कंपिल,शमशाबाद,मेरापुर,अमृतपुर,राजेपुर**
प्रशासनिक–इकाइयाँ:–	(1) तहसील:–3, (2) विकास खंड:–7, (3) न्यायपंचायत:–87
ग्रामपंचायत:–(2011):–	**512**, (1) **कुलगांव**–1007, (1) **आबादगांव**–872, (2)**गैरआबाद–**135
जनप्रतिनिधिः–	(1) लोकसभा:–1, (2) विधानसभा:–4, (3) विधानपरिषद:–3, (4) जिलापंचायत–1,(5) नगर–अध्यक्ष:–6, (6) ब्लाखप्रमुख:–7
परिवहन स्टेशनः	**बस** स्टेशन/स्टाप:–95, (2015–16):–12

261 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

रेलमार्गः—पू.उ.रेलवेस्टेशनः—	खुदागंज, रजीपुर, कमालगंज, याकूतगंज, फतेहगढ़, फर्रूखाबाद, हरसिंहपुरगोवा,शुकुरूल्लापुर,भटासा,शमशाबाद,कायमगंज,कंपिल रुदायन ऊगरपुर, नींमकरोरी, पखना (**कुल रेलवेस्टेशन**/हाल्टः—19)
रेलमार्ग की कुल लम्बाई(मीटरगेज):	102 किमी
पक्की सडकों की लंबाई(2015—16):	कुल सड़कों की लम्बाईः—2091 किमी.
पी.डब्लू.डी.द्वारा संघृत सडकों की लं.:	कुल लम्बाई—1684 किमी
विद्युतीकृत ग्राम (2015—16):—	779, विद्युतीकृत आबाद ग्रामः—779, विद्युतीकृत नगरः—9, विद्युतीकृत अनुसूचितजाति बस्तियाँ—1644,असेवितअनु.जा.बस्तियाँ—0
सिचाई के साधन (2015—16):—	नहरों की लम्बाईः—144 किलोमीटर, राजकीय नलकूपः—365, व्यक्तिगत नलकूप एवं पंपिग सेटः—34642
डाकघर (2015—16):—	नगरः—33, ग्रामीणः—118, तारघरः—0,टेलीफोन कनेक्शनः—5229
सस्ते गल्ले की दूकान(2015—16):—	**कुलः—**738, (1) **ग्रामीणः**—611, (2) **नगरीयः—**127
उद्योग (2012—13):—	**पंजीकृत कारखानें**:—65, **लघु औद्योगिक इकाइयाँः—** 740, **कार्यरत व्यक्तिः—**4103
बायोगैस (2015—16):—	3354
शीत भण्डार (2015—16):—	71
शिक्षा (2015—16):—	(1) **ग्राम पंचायत लोकशिक्षा केंद्रः**512, **प्रेरक पदः** 1024,**कार्यरतः** 835[262] (2) **प्राथमिक विद्यालयः**— 2059, (3) **उच्च प्राथमिक विद्यालयः—**961, (4) **माध्यमिक विद्यालयः**—256, (5) **औद्योगिकप्रशिक्षण संस्थानः**—9 (6) **महाविद्यालय**—76, (7) **शिक्षक—प्रशिक्षणसंस्थानः**—1, (8) **पालीटेक्निक**—1 (9) **इंजीनियरिंग कालेजः**—0, (10) **मेडिकल कालेजः**—1 (11) **आयुर्वेदिक कालेजः**—3
जन स्वास्थ्यःचिकित्सालय—औषधालयः— वर्ष—(2015—16)	(1) एलोपैथिकः—44, (2) आयुर्वेदिकः—16, (3) होम्योपैथिकः—19, (4) सामु.स्वास्थ्य केंद्र—9, (5) परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केंद्र—9 (6) यूनानीः—3, (7) प्राथमिक स्वास्थ्य.केंद्र—26, (8) परिवार—मातृ शिशु कल्याण उपकेंद्रः185
विशेष चिकित्सालय (2015—16):—	(1) **क्षयः—**1, (2) **कुष्ठः**—1, (3) **संक्रामक रोगः**—0
कुल पशुधनः—	**कुलः—**562504, **पशु चिकित्सालयः—**27, **पशु औषधालयः**—3 **पशु सेवा केन्द्र**—25, **कृतिम गर्भाधान केन्द्रः**—55
सहकारिताः—	प्रारम्भिक कृषि ऋण सम्बन्धी समिति**याँ**:—70, **समितियों के सदस्य—(**2014—15) 113.46 हजार
बैंकः—	(1) राष्ट्रीयकृत बैंक शाखायें:—59, (2) ग्रामीण बैंक शाखायें:—54, (3) अन्यः—5, (4) सहकारी कृषि एवं ग्राम विकास बैंक शखायेः—3
विभिन्न जातियाँः	**अ—सवर्णः**—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ,**पिछडीजातियाँ—**अहीर,कुर्मी**,** लोधी, पाल, नाई, काछी, कहार, तेली, कुम्हार, चिक, भुर्जी, खटिक **द—दलित जातियाँ—**(1)**जाटव,**(2)**कठेरिया**,(3)**धोबी**,(4) **बाल्मीक**,(5)**कोरी**
मुस्लिम जातियां:—	शेख, पठान, जुलाहा, सैयद, मुगल—अन्य (फकीर, नाई, दर्जी, कसाई)
प्रमुख त्यौहारः—	दीपावली, होली, दशहरा, रक्षाबंधन,गंगादशहरा, भइयादूज बकरीद, कृष्णजन्माष्टमी, ईद, मौनीअमावस्या, कार्तिकपूर्णिमा,बड़ादिन, फ्राई—डे
प्रमुख उत्सवः—	होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, करवाचौथ, कृष्णजन्माष्टमी, ईद
प्रमुख मेलेः—	श्रृंगीरामपुर,रामनगरिया,ढाईघाट,विजयदशमी,गोगाजी,पुठरी,गंगदशहरा
पुरातनकालीन धरोहरः—	स्वर्गावतारण बुद्ध जी (**संकिसा**), बुद्ध धर्म स्तंभ(**संकिसा**), नवाब क्याम खान तोम्ब(**संकिसा**),नवाब बंगस तोम्ब (**कंपिल**), विश्रांतघाट गंगातट (**फर्रूखाबाद**),गुड़गांवदेवी मंदिर (**फर्रूखाबाद**),टाउनहाल फर्रूखाबाद, पंडेश्वरनाथ मंदिर **फर्रूखाबाद**, द्रोपदीकुंड(कंपिल मुनि आश्रम **कंपिल**), मुगलघाट(**कंपिल**),नृत्य श्रीगणेश(**कंपिल**),श्री विमलनाथ स्वामी(**कंपिल**)

262 दैनिक जागरण हिन्दी समाचार पत्र, जागरण प्रेस, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, दिनांक 23.03.2017, पेज 4

उत्तर प्रदेश : परिचय एक दृष्टि में[263]

भौगोलिक स्थितिः–	अक्षांश–23°52′ से 30°24′ उत्तर एवं 77° 05′ पश्चिम 84°38′ पूर्व
जलवायुः–	वर्षाः सामान्य, 110–130 सेमी. तराई, 80–100 सेमी. पश्चिम तापमानः–ग्रीष्म–अधिकतम 36–39° सेंटीग्रेट, न्यून.21–23° सेंटींग्रेट
प्रदेश की लम्बाई–चौड़ाईः–	पूर्व–पश्चिम–650 किमी, उत्तर–दक्षिण–240 किमी.
भौगोलिक क्षेत्रफलः–	240928² किमी(ग्रामीण–233365.71,नगरीय–7562.29
जनसंख्या (2011):–	199812341 (स्त्रियाँ–95331831,पुरुष–104480510)
वर्ग के अनुसार जनसंख्या (2011):–	अनुसूचित जातिः–20.21%, पिछडी जातिः–45%, मुस्लिमः–13%, ब्राह्मणः–13%, क्षत्रियः–7.9%
जाति के अनुसार जनसंख्या[264](2011):–	अहीरः–9%, कुर्मीः–3.4%, काछीः–1.4%, गडरियाः–2%, मल्लाहः–2%, तेलीः–2%, कहारः–1.5%, लोधीः–2.2%, जाटः–1.7%, गूजरः–0.8%, कुम्हारः–1.6%, नाईः–1.3%,
ग्रामीण जनसंख्याः–	व्यक्ति 155317278 (स्त्रियाँ–7432428 एवं पुरुष–11835525)
नगरीय जनसंख्याः–	व्यक्ति–44495063 (स्त्रियाँ–21007548 एवं पुरुष–23487515)
0–6 वर्ष के बच्चों की जनसंख्याः–	व्यक्ति–30791331 (ग्रामीण–25040583 एवं नगरीय–5750748)
अनुसूचित जाति की जनसंख्याः–	व्यक्ति–41357608 (ग्रामीण–35685227 एवं नगरीय–5672381)
अनुसूचित जनजाति की जनसंख्याः–	व्यक्ति–1134273 जिनमें ग्रामीण–1031076 एवं नगरीय–10197
जनसंख्या वृद्धि (2001–2011):–	20.2% (कुल–33614420, ग्राम–.23658939, नगर–9955481
जनसंख्या घनत्वः–	829 व्यक्ति/वर्गकिलोमीटर (ग्रामीण–666, नगरीय–5884)
लिंगानुपातः–	100 : 912 स्त्रियाँ (ग्रामीण–918, नगरीय–894)
जन्मदरः–	कुल–27.2, ग्रामीण–28.1, शहरी–23.3 प्रति 1000 (वर्ष–2013)
मृत्युदरः–	कुल–7.7, ग्रामीण–8.1,शहरी–5.9 प्रति 1000 (वर्ष–2013)
शिशु मृत्युदरः–	कुल–50, ग्रामीण–2, शहरी–2 प्रति 1000 (वर्ष–2013)
दरिद्रता रेखा से नीचे की जनसंख्या–	29.43%, ग्रामीण–30.40%, नगर–26.06% (तेन्दुलकर 2011–12)
दरिद्रता रेखा से नीचे की जनसंख्या–	39.8%,ग्रामीण–30.38.1%, नगर–29.43%, (रंगराजन 2011–12)
धर्म के अनुसार जनसंख्या (2011):–	हिन्दूः–159312654(79.73%), सिखः–643500(0.32%) मुस्लिमः38483967(19.26%), बौद्धः–206285(0.10%) ईसाईः356848(0.18%), अन्यधर्मः19981.23(0.01%) जैनः213267(0.11%), धर्महीनः579455.98(0.29%)
कुल साक्षरता (2011):–	व्यक्ति–114397555 (स्त्रियाँ–14605750 एवं पुरुष–16185581)
साक्षरता दर (2011):–	67.7%(स्त्री–57.2%, पुरुष–77.3%, नगरीय–75.1%,ग्रामी.65.5%)
प्रमुख–भाषाः–	हिन्दी
अनुसूचित जाति की जनसंख्याः–	20.7%, कुल–14357608, पुरुष–21676975, स्त्री–19680633
अनुसूचित जन–जाति की जनसंख्याः–	20.7%, कुल–1134273, पुरुष–581083, स्त्री–553190
दरिद्रता रेखा से नीचे निवासित जनसंख्याः–	29.43%, 98287 (वर्ष 2011–12), विकलांग–25.2%
अन्त्योदय कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–37699, नगरीयः–3073, ग्रामीणः–34626
बी.पी.एल.कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–60588, नगरीयः–4738, ग्रामीणः–55850
अन्त्योदय–बी.पी.एल.कार्डधारकों की संख्याः–	कुलः–98287, नगरीयः–7811, ग्रामीणः–90476
ए.पी.एल.कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–144453, नगरीयः–66226, ग्रामीणः–78227

263 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रु, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.
264 WWW.UP Opinion Poll.in/2016/07/Cast-Wise-Population-in-Uttar-Pradesh.html

राशन कार्ड धारक परिवारों की संख्याः–	कुलः–241741, नगरीयः–74037, ग्रामीणः–168704
कृषिः– (2013–14)	कुल बोया गया क्षेत्रफलः– 258.96 लाख हेक्टेयर,
खाद्यान्न उत्पादनः–	42.472 मिलियन टन, फसल सघनताः–155.89%
कामगर जनसंख्याः–	कुल–65814715 (स्त्रियाँ–15967953, पुरुष–49846762)[265]
विभिन्न क्षेत्रों में कामगर संख्याः–कृषक.	19057888,कृषिश्रमिक.19939223,घरेलूउद्यो.3898550,अन्य22919014
प्रमुख फसलें–	धान,गेहूँ,मक्का,जौ,ज्वार,बाजरा,उड़द,मूंग,अरहर,चना,गन्ना आदि
कुल वृक्षावरण एवं वनावरणः–	21505 वर्ग किमी (8.93%, भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष)
वनजीव संरक्षण केन्द्रः–	24 (वनजीव विहार–12,पक्षीअभयारण्य–13,राष्ट्रीय उद्यान–1)
प्रशासनिक–इकाइयाँः(2011)	(1) जनपदः–71,(2) मण्डलः–18, (3) नगर–नगर समूहः–915, (4) तहसीलः–312, (5) विकासखण्डः–82, (6) न्यायपंचायत–8135 (7) नगरपंचायत–423,(8) नगरनिगमः–14,(9) कुलग्रामः–106774 (10) आबाद ग्रामः–97814, (10) गैर आबाद ग्रामः–8960
जनप्रतिनिधिः–	लोकसभा–80, राजसभा–80, विधानसभा–403, विधानपरिषद–100
परिवहनः– (2012–13)	कुल सड़क मार्ग की लम्बाई 576 हजार किमी (2012–13) कुल पंजीकृत गाडियाँ–21828 हजार, राजकीय बसें–10000
विद्युतीकृत ग्रामः–(2014–15)	अधिष्ठापित क्षमता 5460 मेगावाट,उत्पा.2636 करोड कि.वा.घंटा प्रतिव्यक्ति विद्युत उपभोग–299 किलोवाट घंटा, पूर्णतः विद्युतीकृत ग्राम–19140, प्रति व्यक्ति विद्युत उत्पादन–127कि.वा/घंटा
सिचाईः–(2012–13)	शुद्ध सिंचित क्षेत्र–140.27 लाख हेक्टेयर, सकल सिंचित क्षेत्र फल–204.03 लाख हेक्टेयर, कुल सृजन योग्य सिंचन क्षमता– 35.902 लाख हेक्टेयर, सिंचन क्षमता का कुल उपयोग–244. 03 लाख हेक्टेयर, नलकूप–72.17%, नहर–19.44%, कुआँ– 7.32%, तालाब,झील एवं पोखर–0.75%, अन्य–0.32%
उद्योगः–	सीमेण्ट,वनस्पतितेल,सूतीवस्त्र,सूतीधागा,चूड़ी,काँच,चीनी,जूट,बीड़ी
प्रमख खनिजः–	चूना,पत्थर,डोलोमाइट,मैग्नेसाइट,जिप्सम,काँच,बाक्साइट,फायरक्ले
शिक्षाः–	(1) प्राथमिकस्कूलः–168906, (2) उच्चप्राथमिक स्कूलः–76901, (3) माध्यमिकविद्या.22750, (4) आई.टी.आई.325,(5) केंद्रीयविद्या.5 (6) महाविद्यालय–4284 (7) शिक्षक–प्रशिक्षणसंस्थानः–75, (8)पालीटेक्निक–118, (9)रा.इंजी.कालेज–11, (10) मेडि.कालेज–54
स्वास्थ्य–चिकित्साः:–	(1) एलोपैथिकः–5102, (2) आयुर्वेदिकः–2370, (3) होम्योपैः–1570
पर्यटन एव ऐतिहासिक स्थलः–	लखनऊ,सारनाथ–वाराणसी,आगरा,चित्रकूट,संकिसा,झांसी,मेरठ,
प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थलः–	काशी,प्रयाग,अयोध्या,मथुरा,नैमिषारण्य,शक्तिपीठ,विंध्यवासिनी देवी मंदिर,देवीपाटन,देवाशरीफ,नानकमता,कलियरशरीफ,रीडामीठासाहब
प्रमुख त्यौहारः–	कृष्णजन्म,दीपावली,होली,दशहरा,ईद,मौनीअमावस्या,बड़ादिन, फ्राईडे
प्रमुख लोकगीतः–	बिरहा, चैती, कजरी, रसिया, फाग, आल्हा, पूरनभगत, भर्तहरि
प्रमुख लोक नृत्यः–	कठघोड़ा, चरकुला, करमा, पांडव, पाईडंडा,धोबिया,राई थारू, शैरा

265 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रु, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

भारत : परिचय एक दृष्टि में

भौगोलिक स्थितिः–	अक्षांश–23^{0}52′ से 30^{0}24′ उत्तर एवं 77^{0}05′ पूर्व 84^{0}38′ पूर्वीय
जलवायुः–	कटिबन्धीय, उत्तर–पूर्वमानसून, दक्षिण–पश्चिमी मानसून
ऋतुएँ	ग्रीष्म (मार्च–मई), शीत (अक्टूबर–फरवरी) वर्षा (जून–सितम्बर)
भौगोलिक क्षेत्रफलः–	3287263 वर्ग किमी (विश्व के कुल क्षेत्र का 7.33%)
जनसंख्या घनत्वः–	382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
लिंगानुपातः–	943 (प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियाँ)
जनसंख्या वृद्धि (2010–2011):–	17.7%, बेरोजगारी वृद्धि दरः–9.5%
जनसंख्याः–	कुल–1210854977 (विश्व जनसंख्या का 17.7%)[266] जिनमें स्त्रियाँः–587584719, पुरुषः–623270258
ग्रामीण जनसंख्याः–	कुलः–83.3 करोड़ (68.84%)
नगरीय जनसंख्याः–	कुलः–37.7 करोड़ (31.16%)
कुल साक्षरता–(2011):–	कुल 74.04%, स्त्रियाँ–65.46%, पुरुषः–82.16%
जन्मदर–(2000):–	22.22 जन्म प्रति हजार
मृत्युदर(वर्ष–2015 अनुमानित):	कुल 7.32 मृत्यु प्रति 1000, शिशु मृत्युदर–41 (2015–16)
आयु प्रत्याशा(2015 अनुमानित):–	कुल–67.8 वर्ष, पुरुष–66.68 वर्ष, महिला–69.06 वर्ष
दरिद्रता रेखा से नीचे की जनसंख्या–	तेन्दुलकर–21.92%, ग्रामीण–25.70%, शहरी–13.70%, (वर्ष–2014)
दरिद्रतारेखा से नीचे की जनसंख्या–	रंगराजन–29.5%,ग्रामीण–30.9%,,शहरी–26.4%,(वर्ष–2011–12)
धर्म के अनुसार जनसंख्या (2011):–	कुलः–1028610328[267] (1) हिन्दूः–96.63 करोड़(79.8%), (2) मुस्लिमः–17.22करोड(14.2%), (3) बौद्धः–0.84करोड(0.7%), (4) ईसाईः–2.78 करोड(2.3%), (5) सिक्खः–2.08करोड(0.10%), (6) जैनः–0.45करोड(0.4%), (7) अन्यधर्म–0.79करोड(0.01%),(8)धर्म–अघोषित–0.29करोड(0.02%)
प्रशासनिक इकाइयाँ(2015):–	(1)लोकसभा–545, (2)राज्यसभा–245, (3) राज्यविधानसभा–4072 (4) राज्यः–35,(1) (5) जिलाः–616, (6) नगर–नगरपंचायत–423, (7)नगरनिगमः14,(8)ग्रामः106774,(9)आबादग्रामः97814,नगरसमूहः915, (10) तहसीलः340,(11)विकासखण्डः82,(12)न्यायपंचायतः8135756950
शिक्षा[268]:–	(1) प्राथमिकस्कूलः–756950, (2) उच्चप्राथमिक स्कूलः–300008, (3) फर्मेसीः1419, (3) माध्यमिक विद्यालय–165087, (4) महाविद्यालय–11458, (9) एम.सी.ए.–1571, (5) प्रोफेशनल.कालेजः–7024, (8) मैनेजमेंट–3764, (11) आर्किटेक्चर–165, (6) यूननीवर्सिटी / डीम्डयूनी.–371, (7) इंजीनियरिंग–टेक्नोलॉजी–6214,
स्वास्थ्य–चिकित्साः–	(1) एलोपैथिकः5102, (2)यूनानीः267,(3) सिद्धः217,(4) नेचुरोपैथीः170 (5) होम्योपैथिकः–235,(6) स्नातक मेडिकल कॉलेजः 2478, (7) पी.जी.मेडि.कॉलेजः108
प्रमुख फसलेः–	गेहूँ,मक्का,बाजरा,चना,गन्ना,कपास,जूट,दालें,तिल,चाय,कॉफी,रबड़,तम्बाकू
प्रमुख उद्योगः–	वस्त्र, कागज, रसायन, उर्वरक, स्टील, ऑटामोबाइल, डेरी, प्रेटो रसायन

266 जैन महेन्द्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण (प्रिण्ट यूनिट,) स्वदेशी बीमा नगर, आगरा, वर्ष 2016 पेज–106
267 वही, पेज–108
268 गुप्ता योगेंद्र मोहन, वार्षिकी, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, वर्ष 2013, पेज–334

भारत की जनसंख्या–2011[269],दरिद्रता–2014[270] का राज्यवार वितरण के मुख्य तथ्य

क्रम	राज्य	क्षेत्रफल वर्गकिमी	जनसंख्या व्यक्ति[271]	जनसंख्या पुरूष	जनसंख्या स्त्रियां	कुल साक्षर %	साक्षर पुरूष %	साक्षर महिला %	जनसं घनत्व	वृद्धि दशक	ग्रामी दरिद्र%	शहर दरिद्र%	कुल दरि %	दरिद्र जनसं. लाख
1	अरूणाचल	83743	1382611	720232	662379	65.38	73.69	59.57	17	26	12.7	15.6	13.7	117.3
2	असम	760205	49386799	24738068	24648781	67.31	78.81	67.27	398	17.1	42.0	34.2	40.9	129.5
3	आध्र प्रदेश	160205	49386799	24738068	24648731	67.41	75.56	59.74	308	11.0	12.7	15.6	13.7	117.3
4	उडीसा	155707	41947358	21201678	20745680	73.45	82.40	64.36	270	14.0	47.8	36.3	45.9	195.0
5	उत्तराखण्ड़	53484	10116752	5154178	4662578	79.63	88.33	70.70	189	18.8	12.6	29.5	17.8	18.4
6	उत्तरप्रदेश	240929	199581477	104596415	94985062	69.72	79.24	59.26	829	20.2	38.1	45.7	39.8	809.1
7	कर्नाटक	191791	61130704	3105772	30072962	75.67	82.85	68.13	319	15.6	19.8	25.1	21.9	135.7
8	केरल	38663	33387677	16021290	17366387	93.91	96.2	91.98	860	4.9	7.3	15.3	11.3	38.3
9	गुजरात	196024	60383628	81482282	28901346	79.31	87.23	75.48	308	19.3	31.4	22.2	27.4	168.8
10	गोवा	3702	1457723	740711	717012	81.81	82.81	83.15	394	8.2	1.4	9.1	6.3	0.9
11	छत्तीसगढ	135194	25540196	128279915	12712281	71.04	81.45	60.59	189	22.6	49.2	43.7	47.9	124.8
12	जम्मूकश्मीर	222286	12548926	6665561	5883365	68.74	78.26	58.01	124	23.6	12.6	21.6	15.1	19.3
13	झारखंड	79714	32966238	16931368	16034550	67.63	78.45	56.21	414	22.4	45.9	31.3	42.4	142.5
14	तमिलनाडु	130058	72138958	36158871	35980087	80.33	86.81	73.86	555	15.6	24.3	20.3	22.4	163.9
15	तिलंगाना	114840	35193998	17704078	17489900	56.50			307					
16	दिल्ली	1483	16758235	8976410	7776825	86.34	91.03	80.93	11320	21.2	11.9	0.5	15.6	26.7
17	नागालैंड	16579	1980602	1025707	954895	80.11	83.29	76.69	119	–.6	6.1	32.1	14.0	2.8
18	पंजाब	50362	27704236	14634819	13069417	76.68	81.48	71.34	551	13.9	7.4	17.6	11.3	31.6
19	पश्मिमबंगाल	78752	91347736	46927389	44420347	77.08	82.67	71.16	1028	13.8	30.1	45.7	39.8	809.1
20	बिहार	94163	108804637	54185347	46619290	63.82	73.39	55.33	1106	25.4	40.1	50.8	41.3	438.1
21	मेघालय	22429	2964007	1492668	1471339	75.48	77.17	73.78	132	27.9	26.3	16.7	24.4	7.4
22	मिजोरम	21081	1091014	552339	538675	91.58	93.72	89.40	52	23.5	33.7	21.5	27.4	3.1
23	मणिपुर	22347	2721756	1369764	1351992	79.85	86.49	73.17	128	31.8	34.9	73.4	46.7	12.9
24	मध्यप्रदेश	308000	72597565	37612920	34984645	70.63	80.53	60.02	236	20.3	45.2	42.1	44.3	327.8
24	महाराष्ट्र	307713	112372972	58361397	54011575	82.91	89.92	75.48	365	16.0	22.5	17.0	20.0	228.3
26	राजस्थान	342239	68621012	35620086	33000926	67.06	89.92	75.48	2000	21.3	21.4	22.5	21.7	151.5
27	सिक्कम	7096	607688	321661	286027	82.20	87.29	76.43	86	12.9	20.0	11.7	17.8	1.1
28	हरियाणा	44212	25353081	13505130	11847851	76.64	85.38	66.77	573	19.9	11.0	15.3	12.5	32.4
29	हिमांचलप्रदेश	55673	6856509	3473892	3382617	83.78	90.83	76.60	123	12.9	11.1	8.8	10.9	7.5
30	त्रिपुरा	49169	3671032	1871867	1799165	87.75	92.81	83.15	350	14.8	22.5	31.3	24.9	9.3
31	अंडमाननिको.	8349	379944	202330	177614	86.27	90.11	81.84	46	6.9	6.6	4.9	6.0	0.2
32	चडीगढ.	114	1054686	580282	474404	86.43	90.54	81.38	9258	17.2	12.0	21.5	21.3	2.3
33	दमन–द्वीव	112	242911	150100	92811	87.07	92.12	79.69	2191	53.8	0.0	17.6	13.7	0.4
34	पांडुचेरी	480	1244464	610485	633979	86.55	92.18	81.22	2546	28.1	5.9	8.6	7.7	1.0
35	दादरा–हवेली	491	342853	193178	149675	77.65	86.46	65.93	700	55.9	55.2	15.3	35.6	1.3
36	लक्षद्वीप	1956	64429	33106	31323	92.28	96.11	88.25	2149	6.3	0.6	7.9	6.5	0.0
कुल	**भारत–2011**	**3287263**	**1210726932**	**623270258**	**587584719**	**74.04**	**82.14**	**65.46**	**382**	**17.3**	**30.9**	**26.4**	**29.5**	**3629.9**

269 जैन महेन्द्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण (प्रिण्ट यूनिट,) स्वदेशी बीमा नगर, आगरा, वर्ष 2016 पेज–106
270 रंगराजन विशेषज्ञ समूह–2014 विधि पर आधारित,भारतीय अर्थव्यवस्था,प्रतियोगिता दर्पण स्वदेशीनगर, आगरा,वर्ष 2017,पे.87
271 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 2011 का जिलेवार विवरण के मुख्य तथ्य[272]

क्रम	राज्य	क्षेत्रफल वर्गकिमी	तहसी संख्या	विका खंड़सं	जनसंख्या–वर्ष–2011	वर्ष–2011–पुरूष	जनगणना महिला	साक्षरता कुल	प्रतिशत पुरूष	2011 महिला	जनसं घनत्व
1	इलाहाबाद	5482	8	20	5940391	3131807	2822584	72.32	82.55	60.97	899
2	कानपुरनगर	3155	3	9	4581268	2459806	2121462	79.65	83.62	75.05	1452
3	आजमगढ़	4054	7	22	4613913	2285004	2228909	70.93	81.34	60.91	1138
4	जौनपुर	4038	5	21	4492204	2220465	2273739	71.55	83.80	59.81	1113
5	गोरखपुर	3321	4	19	4440895	2277777	2163118	70.83	81.80	59.36	1227
6	मुरादाबाद	2271	6	9	4772006	2503186	2268820	56.77	64.83	47.86	1284
7	लखनऊ	2528	6	8	4589838	2394476	2195362	72.29	82.56	71.54	1816
8	सीतापुर	5743	6	19	4483992	2375264	2108728	61.12	70.31	50.67	888
9	आगरा	4041	5	15	4418797	2364953	2053844	71.58	80.62	61.18	1094
10	बरेली	4120	5	15	4448359	2357665	2090694	58.59	67.50	48.30	1080
11	मुजफ्फरनगर	4008	10	14	4143512	2393434	1950078	69.12	78.44	58.69	1034
12	हरदोई	5986	5	19	4092845	2191442	1901403	64.57	74.39	50.67	781
13	गाजियाबाद	1179	6	8	4681645	2488834	2192811	78.07	85.42	69.79	3971
14	लखीमपुरखीरी	7680	2	8	4021243	2123187	1898056	60.56	69.57	50.42	685
15	सुल्तानपुर	4436	5	23	3297117	1914586	1882531	69.27	80.39	58.28	856
16	वाराणसी	1535	6	8	3676841	1921857	1754984	75.60	83.78	66.69	2395
17	बिजनौर	4561	5	11	3682713	1921215	1761496	68.48	76.56	59.72	807
18	बदायूँ	5168	3	17	3681896	1967759	1714137	51.29	66.98	40.09	712
19	गाजीपुर	3377	5	16	3620268	1855975	1765193	71.78	82.80	60.29	1072
20	मेरठ	2559	3	12	3443689	1825743	1617946	72.84	80.45	63.98	1346
21	अलीगढ़	3650	5	11	3673889	1951996	1721893	67.52	77.97	55.68	1007
22	बुलन्दशहर	4512	7	15	3499171	1845260	1653911	68.88	80.93	55.57	776
23	कुशीनगर	2905	4	14	3564544	1818055	1746489	65.25	77.71	82.36	1227
24	रायबरेली	4609	7	21	3405559	1752542	1653017	67.25	77.63	56.29	739
25	सहारनपुर	3689	11	8	3466382	1834106	1632276	70.49	78.28	61.74	940
26	एटा	2431	5	15	1774480	947339	827141	70.81	81.28	58.80	730
27	गोंडा	4003	4	16	3433919	1787146	1646776	58.71	69.41	47.09	858
28	बलिया	2981	6	17	3239774	1672902	1566872	70.94	81.49	59.75	1087
29	देवरिया	2540	5	16	3100946	1537436	1563510	71.13	83.27	59.38	1221
30	प्रतापगढ़	3717	4	17	3209141	1606085	1603056	70.09	81.88	58.45	863
31	उन्नाव	4558	5	16	3108367	1630087	1478280	66.37	75.05	56.76	682
32	बाराबंकी	4402	6	16	3260699	1706073	1553626	61.75	70.27	52.34	741
33	शाहजहाँपुर	4388	4	13	3006538	1606403	1400135	59.54	68.18	49.57	685
34	बहराइच	5237	4	12	3487731	1843884	1643847	49.36	58.34	39.18	666
35	फतेहपुर	4152	3	13	2632733	1384722	1248011	67.43	77.19	56.58	634
36	महाराजगंज	2952	4	12	2684703	1381754	1302949	62.76	75.85	48.92	910
37	मिर्जापुर	4405	4	12	2496970	1312302	1184668	68.48	78.97	56.86	567
38	फैजाबाद	2341	5	10	2470996	1259628	1211368	68.73	78.12	59.03	1056

272 त्रिपाठी केसरी नंदन एवं कुमार आलोक, उत्तर प्रदेश : समग्र अध्ययन, बौद्धिक प्रकाशन, झूंसी, इलाहाबाद, वर्ष 2016,पृ.129

39	मथुरा	3340	3	10	2547184	1367125	1180059	70.36	81.97	56.89	763
40	बस्ती	2688	3	7	2464464	1255272	1209192	67.22	77.88	56.23	917
41	फिरोजाबाद	2407	4	9	2498156	1332046	1166110	71.92	80.82	61.75	1038
42	सिद्धार्थनगर	2895	5	13	2559297	1295095	1264202	59.25	70.92	47.41	884
43	अंबेडकरनगर	2350	4	9	2397888	1212410	1185478	72.23	81.66	62.66	1020
44	रामपुर	2367	5	6	2335819	1223889	1111930	53.34	61.40	44.44	1284
45	मऊ	1713	4	9	2205968	1114709	1091259	73.09	82.45	83.63	1288
46	झाँसी	5024	5	8	1998603	1057436	941167	75.05	85.38	63.89	398
47	बलरामपुर	3349	3	9	2148665	1114721	1033944	49.51	59.73	38.43	642
48	पीलीभीत	3686	3	7	2031007	1072002	959005	61.47	71.70	50.00	551
49	चन्दौली	2541	3	9	1952768	1855075	1765193	71.78	81.72	60.35	769
50	मैनपुरी	2760	3	9	1868529	993377	875152	75.99	84.53	66.30	677
51	कानपुरदेहात	3021	5	10	1796184	963255	832929	75.78	83.45	66.86	595
52	फर्रूखाबाद	2181	3	9	1885204	1006240	878964	69.04	77.40	59.44	864
53	बाँदा	4460	4	8	1799410	965876	833534	66.67	77.78	53.67	408
54	ज्यो.फू.अमरोहा	2249	3	7	1840221	963449	876772	63.84	74.54	52.10	818
55	सोनभद्र	6905	3	8	1862558	971344	891215	64.03	74.92	52.14	270
56	जालौन	4565	5	9	1689974	906092	783882	73.75	83.48	62.46	370
57	संतकबीरनगर	1646	3	7	1715183	869656	845527	66.72	78.39	54.80	1042
58	कन्नौज	2093	3	7	1656616	881776	774840	72.70	80.91	63.33	792
59	रवि.न.भदोही	1015	2	5	1578213	807099	771114	68.97	81.47	56.03	1555
60	इटावा	2311	5	8	1581810	445856	735954	78.41	86.06	69.61	685
61	हाथरस	1840	4	8	1564708	836127	128581	71.59	82.38	59.23	850
62	कौशाम्बी	1760	3	8	1599596	838485	761111	61.28	72.78	48.56	899
63	गौतमबुद्धनगर	1282	3	4	1648115	890214	557901	80.12	88.06	70.82	1286
64	औरैया	2016	2	7	1379545	740040	639505	78.95	86.11	70.61	684
65	श्रावस्ती	1640	3	7	1117361	593897	523464	46.74	57.16	34.78	681
66	बागपत	1321	3	6	1303048	700070	602978	72.01	82.45	59.95	986
67	हमीरपुर	4021	3	7	1104285	593537	510748	68.77	79.76	55.95	275
68	ललितपुर	5039	3	6	1221592	641011	580581	75.05	85.38	63.49	398
69	चित्रकूट	3216	2	5	991730	527721	464009	65.05	75.80	52.74	308
70	महोबा	3144	3	14	875958	466358	409600	65.27	75.83	53.22	279
71	कासगंज	1993			1436719	764165	672554	61.02	71.56	49.00	735
72	अमेठी	3061			1273[1]						
73	शामली	1168			1044[1]						
74	हापुड़	660			1338[1]						
75	संभल	2458			2193[1]						
	उत्तर–प्रदेश	**241467** **240928**	**341** **ग्रामी** **नगर**	**822**	**199812341** **155317278** **44495063**	**104480510** **69096765** **18369536**	**95231831** **62443465** **16143093**	**67.7** **65.46** **75.41**	**77.3**	**57.2**	**829**

साक्षात्कार–प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन में साक्षात्कार पद्धति एक क्रमबद्ध तथा व्यवस्थित पद्धति है। प्रस्तुत शोध दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन में साक्षात्कार–प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में अध्ययन से लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया है।

साक्षात्कार की प्रक्रिया के प्रथम चरण में साक्षात्कार–कर्ता ने अध्ययन से सम्बन्धित समस्या के स्वरूप की स्पष्ट व्याख्या की है। इससे उसके विभिन्न आयामों के जानने एवं उसके सम्बन्ध में आवश्यक प्रश्नों के निर्माण में पर्याप्त सुविधा रही है। इसी चरण में अध्ययन–समस्या से सम्बन्धित दरिद्र व्यक्तियों का चयन किया है और फिर आवश्यक इकाईयों की संख्या निर्धारित की है। साक्षात्कार के लिए ऐसे समय एवं स्थान को निश्चित किया है, जो कि जैसे ही निश्चित स्थान पर एक उत्तरदाता साक्षात्कार देने के लिए उपस्थिति हुआ, उनके नाम एवं वर्ग का तुरन्त पता लग गया और साक्षात्कार के लिए उत्तरदाता को अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी।

प्रस्तुत अध्ययन में साक्षात्कार–कर्ता ने साक्षात्कार प्रक्रिया के प्रथम चरण में ही साक्षात्कार–अनुसूची की रचना भी की है। अध्ययन–समस्या से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर क्रमबद्ध तर्क–संगत, बोधगम्य एवं सरल प्रक्रमों की रचना की है। अनुसूची की रचना के लिए निष्पक्ष, एकअर्थक एवं वस्तुपरक शब्दों का चयन किया है। द्वि–अर्थक एवं बहुअर्थक शब्दों के उपयोग को बहिष्कृत किया है। अनुसूची के लम्बे वाक्यों का प्रयोग भी प्रायः अनुपयुक्त माना है। समस्या के स्वरूप के आधार पर साक्षात्कार–अनुसूची के प्रश्नों को मुक्त रूप से अथवा प्रतिबन्धित समस्या में यह ध्यान रखा है कि मुक्तोत्तर प्रश्नों से सम्बन्धित समस्या के विषय में व्यापक जानकारी मिलेगी तथा प्रतिबन्धित प्रश्नों द्वारा वस्तुपरक तथा एक रूप जानकारी उपलब्ध होगी।

द्वितीय चरण के अन्तर्गत प्रस्तुत शोध में साक्षात्कारकर्ता ने साक्षात्कार–प्रक्रिया में पूर्व–चिन्तन तथा पूर्व–प्रबन्ध के पश्चात् साक्षात्कार के संचालन–प्रक्रम को निर्धारित किया है। इसमें पहले उत्तरदाता से सम्पर्क स्थापित किया है, और साथ ही उत्तरदाता से मैत्रिक–भावना भी स्थापित की है, और साक्षात्कार के उद्देश्यों को स्पष्ट किया है, और इसमें उसे अपना हार्दिक व स्वाभाविक सहयोग देने के लिए अनुरोध किया है, इसके पश्चात् सम्बन्धित समस्या के विषय में वार्तालाप आरम्भ की है। वार्तालाप के अन्तर्गत साक्षात्कारों की सक्रिय महत्त्वपूर्ण भूमिका देखने में आयी है। इसके लिए उसे वार्तालाप के प्रक्रम को पारस्परिक रूप से प्रेरणात्मक एवं मनोरंजनात्मक रखा है। उत्तरदाता के उत्तरों को सहानुभूति पूर्वक सुना है, और यदि कहीं पर उत्तर देने में उत्तरदाता ने संकोच किया है, तब उसे निःसंकोच उत्तर देने के लिए प्रेरित किया है।

तृतीय चरण में प्रस्तुत अध्ययन की समस्याओं के अध्ययन में साक्षात्कार–कर्ता को साक्षात्कार के अन्तर्गत प्राप्त हुईं अनुक्रियाओं अथवा उत्तरों के परिशुद्ध अभिलेखन की आवश्यकता हुई है। जिन्हे अभिलेखित किया है। उत्तरों के अभिलेख के लिए हस्तलिपि एवं

संकेत विधि तथा कम्प्यूटर–टाइपिंग का प्रयोग किया है। उत्तरों के अभिलेखन में क्षेत्र–निर्धारण एवं क्षेत्र–संकेतीकरण का भी उपयोग किया है।

चतुर्थ चरण के अन्तर्गत साक्षात्कार का समापन भावपूर्ण रहा है। इसके समापन करने से पहले साक्षात्कार–कर्ता ने सम्बन्धित उत्तरदाता की साक्षात्कार–अनुसूची की पूरी तरह फिर से जाँच की है और यदि कहीं किसी भी प्रश्न का उत्तर छूटा मिला, तब उसका उत्तर उत्तरदाता से इस चरण में प्राप्त कर लिया है, और फिर उसे उत्तरदाता के प्रति कोमल भाव (नम्रता) से आभार प्रदर्शित किया और अपना बहुमूल्य समय देने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया है। साक्षात्कार एकदम, यकायक एवं नीरस न होकर ऐसा हुआ है कि जिससे उत्तरदाता को फिर से साक्षात्कार देने में, यदि आवश्यकता पड़ी, रुचि एवं प्रेरणा बनी रही है।

साक्षात्कार समापन के पश्चात् उसके प्रतिवेदन (Report) की रचना की आवश्यकता हुई है। प्रस्तुत शोध की समस्याओं के अध्ययन में साक्षात्कार प्रक्रिया के अन्तिम चरण में साक्षात्कार का प्रतिवेदन की रचना की गई है। प्रतिवेदन का स्वरूप यथा सम्भव वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष है तथा इसके संचालन से सम्बन्धित विभिन्न अंगों व चरणों का प्रस्तुतीकरण अध्ययन के दृष्टिकोण से उपयुक्त तथा प्रकाशन के लिए मानवीकृत प्रतिमान के अनुरूप है।

(द) सांख्यिकीय

फर्रूखाबाद जनपद के नगरों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य[273]

क्रम	तथ्य–विवरण	फर्रूखाबाद न.पा.परिषद	कमालगंज नगरपंचायत	मोहम्मदाबाद नगरपंचायत	कायमगंज नगरपंचायत	शमशाबाद नगरपंचायत	कम्पिल नगरपंचायत
1	सम्बंधित तहसील	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद	कायमगंज	कायमगंज	कायमगंज
2	भौगोलिकक्षेत्रफल	19.1वर्गकिमी.	2.9वर्गकिमी.	10.0 वर्गकिमी	2.12वर्गकिमी	4.0वर्गकिमी.	1.0वर्गकिमी
3	जनसंख्या	291374	15477	24687	34384	28454	10271
4	पुरुष जनसंख्या	154776	8248	13243	18135	14950	5477
5	स्त्री जनसंख्या	136598	7229	11444	16249	13504	4804
6	सामान्य वर्ग	50.49%	31.63%	25.58%	39.069%	46.42%	24.5%
7	पिछड़ा वर्ग	37.91%	42.79%	55.02%	45.4%	44.27%	60.14%
8	अनुसूचित जाति	11.6%	25.58%	19.39%	15.55%	9.31%	15.36%
9	अनु. जन–जाति	0	0	0	0	0	0
10	लिंगानुपात	899	876	864	896	903	877
11	0–6वर्षजनसंख्या	36107	2208	3600	4383	4549	1783
12	साक्षर जनसंख्या	189271	10140	16545	23376	14333	5465
13	साक्षर पुरुष	106270	5795	9709	13041	8322	3263
14	साक्षर स्त्री	106270	4345	6836	10335	6011	2202
15	साक्षरता प्रतिशत	74.00	76.42	78.46	77.92	59.96	64.31
16	साक्षरता% पुरुष	92.22	70.13	85.63	72.74	52.96	55.23
17	साक्षरता% स्त्री	78.51	81.93	70.12	82.57	67.68	72.33
18	नगर–वार्डस	37	12	15	25	12	10
19	प्राथमिकविद्यालय	71	15	20	37	14	12
20	उच्चप्रा.विद्यालय	79	13	9	31	10	4
21	माध्यमिकविद्या	20	8	9	10	2	1
22	सस्तेगल्लेकीदूका	99	3	7	17	8	4
23	शीत भण्डार	25	1	1	4	0	0
24	एलोपैथि.चिकि.	3	0	0	0	0	0
25	आयुर्वे.चिकित्सा	2	0	0	0	0	0
26	यूनानीचिकित्सा	4	0	0	1	0	0
27	परि.मातृशिशुककें	2	0	0	0	0	0
28	राष्ट्री.बैंकशाखाएँ	29	2	2	5	2	2
29	गैररा.बैंकशाखाएँ	4	0	0	3	0	0
30	कुलमुख्यकर्मकार कुलकृषिकर्मकार कुलपरिवा.उद्योग	जिल 29994 494 29500	नगर16238 73 16165	ग्राम–13758 421 13335			
31	अन्त्योदय कार्ड	908	131	483	509	645	397
32	बी.पी.एल.कार्ड	1916	201	846	611	778	436
33	राशकार्ड(दरिद्र)	2824	332	1329	1120	1373	833
34	समाजवादीपेंशन	5716	327	328	697	623	408
35	वृद्धाअनाथपेंशन	1701	56	184	180	68	111
36	विधवाअनाथपेंश	3503	121	124	435	226	7
37	बिकलांगपेंशन	1858	122	152	142	65	61
38	कुलदरिद्रपेंशन	12778	626	788	1454	982	587

273 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

फर्रूखाबाद जनपद के विकास खडों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य[274]

क्रम	तथ्य–विवरण	वि.खण्ड बढ़पुर	वि.खण्ड कमालगंज	वि.खण्ड मोहम्मदाबाद	वि.खण्ड कायमगंज	वि.खण्ड शमशाबाद	वि.खण्ड नबाबगंज	वि.खण्ड राजेपुर
1	सम्बन्धित तहसील	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद	फर्रूखाबाद	कायमगंज	कायमगंज	कायमगंज	अमृतपुर
2	भौगोलिक क्षेत्रफल	273.39 वर्गकिमी.	394.24 वर्गकिमी.	300.05 वर्गकिमी.	254.21 वर्गकिमी.	245.97 वर्गकिमी.	245.97 वर्गकिमी.	273.39 वर्गकिमी.
2	जनसंख्या घनत्व	1078व्यक्ति प्रति²किमी	859व्यक्ति प्रति²किमी	642व्यक्ति प्रति²किमी	596व्यक्ति प्रति²किमी	591व्यक्ति प्रति²किमी	683व्यक्ति प्रति²किमी	532व्यक्ति प्रति²किमी
3	जनसंख्या	164730	277306	259396	225078	202299	165555	186183
4	पुरुष जनसंख्या	88654	145816	138745	120607	108229	88970	100390
5	स्त्री जनसंख्या	76076	131490	120651	104471	94070	76585	85793
6	लिंगानुपात	866	866	866	866	866	861	866
7	0–6वर्ष जनसंख्या	27064	47459	21127	20770	18267	28104	17555
8	साक्षर जनसंख्या	98859	156409	169313	109669	109603	91380	103314
9	साक्षर पुरुष	56856	56856	100903	67954	67609	56705	64080
10	साक्षर स्त्री	37003	62088	68410	41715	41995	39234	39234
11	साक्षरता प्रतिशत	56	65	65	48	54	55	55
12	साक्षरता % पुरुष	48	47	56	39	44	45	45
13	साक्षरता % स्त्री	64	64	72	56	62	63	63
14	ग्राम सभाएं	49	98	83	76	76	57	78
15	प्राथमिकविद्यालय	77	158	119	151	143	88	138
16	प्राथमिकविद्याप्रति लाखजनसंख्यापर	137.1	122.6	136.9	120.0	133.0	132.9	120.8
17	माध्यमिकविद्याप्रति लाखजनसंख्यापर	8.5	12.6	20.0	6.7	8.4	16.3	7.5
18	सस्तेगल्लेकीदूका.	77	158	119	151	143	88	136
19	शीत भण्डार	77	158	119	151	143	88	138
20	बाजार–हाट(ग्रामी)	77	158	119	151	143	88	136
21	कृषि मण्डी	115	158	119	151	143	88	136
22	मातृ.शिशुकल्या.केंद्र	17	27	28	21	22	23	26
23	स्वास्थ्य केंद्र प्रति लाखजनसंख्यापर	3.9	5.8	6.9	4.4	4.9	4.8	7.5
24	प्राथ.स्वा.क्रेद्रप्रति लाखजनसंख्यापर	0.7	2.5	3.1	1.3	2.0	1.6	3.2
25	पशु चिकित्सालय	77	158	119	151	143	88	136
26	कृषि सेवा केंद्र	77	119	119	88	151	88	136
27	कुलमुख्यकर्मकारों कुलकृषि–कर्मकार कुलपरिवारिकउद्यो (कुलजनसंख्यासे%)	24.9 66.4 5.0	25.0 75.1 9.9	25.4 83.8 4.5	26.0 82.2 2.6	24.4 86.4 3.3	24.7 87.5 1.8	25.8 84.9 2.9
28	बी.पी.एल. परिवार	7702	20068	17594	15219	15700	12523	7687
29	अन्त्योदय कार्ड	5112	4383	6695	4791	645	6695	5304
30	बी.पी.एल.रा.कार्ड	6252	8919	10437	7707	7715	10437	8757
31	राशनकार्ड(दरिद्र)[275]	11364	13302	17131	12498	12497	9712	14061
32	समाजवादी पेंशन	2737	4504	4550	3801	3269	24967	3150
33	वृद्धाअसहाय पेंशन	2024	6251	7397	4793	4448	4262	3742
34	विधवाअसहायपेंश	2348	4229	3943	3396	2606	1702	2327
35	बिकलांग पेंशन	1417	2659	2388	1570	1497	2320	1459
36	कुलदरिद्र पेंशन[276]	8526	17643	18278	13560	11820	11260	10678

274 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

275 Data is Provide by the District Supply Office,Govt of UP,NIC(UP)/164.100.181.140/fcs/25.9.2015

निदर्शों का चयन

क्रम	नगर एवं विकास खण्ड	अन्त्योदय बी.पी.एलरा.कार्ड	असहाय–अनाथ कुल पेंशनर्स	कुल बी.पी.एल.	चुने गए नगर एवं विकासखंड	निदर्शों कीसंख्या
1	फर्रूखाबाद(नगर)	2824	12778		फर्रूखाबाद नगर	50
3	कायमगंज (न.प.)	1120	1454		कायमगंज नगर	50
4	कमालगंज(न.प.)	332	626		कमालगंज नगर	50
5	कम्पिल (न.प.)	833	587		कम्पिल नगर	50
6	मोहम्दाबाद (न.प.	1329	788		मोहम्दाबाद नगर	50
7	शमशाबाद (न.प.)	1373	982		शमशाबाद नगर	50
8	बढ़पुर ब्लाक	11364	8526	7702	बढ़पुर ग्रामीण	100
9	कायमगंज ब्लाक	12498	13560	15219	कायमगंजग्रामीण	100
10	कमालगंज ब्लाक	13302	17643	20068	कमालगंजग्रामीण	100
11	मोहम्दाबादब्लाक	17131	18278	17594	मोहम्दाबादग्रामीण	100
12	राजेपुर ब्लाक	14061	10678	7687	राजेपुर ग्रामीण	100
13	शमशाबाद ब्लाक	12497	11820	15700	शमशाबादग्रामीण	100
14	नबाबगंज ब्लाक	9712	11260	12523	नबाबगंज ग्रामीण	100
	कुलग्रामीण	90476	90740	92100	55850	900
	कुलनगरीय	7811	17237	8500	4738	300
	कुल–योग[277]	98287	107967	10600	60288	1000

निदर्शों में चुने गए विकासखण्डों एवं नगर तथा निदर्शों की संख्या का बारग्राफ

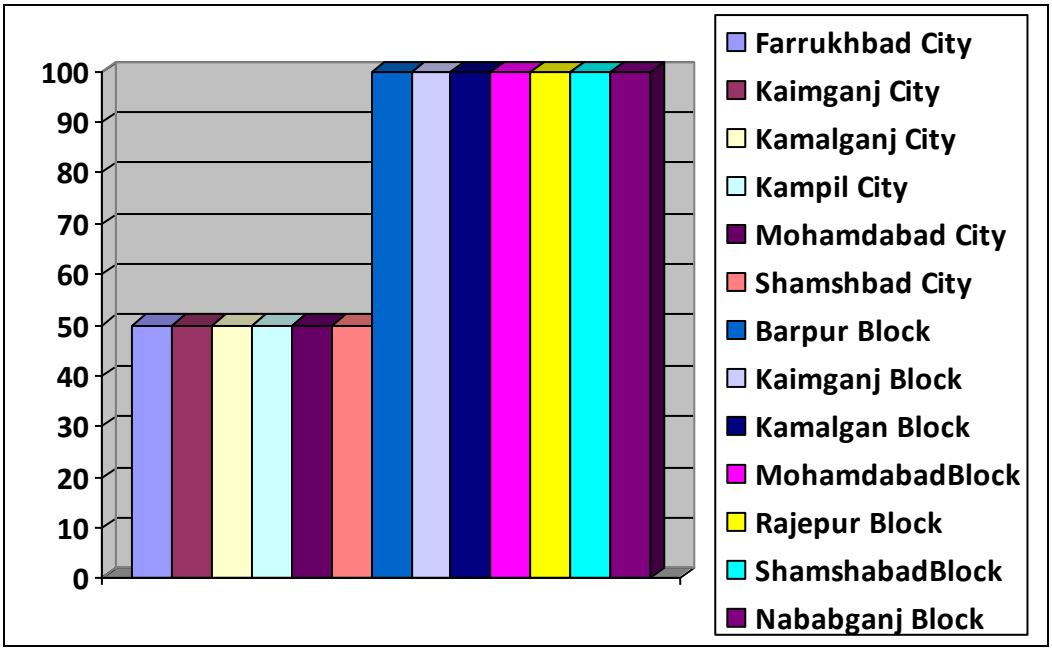

276 Data isProvide by UP Gov,sspy-up.gov.in/WindowPensionReportRuralUrban-1516.aspx/25.9.2015

277 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र, सीरीज–10,पार्ट 12–बी, डिटिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू, डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस, ऑपरेशन उ.प्र.

प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्यों का वर्गीकरण

वर्गीकरण	कुल	कुल सर्वेक्षित				शिक्षित		अशि	व्यवसाय		जा	ति	व	र्ग
ब्लाकनगर	व्यक्ति	पुरु	स्त्री	बेवा	सदस्य	प्राइ	माध्य	निरक्ष	श्रमिक	भीख	साम.	पिछ	अनु	अज
बढ़पुर (ब्लाक)	100	29	71	29	556			100	85	15	4	28	45	23
फर्रूखाबाद(नगर)	50	13	37	11	282	4		46	50	0	1	8	5	36
कमालगंज(ब्लाक	100	30	70	22	551	6	1	93	88	12	4	27	35	34
कमालगंज(न.प.)	50	10	40	10	267		1	49	46	4	5	14	29	2
मोहम्दाबाद(ब्लाक	100	49	51	17	489	13	5	82	96	4	10	36	19	35
मोहम्मदाबाद(नप.	50	16	34	4	313	4	2	44	49	1	2	3	9	36
कायगंज (ब्लाक)	100	48	52	21	544	4		96	95	5	9	47	30	14
कायमगंज (न.प.)	50	15	35	7	287	1		49	44	6	7	6	12	25
शमशाबाद(ब्लाक)	100	46	54	35	490	1		99	90	10	16	57	26	1
शमशाबाद (न.प.)	50	15	35	10	302	6		44	45	5	26	5	12	7
नबाबगंज(ब्लाक)	100	38	62	27	561	14	3	83	98	2	6	58	34	2
कम्पिल (न.पं.)	50	15	35	10	306	4		46	45	5	21	17	8	4
राजेपुर (ब्लाक)	100	38	62	16	571	10	2	88	95	5	23	71	6	0
ग्रामीण कुल सं.	700	278	422	167	3833	48	11	641	647	53	72	324	195	109
नगरीय कुल सं.	300	84	216	53	1787	19	3	278	279	21	62	53	75	110
जनपद कुल सं.	1000	362	638	220	5620	67	14	919	926	74	134	377	270	219

प्रतिदर्श में चुने गये दरिद्र व्यक्तियों की आयु वर्गानुसार वर्गीकरण						
ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र	कुल व्यक्ति	आयु वर्ग 0–17 वर्ष	आयु वर्ग 18–40 वर्ष	आयु वर्ग 41–60 वर्ष	आयु वर्ग 61–80 वर्ष	आयु वर्ग 81–100 वर्ष
बढ़पुर (ब्लाक)	100		59	32	9	
फर्रूखाबाद(नगर)	50		**31**	**13**	**5**	1
कमालगंज(ब्लाक	100		51	42	7	
कमालगंज(न.प.)	50		20	21	9	
मोहम्दाबाद(ब्लाक	100		44	39	12	5
मोहम्मदाबाद(नप.	50		36	12	2	
कायगंज (ब्लाक)	100		51	34	15	
कायमगंज (न.प.)	50		1	20	29	
शमशाबाद(ब्लाक)	100		50	39	11	
शमशाबाद (न.प.)	50		26	20	4	
नबाबगंज(ब्लाक)	100		50	42	8	
कम्पिल (न.पं.)	50		31	15	4	
राजेपुर (ब्लाक)	100		51	36	13	
ग्रामीण कुल सं.	**700**	**0**	**356**	**264**	**75**	**5**
नगरीय कुल सं.	**300**	**0**	**145**	**101**	**53**	**1**
जनपद कुल सं.	**1000**	**0**	**501**	**365**	**128**	**6**

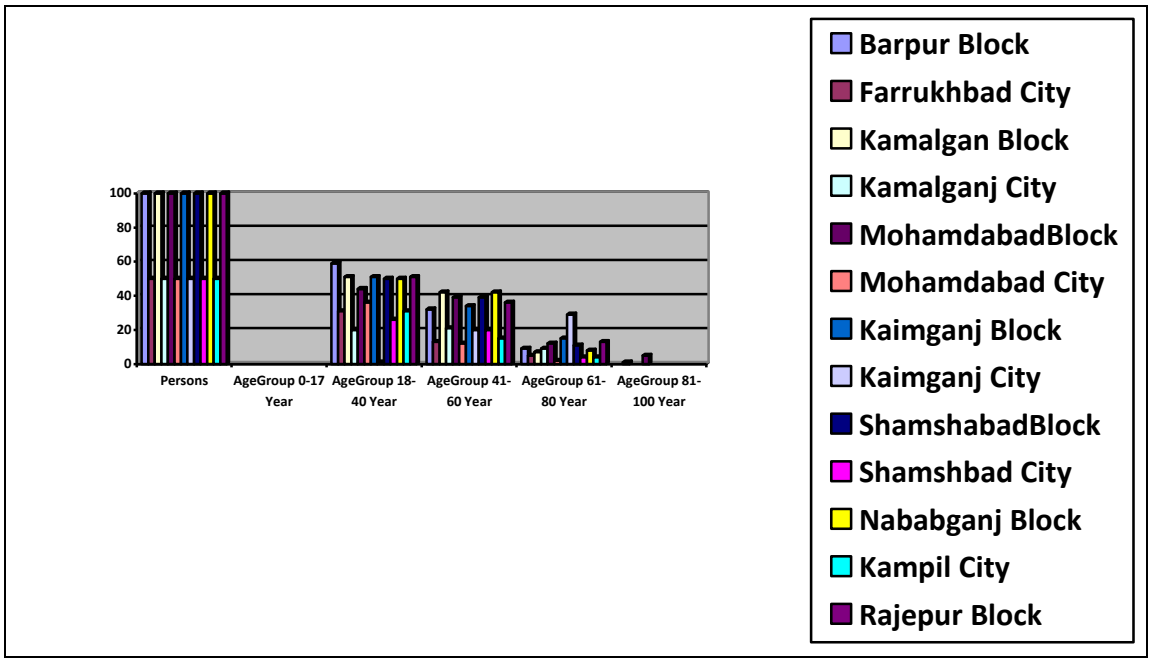

प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्रों व्यक्तियों की आय–वर्गानुसार वर्गीकरण

ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र	कुल व्यक्ति	आयवर्ग 0–500रू	आय वर्ग 501–1000रू	आय वर्ग 1001–1500रू	आय वर्ग 1501–2000रू	आय वर्ग 2000रूसेअधिक
बढ़पुर (ब्लाक)	100	0	57	42	1	0
फर्रूखाबाद(नगर)	50	3	19	27	0	0
कमालगंज(ब्लाक	100	2	47	49	2	0
कमालगंज(न.प.)	50	2	21	22	5	0
मोहम्दाबाद(ब्लाक	100	2	54	43	1	0
मोहम्मदाबाद(नप.	50	0	10	40	0	0
कायगंज (ब्लाक)	100	2	54	41	3	0
कायमगंज (न.प.)	50	1	20	29	0	0
शमशाबाद(ब्लाक)	100	3	73	24	0	0
शमशाबाद (न.प.)	50	3	7	40	0	0
नबाबगंज(ब्लाक)	100	2	54	44	0	0
कम्पिल (न.पं.)	50	2	15	33	0	0
राजेपुर (ब्लाक)	100	1	41	58	0	0
ग्रामीण कुल सं.	**700**	**12**	**380**	**301**	**7**	**0**
नगरीय कुल सं.	**300**	**11**	**92**	**191**	**6**	**0**
जनपद कुल सं.	**1000**	**23**	**472**	**492**	**13**	**0**

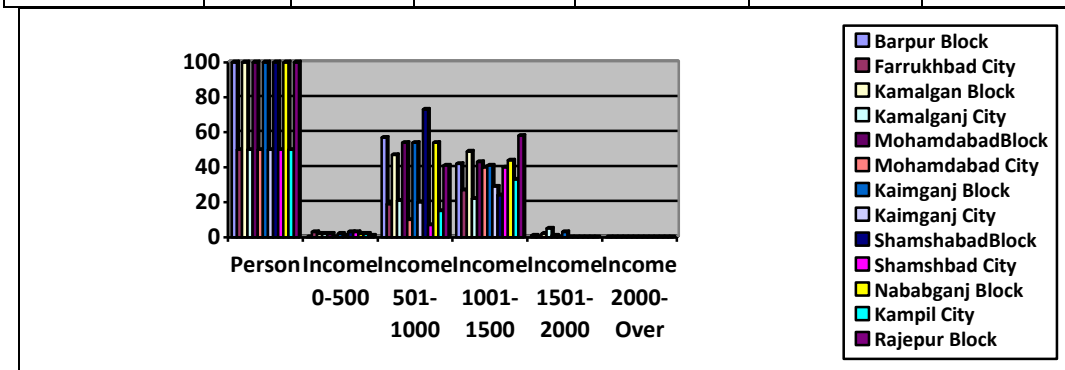

प्रतिदर्श में चुने गए दरिद्रों के लिंग, शिक्षा, व्यवसाय, जाति वर्गानुसार वर्गीकरण

वर्गीकरण	कुल	कुल सर्वेक्षित				शिक्षित		अशि	व्यवसाय		जा	ति	व	र्ग
ब्लाकनगर	व्यक्ति	पुरु	स्त्री	बेवा	सदस्य	प्राइ	माध्य	निरक्ष	श्रमिक	भीख	साम.	पिछ	अनु	जज
बढ़पुर (ब्लाक)	100	29	71	29	556			100	85	15	4	28	45	23
फर्रूखाबाद(नगर)	50	13	37	11	282	4		46	50	0	1	8	5	36
कमालगंज(ब्लाक	100	30	70	22	551	6	1	93	88	12	4	27	35	34
कमालगंज(न.प.)	50	10	40	10	267		1	49	46	4	5	14	29	2
मोहम्दाबाद(ब्लाक	100	49	51	17	489	13	5	82	96	4	10	36	19	35
मोहम्मदाबाद(नप.	50	16	34	4	313	4	2	44	49	1	2	3	9	36
कायगंज (ब्लाक)	100	48	52	21	544	4		96	95	5	9	47	30	14
कायमगंज (न.प.)	50	15	35	7	287	1		49	44	6	7	6	12	25
शमशाबाद(ब्लाक)	100	46	54	35	490	1		99	90	10	16	57	26	1
शमशाबाद (न.प.)	50	15	35	10	302	6		44	45	5	26	5	12	7
नबाबगंज(ब्लाक)	100	38	62	27	561	14	3	83	98	2	6	58	34	2
कम्पिल (न.पं.)	50	15	35	10	306	4		46	45	5	21	17	8	4
राजेपुर (ब्लाक)	100	38	62	16	571	10	2	88	95	5	23	71	6	0
ग्रामीण कुल सं.	700	278	422	167	3833	48	11	641	647	53	72	324	195	109
नगरीय कुल सं.	300	84	216	52	1787	19	3	278	279	21	62	53	75	110
जनपद कुल सं.	1000	362	638	219	5620	67	14	919	926	74	134	377	270	219

अनुसूची के प्रश्न संख्या–1 से 5 तक के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
1–	विवाहित	38	40	46	41	40	40	70	77	81	77	61	72	83	245	521	**766**
	अविवाहित																
	विदुर	1			1			1	1	2	2	4	1	1	2	12	**14**
	विधवा	11	10	2	7	9	10	29	22	17	21	35	27	16	49	167	**216**
	तलाक																
	परित्यक्त			2	1	1									4		**4**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
2–	सदस्य1	1	1	0	1	0	0	2	3	4	2	8	2	3	03	24	**27**
	सदस्य2	0	3	4	3	3	3	3	7	7	4	3	7	7	16	38	**54**
	सदस्य3	4	6	1	4	4	5	10	11	10	6	8	6	6	24	57	**81**
	सदस्य4	7	10	6	10	9	3	11	13	11	10	19	11	13	45	88	**133**
	सदस्य5	12	4	7	4	6	3	23	13	9	30	26	21	22	36	144	**180**
	सदस्य6	11	7	10	3	3	18	21	20	16	27	16	18	18	52	136	**188**
	सदस्य7	6	8	11	9	9	5	14	13	14	11	12	17	11	48	92	**140**
	सदस्य8	5	8	7	10	11	6	13	11	10	5	5	8	9	47	61	**108**
	सदस्य9	0	3	2	4	2	3	2	7	14	3	2	4	7	14	39	**53**
	सद–10	4	0	1	0	2	4	0	0	3	1	1	5	2	11	12	**23**
	सद–11	0	0	0	2	1	0	1	2	2	1	0	1	0	3	7	**10**
	सद–12	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	2	**3**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
3–	नौकरी																
	मजदूरी	50			44	45	45	0	0	0	0	0	0	0	184	0	**184**
	खेति.मज		46	49				85	88	65	95	90	95	98	95	616	**711**
	व्यापार																
	बेरोजगार																
	दान–भीख		4	1	6	5	5	15	12	35	5	10	5	2	21	84	**105**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
4–	रू.500	3	2	0	1	3	2	0	2	2	2	3	2	1	11	12	**23**
	रू.1000	19	21	10	20	7	15	57	47	54	54	73	54	41	92	380	**472**
	रू.1500	27	22	40	29	40	33	42	49	43	41	24	44	58	191	301	**492**
	रू.2000	1	5	0				1	2	1	3				6	7	**13**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
5–	नहीं	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	हाँ																
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

अनुसूची के प्रश्न संख्या–6 से 15 तक के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
6–	हाँ	46	49	44	49	44	46	100	93	82	96	99	83	88	278	641	919
	नहीं	4	1	6	1	6	4	0	7	18	4	1	17	12	22	59	81
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
7–	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
8–	हाँ	44	33	28	36	38	49	98	97	93	94	91	95	87	228	655	883
	नहीं	6	17	22	14	12	1	2	3	7	6	9	5	13	82	45	127
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
9–	हाँ	33	34	28	26	38	37	89	75	59	88	95	82	68	196	556	752
	नहीं	17	16	22	24	12	13	11	25	41	12	5	18	32	104	144	248
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
10–	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	हाँ																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
11–	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	हाँ																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
12–	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	हाँ																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
13–	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	हाँ																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
14–	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
15–	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–16 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
16–1	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–2	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–3	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–4	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–5	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–6	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–7	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–8	पर्याप्त कम नहीं	43 7	40 10	44 6	50 0	49 1	43 7	100 0	83 17	69 31	89 11	87 13	51 49	79 21	269 31	558 142	827 173
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–9	पर्याप्त कम नहीं	43 7	39 11	46 4	50 0	49 1	43 7	100 0	82 18	70 30	89 11	87 13	51 49	79 21	270 30	559 141	829 171
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–10	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–11	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–12	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–13	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–14	पर्याप्त कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–17 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
17–1	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–2	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–3	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–4	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–18 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
18–1	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
18–2	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
18–3	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–19 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
19–1	समान्य	3	5	3	3	8	5	0	7	4	1	0	1	3	27	16	43
	कमजोर	35	36	22	12	22	18	39	51	48	37	32	30	37	145	274	419
	रोगी	5	3	2	6	3	5	4	5	7	4	2	1	5	24	28	52
	कुपोषित	7	6	23	29	17	22	57	37	41	58	66	68	55	104	382	486
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
19–2	समान्य	7	10	6	13	0	7	6	19	13	12	16	17	12	43	95	138
	कमजोर	33	33	18	17	34	11	44	49	39	53	49	58	52	146	344	490
	रोगी	0	0	2	0	0	0	3	0	0	2	2	3	2	2	12	14
	कुपोषित	10	7	24	20	16	32	47	32	48	33	33	22	34	109	249	358
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–20 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
20–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–21 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
21–अ–1	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–2	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–3	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–4	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–1	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–2	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–3	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–4	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–5	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–6	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–7	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–8	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–9	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–10	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–ब–11	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–ब–12	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–ब–13	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–स–1	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–स–2	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–स–3	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–स–4	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
21–स–5	पर्याप्त	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
	कम																
	कभीनहीं																
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

अनुसूची के प्रश्न संख्या–22 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
22–1	पर्याप्त																
	कम			2			1	2	9	23	1	7	2	25	3	69	72
	कभीनहीं	50	50	48	50	50	49	98	91	77	99	93	98	75	297	631	928
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–2	पर्याप्त																
	कम									2				1	0	3	3
	कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	**98**	**100**	**100**	**100**	**99**	300	631	997
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–3	पर्याप्त																
	कम									3			3	2	0	8	8
	कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	**97**	**100**	**100**	**97**	**98**	300	631	992
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–4	पर्याप्त																
	कम		1	2	1	3	7	16	5	13	21	11	16	4	14	86	100
	कभीनहीं	50	49	48	49	47	43	84	95	87	79	89	84	96	286	614	900
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

अनुसूची के प्रश्न संख्या–23 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
23–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–12	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–24 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
24–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–25 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
25–1	हाँ	50	50	50	50	248	50	100	100	100	1090	100	100	1882	2298	28672	30970
	कम																
	नहीं																
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–2	हाँ	12227	1337	347	12623	1139	21129	4654	2080	2377	20225 8	4159	4654	82369	29620 2	28221461	3031765 3
	कम																
	नहीं																
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–3	हाँ	23	10	3	19	2	9	27	27	9	17	38	26	13	66	157	223
	कम			47		48	41			91	83	62	74	87	234	543	777
	नहीं	27	40		31			73	73								
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–4	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कम																
	नहीं																
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–5	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कम																
	नहीं																
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–6	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कम																
	नहीं																
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–7	हाँ	5	5	5	5	5	5	10	100	10	100	10	10	10	300	7	10
	कम																
	नहीं																

		0	0	0	0	0	0	0		0		0	0	0		0 0	00
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25 –8	हाँ कम नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–9	हाँ कम नहीं		50	50												50555 000	1 1 1 1 1 1 1 3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 7 10 0 00 0
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–26 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
26–	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–27 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
27–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
27–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
27–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
27–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
27–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–28 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
28–	सक्रिय निष्क्रिय	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

अनुसूची के प्रश्न संख्या–29 के तथ्यों का वर्गीकरण

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र							ग्रामीण–क्षेत्र						कुल		
		फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
29–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रश्न संख्या 1 से 15 तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं परिणाम

अंक विभाजन– प्रश्न–1: अंक–2 (बेवा/विदुर/परि/तला.2, विवा.1), **प्रश्न–2**:कुल अंक–12(प्रति सदस्य–1), **प्रश्न–3:** अंक–4 (भीख–4, खेति.मज. 3, मज.2, बेरो.1),**प्रश्न–4:** अंक–4(0–500अंक–4,501–1000ख्अंक–3,1001–1500अंक–2,1601–2000अंक–1),**प्रश्न–5:**अंक–2(हाँ–2,नहीं–0),**प्रश्न6,7,8,9 प्रत्येक के लिए:** अंक–1 (हाँ–1, नहीं–0), **प्रश्न 10,11,12 के लिए** अंक–1(हाँ–0,नहीं–1, **प्रश्न–11,12 प्रत्येक के लिए:** अंक–1(हाँ–1,नहीं–0)

क्रम	नाम/उ.	1	2	3	4	5	कु	6	7	8	9	0	11	12	13	14	15	कु	वंचC %	H	n	C/100 ×n
1	मुन्नीदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
2	शीतला	2	5	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
3	सावित्री	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
4	अनीता	2	5	3	4	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
5	लाली	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
6	मीरा	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998.
7	कल्लो	2	7	4	4	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
8	सीमा	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
9	कपूरी	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
10	सीता	1	8	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
11	केला	2	5	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
12	प्रीती	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
13	सुखरानी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
14	पूजा	1	6	3	2	2	**13**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
15	रीना	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
16	विनीता	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
17	गुड्डी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
18	प्रीती	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
19	रूबी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
20	सरला	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
21	बसंती	2	3	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
22	सुनीता	1	10	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
23	सुशीला	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
24	जयंती	2	4	3	3	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
25	बीना	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	3.330
26	मुन्नी	2	10	3	3	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
27	पुष्पा	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
28	अजीत	1	6	3	1	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
29	रानी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
30	ओमवीर	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	3.330
31	सरिता	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
32	रिंकी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
33	प्रकाश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	.4.998
34	क्रिशना	1	6	3	2	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
35	राजारा	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
36	नूरमोहम्म	1	3	4	4	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
37	बचान	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
38	अजय	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
39	राजो	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
40	रसाल	1	4	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
41	अमरसिंह	1	8	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
42	रामबेटी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
43	मंजो	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
44	संतोष	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	3.330
45	रामप्रकाश	1	4	3	3	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
46	हरदेवी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
47	रघुवीर	1	4	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
48	रीता	1	4	3	2	2	**11**	0	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**7**	**50**	1	4	2
49	श्रीकृष्ण	1	4	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
50	भारतलाल	1	5	4	3	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
51	रामबेटी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
52	गिरजा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998

53	धर्मेंद्र	1	8	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
54	रूपवती	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
55	रामकली	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
56	धनदेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
57	लज्जावती	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
58	जयदेवी	1	8	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
59	मुन्नी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
60	जरीना	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
61	देवकी	1	6	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
62	राखी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
63	सियारानी	2	4	4	3	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
64	बहादुर	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
65	रामबेटी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
66	सीमा	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
67	सुभाष	1	8	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
68	अंजू	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
69	रंजीत	1	2	3	2	2	**10**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
70	गुड्डी	1	7	3	1	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
71	श्यामदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
72	गुड्डी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	4
73	प्रेमा	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
74	सोनकली	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
75	जूली	1	4	3	2	2	**12**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
76	सिया	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
77	ममता	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
78	रमेशचंद्र	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
79	रामबेटी	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
80	रानी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
81	राजेंद्र	1	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
82	शकुंतला	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
83	राजेश्वरी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
84	इन्दिरा	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
85	रेशमा	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
86	श्रीओम	1	4	3	4	2	**13**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
87	मुन्नी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
88	कुसमा	1	4	3	2	2	**12**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
89	नाजरीन	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
90	रेनू	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
91	अजय	1	5	3	1	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
92	शायरा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
93	नफीसा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
94	नगमा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
95	सोनी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
96	सुमन	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
97	शाहना	2	6	3	4	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
98	रेखा	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
99	रमेश	1	2	4	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
100	आशा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
101	गूजर	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
102	रामभजन	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
103	शिवराम	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
104	राजबाई	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
105	तेजराम	1	8	3	2	2	**16**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
106	वीरू	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
107	राकेश	1	7	3	2	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
108	शान्ति	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
109	चन्द्रावती	2	4	4	4	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
110	तुलाराम	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4

111	ज्ञानदेवी	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
112	सन्नोबेगम	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
113	सद्दीक	1	7	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
114	मीनाबेगम	1	6	3	2	2	**13**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	6
115	बानो	1	8	4	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
116	राबिया	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	11	9.163
117	नबूदीबेग	2	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
118	फरज्राना	2	2	3	3	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
119	गिरन्द	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
120	अनवरी	2	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
121	शम्मोबेगम	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
122	जैनबबेगम	2	8	3	4	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
123	मुस्तरी	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
124	राजेश	1	7	3	2	2	**15**	0	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
125	शहमीदा	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
126	रज्जूखान	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	3
127	नियाजबा	2	10	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
128	साधनाबेग	1	9	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
129	पप्पू शाह	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
130	साईनबेग	1	8	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
131	जनाब	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
132	मरजीना	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
133	आमनाबेग	1	4	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
134	संजीदा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
135	अतीक	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
136	शैतानसिंह	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
137	बबली	1	4	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
138	मोरपाल	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
139	रजेंद्रीदेवी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
140	रूबीबेगम	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
141	रूकशाना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
142	रेशमाबानो	1	5	4	4	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
143	बिनीशा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
144	अतीकखां	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
145	मनोराबेग	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
146	जमीलखां	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
147	कुसुमलता	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
148	शिवराम	1	2	3	2	2	**10**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	2	1.332
149	जरीना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
150	जुबैदाबानू	2	3	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
151	मनोरमा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
152	बबली	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
153	गुड्डू	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
154	रीना देवी	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
155	ममता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
156	कटोरी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
157	स्नेहलता	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
158	जगरूप	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
159	संगीता	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
160	प्रेमा देवी	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
161	कमलेश	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
162	शकुन्तला	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
163	सामलिया	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
164	गुड़िया	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
165	सुनीता	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
166	कमला	1	8	3	2	2	**16**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
167	हरीश	1	2	3	2	2	**10**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**66.6**	1	2	1.332
168	संतोष	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5

169	रेखा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
170	राजेन्द्र	1	6	3	2	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
171	लाली	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
172	ओमकार	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
173	जौहरी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
174	निशा	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
175	सुबाना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
176	मुनीशा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
177	सुमन	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
178	बीरू	1	4	3	2	2	**12**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	4	2.664
179	सन्नो	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
180	गीता	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
181	माया	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
182	विक्रम	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
183	शबाना	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
184	रूबली	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
185	सोनी	2	9	3	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
186	गुडिया	1	12	3	2	2	**21**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	12	12
187	रूबी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
188	लालाराम	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
189	मंजू	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
190	जितेन्द्र	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
191	बाबा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
192	जोगराज	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
193	मुकेश	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
194	नीलम	1	6	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
195	मीरा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
196	गुड्डी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
197	शेरसिंह	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
198	आजाद	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
199	कमलेश	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
200	गिरंदसिंह	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
201	शेरा	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
202	रेखा	1	4	3	3	2	**12**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	4	2.664
203	विक्रम	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
204	शारदा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
205	सरदार	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
206	रामबेटी	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
207	रानी	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
208	भीमसेन	1	4	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
209	लाली	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
210	खजानी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
211	राजू	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
212	मो.ताहिर	2	1	4	4	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
213	मुन्नी	1	11	3	3	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	11	9.163
214	नूरजहाँ	1	7	4	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
215	श्रीकृष्ण	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
216	अंसार	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
217	इरफान	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
218	मदीना	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
219	श्यामदेवी	2	4	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
220	अनीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
221	सुनीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
222	ज्ञानदेवी	1	8	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
223	रामसिंह	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
224	कमलदेवी	2	8	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
225	अकबरी	2	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
226	परवीन	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8

227	कृष्णादेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
228	ऊषा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
229	फैमीदा	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
230	नजमा	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
231	सीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
232	फूलमती	1	3	3	2	2	**11**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
233	राजबहादु	1	2	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
234	बाबूखान	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
235	रूपराम	1	5	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
236	बाबर	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
237	कुसमदेवी	2	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
238	मीरा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
239	हजारी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
240	रूपसिंह	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
241	बिन्जी	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
242	सुनीता	2	2	3	3	2	**12**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	2	1.332
243	विटोली	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
244	मंगली	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
245	रेशमा	1	8	3	3	2	**17**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
246	सौंदरा	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
247	सितारा	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
248	सीमा	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
249	गीता	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
250	कला	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
251	निसाराबेग	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
252	लक्ष्मीदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
253	रामप्रसाद	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
254	शीला	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
255	गुड्डी	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
256	मीरा	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
257	श्यामसुंदर	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
258	प्रदीप	1	8	3	2	2	**16**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
259	राजकुमार	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
260	देवकी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
261	रागिनी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
262	अर्चनादेवी	1	4	3	3	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	4	2.664
263	रानीदेवी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
264	रानीदेवी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
265	चंपारानी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
266	हेमलता	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
267	दिनेश्कुमा	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
268	दिनेशलल	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
269	शहजाद	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
270	रहीसन	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
271	रघुवर	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
272	मीना	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
273	जरीना	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
274	बानो	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
275	शकीला	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
276	गुडिया	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
277	सकीना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831.
278	निर्मला	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
279	रमेशचंद्र	1	2	3	2	2	**10**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
280	रूपलाल	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
281	ओमवती	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
282	लता देवी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
283	राजकरन	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
284	लता	2	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6

285	तैयबअली	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
286	माजराबेग	2	2	3	4	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
287	नूरसुभाबे	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
288	कुंअरपाल	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
289	नन्हीं देवी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
290	संजीव	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
291	उर्मिला	2	10	3	3	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
292	साबराबेग	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
293	शहनाज	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
294	गुलशनबे	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
295	नफीसाबे.	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
296	आरजाबेग	2	2	3	4	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
297	नसीरेजमा	1	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
298	सहानाबेग	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
299	नूरसभाबे.	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
300	खुशनुमा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
301	राजकुमार	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
302	गीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
303	रूपदेवी	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
304	गुच्छोवी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
305	झबरा	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
306	श्यामा	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
307	गीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
308	रेखा	1	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
309	अनीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
310	रानी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
311	राजा	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
312	मनोज	1	4	3	3	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
313	गुड्डी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
314	बद्री	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
315	गीता	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
316	नीलू	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
317	मल्लो	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
318	गीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
319	संतरा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
320	सितारा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
321	माया	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
322	लल्लूसिंह	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
323	सुनीता	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
324	रामकटोरी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
325	किरन	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
326	धूपराम	1	11	3	3	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
327	अनीता	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
328	माधुरी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
329	सीमा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
330	गीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
331	सत्यप्रकाश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
332	अजय	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
333	गंगाधर	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
334	श्याम	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
335	सदानंद	1	3	4	1	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
336	रामतीर्थ	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
337	अवधेश	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
338	राजू	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
339	इदरीश	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
340	ईश्वरदया	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
341	मदनपाल	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
342	प्रीती	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4

343	सुदामा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
344	बीरेंद्रसिंह	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
345	ऊषादेवी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
346	पुष्पादेवी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
347	मुन्नीदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
348	महावीर	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
349	नेबूलता	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
350	रूपदेवी	1	8	4	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
351	रेनू	2	5	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
352	सोमवती	1	6	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
353	प्रेमवती	1	4	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
354	अर्चना	1	8	4	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
355	रामस्वरूप	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
356	शीलूदेवी	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
357	चंद्रवती	2	2	4	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
358	विद्यावती	2	8	4	3	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
359	राकेश	1	6	4	2	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
360	संतोषी	1	5	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
361	सोनादेवी	2	5	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
362	रीता	1	6	4	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
363	प्रीती	1	4	4	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
364	सीमा	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
365	सुखराम	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
366	रामबाबू	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
367	रामदेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
368	फूलमती	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
369	फूलसिंह	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
370	दर्शनदेवी	2	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
371	लक्ष्मीदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
372	सुखदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
373	रामलली	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
374	सीतादेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
375	लक्ष्मीदेवी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
376	रामवती	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
377	विद्यादेवी	1	6	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
378	श्रीकृष्ण	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
379	सुखदेवी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
380	सरलादेवी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
381	रामलक्ष्मी	2	7	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
382	गंगादेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
383	श्यामादेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
384	नाजिया	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
385	प्रेमा देवी	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
386	हसीना	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
387	सीमाकुमा	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
388	देवीश्री	2	4	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
389	सुनीता	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
390	बिट्टादेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
390	बालिस्टर	1	7	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
391	पुष्पादेवी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
392	रानीदेवी	2	7	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
393	तोताराम	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
394	बुद्धिलाल	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
395	मुन्नीदेवी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
396	हुस्नबानो	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
397	गोमती	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
398	गंगाराम	1	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
399	शिवरानी	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7

400	सावित्री	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
401	गंगादेवी	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
402	बच्चू	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
403	पप्पू	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
404	विनोद	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
405	शैतान	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
406	सुंदरी	2	3	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
407	रज्जो	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
408	सोनिया	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
409	कप्तान	1	4	4	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
410	डोली	1	2	3	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
411	रामसिंह	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
412	सूरजदीन	1	7	3	3	2	**16**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
413	वीरपाल	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
414	पप्पू	1	7	3	3	2	**16**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
415	ज्ञानदेवी	2	3	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
416	रामादेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
417	रेशमा	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
418	रचना	1	1	4	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
419	रामजीत	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
420	वीरपाल	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
421	धनदेवी	1	3	3	3	2	**12**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	3	1.998
422	अच्छन	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
423	वेदराम	1	6	3	2	2	**13**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
424	रामादेवी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
425	मुरीदन	2	2	4	4	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
426	तेजपाल	1	8	3	1	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	8	5.328
427	निर्मला	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
428	जयदेवी	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
429	रानी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
430	कमलेश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
431	श्यामप्रका	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
432	कान्ति	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
433	गीता	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
434	रीना	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
435	विजयसिं	1	9	3	2	2	**17**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
436	सीमा	1	9	3	2	2	**17**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
437	धीरेन्द्र	1	4	3	2	2	**11**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	4	2.664
438	श्यामबाबू	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
439	रैवारी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
440	सोनी	2	4	3	3	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
441	राधा	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
442	हरभजन	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
443	सुमन	1	6	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
444	सरोज	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
445	सरिता	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
446	सर्वेन्द्र	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
447	हरीराम	1	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
448	मुन्नी	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
449	राममूर्ति	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
450	अनीता	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
451	काशीराम	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
452	गौरादेवी	2	7	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
453	मंजो	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
454	प्रदीप	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	4.998
455	किशोर	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
456	राजवीर	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
457	सरला	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865

458	प्रीती	1	7	3	2	2	**15**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
459	मीना	2	5	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
460	प्रदीप	1	5	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
461	हरबंश	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
462	सुशीला	2	8	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
463	कुमोदनी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
464	मुन्नू	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
465	रामप्यारी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
466	गंगादेवी	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
467	रामदर्शनी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
468	सेवारानी	1	7	3	2	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
469	अलउद्दीन	2	1	3	3	2	**11**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
470	वर्माजीत	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
471	महेन्द्र	1	3	3	2	2	**11**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
472	बालकृष्ण	1	6	3	2	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
473	ममता	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
474	सुरेश	1	3	3	3	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
475	कविता	1	11	4	2	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
476	अनेरकली	2	8	4	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
477	जयवीर	1	9	4	3	2	**19**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
478	रानी	2	7	4	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
479	गुड्डी	1	9	4	3	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
480	पानकी	1	5	4	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
481	ऊषा	1	2	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
482	प्रकाश	1	10	4	3	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
483	महावीर	1	10	4	3	2	**20**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
484	रामसिंह	1	7	4	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
485	शकुन्तला	1	5	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
486	जगदीश	1	7	4	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
487	रामदेवी	2	2	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
488	कमलेश	1	7	4	3	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
489	शान्ति	2	8	4	3	2	**19**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
490	रोहताश	1	11	4	3	2	**20**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	11	9.163
491	घूसूनाथ	1	8	4	3	2	**18**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	8	5.328
492	बाबूखां	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
493	राजेश	1	8	4	3	2	**18**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
494	नरायनी	2	5	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
495	सुनीता	1	9	4	3	2	**19**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
496	वेदराम	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
497	भूदेवनाथ	1	9	4	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
498	शिवदयल	1	7	4	3	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
499	मौरनाथ	1	9	4	4	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
500	हेमलता	1	5	4	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
501	किरन	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
502	सुधा	1	6	3	3	2	**15**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
503	प्रेमचन्द्र	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
504	बालक	1	2	3	3	2	**11**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
505	रेशमा	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
506	बेंचेलाल	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
507	कुसुम	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
508	गीता	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
509	शकीला	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
510	रिंकी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
511	अखिले	1	7	3	4	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
512	जगदीश	1	2	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
513	अनूप	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
514	कान्ती	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
515	लक्ष्मी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6

516	मुन्नी	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
517	रेशमा	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
518	संगीता	2	3	3	3	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
519	गंगा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662
520	भारती	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
521	मधू	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
522	पिल्लू	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
523	राधेलाल	1	9	3	1	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
524	गुड्डी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
525	शशी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
526	केशकली	1	8	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
527	रामदुला	1	7	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
528	गुडिया	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
529	ज्योति	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
530	सपना	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
531	संगीता	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
532	सुशीला	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
533	बच्चिया	1	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
534	विक्की	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
535	गुड्डी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
536	राहुल	1	4	3	2	2	**12**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	4	2.664
537	मिल्ला	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
538	सरोजनी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
539	सीता	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
540	भूरे	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
541	विटान	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
542	विमला	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
543	सुरेश	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
544	ललिता	1	3	3	2	2	**11**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
545	बीजू	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
546	जमुनाप्रस	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
547	इन्द्रवती	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
548	शिवकली	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
549	कान्ति	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
550	शकुंतला	2	8	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
551	चमेली	2	7	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
552	जानकी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
553	ऊषा	1	8	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
554	अवधेश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
555	संजय	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
556	रीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.865
557	सज्जो	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
558	मीनाबेगम	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
559	अफशाना	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
560	आशिक	1	2	4	4	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
561	जायदा	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
562	सीमाबेगम	1	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
563	नूरजहां	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
564	सुषमा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
565	पुष्पा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
566	विनीता	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
567	सुरेश	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
568	अनीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
569	रमेश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
570	राजेन्द्र	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
571	बबलू	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
572	वेदपाल	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
573	राजेश्वरी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5

574	अवधेश	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	3.330
575	रामजीत	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
576	ज्ञानदेवी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
577	लता	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
578	शान्ति	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
579	विनोद	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
580	रेशमा	2	7	4	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
581	सुनीता	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
582	गिरन्द	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
583	गीता	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
584	उमा	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
585	आरती	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
586	गायत्री	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
587	कुन्तीदेवी	2	1	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
588	तारावती	2	3	4	4	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
589	गुड्डीदेवी	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
590	शकुंतला	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
591	मौरश्री	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
592	मायादेवी	2	3	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
593	उर्मिला	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
594	राजबहादु	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
595	रिहाना	2	8	4	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
596	उर्मिला	2	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
597	शोभाराम	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
598	पुष्पा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
599	विनीता	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
600	जहीर	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
601	सियादेती	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
602	सदाप्या	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
603	रामदुलारे	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
604	रिंकी	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
605	छोटीबिटि	1	6	3	2	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
606	मनोज	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
607	हुल्लास	2	1	4	4	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
608	रामनाथ	1	4	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
609	बदलशेर	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
610	शिवकुमार	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
611	सुरेश	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
612	विजय	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
613	अनीता	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
614	अनुपमा	2	4	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
615	माया	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
616	मीना	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
617	द्रोपदी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
618	निसारखां	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
619	बीरेन्द्र	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
620	समीना	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
621	रजिया	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
622	अमीना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
623	राधेश्याम	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
624	राजाराम	2	1	4	4	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
625	इड़ाखान	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
626	रीता	2	3	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
627	सत्यप्रका	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
628	मंजू	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
629	लक्ष्मी	2	4	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
630	रामकिशो	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
631	मुन्नीबेगम	2	3	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3

632	अलीमोह	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
633	केतुकी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
634	रामवती	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
635	रामदास	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
636	सुरेशचंद्र	1	5	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
637	सूबेदार	1	6	3	3	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
638	रामआसरे	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
639	उपासना	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
640	धनपाल	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
641	नन्हींदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
642	रामबेटी	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
643	छोटेलाल	1	4	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
644	फूलश्री	2	2	4	4	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
645	राजकुमार	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
646	सुनीता	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
647	रमेशचंद्र	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
648	मौकिन्ना	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
649	रमेशचंद्र	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
650	रामरानी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
651	मीनादेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
652	सुमनदेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
653	रामकरन	1	4	3	3	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
654	गंगासिंह	1	8	3	3	2	**17**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
655	रामवती	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
656	रेखादेवी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
657	धर्मपाल	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
658	दयाराम	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
659	कुसमदेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
660	माधुरी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
661	रामप्रकाश	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
662	रेखा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
663	कंठश्री	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
664	धनीराम	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
665	भूरी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
666	राधिका	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
667	दिनेशचंद्र	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
668	रिहाना	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
669	इन्दूलाल	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
670	फूलनदेवी	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
671	राजेश	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
672	राजवती	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
673	रामबेटी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
674	बचनलाल	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
675	नन्हींदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
676	रामबेटी	2	1	3	3	2	**11**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
677	रामबेटी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
678	नीरा	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
679	आकिल	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
680	मुन्नीदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
681	श्यामसखी	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	10	8.330
682	रामचंद्र	1	6	4	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
683	खुशनुमा	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
684	प्रमोद	1	4	3	2	2	**12**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
685	सुंदरीदेवी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
686	श्यामा	2	9	3	3	2	**19**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
687	आशाराम	2	1	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
688	रामदेवी	2	7	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
689	रामभजन	1	8	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864

690	लक्ष्मीदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
691	ईश्वरदया	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
692	पूनमदेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
693	लक्ष्मीदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
694	सोनपाल	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
695	गंगासिंह	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
696	रामनरेश	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
697	लालाराम	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
698	प्रेमावती	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
699	सरोजदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
700	राजेंद्र	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
701	पुत्तूलाल	1	2	3	1	2	**9**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
702	नन्हींदेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
703	सुशीला	2	5	3	3	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
704	लक्ष्मीदेवी	1	7	3	1	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
705	अफशाना	2	9	3	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
706	हसीना	1	6	3	1	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
707	कालीचर	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
708	रामनिवा	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
709	मुन्नीबेगम	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
710	रामदेवी	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
711	नत्थूखान	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
712	शमशेर	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
713	मुन्ना	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
714	साहबअल	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
715	राजेश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
716	जसोदा	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
717	मुन्नीबेगम	2	9	3	4	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
718	राधेश्याम	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
719	शान्ति	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
720	सवितादे	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
721	रामभजन	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
722	अतीक	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
723	प्यारी	2	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
724	महिपाल	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
725	सुशीला	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
726	सावित्री	2	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
727	मीना	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
728	कुंवरपाल	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
729	भूमिराज	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
730	राजेश	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
731	तरूननिश	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
732	कांतीदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
733	सुल्तान	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
734	उमेशचंद्र	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
735	भगवान	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
736	गुड्डीदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
737	बाचाराम	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
738	सुशीला	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
739	रामवीर	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
740	नरेशचंद्र	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
741	प्रीतम	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
742	रामबेटी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
743	अजयसिं	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
744	सावित्री	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
745	रूपवती	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
746	महादेवी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
747	प्रकाश	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5

748	रामभजन	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
749	हीरालाल	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
750	राजेन्द्र	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
751	किशोरी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
752	तेजराम	1	5	4	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
753	लाडली	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
754	गंगासहाय	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
755	गजरानी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
756	ममता	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
757	बीरेन्द्र	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
758	नत्थूलाल	1	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
759	मायावती	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
760	रक्षपाल	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
761	रामश्री	2	2	4	4	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
762	शकुंतला	2	5	4	4	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
763	रामदयाल	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
764	मीना	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
765	राममूर्ति	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
766	संतोषी	1	5	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
767	उर्मिला	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
768	सुनीता	1	7	4	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
769	रामरतन	1	4	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
770	सुमित्रा	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
771	कल्लू	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
772	सीतादेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
773	श्रीदेवी	2	3	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
774	चंदनदेवी	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
775	संगीता	1	5	3	2	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
776	सुधीरकुमा	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
777	रेखादेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
778	चंद्रशेखर	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
779	गीतादेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
780	ललिता	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
781	निहालमीर	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
782	राजेंद्रसिंह	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
783	अंजूदेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
784	रबीन्द्र	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
785	सुखरानी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
786	फूलमती	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
787	मूलवती	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
788	निर्मला	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
789	लक्ष्मण	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
790	कांतीदेवी	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
791	बिन्दावती	1	7	3	2	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
792	सिंहजी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
793	शोभा	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
794	सुखदेवी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
795	मुनासिब	1	8	3	2	2	**16**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
796	बृजेश	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
797	महेन्द्र	1	7	3	2	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
798	अनीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
799	जयदेवी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
800	रन्जीत	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
801	इस्लावी	2	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
802	मनोज	1	3	3	2	2	**11**	0	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	3	1.998
803	गुड्डी	2	1	3	2	2	**10**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
804	सपूती	1	7	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
805	नन्हीं	1	7	3	3	2	**16**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	7	4.662

806	ओमवती	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
807	बच्चूसिंह	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
808	मुन्नालाल	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
809	मेनकादे	1	2	3	3	2	**11**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	2	1.666
810	रामबेटी	1	3	4	3	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
811	फकीरे	1	3	3	3	2	**11**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	3	1.998
812	नीलम	1	6	4	2	2	**15**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	3.996
813	सुनीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	8	5.328
814	अनीता	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
815	नन्हीं	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
816	पूजा	1	4	3	2	2	**11**	0	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
817	रामबरन	2	1	3	3	2	**11**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	1	0.833
818	रक्षपाल	1	5	3	2	2	**13**	0	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
819	सुनीता	1	6	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
820	गुड्डू	1	6	3	2	2	**13**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
821	फेरीलाल	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
822	रामबेटी	2	10	3	3	2	**20**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
823	पूजा	2	6	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
824	शिवदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
825	ममता	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
826	हंसराम	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
827	ऊषा	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
828	रानी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
829	बिटोली	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
830	रामपाल	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
831	संजीव	1	4	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
832	गुड्डू	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
833	अनेरकली	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
834	गुड्डीदेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
835	खुशीरा	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
836	छोटेलाल	1	2	3	2	2	**10**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
837	लीला	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
838	सुखवासी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
839	बृजगुपाल	1	2	3	3	2	**11**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
840	सुरेशसिं	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
841	सर्वेश	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
842	शरीफन	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
843	मोरफली	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
844	सोनपाल	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
845	बतासो	2	9	3	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
846	किरन	2	9	3	2	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
847	रीता	2	2	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
848	श्रीकांता	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
849	रामबेटी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
850	रामदेवी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
851	दीनबानो	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
852	शबीना	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
853	प्रेमवती	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
854	इमली	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
855	लौंगवत	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
856	ओमपाल	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
857	किरन	1	10	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
858	दिनेशसिं	1	8	3	2	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
859	पिंकी	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
860	सावित्री	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
861	मिथलेश	1	4	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
862	मेवाराम	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
863	प्रकाश	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7

864	उमादेवी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
865	जयश्री	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
866	गुड्डी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
867	वीरपाल	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
868	उर्मिला	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
869	रूकशाना	1	10	3	2	2	**18**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
870	पूनम	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
871	कान्ती	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
872	अनीता	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
873	कन्हैया	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
874	रामसखी	2	6	3	4	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
875	उर्मिला	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
876	सोनेलाल	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
877	मुनेन्द्रसिंह	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
878	वीरवती	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
879	चन्द्रपाल	1	8	3	2	2	**17**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
880	भूरेलाल	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
881	पृथ्वीराज	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
882	सीता	1	5	3	2	2	**13**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	4.165
883	सरोज	1	5	3	3	2	**13**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
884	मालती	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
885	पप्पू	1	11	3	2	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	11	11
886	नन्हींदेवी	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
887	रामौतार	1	5	3	2	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
888	बिटियदेवी	2	2	4	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
889	सकीलन	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
890	शान्ति	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
891	उजागर	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
892	मंजू	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
893	रामरतन	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
894	ज्ञानवती	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
895	रामनिवास	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
896	अजयपाल	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
897	तारावती	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
898	बृजेंद्रसिंह	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
899	खजानादे	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
900	पातीराम	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
901	कमला	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
902	रामदेवी	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
903	जलदेवी	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
904	बुद्धालाल	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
905	सावित्री	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
906	रामदेवी	2	1	3	3	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
907	रेखादेवी	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
908	मरजीना	2	3	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
909	कृपंतिदेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
910	कांतिदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
911	मायादेवी	2	1	4	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
912	नन्हींदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
913	शांतिदेवी	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
914	रघुवीर	1	8	3	3	2	**17**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
915	कृष्णपाल	1	5	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
916	प्रदीप	1	5	3	2	2	**13**	0	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	5	3.330
917	प्रीतमलाल	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
918	गुड्डी	1	12	3	3	2	**21**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	12	12
919	नफीसा	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
920	अनीश	1	10	3	3	2	**19**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
921	रामप्रकाश	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6

922	बाबूराम	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
923	धनदेवी	1	2	3	3	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	2	1.666
924	नंदराम	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
925	लज्जाराम	2	1	3	4	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	1	1
926	अनीशा	2	2	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	2	2
927	पप्पू	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
928	कृष्णादेवी	1	9	3	3	2	**18**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
929	पार्वती	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
931	ऊषादेवी	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
932	हरनामसूर	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	3	2.499
933	रमेशचंद्र	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
934	रूपलाल	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
935	हरीराम	1	6	3	3	2	**15**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
936	नुनाराबेग	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
937	मुन्नीबेगम	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
938	गीतादेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
939	सुरजन	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
940	राकेश	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
941	सतीश	1	5	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
942	भजनलाल	1	6	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
943	राजेश्वरी	2	6	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
944	गीतादेवी	1	4	3	3	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
945	सरोजनी	1	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
946	बनवारी	1	3	3	3	2	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
947	नीतादेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
948	बीनादेवी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
949	रानीदेवी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
950	मालती	2	7	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
951	प्रेमवती	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
952	रामादेवी	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
953	रतीराम	1	6	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
954	अनारसिं	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
955	तेजसिंह	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
956	कुसमा	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
957	मायादेवी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
958	विजैलक्ष्मी	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	9	7.497
959	सीता	1	8	3	3	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
960	सरोजनी	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
961	कैलाश	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
962	सविता	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
963	सुखराम	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
964	कुसमा	1	6	3	2	2	**14**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	6	4.998
965	सुमनदेवी	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831
966	रामबेटी	2	4	3	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	4	4
967	निर्मला	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
968	बसंती	2	3	4	3	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
969	लौंगश्री	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
970	मनीष	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
971	दयानंद	1	6	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
972	उर्मिला	1	9	3	2	2	**17**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	9	9
973	जिलेदार	1	9	3	3	2	**18**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	9	5.994
974	सुखदेवी	1	12	3	2	2	**20**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	12	9.996
975	रामवती	2	6	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
976	ममतादेवी	1	6	3	2	2	**14**	1	1	0	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	6	4.998
977	रीना	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
978	सोनी	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
979	नीलूदेवी	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
980	मीनादेवी	1	7	3	2	2	**15**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	7	5.831

981	मीना	1	10	3	2	2	**18**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	10	10
982	रामप्यारी	1	4	3	2	2	**12**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
983	रामानन्द	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
984	रमेशचंद्र	1	8	3	3	2	**17**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
985	आदेश	1	7	3	3	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
986	जयपाल	1	5	3	3	2	**14**	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	5	4.165
987	लालाराम	1	4	3	2	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
988	सोनकली	2	5	3	3	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
989	उर्मिला	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
990	बिटोली	1	4	3	3	2	**12**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	4	3.332
991	अफसाना	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
992	कमला	1	6	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	6	6
993	जाकिर	1	3	3	2	2	**11**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	3	3
994	मायादेवी	1	8	3	2	2	**16**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	8	8
995	गायत्री	2	5	3	2	2	**14**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
996	शेषकली	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
997	मीना	1	7	3	2	2	**15**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	7	7
998	चंद्रकली	1	5	3	2	2	**13**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	**100**	1	5	5
999	संतोष	1	8	3	2	2	**16**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**9**	**83.3**	1	8	6.864
1000	शिवकुमार	1	8	3	3	2	**16**	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	**8**	**66.6**	1	8	5.328
																			H=	1	A	=2723/ 5620 =0.4845 MPI= H×A= 0.4842

प्र.सं.16(1) से 18 तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों एवं योग का विवरण

अंक विभाजन–प्रश्न–16: कुल अंक–28(प्रति भागः नही–2, कम–1, पर्याप्त–0), **प्रश्न–17**:कुल अंक–4(भाग–1: नही–1, हाँ–0,भाग–2: नही–0 हाँ–1, भाग–3: नही–1, हाँ–0, भाग–4: नही–0, हाँ–1), **प्रश्न–18**: कुल अंक–3(भाग–1 व भाग–2 नही–1, हाँ–0, भाग–3: नही–0, हाँ–1)

क्रम	उत्तरदाता	16	2	3	4	5	6	7	8	9	0	11	2	13	14	कु	17	2	3	4	क	18	2	3	क
1	मुन्नीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
2	शीतला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
3	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
4	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
5	लाली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
6	मीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
7	कल्लो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
8	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
9	कपूरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
10	सीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
11	केला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
12	प्रीती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
13	सुखरानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
14	पूजा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
15	रीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
16	विनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
17	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
18	प्रीती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
19	रूबी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
20	सरला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
21	बसंती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
22	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
23	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
24	जयंती	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
25	बीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
26	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
27	पुष्पा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
28	अजीत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
29	रानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
30	ओमवीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
31	सरिता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
32	रिंकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
33	प्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
34	क्रिशना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
35	राजाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
36	नूरमोहम	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
37	बचान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
38	अजय	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
39	राजो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
40	रसाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
41	अमरसिंह	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
42	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
43	मंजो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
44	संतोष	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
45	रामप्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
46	हरदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
47	रघुवीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
48	रीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
49	श्रीकृष्ण	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
50	भारतलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
51	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
52	गिरजा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
53	धर्मेंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
54	रूपवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

55	रामकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
56	धनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
57	लज्जावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
58	जयदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
59	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
60	जरीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
61	देवकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
62	राखी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
63	सियारानी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
64	बहादुर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
65	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
66	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
67	सुभाष	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
68	अंजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
69	रंजीत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
70	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
71	श्यामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
72	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
73	प्रेमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
74	सोनकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
75	जूली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
76	सियादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
77	ममता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
78	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
79	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
80	रानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
81	राजेंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
82	शकुंतला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
83	राजेश्वरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
84	इन्दिरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
85	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
86	श्रीओम	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
87	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
88	कुसमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
89	नाजरीन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
90	रेनूगुप्ता	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
91	अजय	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
92	शायरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
93	नफीसा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
94	नगमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
95	सोनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
96	सुमन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
97	शाहना	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
98	रेखादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
99	रमेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
100	आशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
101	गूजर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
102	रामभजन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
103	शिवराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
104	राजबाई	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
105	तेजराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
106	वीरू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
107	राकेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
108	शान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
109	चन्द्रावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
110	तुलाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
111	ज्ञानदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
112	सन्नो बेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

113	सद्दीक	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
114	मीनाबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
115	बानो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
116	राबिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
117	नबूदीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
118	फरज़ाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
119	गिरन्द	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
120	अनवरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
121	शम्मोबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
122	जैनबबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
123	मुस्तरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
124	राजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
125	शहमीदा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
126	रज्जूखान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
127	नियाजबा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
128	साधनाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
129	पप्पू शाह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
130	साईनबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
131	जनाब	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
132	मरजीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
133	आमनाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
134	संजीदा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
135	अतीक	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
136	शैतानसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
137	बबली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
138	मोरपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
139	राजेंद्रीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
140	रूबीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
141	रूकशाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
142	रेशमाबानो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
143	बिनीशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
144	अतीकखां	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
145	मनोराबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
146	जमीलखां	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
147	कुसुमलता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
148	शिवराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
149	जरीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
150	जुबैदाबानू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
151	मनोरमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
152	बबली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
153	गुड्डू	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
154	रीना देवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
155	ममता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
156	कटोरी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
157	स्नेहलता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
158	जगरूप	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
159	संगीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
160	प्रेमा देवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
161	कमलेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
162	शकुन्तला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
163	सामलिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
164	गुड़िया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
165	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
166	कमला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
167	हरीश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
168	संतोष	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
169	रेखा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
170	राजेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

171	लाली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
172	ओमकार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
173	जौहरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
174	निशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
175	सुबाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
176	मुनीशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
177	सुमन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
178	बीरू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
179	सन्नो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
180	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
181	माया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
182	विक्रम	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
183	शबाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
184	रूबली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
185	सोनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
186	गुडिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
187	रूबी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
188	लालाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
189	मंजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
190	जितेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
191	बाबा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
192	जोगराज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
193	मुकेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
194	नीलम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
195	मीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
196	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
197	शेरसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
198	आजाद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
199	कमलेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
200	गिरन्दसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
201	शेरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
202	रेखा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
203	विक्रम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
204	शारदा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
205	सरदार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
206	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
207	रानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
208	भीमसेन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
209	लाली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
210	खजानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
211	राजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
212	मो.ताहिर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
213	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
214	नूरजहाँ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
215	श्रीकृष्ण	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
216	अंसार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
217	इरफान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
218	मदीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
219	श्यामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
220	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
221	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
222	ज्ञानदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
223	रामसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
224	कमलादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
225	अकबरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
226	परवीन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
227	कृष्णादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
228	ऊषा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

229	फैमीदा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
230	नजमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
231	सीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
232	फूलमती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
233	राजबहादु	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
234	बाबूखान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
235	रूपराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
236	बाबर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
237	कुसमादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
238	मीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
239	हजारी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
240	रूपसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
241	बिन्जी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
242	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
243	विटोली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
244	मंगली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
245	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
246	सौदरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
247	सितारा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
248	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
249	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
250	कला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
251	निसारा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
252	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
253	रामप्रसाद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
254	शीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
255	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
256	मीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
257	श्यामसुंदर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
258	प्रदीप	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
259	राजकुमार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
260	देवकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
261	रागिनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
262	अर्चनादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
263	रानीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
264	रानीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
265	चंपारानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
266	हेमलता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
267	दिनेशकुमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
268	दिनेशलल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
269	शहजाद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
270	रहीसन	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
271	रघुवर	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
272	मीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
273	जरीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
274	बानो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
275	शकीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
276	गुडिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
277	सकीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
278	निर्मला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
279	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
280	रूपलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
281	ओमवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
282	लता देवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
283	राजकरन	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
284	लता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
285	तैय्यबअली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
286	माजराबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

287	नूरसुभाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
288	कुंअरपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
289	नन्हीं देवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
290	संजीव	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
291	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
292	साबराबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
293	शहनाज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
294	गुलशनबे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
295	नफीसाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
296	आरजाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
297	नसीरेजमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
298	सहानाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
299	नूरसवाबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
300	खुशनुमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
301	राजकुमार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
302	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
303	रूपदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
304	गुच्छोवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
305	झबरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
306	श्यामा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
307	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
308	रेखा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
309	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
310	रानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
311	राजा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
312	मनोज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
313	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
314	बद्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
315	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
316	नीलू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
317	मल्लो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
318	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
319	संतरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
320	सितारा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
321	माया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
322	लल्लूसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
323	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
324	रामकटोरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
325	किरन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
326	धूपराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
327	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
328	माधुरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
329	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
330	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
331	सत्यप्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
332	अजय	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
333	गंगाधर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
334	श्याम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
335	सदानंद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
336	रामतीर्थ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
337	अवधेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
338	राजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
339	इदरीश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
340	ईश्वरदया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
341	मदनपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
342	प्रीती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
343	सुदामा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
344	बीरेंद्रसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

345	ऊषादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
346	पुष्पादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
347	मुन्नीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
348	महावीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
349	नेबूलता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
350	रूपदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
351	रेनू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
352	सोमवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
353	प्रेमवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
354	अर्चना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
355	रामस्वरूप	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
356	शीलूदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
357	चंद्रवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
358	विद्यावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
359	राकेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
360	संतोषी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
361	सोनादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
362	रीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
363	प्रीती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
364	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
365	सुखराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
366	रामबाबू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
367	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
368	फूलमती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
369	फूलसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
370	दर्शनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
371	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
372	सुखदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
373	रामलली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
374	सीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
375	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
376	रामवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
377	विद्यादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
378	श्रीकृष्ण	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
379	सुखदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
380	सरलादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
381	रामलक्ष्मी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
382	गंगादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
383	श्यामादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
384	नाजिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
385	प्रेमा देवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
386	हसीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
387	सीमाकुमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
388	देवीश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
389	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
390	बिट्टादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
391	पुष्पादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
392	रानीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
393	तोताराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
394	बुद्धिलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
395	मुन्नीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
396	हुस्नबानो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
397	गोमती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
398	गंगाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
399	शिवरानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
400	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
401	गंगादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
402	बच्चू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

403	पप्पू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
404	विनोद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
405	शैतान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
406	सुंदरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
407	रज्जो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
408	सोनिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
409	कप्तान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
410	डोली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
411	रामसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
412	सूरजदीन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
413	वीरपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
414	पप्पू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
415	ज्ञानदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
416	रामादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
417	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
418	रचना	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
419	रामजीत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
420	वीरपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
421	धनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
422	अच्छन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
423	वेदराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
424	रामादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
425	मुरीदन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
426	तेजपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
427	निर्मला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
428	जयदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
429	रानी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
430	कमलेश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
431	श्यामप्रका	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
432	कान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
433	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
434	रीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
435	विजयसिं	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
436	सीमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
437	धीरेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
438	श्यामबाबू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
439	रैवारी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
440	सोनी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
441	राधा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
442	हरभजन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
443	सुमन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
444	सरोज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
445	सरिता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
446	सर्वेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
447	हरीराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
448	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
449	राममूर्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
450	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
451	काशीराम	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
452	गौरादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
453	मंजो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
454	प्रदीप	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
455	किशोर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
456	राजवीर	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
457	सरला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
458	प्रीती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
459	मीना	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
460	प्रदीप	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

461	हरबंश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
462	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
463	कुमोदनी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
464	मुन्नू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
465	रामप्यारी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
466	गंगादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
467	रामदर्शनी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
468	सेवारानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
469	अलउद्दीन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
470	वर्माजीत	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
471	महेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
472	बालकृष्ण	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
473	ममता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
474	सुरेश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
475	कविता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
476	अनारकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
477	जयवीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
478	रानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
479	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
480	पानकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
481	ऊषा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
482	प्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
483	महावीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
484	रामसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
485	शकुन्तला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
486	जगदीश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
487	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
488	कमलेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
489	शान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
490	रोहताश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
491	घूंसूनाथ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
492	बाबूखां	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
493	राजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
494	नरायनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
495	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
496	वेदराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
497	भूदेवनाथ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
498	शिवदयाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
499	मौरनाथ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
500	हेमलता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
501	किरन	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
502	सुधा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
503	प्रेमचन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
504	बालक	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
505	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
506	बेंचेलाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
507	कुसुम	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
508	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
509	शकीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
510	रिंकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
511	अखिले	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
512	जगदीश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
513	अनूप	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
514	कान्ती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
515	लक्ष्मी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
516	मुन्नी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
517	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
518	संगीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

519	गंगा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
520	भारती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
521	मधू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
522	पिल्लू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
523	राधेलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
524	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
525	शशी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
526	केशकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
527	रामदुला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
528	गुडिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
529	ज्योति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
530	सपना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
531	संगीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
532	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
533	बच्चिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
534	विक्की	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
535	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
536	राहुल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
537	मिल्ला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
538	सरोजनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
539	सीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
540	भूरे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
541	विटान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
542	विमला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
543	सुरेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
544	ललिता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
545	बीजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
546	जमुनाप्रसा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
547	इन्द्रवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
548	शिवकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
549	कान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
550	शकुंतला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
551	चमेली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
552	जानकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
553	ऊषा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
554	अवधेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
555	संजय	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
556	रीता	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
557	सज्जो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
558	मीनाबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
559	अफशाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
560	आशिक	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
561	जायदा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
562	सीमाबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
563	नूरजहां	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
564	सुषमा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
565	पुष्पा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
566	विनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
567	सुरेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
568	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
569	रमेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
570	राजेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
571	बबलू	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
572	वेदपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
573	राजेश्वरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
574	अवधेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
575	रामजीत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
576	ज्ञानदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

577	लता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
578	शान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
579	विनोद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
580	रेशमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
581	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
582	गिरन्द	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
583	गीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
584	उमा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
585	आरती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
586	गायत्री	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
587	कुन्तीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
588	तारावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
589	गुड्डीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
590	शकुंतला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
591	मौरश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
592	मायादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
593	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
594	राजबहादु	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
595	रिहाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
596	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
597	शोभाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
598	पुष्पा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
599	विनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
600	जहीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
601	सियादेती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
602	सदाप्या	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
603	रामदुलारे	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
604	रिंकी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
605	छोटीबिटि	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
606	मनोज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
607	हुल्लास	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
608	रामनाथ	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
609	बदलशेर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
610	शिवकुमार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
611	सुरेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
612	विजय	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
613	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
614	अनुपमा	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
615	माया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
616	मीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
617	द्रोपदी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
618	निसारखां	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
619	बीरेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
620	समीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
621	रजिया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
622	अमीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
623	राधेश्याम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
624	राजाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
625	इड़ाखान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
626	रीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
627	सत्यप्रका	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
628	मंजू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
629	लक्ष्मी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
630	रामकिशो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
631	मुन्नीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
632	अलीमोह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
633	केतुकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
634	रामवती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

635	रामदास	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
636	सुरेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
637	सूबेदार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
638	रामआसरे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
639	उपासना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
640	धनपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
641	नन्हींदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
642	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
643	छोटेलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
644	फूलश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
645	राजकुमार	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
646	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
647	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
648	मौकिन्ना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
649	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
650	रामरानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
651	मीनादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
652	सुमनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
653	रामकरन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
654	गंगासिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
655	रामवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
656	रेखादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
657	धर्मपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
658	दयाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
659	कुसमदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
660	माधुरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
661	रामप्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
662	रेखा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
663	कंठश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
664	धनीराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
665	भूरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
666	राधिका	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
667	दिनेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
668	रिहाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
669	इन्दूलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
670	फूलनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
671	राजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
672	राजवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
673	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
674	बचनलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
675	नन्हींदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
676	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
677	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
678	नीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
679	आकिल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
680	मुन्नीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
681	श्यामसखी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
682	रामचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
683	खुशनुमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
684	प्रमोद	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
685	सुंदरीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
686	श्यामा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
687	आशाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
688	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
689	रामभजन	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
690	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
691	ईश्वरदया	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
692	पूनमदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

693	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
694	सोनपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
695	गंगासिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
696	रामनरेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
697	लालाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
698	प्रेमावती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
699	सरोजदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
700	राजेंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
701	पुत्तूलाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
702	नन्हींदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
703	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
704	लक्ष्मीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
705	अफशाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
706	हसीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
707	कालीचर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
708	रामनिवा	1	1	2	2	2	1	1	1	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
709	मुन्नीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
710	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
711	नत्थूखान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
712	शमशेर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
713	मुन्ना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
714	साहबअल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
715	राजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
716	जसोदा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
717	मुन्नीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
718	राधेश्याम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
719	शान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
720	सवितादे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
721	रामभजन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
722	अतीक	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
723	प्यारी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
724	महिपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
725	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
726	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
727	मीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
728	कुंवरपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
729	भूमिराज	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
730	राजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
731	तरूननिशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
732	कांतीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
733	सुल्तान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
734	उमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
735	भगवान	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
736	गुड्डीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
737	बाचाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
738	सुशीला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
739	रामवीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
740	नरेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
741	प्रीतम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
742	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
743	अजयसिं	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
744	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
745	रूपवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
746	महादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
747	प्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
748	रामभजन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
749	हीरालाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
750	राजेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

751	किशोरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
752	तेजराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
753	लाडली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
754	गंगासहाय	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
755	गजरानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
756	ममता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
757	बीरेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
758	नत्थूलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
759	मायावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
760	रक्षपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
761	रामश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
762	शकुंतला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
763	रामदयाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
764	मीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
765	राममूर्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
766	संतोषी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
767	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
768	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
769	रामरतन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
770	सुमित्रा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
771	कल्लू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
772	सीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
773	श्रीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
774	चंदनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
775	संगीता	1	1	2	2	2	1	1	2	1	2	2	2	2	1	**22**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
776	सुधीरकुमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
777	रेखादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
778	चंद्रशेखर	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
779	गीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
780	ललिता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
781	निहालमीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
782	राजेंद्रसिंह	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
783	अंजूदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
784	रबीन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
785	सुखरानी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
786	फूलमती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
787	मूलवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
788	निर्मला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
789	लक्ष्मण	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
790	कांतीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
791	बिन्दावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
792	सिंहजी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
793	शोभा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
794	सुखदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
795	मुनासिब	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
796	बृजेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
797	महेन्द्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
798	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
799	जयदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
800	रन्जीत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
801	इस्लावी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
802	मनोज	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
803	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
804	सपूती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
805	नन्हीं	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
806	ओमवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
807	बच्चूसिंह	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
808	मुन्नालाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

809	मेनकादे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
810	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
811	फकीरे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
812	नीलम	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
813	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
814	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
815	नन्हीं	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
816	पूजा	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
817	रामबरन	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
818	रक्षपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
819	सुनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
820	गुड्डू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
821	फेरीलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
822	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
823	पूजा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
824	शिवदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
825	ममता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
826	हंसराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
827	ऊषा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
828	रानी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
829	बिटोली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
830	रामपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
831	संजीव	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
832	गुड्डू	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
833	अनारकली	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
834	गुड्डीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
835	खुशीरा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
836	छोटेला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
837	लीला	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
838	सुखवसी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
839	बृजगुपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
840	सुरेशसिं	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
841	सर्वेश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
842	शरीफन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
843	मोरफली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
844	सोनपा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
845	बतासो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
846	किरन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
847	रीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
848	श्रीकांता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
849	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
850	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
851	दीनबानो	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
852	शबीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
853	प्रेमवती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
854	इमली	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
855	लौंगवत	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
856	ओमपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
857	किरन	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
858	दिनेशसिं	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
859	पिंकी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
860	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
861	मिथलेश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
862	मेवाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
863	प्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
864	उमादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
865	जयश्री	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
866	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

867	वीरपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
868	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
869	रूकशाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
870	पूनम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
871	कान्ती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
872	अनीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
873	कन्हैया	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
874	रामसखी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
875	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
876	सोनेलाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
877	मुनेन्द्रसिं	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
878	वीरवती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
879	चन्द्रपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
880	भूरेलाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
881	पृथ्वीराज	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
882	सीता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
883	सरोज	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
884	मालती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
885	पप्पू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
886	नन्हींदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
887	रामौतार	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
888	बिटियदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
889	सकीलन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
890	शान्ति	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
891	उजागर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
892	मंजू	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
893	रामरतन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
894	ज्ञानवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
895	रामनिवास	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
896	अजयपाल	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
897	तारावती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
898	बृजेंद्रसिंह	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
899	खजानादे	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
900	पातीराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
901	कमला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
902	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
903	जलदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
904	बुद्धालाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
905	सावित्री	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
906	रामदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
907	रेखादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
908	मरजीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
909	कृपतिदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
910	कांतिदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
911	मायादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
912	नन्हींदेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
913	शांतिदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
914	रघुवीर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
915	कृष्णपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
916	प्रदीप	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
917	प्रीतमलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
918	गुड्डी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
919	नफीसा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
920	अनीश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
921	रामप्रकाश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
922	बाबूराम	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
923	धनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
924	नंदराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

925	लज्जाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
926	अनीशा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
927	पप्पू	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
928	कृष्णादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
929	पार्वती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
930	बालिस्टर	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
931	ऊषादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
932	हरनामसूर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
933	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
934	रूपलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
935	हरीराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
936	नुनाराबेग	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
937	मुन्नीबेगम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
938	गीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
939	सुरजन	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
940	राकेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
941	सतीश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
942	भजनलाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
943	राजेश्वरी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
944	गीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
945	सरोजनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
946	बनवारी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
947	नीतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
948	बीनादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
949	रानीदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
950	मालती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
951	प्रेमवती	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
952	रामादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
953	रतीराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
954	अनारसिं	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
955	तेजसिंह	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
956	कुसमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
957	मायादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
958	विजैलक्ष्मी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
959	सीता	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
960	सरोजनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
961	कैलाश	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
962	सविता	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
963	सुखराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
964	कुसमा	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
965	सुमनदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
966	रामबेटी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
967	निर्मला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
968	बसंती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
969	लौंगश्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
970	मनीष	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
971	दयानंद	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
972	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
973	जिलेदार	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
974	सुखदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
975	रामवती	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
976	ममतादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
977	रीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
978	सोनी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
979	नीलूदेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
980	मीनादेवी	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
981	मीना	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
982	रामप्यारी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

983	रामानन्द	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
984	रमेशचंद्र	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
985	आदेश	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
986	जयपाल	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
987	लालाराम	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
988	सोनकली	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
989	उर्मिला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
990	बिटोली	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
991	अफसाना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
992	कमला	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
993	जाकिर	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
994	मायादेवी	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
995	गायत्री	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
996	शेषकली	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
997	मीना	1	1	2	2	2	1	1	1	1	2	2	2	2	1	**21**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
998	चंद्रकली	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
999	संतोष	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**
100	शिवकुमार	1	1	2	2	2	1	1	2	2	2	2	2	2	1	**23**	1	1	1	1	**4**	1	1	1	**3**

प्र.स.19(1) से 21(ब–7) तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों एवं योग का विवरण

अंक विभाजन–प्रश्न–19: कुल अंक–6(प्रति भागः कुपो–3, रोगी–2, कम–1, सामा–0), **प्रश्न–20**: कुल अंक–22(प्रति भाग– हाँ–2, नही–0), **प्रश्न–21**: कुल अंक–44 (प्रति भागः अधिक–2, कम–1, नहीं–0)

क्रम	उत्त/प्रसं	19	2	कु	20	2	3	4	5	6	8	8	9	0	1	कु	21	2	3	4	ब	2	3	4	5	6	7
1	मुन्नीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
2	शीतला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
3	सावित्री	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
4	अनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
5	लाली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
6	मीरा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
7	कल्लो	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
8	सीमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
9	कपूरी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
10	सीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
11	केला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
12	प्रीती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
13	सुखरानी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
14	पूजा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
15	रीना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
16	विनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
17	गुड्डी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
18	प्रीती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
19	रूबी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
20	सरला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
21	बसंती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
22	सुनीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
23	सुशीला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
24	जयंती	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
25	बीना	0	0	**0**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
26	मुन्नी	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
27	पुष्पा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
28	अजीत	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
29	रानी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
30	ओमवीर	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
31	सरिता	1	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
32	रिंकी	1	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
33	प्रकाश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
34	क्रिशना	0	0	**0**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
35	राजारा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
36	नूरमोहम्म	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
37	बचान	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
38	अजय	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
39	राजो	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
40	रसाल	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
41	अमरसिंह	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
42	रामबेटी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
43	मंजो	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
44	संतोष	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
45	रामप्रकाश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
46	हरदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
47	रघुवीर	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
48	रीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
49	श्रीकृष्ण	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
50	भारतलाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
51	रामबेटी	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
52	गिरजा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
53	धर्मेंद्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
54	रूपवती	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
55	रामकली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
56	धनदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
57	लज्जावती	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
58	जयदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
59	मुन्नी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

60	जरीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
61	देवकी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
62	राखी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
63	सिया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
64	बहादुर	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
65	रामबेटी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
66	सीमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
67	सुभाष	3	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
68	अंजू	0	0	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
69	रंजीत	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
70	गुड्डी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
71	श्यामदेवी	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
72	गुड्डी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
73	प्रेमा	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
74	सोनकली	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
75	जूली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
76	सिया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
77	ममता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
78	रमेशचंद्र	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
79	रामबेटी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
80	रानी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
81	राजेंद्र	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
82	शकुंतला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
83	राजेश्वर	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
84	इन्दिरा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
85	रेशमा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
86	श्रीओम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
87	मुन्नी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
88	कुसमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
89	नाजरीन	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
90	रेनू	0	0	**0**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
91	अजय	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
92	शायरा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
93	नफीसा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
94	नगमा	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
95	सोनी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
96	सुमन	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
97	शाहना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
98	रेखा	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
99	रमेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
100	आशा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
101	गूजर	**1**	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
102	रामभजन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
103	शिवराम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
104	राजबाई	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
105	तेजराम	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
106	वीरू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
107	राकेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
108	शान्ति	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
109	चन्द्रावती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
110	तुलाराम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
111	ज्ञानदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
112	सन्नो बेगम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
113	सद्दीक	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
114	मीनाबेगम	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
115	बानो	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
116	राबिया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
117	नबूदीबेगम	3	0	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
118	फरज़ाना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
119	गिरन्द	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
120	अनवरी	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
121	शम्मोबेगम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
122	जैनबबेगम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
123	मुस्तरी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
124	राजेश	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

125	शहमीदा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
126	रज्जूखान	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
127	नियाजबा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
128	साधनाबेग	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
129	पप्पू शाह	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
130	साईनबेग	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
131	जनाब	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
132	मरजीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
133	आमनाबेग	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
134	संजीदा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
135	अतीक	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
136	शैतानसिंह	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
137	बबली	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
138	मोरपाल	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
139	राजेंद्रीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
140	रूबीबेगम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
141	रूकशाना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
142	रेशमाबानो	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
143	बिनीशा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
144	अतीकखां	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
145	मनोराबेग	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
146	जमीलखां	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
147	कुसुमलता	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
148	शिवराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
149	जरीना	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
150	जुबेदाबानू	**1**	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
151	मनोरमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
152	बबली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
153	गुड्डू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
154	रीना देवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
155	ममता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
156	कटोरी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
157	स्नेहलता	2	2	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
158	जगरूप	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
159	संगीता	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
160	प्रेमा देवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
161	कमलेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
162	शकुन्तला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
163	सामलिया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
164	गुड़िया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
165	सुनीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
166	कमला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
167	हरीश	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
168	संतोष	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
169	रेखा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
170	राजेन्द्र	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
171	लाली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
172	ओमकार	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
173	जौहरी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
174	निशा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
175	सुबाना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
176	मुनीशा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
177	सुमन	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
178	बीरू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
179	सन्नो	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
180	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
181	माया	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
182	विक्रम	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
183	शबाना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
184	रूबली	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
185	सोनी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
186	गुडिया	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
187	रूबी	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
188	लालाराम	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
189	मंजू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

190	जितेन्द्र	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
191	बाबा	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
192	जोगराज	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
193	मुकेश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
194	नीलम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
195	मीरा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
196	गुड्डी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
197	शेरसिंह	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
198	आजाद	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
199	कमलेश	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
200	गिरन्दसिंह	**3**	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
201	शेरा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
202	रेखा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
203	विक्रम	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
204	शारदा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
205	सरदार	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
206	रामबेटी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
207	रानी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
208	भीमसेन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
209	लाली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
210	खजानी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
211	राजू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
212	मो.ताहिर	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
213	मुन्नी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
214	नूरजहॉ	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
215	श्रीकृष्ण	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
216	अंसार	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
217	इरफान	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
218	मदीना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
219	श्यामदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
220	अनीता	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
221	सुनीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
222	ज्ञानदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
223	रामसिंह	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
224	कमलादेवी	0	0	**0**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
225	अकबरी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
226	परवीन	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
227	कृष्णादेवी	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
228	ऊषा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
229	फैमीदा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
230	नजमा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
231	सीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
232	फूलमती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
233	राजबहादु	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
234	बाबूखान	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
235	रूपराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
236	बाबर	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
237	कुसमादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
238	मीरा	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
239	हजारी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
240	रूपसिंह	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
241	बिन्जी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
242	सुनीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
243	विटोली	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
244	मंगली	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
245	रेशमा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
246	सौदरा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
247	सितारा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
248	सीमा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
249	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
250	कला	**3**	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
251	निसारा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
252	लक्ष्मीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
253	रामप्रसाद	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
254	शीला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

255	गुड्डी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
256	मीरा	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
257	श्यामसुंदर	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
258	प्रदीप	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
259	राजकुमार	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
260	देवकी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
261	रागिनी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
262	अर्चनादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
263	रानीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
264	रानीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
265	चंपारानी	2	3	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
266	हेमलता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
267	दिनेशकुमा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
268	दिनेशलल	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
269	शहजाद	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
270	रहीसन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
271	रघुवर	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
272	मीना	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
273	जरीना	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
274	बानो	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
275	शकीला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
276	गुडिया	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
277	सकीना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
278	निर्मला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
279	रमेशचंद्र	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
280	रूपलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
281	ओमवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
282	लता देवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
283	राजकरन	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
284	लता	3	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
285	तैय्यबअली	1	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
286	माजराबेग	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
287	नूरसुभाबेग	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
288	कुंअरपाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
289	नन्हीं देवी	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
290	संजीव	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
291	उर्मिला	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
292	साबराबेग	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
293	शहनाज	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
294	गुलशनबे	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
295	नफीसाबेग	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
296	आरजाबेग	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
297	नसीरेजमा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
298	सहानाबेग	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
299	नूरसवाबेग	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
300	खुशनुमा	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
301	राजकुमार	**1**	2	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
302	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
303	रूपदेवी	1	2	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
304	गुच्छोवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
305	झबरा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
306	श्यामा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
307	गीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
308	रेखा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
309	अनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
310	रानी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
311	राजा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
312	मनोज	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
313	गुड्डी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
314	बद्री	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
315	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
316	नीलू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
317	मल्लो	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
318	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
319	संतरा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

320	सितारा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
321	माया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
322	लल्लूसिंह	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
323	सुनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
324	रामकटोरी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
325	किरन	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
326	धूपराम	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
327	अनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
328	माधुरी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
329	सीमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
330	गीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
331	सत्यप्रकाश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
332	अजय	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
333	गंगाधर	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
334	श्याम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
335	सदानंद	3	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
336	रामतीर्थ	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
337	अवधेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
338	राजू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
339	इदरीश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
340	ईश्वरदया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
341	मदनपाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
342	प्रीती	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
343	सुदामा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
344	बीरेंद्रसिंह	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
345	ऊषादेवी	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
346	पुष्पादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
347	मुन्नीदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
348	महावीर	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
349	नेबूलता	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
350	रूपदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
351	रेनू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
352	सोमवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
353	प्रेमवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
354	अर्चना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
355	रामस्वरूप	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
356	शीलूदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
357	चंद्रवती	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
358	विद्यावती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
359	राकेश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
360	संतोषी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
361	सोनादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
362	रीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
363	प्रीती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
364	सीमा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
365	सुखराम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
366	रामबाबू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
367	रामदेवी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
368	फूलमती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
369	फूलसिंह	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
370	दर्शनदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
371	लक्ष्मीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
372	सुखदेवी	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
373	रामलली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
374	सीतादेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
375	लक्ष्मीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
376	रामवती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
377	विद्यादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
378	श्रीकृष्ण	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
379	सुखदेवी	3	2	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
380	सरलादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
381	रामलक्ष्मी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
382	गंगादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
383	श्यामादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
384	नाजिया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

385	प्रेमा देवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
386	हसीना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
387	सीमाकुमा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
388	देवीश्री	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
389	सुनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
390	बालिस्टर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
390	बिट्टादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
391	पुष्पादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
392	रानीदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
393	तोताराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
394	बुद्धिलाल	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
395	मुन्नीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
396	हुस्नबानो	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
397	गोमती	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
398	गंगाराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
399	शिवरानी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
400	सावित्री	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
401	गंगादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
402	बच्चू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
403	पप्पू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
404	विनोद	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
405	शैतान	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
406	सुंदरी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
407	रज्जो	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
408	सोनिया	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
409	कप्तान	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
410	डोली	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
411	रामसिंह	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
412	सूरजदीन	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
413	वीरपाल	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
414	पप्पू	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
415	ज्ञानदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
416	रामादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
417	रेशमा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
418	रचना	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
419	रामजीत	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
420	वीरपाल	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
421	धनदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
422	अच्छन	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
423	वेदराम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
424	रामादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
425	मुरीदन	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
426	तेजपाल	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
427	निर्मला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
428	जयदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
429	रानी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
430	कमलेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
431	श्यामप्रका	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
432	कान्ति	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
433	गीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
434	रीना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
435	विजयसिं	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
436	सीमा	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
437	धीरेन्द्र	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
438	श्यामबाबू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
439	रैवारी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
440	सोनी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
441	राधा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
442	हरभजन	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
443	सुमन	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
444	सरोज	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
445	सरिता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
446	सर्वेन्द्र	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
447	हरीराम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
448	मुन्नी	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

449	राममूर्ति	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
450	अनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
451	काशीराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
452	गौरादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
453	मंजो	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
454	प्रदीप	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
455	किशोर	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
456	राजवीर	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
457	सरला	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
458	प्रीती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
459	मीना	0	2	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
460	प्रदीप	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
461	हरबंश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
462	सुशीला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
463	कुमोदनी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
464	मुन्नू	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
465	रामप्यारी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
466	गंगादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
467	रामदर्शनी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
468	सेवारानी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
469	अलउद्दीन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
470	वर्माजीत	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
471	महेन्द्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
472	बालकृष्ण	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
473	ममता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
474	सुरेश	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
475	कविता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
476	अनारकली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
477	जयवीर	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
478	रानी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
479	गुड्डी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
480	पानकी	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
481	ऊषा	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
482	प्रकाश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
483	महावीर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
484	रामसिंह	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
485	शकुन्तला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
486	जगदीश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
487	रामदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
488	कमलेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
489	शान्ति	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
490	रोहताश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
491	घूंसूनाथ	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
492	बाबूखां	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
493	राजेश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
494	नरायनी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
495	सुनीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
496	वेदराम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
497	भूदेवनाथ	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
498	शिवदयाल	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
499	मौरनाथ	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
500	हेमलता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
501	किरन	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
502	सुधा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
503	प्रेमचन्द्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
504	बालक	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
505	रेशमा	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
506	बेंचेलाल	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
507	कुसुम	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
508	गीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
509	शकीला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
510	रिंकी	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
511	अखिले	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
512	जगदीश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
513	अनूप	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

514	कान्ती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
515	लक्ष्मी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
516	मुन्नी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
517	रेशमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
518	संगीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
519	गंगा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
520	भारती	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
521	मधू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
522	पिल्लू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
523	राधेलाल	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
524	गुड्डी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
525	शशी	1	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
526	केशकली	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
527	रामदुला	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
528	गुडिया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
529	ज्योति	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
530	सपना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
531	संगीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
532	सुशीला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
533	बच्चिया	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
534	विक्की	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
535	गुड्डी	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
536	राहुल	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
537	मिल्ला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
538	सरोजनी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
539	सीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
540	भूरे	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
541	विटान	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
542	विमला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
543	सुरेश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
544	ललिता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
545	बीजू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
546	जमुनाप्रसा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
547	इन्द्रवती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
548	शिवकली	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
549	कान्ति	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
550	शकुंतला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
551	चमेली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
552	जानकी	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
553	ऊषा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
554	अवधेश	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
555	संजय	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
556	रीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
557	सज्जो	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
558	मीनाबेगम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
559	अफशाना	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
560	आशिक	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
561	जायदा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
562	सीमाबेगम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
563	नूरजहां	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
564	सुषमा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
565	पुष्पा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
566	विनीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
567	सुरेश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
568	अनीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
569	रमेश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
570	राजेन्द्र	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
571	बबलू	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
572	वेदपाल	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
573	राजेश्वरी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
574	अवधेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
575	रामजीत	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
576	ज्ञानदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
577	लता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
578	शान्ति	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

579	विनोद	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
580	रेशमा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
581	सुनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
582	गिरन्द	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
583	गीता	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
584	उमा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
585	आरती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
586	गायत्री	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
587	कुन्तीदेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
588	तारावती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
589	गुड्डीदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
590	शकुंतला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
591	मौरश्री	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
592	मायादेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
593	उर्मिला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
594	राजबहादु	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
595	रिहाना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
596	उर्मिला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
597	शोभाराम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
598	पुष्पा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
599	विनीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
600	जहीर	**1**	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
601	सियादेती	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
602	सदाप्या	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
603	रामदुलारे	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
604	रिंकी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
605	छोटीबि	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
606	मनोज	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
607	हुल्लास	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
608	रामनाथ	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
609	बदलशेर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
610	शिवकुमार	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
611	सुरेश	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
612	विजय	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
613	अनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
614	अनुपमा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
615	माया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
616	मीना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
617	द्रोपदी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
618	निसारखां	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
619	बीरेन्द्र	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
620	समीना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
621	रजिया	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
622	अमीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
623	राधेश्याम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
624	राजाराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
625	इड़ाखान	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
626	रीता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
627	सत्यप्रका	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
628	मंजू	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
629	लक्ष्मी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
630	रामकिशो	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
631	मुन्नीबेगम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
632	अलीमोह	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
633	केतुकी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
634	रामवती	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
635	रामदास	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
636	सुरेशचंद्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
637	सूबेदार	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
638	रामआसरे	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
639	उपासना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
640	धनपाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
641	नन्हींदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
642	रामबेटी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
643	छोटेलाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

644	फूलश्री	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
645	राजकुमार	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
646	सुनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
647	रमेशचंद्र	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
648	मौकिन्ना	3	2	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
649	रमेशचंद्र	2	2	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
650	रामरानी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
651	मीनादेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
652	सुमनदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
653	रामकरन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
654	गंगासिंह	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
655	रामवती	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
656	रेखादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
657	धर्मपाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
658	दयाराम	3	2	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
659	कुसमदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
660	माधुरी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
661	रामप्रकाश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
662	रेखा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
663	कंठश्री	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
664	धनीराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
665	भूरी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
666	राधिका	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
667	दिनेशचंद्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
668	रिहाना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
669	इन्दूलाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
670	फूलनदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
671	राजेश	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
672	राजवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
673	रामबेटी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
674	बचनलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
675	नन्हींदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
676	रामबेटी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
677	रामबेटी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
678	नीरा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
679	आकिल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
680	मुन्नीदेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
681	श्यामसखी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
682	रामचंद्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
683	खुशनुमा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
684	प्रमोद	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
685	सुंदरीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
686	श्यामा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
687	आशाराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
688	रामदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
689	रामभजन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
690	लक्ष्मीदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
691	ईश्वरदया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
692	पूनमदेवी	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
693	लक्ष्मीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
694	सोनपाल	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
695	गंगासिंह	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
696	रामनरेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
697	लालाराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
698	प्रेमावती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
699	सरोजदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
700	राजेंद्र	**1**	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
701	पुत्तूलाल	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
702	नन्हींदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
703	सुशीला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
704	लक्ष्मीदेवी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
705	अफशाना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
706	हसीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
707	कालीचर	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
708	रामनिवा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

709	मुन्नीबेगम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
710	रामदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
711	नत्थूखान	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
712	शमशेर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
713	मुन्ना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
714	साहबअल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
715	राजेश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
716	जसोदा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
717	मुन्नीबेगम	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
718	राधेश्याम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
719	शान्ति	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
720	सवितादे	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
721	रामभजन	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
722	अतीक	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
723	प्यारी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
724	महिपाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
725	सुशीला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
726	सावित्री	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
727	मीना	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
728	कुंवरपाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
729	भूमिराज	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
730	राजेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
731	तरूननिशा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
732	कांतीदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
733	सुल्तान	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
734	उमेशचंद्र	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
735	भगवान	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
736	गुड्डीदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
737	बाचाराम	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
738	सुशीला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
739	रामवीर	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
740	नरेशचंद्र	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
741	प्रीतम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
742	रामबेटी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
743	अजयसिं	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
744	सावित्री	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
745	रूपवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
746	महादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
747	प्रकाश	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
748	रामभजन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
749	हीरालाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
750	राजेन्द्र	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
751	किशोरी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
752	तेजराम	1	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
753	लाडली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
754	गंगासहाय	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
755	गजरानी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
756	ममता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
757	बीरेन्द्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
758	नत्थूलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
759	मायावती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
760	रक्षपाल	1	2	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
761	रामश्री	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
762	शकुंतला	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
763	रामदयाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
764	मीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
765	राममूर्ति	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
766	संतोषी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
767	उर्मिला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
768	सुनीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
769	रामरतन	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
770	सुमित्रा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
771	कल्लू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
772	सीतादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
773	श्रीदेवी	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

774	चंदनदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
775	संगीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
776	सुधीरकुमा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
777	रेखादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
778	चंद्रशेखर	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
779	गीतादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
780	ललिता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
781	निहालमीर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
782	राजेंद्रसिंह	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
783	अंजूदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
784	रबीन्द्र	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
785	सुखरानी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
786	फूलमती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
787	मूलवती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
788	निर्मला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
789	लक्ष्मण	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
790	कांतीदेवी	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
791	बिन्दावती	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
792	सिंहजी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
793	शोभा	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
794	सुखदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
795	मुनासिब	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
796	बृजेश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
797	महेन्द्र	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
798	अनीता	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
799	जयदेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
800	रन्जीत	**3**	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
801	इस्लावी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
802	मनोज	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
803	गुड्डी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
804	सपूती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
805	नन्हीं	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
806	ओमवती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
807	बच्चूसिंह	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
808	मुन्नालाल	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
809	मेनकादे	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
810	रामबेटी	2	2	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
811	फकीरे	2	1	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
812	नीलम	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
813	सुनीता	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
814	अनीता	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
815	नन्हीं	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
816	पूजा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
817	रामबरन	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
818	रक्षपाल	0	1	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
819	सुनीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
820	गुड्डू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
821	फेरीलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
822	रामबेटी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
823	पूजा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
824	शिवदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
825	ममता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
826	हंसराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
827	ऊषा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
828	रानी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
829	बिटोली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
830	रामपाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
831	संजीव	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
832	गुड्डू	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
833	अनारकली	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
834	गुड्डीदेवी	1	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
835	खुशीरा	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
836	छोटेला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
837	लीला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
838	सुखवसी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

839	बृजगुपाल	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
840	सुरेशसिं	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
841	सर्वेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
842	शरीफन	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
843	मोरफली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
844	सोनपा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
845	बतासो	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
846	किरन	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
847	रीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
848	श्रीकांता	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
849	रामबेटी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
850	रामदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
851	दीनबानो	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
852	शबीना	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
853	प्रेमवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
854	इमली	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
855	लौंगवत	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
856	ओमपाल	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
857	किरन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
858	दिनेशसिं	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
859	पिंकी	2	0	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
860	सावित्री	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
861	मिथलेश	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
862	मेवाराम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
863	प्रकाश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
864	उमादेवी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
865	जयश्री	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
866	गुड्डी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
867	वीरपाल	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
868	उर्मिला	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
869	रूकशाना	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
870	पूनम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
871	कान्ती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
872	अनीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
873	कन्हैया	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
874	रामसखी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
875	उर्मिला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
876	सोनेलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
877	मुनेन्द्रसिं	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
878	वीरवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
879	चन्द्रपाल	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
880	भूरेलाल	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
881	पृथ्वीराज	0	3	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
882	सीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
883	सरोज	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
884	मालती	2	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
885	पप्पू	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
886	नन्हींदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
887	रामौतार	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
888	बिटियदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
889	सकीलन	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
890	शान्ति	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
891	उजागर	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
892	मंजू	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
893	रामरतन	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
894	ज्ञानवती	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
895	रामनिवास	3	2	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
896	अजयपाल	3	3	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
897	तारावती	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
898	बृजेंद्रसिंह	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
899	खजानादे	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
900	पातीराम	**3**	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
901	कमला	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
902	रामदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
903	जलदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

904	बुद्धालाल	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
905	सावित्री	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
906	रामदेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
907	रेखादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
908	मरजीना	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
909	कृपंतिदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
910	कांतिदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
911	मायादेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
912	नन्हींदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
913	शांतिदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
914	रघुवीर	2	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
915	कृष्णपाल	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
916	प्रदीप	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
917	प्रीतमलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
918	गुड्डी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
919	नफीसा	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
920	अनीश	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
921	रामप्रकाश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
922	बाबूराम	3	2	**5**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
923	धनदेवी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
924	नंदराम	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
925	लज्जाराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
926	अनीशा	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
927	पप्पू	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
928	कृष्णादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
929	पार्वती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
930	बालिस्टर	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
931	ऊषादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
932	हरनामसूर	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
933	रमेशचंद्र	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
934	रूपलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
935	हरीराम	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
936	नुनाराबेग	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
937	मुन्नीबेगम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
938	गीतादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
939	सुरजन	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
940	राकेश	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
941	सतीश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
942	भजनलाल	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
943	राजेश्वरी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
944	गीतादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
945	सरोजनी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
946	बनवारी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
947	नीतादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
948	बीनादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
949	रानीदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
950	मालती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
951	प्रेमवती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
952	रामादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
953	रतीराम	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
954	अनारसिं	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
955	तेजसिंह	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
956	कुसमा	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
957	मायादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
958	विजैलक्ष्मी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
959	सीता	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
960	सरोजनी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
961	कैलाश	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
962	सविता	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
963	सुखराम	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
964	कुसमा	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
965	सुमनदेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
966	रामबेटी	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
967	निर्मला	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
968	बसंती	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

969	लौंगश्री	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
970	मनीष	1	2	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
971	दयानंद	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
972	उर्मिला	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
973	जिलेदार	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
974	सुखदेवी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
975	रामवती	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
976	ममतादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
977	रीना	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
978	सोनी	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
979	नीलूदेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
980	मीनादेवी	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
981	मीना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
982	रामप्यारी	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
983	रामानन्द	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
984	रमेशचंद्र	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
985	आदेश	0	2	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
986	जयपाल	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
987	लालाराम	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
988	सोनकली	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
989	उर्मिला	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
990	बिटोली	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
991	अफसाना	1	1	**2**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
992	कमला	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
993	जाकिर	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
994	मायादेवी	3	1	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
995	गायत्री	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
996	शेषकली	3	0	**3**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
997	मीना	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
998	चंद्रकली	1	0	**1**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
999	संतोष	1	3	**4**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
1000	शिवकुमार	3	3	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**11**	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2

प्र.सं.21(ब–8)–23(8) तक उत्तरदाताओं को प्राप्त अंकों व योग का विवरण

अंक विभाजन–प्रश्न–22: कुल अंक–8(प्रति भागः नहीं–2, कम–1, पर्याप्त–0), **प्रश्न–23**: कुल अंक–12(प्रति भाग– हाँ–1, नही–0 अंक)

क्रम	उत्तरदाता	8	9	0	1	2	3	स	2	3	4	5	कु	22	2	3	4	क	3	2	3	4	5	6	7	8
1	मुन्नीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
2	शीतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
3	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
4	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
5	लाली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
6	मीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
7	कल्लो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
8	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
9	कपूरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
10	सीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
11	केला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
12	प्रीती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
13	सुखरानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
14	पूजा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
15	रीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
16	विनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
17	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
18	प्रीती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
19	रूबी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
20	सरला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
21	बसंती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
22	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
23	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
24	जयंती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
25	बीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
26	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
27	पुष्पा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
28	अजीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
29	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
30	ओमवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
31	सरिता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
32	रिंकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
33	प्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
34	क्रिशना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
35	राजारा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
36	नूरमोहम्म	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
37	बचान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
38	अजय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
39	राजो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
40	रसाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
41	अमरसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
42	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
43	मंजो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
44	संतोष	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
45	रामप्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
46	हरदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
47	रघुवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
48	रीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
49	श्रीकृष्ण	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
50	भारतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
51	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
52	गिरजा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
53	धर्मेंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
54	रूपवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
55	रामकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

56	धनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
57	लज्जावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
58	जयदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
59	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
60	जरीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
61	देवकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
62	राखी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
63	सिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
64	बहादुर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
65	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
66	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
67	सुभाष	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
68	अंजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
69	रंजीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
70	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
71	श्यामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
72	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
73	प्रेमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
74	सोनकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
75	जूली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
76	सिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
77	ममता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
78	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
79	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
80	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
81	राजेंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
82	शकुंतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
83	राजेश्वर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
84	इन्दिरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
85	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
86	श्रीओम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
87	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
88	कुसमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
89	नाजरीन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
90	रेनू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
91	अजय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
92	शायरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
93	नफीसा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
94	नगमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
95	सोनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
96	सुमन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
97	शाहना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
98	रेखा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
99	रमेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
100	आशा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
101	गूजर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
102	रामभजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
103	शिवराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
104	राजबाई	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
105	तेजराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
106	वीरू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
107	राकेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
108	शान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
109	चन्द्रावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
110	तुलाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
111	ज्ञानदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
112	सन्नोबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
113	सद्दीक	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

114	मीनाबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
115	बानो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
116	राबिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
117	नबूदीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
118	फरज्राना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
119	गिरन्द	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
120	अनवरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
121	शम्मोबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
122	जैनबबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
123	मुस्तरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
124	राजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
125	शहमीदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
126	रज्जूखान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
127	नियाजबा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
128	साधनाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
129	पप्पू शाह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
130	साईनबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
131	जनाब	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
132	मरजीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
133	आमनाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
134	संजीदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
135	अतीक	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
136	शैतानसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
137	बबली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
138	मोरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
139	राजेंद्रीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
140	रूबीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
141	रूकशाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
142	रेशमाबानो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
143	बिनीशा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
144	अतीकखां	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
145	मनोराबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
146	जमीलखां	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
147	कुसुमलता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
148	शिवराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
149	जरीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
150	जुबेदाबानू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
151	मनोरमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
152	बबली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
153	गुड्डू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
154	रीना देवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
155	ममता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
156	कटोरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
157	स्नेहलता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
158	जगरूप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
159	संगीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
160	प्रेमा देवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
161	कमलेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
162	शकुन्तला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
163	सामलिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
164	गुड़िया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
165	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
166	कमला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
167	हरीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
168	संतोष	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
169	रेखा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
170	राजेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
171	लाली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

172	ओमकार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
173	जौहरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
174	निशा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
175	सुबाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
176	मुनीशा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
177	सुमन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
178	बीरू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
179	सन्नो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
180	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
181	माया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
182	विक्रम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
183	शबाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
184	रूबली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
185	सोनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
186	गुडिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
187	रूबी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
188	लालाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
189	मंजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
190	जितेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
191	बाबा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
192	जोगराज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
193	मुकेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
194	नीलम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
195	मीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
196	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
197	शेरसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
198	आजाद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
199	कमलेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
200	गिरंदसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
201	शेरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
202	रेखा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
203	विक्रम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
204	शारदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
205	सरदार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
206	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
207	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
208	भीमसेन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
209	लाली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
210	खजानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
211	राजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
212	मो.ताहिर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
213	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
214	नूरजहाँ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
215	श्रीकृष्ण	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
216	अंसार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
217	इरफान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
218	मदीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
219	श्यामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
220	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
221	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
222	ज्ञानदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
223	रामसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
224	कमलादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
225	अकबरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
226	परवीन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
227	कृष्णादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
228	ऊषा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
229	फेमीदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

230	नजमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
231	सीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
232	फूलमती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
233	राजबहादु	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
234	बाबूखान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
235	रूपराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
236	बाबर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
237	कुसमादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
238	मीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
239	हजारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
240	रूपसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
241	बिन्जी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
242	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
243	विटोली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
244	मंगली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
245	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
246	सौदरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
247	सितारा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
248	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
249	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
250	कला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
251	निसारा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
252	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
253	रामप्रसाद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
254	शीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
255	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
256	मीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
257	श्यामसुंदर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
258	प्रदीप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
259	राजकुमार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
260	देवकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
261	रागिनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
262	अर्चनादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
263	रानीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
264	रानीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
265	चंपारानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
266	हेमलता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
267	दिनेशकुमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
268	दिनेश्लाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
269	शहजाद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
270	रहीसन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
271	रघुवर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
272	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
273	जरीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
274	बानो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
275	शकीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
276	गुडिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
277	सकीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
278	निर्मला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
279	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
280	रूपलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
281	ओमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
282	लता देवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
283	राजकरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
284	लता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
285	तैयबअली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
286	माजराबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
287	नूरसुभाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

288	कुंअरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
289	नन्हीं देवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
290	संजीव	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
291	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
292	साबराबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
293	शहनाज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
294	गुलशनबे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
295	नफीसाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
296	आरजाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
297	नसीरेजमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
298	सहानाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
299	नूरसवाबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
300	खुशनुमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
301	राजकुमार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
302	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
303	रूपदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
304	गुच्छोवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
305	झबरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
306	श्यामा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
307	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
308	रेखा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
309	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
310	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
311	राजा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
312	मनोज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
313	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
314	बद्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
315	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
316	नीलू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
317	मल्लो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
318	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
319	संतरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
320	सितारा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
321	माया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
322	लल्लूसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
323	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
324	रामकटोरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
325	किरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
326	धूपराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
327	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
328	माधुरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
329	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
330	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
331	सत्यप्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
332	अजय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
333	गंगाधर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
334	श्याम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
335	सदानंद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
336	रामतीर्थ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
337	अवधेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
338	राजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
339	इदरीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
340	ईश्वरदया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
341	मदनपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
342	प्रीती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
343	सुदामा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
344	बीरेंद्रसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
345	ऊषादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1

346	पुष्पादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
347	मुन्नीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
348	महावीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
349	नेबूलता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
350	रूपदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
351	रेनू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
352	सोमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
353	प्रेमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
354	अर्चना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
355	रामस्वरूप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
356	शीलूदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
357	चंद्रवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
358	विद्यावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
359	राकेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
360	संतोषी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
361	सोनादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
362	रीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
363	प्रीती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
364	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
365	सुखराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
366	रामबाबू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
367	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
368	फूलमती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
369	फूलसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
370	दर्शनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
371	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
372	सुखदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
373	रामलली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
374	सीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
375	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
376	रामवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
377	विद्यादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
378	श्रीकृष्ण	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
379	सुखदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
380	सरलादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
381	रामलक्ष्मी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
382	गंगादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
383	श्यामादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
384	नाजिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
385	प्रेमा देवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
386	हसीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
387	सीमाकुमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
388	देवीश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
389	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
390	बिट्टादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
391	पुष्पादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
392	रानीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
393	तोताराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
394	बुद्धिलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
395	मुन्नीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
396	हुस्नबानो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
397	गोमती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
398	गंगाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
399	शिवरानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
400	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
401	गंगादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
402	बच्चू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
403	पप्पू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

404	विनोद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
405	शैतान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
406	सुंदरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
407	रज्जो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
408	सोनिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
409	कप्तान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
410	डोली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
411	रामसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
412	सूरजदीन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
413	वीरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
414	पप्पू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
415	ज्ञानदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
416	रामादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
417	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
418	रचना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
419	रामजीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
420	वीरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
421	धनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
422	अच्छन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
423	वेदराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
424	रामादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
425	मुरीदन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
426	तेजपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
427	निर्मला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
428	जयदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
429	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
430	कमलेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
431	श्यामप्रका	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
432	कान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
433	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
434	रीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
435	विजयसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
436	सीमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
437	धीरेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
438	श्यामबाबू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
439	रैवारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
440	सोनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
441	राधा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
442	हरभजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
443	सुमन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
444	सरोज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
445	सरिता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
446	सर्वेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
447	हरीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
448	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
449	राममूर्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
450	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
451	काशीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
452	गौरादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
453	मंजो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
454	प्रदीप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
455	किशोर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
456	राजवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
457	सरला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
458	प्रीती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
459	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	1	2	2	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
460	प्रदीप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	1	2	2	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
461	हरबंश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1

462	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
463	कुमोदनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	1	2	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
464	मुन्नू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
465	रामप्यारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
466	गंगादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
467	रामदर्शनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
468	सेवारानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
469	अलउद्दीन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
470	वर्माजीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
471	महेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
472	बालकृष्ण	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
473	ममता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
474	सुरेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
475	कविता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
476	अनारकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
477	जयवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
478	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
479	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
480	पानकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
481	ऊषा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
482	प्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
483	महावीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
484	रामसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
485	शकुन्तला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
486	जगदीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
487	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
488	कमलेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
489	शान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
490	रोहताश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
491	घूंसूनाथ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
492	बाबूखां	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	1	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
493	राजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
494	नरायनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
495	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
496	वेदराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
497	भूदेवनाथ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
498	शिवदयाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
499	मौरनाथ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
500	हेमलता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
501	किरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
502	सुधा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
503	प्रेमचन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
504	बालक	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
505	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
506	बेचेलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
507	कुसुम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
508	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
509	शकीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
510	रिंकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
511	अखिले	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
512	जगदीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
513	अनूप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
514	कान्ती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
515	लक्ष्मी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
516	मुन्नी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
517	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
518	संगीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
519	गंगा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

520	भारती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
521	मधू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
522	पिल्लू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
523	राधेलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
524	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
525	शशी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
526	केशकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
527	रामदुला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
528	गुडिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
529	ज्योति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
530	सपना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
531	संगीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
532	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
533	बच्चिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
534	विक्की	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
535	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
536	राहुल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
537	मिल्ला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
538	सरोजनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
539	सीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
540	भूरे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
541	विटान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
542	विमला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
543	सुरेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
544	ललिता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
545	बीजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
546	जमुनाप्रसा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
547	इन्द्रवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
548	शिवकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
549	कान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
550	शकुंतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
551	चमेली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
552	जानकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
553	ऊषा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
554	अवधेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
555	संजय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
556	रीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
557	सज्जो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
558	मीनाबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
559	अफशाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
560	आशिक	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
561	जायदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
562	सीमाबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
563	नूरजहां	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
564	सुषमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
565	पुष्पा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
566	विनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
567	सुरेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
568	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
569	रमेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
570	राजेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
571	बबलू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
572	वेदपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
573	राजेश्वरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
574	अवधेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
575	रामजीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
576	ज्ञानदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
577	लता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

578	शान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
579	विनोद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
580	रेशमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
581	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
582	गिरन्द	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
583	गीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
584	उमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
585	आरती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
586	गायत्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
587	कुन्तीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
588	तारावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
589	गुड्डीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
590	शकुंतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
591	मौरश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
592	मायादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
593	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
594	राजबहादु	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
595	रिहाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
596	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
597	शोभाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
598	पुष्पाा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
599	विनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
600	जहीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
601	सियादेती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
602	सदाप्या	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
603	रामदुलारे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
604	रिंकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
605	छोटीबि	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
606	मनोज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
607	हुल्लास	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
608	रामनाथ	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
609	बदलशेर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
610	शिवकुमार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
611	सुरेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
612	विजय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
613	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
614	अनुपमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
615	माया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
616	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
617	द्रोपदी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
618	निसारखां	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
619	बीरेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
620	समीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
621	रजिया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
622	अमीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
623	राधेश्याम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
624	राजाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
625	इड़ाखान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
626	रीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
627	सत्यप्रका	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
628	मंजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
629	लक्ष्मी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
630	रामकिशो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
631	मुन्नीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
632	अलीमोह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
633	केतुकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
634	रामवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
635	रामदास	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

636	सुरेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
637	सूबेदार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
638	रामआसरे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
639	उपासना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
640	धनपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
641	नन्हींदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
642	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
643	छोटेलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
644	फूलश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
645	राजकुमार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
646	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
647	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
648	मौकिन्ना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
649	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
650	रामरानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
651	मीनादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
652	सुमनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
653	रामकरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
654	गंगासिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
655	रामवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
656	रेखादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
657	धर्मपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
658	दयाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
659	कुसमदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
660	माधुरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
661	रामप्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
662	रेखा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
663	कंठश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
664	धनीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
665	भूरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
666	राधिका	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
667	दिनेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
668	रिहाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
669	इन्दूलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
670	फूलनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
671	राजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
672	राजवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
673	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
674	बचनलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
675	नन्हींदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
676	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
677	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
678	नीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
679	आकिल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
680	मुन्नीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
681	श्यामसखी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
682	रामचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
683	खुशनुमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
684	प्रमोद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
685	सुंदरीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
686	श्यामा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
687	आशाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
688	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
689	रामभजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
690	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
691	ईश्वरदया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
692	पूनमदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
693	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

694	सोनपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
695	गंगासिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
696	रामनरेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
697	लालाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
698	प्रेमावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
699	सरोजदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
700	राजेंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
701	पुत्तूलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
702	नन्हींदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
703	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
704	लक्ष्मीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
705	अफशाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
706	हसीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
707	कालीचर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
708	रामनिवा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
709	मुन्नीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
710	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
711	नत्थूखान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
712	शमशेर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
713	मुन्ना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
714	साहबअल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
715	राजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
716	जसोदा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
717	मुन्नीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
718	राधेश्याम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
719	शान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
720	सवितादे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
721	रामभजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
722	अतीक	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
723	प्यारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
724	महिपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
725	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
726	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
727	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
728	कुंवरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
729	भूमिराज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
730	राजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
731	तरूननिश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
732	कांतीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
733	सुल्तान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
734	उमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
735	भगवान	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
736	गुड्डीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
737	बाचाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
738	सुशीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
739	रामवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
740	नरेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
741	प्रीतम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
742	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
743	अजयसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
744	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
745	रूपवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
746	महादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
747	प्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
748	रामभजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
749	हीरालाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
750	राजेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
751	किशोरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

752	तेजराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
753	लाडली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
754	गंगासहाय	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
755	गजरानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
756	ममता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
757	बीरेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
758	नत्थूलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
759	मायावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
760	रक्षपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
761	रामश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
762	शकुंतला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
763	रामदयाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
764	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
765	राममूर्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
766	संतोषी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
767	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
768	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
769	रामरतन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
770	सुमित्रा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
771	कल्लू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
772	सीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
773	श्रीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
774	चंदनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
775	संगीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
776	सुधीरकुमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
777	रेखादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
778	चंद्रशेखर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
779	गीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
780	ललिता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
781	निहालमीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
782	राजेंद्रसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
783	अंजूदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
784	रबीन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
785	सुखरानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
786	फूलमती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
787	मूलवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
788	निर्मला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
789	लक्ष्मण	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
790	कांतीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
791	बिन्दावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
792	सिंहजी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
793	शोभा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
794	सुखदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
795	मुनासिब	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
796	बृजेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
797	महेन्द्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
798	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
799	जयदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
800	रन्जीत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
801	इस्लावी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
802	मनोज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
803	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
804	सपूती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
805	नन्हीं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
806	ओमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
807	बच्चूसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
808	मुन्नालाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
809	मेनकादे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

810	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
811	फकीरे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
812	नीलम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
813	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
814	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
815	नन्हीं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
816	पूजा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
817	रामबरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
818	रक्षपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
819	सुनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
820	गुड्डू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
821	फेरीलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
822	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
823	पूजा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	1	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
824	शिवदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
825	ममता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
826	हंसराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
827	ऊषा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
828	रानी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
829	बिटोली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
830	रामपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
831	संजीव	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
832	गुड्डू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
833	अनारकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
834	गुड्डीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
835	खुशीरा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
836	छोटेला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
837	लीला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
838	सुखवसी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
839	बृजगुपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
840	सुरेशसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
841	सर्वेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
842	शरीफन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
843	मोरफली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
844	सोनपा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
845	बतासो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
846	किरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
847	रीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
848	श्रीकांता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
849	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
850	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
851	दीनबानो	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
852	शबीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
853	प्रेमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
854	इमली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
855	लौंगवत	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	1	2	2	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
856	ओमपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
857	किरन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
858	दिनेशसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	1	2	**6**	1	1	1	1	1	1	1	1
859	पिंकी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
860	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
861	मिथलेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
862	मेवाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
863	प्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
864	उमादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
865	जयश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
866	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
867	वीरपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

868	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
869	रूकशाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
870	पूनम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
871	कान्ती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
872	अनीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
873	कन्हैया	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
874	रामसखी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
875	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
876	सोनेलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
877	मुनेन्द्रसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
878	वीरवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
879	चन्द्रपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
880	भूरेलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
881	पृथ्वीराज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
882	सीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
883	सरोज	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
884	मालती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
885	पप्पू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
886	नन्हींदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
887	रामौतार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
888	बिटियदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
889	सकीलन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
890	शान्ति	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
891	उजागर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
892	मंजू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
893	रामरतन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
894	ज्ञानवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
895	रामनिवास	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
896	अजयपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
897	तारावती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
898	बृजेंद्रसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
899	खजानादे	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
900	पातीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
901	कमला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
902	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
903	जलदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
904	बुद्धालाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
905	सावित्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
906	रामदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
907	रेखादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
908	मरजीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
909	कृपंतिदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
910	कांतिदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
911	मायादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
912	नन्हींदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
913	शांतिदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
914	रघुवीर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
915	कृष्णपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
916	प्रदीप	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
917	प्रीतमलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
918	गुड्डी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
919	नफीसा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
920	अनीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
921	रामप्रकाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
922	बाबूराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
923	धनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
924	नंदराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
925	लज्जाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

926	अनीशा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
927	पप्पू	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
928	कृष्णादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
929	पार्वती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
930	बालिस्टर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
931	ऊषादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
932	हरनामसूर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
933	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
934	रूपलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
935	हरीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
936	नुनाराबेग	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
937	मुन्नीबेगम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
938	गीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
939	सुरजन	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
940	राकेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
941	सतीश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
942	भजनलाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
943	राजेश्वरी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
944	गीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
945	सरोजनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
946	बनवारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
947	नीतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
948	बीनादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
949	रानीदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
950	मालती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
951	प्रेमवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
952	रामादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
953	रतीराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
954	अनारसिं	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
955	तेजसिंह	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
956	कुसमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
957	मायादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
958	विजैलक्ष्मी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
959	सीता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
960	सरोजनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
961	कैलाश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
962	सविता	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
963	सुखराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
964	कुसमा	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
965	सुमनदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
966	रामबेटी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
967	निर्मला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
968	बसंती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
969	लौंगश्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
970	मनीष	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	1	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
971	दयानंद	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
972	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
973	जिलेदार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
974	सुखदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
975	रामवती	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
976	ममतादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
977	रीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
978	सोनी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
979	नीलूदेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
980	मीनादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
981	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
982	रामप्यारी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
983	रामानन्द	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

984	रमेशचंद्र	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
985	आदेश	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
986	जयपाल	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	1	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
987	लालाराम	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
988	सोनकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
989	उर्मिला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
990	बिटोली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
991	अफसाना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
992	कमला	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	1	2	2	2	**7**	1	1	1	1	1	1	1	1
993	जाकिर	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
994	मायादेवी	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
995	गायत्री	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
996	शेषकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
997	मीना	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
998	चंद्रकली	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
999	संतोष	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1
100	शिवकुमार	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	**46**	2	2	2	2	**8**	1	1	1	1	1	1	1	1

प्र.सं.23(9) से 25 तक तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं योग विवरण

अंक विभाजन–प्रश्न–24: कुल अंक–10 (प्रति भागः हाँ–1, नहीं–0), **प्रश्न–25**: कुल अंक–18 (प्रति भाग– हाँ–0, कम–1, नही–2 अंक)

क्रम	उत्तरदाता	9	0	1	2	कु	24	2	3	4	5	6	7	8	9	0	कु	25	2	3	4	5	6	7	8	9
1	मुन्नीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
2	शीतला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
3	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
4	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
5	लाली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
6	मीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
7	कल्लो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
8	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
9	कपूरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
10	सीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
11	केला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
12	प्रीती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
13	सुखरानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
14	पूजा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
15	रीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
16	विनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
17	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
18	प्रीती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
19	रूबी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
20	सरला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
21	बसंती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
22	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
23	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
24	जयंती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
25	बीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
26	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
27	पुष्पा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
28	अजीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
29	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
30	ओमवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
31	सरिता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
32	रिंकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
33	प्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
34	क्रिशना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
35	राजारा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
36	नूरमोहम्म	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
37	बचान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
38	अजय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
39	राजो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
40	रसाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
41	अमरसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
42	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
43	मंजो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
44	संतोष	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
45	रामप्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
46	हरदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
47	रघुवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
48	रीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
49	श्रीकृष्ण	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
50	भारतलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
51	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
52	गिरजा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
53	धर्मेंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
54	रूपवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
55	रामकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

56	धनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
57	लज्जावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
58	जयदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
59	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
60	जरीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
61	देवकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
62	राखी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
63	सिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
64	बहादुर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
65	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
66	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
67	सुभाष	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
68	अंजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
69	रंजीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
70	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
71	श्यामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
72	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
73	प्रेमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
74	सोनकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
75	जूली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
76	सिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
77	ममता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
78	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
79	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
80	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
81	राजेंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
82	शकुंतला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
83	राजेश्वर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
84	इन्दिरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
85	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
86	श्रीओम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
87	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
88	कुसमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
89	नाजरीन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
90	रेनू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
91	अजय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
92	शायरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
93	नफीसा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
94	नगमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
95	सोनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
96	सुमन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
97	शाहना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
98	रेखा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
99	रमेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
100	आशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
101	गूजर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
102	रामभजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
103	शिवराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
104	राजबाई	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
105	तेजराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
106	वीरू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
107	राकेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
108	शान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
109	चन्द्रावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
110	तुलाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
111	ज्ञानदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
112	सन्नो बेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
113	सद्दीक	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

114	मीनाबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
115	बानो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
116	राबिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
117	नबूदीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
118	फरज्राना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
119	गिरन्द	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
120	अनवरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
121	शम्मोबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
122	जैनबबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
123	मुस्तरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
124	राजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
125	शहमीदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
126	रज्जूखान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
127	नियाजबा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
128	साधनाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
129	पप्पू शाह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
130	साईनबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
131	जनाब	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
132	मरजीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
133	आमनाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
134	संजीदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
135	अतीक	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
136	शैतानसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
137	बबली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
138	मोरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
139	राजेंद्रीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
140	रूबीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
141	रूकशाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
142	रेशमाबानो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
143	बिनीशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
144	अतीकखां	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
145	मनोराबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
146	जमीलखां	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
147	कुसुमलता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
148	शिवराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
149	जरीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
150	जुबेदाबानू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
151	मनोरमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
152	बबली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
153	गुड्डू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
154	रीना देवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
155	ममता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
156	कटोरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
157	स्नेहलता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
158	जगरूप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
159	संगीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
160	प्रेमा देवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
161	कमलेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
162	शकुन्तला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
163	सामलिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
164	गुड़िया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
165	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
166	कमला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
167	हरीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
168	संतोष	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
169	रेखा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
170	राजेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
171	लाली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

172	ओमकार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
173	जौहरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
174	निशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
175	सुबाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
176	मुनीशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
177	सुमन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
178	बीरू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
179	सन्नो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
180	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
181	माया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
182	विक्रम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
183	शबाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
184	रूबली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
185	सोनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
186	गुडिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
187	रूबी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
188	लालाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
189	मंजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
190	जितेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
191	बाबा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
192	जोगराज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
193	मुकेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
194	नीलम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
195	मीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
196	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
197	शेरसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
198	आजाद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
199	कमलेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
200	गिरन्दसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
201	शेरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
202	रेखा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
203	विक्रम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
204	शारदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
205	सरदार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
206	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
207	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
208	भीमसेन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
209	लाली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
210	खजानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
211	राजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
212	मो.ताहिर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
213	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
214	नूरजहाँ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
215	श्रीकृष्ण	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
216	अंसार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
217	इरफान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
218	मदीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
219	श्यामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
220	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
221	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
222	ज्ञानदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
223	रामसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
224	कमलादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
225	अकबरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
226	परवीन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
227	कृष्णादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
228	ऊषा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
229	फैमीदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

230	नजमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
231	सीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
232	फूलमती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
233	राजबहादु	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
234	बाबूखान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
235	रूपराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
236	बाबर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
237	कुसमादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
238	मीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
239	हजारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
240	रूपसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
241	बिन्जी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
242	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
243	विटोली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
244	मंगली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
245	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
246	सौदरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
247	सितारा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
248	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
249	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
250	कला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
251	निसारा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
252	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
253	रामप्रसाद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
254	शीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
255	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
256	मीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
257	श्यामसुंदर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
258	प्रदीप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
259	राजकुमार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
260	देवकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
261	रागिनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
262	अर्चनादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
263	रानीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
264	रानीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
265	चंपारानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
266	हेमलता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
267	दिनेशकुमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
268	दिनेश्लाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
269	शहजाद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
270	रहीसन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
271	रघुवर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
272	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
273	जरीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
274	बानो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
275	शकीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
276	गुडिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
277	सकीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
278	निर्मला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
279	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
280	रूपलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
281	ओमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
282	लता देवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
283	राजकरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
284	लता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
285	तैय्यबअली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
286	माजराबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
287	नूरसुभाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2

288	कुंअरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
289	नन्हीं देवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
290	संजीव	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
291	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
292	साबराबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
293	शहनाज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
294	गुलशनबे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
295	नफीसाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
296	आरजाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
297	नसीरेजमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
298	सहानाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
299	नूरसवाबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
300	खुशनुमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
301	राजकुमार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
302	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
303	रूपदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
304	गुच्छोवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
305	झबरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
306	श्यामा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
307	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
308	रेखा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
309	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
310	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
311	राजा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
312	मनोज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
313	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
314	बद्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
315	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
316	नीलू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
317	मल्लो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
318	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
319	संतरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
320	सितारा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
321	माया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
322	लल्लूसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
323	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
324	रामकटोरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
325	किरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
326	धूपराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
327	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
328	माधुरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
329	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
330	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
331	सत्यप्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
332	अजय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
333	गंगाधर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
334	श्याम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
335	सदानंद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
336	रामतीर्थ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
337	अवधेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
338	राजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
339	इदरीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
340	ईश्वरदया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
341	मदनपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
342	प्रीती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
343	सुदामा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
344	बीरेंद्रसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
345	ऊषादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2

346	पुष्पादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
347	मुन्नीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
348	महावीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
349	नेबूलता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
350	रूपदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
351	रेनू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
352	सोमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
353	प्रेमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
354	अर्चना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
355	रामस्वरूप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
356	शीलूदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
357	चंद्रवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
358	विद्यावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
359	राकेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
360	संतोषी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
361	सोनादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
362	रीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
363	प्रीती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
364	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
365	सुखराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
366	रामबाबू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
367	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
368	फूलमती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
369	फूलसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
370	दर्शनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
371	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
372	सुखदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
373	रामलली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
374	सीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
375	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
376	रामवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
377	विद्यादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
378	श्रीकृष्ण	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
379	सुखदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
380	सरलादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
381	रामलक्ष्मी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
382	गंगादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
383	श्यामादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
384	नाजिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
385	प्रेमा देवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
386	हसीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
387	सीमाकुमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
388	देवीश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
389	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
390	बिट्टादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
391	पुष्पादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
392	रानीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
393	तोताराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
394	बुद्धिलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
395	मुन्नीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
396	हुस्नबानो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
397	गोमती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
398	गंगाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
399	शिवरानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
400	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
401	गंगादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
402	बच्चू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
403	पप्पू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

404	विनोद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
405	शैतान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
406	सुंदरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
407	रज्जो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
408	सोनिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
409	कप्तान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
410	डोली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
411	रामसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
412	सूरजदीन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
413	वीरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
414	पप्पू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
415	ज्ञानदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
416	रामादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
417	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
418	रचना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
419	रामजीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
420	वीरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
421	धनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
422	अच्छन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
423	वेदराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
424	रामादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
425	मुरीदन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
426	तेजपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
427	निर्मला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
428	जयदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
429	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
430	कमलेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
431	श्यामप्रका	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
432	कान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
433	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
434	रीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
435	विजयसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
436	सीमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
437	धीरेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
438	श्यामबाबू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
439	रैवारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
440	सोनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
441	राधा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
442	हरभजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
443	सुमन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
444	सरोज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
445	सरिता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
446	सर्वेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
447	हरीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
448	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
449	राममूर्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
450	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
451	काशीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
452	गौरादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
453	मंजो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
454	प्रदीप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
455	किशोर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
456	राजवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
457	सरला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
458	प्रीती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
459	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
460	प्रदीप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
461	हरबंश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

462	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
463	कुमोदनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
464	मुन्नू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
465	रामप्यारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
466	गंगादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
467	रामदर्शनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
468	सेवारानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
469	अलउद्दीन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
470	वर्माजीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
471	महेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
472	बालकृष्ण	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
473	ममता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
474	सुरेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
475	कविता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
476	अनारकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
477	जयवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
478	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
479	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
480	पानकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
481	ऊषा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
482	प्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
483	महावीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
484	रामसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
485	शकुन्तला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
486	जगदीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
487	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
488	कमलेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
489	शान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
490	रोहताश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
491	घूंसूनाथ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
492	बाबूखां	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
493	राजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
494	नरायनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
495	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
496	वेदराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
497	भूदेवनाथ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
498	शिवदयाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
499	मौरनाथ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
500	हेमलता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
501	किरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
502	सुधा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
503	प्रेमचन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
504	बालक	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
505	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
506	बेंचेलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
507	कुसुम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
508	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
509	शकीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
510	रिंकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
511	अखिले	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
512	जगदीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
513	अनूप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
514	कान्ती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
515	लक्ष्मी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
516	मुन्नी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
517	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
518	संगीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
519	गंगा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

520	भारती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
521	मधू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
522	पिल्लू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
523	राधेलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
524	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
525	शशी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
526	केशकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
527	रामदुला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
528	गुडिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
529	ज्योति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
530	सपना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
531	संगीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
532	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
533	बच्चिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
534	विक्की	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
535	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
536	राहुल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
537	मिल्ला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
538	सरोजनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
539	सीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
540	भूरे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
541	विटान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
542	विमला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
543	सुरेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
544	ललिता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
545	बीजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
546	जमुनाप्रसा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
547	इन्द्रवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
548	शिवकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
549	कान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
550	शकुंतला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
551	चमेली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
552	जानकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
553	ऊषा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
554	अवधेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
555	संजय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
556	रीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
557	सज्जो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
558	मीनाबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
559	अफशाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
560	आशिक	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
561	जायदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
562	सीमाबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
563	नूरजहां	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
564	सुषमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
565	पुष्पा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
566	विनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
567	सुरेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
568	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
569	रमेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
570	राजेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
571	बबलू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
572	वेदपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
573	राजेश्वरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
574	अवधेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
575	रामजीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
576	ज्ञानदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
577	लता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

578	शान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
579	विनोद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
580	रेशमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
581	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
582	गिरन्द	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
583	गीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
584	उमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
585	आरती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
586	गायत्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
587	कुन्तीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
588	तारावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
589	गुड्डीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
590	शकुंतला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
591	मौरश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
592	मायादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
593	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
594	राजबहादु	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
595	रिहाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
596	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
597	शोभाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
598	पुष्पा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
599	विनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
600	जहीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
601	सियादेती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
602	सदाप्या	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
603	रामदुलारे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
604	रिंकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
605	छोटीबि	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
606	मनोज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
607	हुल्लास	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
608	रामनाथ	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
609	बदलशेर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
610	शिवकुमार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
611	सुरेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
612	विजय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
613	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
614	अनुपमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
615	माया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
616	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
617	द्रोपदी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
618	निसारखां	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
619	बीरेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
620	समीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
621	रजिया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
622	अमीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
623	राधेश्याम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
624	राजाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
625	इड़ाखान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
626	रीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
627	सत्यप्रका	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
628	मंजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
629	लक्ष्मी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
630	रामकिशो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
631	मुन्नीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
632	अलीमोह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
633	केतुकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
634	रामवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
635	रामदास	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2

636	सुरेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
637	सूबेदार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
638	रामआसरे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
639	उपासना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
640	धनपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
641	नन्हींदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
642	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
643	छोटेलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
644	फूलश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
645	राजकुमार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
646	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
647	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
648	मौकिन्ना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
649	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
650	रामरानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
651	मीनादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
652	सुमनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
653	रामकरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
654	गंगासिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
655	रामवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
656	रेखादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
657	धर्मपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
658	दयाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
659	कुसमदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
660	माधुरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
661	रामप्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
662	रेखा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
663	कंठश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
664	धनीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
665	भूरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
666	राधिका	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
667	दिनेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
668	रिहाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
669	इन्दूलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
670	फूलनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
671	राजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
672	राजवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
673	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
674	बचनलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
675	नन्हींदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
676	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
677	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
678	नीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
679	आकिल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
680	मुन्नीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
681	श्यामसखी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
682	रामचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
683	खुशनुमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
684	प्रमोद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
685	सुंदरीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
686	श्यामा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
687	आशाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
688	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
689	रामभजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
690	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
691	ईश्वरदया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
692	पूनमदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
693	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

694	सोनपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
695	गंगासिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
696	रामनरेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
697	लालाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
698	प्रेमावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
699	सरोजदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
700	राजेंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
701	पुत्तूलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
702	नन्हींदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
703	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
704	लक्ष्मीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
705	अफशाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
706	हसीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
707	कालीचर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
708	रामनिवा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
709	मुन्नीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
710	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
711	नत्थूखान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
712	शमशेर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
713	मुन्ना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
714	साहबअल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
715	राजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
716	जसोदा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
717	मुन्नीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
718	राधेश्याम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
719	शान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
720	सविताद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
721	रामभजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
722	अतीक	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
723	प्यारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
724	महिपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
725	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
726	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
727	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
728	कुंवरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
729	भूमिराज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
730	राजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
731	तरूननिशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
732	कांतीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
733	सुल्तान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
734	उमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
735	भगवान	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
736	गुड्डीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
737	बाचाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
738	सुशीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
739	रामवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
740	नरेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
741	प्रीतम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
742	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
743	अजयसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
744	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
745	रूपवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
746	महादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
747	प्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
748	रामभजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
749	हीरालाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
750	राजेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
751	किशोरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2

752	तेजराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
753	लाडली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
754	गंगासहाय	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
755	गजरानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
756	ममता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
757	बीरेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
758	नत्थूलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
759	मायावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
760	रक्षपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
761	रामश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
762	शकुंतला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
763	रामदयाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
764	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
765	राममूर्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
766	संतोषी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
767	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
768	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
769	रामरतन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
770	सुमित्रा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
771	कल्लू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
772	सीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
773	श्रीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
774	चंदनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
775	संगीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
776	सुधीरकुमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
777	रेखादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
778	चंद्रशेखर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
779	गीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
780	ललिता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
781	निहालमीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
782	राजेंद्रसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
783	अंजूदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
784	रबीन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
785	सुखरानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
786	फूलमती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
787	मूलवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
788	निर्मला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
789	लक्ष्मण	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
790	कांतीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
791	बिन्दावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
792	सिंहजी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
793	शोभा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
794	सुखदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
795	मुनासिब	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
796	बृजेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
797	महेन्द्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
798	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
799	जयदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
800	रन्जीत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
801	इस्लावी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
802	मनोज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
803	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
804	सपूती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
805	नन्हीं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
806	ओमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
807	बच्चूसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
808	मुन्नालाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
809	मेनकादे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

810	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
811	फकीरे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
812	नीलम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
813	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
814	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
815	नन्हीं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
816	पूजा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
817	रामबरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
818	रक्षपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
819	सुनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
820	गुड्डू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
821	फेरीलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
822	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
823	पूजा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
824	शिवदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
825	ममता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
826	हंसराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
827	ऊषा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
828	रानी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
829	बिटोली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
830	रामपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
831	संजीव	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
832	गुड्डू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
833	अनारकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
834	गुड्डीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
835	खुशीरा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
836	छोटेला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
837	लीला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
838	सुखवसी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
839	बृजगुपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
840	सुरेशसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	0	2	2	2	2	2	2	2
841	सर्वेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
842	शरीफन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	0	2	2	2	2	2	2	2
843	मोरफली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
844	सोनपा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
845	बतासो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
846	किरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
847	रीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
848	श्रीकांता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
849	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
850	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
851	दीनबानो	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
852	शबीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
853	प्रेमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
854	इमली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
855	लौंगवत	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
856	ओमपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
857	किरन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
858	दिनेशसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
859	पिंकी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
860	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
861	मिथलेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
862	मेवाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
863	प्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
864	उमादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
865	जयश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
866	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	1	2	2	2	2	2	2	2	2
867	वीरपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

868	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
869	रूकशाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
870	पूनम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
871	कान्ती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
872	अनीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
873	कन्हैया	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
874	रामसखी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
875	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
876	सोनेलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
877	मुनेन्द्रसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
878	वीरवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
879	चन्द्रपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
880	भूरेलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
881	पृथ्वीराज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
882	सीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
883	सरोज	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
884	मालती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
885	पप्पू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
886	नन्हींदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
887	रामौतार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
888	बिटियदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
889	सकीलन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
890	शान्ति	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
891	उजागर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
892	मंजू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
893	रामरतन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
894	ज्ञानवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
895	रामनिवास	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
896	अजयपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
897	तारावती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
898	बृजेंद्रसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
899	खजानादे	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
900	पातीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
901	कमला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
902	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
903	जलदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
904	बुद्धालाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
905	सावित्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
906	रामदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
907	रेखादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
908	मरजीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
909	कृपंतिदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
910	कांतिदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
911	मायादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
912	नन्हींदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
913	शांतिदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
914	रघुवीर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
915	कृष्णपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
916	प्रदीप	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
917	प्रीतमलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
918	गुड्डी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
919	नफीसा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
920	अनीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
921	रामप्रकाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
922	बाबूराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
923	धनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
924	नंदराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
925	लज्जाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2

926	अनीशा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
927	पप्पू	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
928	कृष्णादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
929	पार्वती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
330	बालिस्टर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
931	ऊषादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
932	हरनामसूर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
933	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
934	रूपलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
935	हरीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
936	नुनाराबेग	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
937	मुन्नीबेगम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
938	गीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
939	सुरजन	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
940	राकेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
941	सतीश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
942	भजनलाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
943	राजेश्वरी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
944	गीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
945	सरोजनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
946	बनवारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
947	नीतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
948	बीनादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	0	2	2	2	2	2	2
949	रानीदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
950	मालती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
951	प्रेमवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
952	रामादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
953	रतीराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
954	अनारसिं	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
955	तेजसिंह	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
956	कुसमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
957	मायादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
958	विजैलक्ष्मी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
959	सीता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
960	सरोजनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
961	कैलाश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	0	2	2	2	2	2	2
962	सविता	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
963	सुखराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
964	कुसमा	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
965	सुमनदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
966	रामबेटी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
967	निर्मला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
968	बसंती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
969	लौंगश्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
970	मनीष	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
971	दयानंद	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
972	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
973	जिलेदार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
974	सुखदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
975	रामवती	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
976	ममतादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
977	रीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
978	सोनी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
979	नीलूदेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
980	मीनादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
981	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
982	रामप्यारी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
983	रामानन्द	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2

984	रमेशचंद्र	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
985	आदेश	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
986	जयपाल	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
987	लालाराम	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
988	सोनकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
989	उर्मिला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
990	बिटोली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
991	अफसाना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
992	कमला	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
993	जाकिर	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
994	मायादेवी	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
995	गायत्री	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
996	शेषकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2
997	मीना	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
998	चंद्रकली	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
999	संतोष	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	2	2	2	2	2	2	2	2
1000	शिवकुमार	1	1	1	1	**12**	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	**10**	2	1	2	2	2	2	2	2	2

प्र.सं. 26–29(9) तक में उत्तरदाताओं को प्राप्त अंक एवं योग का विवरण

अंक विभाजन–प्रश्न–26: कुल अंक–2(हाँ–1, नहीं–0), **प्रश्न–27**: कुल अंक–4(हाँ–1, नही–0), **प्रश्न–28**: कुल अंक–3(हाँ–3,नही–0), **प्रश्न–29**: कुल अंक–11(प्रति भागः हाँ–1, नही–0), **योग**=सभी प्रश्नों के प्राप्तांकों का योग,**प्रतिशत**=कुल अंकों में प्राप्तांको का अनुपात

क्रम	उत्तरदाता	कु	26	27	2	3	4	कु	28	29	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	1	कु	योग	प्रतिश
1	मुन्नीदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
2	शीतला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
3	सावित्री	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
4	अनीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
5	लाली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
6	मीरा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
7	कल्लो	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
8	सीमा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
9	कपूरी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
10	सीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
11	केला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
12	प्रीती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
13	सुखरानी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
14	पूजा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
15	रीना	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
16	विनीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
17	गुड्डी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89.
18	प्रीती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
19	रूबी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
20	सरला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
21	बसंती	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
22	सुनीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
23	सुशीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
24	जयंती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
25	बीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
26	मुन्नी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	92
27	पुष्पा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
28	अजीत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
29	रानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	191	95.5
30	ओमवीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
31	सरिता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
32	रिंकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
33	प्रकाश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	905
34	क्रिशना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
35	राजारा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
36	नूरमोहम्म	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
37	बचान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
38	अजय	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
39	राजो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
40	रसाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
41	अमरसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
42	रामबेटी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
43	मंजो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
44	संतोष	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
45	रामप्रकाश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
46	हरदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
47	रघुवीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
48	रीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
49	श्रीकृष्ण	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
50	भारतलाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
51	रामबेटी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
52	गिरजा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
53	धर्मेंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
54	रूपवती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	173	86.5

55	रामकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
56	धनदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
57	लज्जावती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
58	जयदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	905
59	मुन्नी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
60	जरीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
61	देवकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
62	राखी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
63	सिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
64	बहादुर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
65	रामबेटी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
66	सीमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
67	सुभाष	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
68	अंजू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
69	रंजीत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
70	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
71	श्यामदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
72	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	89.5
73	प्रेमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
74	सोनकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
75	जूली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
76	सिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
77	ममता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
78	रमेशचंद्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
79	रामबेटी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
80	रानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
81	राजेंद्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
82	शकुंतला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
83	राजेश्वर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
84	इन्दिरा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
85	रेशमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
86	श्रीओम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
87	मुन्नी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
88	कुसमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
89	नाजरीन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
90	रेनू	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
91	अजय	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
92	शायरा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
93	नफीसा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
94	नगमा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
95	सोनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
96	सुमन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
97	शाहना	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
98	रेखा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
99	रमेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
100	आशा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
101	गूजर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89
102	रामभजन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89
103	शिवराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
104	राजबाई	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
105	तेजराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
106	वीरू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
107	राकेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
108	शान्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
109	चन्द्रावती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
110	तुलाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
111	ज्ञानदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
112	सन्नो बेगम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89

113	सद्दीक	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
114	मीनाबेगम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
115	बानो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
116	राबिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
117	नबूदीबेगम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
118	फरज़ाना	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
119	गिरन्द	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
120	अनवरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	80.5
121	शम्मोबेगम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
122	जैनबबेगम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
123	मुस्तरी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
124	राजेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
125	शहमीदा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93.5
126	रज्जूखान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
127	नियाजबा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
128	साधनाबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
129	पप्पू शाह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
130	साईनबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	88.5
131	जनाब	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
132	मरजीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
133	आमनाबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
134	संजीदा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
135	अतीक	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	88.5
136	शैतानसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	88.5
137	बबली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
138	मोरपाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
139	राजेंद्रीदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
140	रूबीबेगम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
141	रूकशाना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
142	रेशमाबानो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
143	बिनीशा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
144	अतीकखां	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
145	मनोराबेग	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
146	जमीलखां	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
147	कुसुमलता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	88
148	शिवराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
149	जरीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	88
150	जुबेदाबानू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
151	मनोरमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
152	बबली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	88
153	गुड्डू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
154	रीना देवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
155	ममता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
156	कटोरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
157	स्नेहलता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	92
158	जगरूप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
159	संगीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
160	प्रेमा देवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
161	कमलेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
162	शकुन्तला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
163	सामलिया	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
164	गुड़िया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	88
165	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
166	कमला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
167	हरीश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
168	संतोष	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
169	रेखा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
170	राजेन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90

171	लाली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
172	ओमकार	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
173	जौहरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
174	निशा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
175	सुबाना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	91.5
176	मुनीशा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
177	सुमन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
178	बीरू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
179	सन्नो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
180	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
181	माया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
182	विक्रम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
183	शबाना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
184	रूबली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
185	सोनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
186	गुडिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
187	रूबी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
188	लालाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
189	मंजू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
190	जितेन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
191	बाबा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
192	जोगराज	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
193	मुकेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
194	नीलम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
195	मीरा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
196	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
197	शेरसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
198	आजाद	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
199	कमलेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
200	गिरन्दसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
201	शेरा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	172	86
202	रेखा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	173	86.5
203	विक्रम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	86
204	शारदा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
205	सरदार	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
206	रामबेटी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
207	रानी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	81.5
208	भीमसेन	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
209	लाली	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
210	खजानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
211	राजू	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	91.5
212	मो.ताहिर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
213	मुन्नी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
214	नूरजहाँ	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
215	श्रीकृष्ण	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
216	अंसार	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
217	इरफान	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
218	मदीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
219	श्यामदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
220	अनीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
221	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
222	ज्ञानदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
223	रामसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
224	कमलादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
225	अकबरी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
226	परवीन	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
227	कृष्णादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
228	ऊषा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5

229	फैमीदा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
230	नजमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
231	सीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
232	फूलमती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
233	राजबहादु	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
234	बाबूखान	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
235	रूपराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
236	बाबर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
237	कुसमादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
238	मीरा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
239	हजारी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
240	रूपसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
241	बिन्जी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
242	सुनीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
243	विटोली	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
244	मंगली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
245	रेशमा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
246	सौदरा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
247	सितारा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
248	सीमा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
249	गीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
250	कला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
251	निसारा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
252	लक्ष्मीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
253	रामप्रसाद	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
254	शीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
255	गुड्डी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
256	मीरा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
257	श्यामसुंदर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
258	प्रदीप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
259	राजकुमार	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
260	देवकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
261	रागिनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
262	अर्चनादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
263	रानीदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
264	रानीदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
265	चंपारानी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
266	हेमलता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
267	दिनेशकुमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
268	दिनेश्लाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
269	शहजाद	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
270	रहीसन	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
271	रघुवर	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
272	मीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
273	जरीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
274	बानो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
275	शकीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
276	गुडिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
277	सकीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
278	निर्मला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
279	रमेशचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
280	रूपलाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
281	ओमवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
282	लता देवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
283	राजकरन	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
284	लता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
285	तैय्यबअली	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
286	माजराबेग	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5

287	नूरसुभाबेग	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
288	कुंअरपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
289	नन्हीं देवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
290	संजीव	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
291	उर्मिला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
292	साबराबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
293	शहनाज	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
294	गुलशनबे	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
295	नफीसाबेग	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
296	आरजाबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
297	नसीरेजमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
298	सहानाबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
299	नूरसवाबेग	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
300	खुशनुमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
301	राजकुमार	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
302	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
303	रूपदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
304	गुच्छोवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
305	झबरा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
306	श्यामा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
307	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
308	रेखा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
309	अनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
310	रानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
311	राजा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
312	मनोज	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
313	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
314	बद्री	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
315	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
316	नीलू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
317	मल्लो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
318	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
319	संतरा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
320	सितारा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
321	माया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
322	लल्लूसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
323	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
324	रामकटोरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
325	किरन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
326	धूपराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
327	अनीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	89
328	माधुरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
329	सीमा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
330	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
331	सत्यप्रकाश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
332	अजय	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
333	गंगाधर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
334	श्याम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
335	सदानंद	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
336	रामतीर्थ	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
337	अवधेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
338	राजू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
339	इदरीश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
340	ईश्वरदया	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
341	मदनपाल	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
342	प्रीती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
343	सुदामा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
344	बीरेंद्रसिंह	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5

345	ऊषादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	173	86.5
346	पुष्पादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
347	मुन्नीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
348	महावीर	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
349	नेबूलता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
350	रूपदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
351	रेनू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
352	सोमवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
353	प्रेमवती	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
354	अर्चना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
355	रामस्वरूप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
356	शीलूदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
357	चंद्रवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
358	विद्यावती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
359	राकेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
360	संतोषी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
361	सोनादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
362	रीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
363	प्रीती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
364	सीमा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
365	सुखराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
366	रामबाबू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
367	रामदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
368	फूलमती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	89
369	फूलसिंह	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
370	दर्शनदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
371	लक्ष्मीदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
372	सुखदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
373	रामलली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
374	सीतादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
375	लक्ष्मीदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
376	रामवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
377	विद्यादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
378	श्रीकृष्ण	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
379	सुखदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
380	सरलादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
381	रामलक्ष्मी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
382	गंगादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
383	श्यामादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	89
384	नाजिया	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
385	प्रेमा देवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	89
386	हसीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
387	सीमाकुमा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
388	देवीश्री	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
389	सुनीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
390	बिट्टादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
391	पुष्पादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
392	रानीदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
393	तोताराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
394	बुद्धिलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
395	मुन्नीदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
396	हुस्नबानो	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
397	गोमती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
398	गंगाराम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
399	शिवरानी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
400	सावित्री	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
401	गंगादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
402	बच्चू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5

403	पप्पू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
404	विनोद	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
405	शैतान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
406	सुंदरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
407	रज्जो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	89
408	सोनिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
409	कप्तान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
410	डोली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	89
411	रामसिंह	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
412	सूरजदीन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
413	वीरपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
414	पप्पू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
415	ज्ञानदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
416	रामादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
417	रेशमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
418	रचना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
419	रामजीत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
420	वीरपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
421	धनदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
422	अच्छन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
423	वेदराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
424	रामादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
425	मुरीदन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
426	तेजपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
427	निर्मला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
428	जयदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
429	रानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
430	कमलेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
431	श्यामप्रका	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
432	कान्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
433	गीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
434	रीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
435	विजयसिं	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
436	सीमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
437	धीरेन्द्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
438	श्यामबाबू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
439	रैवारी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
440	सोनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
441	राधा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
442	हरभजन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
443	सुमन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
444	सरोज	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
445	सरिता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
446	सर्वेन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
447	हरीराम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
448	मुन्नी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
449	राममूर्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
450	अनीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
451	काशीराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
452	गौरादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
453	मंजो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
454	प्रदीप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
455	किशोर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
456	राजवीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
457	सरला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
458	प्रीती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
459	मीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
460	प्रदीप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90

461	हरबंश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
462	सुशीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
463	कुमोदनी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
464	मुन्नू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
465	रामप्यारी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
466	गंगादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
467	रामदर्शनी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
468	सेवारानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
469	अलउद्दीन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
470	वर्माजीत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
471	महेन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
472	बालकृष्ण	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
473	ममता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
474	सुरेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
475	कविता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	191	95.5
476	अनारकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
477	जयवीर	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
478	रानी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
479	गुड्डी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
480	पानकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
481	ऊषा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
482	प्रकाश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
483	महावीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
484	रामसिंह	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
485	शकुन्तला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
486	जगदीश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
487	रामदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
488	कमलेश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
489	शान्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
490	रोहताश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	189	94.5
491	घूंसूनाथ	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
492	बाबूखां	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
493	राजेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
494	नरायनी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
495	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
496	वेदराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
497	भूदेवनाथ	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
498	शिवदयाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
499	मौरनाथ	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
500	हेमलता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
501	किरन	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
502	सुधा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
503	प्रेमचन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
504	बालक	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
505	रेशमा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
506	बेंचेलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
507	कुसुम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
508	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
509	शकीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
510	रिंकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
511	अखिले	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
512	जगदीश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
513	अनूप	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
514	कान्ती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
515	लक्ष्मी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
516	मुन्नी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
517	रेशमा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
518	संगीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5

519	गंगा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
520	भारती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
521	मधू	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
522	पिल्लू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
523	राधेलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
524	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
525	शशी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
526	केशकली	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
527	रामदुला	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
528	गुडिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
529	ज्योति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
530	सपना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
531	संगीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
532	सुशीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
533	बच्चिया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
534	विक्की	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
535	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
536	राहुल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
537	मिल्ला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
538	सरोजनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
539	सीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
540	भूरे	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
541	विटान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
542	विमला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
543	सुरेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
544	ललिता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
545	बीजू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
546	जमुनाप्रसा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
547	इन्द्रवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
548	शिवकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
549	कान्ति	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
550	शकुंतला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
551	चमेली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
552	जानकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
553	ऊषा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
554	अवधेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
555	संजय	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
556	रीता	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
557	सज्जो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
558	मीनाबेगम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
559	अफशाना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
560	आशिक	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
561	जायदा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
562	सीमाबेगम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
563	नूरजहां	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
564	सुषमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
565	पुष्पा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
566	विनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
567	सुरेश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
568	अनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
569	रमेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
570	राजेन्द्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
571	बबलू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
572	वेदपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
573	राजेश्वरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
574	अवधेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
575	रामजीत	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
576	ज्ञानदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5

577	लता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
578	शान्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
579	विनोद	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
580	रेशमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
581	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
582	गिरन्द	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
583	गीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
584	उमा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
585	आरती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
586	गायत्री	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
587	कुन्तीदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
588	तारावती	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
589	गुड्डीदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
590	शकुंतला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
591	मौरश्री	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
592	मायादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
593	उर्मिला	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
594	राजबहादु	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
595	रिहाना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
596	उर्मिला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
597	शोभाराम	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
598	पुष्पा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
599	विनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
600	जहीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
601	सियादेती	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
602	सदाप्या	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
603	रामदुलारे	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
604	रिंकी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
605	छोटीबि	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
606	मनोज	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
607	हुल्लास	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
608	रामनाथ	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
609	बदलशेर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
610	शिवकुमार	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
611	सुरेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	172	86
612	विजय	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
613	अनीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
614	अनुपमा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
615	माया	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
616	मीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
617	द्रोपदी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
618	निसारखां	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
619	बीरेन्द्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
620	समीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
621	रजिया	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
622	अमीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
623	राधेश्याम	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
624	राजाराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
625	इड़ाखान	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
626	रीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
627	सत्यप्रका	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
628	मंजू	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	80.5
629	लक्ष्मी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
630	रामकिशो	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
631	मुन्नीबेगम	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
632	अलीमोह	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
633	केतुकी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
634	रामवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5

635	रामदास	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
636	सुरेशचंद्र	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
637	सूबेदार	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
638	रामआसरे	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
639	उपासना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
640	धनपाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
641	नन्हींदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
642	रामबेटी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	190	95
643	छोटेलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	170	85
644	फूलश्री	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
645	राजकुमार	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
646	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
647	रमेशचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
648	मौकिन्ना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
649	रमेशचंद्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	192	96
650	रामरानी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	173	86.5
651	मीनादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
652	सुमनदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
653	रामकरन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
654	गंगासिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
655	रामवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
656	रेखादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
657	धर्मपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
658	दयाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
659	कुसमदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
660	माधुरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
661	रामप्रकाश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
662	रेखा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
663	कंठश्री	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
664	धनीराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
665	भूरी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
666	राधिका	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
667	दिनेशचंद्र	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
668	रिहाना	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
669	इन्दूलाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
670	फूलनदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
671	राजेश	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
672	राजवती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
673	रामबेटी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
674	बचनलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
675	नन्हींदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
676	रामबेटी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
677	रामबेटी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
678	नीरा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
679	आकिल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
680	मुन्नीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
681	श्यामसखी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
682	रामचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
683	खुशनुमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
684	प्रमोद	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
685	सुंदरीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
686	श्यामा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
687	आशाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	89
688	रामदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
689	रामभजन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
690	लक्ष्मीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
691	ईश्वरदया	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
692	पूनमदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91

693	लक्ष्मीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
694	सोनपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	86.5
695	गंगासिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
696	रामनरेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
697	लालाराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
698	प्रेमावती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
699	सरोजदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
700	राजेंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
701	पुत्तूलाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
702	नन्हींदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
703	सुशीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
704	लक्ष्मीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
705	अफशाना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
706	हसीना	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
707	कालीचर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	173	86.5
708	रामनिवा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
709	मुन्नीबेगम	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
710	रामदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
711	नत्थूखान	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
712	शमशेर	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
713	मुन्ना	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
714	साहबअल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
715	राजेश	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
716	जसोदा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
717	मुन्नीबेगम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
718	राधेश्याम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
719	शान्ति	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
720	सवितादे	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
721	रामभजन	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
722	अतीक	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
723	प्यारी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
724	महिपाल	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
725	सुशीला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
726	सावित्री	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
727	मीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
728	कुंवरपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
729	भूमिराज	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	188	94
730	राजेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
731	तरूननिशा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
732	कांतीदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
733	सुल्तान	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
734	उमेशचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
735	भगवान	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
736	गुड्डीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
737	बाचाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
738	सुशीला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
739	रामवीर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
740	नरेशचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
741	प्रीतम	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
742	रामबेटी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
743	अजयसिं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
744	सावित्री	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
745	रूपवती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
746	महादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
747	प्रकाश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
748	रामभजन	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
749	हीरालाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
750	राजेन्द्र	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5

751	किशोरी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
752	तेजराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
753	लाडली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
754	गंगासहाय	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
755	गजरानी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
756	ममता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
757	बीरेन्द्र	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
758	नत्थूलाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
759	मायावती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
760	रक्षपाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
761	रामश्री	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
762	शकुंतला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
763	रामदयाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
764	मीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
765	राममूर्ति	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
766	संतोषी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
767	उर्मिला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
768	सुनीता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
769	रामरतन	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	172	86
770	सुमित्रा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
771	कल्लू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
772	सीतादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
773	श्रीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
774	चंदनदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
775	संगीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
776	सुधीरकुमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
777	रेखादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
778	चंद्रशेखर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
779	गीतादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
780	ललिता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
781	निहालमीर	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
782	राजेंद्रसिंह	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
783	अंजूदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
784	रबीन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
785	सुखरानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
786	फूलमती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
787	मूलवती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
788	निर्मला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
789	लक्ष्मण	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
790	कांतीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
791	बिन्दावती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	89
792	सिंहजी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
793	शोभा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
794	सुखदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
795	मुनासिब	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
796	बृजेश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
797	महेन्द्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
798	अनीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
799	जयदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
800	रन्जीत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
801	इस्लावी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
802	मनोज	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
803	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
804	सपूती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
805	नन्हीं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
806	ओमवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
807	बच्चूसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
808	मुन्नालाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88

809	मेनकादे	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
810	रामबेटी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
811	फकीरे	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
812	नीलम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
813	सुनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
814	अनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
815	नन्हीं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
816	पूजा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
817	रामबरन	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
818	रक्षपाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
819	सुनीता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
820	गुड्डू	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
821	फेरीलाल	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
822	रामबेटी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
823	पूजा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
824	शिवदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
825	ममता	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
826	हंसराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
827	ऊषा	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
828	रानी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
829	बिटोली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
830	रामपाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
831	संजीव	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
832	गुड्डू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
833	अनारकली	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
834	गुड्डीदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
835	खुशीरा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
836	छोटेला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
837	लीला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
838	सुखवसी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
839	बृजगुपाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
840	सुरेशसिं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
841	सर्वेश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
842	शरीफन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
843	मोरफली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
844	सोनपा	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
845	बतासो	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
846	किरन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
847	रीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
848	श्रीकांता	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
849	रामबेटी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
850	रामदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
851	दीनबानो	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
852	शबीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
853	प्रेमवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
854	इमली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
855	लौंगवत	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
856	ओमपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
857	किरन	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	187	93
858	दिनेशसिं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
859	पिंकी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
860	सावित्री	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
861	मिथलेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
862	मेवाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
863	प्रकाश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
864	उमादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
865	जयश्री	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
866	गुड्डी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5

867	वीरपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
868	उर्मिला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
869	रूकशाना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
870	पूनम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
871	कान्ती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	89
872	अनीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
873	कन्हैया	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
874	रामसखी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
875	उर्मिला	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
876	सोनेलाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
877	मुनेन्द्रसिं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
878	वीरवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
879	चन्द्रपाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
880	भूरेलाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
881	पृथ्वीराज	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
882	सीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
883	सरोज	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
884	मालती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
885	पप्पू	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
886	नन्हींदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
887	रामौतार	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
888	बिटियदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
889	सकीलन	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
890	शान्ति	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
891	उजागर	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
892	मंजू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
893	रामरतन	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
894	ज्ञानवती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
895	रामनिवास	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
896	अजयपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
897	तारावती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
898	बृजेंद्रसिंह	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
899	खजानादे	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
900	पातीराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
901	कमला	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
902	रामदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
903	जलदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
904	बुद्धालाल	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
905	सावित्री	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
906	रामदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
907	रेखादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
908	मरजीना	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
909	कृपतिदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
910	कांतिदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
911	मायादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
912	नन्हींदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
913	शांतिदेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
914	रघुवीर	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
915	कृष्णपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
916	प्रदीप	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
917	प्रीतमलाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
918	गुड्डी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	190	95
919	नफीसा	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
920	अनीश	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
921	रामप्रकाश	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
922	बाबूराम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
923	धनदेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
924	नंदराम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5

925	लज्जाराम	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
926	अनीशा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
927	पप्पू	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
928	कृष्णादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
929	पार्वती	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89
930	बालिस्टर	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
931	ऊषादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
932	हरनामसूर	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	174	87
933	रमेशचंद्र	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
934	रूपलाल	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
935	हरीराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
936	नुनाराबेग	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
937	मुन्नीबेगम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
938	गीतादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
939	सुरजन	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
940	राकेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
941	सतीश	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
942	भजनलाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
943	राजेश्वरी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
944	गीतादेवी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
945	सरोजनी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
946	बनवारी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	175	87.5
947	नीतादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
948	बीनादेवी	15	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
949	रानीदेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
950	मालती	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
951	प्रेमवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
952	रामादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
953	रतीराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
954	अनारसिं	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
955	तेजसिंह	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
956	कुसमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
957	मायादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
958	विजैलक्ष्मी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
959	सीता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
960	सरोजनी	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
961	कैलाश	16	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
962	सविता	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	183	91.5
963	सुखराम	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	176	88
964	कुसमा	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
965	सुमनदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
966	रामबेटी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
967	निर्मला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
968	बसंती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
969	लौंगश्री	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
970	मनीष	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
971	दयानंद	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
972	उर्मिला	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
973	जिलेदार	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
974	सुखदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	189	94.5
975	रामवती	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
976	ममतादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
977	रीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
978	सोनी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
979	नीलूदेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
980	मीनादेवी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
981	मीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
982	रामप्यारी	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89

983	रामानन्द	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
984	रमेशचंद्र	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
985	आदेश	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
986	जयपाल	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
987	लालाराम	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	178	89
988	सोनकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93
989	उर्मिला	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
990	बिटोली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
991	अफसाना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	181	90.5
992	कमला	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
993	जाकिर	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	177	88.5
994	मायादेवी	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
995	गायत्री	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	182	91
996	शेषकली	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	180	90
997	मीना	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	184	92
998	चंद्रकली	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	179	89.5
999	संतोष	18	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	185	92.5
1000	शिवकुमार	17	2	1	1	1	1	4	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	11	186	93

सेण्डलर का ए–परीक्षण सिद्धान्त के प्रयोग से प्राप्त परिणामों की तालिका

क्रम	प्रश्न–संख्या	Nकुल व्यक्ति	d.f. N–1	अंकोंयोग ($\sum n_1$)	मा. M_1	प्राप्तांकका यो($\sum n_2$	मा. M_2	अंतरयो ग($\sum D$	अन्तर वर्ग योग$\sum D^2$	$A=\sum D^2/(\sum D)^2$	A का मान
1	प्रश्न–1	1000	999	2000	2	1234	1.2	766	766	$A=766/766^2$	0.0013
2	प्रश्न–2	1000	999	12000	12	5620	5.6	6365	41535	$A=41535/6365^2$	0.0010
3	प्रश्न–3	1000	999	4000	4	2924	2.9	1076	1447	$A=01447/1076^2$	0.0012
4	प्रश्न–4	1000	999	4000	4	2505	2.5	1495	2557	$A=2557/1495^2$	0.0014
5	प्रश्न–5	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
6	प्रश्न–6	1000	999	1000	1	919	9.2	81	81	$A=81/81^2$	0.0123
7	प्रश्न–7	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
8	प्रश्न–8	1000	999	1000	1	883	8.8	117	127	$A=117/117^2$	0.0085
9	प्रश्न–9	1000	999	1000	1	752	7.5	248	248	$A=248/248^2$	0.0040
10	प्रश्न–10	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
11	प्रश्न–11	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
12	प्रश्न–12	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
13	प्रश्न–13	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
14	प्रश्न–14	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
15	प्रश्न–15	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
16	प्रश्न–16–(1)	1000	999	2000	2	1000	1.0	1000	1000	$A=1000/1000^2$	0.0010
17	प्रश्न–16–(2)	1000	999	2000	2	1000	1.0	1000	1000	$A=1000/1000^2$	0.0010
18	प्रश्न–16–(3)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
19	प्रश्न–16–(4)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
20	प्रश्न–16–(5)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
21	प्रश्न–16–(6)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
22	प्रश्न–16–(7)	1000	999	2000	2	1000	1.0	1000	1000	$A=1000/1000^2$	0.0010
23	प्रश्न–16–(8)	1000	999	2000	2	1173	1.3	827	827	$A=827/827^2$	0.0010
24	प्रश्न–16–(9)	1000	999	2000	2	1171	1.3	829	829	$A=829/829^2$	0.0012
25	प्रश्न–16–(10)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
26	प्रश्न–16–(11)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
27	प्रश्न–16–(12)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
28	प्रश्न–16–(13)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
29	प्रश्न–16–(14)	1000	999	2000	2	1000	1.0	1000	1000	$A=1000/1000^2$	0.0010
30	प्रश्न–17–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
31	प्रश्न–17–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
32	प्रश्न–17–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
33	प्रश्न–17–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
34	प्रश्न–18–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
35	प्रश्न–18–(2)	1000	999	1000		1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
36	प्रश्न–18–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
37	प्रश्न–19–(1)	1000	999	3000	3	1981	2.0	1019	2115	$A=2115/1019^2$	0.0020
38	प्रश्न–19–(2)	1000	999	3000	3	1572	1.6	1422	3240	$A=3240/1422^2$	0.0016
39	प्रश्न–20–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
40	प्रश्न–20–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
41	प्रश्न–20–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
42	प्रश्न–20–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
43	प्रश्न–20–(5)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
44	प्रश्न–20–(6)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000
45	प्रश्न–20–(7)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	$A=0/0^2$	0.0000

46	प्रश्न–20–(8)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
47	प्रश्न–20–(9)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
48	प्रश्न–20–(10)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
49	प्रश्न–20–(11)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
50	प्रश्न–21(अ)–1	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
51	प्रश्न–21(अ)–2	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
52	प्रश्न–21(अ)–3	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
53	प्रश्न–21(अ)–4	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
54	प्रश्न–21(ब)–1	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
55	प्रश्न–21(ब)–2	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
56	प्रश्न–21(ब)–3	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
57	प्रश्न–21(ब)–4	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
58	प्रश्न–21(ब)–5	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
59	प्रश्न–21–(ब)–6	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
60	प्रश्न–21–(ब)–7	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
61	प्रश्न–21–(ब)–8	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
62	प्रश्न–21–(ब)–9	1000	999	2000		2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
63	प्रश्न–21(ब)–10	1000	999	2000		2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
64	प्रश्न–21(ब)–11	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
65	प्रश्न–21(ब)–12	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
66	प्रश्न–21(ब)–13	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
67	प्रश्न–21(ब)–14	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
68	प्रश्न–21–(स)–1	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
69	प्रश्न–21–(स)–2	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
70	प्रश्न–21–(स)–3	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
71	प्रश्न–21–(स)–4	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
72	प्रश्न–21–(ब)–5	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
73	प्रश्न–22–(1)	1000	999	2000	2	1928	1.9	72	72	A=72/72^2	0.0002
74	प्रश्न–22–(2)	1000	999	2000	2	1997	2.0	3	3	A=3/3^2	0.3333
75	प्रश्न–22–(3)	1000	999	2000	2	1992	2.0	8	8	A=8/8^2	0.1250
76	प्रश्न–22–(4)	1000	999	2000	2	1900	1.9	100	100	A=100/100^2	0.0100
77	प्रश्न–23–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
78	प्रश्न–23–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
79	प्रश्न–23–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
80	प्रश्न–23–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
81	प्रश्न–23–(5)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
82	प्रश्न–23–(6)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
83	प्रश्न–23–(7)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
84	प्रश्न–23–(8)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
85	प्रश्न–23–(9)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
86	प्रश्न–23–(10)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
87	प्रश्न–23–(11)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
88	प्रश्न–23–(12)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
89	प्रश्न–24–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
90	प्रश्न–24–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
91	प्रश्न–24–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
92	प्रश्न–24–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
93	प्रश्न–24–(5)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
94	प्रश्न–24–(6)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000

95	प्रश्न–24–(7)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
96	प्रश्न–24–(8)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
97	प्रश्न–24–(9)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
98	प्रश्न–24–(10)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
99	प्रश्न–25–(1)	1000	999	2000	2	1970	2.0	30	30	A=30/30^2	0.0333
100	प्रश्न–25–(2)	1000	999	2000	2	1623	1.6	377	437	A=437/377^2	0.0309
101	प्रश्न–25–(3)	1000	999	2000	2	1554	1.6	444	888	A=888/444^2	0.0045
102	प्रश्न–25–(4)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
103	प्रश्न–25–(5)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
104	प्रश्न–25–(6)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
105	प्रश्न–25–(7)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
106	प्रश्न–25–(8)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
107	प्रश्न–25–(9)	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
108	प्रश्न–26	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
109	प्रश्न–27–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
110	प्रश्न–27–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
111	प्रश्न–27–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
112	प्रश्न–27–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
113	प्रश्न–28	1000	999	3000	3	3000	3.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
114	प्रश्न–29–(1)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
125	प्रश्न–29–(2)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
116	प्रश्न–29–(3)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
117	प्रश्न–29–(4)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
118	प्रश्न–29–(5)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
119	प्रश्न–29–(6)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
120	प्रश्न–29–(7)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
121	प्रश्न–29–(8)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
122	प्रश्न–29–(9)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
123	प्रश्न–29–(10)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
124	प्रश्न–29–(11)	1000	999	1000	1	1000	1.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
125	प्र.1–5कापरिणाम	1000	999	24000	24	14990	15.0	9610	905468	A=905468/9610^2	0.0098
126	प्र.6–15कापरिणा	1000	999	10000	1	9624	9.6	376	449	A=449/376^2	0.0032
127	प्र.16–कापरिणाम	1000	999	28000	28	23449	23.4	7361	47971	A=47971/7361^2	0.0885
128	प्र.17–कापरिणाम	1000	999	4000	4	4000	4.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
129	प्र.18–कापरिणाम	1000	999	3000	3	3000	3.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
130	प्र.19–कापरिणाम	1000	999	6000	6	3718	3.7	2202	6982	A=6982/2202^2	0.0014
131	प्र.20–कापरिणाम	1000	999	11000	11	11000	11.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
132	प्र.21–कापरिणाम	1000	999	46000	46	46000	46.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
133	प्र.22–कापरिणाम	1000	999	8000	8	7684	7.7	173	187	A=187/173^2	0.0062
134	प्र.23–कापरिणाम	1000	999	12000	12	12000	12.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
135	प्र.24–कापरिणाम	1000	999	10000	10	10000	12.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
136	प्र.25–कापरिणाम	1000	999	18000	18	17179	17.2	821	1779	A=1779/821^2	0.0026
137	प्र.26–कापरिणाम	1000	999	2000	2	2000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
138	प्र.27–कापरिणाम	1000	999	4000	4	4000	2.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
139	प्र.28–कापरिणाम	1000	999	3000	3	3000	3.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
140	प्र.29–कापरिणाम	1000	999	11000	11	11000	11.0	0	0	A=0/0^2	0.0000
141	प्र.1–29कापरिणा	1000	999	200000	200	180143	18.	19657	451380	A=451380/19657^2	0.0011

फर्रूखाबाद जिले में संचालित सरकारी योजनाओं के आवंटन की स्थिति[278]

योजना	आवंटन–लाभार्थी संख्या(ग्रामीण–क्षेत्र)							आवंटन–लाभार्थी संख्या(नगरीय–क्षेत्र)						
	बढ़पुर	कमाल	मोहम्म	कायम	शमशा	नबाब	राजेपु	फर्रूख	कमा	मोह	काय	शमश	कंपि	कुल
ग्राम वार्ड	49	98	83	76	76	57	78	37	12	15	25	12	10	**630**
बी.पी.एल	7702	20068	17594	15219	15700	12523	7687							**96293**
अंत्योदय	5112	4383	6695	4791	645	6695	5304	908	131	483	509	645	397	**37699**
बीपीएलरा	6252	8919	10437	7707	7715	10437	8757	1916	201	846	611	778	436	**60288**
दरिद्रराश	11364	13302	17131	12498	12497	9712	14061	2824	332	1329	1120	1373	833	**98287**
राशनकार्ड	20944	28391	30981	26730	18891	30981	29404	63146	2145	1939	3299	2354	1154	**242740**
समा.पेंश	2737	4504	4550	3801	3269	24967	3150	5716	327	328	697	623	408	**33086**
वृद्धापेंशन	2024	6251	7397	4793	4448	4262	3742	1701	56	184	180	68	111	**35217**
बेवापेंशन	2348	4229	3943	3396	2606	1702	2327	3503	121	124	435	226	7	**24967**
बिकलांग	1377	2637	2421	1559	1572	1307	1420	1933	143	124	143	62	56	**14854**
बि.पेंशन	1417	2659	2388	1570	1497	2320	1459	1858	122	152	142	65	61	**14727**
कुलपेंशन	8526	17643	18278	13560	11820	11260	10678	12778	626	788	1454	982	587	**107967**
शौचालय														
हाउहोल्ड	34496	43984	47229	51923	41080	42545	27311							**268568**
अच्छादित	2199	31669	19811	21037	18283	23356	12968							**148323**
अवशेष[279]	13297	20254	27418	22947	22797	19189	14343							**140245**
सफाईकर्मी	136	215	137	191	95	178	185							**1137**
आंगनबाड़ी	119	238	256	153	241	190	140							**1515**
इन्द्राआवा	2115	4660	6746	4641	7034	3448	3248							31892
सामान्य	1356	3122	4676	3125	5324	2201	2763							22567
अनुजाति	759	1538	2070	1516	1710	1247	485							9325
रा.म.लोहि														
2012–13														
लोहिग्राम	4	4	1	2	3	1	2							**17**
सामान्य	138	288	61	19	17	21	32							**478**
अनुजाति	44	11	22	20	5	0	7							**101**
2013–14														
लोहिग्राम	3	4	3	4	3	2	3							**22**
आवा.सा	34	72	156	101	200	269	192							**269**
आव.अजा	7	36	18	22	10	16	14							**133**
2014–15														
लोहिग्राम	4	6	3	4	3	1	2							**23**
काशीराम														
आ.बंधौआ								36						**36**
आ.हैवतपुर								1296						**1296**
टाउनहाल								168						**168**
प्रधानमंत्री														
आ.16–17	188	753	642	506	401	341	476							**3307**
आ.17–18	185	661	464	316	297	268	354							**2445**
अं.वि.रोज	भैंस 5		भैंस 9	1सा.म	1कपडे	10भैंस	32भैंस							**56**
विद्युतकने	1523	4049	228से	3792	140से	408से	633से							**4049**
ने.फै.लाभ														
आ.16–17														**115**
आ.17–18														**214**
हैंडपं.2014														
अजीतकठे														**100**
अशोकसि														**46**
जमालुद्दीन														**100**
नरेन्द्रयादव														**100**
रोमश्वरया	14	68	45	31	14	78	49							**303**
सतीशजाट														**31**
विजयसिंह														**100**
मनोजअग्र														**31**
विवेकबंसल														**1**
प्राइमरीस्कू	137	123	137	120	133	132	121	72	15	20	37	14	12	**1073**
जूनियरस्कू	77	158	119	151	143	88	136	79	13	9	31	10	4	**932**
माध्यमिक	20	13	20	7	8	16	8	20	8	9	10	2	1	**कुल256**
कृषि मंडी	77	158	119	151	143	88	136							**872**
पुलिसस्टे.		1				2	2	4	1	1	1	1	1	**14**
कृ.वि.बैंक	77	158	119	151	143	88	138							**872**

278 सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र,सीरीज–10,पार्ट 12–बी,अर्थ व संख्या प्रभाग,सेंसस हैंडबुक,डाइरेक्टोरेट ऑफसेंसस,ऑपरेशनउप्र

279 दैनिक जागरण हिन्दी समाचार पत्र, जागरण प्रेस, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, दिनांक 27.03.2017, पेज 7

फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों से प्राप्त तथ्य

उ. प्र. राज्य के जनपद फर्रूखाबाद की जनसंख्या 1885204 में 85% ग्रामीण जनसंख्या एवं 15% नगरीय जनसंख्या है जिसमें व्यापक दरिद्रता है। जनपद के दरिद्र एवं उनके आश्रित जीवन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं के अभाव में जीवन–यापन कर रहे हैं। दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों की कुल संख्या 100600 जिनमें 90475 ग्रामीण एवं 8500 नगरीय हैं। इन दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों की संख्या 2001 में बनी बी.पी.एल. सूची के आधार पर है जो आज भी लागू है। बी.पी.एल.सूची में फर्जी दरिद्रों की संख्या अत्यधिक एवं वास्तविक दरिद्रों की संख्या बहुत कम है। बी.पी.एल. एवं अन्त्योदय आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ दशकों से फर्जी दरिद्रों को मिल रहा है और वास्तविक दरिद्र लाभ से वंचित होकर दरिद्रता की मार झेलने को मजबूर हैं।

जनपद फर्रूखाबाद तीन तहसीलों में विभाजित है। इन तहसीलों के अन्तर्गत सात विकास खण्ड (513 ग्रामसभा) एवं छः नगर (117–वार्डस) हैं। वर्ष 2001 में जनपद की जनसंख्या 1385277 थी जो 2011 में बढ़कर 1885204 हो गई है। यदि वृद्धि दर यही 20% बनी रही तो 2040 तक जिले की जनसंख्या लगभग 37 लाख हो जाएगी। **जनगणना–2011** के अनुसार, जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग किमी. एवं जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति/कि.मी. एवं लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ एवं कुल जनसंख्या 1887577 (1007479 पुरुष, 880098 स्त्रियाँ) तथा जनसंख्या वृद्धि 2% वार्षिक है। कुल साक्षर जनसंख्या 1125457 (70.57%) में पुरुष 676067 (79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390 (60.51%) हैं। **फर्रूखाबाद तहसील** के विकास खण्ड– **बढ़पुर** की कुल जनसंख्या 164730 (88654 पुरुष, 76076 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 7702 है, **कमालगंज** की कुल जनसंख्या 777306 (145816 पुरुष, 131490 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 20068 है, विकास खण्ड **मोहम्मदाबाद** की जनसंख्या 259396 (138745 पुरुष, 120651 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 17594 है। **कायमगंज तहसील** के विकास खण्ड– **कायमगंज** की कुल जनसंख्या 225078 (120607 पुरुष, 104471 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 15219 है, **शमशाबाद** की कुल जनसंख्या 202229 (108229 पुरुष, 94070 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 15700 है, नबाबगंज की कुल जनसंख्या 165555 (88970 पुरुष, 76585 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 12523 है। **अमृतपुर तहसील** के विकास खण्ड– राजेपुर की जनसंख्या 186183 (100390 पुरुष, 85793 स्त्रियाँ) में दरिद्रों की संख्या 7687 है तथा **नगर क्षेत्र–** फर्रूखाबाद की कुल जनसंख्या 291374 (154776 पुरुष, 136598 स्त्रियाँ), **कमालगंज** की जनसंख्या 15471 (8248 पुरुष, 7229 स्त्रियाँ), **मोहम्मदाबाद** की जनसंख्या 24687 (13241 पुरुष, 11444 स्त्रियाँ), **कायमगंज** की कुल जनसंख्या 34484 (18135 पुरुष, 16249 स्त्रियाँ), **शमशाबाद** की जनसंख्या 28454 (14950 पुरुष, 13504 स्त्रियाँ), **कम्पिल** की कुल जनसंख्या 10271 (5477 पुरूष, 4804 स्त्रियाँ) है। जनपद में 98287 अन्त्योदय–बी.पी.एल. राशनकार्ड धारक (90472 ग्रामीण, 7811 शहरी) एवं 107967 असहाय पेंशनर्स (90740 ग्रामीण, 17234 शहरी) हैं।

प्रस्तुत शोध दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन–फर्रूखाबाद जनपद का एक अध्ययन है। इस अध्ययन में फर्रूखाबाद जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रो के दरिद्र व्यक्ति, जो दरिद्रता रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं, को लिया गया है। अध्ययन में चुनी 1000 इकाइयों की प्रतिदर्श सूची में ग्रामीण क्षेत्र के दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 700 तथा शहरी क्षेत्र

के दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 300 है, जिनमें ग्रामीण क्षेत्र के **विकासखण्ड**–बढ़पुर के 100 व्यक्ति, कमालगंज के 100 व्यक्ति, कायमगंज के 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 100 व्यक्ति, शमशाबाद के 100 व्यक्ति, राजेपुर के 100 व्यक्ति, नबाबगंज के 100 व्यक्ति हैं तथा नगर क्षेत्र के **नगर**–फर्रूखाबाद के 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद के 50 व्यक्ति, कमालगंज के 50 व्यक्ति, कायमगंज के 50 व्यक्ति, शमशाबाद के 50 व्यक्ति, कम्पिल के 50 व्यक्ति हैं। प्रतिदर्श सूची में वर्णित सभी धर्मो एवं जाति वर्गों के पुरुषों की संख्या 362 एवं स्त्रियों की संख्या 638 है। सम्पर्क के आधार पर चुने गए व्यक्तियों की सूची में वर्णित उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद फर्रूखाबाद के व्यक्तियों से अध्ययनकर्त्ता ने घर–घर जाकर सम्पर्क किया और उनकी स्थिति का अवलोकन कर सामान्य बातचीत की तत्पश्चात् उपरोक्त बातचीत एवं सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अर्द्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया। दो वर्ष तक फर्रूखाबाद जनपद के फर्रूखाबाद नगर के मोहल्ला दुर्गा कालोनी लोको रोड तथा आवास विकास में किराए के आवास में रहकर फर्रूखाबाद जनपद के सात **विकासखण्डों**–बढ़पुर, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, शमशाबाद, नबाबगंज, कायमगंज, राजेपुर की कुल 513 ग्राम सभाओं में से 317 ग्रामसभाओं तथा छः **नगरों**–फर्रूखाबाद, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, कायमगंज, कम्पिल, शमशाबाद के सभी 117 वार्डस में घर–घर जाकर (अन्त्योदय–बी.पी.एल. राशनकार्ड, वृद्धा, विधवा, बिकलांग, समाजवादी पेंशन सूची सहित) दरिद्र व्यक्तियों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया तथा साक्षात्कार–अनुसूची को तथ्यों का संकलन करने के लिए प्रयोग किया।

फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र और उनके आश्रित जिन महत्त्वपूर्ण समस्याओं का सामना करते हैं, वे हैं–(i) भर पेट भोजन का अभाव, (ii) मौसम अनुकूल वस्त्रों का अभाव, (iii) रहने के लिए आवास का अभाव, (iv) सामान्य स्वास्थ्य का अभाव, (v) शिक्षा और साक्षरता का अभाव, (vii) निरक्षरता, (vii) बेरोजगारी, (viii) ऋणग्रस्तता, (ix) बन्धुआ मजदूरी (x) बालश्रम, (xi) शोषण, (xii) भिक्षावृत्ति, (xiii) वैश्यावृत्ति, (xiv) बालविवाह, (xv) पूँजीवाद, (xvi) जातिवाद, (xvii) अस्पृश्यता, (xviii) मध्यपान, (xix) नशा, (xx) अन्याय, (xxi) भ्रष्टाचार तथा (xxii) प्राकृतिक आपदा।

जनपद के नगर क्षेत्र–फर्रूखाबाद के भडगड्डा, लकूला के कंजड, घोड़ा–नखास एवं तिर्वाकोटी के नट, मोहम्मदाबाद नगर के भडगड्डा, तकीपुर के कंजड एवं हबूडा, रोहिला के बंजारा, कायमगंज नगर के कुंजडा, कम्पिल नगर के मदारी तथा ब्लाक बढ़पुर के ग्राम कुबेराघाट एवं रामपुर के निवासी, ब्लाक शमशाबाद के ग्राम कासिमपुर–तराई के निवासी, रायपुर के नट, ब्लाक राजेपुर के ग्राम आसमपुर के निवासी, भावन के निवासी, कायमगंज ब्लाक के ग्राम शिवरई के काछी, ब्राहिमपुर के हरिजन, ब्लाक नबाबगंज के ग्राम बबना के हरिजन, मोहम्मदाबाद ब्लाक के ग्राम मुडगाँव के बेगा, खिमशेपुर के बेगा, बहेलिया, सिरौली के बेगा, ब्लाक कमालगंज के ग्राम महरूपुर के कंजड, जहानगंज के मुस्लिम, भडगड्डा आदि जीवन–यापन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं से वंचित हैं। ये दरिद्र और उनके आश्रित रोटी के लिए रोज अपना जीवन दांव पर लगाते हैं। यह कूड़े–कचड़े के ढ़ेरों में कबाड़ बीनते हैं, तालाब–गड्डों से मेड़क–मछली ढूँढ़ते है, खेत–वन में पक्षी–खरगोश पकड़ते हैं, बिलों में सांप निकालते हैं, कोल्ड में सड़े आलू बीनते हैं, भीख माँगते हैं और रूखी–सूखी रोटी से अपना तथा आश्रितों के पेट की भूख की आग मिटाते हैं। इनके आवास गन्दिगी के ढेरों, गन्दे नालों, तालाबों, गन्दिगी क्षेत्र में कीडे–मकोड़ों के बीच टूटी–फूटी झोपड़ियों में हैं जहाँ जहरीले

कीड़–मकोड़ों का प्रकोप है। कुत्ते, बिल्ली, बकरी, बन्दर, नांग, बिच्छू, गधे, खच्चर आदि परिवार के सदस्य के रूप इनके साथ रहकर इनकी आजीविका एवं सुरक्षा में साथ निभाते हैं। यह दरिद्र और उनके आश्रित शिक्षा एवं रोजगार सहित दरिद्र कल्याण योजनाओं तथा आरक्षण लाभ से जबरदस्त वंचित हैं। इनको मिलने वाले भूमि–पट्टे, आवास, राशन, नौकरी, सब्सिडी, लोन, आरक्षण सभी कुछ सक्षम एवं कर्मचारी हड़प रहे हैं। इन पर अपराधी का ठप्पा लगाकर दबंग इन्हें उत्पीडित कर बेगार कराते हैं और मादक द्रव्य, शराब आदि फर्जी मामलों फंसाकर जेल में डलवा देते हैं और स्त्रियों से शराब बिकवाते हैं। नौकरी में आरक्षण व्यवस्था होने के बावजूद इनकी बेरोजगारी देश–समाज के लिए बड़ी चुनौती है।

जनपद की तहसील अमृतपुर का विकासखण्ड राजेपुर एवं तहसील कायमगंज का विकास खण्ड कायमगंज एवं शमशाबाद तथा तहसील फर्रूखाबाद का विकासखण्ड बढ़पुर का तराई क्षेत्र बाढ़ प्रभावित हैं। यहाँ का जन–जीवन गंगा एवं रामगंगा नदियों की भयानक बाढ़ की चपेट में रहने के कारण अस्त–व्यस्त और व्यक्ति दरिद्रताग्रसित जीवन–यापन करने को मजबूर हैं। यह कैसी विडम्बना है कि, केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित योजनाएँ–दरिद्रता उन्मूलन एवं दरिद्रों के कल्याणकारी लाभ पर राष्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा व्यय होने के बावजूद दरिद्रता व भुखमरी में लगातार वृद्धि होती जा रही है। अधिकांश व्यक्तियों के रहन–सहन का स्तर निरन्तर गिरता चला जा रहा है। इससे भी अधिक दुःख की बात यह है कि धनाभाव ने न कितने ही व्यक्तियों को चिन्ता का शिकार बना दिया है, जिसका कुफल वे अपने स्वास्थ्य को खोकर या मानसिक एवं संक्रामक रोगों में ग्रस्त होकर भोग रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उन लोगों की संख्या कम नहीं है, जिनको धनाभाव के कारण न तो पेट भरने के लिए भोजन मिलता है, न तन ढ़कने के लिए कपड़ा और न रहने के लिए मकान। इन बदनसीब व्यक्तियों को हजारों की संख्या में फुटपाथों एवं गन्दे नालों के किनारे अपनी जिन्दगी के दिन गिनते हुए देखा जा सकता है।

जनपद के दरिद्रों की आजीविका के साधन खेतिहर मजदूरी, मजदूरी तथा जंगल, नदी, तालाब, खेतों, कूडे–कचरे से वस्तुएँ एकत्र कर श्रम बेंचते हैं। अधिकांश अपने आश्रितों सहित भट्टों, कोल्ड स्टोरेज, बीड़ी–जरदोजी–तम्बाकू कारखानों, होटलों, स्कूलों, आवासों, ढाबों, दूकानों में बन्धुआ श्रमिक के रूप में लगे हुए हैं और इनको मजदूरी कम दी जाती है।

फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की आय बहुत कम है। इतनी कम आय में औसत सदस्य संख्या 6 परिवार वाला व्यक्ति सन्तोषजनक जीवन–स्तर नहीं अपना सकता। यही कारण है उपभोग का स्तर इनमें अत्यन्त निम्न है। इनके भोजन में कभी रोटी और सब्जी तो कभी नमक रोटी, कभी सूखी रोटी और दूषित जल होता है और अधिकांश को भूखे पेट ही सोना पड़ता है। दरिद्रता के कारण बड़ी संख्या में दरिद्र और उनके आश्रित जरूरी वस्त्रों के अभाव में जीवन–यापन कर हैं। ये एक ही वस्त्र को महीनों पहनते हैं जिससे उनका शरीर गन्दी बीमारियों से ग्रसित रहता है। दीन–हीन या अत्यन्त दरिद्र एवं उनके आश्रितों के तन पर वस्त्र नहीं होते हैं, पहने गए वस्त्र जगह–जगह कटे–फटे और गन्दे होते हैं। दरिद्र व्यक्ति फटे–पुराने गन्दे वस्त्रों में जिनके बच्चे निःवस्त्र रहकर और टूटी खाट या भूमि पर गुदड़ी विछौने पर सोकर गुजर–बसर कर रहे हैं। लू–लपट एवं भीषण सर्दी से शरीर को सुरक्षित

रखने के लिए उनके पास जरूरी वस्त्र नहीं होते और सर, उदर, पैर खुले रहते हैं। भीषण गर्मी, सर्दी व लू–लपट में उनका तन सिकुड़ कर त्वचा झुर्रीदार और चेहरा काला पड़ जाता है। शरीर पर जगह–जगह दाग–धब्बे हो जाते हैं और पैरों में विमाई और छालों के बड़े–बडे घाव हो जाते जाते हैं। कचड़ा–कबाड़ बीनने एवं सड़कों पर घूमने वाले दरिद्र बच्चे नंगे पैर और फटेहाल स्थिति में दिखते हैं। मकानों के नाम पर अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के पास झोपड़ियाँ हैं अथवा एक–एक कमरे में कई–कई व्यक्ति–परिवार रहते हैं। अब तो मकानों की समस्या यहाँ तक जटिल हो गई है कि अनेकों परिवार फुटपाथ पर अथवा सड़क के आस–पास प्लास्टिक तानकर गुजारा करते हैं। न्यून एवं अपौष्टिक भोजन, तन ढकने को अपर्याप्त कपड़ा तथा रहने के लिए मकानों का अभाव इनकी दरिद्रता का द्योतक है। दरिद्रों के आहार में फल, दूध और सब्जियों का अभाव रहता है और व्यक्ति इन अपौष्टिक आहार के कारण स्वस्थ नहीं रह सकते। व्यक्तियों की स्वास्थ्यहीनता एवं उनकी दरिद्रता दोनों ने मिलकर एक चक्रव्यूह बना लिया है। चूँकि व्यक्ति दरिद्र हैं, अतः वे अस्वथ्य रहते हैं तो और अधिक दरिद्र हो जाते हैं।

फर्रूखाबाद जिले के दरिद्रों एवं उनके आश्रितों का जीवन बुरी तरह संकट ग्रसित है। भरपेट भोजन, पहनने के लिए स्वच्छ वस्त्र और रहने के लिए घर उनके सपने से भी परे है। उनके मन मस्तिष्क पर मौत का साया मडराता दिखाई देता है। उनकी भूख की तड़फ और दर्द का विलाप रहीसों को नाटक लगता है। उनका रक्त एवं काया व्यापारियों की आय के स्रोत हैं। लाचार का शिकार किया जाता है। शिकार अवसर पर ढ़ोल बजाकर उत्सव मनाए जाते हैं। अभिजन–व्यापारी दरिद्रों को ठीक उसी तरह शिकार बनाते हैं। जिस प्रकार बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है या सांप अपने अण्डों को स्वयं निगल जाता है।

फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों में आमतौर पर दो– दुर्गुण शराब पीना और जुआ खेलना हैं। इन दुर्गुणों का अनुचित लाभ उठाने से व्यापारी, धनी एव नेता कभी नहीं चूकते हैं। यह लोग दरिद्रों को कार्य में जुटाकर अधिक लाभ कमाने के लिए शराब बाँटते हैं, शराब की दावते करते हैं, शराब के लिए पैसे और कर्जा बाँटते हैं और किसी भी घटना को अंजाम देने के लिए शराब के नशे में चूर व्यक्ति से तरह–तरह के अपराध कराते हैं। यह लोग दरिद्रों से कोरे कागज पर अंगूठा लगवाकर उसके घर, मकान और जमीन हड़प लेते हैं। अधिकांश श्रमिक शराब पीकर घर आते हैं। अनेकों की सुबह शराब से ही शुरू होती है। अधिकांश शराबी अपनी कमाई शराब में उड़ाते हैं। पत्नी से शराब के लिए पैसे माँगते हैं। पत्नी बेचारी कहाँ से दे? पत्नी घर चलाने के लिए जीवन–संघर्ष करती है। पैसे न मिलने पर शराबी पत्नी से मारपीट कर उसके जेबर और बर्तन बेंचकर शराब में उड़ा देते हैं। बेचारी पत्नी तंग आकर या तो घर छोड़कर चली जाती है या आत्महत्या कर लेती है। माँ के अभाव में बच्चे अनाथ जीवन जीने को मजबूर होकर दर–दर भटकते हैं। शराबियों की वृद्धि में जिले के 44 वीयर, 185 देशी, 56 विदेशी ठेके विशेष योगदान कर रहे हैं।

जनपद के व्यापारी, उद्योगपति, राजनेता, नौकरशाह और उनके गुर्गे उत्पादन के साधनों (मशीन, मिल, कारखाना, व्यवसायों व सरकारी नौकरी वाले) के उद्भव के साथ–साथ के दो विराट वर्गों में बँटे हुए हैं। प्रथम वर्ग अल्पसंख्यक उन लोगों का है जिनका इन उत्पादन के साधनों पर अधिकार है, अर्थात् व्यापारी, उद्योगपति, नौकरशाह, नेता। दूसरा वर्ग समाज के

बहुसंख्यक श्रमिकों, बेरोजगार आदि का है जिनके पास पूँजीं या जीविका के अन्य साधन नहीं हैं उनके लिए जीवित रहने का एक ही मार्ग खुला हुआ है और वह है कि वे अपने आपको धनी के पास जाकर बेंच दें, अर्थात् अपने श्रम से उत्पादन कार्य में सक्रिय भाग लें और उसके बदले में कागजों पर नाम लिखें तथा वेतन के नाम पर खैरात कितना हेागा इसका निर्धारण श्रमिक नहीं, अपितु धनीवर्ग करता है। धनीवर्ग दरिद्रों की कमजोरियों को खूब जानता है और उसी के बल पर अपना स्वार्थ सिद्ध करता है। धनीवर्ग जानता है कि दरिद्र अपने श्रम और परिवार को भविष्य के लिए सुरक्षित करके नहीं रह सकता और न वह रातों–रात अपने को इतना संगठित या शक्तिशाली कर सकता है कि धनी लोगों से अपने श्रम का उचित वेतन का सौदा कर सके। फलस्वरूप धनी श्रमिक, बेरोगार, दरिद्रों से अत्यधिक मेहनत तो करवा लेता है और उसके बदले में नाम मात्र का वेतन खैरात के रूप में देता है, अर्थात् श्रमिक अपने श्रम से जितना मूल्य उत्पन्न करता है, उसका उचित हिस्सा श्रमिक को वेतन के रूप में नहीं देता है, वरन् उसका एक बहुत छोटा भाग श्रमिक को देकर अधिकांश भाग धनी–पूँजीपति स्वयं हड़प जाता है।

जनपद के 90–95% कृषक–मजदूर निरक्षर हैं। ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 85–95% स्त्रियाँ, 80–90% पुरुष, शहरी क्षेत्र में लगभग 80–90% स्त्रियाँ, 70–80% पुरुष अशिक्षित और निरक्षर मिले। दरिद्र बस्तियों में यह स्थिति और भी भयावह है जहाँ की अशिक्षा और निरक्षता 95–100% बनी हुई है। छात्र–छात्राओं, किशोरों, प्रशिक्षुओं एवं शिक्षा डिग्री–डिप्लोमा धारकों की शैक्षिक स्थिति में बड़ी अज्ञानता एवं निरक्षरता है। निम्न से उच्च शिक्षित बच्चों, किशोरों, छात्रों युवाओ को सूर्योदय–सूर्यास्त की दिशाओं एवं अक्षरों का ज्ञान नहीं है। अधिकांश नहीं जानते हैं कि वे किस जनपद–प्रदेश के निवासी हैं। लिखना–पढ़ना उनके वश की बात नहीं है। निरक्षरता और अज्ञानता उनके पतन की नियत बन चुकी है।

दरिद्र आलसी, अकुशल और समाज पर बोझ माने जाते हैं। इनको हर स्तर पर सताया जाता है, अपमानित किया जाता है एवं इनसे भेद–भाव बरता जाता है। इनका कोई प्रतिनिधित्व नहीं करता और वे शक्तिहीन होते हैं। इस कारण ये सदैव शक्तिशाली व्यक्तियों के आक्रमण और विद्वेष के निशाने बनाए जाते हैं। इन्हें निरक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सामूहिक शक्ति का अभाव होता है और जब कभी ये स्थानीय या लघु स्तर पर समाज के राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिक शक्तिशाली समूहों के विरुद्ध एक होने का प्रयत्न करते हैं तो उन लोगों को लगता है, कि उनके अधिपत्य को खतरा है, इस कारण दरिद्रों को कुचल दिया जाता है। इन्हें ऋणों पर ऊँची दर पर ब्याज देना पड़ता है। इन पर दोषारोपण किया जाता है। जिन कार्यालयों में ये जाते हैं, वहाँ इनकी ओर बहुत कम या बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जाता है। पुलिस तो सबसे पहले उन क्षेत्रों में जाती है जहाँ दरिद्र रहते हैं जैसे कि मात्र दरिद्र ही अपराध करते हैं। ये बिरले ही विश्वसनीय, भरोसे के और ईमानदार माने जाते हैं। इस प्रकार समाज के प्रत्येक स्तर पर प्रतिकूल रवैया इनकी आत्मछवि को गिराता है, इनमें हीन–भावना को जन्म देता है और अपनी सहायता के लिए साधन जुटने के प्रयत्नों पर रोक लगाता है।

जनपद में 2059 प्राथमिक विद्यालय, 961 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 1 केन्द्रीय, 1 नवोदय, 6 कस्तूरबा, 1 आश्रम पद्धति, 513 आँगवाड़ी–प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र सहित एडिड एवं स्ववित्त

पोषित आदि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र, प्रेरक, कार्यकत्री, सहायिका, अनुदेशक, कोआर्डिनेटर, शिक्षाधिकारी, रसोइया, सेवक, स्वीपर, लिपिक कार्यरत हैं। जिनके वेतन–भत्तों तथा छात्रों के लिए मिड–डे–मील, दूध, फल, बस्तों, ड्रेसों आदि पर राष्ट्रीय आय का बहुत बड़ा हिस्सा व्यय हो रहा है। इसके बावजूद स्कूलों में पढ़ाई न होने से कोई भी अपने प्रतिपाल्यों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है। प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों का पूर्णतया अभाव है। इन स्कूलों में जो छात्र पंजीकृत हैं उनमें अधिकांश या तो प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं या पूर्णतया निरक्षर हैं। इनमें कार्यरत लगभग सभी रसोइयों एवं पंजीकृत छात्रों के अभिभावकों में अधिकांश की निरक्षरता और अशिक्षा फर्रूखाबाद की साक्षरता की वास्तविकता उजागर करती है।

जनपद के लगभग सभी मजरों–वार्डों में बने बड़े–बड़े स्कूल भवन व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं। इन भवनों में पढ़ाई के अतिरिक्त सब कुछ देखने को मिल रहा है। यथा दावत के भण्डारे, पौणालिक स्थलों एवं पार्कों की भाँति बच्चों की उछल–कूद, शिक्षकों–रसोइयों के गुट–गपशप, फेरी व्यापारियों से खरीदारी, मोबाइल पर गेम्स एवं लम्बी वार्ता के नजारे दिखते हैं। कार्यरत अधिकांश शिक्षक ड्यूटी साइन करने के लिए यदा–कदा स्कूल आते हैं और बच्चों को पढ़ाए बिना चले जाते हैं। अनेक शिक्षक घर बैठे बिना शिक्षण कार्य वेतन लेकर राजनीति–व्यापार में सक्रिय हैं। अनेक शिक्षक अपनी जगह बेरोजगारों को अपने वेतन से कुछ पैसा देकर पढ़वा रहे हैं। मिड–डे–मील का बचा राशन बन्दर–बाँट कर घर ले जाया जाता है। जिससे सिद्ध होता है कि मिड–डे–मील व्यवस्था समाप्त होने पर छात्र जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा परन्तु प्रधान–शिक्षक व उनके परिजन भूखे रह जाएँगे।

आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन परिषदीय विद्यालयों में हो रहा है। इन केन्दों पर कार्यरत अधिकांश कार्यकत्रियां एवं पर्वेक्षक कोटेदारों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं रहीस परिवारों से हैं जिनका निवास सम्बन्धित गाँवों में न होकर अन्य गाँव–नगर में हैं और वे ड्यूटी पर नहीं जातीं हैं। उनकी जगह सहायिकाएँ उपस्थित खानापूर्ति करती हैं। फर्जी छात्रों का पंजीकरण, बच्चों–स्त्रियों को आहार–पुष्टाहार वितरण पूर्णतया फर्जी हो रहा है।

सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत पौढ़ शिक्षा के सभी केन्द्र परिषदीय स्कूलों में चल रहे हैं। इन सभी केंद्रों पर दो प्रेरक कार्यरत हैं। जिनमें अनेक रहीस व्यक्ति हैं जो निरक्षरों को न तो पढ़ाते हैं और न ही निरक्षरों को साक्षर बनाते हैं। साक्षरता परीक्षा फर्जी कराते हैं।

आश्रम पद्धति विद्यालय अनुसूचित एवं जनजाति के दरिद्र बच्चों के लिए है एवं कुछ सीटों पर दरिद्रों के बच्चों को भी प्रवेश दिए जाने का प्रावधान है। इस विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को आवासीय सुविधा सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। जिसका लाभ पात्र दरिद्रो के स्थान पर फर्जी दरिद्रों–अपात्रों को दिया जा रहा है। जबकि वास्तविक निरक्षर दरिद्र शिक्षा से वंचित हैं। इसी प्रकार जिले के सभी ब्लाकों में कस्तूरबा विद्यालय निरक्षर किशोरियों के लिए संचालित हो रहे हैं। इन विद्यालयों में आवासीय शिक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय में 100 छात्राओं को पंजीकृत कर शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। छात्रों

को गुणवत्तायुक्त शिक्षा, मानकीय शिक्षा एवं पंजीकरण की संदिग्धता इस आधार पर अति प्रबल है क्योंकि अधिकांश शिक्षक गायब या अपने घर से आते–जाते हैं।

मूक–बधिर केन्द्र पर कार्यरत अधिकांश स्थानीय शिक्षक शिक्षण कार्य में रूचि न लेकर अन्य व्यवसायों में सक्रिय बने हैं तथा अपंग छात्रों की शिक्षा व व्यवस्था रामभरोसे है।

जनपद में गैर पंजीकृत ईश्वरीय विश्वविद्यालयों का संचालन अवैध हैं। नरक, भूत–प्रेतों का भय एवं आत्मा–जीवन उद्धार का लालच देकर किशोर–किशोरियों–प्रौढ़ों को फंसाकर लाया जाता है। पूजा–पाठ के कर्मकाण्डों से जन–समर्थन प्राप्त किया जाता है एवं फंसे लोगों को रात्रि के अन्धेरे में इधर–उधर करके न जाने कहाँ ले जाया जाता है। यहाँ किशोरियों को चिड़ियाघर की भाँति रखा है तथा अपराध जगत में सक्रिय व्यक्ति को ईश्वर बताकर उनसे युवतियों का शोषण–संसर्ग उपरान्त विधवा जीवन व्यतीत करने हेतु बाद्ध किया जाता है। इनकी गतिविधियाँ व्यक्ति–समाज के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध हो रही हैं।

धार्मिक स्थलों एवं अल्पसंख्यकों के नाम पर संचालित स्कूलों में धर्म एवं शिक्षा का दुरूपयोग होकर छात्र–छात्राओं को अंधविश्वासों का अन्धानुकरण करने हेतु बाद्ध किया जाता है। दान–अनुदान एवं छात्रवृत्तियों को हड़पकर मठाधीश निजी लाभ कमाने में जुटे हैं। फर्जीबाड़े पर आधारित अधिकांश मदरसों की शिक्षा अति संदिग्ध एवं समाज विरोधी है।

पब्लिक स्कूलों में अध्ययनरत अधिकांश छात्र परिषदीय स्कूलों में पंजीकृत हैं और उनके माता–पिता सरकारी योजना का लाभ जैसे समाजवादी, विधवा, बिकलांग पेंशन सहित दरिद्र कल्याण हेतु बनी योजनाओं का लाभ लेकर सरकारी स्कूलों में नौकरी–अध्यक्षता कर रहे हैं। निजी स्कूलों के छात्र सम्बन्धित विचारणीय तथ्य यह है कि सरकारी स्कूलों की शिक्षा पूर्ण होने के बावजूद जब छात्रों को निरक्षर होना पड़ रहा है तो उन्हें पुनः पब्लिक स्कूलों में पढ़ना पड़ रहा है और बड़ी उम्र में भी वह निम्न शिक्षा पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से सम्बद्ध तथा मान्यता प्राप्त फर्रूखाबाद जनपद के एडिड एवं स्ववित्तपोषी कालेजों की अधिकांश प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य स्थानीय समुदायों के सामान्यजन, शिक्षाविद्, समाजसेवी, अभिभावक नहीं हैं और न ही विश्वविद्यालय एक्ट के अनुरूप हैं। शैक्षिक मानक प्रतिकूल प्रबन्धतन्त्रों के अध्यक्ष एवं सचिव सगे–सम्बन्धी यथा भाई–बहिन, पुत्र–पुत्री, पिता–माता, पति–पत्नी, सास–ससुर, बहू, भतीजे, साले–बहनोई, नौकर, मित्र, किराएदार, साझेदार, गैर–जनपदीय आपसी हितबद्व हैं। इन कालेजों के लोग शिक्षा को अपने निजी लाभ के लिए व्यापार की भाँति दूषित कर रहे हैं। सोसाइटी एक्ट–1856, उ. प्र. विश्वविद्यालय अधिनियम–1973 एवं शिक्षा अधिनियमों की जबरदस्त उपेक्षा कर एडिड एवं स्ववित्तपोषी कालेजों के प्रबन्धतन्त्र स्वःलाभ हेतु अपने सगे–सम्बन्धी भाई–बहिन, पुत्र–पुत्री, पिता–माता, पति–पत्नी, बहू, भतीजे, साले–बहनोई, नौकर, आपसी हितबद्वों को प्राचार्य, प्राध्यापकों, कर्मचारियों के पदों पर आसीन कर तथा कालेजों में शिक्षण कार्य कराए बिना छात्र–छात्राओं को मनचाही डिग्री का लालच देकर अवैध वसूली व धन उगाही एवं व्यक्तिगत लाभ कमाने में जुटे हैं। स्ववित्तपोषी कालेज 'नकल–ठेकों' एवं डिग्री बिक्री के आधार

पर संचालित हो रहे हैं। इनकी शिक्षा व्यवस्था एवं प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षण, कर्मचारी, लैब, लाइब्रेरी सभी अमानक हैं तथा छात्र–छात्राओं एवं बेरोजगारों से मनमाना धन वसूलने के बावजूद शिक्षण नहीं होता है। स्ववित्तपोषी कालेजों की मान्यता सम्बन्धी पत्रावलियों में औपचारिकतावश जो प्राचार्य, शिक्षक अनुमोदित होते हैं वह कभी भी कालेज नहीं आते हैं। इनमें अधिकांश अन्य कहीं वेतनभोगी व अन्य दूर–दराज क्षेत्र–प्रदेशों में नौकरी करते हैं या सेवानिवृत्ति हैं, जिन्हें वि. वि. द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह लोग प्रमाणपत्रों का वार्षिक किराया 50000–100000 अनेक कालेजों से वसूल करने के बावजूद किसी कालेज में पढ़ाने नहीं जाते है। इनके वेतन बैंक खातों में फर्जीबाड़ा है।

जनपद का डायट केन्द्र रजलामई में संचालित हो रहा है। केन्द्र के प्राचार्य एवं शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थी यदाकदा विद्यालय आते हैं। प्राचार्य के विद्यालय आने की सूचना मोबाइल पर सर्कुलेट होती है तभी स्टाफ–शिक्षक विद्यालय आते हैं।

शिक्षा बोर्ड, उच्चशिक्षा, टेक्नीकल, चिकित्सीय, विधि कालेज एवं शिक्षक प्रशिक्षण में शिक्षा–माफियाओं द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों को नष्ट कर प्रबन्धन एवं शिक्षण में फर्जीबाड़ा कर स्वलाभ कमाया जा रहा है। मानक विहीन समितियाँ धन के प्रभाव में विद्यालय संचालन की मान्यता लेकर भावी पीढी का भविष्य बर्वाद कर रहीं है। एडिड एवं स्ववित्तपोषी शिक्षण संस्थानों के प्रबन्धक कालेज सम्बद्धता–मान्यता पत्रावलियों में फर्जी, भ्रामक, अमानक तथ्यों–प्रपत्रों तथा शपथ–पत्रों में जोड–तोड कर और स्वयं मनमाने ढंग से सत्यापित कर फर्जीबाडा कर रहे हैं तथा बोर्ड–शिक्षा कर्मचारियों से साँठ–गाँठ एवं धन प्रभाव से मनचाही जाँच, साक्षात्कार, नियुक्ति के फर्जी प्रपत्र बनाकर पत्रावलियों में शामिल करा रहे हैं। जिसके माध्यम से शिक्षा विकास की योजनाओं की निधियों के घन को हड़प कर कालेज भूमि, भवन, चरागाहों पर जबरदस्त कब्जा कर प्रबन्धतन्त्रों के लोगों एवं उनके परिवारीजनों द्वारा शिक्षा–छात्र–बेरोजगार–समाज का हित बुरी तरह से प्रभावित किया जा रहा है।

जनपद के ग्राम प्रधानों–कोटेदारों में लगभग 60% प्रधान और इतने ही कोटेदार सम्बन्धित ग्रामों के निवासी नहीं हैं। यह जन्म से आज तक नगर निवासी हैं। इनके आश्रितों सहित इनकी रोटी–चौका घरेलू सभी गतिविधियाँ नगर तक सीमित होने के बावजूद गाँव के फर्जी वोटर बने हैं जिसके आधार पर फर्जी प्रमाण–पत्र व धन एवं संगठित अपराधियों के प्रभाव से ग्राम प्रधान पद हथियाकर ग्राम विकास की योजनाओं का धन हड़प रहे हैं। इनके द्वारा न तो खुली बैठकें करायी जाती हैं और न ही खुली बैठक–प्रस्ताव होते हैं। कोटे का राशन ब्लैक कर दिया जाता है तथा कोटेदार और सरकारी कर्मी इनसे जुड़कर दलाली हिस्सा तक सीमित हैं। इस प्रकार फर्जी दरिद्र सुख में एवं वास्तविक दरिद कल्याण लाभ विहीनता या मानक उपेक्षा के कारण बुरी तरह दरिद्रता ग्रसित हैं।

केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा असहाय–दरिद्रों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के अन्तर्गत दरिद्रों के लिए राशन, आवास, शौचालय, छात्रवृत्तियाँ, बीमा, अनुदान, निःशुल्क शिक्षा एवं इलाज, ब्याज छूट ऋण, कृषि अनुदान, निःशुल्क बोरिंग, हैण्डपम्प, पशु–चारा अनुदान, वृद्धा–विधवा–समाजवादी–विकलांग पेंशन, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गाण्टी, प्राथमिक

छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें, ड्रेस, मध्यान्ह भोजन, दूध, फल, शिक्षक, 0 से 6 वर्ष के बच्चों को पौष्टिक भोजन, दूध, खिलौने, स्वास्थ्य जाँच, स्कूल पूर्व की शिक्षा एवं महिलाओं के मातृत्व धारण करने के उपरान्त पैष्टिक भोजन, दूध, फल, स्वास्थ्य जाँच–चिकित्सा व गर्भवती को किश्तों में 6000 रूपए मुहैया करा रही है। जिसका दुर्पयोग और बन्दर–बाँट हो रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनपद फर्रूखाबाद के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दरिद्रों को पंजीकृत कर जिनको इन्दिरा–लोहिया–कांशीराम आवास, शौचालय, समाजवादी–विधवा वृद्धावस्था, बिकलांग पेंशन एवं अन्त्योदय–बी.पी.एल.राशन लाभ दिया जा रहा है। यह सभी अन्त्योदय कार्ड धारी एवं अधिकांश बी.पी.एल.पात्रता वाले तथा अधिकांश समाजवादी पेंशन धारक (लगभग 80–95%) अपात्र हैं जिनमें अधिकांश व्यक्ति–परिवारों के पास बड़े लेण्टर मकान, शहरों में हवेलियाँ, मोटरसाइकिल, कार, ट्रेक्टर, थ्रेसर, ट्यूबबेल, फ्रिज, कूलर, रंगीन डिस टी.वी. , कम्प्यूटर्स, गैस कनेक्शन, ट्रक, दूकान, धन्धे, उद्योग, व्यापार, नौकरी, भूमि, प्लाट्स, मिल, प्रतिष्ठान, पैतृक धन–सम्पत्ति आदि का स्वामित्त्व एवं सक्षम व्यक्ति–परिवार वाले हैं। अधिकांश **असहाय विधवा–वृद्धा–समाजवादी पेंशनर्स** के लड़के–लड़की शादी–शुदा एवं स्वयं **सम्पन्न व्यक्ति–परिवार** हैं। अनेक बिकलांग पेंशनर्स ऐसे हैं जो शारीरिक रूप से पूर्ण सक्षम या चोट लगने से शारीरिक अंगों में मामूली कमी (40% से कम) एवं पर्याप्त आय के बावजूद **पेंशन** धारक हैं और अनेक व्यक्ति अनेक पेंशनर्स बने हैं। इस प्रकार दरिद्रों के लिए बनीं कल्याण योजनाओं का लाभ दरिद्रों के स्थान पर फर्जी दरिद्र (रहीस) ले रहे हैं।

फर्जी दरिद्रों द्वारा बड़ी मात्रा में दरिद्रों का गेहूँ, चावल, तेल, चीनी, इन्दिरा–लोहिया कांशीराम आवास, जमीन–प्लाट पट्टा, उद्योग, बीमा, दान–अनुदान एवं राष्ट्रीय सम्मान हड़पकर गम्भीर वित्तीय अनियमितताएँ की जा रही हैं। नेताओं के परिजन सगे–सम्बन्धी और वेतन–भोगी अपनी पहुँच और विज्ञापन के प्रभाव में राष्ट्रीय एवं राजकीय पदक पाने में फर्जीबाड़ा कर सफल हो रहे हैं। सांसद–विधायक विकास निधियाँ एवं हैंडपम्प सार्वजनिक स्थलों के स्थान रहीसों के प्राइवेट स्कूलो, आवासों, प्लाटों, प्रतिष्ठानों में लगाए जा रहे हैं। सरकारी आवास, मार्ग, शौचालय निर्माण में घटिया ईंट लगाई जा रही है। सरकारी राशन की दूकानें दबंग रहीसों के पास विरासत रूप में संचालित होकर एक–दो दिन मासिक खुलकर कुछ लोगों को राशन देकर खानापूर्ति कर रही है तथा राशन–तेल बाजार में खुले आम ब्लैक में बिक रहा है। ग्राम सचिवालय, सहकारी संघ एवं स्वास्थ्य भवनों पर रहीसों ने ताले डालकर अवैध कब्जे कर लिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकांश केन्द्र–उपकेन्द्रों पर चिकित्सक की जगह फार्मासिस्ट, चपरासी, सफाईकर्मी मरीजों का इलाज कर दवाएँ बाँट रहे हैं और चिकित्सक यदाकदा स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर फर्जीबाड़ा कर रहे हैं। अधिकांश ग्रामों के सफाई कर्मी उच्च जाति–वर्ग के हैं जो बाल्मीक जाति के दरिद्रों को 100–200 रुपए दिहाड़ी मजदूरी देकर यदा–कदा सफाई करा देते हैं तथा वेतन का कुछ हिस्सा प्रधानों एवं ए.डी.ओ. लेकर इनकी फर्जी हाजिरी प्रमाणित कर बिना काम वेतन भुगतान करा रहे हैं।

जनपद के चिकित्सालयों एवं नर्सिंग होम्स की ट्रस्ट–समितियों के सदस्य– पदाधिकारी स्थानीय समुदायों के सामान्य जन, समाजसेवी, शिक्षाविद् नहीं हैं। चिकित्सा प्रबन्धतन्त्रों के पदाधिकारी–सदस्य चिकित्सकों के परिजन, सगे सम्बन्धी, आपसी हितबद्व तथा मानक प्रतिकूल

हैं। निजी चिकित्सालयों के लोग व्यापारिक वस्तुओं की भाँति चिकित्सा को प्रदूषित कर चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा एक्ट की जबरदस्त उपेक्षा कर रहे हैं। चिकित्सक स्वलाभ हेतु अपने परिजनों को प्रबन्धतन्त्र का सदस्य–पदाधिकारी, चिकित्सक, नर्स, कर्मचारी पद पर दिखाकर जनता से धन उगाही कर रहे हैं। सरकारी चिकित्सकों के निजी चिकित्सालय **दलाली, भ्रष्टाचार** एवं **अवैध वसूली** करने में जुटे हैं। इनकी सुविधाएँ, शुल्क चिकित्सा, चिकित्सक, नर्सिंग, कर्मचारी, ऑपरेशन, व्यवस्था एवं दवाइयाँ मानकहीन है। ये रोगियों से मनमाना धन तथा सरकारी कोषों से मोटी रकम वसूलने के बावजूद रोगियों को सही चिकित्सा नहीं देते हैं। निजी चिकित्सालयों एवं नर्सिगहोम अर्ह चिकित्सक–कर्मचारियों को मानकीय वेतन–भत्ते न देकर फर्जी कागजी खानापूर्ति करते है। सरकारी चिकित्सक सरकारी ड्यूटी से अनुपस्थित रहकर '**प्राईवेट चिकित्सा**' में संलिप्त हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों पर सुविधाओं का अभाव एवं दवा वितरण अमानक है। कर्मचारी नेतागीरी करते हैं। **परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र एव उपकेन्द्रों** पर कार्यरत कर्मचारी धन उगाही तक सीमित रहते हैं। **डॉ.राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय** 300 शैय्याओं का अस्पताल है एवं पुरुष, महिला, बाह्य, आन्तरिक विभाग, इमर्जेन्सी सामान्य एवं प्राइवेट पुरुष–महिला वार्ड हैं। इसमें चिकित्सकों के अनेक पद रिक्त हैं और कार्यरत अनेक चिकित्सक–कर्मचारी स्थानीय निवासी हैं और अधिकांश चिकित्सक व कर्मचारी निजी क्लीनिक–नर्सिंगहोम–दवाखानों में प्रक्टिस कर रहे हैं। सरकारी चिकित्सा उपेक्षा रोगियों की मृत्यु का कारण बनकर प्राइवेट चिकित्सा प्रोत्साहित कर रही है। **कै.कौशलेन्द्र चिकित्सालय** अव्यवस्थित होकर मरीजों को दवा वितरण कार्य चौकीदार के हवाले है। **टी. बी. अस्पताल** की सेवाएँ संतोषजनक नहीं हैं। ज्यादातर कर्मचारी स्थानीय एवं मशीनें पुरानी और खराब हैं। दवा–एक्सरे हेतु रोगी परेशान होते हैं। **आयुर्वेदिक और मेडिकल कालेज** शिक्षक एव शिक्षण हीन तथा अमानक प्रबन्धतन्त्र व्यक्ति विशेष के परिजनों की निजी आय तक सीमित है। **निजी–चिकित्सालय** अध्ययन से विमुक्त रहे लोगों द्वारा संचालित हो रहे हैं। इनकी अमान्य डिग्रियाँ से संचालित चिकित्सा की जाँच इनको स्वयं मरीज बनाती है। इनका इलाज आयुर्वेद के स्थान पर एलोपैथी एवं दवायें एम. आर. के प्रचार–प्रसार पर आधारित रहती है और मर्ज बढ़ाकर रोगियों को बाहर भेज दलाली लेते हैं। **नर्सिग–होम** चिकित्सकों के आवास या प्लाट पर बने हुए हैं। इनके कर्मचारी अप्रशिक्षित, अयोग्य, दलाल घरेलू नौकर हैं तथा इनके कर्मचारियों का वेतन कमीशन पर आधारित होता है। यह रेट–लिस्ट छुपाकर रोगियों से मनमानी धन उगाही कर रहे है। **दवाखाना** अस्पताल और नर्सिग होम स्वयं के व फार्मासिस्ट विहीन हैं। इनके कर्मचारी अनर्ह, अयोग्य एवं लाइसेंस किराए के हैं।

जनपद के रेलवे स्टेशन, प्राइमरी स्कूलों, कालेजों, चिकित्सालयों, बस–अड्डों, बैंकों, गल्ले की दूकानों, डाकघरों, पंचायतघरों यहाँ तक की जिला मुख्यालयों के प्रमुख कार्यालयों में जहाँ पर बड़ी की संख्या में जनता की भीड प्रतिदिन एकत्रित होती है, शुद्ध पेय जल का पूर्णतया अभाव है। यहाँ पर सार्वजनिक जलापूर्ति के नल एवं टैंक खराब एवं कीटाणुयुक्त हैं। सार्वजनिक हैण्डपम्पों के पास गन्दिगी से प्रदूषित जल का सेवन दरिद्रों की मजबूरी हो गई है। अधिकांश सरकारी हैण्डपम्पस में रहीसों ने समरसेबिल लगाए हैं। अनेक हैण्ड पम्प रिबार के नाम पर उखाड़कर बेंच लिए गए हैं। जिससे सामान्यजनों के लिए जलाभाव है। गंगाजल को प्रदूषित करने में नगर के गन्दे–सीवर नालों का जल, औद्योगिक कारखानों का गन्दिगी,

सामूहिक स्नान, मल विसर्जन आदि प्रमूख भूमिका निभा रहे हैं जिसके कारण गंगाजल की गुणवत्ता नष्ट होकर जन–जीवन के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध हो रहा है।

व्यक्ति धार्मिक पाखण्डों के मकड़जाल में फंसे हुए है। देव–स्थलों पर रखे पत्थर (प्रतिमाएँ) इनके लिए पूज्यनीय हैं। धार्मिक प्रवचन से वशीभूत मानव कुर्बान होते हैं। जेहाद के नाम पर नरसंहार होता है। कर्मकाण्डों में जीव बलि दी जाती है। पाखण्डी स्वयंभू ईश्वर के रूप में प्रतिष्ठित होकर भोग विलास में लिप्त हो रहे हैं। इनके ताण्डव नृत्य से साम्प्रदायिक स्वरूप देकर देश, समाज, व्यक्ति एवं व्यवस्थाओं को हिंसात्मक चिता में झोंका जाता है।

जब व्यक्ति के पास शक्ति या सम्पत्ति होती है तब समाज के राजनीतिज्ञ चालबाज व्यक्ति को वसीभूत करने के लिए लुभावने शब्दों के ढ़ोंग रचते है। उसे महिमा मण्डित कर उसका गुणगान करते हैं। प्रवचन करते हैं। पैरों पर अपना सिर रख एवं पैर पकड़ कर मत की भीख माँगते हैं। लोक लुभावने नाटक–लीलाएँ कर मतदान करने के लिए प्रेरित करते हैं। शंका होने पर डाकू–गुर्गों से चोरी, लूट, डकैती, अपहरण एवं नरसंहार की घटनाओं को अंजाम देने से नहीं चूकते हैं। फर्जी–अमानक एन.जी.ओ बनाकर सरकारी और असहाय जनता की भूमि, भवन, सम्पत्ति, चरागाह, स्कूल, कालेजों पर जबरदस्त कब्जा कर लेते हैं।

लोग नेतृत्त्व के लिए तरह–तरह का दिखावा करते हैं। कोई अपने को समाजसेवी कहता है, कोई पर्चा–बैनर छपवाता है, कोई रैलियों के मंच पर चढ़कर दहाड़ता है, कोई जनता के चरणों पर अपना सिर रखकर समर्थन की भीख माँगता है, कोई गरीब जनों के घर में घुसकर नमक–रोटी माँग कर खाता है और दरिद्र बच्चों को गोद में लेकर दुलारने लगता है। परन्तु ऐसा करने वाले लोग वास्तव में सामाजिक कार्यों में रूचि नहीं रखने वाले लोग होते हैं और न ही अपने से अधिक किसी अन्य का आदर बर्दास्त कर सकते हैं, बल्कि जनसेवा की दुहाई देकर एवं अपनी नेम–प्लेट्स में जनसेवक शब्द लिखकर एवं पार्टी झण्डा–बैनर लगाकर लग्जरी गाड़ियों में बैठ पुलिस–अधिकारियों पर जबरदस्त दबाव बनाकर सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का धन हड़प बन्दर–बाँट एवं तस्करी व्यापार संचालित करते हैं। इनकी वास्तविक आय के स्रोत अति दयनीय होने के बावजूद इनके पास अकूत धन–सम्पदा पाई जाती है। चुनाव काल में अपनी काली कमाई का कालाधन चुनाव में वोट खरीदनें के लिए प्रयोग करते हैं। चुनाव एजेण्ट एवं जाति विशेष के लोगों को शराब, खाना, उपहार, धन बाँटते हैं, तरह–तरह के प्रलोभन, वादे एवं घोषणाएँ करते हैं। खूंखार डकैतों और गिरोहबन्द माफियाओं को धन देकर विवादित लोगों के बीच संगीन घटनाओं को अंजाम देकर, विवादित लोगों को फंसाते हैं। बिरादरी को भड़काकर जलूस निकालकर दबाव बनाते हैं और संप्रदायिकता की समस्या उत्पन्न करके आपसी भाईचारा समाप्त कर देते हैं। चुनाव में खाना पैकट, धन, दहशत के प्रभाव से तथा रिश्तेदार एवं भाड़े के अपराधियों को एकत्रित कर फर्जी मतदान कराते हैं।

चुनाव परिणाम के उपरान्त असफल प्रत्याशी अगले चुनाव तक क्षेत्र से पलायन कर जाते हैं। चुनाव में सफल व्यक्ति राजधानी व नगरों में मकान खरीदते हैं और जब सरकारी योजनाओं का धन क्षेत्र को आवंटित होता है तो उस धन का बन्दर–बाँट करने, कागजी

खानापूर्ति एवं अपने लोगों में प्रभाव बनाए रखने के उद्देश्य से यदा–कदा क्षेत्र में घूमा–फिरी करते है। इन प्रवासों में अपने विरोधियों को लड़वाने एवं लुटवाने का षड़यन्त्र रचते हैं तथा पुलिस दलाली कर जबरदस्त अवैध धन उगाही करते हैं। सदन कार्यवाही में दबाव बनाकर अपना मोलभाव कर पद एवं सुख–सुविधाएँ प्राप्त करते हैं। व्यापारियों एवं पेशेवर अपराधियों को सुरक्षा गारण्टी का अश्वासन देकर उनसे मोटी रकम एवं सुविधाएँ वसूलते है।

जिले की आपराधिक घटनाओं का अवलोकन करने पर पता चलता है कि अधिकांश घटनाएँ क्षेत्रों की राजनीति से जुड़े दबंगों और संगठित अपराधियों द्वारा घटित की जाती हैं। यह संगठित अपराधी पुलिस और प्रशासन से सांठ–गांठ कर योजनाबद्ध ढंग से घटनाओं को अंजाम देते रहते है। इन आपराधिक घटनाओं में उन्हीं लोगों को शिकार बनाया जाता है जो सीधे और सरल स्वभाव के बाल, वृद्ध, गृहस्थ नर–नारी होते हैं। इन व्यक्तियों पर डाकू, लुटेरे, ठग और उनके गुर्गे तरह–तरह के प्रपंचों से अपना प्रभाव जमाते हैं। समाज के हितैषी बनने का ढ़ोंग करते हैं। व्यक्तियों की निकटता पाकर उनके परिवार की जासूसी करते हैं। परिजनों को नगरों की सैर और तीर्थ–भ्रमण कराते हैं। परिवार में विवाद कराकर उनके आपसी सम्बन्ध विच्छेद कराते हैं। उनकी सम्पत्ति को विवादित कराकर अपने संरक्षण में लेने की कानूनी प्रक्रिया सम्पन्न कराते हैं। राजनेताओं, अधिकारियों तथा कुख्यात लोगों के संपर्क से भय और दहशत उत्पन्न कर लोगों के मन–मस्तिष्क पर अपना जबरदस्त प्रभाव बनाते हैं। इस प्रकार लोगों की अपने ऊपर पूर्ण निर्भरता और मानसिक दासता पाकर उनकी सम्पूर्ण धन–सम्पत्ति का हरण कर लेते हैं। घटनाओं की चर्चा या विरोध या मुकदमा करने वाले व्यक्तियों का दबंग–अपराधियों द्वारा अपहरण कर लिया जाता है। उनकी माँ, बहिन, बेटी और पत्नी को अपनी हवस का शिकार बनाकर धन–सम्पत्ति लूट ली जाती है। वादी के सहयोगी और गवाहों की हत्या कर दी जाती है। घटित हो रही घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौका बारदात जाने से बचती है। डाकू–लुटेरे घटना को अंजाम देने के बाद गाँव–नगर के बाहर जाकर **'इधर गए, उधर गए'** कहकर शोर मचाते हैं। जिससे लोग एकत्रित होते हैं और बदमाशों की खोज का नाटक होता हैं। पुलिस के समक्ष पीड़ित पक्ष के आक्रोश पर पुलिस के लोग ऊल–जलूल तर्क देकर निर्धारित पुलिस कार्यवाही की उपेक्षा कर अपराधियों को बचाने का प्रयास करते हैं। अधिकारियों और न्यायालय के आदेशों पर कानूनी कार्यवाही उपरान्त मामलों में **'एफ.आर.'** लगाकर कार्यवाही समाप्त कर दी जाती है। यदि पीड़ित की ओर से कोई मुकदमा पैरवी की जाती है तो संगठित दबंग अपराधी और पुलिस के लोग बौखलाकर वादी को धमकाकर–मारपीट तथा अमानुषिक उत्पीडन कर फर्जी मामलों में फंसाकर जेल में डलवा देते हैं। न्यायालय सुनवाई के दौरान अपराध स्वीकार कराने हेतु दबाव डाला जाता है तथा अपराध स्वीकार न करने पर झूठी गवाही देकर सजा करवा दी जाती है।

जब पीडित पक्ष अपनी बात न्यायालय में प्रस्तुत करता है तो न्यायालय में जिस प्रकार की न्यायिक कार्यवाही होती है वह किसी भी प्रकार **'नैसर्गिक न्याय सिद्धान्त'** के अनुरूप नहीं होती है। न्यायालय में बैठे पेशकार और पैरोकार पक्षकारों से न्यायालय में ही धन लेकर तारीख पर तारीख लगाते रहते हैं। यदि पक्षकार पैसा देने से बचता है तो पूरे दिन न्यायालय के बाहर बैठाकर देर शाम बिना उचित कारण मामले में **'स्थगन'** देकर तारीख लगा दी जाती है या

पक्षकार को अनुपस्थिति दिखाकर बारण्ट जारी करवा दिया जाता है और अभियुक्त बनाकर जेल में डाल दिया जाता है।

जनपद में जिला पंचायत के अध्यक्ष का पद हरिजन महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। इससे प्रभावशाली सामाजिक वर्ग के अहं को ठेस लगी तो उन्होंने रास्ता खोज ही लिया। एक गैरजनपदीय निवासी जो फर्जी निवास पते के बल पर बी.डी.सी. चुनाव जीतकर भय एवं दहशत के बल पर ब्लाक प्रमुख भी बना है, ने अपने घर की नौकर की पत्नी दलित महिला को अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़वा दिया। चुनाव जीत जाने के बाद अध्यक्ष की मुहर, दस्तावेज, वाहन से लेकर अध्यक्ष के आसन तक सब कुछ एटा जनपद निवासी दबंग–यादव के नियन्त्रण में है। इस प्रकार जनपद की ग्राम सभाओं की प्रधान बनी महिलाओं के प्रधान की मुहर, दस्तावेज, बैंक खातों का संचालन उनके पति के नियन्त्रण में है। ग्राम प्रधान बने अधिकांश व्यक्ति नगर निवासी होने के बावजूद फर्जी ढंग से निवास–वोट बनवाकर धन–दबंगई के प्रभाव में चुनाव जीते हैं और ग्राम विकास योजनाओं का धन हड़प रहे हैं। जनपद के ब्लाक प्रमुख एवं नगर अध्यक्ष पदों पर आसीन व्यक्तियों की वास्तविक स्थिति का आकलन सामान्य व्यक्ति की क्षमता से परे है, जो कि सी. बी. आई. द्वारा सम्भव है। यह लोग सरकारी विकास निधियाँ अपने व्यक्तिगत कार्यों में व्यय कर रहे हैं।

सार्वजनिक एवं संवैधानिक पदों पर **वी.आई.पी.**के सगे–सम्बन्धियों व आपसी हितबद्ध लोगों को पदासीन किया जा रहा हैं। जिससे ऐसा लगता है कि राजनीतिक दलों के प्रमुखों और नौकरशाहों को सार्वजनिक एवं संवैधानिक पदों पर कार्य करने के लिए अपने परिजनों, सगे–सम्बन्धियों और गुगों के अतिरिक्त सभी भारतीय सामान्यजन पूर्णतया अयोग्य हैं। राजनीतिज्ञों की स्वार्थता–धृतराष्ट्रता के कारण अनेक पदों पर उनके सगे–सम्बन्धी मात्र ही पात्र बनकर पदासीन हो रहे हैं। ऐसी पदासीनता का प्रस्ताव व समर्थन ठीक उसी तरह दिख रहा है जैसे **किसी किन्नर नरेश के बन्दीजनों के द्वारा किया जाने वाला गुणगान।**

विकास के लिए पंच–वर्षीय योजनाएँ संचालित हैं। जिनके क्रियान्वयन एवं नियमित निगरानी हेतु स्तरीय अधिकारियों–कर्मचारियों के पद–उत्तरदायित्व निर्धारित है। कल्याणकारी योजनाओं के लाभ की पात्रता एवं आवेदन की स्वीकृत एवं धन आवंटन की औपचारिक प्रक्रिया निर्धारित है। इसके बावजूद दरिद्रों की उपेक्षा एवं रहीसों को दरिद्र योजनाओं के लाभ का आबंटन–समर्थन व रहीस–लुटेरों का फर्जीबाड़ा संगठित संगीन अपराध हो रहा है।

'जनसामान्य' के लिए बनी राष्ट्रीय विकास की योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन के अवलोकन के परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि लोकतान्त्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत साधारण के लिए बनी विकास योजनाओं का धन स्वार्थी, विध्ववंशक, नाशक, ठगों, रहीसों और संगठित अपराधियों की सुख–सुविधाओं तथा काली कमाई बन गए हैं। इस सम्बन्ध में निरीक्षण तथ्य यह बताते हैं कि दरिद्र, असहाय, निरीह, पीड़ित, दुःखी, वृद्ध, बीमारी ग्रसित लोगों की पुकार सुनने वाला कोई नहीं हैं और यदि कोई दरिद्रों की मद्द करने की चेष्टा भी करता है तो संगठित अपराधी उसे समूल नष्ट करने में कोई कसर बांकी नहीं रखते हैं।

कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटियों–निवासियों का वर्तमान स्वरूप

फर्रूखाबाद के शहरी दरिद्रों को आवास हेतु कांशीराम शहरी आवास प्रबन्धन, आवंटन और लाभार्थी के लिए जो मानकीय प्रावधान निर्धारित हैं उनकी उपेक्षा से राज्य–समाज पर अच्छे–बुरे प्रभावों के आकलन की आवश्यकता महसूस करते हुए मैंने कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटियों–निवासियों की स्थितियों तथा मानकीय प्रबन्धन की निगरानी के प्रदर्शित वर्तमान स्वरूपों पर कालोनियों का अवलोकन आवश्यक समझा है। इसी आधार पर मैंने **उ. प्र. के फर्रूखाबाद जनपद में कांशीराम शहरी दरिद्र आवास योजना के अन्तर्गत निर्मित 1500 आवासों जिनमें बंधौआ के 36, टाउनहाल के 168 एवं हैवतपुर गढ़िया के 1296 आवास है**, दि. 11–5–2017 से 12–7.–2017 के बीच सभी आवासों में जाकर दरिद्रों की स्थिति का **अवलोकन** किया एवं आवंटियों–निवासियों के परिवारों, प्रतिपाल्यों पड़ोसियों से वार्ता कर उनकी स्थिति एवं समस्याओं से सम्बन्धित ब्यान दर्ज किए तथा औपचारिक–अनौपचारिक माध्यम से विभागों एवं संस्थाओं से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर तथ्य संकलित किए। सरकारी आदेशों, संहिताओं एवं कांशीराम शहरी आवास व्यवस्थाओं का अध्ययन एवं अवलोकन से प्राप्त जानकारी के आँकड़ों पर विचार कर मैंने यह जानने का प्रयास किया कि क्या कांशीराम शहरी गरीब आवासों का आवंटन, आवंटी, निवासी, सुविधाएँ, प्रबन्धन, निरीक्षण, व्यवस्थाएँ आदि **मानक** युक्त हैं या नहीं।

फर्रूखाबाद जनपद के कांशीराम शहरी गरीब आवासों के अधिकांश आवंटी एवं निवासी फर्रूखाबाद नगर क्षेत्र या फर्रूखाबाद जनपद के मूल स्थानीय निवासी नहीं हैं और न ही कांशीराम शहरी आवासों के आवंटन में निर्धारित पात्रता के मानक अनुरूप है तथा योजना मानक प्रतिकूल अधिकांश आवंटी तथा निवासी पैतृक लेण्टर, जमींन, प्लाट, मोटर साइकिल, फ्रिज, कूलर, दूकान, नौकरी सहित चल–अचल सम्पत्ति के स्वामी हैं। इसके बावजूद इन आवंटियों एव निवासियों तथा गैर जनपदीय/प्रदेशीय/गैरक्षेत्रीय सक्षम लोगों ने अपने सगे–सम्बन्धियों के आवास में अपना पत्राचार पता लिखकर तथा मूल निवास सहित अपनी वास्तविक चल–अचल संपत्ति को छुपाकर अपने को फर्जी दरिद्र प्रदर्शित कर कांशीराम शहरी दरिद्र आवास आवंटन पाने में सफल रहे। इन आवंटियों में अनेक ऐसे भी हैं जिन्होंने पति, पत्नी, माता, पिता, भाई, बहिन, सास, बहू, लड़का आदि नाम से अनेकों आवास हासिल करने में सफलता पाई है। इन फर्जी दरिद्रों द्वारा लिए गए अधिकांश आवासों को मोटी रकम लेकर 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध को नोटरी कराकर तथा अपने नाम के आवंटन प्रपत्रों को देकर बाहरी व्यापारियों, नौकरी वालों, अपराधियों आदि को बेचा गया है, जिनमें बड़ी मात्रा में खरीददारी किए कब्जेदार अवैध रूप से निवासी बने हुए हैं। अधिकांश लगभग 80–90% निवासी ऐसे हैं जिनके पास उपलब्ध आवंटन प्रपत्रों को मनमाने ढंग से दलालों या संगठित पेशेवर अपराधियों द्वारा भर कर मोटी रकम लेकर दिया जाना प्रमाणित है। इस कार्य को संपादित करने वाले तहसील कर्मी, लोकवाणी केंद्र के मालिक, वकीलों एवं उनके दलाल, व्यापारी, नेता, एन.जी.ओ. संचालक, पत्रकार आदि निवासी बनकर अपराधिक गतिविधियाँ संचालित करते मिले या बताए गए। ताला बन्द आवासों के आवंटियों के बारे में पता चला है कि इन आवंटियों के निजी मकान हैं और वे अपने निजी मकान में सपरिवार रहते हैं एवं जब कभी यहाँ ऐस करने आते हैं। कुछ आवासों को किराए पर भी उठाया गया है। अधिकांश आवासों में कूलर, फ्रिज, हीटर, स्त्री, डिस, रंगीन टी.वी, इन्वर्टर, सोफे, कीमती बेड, मोटर साइकिल आदि का स्वामित्व सहित पैतृक मकान,

जमीन, प्लाट, सम्पत्ति नगर व गाँव स्थित हैं। कुछ बाहरी जमींदार लोगों ने डेरी–गाय–भैंस, दूकान, गैरेज व्यापार आदि से अतिक्रमण कर गन्दिगी फैला रखी है। आवासों में संचालित ज्ञानशाला स्कूलों का व्यापार सरकारी स्कूलों की शिक्षा एवं दरिद्रों के लिए घातक है। इनकी दहशत एवं उपद्रव से वास्तविक दरिद्र बुरी तरह से प्रभावित व उत्पीड़ित हो रहा है।

कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों में फर्रूखाबाद नगर के दरिद्रों यथा भडगड्डों, भिखारियों, कंजडों, जोगियों, नटों, असहाय विधवाओं, असहाय विकलांगों का अभाव एवं अपात्रता से शहरी दरिद्र आवास योजना एवं उसके उद्देश्य नष्ट हो रहे हैं। शहरी दरिद्र आवासों का विक्रय, अवैध कब्जा, अवैध व्यापार, अपराधिक गतिविधियाँ, अराजकता, फर्जी दरिद्र बने रहीसों का कब्जा, अवैध वसूली से विकास योजनाएँ बुरी तरह प्रभावित हो रहीं है। सरकारी योजनाओं के आवंटनों में दरिद्रों की उपेक्षा एवं शोषण हो रहा है। सरकारी योजनाओं का संचालन फर्जी दरिद्रों, नेता, दलालों और सम्बन्धित अधिकारियों के लिए भारी वित्तीय लाभ का व्यवसाय बन गया है।

निरीक्षण–जनसम्पर्क सहित संलग्नक निरीक्षण–तालिका के निष्कर्ष स्वरूप प्रमाणित है कि कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटियों–निवासियों में लगभग 80–90% मानक प्रतिकूल एवं अपात्र हैं और फर्जी दरिद्र बन फर्जी प्रपत्रों से आवास कब्जा धारक बने हुए हैं तथा मानक अनुरूप पात्र दरिद्रों का अभाव है। उ.प्र. के अन्य जिलों में कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटनों एवं निवासियों की ऐसी ही स्थिति की पूर्ण संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता है।

तालिका–1

फर्रूखाबाद जनपद के कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के निर्मित भवनों एवं उनके निवासियों की स्थिति

क्र	योजना	स्थल	कुलब्लाक	ब्लाक आवास	निरीक्षित आवास	आवंटीस्थिति	निवासियोंकीस्थिति	विशेष निष्कर्ष
1	शहरीगरीबआवास	हैवतपुर	81	16	1296	लाक/बेंचपलायन	क्रयकरअवैधकब्जे	80–90%अपात्र
2	शहरीगरीबआवास	टाउनहाल	14	12	168	लाक/बेंचपलायन	क्रयकरअवैधकब्जे	70–85%अपात्र
3	शहरीगरीबआवास	बंधौआ	3	12	36	लाक/बेंचपलायन	क्रयकरअवैधकब्जे	75–80%अपात्र
क	शहरीगरीबआवास	फर्रूखाबाद	98	4तल/3तल/3तल	1500	लाक/बेंचपलायन	क्रयकरअवैधकब्जे	75–87 अपात्र

तालिका–2

निरीक्षण–जनसंपर्क अनुसार, फर्रूखाबाद जिले के काशीराम शहरी गरीब आवासों के निर्मित भवनों व आबंटियों की स्थिति

क्र	योजना	आवाय	ब्लाक	आवासआवंटियोंकी वर्ग स्थिति अज्ञात सामा.पिछडे अनु जजा.	आबंटियोंकी धर्म स्थिति हिंदू मुस्लि सिख ईसा	आबंटियों की जाति स्थिति
1	शहरीगरीबआवास हैवतपुर गढ़िया	1296	81	212, 536, 437, 95, 06	964, 329, 02, 01	**अनु**.धो.9,बा.4,कठे17,कसई6,पासी1,जाट66,कंज7,नट1 **पिछडा**अहीर8,बढई15,कहार110,कुर्मी1,लोधी21,तंबोली 14,भुर्जी,26,पाल12,पट1,तेली12,काछी28,नाई27,चिक1 ,माली1,कुंहार24,मला1,लु.2,धुनह18,मनि14,फकी9,रंगे6 **साम**ठाकुर12,कुश2,पमार2,चौह13,रठौर11,सोम2,भदौ4, शुक्ल15,दुबे16,तिवरी16,मिश्र35,दीक्षत1,पांडे4,पंडित26 ,पाठ1,चौबे2,जोशी2,अवस्थी2,बाज3,अग्निहोत्री3,गौड2, वैश्य50काय21,सुनार39,शिया2,खान13,शेख11,बवर्ची2, मिसी1,मिर्जा6,हलवई4,पठान129,सिद्दीक6,दर्जी4सुमी1, सैयद19,उस्मा1,अंसार50,हास्मी3अब्बास4**सिख1ईस1**
2	शहरीगरीबआवास टाउन हाल	168	14	16, 7, 40, 103, 02	164, 04, 00, 00	**अनु**.धोबी5,बाल्मी7,कठे9,कोरी17,,जाटव64,कंज1,नट4 **पिछडा**खटिक1,बढई3,काछी3,लोधी3,भुर्जी1,कहार22,कु र्मी1,नाई4,अहीर1,अज्ञता7जिनमें1पिछडा,1अनुसूचित **सामान्य** पंडित1,ठाकुर1,सुनार1,पठान4,**शेषविवरणनहीं**
3	शहरीगरीबबधौआ	36	3	27, 0, 0, 09, 00	9, 00, 00, 00	**अनुसूचितजाति** 9, पिछडा 0, सामान्य 0, **अज्ञात**–27
	कुल गरीबआवास	1500	98	255, 543, 477, 206, 08	1141, 00, 02, 01	**अनुजा.**206, **पिछ**.477,**सामा.**543,**जनजा**.8,**अज्ञात 255**

तालिका–3

निरीक्षण–जनसंपर्क अनुसार, कांशीराम शहरी दरिद्र आवास फर्रूखाबाद–नगर के भवनों में वर्तमान निवासियों की स्थिति

क्र	स्थल/विवरण	बंघौआ–फतेहगढ के आबंटी एवं निवासियोंकी स्थिति	टाउनहाल–रकाबगंज–फर्रूखाबाद के आबंटी एवं निवासियों की स्थिति	हैवतपुर गढ़िया आबंटी एवं निवासियों की स्थिति	कुल योग
1	कुल आवास	36	168	1296	1500
2	कुल ब्लाक	3	14	81	98
3	प्रत्येक तलीय आवास	4	4	4	4
4	भवन की मंजिलें	3	3	4	3/4
5	आवंटी–निवासी विवरण मिला	9	152	1081	1145
6	आवंटी–निवासीविवरणनमिला	27 (लाक)	16 (लाक)	212 (लाक)	255 (लाक)
7	आबंटी–निवासी सामान्य वर्ग	0	7	536	543
8	आबंटी–निवासी पिछडा वर्ग	0	40	437	477
9	आबंटी–निवासी अनु.जातिवर्ग	9	103	95	207
10	आबंटीनिवासीअ.जन.जातिवर्ग	0	2	6	8
11	आबंटी–निवासीअज्ञातजातिवर्ग	27 (लाक)	16 (लाक)	212 (लाक)	255 (लाक)
12	आबंटी–निवासी हिन्दू मिले	9	152	964	1125
13	आबंटी–निवासी मुस्लिम मिले	0	4	329	333
14	आबंटी–निवासी सिख मिले	0	0	2	2
15	आबंटी–निवासी ईसाइ मिले	0	0	1	1
16	ताला बंद मिले अवास	27	39	349	415
17	आबंटीद्वाराबेचेगए सर.आवास	अज्ञात	41 (स्वीकृतकथन)	185 (स्वीकृतकथन)	226
18	झोपडी डालकर अवैध कब्जा	0	13	11	24
19	पशु–डेरी व्यापार–अतिक्रमण	1	1	3	5
20	गैरेज,दूकान,तोड़फोडकरकब्ज	1	14	15 प्लस	30 प्लस
21	आवासों में कुत्ता पालन केंद्र	0	1	0	1
22	आवाज्ञानशालास्कूलकोरेंटपर	0	0	5	5
23	आवासमेंब्यूटीपार्लर व्यापारकेंद्र	0	3	2+	5+
24	सरकारीप्राइमरी/जूनियरस्कू	अभाव	अभाव	अभाव	अभाव
25	सरकारीस्वास्थ्यमातृ सुरक्षाकेंद्र	0	0	0	0
26	आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन	नहीं मिला	नहीं मिला	नहीं मिला	0
27	समिति–प्रशासनिक निगरानी	उपेक्षा	उपेक्षा	उपेक्षा	उपेक्षा
28	राशन कोटा–वितरण दूकान	अज्ञात	अज्ञात	यदाकदाखुलती–अनियमित	अनियमित
29	पुलिससुरक्षाकेंद्र/पुलिसचौकी	उपेक्षा	उपेक्षा	कर्मचारी विहीन पुलिस चौकी	उपेक्षा
31	उपभोक्ताओंद्वाराराशनउपभोग	संदिग्ध	संदिग्ध	तेल–अनाज व्यापारी को बेंचते	दुरुपयोग
32	आवंटी,निवासीकीवर्तमानस्थिति	अधोलिखित	अधोलिखित	अधोलिखित	अधोलिखित
33	(1) अन्य राज्यों के निवासी	0(27विवरण अज्ञात)	5	अनेक(पत्नीमाइके,फजी पतेपर	अधिकांश
34	(2) अन्य जनपदों के निवासी	0(27काविवरणअज्ञात)	15	44+ (पत्नीमाइके,फजी पतेपर	अधिकांश
35	(3)अन्यनगर–क्षेत्र के निवासी	0(27काविवरणअज्ञात)	19	29+(पत्नीमाइके,फजी पतेपर	अधिकांश
36	(4)जनपदके ग्रामों के निवासी	7(27काविवरणअज्ञात)	5	33+(पत्नीमाइके,फजी पतेपर	अधिकांश
37	(5)आवंटी एन.जी.ओ.संचालक	0	0	9	9+
38	(5) आवंटी धनी परिवार			17	17
39	(6) आवंटी होमगार्ड जवान		2	2	4
41	(6) शराबी–उपद्रवी			2	2+
42	(7) आवासों कादुरुपयोगकरते		12	271	283+
43	(8)आवंटी स.रादूकानकोटेदार			1	1
44	(9) बाहरी व्यक्ति		43+	141+	184
45	(10) बडे रहीस/रहीस		9+	113	122
46	(11) सरकारी शिक्षक		3	4+	7+
47	(12) विद्युत कर्मी नौकरी			2+	2
48	(13)फ्रिज,कूल,डिस,मो.सा.गैस	6	अधिकांश निवासी–परिवारों के पास	173फ्रिज,46कूलरखुलेमेंरखेमिले	60से90प्रकेघर
49	(14) स्वास्थ्य विभाग चपरासी	1		सी.एम.ओ.फर्रू,1, अस्पताल 1	3
50	(15) ग्रामसभा के सफाईकर्मी		3		3
51	(16) सभासद की माता–पिता		1सभासद का बेटा	1+ (भाई–परिजन आदि)	2+भाईआदि
52	(17) पैतृक लेंटरमकानस्वामी	5(27काविवरणनहीमि	10	6	21
53	(18) प्राईवेट नौकरी	2	37	7	46
54	(19)डबलआवंटन/अनेकआवा			32	32+
55	(20) सक्षम परिवार	2	5 के लडके सक्षम	228	235+
56	(21) अति संदिग्ध व्यक्ति			4	4
57	(22) दूकानदार/व्यापारी	1	49	22	72
58	(23) भोग विलास की वस्तुएं		डिस,रंगीनटी.वी.आदि अधिकांशघरमें	डिस,रंगीनटीवीआदिअधिकांशघर	अधिकांशघरमें
59	(24) व्यापार केन्द्र			7	7
60	(25)आबंटीनिवासीकेफर्जीप्रपत्र		अधिकांश	स्टांप,फोटोस्टे,नोटरी,वोटरकार्ड	अधिकांशप्रपत्र
61	(26) अपराध/अराजक केंद्र			2	2
62	(27) नाबालिग को आबंटन			1 जिसके माता पिता सक्षम	फर्जीबाडा

63	(28) नर्स–कंपाउडर			3	3
64	29)आंगनबाड़ीकार्यकत्री/सह		3	2+	5+
65	(30) फर्रूखाबाद नगरमेंलेंटर		31+	192	213+
66	(6) आवासों पर अवैध कब्जा		42+	289+	331+
67	(6) गांवोंमेंजमीन,मकान,संपत्ति	4	7	33+	44+
68	(6) निजी टेंपो मालिक		3	19	22
69	(6) दरिद्र–असहाय		1भिखारी,6मजदूर,1मूक,3अन्य,1असहाय	45	57
70	(6) ठेकेदार/राजनेता		1नगरपालिका फर्रूखाबाद में ठेकेदार	बीएसपी.,सपा के अध्यक्ष आदि	फर्जीगरीबबने
71	(6) पत्रकार/दलाल	1मुंशीकचहरीफतेहग	1 पत्रकार,अनेक दलाल, तहसीलमुंशी	फौजी,6पत्रकार,1आरटीओआ,मुशी	10+
72	(6) सरकारी नौकरी	1समाजकल्याणविभा	2 उत्तर प्रदेश पुलिस	1डूडा विभाग फर्रूखा.मेंचालक	4

मानचित्रः कांशीराम शहरी दरिद्र आवास हैवतपुर गढिया, जनपद फर्रूखाबाद,उ.प्र.[280]

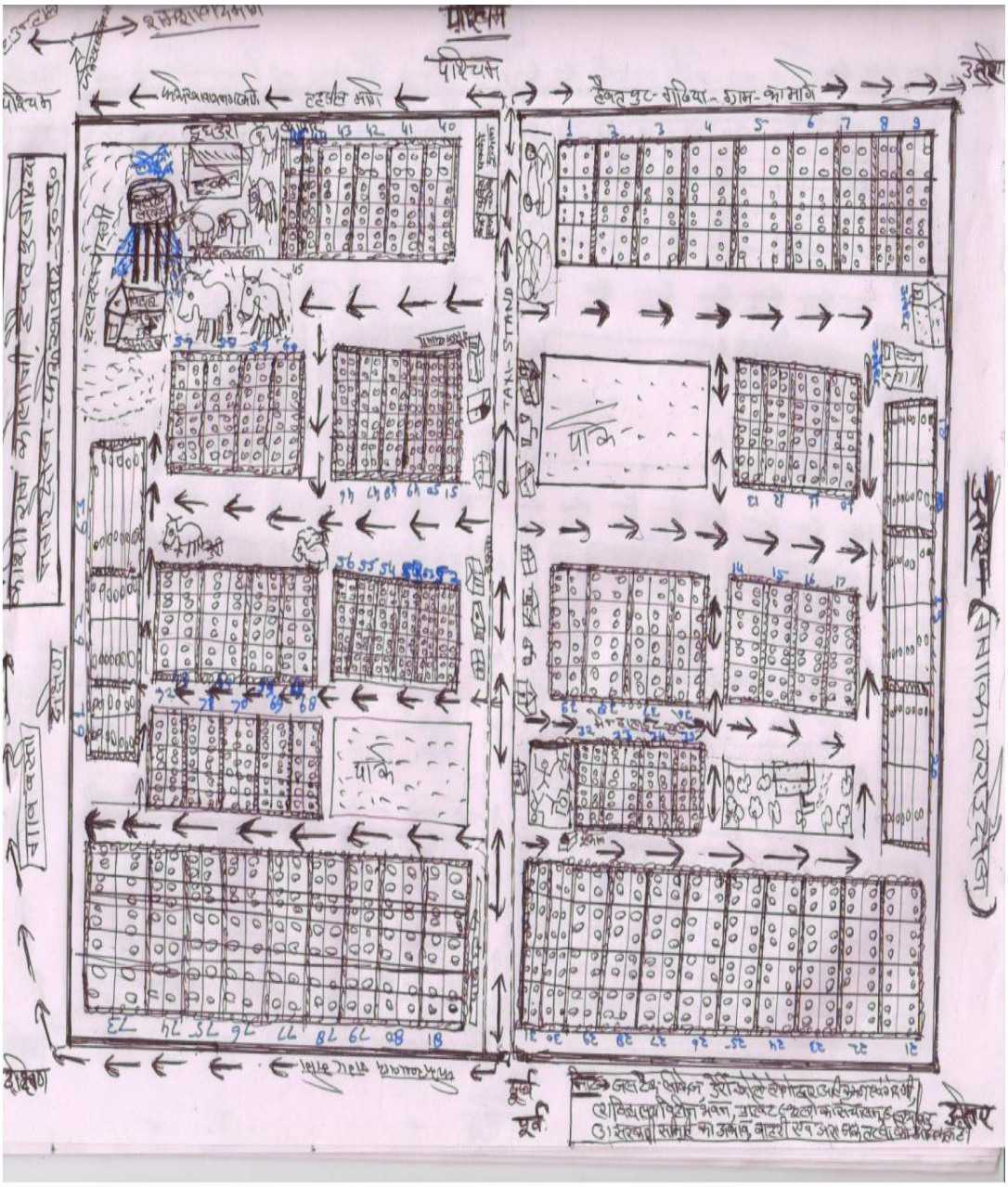

280 फर्रूखाबाद जिले के कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटी–निवासी की स्थिति निरीक्षण अवधि दि.11.5.2017 से 12.7.2017

फर्रूखाबाद के शिक्षा संस्थानों की शिक्षा का वर्तमान स्वरूप

प्रत्येक समाज अपनी मान्यताओं एवं आवश्यकताओं के अनुकूल ही अपनी शिक्षा व्यवस्था करता है। किसी समाज की मान्यता एवं आवश्यकता उसकी सामाजिक संरचना तथा भौगोलिक, धर्मिक, राजनैतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति के अनुकूल होती है। समाज में होने वाले परितर्वन भी उसके स्वरूप एवं आवश्यकताओं को बदलते है। इसके अनुसार उनकी शिक्षा का स्वरूप बदलता है। समाज की संरचना एवं भौगोलिक, धार्मिक, राजनैतिक, आर्थिक स्थितियां एवं संस्कृति, सामाजिक परिवर्तन से शिक्षा का स्वरूप बदलता रहता है। भौगोलिक स्थिति पर नियंत्रण एवं धर्मिक,राजनैतिक, आर्थिक स्थितियाँ तथा संस्कृति, सामाजिक परिवर्तन होते हैं। जिस समाज में जैसी शिक्षा की व्यवस्था की जाती है वैसी ही उस समाज की संरचना होने लगती है। सामाजिक परिवर्तन लाने में शिक्षा आधारभूत भूमिका अदा करती है।

शिक्षा का उद्देश्य–बालक में व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास तथा उसमें सामाजिक कुशलता के गुणों का विकास करना होता है। ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा के विभिन्न पक्ष–अर्थ, उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, अनुशासन, परीक्षा साधन, शिक्षक, बालक और स्कूल–कालेज हैं जिसकी आधुनिक धारणाएँ क्रमशः विकास, व्यक्तित्व का विकास एवं सामाजिक कुशलता, बाल के प्रति क्रिया प्रधान–सामाजिक अध्ययन, खेल और योजना, आत्म अनुशासन, वस्तुनिष्ठा, प्रगतिपत्र, वर्धन के लिए, लिखित विवरण, अनौपचारिक, निज–दार्शनिक–पथप्रदर्शन, सक्रिय और सामाजिक लघुरूप है।

केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित जनसामान्य के कल्याण के लिए शैक्षिक योजनाओं के अध्ययन उपरान्त मैंने उ.प्र. के जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अन्तर्गत कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 36 डिग्री कालेजों सहित केन्द्रीय, राजकीय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कस्तूरबा, मूकबधिर, आश्रम पद्धति, निजी, एडिड, अनएडिड विद्यालयों, प्रौढ़शिक्षा–आँगनबाड़ी केन्द्रों, पालीटेक्निक, आई. टी. आई. पब्लिक स्कूलों मान्यता एवं गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों, मदरसों, ईश्वरीय विश्वविद्यालयों में जाकर शिक्षण एवं प्रबन्धकीय व्यवस्था देखी तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं ग्राम–नगर के शिक्षित–अशिक्षित बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढों, वृद्धों से वार्ता कर उनकी शिक्षा और निरक्षरता की वास्तविक स्थिति सहित शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन किया। जिसके परिणामस्वरूप 90–95% कृषक–मजदूर निरक्षर मिले। ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 85–95% स्त्रियाँ, 80–90% पुरुष, शहरी क्षेत्रों में लगभग 80–90% स्त्रियाँ, 70–80% पुरुष अशिक्षित और निरक्षर मिले। दरिद्र बस्तियों में यह स्थिति और भी भयावह मिली जहाँ की अशिक्षा और निरक्षता 95–100% बनी हुई है। **निम्न से उच्च शिक्षित अधिकांश छात्रों, किशोरों, युवाओं को सूर्योदय एवं सूर्यास्त की दिशाओं एवं अक्षरों का ज्ञान नहीं है। अधिकांश नहीं जानते हैं कि वे किस जनपद–प्रदेश के निवासी हैं। लिखना–पढ़ना उनके वश की बात नहीं। निरक्षरता और अज्ञानता उनके पतन की नियत बन चुकी है।**

जनगणना–2011 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1210193422 (पुरुष 623724248, स्त्रियाँ 586469174) एवं कुल साक्षरता 74.04% (पुरुष 82.14%, स्त्रियाँ 65.46%) तथा लिंगानुपात 1000: 940 हैं। शिक्षापूर्ति के लिए देश में 756950 प्राथमिक स्कूल, 300008 उच्च प्राथमिक स्कूल,

165087 उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय, 981 केन्दीय विद्यालय, 576 नवोदय विद्यालय, 11458 महाविद्यालय, 2260 महिला महाविद्यालय, 7024 व्यवसायिक डिग्री कालेज, 371 विश्वविद्यालय, 268 राज्य विश्वविद्यालय, 40 केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 2388 तकनीकी–इजींनियरिंग, 1137 एम. सी. ए. कालेज हैं। शोध स्तर पर शैक्षिक अनुसन्धान, प्रशिक्षण परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा पत्राचार स्तर पर राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय–1989 और इदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(1985) तथा 15–35 वर्ष आयुवर्ग के लोगों की निरक्षरता समाप्त हेतु साक्षरता केन्द्र चल रहे हैं तथा प्रौढ़ और सतत् शिक्षा के लिए विस्तृत कार्यक्रम एवं साधन अपनाए जा रहे हैं।

जनगणना–2011 के अनुसार, जनपद का कुल क्षेत्रफल 2181 वर्ग कि.मी., जनसंख्या घनत्व 865 व्यक्ति/कि.मी., लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 874 स्त्रियाँ तथा कुल जनसंख्या 1887577 (1007479 पुरुष, 880098 स्त्रियाँ) एवं जनसंख्या वृद्धि 20% है। कुल साक्षर जनसंख्या 1125457 (70.57%) में पुरुष 676067 (79.34%) एवं स्त्रियाँ 449390 (60.51%) हैं। जनपद में 2059 प्राथमिक विद्यालय, 961 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 1 केन्द्रीय, 1 नवोदय, 6 कस्तूरबा, 1 आश्रम पद्धति, 197 इण्टर कालेज, 76 डिग्री कालेज, 845 आँगवाड़ी–प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र आदि संचालित हो रहे हैं। परिषदीय और एडिड विद्यालयों में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र, प्रेरक, कार्यकत्री, सहायिका, अनुदेशक, कोआर्डिनेटर, शिक्षाधिकारी, रसोइया, सेवक, स्वीपर, लिपिक कार्यरत हैं। जिनके वेतन–भत्तों तथा छात्रों के लिए मिड–डे–मील, दूध, फल, बस्तों, ड्रेसों आदि पर राष्ट्रीय आय का बहुत बड़ा हिस्सा व्यय हो रहा है। इसके बावजूद स्कूलों में पढ़ाई न होने से कोई भी अपने प्रतिपाल्यों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है। प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों का पूर्णतया अभाव है। इन स्कूलों में जो छात्र पंजीकृत हैं उनमें अधिकांश या तो प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं या पूर्णतया निरक्षर हैं। इनमें कार्यरत लगभग सभी रसोइयों एवं पंजीकृत छात्रों के अभिभावकों में अधिकांश की निरक्षरता और अशिक्षा जनपद की साक्षरता की वास्तविकता उजागर करती है।

उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद फर्रूखाबाद की जनसंख्या में 85% ग्रामीण एवं 15% नगरीय जनसंख्या है जिसमें व्यापक दरिद्रता और निरक्षरता है। दरिद्र व्यक्ति एवं उनके आश्रित जीवन की मूलभूत आवश्यक वस्तुओं के अभाव में जीवन–यापन कर रहे हैं। दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों की कुल संख्या 100600 जिनमें 90475 ग्रामीण एवं 8500 नगरीय हैं। जिले के दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में 8.1% दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में कोई न सदस्य साक्षर है तथा 91. 9% दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में सभी सदस्य अनपढ़ और निरक्षर हैं। इनके परिवारों में 0. 72% दरिद्र व्यक्ति प्राथमिक पाठशाला या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा, 0.3% दरिद्र व्यक्ति प्रौढ़ शिक्षा या आँगनबाड़ी केन्द्र, 0.8% दरिद्र व्यक्ति उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय, 10% दरिद्र व्यक्ति पब्लिक या कान्वेट या अन्य विद्यालय का उपभोग कर पा रहे हैं। शेष 96% दरिद्र शिक्षण संस्थानों के उपभोग से वंचित हैं।

फर्रूखाबाद जनपद के लगभग सभी मजरों–वार्डों में बने बड़े–बड़े स्कूल भवन व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं। इन भवनों में पढ़ाई के अतिरिक्त सब कुछ देखने को मिल रहा है। यथा दावत के भण्डारे, पौणालिक स्थलों एवं पार्कों की भाँति बच्चों की उछल–कूद, शिक्षकों–रसोइयों के गुट–गपशप, फेरी व्यापारियों से खरीदारी, मोबाइल पर गेम्स एवं लम्बी वार्ता के नजारे

दिखते हैं। कार्यरत अधिकांश शिक्षक ड्यूटी साइन करने के लिए यदा–कदा स्कूल आते हैं और बच्चों को पढ़ाए बिना चले जाते हैं। अनेक शिक्षक घर बैठे बिना शिक्षण कार्य वेतन लेकर राजनीति–व्यापार में सक्रिय हैं। अनेक शिक्षक अपनी जगह बेरोजगारों को अपने वेतन से कुछ पैसा देकर पढ़वा रहे हैं। मिड–डे–मील का बचा राशन बन्दर–बाँट कर घर ले जाया जाता है। जिससे सिद्ध होता है कि मिड–डे–मील व्यवस्था समाप्त होने पर छात्र जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा परन्तु प्रधान–शिक्षक व उनके परिजन भूखे रह जाएँगे।

शिक्षा बोर्ड, उच्चशिक्षा, टेक्नीकल, चिकित्सीय, विधि कालेज एवं शिक्षक प्रशिक्षण में शिक्षा–माफियाओं द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों को नष्ट कर प्रबन्धन एवं शिक्षण में फर्जीबाड़ा कर स्वलाभ कमाया जा रहा है। मानक विहीन समितियाँ धन के प्रभाव में विद्यालय संचालन की मान्यता लेकर भावी पीढी का भविष्य बर्वाद कर रहीं है। एडिड एवं स्ववित्तपोषी शिक्षण संस्थानों के प्रबन्धक कालेज सम्बद्धता–मान्यता पत्रावलियों में फर्जी, भ्रामक, अमानक तथ्यों–प्रपत्रों तथा शपथ–पत्रों में जोड–तोड कर और स्वयं मनमाने ढंग से सत्यापित कर फर्जीबाडा कर रहे हैं तथा बोर्ड–शिक्षा कर्मचारियों से सांठ–गांठ एवं धन प्रभाव से मनचाही जाँच, साक्षात्कार, नियुक्ति के फर्जी प्रपत्र बनाकर पत्रावलियों में शामिल करा रहे हैं। जिसके माध्यम से शिक्षा विकास की योजनाओं की निधियों के घन को हड़प कर कालेज भूमि, भवन, चरागाहों पर जबरदस्त कब्जा कर प्रबन्धतन्त्रों के लोगों एवं उनके परिवारीजनों द्वारा शिक्षा–छात्र–बेरोजगार–समाज का हित बुरी तरह से प्रभावित किया जा रहा है।

फर्रूखाबाद जनपद में संचालित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्व विद्यालय कानपुर से सम्बद्ध 1 राजकीय, 7 एडिड एवं 68 स्ववित्तपोषी अधिकांश कालेजों में छात्रों को प्रवेश तो दिया जाता है परन्तु शिक्षण–व्याख्यान नहीं होता है। इन कालेजों में परीक्षाकाल में छात्र उपस्थित रहती है और इनको बोल–बोलकर या पुस्तकों से नकल करायी जाती है। विश्वविद्यालय के उड़नदस्ते इन कालेजों से रु.20000–25000 तक सही रिपोर्ट लगाने के नाम पर वसूल करते हैं। स्ववित्तपोषी कालेज के प्राचार्य–प्राध्यापकों के साक्षात्कार लेने वाली समिति के लोग विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस में बैठकर प्रत्येक सदस्य कालेज प्रबन्धकों से 15000 रुपयों से भरा लिफाफा लेता है। इसके अतिरिक्त सर्वाधिक चौकाने वाली बात यह है कि विश्व विद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक छात्र–छात्रा की उपस्थिति 75% अनिवार्य होने के बावजूद तथा कालेज–कक्षों एवं पुस्तकालयों में कैमरे लगे होने के बावजूद छात्र–छात्राएँ अनुपस्थित रहते हैं और उनकी उपस्थिति 75% पूरी होकर परीक्षा में शामिल कर बिना शिक्षण नकल परीक्षा की डिग्री बाँटी जा रही हैं जो व्यक्ति–समाज के लिए व्यर्थ सिद्ध हो रही है।

कालेजों की अधिकांश प्रबन्ध समितियों कें पदाधिकारी एवं सदस्य स्थानीय समुदायों के जन–साधारण, शिक्षाविद्, समाजसेवी, अभिभावक नहीं हैं और न ही निर्धारित प्रशासन योजना के मानकानुरूप है। अमानक प्रबन्धतन्त्रों के पदाधिकारी सगे–सम्बन्धी एवं आपसी हितबद्व हैं। यह अपने निजी लाभ के लिए सार्वजनिक शिक्षा को दूषित कर रहे हैं। सोसाइटी एक्ट–1856, उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय एक्ट–1973, शिक्षा अधिनियमों की उपेक्षा कर स्वःलाभ हेतु परिजनों एवं सगे–सम्बन्धी आपसी हितबद्धों को प्राचार्य–प्राध्यापक पदों पर आसीन कर तथा कालेजों में शिक्षण कार्य कराए बिना छात्र–छात्राओं को मनचाही डिग्री का लालच देकर अवैध वसूली व

धन उगाही एवं व्यक्तिगत लाभ कमाने में जुटे हैं। स्ववित्तपोषी कालेज 'नकल–ठेकों' एवं डिग्री बिक्री के आधार पर संचालित हो रहे हैं। इनकी शिक्षा व्यवस्था एवं प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षण, कर्मचारी, लैब, लाइब्रेरी आदि अमानक हैं तथा छात्र–छात्राओं एवं बेरोजगारों से मनमाना धन वसूलने के बावजूद शिक्षण नहीं होता है। स्ववित्तपोषी कालेजों की मान्यता सम्बन्धी पत्रावलियों में औपचारिकतावश जो प्राचार्य, शिक्षक अनुमोदित होते हैं वह कभी कालेजों में नहीं आते हैं। **उनमे अधिकांश ऐसे हैं जिन्होंने अपनी सेवाकाल में शिक्षण की सदैव उपेक्षा की और अब कहते हैं कि मुझसे जूनियर कार्यवाहक–प्राचार्य मुझे क्लास शिक्षण करने का निर्देश कैसे दे सकता है? कहकर क्लास शिक्षण कार्य कभी नहीं करते हैं।** विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित अधिकांश प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अपने प्रमाणपत्रों को कालेज मान्यता–अनुमोदन हेतु किराए पर देकर रु. 20,000 से 25000 वार्षिक लिए जा रहे हैं और कुछ शिक्षकों को नियमित कालेज जाने पर रु. 6000–10000 मासिक भुगतान दिया जा रहा है। शासन द्वारा निर्धारित वेतन के फर्जीबाड़े में इनके वेतन भुगतान के बैंक खातों में गम्भीर वित्तीय अनियमितताएँ जारी हैं। जिसके कारण पात्र व्यक्ति रोजगार से वंचित हो रहे हैं। स्ववित्तपोषी कालेजों में अर्ह शिक्षक को मानकीय वेतन नहीं दिया जाता है। प्रबन्धतन्त्रों के लोग अर्ह शिक्षकों को वेतन–भत्ते देने की कागजी खानापूर्ति तो करते है परन्तु मानकयुक्त वेतन–भत्ते नहीं देते हैं। शिक्षक 'ट्यूशनबाजी' में संलिप्त हैं। शैक्षिक उद्देश्य की पूर्ति की जगह परिजनो, सगे–सम्बन्धीं आपसी हितबद्धों के स्वलाभ उद्देश्यों से मानक विरूद्व निर्मित समितियाँ एवं उनकी प्रबन्ध समितियों की सम्बद्वताएँ पूर्णतया अवैध है।

कालेजों की शिक्षण व्यवस्था के अवलोकन एवं जनसम्पर्क के आधार पर प्राप्त तथ्यों से पता चलता है कि, डिग्री कालेजों की प्रबन्ध समितियाँ एवं प्रबन्धतन्त्र कालेज सम्बद्धता–मान्यता पत्रावली में फर्जी, अवैध, अमानक भ्रामक तथ्यों–प्रपत्रों एवं शपथ–पत्रों को जोड–तोड कर और स्वयं मनमाने ढंग से प्रमाणित कर शामिल कर फर्जीबाडा कर रहे हैं तथा शिक्षाविभाग एवं विश्वविद्यालय के लोगो से सांठ–गांठ एवं धन–लालच के प्रभाव से मनचाहे साक्षात्कार–नियुक्ति–जाँच के फर्जी प्रपत्र बनाकर विश्वविद्यालय–बोर्ड की पत्रावलियों में शामिल करा रहे हैं तथा शिक्षा विकास निधियाँ हडपकर निजी उपभोग तथा भूमि, भवन, चरागाहों पर जबरदस्त कब्जा कर प्रबन्धतन्त्रों के लोगों एवं उनके परिवारीजनों द्वारा शिक्षा, छात्र, बेरोजगार एवं समाज का हित बुरी तरह से प्रभावित किया जा रहा है।

शिक्षा की उपयोगिता एवं आवश्यकता की पूर्ति हेतु छात्र–छात्राओं को अध्ययन के लिए मानकपूर्ण विद्यालय, पाठ्यक्रम, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, प्रयोगशाला एवं योग्य शिक्षक, **स्वास्थ्य** जीवन के लिए प्रदूषण मुक्त भोजन, औषधि, **सुरक्षा** के लिए न्याय तथा **अपराध** के लिए दंड बुनियादी जरूरत है। हमारा लोकतान्त्रिक संविधान जन–सामान्य के संरक्षण एवं उसकी आवश्यकता की पूर्ति व्यवस्था हेतु दृढ़ संकल्पित है। हमारी सरकारें–कार्यपालिका, विघायिका और न्यायपालिका अपनी यथाशक्ति से देश की जनसमस्याओं का समाधान कराने मे अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रहीं हैं। परन्तु स्वार्थी लोग सरकारी व्यवस्था में घुसपैंठ कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को ध्वस्त कर अराजकता कर रहे हैं। पर्यावरण सहित समाज की अधिकांश वस्तुएँ बुरी तरह विषाक्त तथा प्रदूषित की जा रही हैं। जीवन की बुनियादी **शिक्षा** शिक्षणहीन, प्रयोगशाला–विहीन, शिक्षण–विहीन और नकलयुक्त तथा उद्देश्यहीन हो गई है।

अध्ययन में प्रयुक्त उत्तर प्रदेश के कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय–एडिड–स्ववित्तपोषी कालेज संख्या

क्र	विश्वविद्यालय	जनपद	कुलमहाविद्यालय	वित्तपोषितमहाविद्यालय	स्ववित्तपोषित	सरकारीमहाविद्यालय
1	सीएसजेएमकानपुर	कानपुरनगर	**167**	22	144	1
2	सीएसजेएमकानपुर	कानपुरदेहात	**87**	2	84	1
3	सीएसजेएमकानपुर	फर्रूखाबाद	**76**	7	68	1
4	सीएसजेएमकानपुर	कन्नौज	**85**	2	80	3
5	सीएसजेएमकानपुर	इटावा	**58**	3	54	1
6	सीएसजेएमकानपुर	औरैया	**72**	3	68	1
7	सीएसजेएमकानपुर	लखीमपुर	**60**	3	56	1
8	सीएसजेएमकानपुर	हरदोई	**136**	2	132	2
9	सीएसजेएमकानपुर	रायबरेली	**73**	4	66	3
10	सीएसजेएमकानपुर	सीतापुर	**80**	4	74	2
11	सीएसजेएमकानपुर	उन्नाव	**83**	2	78	3
	संबद्धमहाविद्यालय	**कुल संख्याः**	**977**	54	904	19
	सीएसजेएमकानपुर	**मेडि.कालेज**	**61**	**61**		

अध्ययन में प्रयुक्त उत्तर प्रदेश के कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध फर्रूखाबाद के डिग्री कालेज

क्र	कालेज	स्थान	संस्थाप–अध्य	प्रबंधक	प्रबंध–सदस्य	कार्य.प्राचार्य	प्राचा	शिक्ष	पढ़ाते	छात्रउप%	वेतन
1	बद्रीविशाल कालेज	फर्रूखाबाद	बद्रीविशाविनो	विनोददुबे	विनोदअ.सचि	शरदचन्द्रमिश्रा	रिक्त	44	कोईनही	शि.0,प100	एडि
2	डी.एन.कालेज	फतेहगढ	शारदा–दिग्वि	अजयसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.आर.के.गुप्ता	रिक्त	22	कोईनही	शि30,प100	एडि
3	भारतीयाकालेज	फर्रूखाबाद	डॉ.पाल	राजेंद्रत्रिपा	पैतृकहितबद्ध	डॉविश्रामसिंह	रिक्त	11	कोईनही	शि35,प100	एडि
4	एल.वाई.कालेज	कायमगंज	यदुनंदन	अजयचतु	पैतृकहितबद्ध	डा.वी.के.राय	रिक्त	14	कोईनही	शि40,प100	एडि
5	विद्या मंदिर कालेज	कायमगंज	गोयल	अरबिंदगो	पैतृकहितबद्ध	डॉ.सी.अग्रवाल	रिक्त	4	कोईनही	शि25,प100	एडि
6	आर.पी.कालेज	कमालगंज	कुलुपसिंह	अश्वनीवर्म	पैतृकहितबद्ध	डॉ.आरटी.पटेल	रिक्त	21	कोईनही	शि65,प100	एडि
7	एन.ए.के.पी.कालेज	फर्रूखाबाद	वैश्यमहासभ	हरिदत्तदुबे	पैतृकहितबद्ध	डॉ.आभासिंह	रिक्त	11	कोईनही	शि45,प100	एडि
8	काशीरामराज.महावि.	निनौआफते	**नोटःछात्रआते**	**नहीशिक्षक**	**पढ़ातेनहीं**	डॉममतामधुकर	रिक्त	14	7	छासं148मा	एडि
9	में.एस.डीकालेज	मोहम्मदाबा	बाबूसिह	बाबूसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉअनारसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि40,प100	फर्जी
10	के.के.आर.डी.कालेज	मझना	बाबूसिह	बाबूसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.साधनागुप्ता	फर्जी	पला	अयोग्य	शि10,प100	फर्जी
11	शकुंतलादेवीकालेज	कायमगंज	पिक्कूबाबू	मिथलेश	पैतृकहितबद्ध	डॉ.वेणूसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि15,प100	फर्जी
12	पी.डी.महिलाकालेज	फतेहगढ	बाबूसिह	नागेन्दसिं	पैतृकहितबद्ध	डॉअनीतायादव	फर्जी	पला	अयोग्य	शि45,प100	फर्जी
13	सिटीपब्लिककालेज	फतेहगढ	विजययादव	विजयसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉनीरजसक्से	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
14	एस.डी.महिला	मोहम्मदाबा	बाबूसिह	अंचलसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.कर्ण सिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि35,प100	फर्जी
15	रघुराजसिंहकालेज	कुबेरपुर	राजीवसिंह	राजीवसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉहितसिंहसो	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
16	सिटीपब्लिककालेज	फतेहगढ	विजयसिंह	विजयसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉनसीमअहमद	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
17	गौतमबुद्धकालेज	मतेपुर	सुरेशपाल	सुरेशशाक	पैतृकहितबद्ध	डॉ.ओ.पी.शर्मा	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
18	पुत्तूलालमे.कालेज	जहानगंज	रामसेवक	रामसेवक	पैतृकहितबद्ध	डॉदयारामकुश	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
19	सागरसिंहकालेज	बहोरिकपुर	साहबसिंह	राजेशकुम	पैतृकहितबद्ध	डॉ.ए.के.त्रिवेदी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
20	रामप्रकाशकालेज	मुरहास	रामप्रताप	रामप्रताप	पैतृकहितबद्ध	डॉ.एस.पी.	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
21	कालिकासिंहकालेज	नगरिया	नाहरसिंह	नाहरसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.नाहरसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
22	छविनाथसिंहकालेज	मानिकपुर	अजयपाल	अजयपाल	पैतृकहितबद्ध	अभिषेकसिंहया	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
23	बाबूसिंहकालेज	नबाबगंज	बाबूसिंहयाद	पुष्पेन्द्रसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.शैलेंद्रसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
24	गजराजसिंहकालेज	रठौरा	श्यामपाल	श्यामपाल	पैतृकहितबद्ध	डॉ.एन.डी.	फर्जी	पला	अयोग्य	शि35,प100	फर्जी
25	नरायणलक्ष्मणकालेज	कायमगंज	सुरेशपाल	सुरेशचन्द्र	पैतृकहितबद्ध	सुरेशचन्द्र	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
26	हरिश्चंदबीएडकालेज	फर्रूखाबाद	डॉहरिश्चंद्र	राहुलतिवा	पैतृकहितबद्ध	डॉहरिश्चंदतिव	फर्जी	पला	अयोग्य	शि10,प100	फर्जी
27	एसडीलॉकालेज	फतेहगढ	बाबूसिंह	अनारसिंह	पैतृकहितबद्ध	डॉ.नागेन्द्रसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि15,प100	फर्जी
28	एस.डीमहिलाकालेज	फतेहगढ	बाबूसिंह	अनारसिंह	पैतृकहितबद्ध	अंचल यादव	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
29	एच.एस.ए.कालेज	रजीपुर	अजीयुजदी	अयाबुदीन	पैतृकहितबद्ध	डॉ.आरएरिजवी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि25,प100	फर्जी
30	एसडीआयुर्वेदिककाले	फतेहगढ	बाबूसिंह	बाबूसिंहय	पैतृकहितबद्ध	कर्नलडीके.राय	फर्जी	पला	अयोग्य	शि45,प100	फर्जी
31	पुरुषोतमडिग्रीकालेज	मोहम्मदाबा	नरेन्द्र सिंह	सचिनयाद	पैतृकहितबद्ध	डॉ.डी.एस.	फर्जी	पला	अयोग्य	शि20,प100	फर्जी
32	स्वामीआत्मदेवकालेज	ऊगरपुर	ओमप्रकाश	चन्दमुखी	पैतृकहितबद्ध	डा.राजेन्दनाथ	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
33	रामनरायन कालेज	कायमगंज	डॉ.गंगवार	सत्यप्रकाश	पैतृकहितबद्ध	डॉ.मुकुटतिवारी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.5,प100	फर्जी
34	रामकृष्णकालेज	रानूखेडा	रामकृष्णवर्मा	रामकृष्ण	पैतृकहितबद्ध	डॉरामकृष्णवर्मा	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
35	छविनाथसिंहकालेज	मोहम्मदाबा	श्यामपालसिंह	श्यामापाल	पैतृकहितबद्ध	अजययादव	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
36	ओमप्रकाशवि.कालेज	सकवाई	डॉ.ओ.पी.गुप्ता	पी.के.गुप्ता	पैतृकहितबद्ध	डॉशैतानसिंह	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
37	बीरेन्द्रकटियारकालेज	गांधियाराजे	बीरेन्द्रकटियार	प्रदीपकटि	पैतृकहितबद्ध	कु.रेनूकटियार	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
38	कृष्णादेवीमहिलाकाले	आवाविकास	नागेन्द्रसिंह	अनीतारंज	पैतृकहितबद्ध	सोनमतिवारी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
39	रविनाथसिंहलॉकाले	दहेलिया	अजयपाल	अजयपाल	पैतृकहितबद्ध	अभिषेकसिंहया	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
40	रामनिवासकालेज	चित्रकोटरजे	पी.के.चतुर्वेदी	मीराचतुर्वे	पैतृकहितबद्ध	रिटा.रमेशचौबे	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
41	विनयअवस्थीकालेज	अमृतपुरराजे	विनयअवस्थी	विनयकुमा	पैतृकहितबद्ध	प्रभातअवस्थी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी
42	प्रेमनरायनकलेजझसी	जहानगंज	पं.रामनरायन	रामनरायन	पैतृकहितबद्ध	राजेशचतुर्वेदी	फर्जी	पला	अयोग्य	शि.0,प100	फर्जी

फर्रूखाबाद के दरिद्र हवालातियों के अमानुषिक उत्पीडन का वर्तमान स्वरूप

फर्रूखाबाद जनपद के फतेहगढ नगर में एक पुरुष, एक महिला, एक किशोर, एक केन्द्रीय सहित कुल चार कारागार हैं। इन कारागारों में जनपद कारागार जाकर वहाँ की व्यवस्था देखी तथा जेल अधीक्षक उपाधीक्षक, मुख्य रक्षकों, रक्षकों एवं कैदियों से बातचीत की तथा जेल में बन्द कैदियों के परिजनों व जेल से मुक्त लोगों से बातचीतकर तथ्य संग्रहित किए।

पुलिस और न्यायिक हिरासत में लिए जाने वाले अधिकांश आरोपी दरिद्र व्यक्ति होते हैं। जो पुलिस की मांग तथा न्यायालय की पैरवी और जमानत राशि के अभाव में कैद कर जेल में ड़ाल दिए जाते हैं। जनपद के पुलिस थानों–चौकियों की हवालातें दरबों की भाँति बनी हैं जहाँ आरोपी दरिद्रों को पशुबाड़े की तरह बन्द कर मलमूत्र–गन्दिगी और जहरीले मच्छरों का शिकार बनाया जाता है। हवालात के अन्दर बन्द दरिद्र आरोपियों को थानों के सिपाही–दरोगा गरियाते, धमाकाते, मारते हुए अपराध कबूल पत्रों और कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराकर मनमानी धाराओं में चालान बनाते हैं और हथकड़ी–रस्सी में पशुओं की भाँति बाँधकर न्यायालय में बनी हवालात जो थानों की हवालातों से बद्तर हैं में बन्द कर देते हैं। न्यायालय में वकीलों से घिरे न्यायाधीशों की बातचीत अथवा कार्य की अधिकता के कारण आरोपी की पेशी–सुनवाई की उपेक्षा या समयाभाव की मनमानी कागजी खानापूर्ति या आरोपी के पक्ष में पैरवी–जमानत राशि के अभाव में आरोपी को जेल भेज दिया जाता है और जेल में देरी से दाखिला के कारण आरोपी को खाना खिलाए बिना भूखा रखकर जेल की हवालात में ड़ाल दिया जाता है।

जनपद कारागार फर्रूखाबाद में आरोपी–हवालाती और सजायफ्ता दोनों प्रकार के कैदी बन्द हैं। इनके बन्द करने के लिए बनी बैरिकों में निर्धारित क्षमता से लगभग तीन गुना कैदियों को शाम 6 से प्रातः 6 बजे तक पशु–बाड़े की तरह बन्द किया जाता है जहाँ भीड़ के कारण भूमि–फर्श पर लेटने के लिए पर्याप्त भूमि न मिल पाने के कारण कैदियों में रात्रि भर मारपीट होती रहती है। सीवर नालियों की बदबू और मच्छरों के हमलों के बीच गन्दा–फटा कम्बल ओढ़ बिछाकर कैदी रात्रि व्यतीत करते हैं और प्रातः शौचालय एवं स्नान के लिए जेल में साबुन, तेल, मंजन, कंघा, नेकर, बनियान, तौलिया, कुर्ता, पैजामा आदि आवश्यक सामान जेल से कैदी को न दिए जाने से बेचारे दरिद्र कैदी रोगों के शिकार हो रहे हैं। प्रातः 9 बजे के नाश्ते में ब्रेड, रवा, चना, चाय की गुणवत्ता एवं मात्रा दरिद्रों के लिए पर्याप्त नहीं होती है। अपराह्न 1 बजे एवं शाम 5 बजे के भोजन की रोटी एक तरफ कच्ची और सब्जी–दाल अति घटिया रहती है जिसे खाकर अधिकांश कैदी पेट के रोगी हो रहे हैं और आए दिन दम तोड़ रहे हैं। अनेक कैदी जेल का भोजन न खाकर बाहर की खाद्य वस्तुएँ मंगाकर जेल में चूल्हा जलाकर भोजन स्वयं बनाकर खाते हैं जिसमें ईंधन के लिए जेल की रोटी को जलाते हैं और दाल–सब्जी नाली में बहाते हैं।

जिला कारागार में जुआँ एव अवैध वसूली चरम पर है। जो कैदी जेल में आता है उससे प्रथम दिन 60 रुपए और दूसरे दिन से 5 दिन तक 20 रुपए प्रति दिन तदुपरान्त 1200–1800 रुपए लिए जाते हैं अन्यथा झाडू पकड़ाकर उनसे नाली सफाई और खूँखार–ठेकेदारों की मालिस कराई जाती है। कैदियों के मुलाकातियों से अवैध वसूली के तो बड़े पैमाने पर ठेके उठे हैं। जो खूंखार कैदियों को मोबाइल देते है, जेल से बाहर लाकर घुमाते और मजदूरी कराते हैं।

पंचम

अध्याय

तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन उ. प्र. राज्य के जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन है। इस अध्ययन में फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों जो दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं को लिया है और इसके लिए प्रतिदर्श के आधार पर 1000 इकाइयों का प्रतिदर्श चुनकर अनुसूची की रचना में इसे उपयोग में लाया है। प्रस्तुत अध्ययन में नगर क्षेत्र–फर्रूखाबाद से 50 व्यक्ति, कमालगंज से 50 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद से 50 व्यक्ति, कायमगंज से 50 व्यक्ति, शमशाबाद से 50 व्यक्ति, कम्पिल से 50 व्यक्ति तथा विकासक्षेत्र–बढ़पुर से 100 व्यक्ति, कमालगंज से 100 व्यक्ति, मोहम्मदाबाद से 100 व्यक्ति, कायमगंज से 100 व्यक्ति, शमशाबाद से 100 व्यक्ति, नबाबगंज से 100 व्यक्ति, राजेपुर से 100 व्यक्ति कुल 1000 व्यक्ति हैं। सम्पर्क के आधार पर प्रतिदर्श हेतु चुने गए 1000 व्यक्तियों की सूची में वर्णित उत्तर प्रदेश के जनपद फर्रूखाबाद के व्यक्तियों से शोध–कर्त्ता ने सम्पर्क किया तथा सामान्य बातचीत की तत्पश्चात् उपरोक्त बातचीत एवं सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अर्द्ध संरचित साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया तथा दो वर्ष तक फर्रूखाबाद जनपद के फर्रूखाबाद नगर में रहकर फर्रूखाबाद जनपद के नगर–फर्रूखाबाद, कमालगंज, मोहम्मदाबाद, कायमगंज, शमशाबाद, कम्पिल के सभी कुल 117 वार्डस एवं विकास क्षेत्र–बढ़पुर, मोहम्मदाबाद, कमालगंज, कायमगंज, शमशाबाद, नबाबगंज, राजेपुर की 513 ग्रामसभाओं में 317 ग्रामसभाओं में घर–घर जाकर लोगों से बातचीत कर उनके जीवन–यापन की स्थित का अवलोकन किया तथा साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के तथ्यों का संकलन किया।

साक्षात्कार अनुसूची में कुल 1 से 29 तक प्रश्न **हैं। प्रश्न–1** से 15 तक में उत्तरदाताओं से व्यक्तिगत जानकारी हेतु प्रश्न पूँछे गए हैं। **प्रश्न–1** में उत्तरदाता की दाम्पत्य स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 2 अंक (विधवा/तलाक/विदुर/परित्यक्त–2, वैवाहिक–1) दिए गए हैं। **प्रश्न 2** में उत्तरदाताओं के परिजनों की संख्या पूँछी गई है जिसके लिए कुल 12 अंक (सदस्य संख्या) दिए गए हैं। **प्रश्न–3** में उत्तरदाताओं का व्यवसाय पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 4 अंक (भिखारी–4, खेति.मज.3, मज.2, बेरो.1) दिए गए हैं। **प्रश्न–4** में उत्तरदाता की आय पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 4 अंक (0–500 अंक–4, 501–1000 अंक–3, 1001–1500 अंक–2, 1601–2000 तक–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–5** में सम्पत्ति पर उत्तरदाताओं का स्वामित्त्व पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 2 अंक(हाँ–2, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न 6** में उत्तरदाता के परिजनों की शिक्षा पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक(हाँ–1,नहीं–0) **प्रश्न 7** में उत्तरदाताओं से उसके आश्रितों की शैक्षिक स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए 1 अंक (हाँ–1,नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न 8** उत्तरदाताओं के आश्रितों की स्वास्थ्य स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–9** में उत्तरदाता से उसके आश्रित की कुपोषण से मृत्यु के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–10** में उत्तरदाता से विद्युत उपभोग के सम्बन्ध में पूँछा है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–11** में उत्तरदाता के घर में शुद्ध जल उपलब्धता की स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–12** में उत्तरदाता की स्वच्छता के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–13** में उत्तरदाता की आवासीय स्थिति पूँछी गई है, जिसके लिए कुल 1 अंक(हाँ–0, नहीं–1), **प्रश्न–14** में उत्तरदाता

के निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करने के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–1, नहीं–0), **प्रश्न–15** में उत्तरदाता के पास मोटर चालित वाहन साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टी.वी. की सुविधा के सम्बन्ध में पूँछा गया है, जिसके लिए कुल 1 अंक (हाँ–0, नहीं–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–16** में उत्तरदाता का आहार–भोजन पूँछा गया है। इस प्रश्न के 14 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 3 विकल्पः–पर्याप्त, कम, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 28 अंक (प्रत्येक पर्याप्त–0, कम–1, नहीं–2) दिए गए हैं। **प्रश्न 17** में उत्तरदाताओं के वस्त्रों की स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा गया है तथा इस प्रश्न के चार भाग और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 4 अंक (भाग–1, 3 में नहीं–1, हाँ–0, भाग–2 एवं 3 में नहीं–0, हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–18** में उत्तरदाताओं के आवास की स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के तीन भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 4 अंक(भाग–1, 2 में नहीं–1, हाँ–0, भाग–3 में नहीं–0, हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–19** में उत्तरदाताओं की स्वास्थ्य स्थिति के सम्बन्ध में पूँछा है एवं इस प्रश्न के 2 भाग है और प्रत्येक भाग के लिए चार विकल्पः–सामान्य, रोगी, कमजोर, कुपोषित दिए हैं जिसके लिए कुल 6 अंक (प्रत्येक भाग कुपो.3, रोगी–2, कम.1, सा.0) दिए गए हैं। **प्रश्न–20** में उत्तरदाताओं की सक्षमता पूँछी गई है और इस प्रश्न के 11 भाग हैं। प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 11 अंक (प्रत्येक भाग हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–21** में उत्तरदाताओं से योजनाओं की जानकारी के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 23 भाग है और प्रत्येक भाग के लिए 3 विकल्प–अधिक, कम, नहीं दिए हैं जिसके कुल 48 अंक (प्रत्येक भाग अधिक–2, कम–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–22** में उत्तरदाताओं के आश्रितों की शिक्षा उपभोग की स्थिति पूँछी है तथा इस प्रश्न के चार भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए तीन विकल्पः–पर्याप्त कम, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 8 अंक (प्रत्येक भाग पर्याप्त–0, कम–1, नहीं–2) दिए गए हैं। **प्रश्न–23** में दरिद्रता के कारण जीवन–संघर्ष के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 12 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 12 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0, हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–24** में उत्तरदाताओं से अपराधों के सम्बन्ध में पूँछा है तथा इस प्रश्न के 10 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 10 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0, हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न 25** में उत्तरदाताओं से सरकारी योजनाओं के लाभ की स्थिति पूँछी है तथा इस प्रश्न के नौ भाग है और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 3 विकल्पः–हाँ, नहीं, कम दिए हैं जिसके लिए कुल 18 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–2, कम–1, हाँ–0) दिए गए हैं। **प्रश्न–26** में उत्तरदाताओं के जीवन में भोजन–शिक्षा अभाव एवं गन्दिगी, प्रदूषित जल के प्रभाव के सम्बन्ध में पूँछा है तथा उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए कुल 2 अंक(नहीं–0, हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–27** में उत्तरदाताओं से योजनाओं का लाभ न मिल पाने का कारण पूँछा है तथा इस प्रश्न के चार भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए 4 अंक (प्रत्येक भाग नहीं–0,हाँ–1) दिए गए हैं। **प्रश्न–28** में उत्तरदाताओं का मानव विकास में योगदान पूँछा है, जिसके लिए 3 अंक दिए गए हैं। **प्रश्न–29** के 11 भाग हैं और प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए दो विकल्पः–हाँ, नहीं दिए हैं जिसके लिए 11 अंक (प्रत्येक हाँ–1, नहीं–0) दिए गए हैं। **प्र.सं. 1 से 29 तक के अधिकतम अंक 2+12+4+4+2+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+1+28+4+3+6+11+46+8+12+10+38+2+4+3+11=200** हैं।

प्रथम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	दाम्पत्यजीवन	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
1–	विवाहित	38	40	46	41	40	40	70	77	81	77	61	72	83	245	521	**766**
	अविवाहित																
	विदुर	1			1			1	1	2	2	4	1	1	2	12	**14**
	विधवा	11	10	2	7	9	10	29	22	17	21	35	27	16	49	167	**216**
	तलाक																
	परित्यक्त			2	1	1									4		**4**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–1 में दरिद्र व्यक्तियों के दाम्पत्त्य का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपनी दाम्पत्त्य स्थिति बताता है। जिसके उत्तर विधवा/तलाक/परित्यक्त/विदुर के लिए 4 अंक, विवाहित के लिए 1 अंक तथा अविवाहित के लिए 0 अंक दिए गए हैं। फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनका दाम्पत्य जीवन पूँछा गया तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से प्रत्येक 766 साक्षात्कारदाताओं ने अपने को विवाहित, 216 साक्षात्कारदाताओं ने अपने को विधवा, 4 साक्षात्कारदाताओं ने अपने को परित्यक्त, 16 साक्षात्कारदाताओं ने अपने को विदुर बताया है जिसके लिए साक्षात्कारदाताओं जिनमें 766 विवाहित के लिए प्रत्येक को 1 अंक, 216 विधवा के लिए प्रत्येक को 2 अंक, 4 परित्यक्त के लिए प्रत्येक को 2 अंक, 14 विदुर के लिए प्रत्येक को 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रश्न के उत्तर के लिए दिए गए कुल 1000 साक्षात्कारदताओं के प्राप्तांको का कुल योग 1234 जिसका औसत 1.234 है तथा उत्तर के लिए अधिकतम अंकों का कुल योग 2000 जिसका औसत 2 है। अधिकतम अंक योग एवं प्राप्तांक योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 766, 0.77 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के दाम्पत्य में 76.6% विवाहित, 21.6% विधवा, 0.4% परित्यक्त, 1.4% विदुर हैं, जिनमें कुल 22.0% परित्यक्त और विधवाएँ दरिद्र और असहाय हैं।

द्वितीय प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	सदस्यसंख्या	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
2–	सदस्य1	1	1	0	1	0	0	2	3	4	2	8	2	3	03	24	**27**
	सदस्य2	0	3	4	3	3	3	3	7	7	4	3	7	7	16	38	**54**
	सदस्य3	4	6	1	4	4	5	10	11	10	6	8	6	6	24	57	**81**
	सदस्य4	7	10	6	10	9	3	11	13	11	10	19	11	13	45	88	**133**
	सदस्य5	12	4	7	4	6	3	23	13	9	30	26	21	22	36	144	**180**
	सदस्य6	11	7	10	3	3	18	21	20	16	27	16	18	18	52	136	**188**
	सदस्य7	6	8	11	9	9	5	14	13	14	11	12	17	11	48	92	**140**
	सदस्य8	5	8	7	10	11	6	13	11	10	5	5	8	9	47	61	**108**
	सदस्य9	0	3	2	4	2	3	2	7	14	3	2	4	7	14	39	**53**
	सद–10	4	0	1	0	2	4	0	0	3	1	1	5	2	11	12	**23**
	सद–11	0	0	0	2	1	0	1	2	2	1	0	1	0	3	7	**10**
	सद–12	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	2	**3**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–2 में दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों की सदस्य संख्या का अध्ययन किया गया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने परिवार के सदस्यों की संख्या बताता है। जिसके उत्तर के लिए साक्षात्कारदाता के परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर अर्थात 1–12 सदस्य वाले परिवार के लिए अधिकतम 12 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके परिवार की सदस्य संख्या पूँछी गई तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 27 साक्षात्कारदाताओं ने 1, 54 साक्षात्कारदाताओं ने 2, 81 साक्षात्कारदाताओं ने 3, 133 साक्षात्कारदाताओं ने 4, 180 साक्षात्कारदाताओं ने 4, 188 साक्षात्कारदाताओं ने 6, 140 साक्षात्कारदाताओं ने 7, 108 साक्षात्कारदाताओं ने 8, 53 साक्षात्कारदाताओं ने 9, 23 साक्षात्कारदाताओं ने 10, 10 साक्षात्कारदाताओं ने 11, 3 साक्षात्कारदाताओं ने 12 बताया है। जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 27 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक, 54 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक, 81 साक्षात्कारदाताओं को 3 अंक, 133 साक्षात्कारदाताओं को 4 अंक, 180 साक्षात्कारदाताओं को 5 अंक, 188 साक्षात्कारदाताओं को 6 अंक, 140 साक्षात्कारदाताओं को 7 अंक, 108 साक्षात्कारदाताओं को 8 अंक, 53 साक्षात्कारदाताओं को 9 अंक, 23 साक्षात्कारदाताओं को 10 अंक, 10 साक्षात्कारदाताओं को 11 अंक, 3 साक्षात्कारदाताओं को 12 अंक दिए हैं। इस प्रश्न के उत्तर के लिए 1000 साक्षात्कारदताओं के प्राप्तांको का कुल योग 5620 जिसका औसत 5.62 है तथा अधिकतम अंकों का योग 12000 जिसका औसत 12 है। अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंको में अन्तर क्रमशः 6380, 5.4 है। औसत अंक की अधिकता तीव्रगामी जनसंख्या वृद्धि को प्रमाणित करती है।

निष्कर्ष निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में 2.7% परिवार 1 सदस्यीय, 5.4% परिवार 2 सदस्यीय, 8.1% परिवार 3 सदस्यीय, 13.3% परिवार 4 सदस्यीय, 18% परिवार 5 सदस्यीय, 18.8% परिवार 6 सदस्यीय, 14% परिवार 7 सदस्यीय, 10.8% परिवार 8 सदस्यीय, 5. 3% परिवार 9 सदस्यीय, 2.3% परिवार 10 सदस्यीय, 2.3% परिवार 11 सदस्यीय, 0.3% परिवार 12 सदस्य हैं। 1 से 5 सदस्यों वाले कुल परिवारों का प्रतिशत 47.5 एवं 2 से 9 सदस्यों वाले कुल परिवारों का प्रतिशत 48.9 तथा 10 से 12 सदस्यों वाले कुल परिवारों का प्रतिशत 3.6 हैं।

तृतीय प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	व्यवसाय	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
3–	नौकरी																
	मजदूरी	50			44	45	45	0	0	0	0	0	0	0	184	0	184
	खेति.मज		46	49				85	88	65	95	90	95	98	95	616	711
	व्यापार																
	बेरोजगार																
	दान–भीख		4	1	6	5	5	15	12	35	5	10	5	2	21	84	105
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–3 में दरिद्र व्यक्तियों के व्यावसाय का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपना व्यावसाय बताता है जिसके उत्तर भीख–दान के लिए 4 अंक, खेतिहर मजदूर के लिए 3 अंक, मजदूर के लिए 2 अंक, बेरोजगार के लिए 1 अंक, नौकरी–व्यापार के लिए 0 अंक दिए गए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनका व्यवसाय पूँछा गया तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 105 साक्षात्कारदाताओं ने अपना व्यवसाय भीख, 711 साक्षात्कारदाताओं ने अपना व्यवसाय खेतिहर मजदूर, 184 साक्षात्कारदाताओं ने अपना व्यवसाय मजदूर बताया है। जिसके उत्तर के लिए प्रत्येक 105 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर 'भिखारी' के लिए 4 अंक, 711 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर 'खेतिहर मजदूर' के लिए 3 अंक, 184 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर मजदूर के लिए 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 2924 जिसका औसत 2.924 तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 4000 जिसका औसत 4 है। अधिकतम अंकों का योग एवं प्राप्तांकों का कुल योग में अन्तर तथा औसत अंको में अन्तर क्रमशः 1076, 1.076 है।

निष्कर्ष निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के व्यावसायों में 71.1% खेतिहर मजदूर, 18.4% मजदूर, 10.5% भिखारी हैं, जिनमें श्रमिकों की अपेक्षा खेतिहर मजदूर और खेतहर मजदूरों की अपेक्षा भिखारी अधिक दरिद्रताग्रसित हैं।

चतुर्थ प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्र	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	मासिकआयसीमा	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
4	रु.0–500	3	2	0	1	3	2	0	2	2	2	3	2	1	11	12	**23**
	रु.501–1000	19	21	10	20	7	15	57	47	54	54	73	54	41	92	380	**472**
	रु1001–1500	27	22	40	29	40	33	42	49	43	41	24	44	58	191	301	**492**
	रु1501–2000	1	5	0				1	2	1	3				6	7	**13**
	कुल उत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–4 में दरिद्र व्यक्तियों की आय का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपनी मासिक आय बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर आय सीमा 0–500 रुपए के लिए 4 अंक, आय सीमा 501–1000 रुपए के लिए 3 अंक, आय सीमा 1001–1501 रुपए के लिए 2 अंक, आय सीमा 1601–2000 रुपए के लिए 1 अंक दिए गए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनकी मासिक आय पूँछी गयी तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 23 साक्षात्कारदाताओं ने अपनी मासिक आय 0–500 रुपए के मध्य, 472 साक्षात्कारदाताओं ने अपनी मासिक आय 501–1000 रुपए के मध्य, 492 साक्षात्कारदाताओं ने अपनी मासिक आय 1001–1501 रुपए के मध्य, 13 साक्षात्कारदाताओं ने अपनी मासिक आय 1501–2000 रुपए के मध्य बतायी है। जिसके लिए प्रत्येक साक्षात्कारदाता को मासिक आय सीमा उत्तर आय सीमा 0–500 रुपए के मध्य के लिए प्रत्येक 23 साक्षात्कारदाताओं को 4 अंक, आय सीमा 501–1000 रुपए के मध्य के लिए 472 साक्षात्कारदाताओं को 3 अंक, आय सीमा 1001–1501 रुपए के मध्य के लिए 492 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक, आय सीमा 1601–2000 रुपए के मध्य के लिए 13 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 2504 जिसका औसत 2.504 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 4000 जिसका औसत 4 है। अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांकों के योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 1496, 1.49 है।

निष्कर्ष निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 2.3% व्यक्तियों की मासिक आय 500 रुपए से कम है एवं 47.2% व्यक्तियों की मासिक आय 501–1000 रुपए के मध्य है एवं 49.2% व्यक्तियों की मासिक आय 1001–1500 रुपए के मध्य है तथा 1.3% व्यक्तियों की मासिक आय 5001–2000 रुपए के मध्य है। जो औसत 6 सदस्यीय परिवार के जीवन–यापन के लिए अपर्याप्त है।

पंचम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्र	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	सम्पतिस्वामित्व	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
5	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुल उत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–5 में दरिद्र व्यक्तियों की चल–अचल सम्पत्ति के स्वामित्त्व का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने पास चल–अचल सम्पत्ति का स्वामित्त्व बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 0, नहीं के लिए 2 अंक दिए गए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनका चल–अचल सम्पत्ति पर स्वामित्त्व पूँछा गया तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने अपने पास चल–अचल सम्पत्ति का स्वामित्त्व का उत्तर नहीं बताया है। जिसके 1000 साक्षात्काकरदाताओं को प्रत्येक उत्तर नहीं के लिए 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 2000 जिसका औसत 2 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 2000 जिसका औसत 2 है। अधिकतम अंकों के कुल योग एवं प्राप्तांकों के कुल योग में अन्तर तथा औसत अंको में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए कुल 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के पास चल–अचल सम्पत्ति का स्वामित्त्व नहीं है और वे चल–अचल सम्पत्ति के स्वामित्व से वंचित हैं।

षष्टम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	शिक्षावंचन	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
6–	हाँ	46	49	44	49	44	46	100	93	82	96	99	83	88	278	641	919
	नहीं	4	1	6	1	6	4	0	7	18	4	1	17	12	22	59	81
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–6 में दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में किसी ने भी पाँच वर्ष की स्कूल शिक्षा प्राप्त नही की है का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने परिवार में किसी ने भी पाँच वर्ष की स्कूल शिक्षा प्राप्त नही किए जाने के सम्बन्ध में बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक एवं नहीं के लिए 0 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके परिवार में किसी ने भी पाँच वर्ष की स्कूल शिक्षा प्राप्त नही की है के सम्बन्ध में पूँछा गया तो उत्तर के लिए 1000 साक्षात्कारदाओं में से 919 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'हाँ' और 81 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'नहीं' बताया है। जिसके उत्तर हाँ के लिए प्रत्येक 919 साक्षात्कारदाता को 1 अंक तथा प्रत्येक उत्तर नहीं के लिए 81 साक्षात्कारदाता को 0 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 919 जिसका औसत 0.918 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंकों के कुल योग एवं प्राप्तांकों के कुल योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 81, 0.082 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में 8.1% परिवारों में कोई न कोई सदस्य साक्षर है तथा अवशेष 91.9% परिवारों में सभी सदस्य अज्ञानी, अनपढ़ और निरक्षर हैं।

सप्तम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	स्कूलवंचनं	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
7–	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–7 में दरिद्र व्यक्तियों से उनके परिवार में स्कूल जाने की आयु वाला कम से कम एक आश्रित स्कूल छात्र न होने के सम्बन्ध में पूँछा गया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता स्कूल जाने की आयु वाले अपने आश्रित की शिक्षा के सम्बन्ध में बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1, नहीं के लिए 0 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके परिवार में स्कूल जाने की आयु वाला कम से कम एक आश्रित स्कूल छात्र न होने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रत्येक सभी साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर के लिए 'हाँ' बताया है। जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए सभी 1000 साक्षात्कारदाता को 1–1 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंकों के कुल योग एवं प्राप्तांकों के कुल योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में 100% दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में स्कूल जाने की आयु वाला कम–से–कम एक आश्रित स्कूल छात्र नहीं है अर्थात दरिद्र व्यक्तियों के बच्चे छात्र आयु काल में भी शिक्षा से वंचित है।

अष्टम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्र	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	कुपोषित–रोगी	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
8–	हाँ	44	33	28	36	38	49	98	97	93	94	91	95	87	228	655	883
	नहीं	6	17	22	14	12	1	2	3	7	6	9	5	13	72	45	117
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–8 में दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में एक सदस्य कुपोषित होने का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने परिवार में कम–से–कम एक सदस्य कुपोषित होने के सम्बन्ध में बताता है जिसके उत्तर हाँ के लिए 1 अंक एवं नहीं के लिए 0 अंक दिए गए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके और उनके परिवार में कम–से–कम एक सदस्य कुपोषित होने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 883 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर में 'हाँ' तथा 117 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर में नहीं बताया है। जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 883 साक्षात्कारदाता को उत्तर हाँ के लिए 1 अंक एवं 117 साक्षात्कारदाता को उत्तर नहीं के लिए 0 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 883 जिसका औसत 0.883 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंकों के कुल योग एवं प्राप्तांकों के कुल योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 117, 0.117 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में 88.3% दरिद्र व्यक्ति एवं उनके आश्रित कुपोषित होने के कारण स्वास्थ्य से वंचित हैं।

नौवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्र0	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	कुपोषणमृत्यु	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
9–	हाँ	33	34	28	26	38	37	89	75	59	88	95	82	68	196	556	752
	नहीं	17	16	22	24	12	13	11	25	41	12	5	18	32	104	144	248
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–9 में दरिद्र व्यक्तियों से उनके परिवार में एक या एक से अधिक बच्चे की कुपोषण से मृत्यु का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने परिजनों में एक या एक से अधिक बच्चे की कुपोषण के मृत्यु के सम्बन्ध में बताता है जिसके उत्तर हाँ के लिए 1 अंक तथा नहीं के लिए 0 अंक दिए हैं। द्ररिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके परिवार में एक या एक से अधिक बच्चे की कुपोषण से मृत्यु के सम्बन्ध में पूँछा गया तो 1000 साक्षात्कारदाताओं में से प्रत्येक 752 साक्षात्कारदाताओं ने हाँ एवं 248 साक्षात्कार–दाताओं ने नहीं बताया है। जिसके लिए प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए प्रत्येक 752 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक एवं प्रत्येक 248 साक्षात्कारदाताओं को नहीं के लिए 0 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 752 और औसत 0.752 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 और औसत 1 है। अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांकों के योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 248, 0.248 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के 75.2% परिवार में एक या एक से अधिक बच्चों की कुपोषण से मृत्यु हो चुकी है।

दसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	विद्युतउपभोग	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
10–	नहीं हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–10 में दरिद्र व्यक्तियों से घरों में बिजली का अध्ययन किया गया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने घर में विद्युत उपभोग के सम्बन्ध में बताता है जिसके उत्तर हाँ के लिए 0 अंक, नहीं के लिए 1 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके घर में विद्युत कनेक्शन के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रत्येक सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'नहीं' बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर नहीं के लिए 1000 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांको का कुल योग 1000 और औसत 1 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 और औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 1, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के घरों में बिजली नहीं है और वे विद्युत उपभोग से वंचित हैं।

ग्यारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	शुद्धपेयजल	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
11–	नहीं हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	**1000**
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–11 में दरिद्र व्यक्तियों के घर में स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध होने का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने घर में स्वच्छ पेयजल की आसानी से उपलब्धता के सम्बन्ध में बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 0 अंक तथा नहीं के लिए 1 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके घर में स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्धता के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रत्येक सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर नहीं बताया है। सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं को प्रत्येक उत्तर नहीं के लिए 1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार प्राप्ताकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के घरों में स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध नहीं है।

बारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	सफाईप्रबन्ध	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
12–	नहीं हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	**1000**
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–12 में दरिद्र व्यक्तियों के आवास के बाहर उपयुक्त सफाई या स्वच्छता का प्रबन्ध होने का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने आवास के बाहर उपयुक्त सफाई या स्वच्छता का प्रबन्ध होना बताता है जिसके उत्तर हाँ के लिए 0 अंक तथा नहीं के लिए 1 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके आवास के बाहर उपयुक्त सफाई अथवा स्वच्छता का प्रबन्ध होने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर नहीं बताया है। जिसके प्रत्येक उत्तर के 'नहीं' के लिए सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं को 1–1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के आवास के बाहर उपयुक्त सफाई अथवा स्वच्छता का प्रबन्ध होने नहीं है। क्योंकि दरिद्र आवासों के बाहर दबंगों एवं रहीसों के घरों से निकली गन्दिगी और पशुओं का गोबर एकत्र होता है और गन्दिगी के ढ़ेरों की जहरीली बू के बीच दरिद्र परिवार जीवन–यापन करने को अति मजबूर हैं।

तेरहवें प्रश्न के तथ्यों का वर्गीकरण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	स्वच्छआवास	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
13–	नहीं हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	**1000**
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–13 में दरिद्र व्यक्तियों के घर की छत एवं फर्श की स्वच्छता का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता घर की छत एवं फर्श की स्वच्छता के सम्बन्ध में बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर 'हाँ' के लिए 0 अंक और 'नहीं' के लिए 1 अंक दिए गए हैं। 1000 दरिद्र व्यक्तियों से जब उनके आवास की फर्श एवं छत की स्वच्छता के सम्बन्ध में पूँछा गया तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर नहीं बताया है। जिसके उत्तर के लिए प्रत्येक साक्षात्कारदाताओं को 'नहीं' उत्तर के लिए 1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्ति स्वच्छ छत एवं फर्श के आवास स्वच्छता से वंचित हैं।

चौदहवें प्रश्न के तथ्यों का वर्गीकरण एवं व्याख्या

प्र0	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	निकृष्टईंधन	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
14–	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–14 में दरिद्र व्यक्तियों के परिवार भोजन बनाने के लिए निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करने का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने परिवार में भोजन बनाने के लिए निकृष्ट ईंधन का प्रयोग बताता है जिसके लिए प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1, नहीं के लिए 0 अंक दिए गए हैं। 1000 दरिद्रताग्रसित व्यक्तियों से जब उनके परिवार में भोजन बनाने के लिए निकृष्ट ईंधन का प्रयोग पूँछा गया तो प्रत्येक सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर हाँ बताया है जिसके लिए सभी प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर हाँ के लिए 1 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का योग 1000 जिसका औसत 1 तथा अधिकतम अंकों का योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के परिवार भोजन बनाने के लिए निकृष्ट ईंधन का प्रयोग करते हैं।

पन्द्रहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	यंत्रअभाव	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
14–	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न–15 में दरिद्र व्यक्तियों से उनके पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टेलीविजन में से ज्यादा–से–ज्यादा केवल एक सुविधा होने का अध्ययन किया है। प्रत्येक उत्तरदाता अपने पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टेलीविजन में से ज्यादा–से–ज्यादा केवल एक सुविधा होना बताता है जिसके लिए प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक एवं नहीं के लिए 0 अंक दिए हैं। दरिद्रतासित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब पूँछा गया कि क्या उनके पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टेलीविजन में से ज्यादा–से–ज्यादा केवल एक सुविधा है तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'हाँ' बताया है जिसके लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर हाँ के लिए 1–1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 तथा अधिकतम अंकों का कुल योग 1000 जिसका औसत 1 है। अधिकतम अंको के योग एवं प्राप्तांकों के योग में अन्तर तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन एवं टेलीविजन में से ज्यादा–से–ज्यादा केवल एक सुविधा है।

सोलहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	भोज्यपदार्थ	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
16–1	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–2	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–3	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–4	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–5	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–6	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–7	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–8	पर्याप्त																
	कम	437	4010	446	500	491	437	1000	8317	6931	8911	8713	5149	7921	26931	558142	827173
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–9	पर्याप्त																
	कम	437	3911	464	500	491	437	1000	8218	7030	8911	8713	5149	7921	27030	559141	829171
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–10	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–11	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–12	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–13	पर्याप्त																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
16–14	पर्याप्त																
	कम	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–16 चौदह भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में प्रयोग होने वाले खाद्य पदार्थों की मात्रा का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने और अपने आश्रितों के दैनिक भोजन में सम्मिलित खाद्य पदार्थों की मात्रा के सम्बन्ध में बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 2 अंक और पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 28 अंक (पर्याप्त के लिए 0, कम के लिए 1, नहीं के लिए 2 अंक) दिए हैं। दरिद्रतासित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके दैनिक भोजन में प्रयोग होने वाले खाद्य पदार्थों की मात्रा के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रश्न के भाग–1, 2, 6, 7, 14 में प्रत्येक सभी साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'कम' बताए हैं जिसके प्रत्येक 'कम' उत्तर के लिए 1 अंक दिए हैं तथा भाग–3, 4, 5, 10, 11, 12, 13 में 1000 साक्षात्कार दाताओं ने प्रत्येक उत्तर 'नहीं' बताए हैं जिसके प्रत्येक उत्तर 'नहीं' के लिए 2 अंक दिए हैं तथा भाग–8 में 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 827 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर कम, 173 साक्षात्कार–दाताओं ने उत्तर 'नहीं' बताए हैं जिसके प्रत्येक उत्तर 'कम' के लिए 1 अंक एवं 'नहीं' के लिए 2 अंक दिए गए हैं तथा भाग–9 में 1000 साक्षात्कारदाताओं में से 829 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'कम', 171 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'नहीं' बताए हैं जिसके लिए प्रत्येक उत्तर 'कम' के लिए 1 अंक एवं नहीं के लिए 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का योग **भाग–1** में 1000, **भाग–2** में 1000, **भाग–3** में 2000, **भाग–4** में 2000, **भाग–5** में 2000, **भाग–6** में 1000, **भाग–7** में 1000 **भाग–8** में 1273, **भाग–9** में 1271, **भाग–10** में 2000, **भाग–11** में 2000, **भाग–12** में 2000, **भाग–13** में 2000, **भाग–14** में 1000 है जिनका कुल योग 23439 एवं औसत 23.439 है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता के लिए भाग–1 से 14 तक के प्रश्नों के लिए अधिकतम 28 अंक निर्धारित हैं। 1000 साक्षात्कारदाताओं के अधिकतम अंकों का कुल योग 28000 जिसका औसत 28 है। इस प्रकार अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांक के कुल योग एवं औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 4561, 4.53 है।

निष्कर्ष निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 17.1% शाकाहारी और 82.9% माशाहारी हैं। दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में शामिल रहने वाले खाद्य पदार्थों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के दैनिक भोजन में गेहूँ–मक्का–बाजरा की रोटी, चावल, नमक, तेल, शुद्ध ताजा जल की मात्रा कम होती है तथा 100% दरिद्र व्यक्तियों के दैनिक भोजन में हरी–मौसमी सब्जी–सलाद, दाल, चना, अंकुरित बीज, घी, दूध, दही, पनीर, चीनी, नाश्ता, चाय, मिठाई, मौसमी फल की मात्रा नहीं होती है तथा 82.7% दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में मांस–मछली की मात्रा कम होती है तथा 82.9% दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में अण्डों की मात्रा कम होती है।

विशेष दरिद्रों एवं उनके आश्रित के भोजन में आवश्यक खाद्य पदार्थ में 83% का वंचन है।

सत्ररहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	वस्त्रउपभोग	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
17–1	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–2	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–3	हाँ																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
17–4	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	नहीं																
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–17 चार भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के वस्त्र उपभोग का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने और अपने आश्रितों के वस्त्र उपभोग के सम्बन्ध में बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए साक्षात्कारदाता को 1 अंक और पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 4 अंक (भाग–1 एवं भाग–3 के उत्तर नहीं के लिए 1 अंक, हाँ के लिए 0 अंक तथा भाग–2 एवं भाग–4 के उत्तर हाँ के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके एवं उनके आश्रितों के वस्त्र उपभोग के सम्बन्ध में पूँछा गया तो **भाग–1** एवं **भाग–3** में 1000 साक्षात्कारदाताओं में से सभी साक्षात्कारदाताओं ने प्रत्येक उत्तर 'नहीं' बताए हैं जिसके लिए प्रत्येक साक्षात्कारदाता को उत्तर के 'नहीं' के लिए 1 अंक दिए गए हैं तथा **भाग–2** एवं **भाग–4** में 1000 साक्षात्कारदाताओं में से सभी साक्षात्कारदाताओं ने प्रत्येक उत्तर 'हाँ' बताए हैं जिसके प्रत्येक साक्षात्कारदाता को उत्तर 'हाँ' के लिए 1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का योग **भाग–1** में 1000, **भाग–2** में 1000, **भाग–3** में 1000, **भाग–4** में 1000 जिनका योग 4000 और औसत 4 है। इसी प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंकों का योग **भाग–1** में 1000, **भाग–2** में 1000, **भाग–3** में 1000, **भाग–4** में 1000 जिनका योग 4000 एवं औसत 4 है। अधिकतम अंकों का योग एवं प्राप्तांकों का योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों के पास ऋतु आधारित सामान्य वस्त्र अथवा पोशाकें नहीं हैं और न ही ऋतु आधारित आरामदेह बिस्तर है। 100% दरिद्र व्यक्ति और उनके प्रतिपाल्यों के पास फटे–पुराने अल्प वस्त्र पहनते हैं तथा टूटी खाट और फटा चादर ओढ़कर अथवा टाट–पट्टी पर सोते है।

विशेष–सभी दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित ऋतु आधारित वस्त्रों और आरामदेह बिस्तरों के उपभोग से वंचित हैं।

अठारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	सा.आवास	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
18–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
18–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	1000	100	1000	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
18–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–18 तीन भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के आवास की स्थिति का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने एवं अपने प्रतिपाल्यों के आवास–निवास की स्थिति बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 1 अंक तथा पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 3 अंक (भाग–1 एवं भाग–2 के उत्तर नहीं के लिए 1 अंक, हाँ के लिए 0 अंक तथा भाग–3 के उत्तर हाँ के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 0 अंक) दिए गए हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके और उनके आश्रितों के आवास–निवास की स्थिति पूँछी गयी तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं में से सभी ने **भाग–1** एवं **भाग–2** के प्रत्येक उत्तर के लिए 'नहीं' तथा **भाग–3** के प्रत्येक उत्तर के लिए 'हाँ' बताया है। जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं को **भाग–1** में प्रत्येक उत्तर 'नहीं' के लिए 1 अंक एवं **भाग–2** में प्रत्येक उत्तर 'नहीं' के लिए 1 अंक दिए हैं तथा **भाग–3** के प्रत्येक उत्तर 'हाँ' के लिए 1 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के **भाग–1** में कुल प्राप्तांक 1000, **भाग–2** में कुल प्राप्तांक 1000, **भाग–3** में कुल प्राप्तांक 1000 जिनका कुल योग 3000 एवं औसत 3 है तथा 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंकों का कुल योग 3000 एवं औसत 3 है। अधिकतम अंकों का योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्तियों और उनके प्रतिपाल्यों के आवास की स्थिति स्वच्छ एवं हवादार पक्का लेण्टर्ड भवन में नहीं है और न ही रहने के लिए स्वच्छ वातावरण में झोपड़ी युक्त पुराना अथवा नया भवन है। यह गन्दे वातावरण में झोपड़ी अथवा कच्चे या जर्जर मकान अथवा गन्दे नालों के किनारे या सड़क फुटपाथ पर प्लास्टिक तान कर जीवन–यापन कर रहे हैं।

विशेष–सभी दरिद्र व्यक्ति एवं उनके प्रतिपाल्य उपयुक्त आवासों में रहने से वंचित हैं।

उन्नीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	स्वास्थ्यस्थि	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
19–1	समान्य	3	5	3	3	8	5	0	7	4	1	0	1	3	27	16	43
	कमजोर	35	36	22	12	22	18	39	51	48	37	32	30	37	145	274	419
	रोगी	5	3	2	6	3	5	4	5	7	4	2	1	5	24	28	52
	कुपोषित	7	6	23	29	17	22	57	37	41	58	66	68	55	104	382	486
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
19–2	समान्य	7	10	6	13	0	7	6	19	13	12	16	17	12	43	95	138
	कमजोर	33	33	18	17	34	11	44	49	39	53	49	58	52	146	344	490
	रोगी	0	0	2	0	0	0	3	0	0	2	2	3	2	2	12	14
	कुपोषित	10	7	24	20	16	32	47	32	48	33	33	22	34	109	249	358
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–19 दो भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों के स्वास्थ्य की स्थिति का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने आश्रितों के स्वास्थ्य की स्थिति बताता है जिसके लिए अधिकतम 6 अंक एवं प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 3 अंक (उत्तर 'सामान्य' के लिए 0 अंक, 'कमजोर' के लिए 1 अंक, 'रोगी' के लिए 2 अंक, 'कुपोषित' के लिए 3 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से जब उनके एवं उनके आश्रितों के स्वास्थ्य की स्थिति पूँछी गयी तो 1000 साक्षात्कारदाताओं ने **भाग–1** में 43 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'सामान्य', 419 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'कमजोर', 52 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'रोगी', 486 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर 'कुपोषित' बताया है। जिसके लिए प्रत्येक साक्षात्कारदाता को उत्तर–'सामान्य' के लिए 0 अंक, 'कमजोर' के लिए 1 अंक, 'रोगी' के लिए 2 अंक, 'कुपोषित' के लिए 3 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 43 सामान्य के लिए कुल 0 अंक, 419 कमजोर के लिए 419 कुल अंक, 52 रोगी के लिए कुल 104 अंक, 486 कुपोषित के लिए कुल 1458 अंक दिए गए हैं। **भाग–2** में उत्तर के लिए 138 साक्षात्कारदाताओं ने सामान्य, 490 साक्षात्कारदाताओं ने कमजोर, 14 साक्षात्कारदाताओं ने रोगी, 338 साक्षात्कारदाताओं ने कुपोषित बताया हैं। जिसके लिए उत्तर–'सामान्य' के लिए 0 अंक, 'कमजोर' के लिए 1 अंक, 'रोगी' के लिए 2 अंक, 'कुपोषित' के लिए 3 अंक दिए हैं इस प्रकार उत्तर 138 सामान्य के लिए कुल 0 अंक, 490 कमजोर के लिए कुल 490 अंक, रोगी के लिए 28 अंक, 358 कुपोषित के लिए 1074 दिए गए हैं। 1000 साक्षात्कारदाताओं के प्राप्तांकों का कुल योग **भाग–1** में 1981 और **भाग–2** में 1572 जिनका प्राप्तांक योग 3553 एवं औसत 3.53 है तथा 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंकों का योग 6000 एवं औसत 6 है। अधिकतम अंक योग एवं प्राप्तांक योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 2447, 2.47 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों का स्वास्थ 43% व्यक्तियों का सामान्य, 41.9% का कमजोर, 5.2% व्यक्तियों का रोगी, 48.6% व्यक्तियों का कुपोषित है तथा इनके बच्चों का स्वास्थ 13.8% बच्चे सामान्य, 49% बच्चे कमजोर, 1.4% बच्चे रोगी, 35.8% बच्चे कुपोषित है।

विशेष–53.8% दरिद्र व्यक्ति एवं 37.2% दरिद्र व्यक्तियों के बच्चे रोगी और कुपोषित हैं तथा कुल 41.9% दरिद्र व्यक्ति एवं 49% दरिद्र व्यक्तियों के बच्चों का स्वास्थ कमजोर है।

बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	अक्षमता	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
20–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
20–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–20 ग्यारह भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों की जीवन–यापन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति मे स्वयं की अक्षमता का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने जीवन–यापन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में स्वयं की अक्षमता बताता है जिसके लिए कुल 11 अंक तथा प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक (उत्तर हाँ के लिए 1, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके जीवन–यापन की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति मे स्वयं की अक्षमता पूँछी गयी तो 1000 साक्षात्कारदाताओं ने सभी भागों में प्रत्येक उत्तर हाँ बताया है जिसके लिए साक्षात्कारदाता को प्रत्येक भाग के उत्तर हाँ के लिए 1 अंक अर्थात प्रश्न में प्रत्येक उत्तरदाता को 11 अंक दिए हैं। इस प्रकार सभी उत्तरदाताओं के प्राप्तांकों का योग भाग–1 में 1000, भाग–2 में 1000, भाग–3 में 1000, भाग–4 में 1000, भाग–5 में 1000, भाग–6 में 1000, भाग–7 में 1000 भाग–8 में 1000, भाग–9 में 1000, भाग–10 में 1000, भाग–11 में 1000 है। प्राप्तांक योग 11000 जिसका औसत 11 एवं अधिकतम अंक योग 11000 का औसत 11 है। इस प्रकार अंक योग एवं प्राप्तांक योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों में 100% दरिद्र व्यक्ति (i) अस्वस्थ्य होने पर उचित चिकित्सा के लिए, (ii) उचित शिक्षा के लिए, (iii) अपनी समस्या कहने के लिए, (iv) तीन पहर का भोजन पाने के लिए, (v) कैलोरी युक्त भरपेट भोजन पाने के लिए, (vi) आवश्यक वस्त्र खरीदने के लिए, (vii) आवश्यक जूते–चप्पल खरीदने के लिए, (viii) स्वयं का उपयुक्त घर बनाने या खरीदने के लिए, (ix) उचित काम से पर्याप्त धन अर्जित करने के लिए, (x) सामाजिक न्याय पाने के लिए, (xi) हिंसात्मक गतिविधियों से अपनी व आश्रितों की सुरक्षा के लिए अक्षम हैं।

इक्कीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	सूचनावंचन	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
21–अ–1	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–2	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–3	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–अ–4	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–1	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–2	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–3	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–4	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–5	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–6	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–7	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–8	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–9	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–10	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–11	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–12	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–ब–13	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–स–1	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–स–2	पर्याप्त कम	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

	कभीनहीं																
21–स–3	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–स–4	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
21–स–5	पर्याप्त कम कभीनहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–21 तीन भागों में विभाजित है **प्रथम भाग** चार उपभागों में विभाजित है तथा **द्वितीय भाग** 13 उपभागों में विभाजित है और **तृतीय भाग** पाँच उपभागों में विभाजित है। इस प्रश्न में साक्षात्कारदाताओं से दरिद्रता निवारण सम्बन्धी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ अनेक स्रोतों से प्राप्त कर सकते हैं जिसमें **स्थानीय स्रोतों** के अन्तर्गत–पारिवारिक सदस्य, पड़ोसी, मित्र तथा अधिकारिक स्रोतों के अन्तर्गत–सचिव/निदेशक/कमिश्नर,डीएम/सीडीओ/डीडीओ,एसडीएम/बीडीओ/लेखपाल, समाज कल्याण अधिकारी, सीएमओ/स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम/आशा/चिकित्सक, जिला/ब्लाक/ग्राम पंचायत अध्यक्ष, नगर/टाउन/ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम/टाउन/नगर की खुली बैठक, सांसद/विधायक/मंत्री/सलाहकार, सामाजिक कार्यकर्त्ता/स्वैच्छिक संगठन, आँगनबाड़ी, शिक्षक/प्रेरक तथा **संचार स्रोतों के अन्तर्गत**–समाचारपत्र, रेडियो, प्रोस्टर, पम्पलेट में से जो स्रोत नहीं हैं, का अध्ययन किया है। इस प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपनी दरिद्रता निवारण सम्बन्धी सरकारी योजनाओं की जानकारी के स्रोतों को बताता है। प्रश्न के प्रत्येक उपभाग के उत्तर के लिए अधिकतम 2 अंक (उत्तर नहीं के लिए 0 अंक, कम के लिए 1 अंक, पर्याप्त के लिए 2 अंक) और पूरे प्रश्न के लिए अधिकतम 28 अंक हैं। दरिद्रताग्रसित 1000 साक्षात्कारदाताओं से दरिद्रता निवारण सम्बन्धी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त करने के उक्त स्रोतों के नहीं होने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो सभी उत्तरदाताओं ने पारिवारिक सदस्य, पड़ोसी, मित्र, सचिव–निदेशक, कमिश्नर, डीएम, सीडीओ, डीडीओ, एसडीएम, बीडीओ, लेखपाल, समाज कल्याण अधिकारी, सीएमओ, स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, आशा, चिकित्सक, जिला–ब्लाक–ग्राम पंचायत अध्यक्ष, नगर–टाउन–ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम–टाउन–नगर की खुली बैठक, सांसद, विधायक, मंत्री, सलाहकार, सामाजिक कार्यकर्त्ता, स्वैच्छिक संगठन, आँगनबाड़ी, शिक्षक, प्रेरक तथा समाचारपत्र, रेडियो, प्रोस्टर, पम्पलेट सभी स्रोतों के न होने के प्रत्येक ने उत्तर के लिए 'पर्याप्त' बताया है। जिसके लिए 1000 उत्तरदाता को प्रत्येक उपभाग में प्रत्येक उत्तर पर्याप्त के लिए 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार उत्तरदाताओं के प्राप्तांकों का योग **भाग–अ** के **उपभाग–1 से 4** तक 18000, **भाग–2** के **उपभाग–1 से 13** में 26000, तथा **भाग–स** के **उपभाग–1 से 5** में 10000, जिनका कुल योग 46000 और औसत 46 है तथा 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंक योग 46000 और औसत 46 है। अधिकतम अंकों का योग एवं प्राप्तांकों का योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–दरिद्रता उन्मूलन सम्बन्धी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी दरिद्रो तक पहुँचाने वाले उक्त सभी स्रोत न ही दरिद्रों की मद्द कर रहे हैं और न ही दरिद्रता उन्मूलन दायित्त्वों का निर्वहन कर रहे हैं जिससे दरिद्रता उन्मूलन के उक्त स्रोत व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं।

बाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	स्कूलउपभोग	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
22–1	पर्याप्त																
	कम			2			1	2	9	23	1	7	2	25	3	69	72
	नहीं	50	50	48	50	50	49	98	91	77	99	93	98	75	297	631	928
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–2	पर्याप्त																
	कम									2				1	0	3	3
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	**98**	**100**	**100**	**100**	**99**	300	631	997
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–3	पर्याप्त																
	कम									3			3	2	0	8	8
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	**97**	**100**	**100**	**97**	**98**	300	631	992
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**
22–4	पर्याप्त																
	कम		1	2	1	3	7	16	5	13	21	11	16	4	14	86	100
	नहीं	50	49	48	49	47	43	84	95	87	79	89	84	96	286	614	900
	कुलउत्तर	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**300**	**700**	**1000**

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–27 के चार भाग हैं। इस प्रश्न के भाग–1 में दरिद्र व्यक्तियों के प्राथमिक या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा के उपभोग की स्थिति का अध्ययन किया हैं। प्रत्येक साक्षात्कारदाता प्राथमिक या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा के उपभोग की स्थिति बताता है। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके द्वारा प्राथमिक या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा का उपभोग कर पाने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रश्न के उत्तर में 72 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 928 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर नहीं बताया है। प्रश्न के भाग–2 में दरिद्र व्यक्तियों के प्रौढ या आँगनबाड़ी केन्द्र के उपभोग की स्थिति का अध्ययन किया हैं। प्रत्येक साक्षात्कारदाता प्रौढ या आँगनबाड़ी केन्द्र के उपभोग की स्थिति बताता है। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके द्वारा प्रौढ या आँगनबाड़ी केन्द्र का उपभोग कर पाने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रश्न के उत्तर में 3 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 997 साक्षात्कार दाताओं ने नही बताया है। प्रश्न के भाग–3 में दरिद्र व्यक्तियों के उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय के उपभोग की स्थिति का अध्ययन किया हैं। प्रत्येक साक्षात्कारदाता उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय के उपभोग की स्थिति बताता है। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके द्वारा उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय का उपभोग कर पाने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रश्न के उत्तर में में 8 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 992 साक्षात्कारदाताओं ने नही बताया है। प्रश्न के भाग–4 में दरिद्र व्यक्तियों के पब्लिक या कान्वेंट या अन्य विद्यालय के उपभोग की स्थिति का अध्ययन किया हैं। प्रत्येक साक्षात्कारदाता पब्लिक या कान्वेण्ट या अन्य विद्यालय के उपभोग की स्थिति बताता है। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके द्वारा पब्लिक या कान्वेण्ट या अन्य विद्यालय का उपभोग कर पाने के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रश्न के उत्तर में 100 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 900 साक्षात्कारदाताओं ने नही बताया है। प्रत्येक भाग में प्रत्येक साक्षात्कारदाता को उत्तर– पर्याप्त के लिए 0 अंक, कम के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 2 अंक दिए गए हैं। भाग–1 में उत्तर के लिए 72 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 1 अंक, 928 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 2 अंक दिए गए हैं, भाग–2 में उत्तर के लिए 3 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 1 अंक, 997 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 2 अंक दिए गए हैं, भाग–3 में उत्तर के लिए 8 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 1

अंक, 992 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 2 अंक दिए गए हैं तथा भाग–4 में उत्तर के लिए 100 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 1 अंक, 900 साक्षात्कारदाताओं में प्रत्येक को 2 अंक दिए गए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के कुल प्राप्तांकः भाग–1 में 1928, भाग–2 में 1997, भाग–3 में 1992, भाग–4 में 1900 अंक हैं जिनका योग 7684 एवं औसत 7.864 है। इसी प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं ने कुल अंक भाग–1 में 2000 अंक, भाग–2 में 2000 अंक, भाग–3 में 1000 अंक, भाग–4 में 2000 जिनका कुल प्राप्तांक योग 8000 एवं औसत 8 है। अधिकतम अंक योग एवं प्राप्तांक योग तथा औसत में अन्तर क्रमशः 376, 0.136 है।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों के परिवार में 0.72% दरिद्र व्यक्ति प्राथमिक या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा, 0.3% दरिद्र व्यक्ति प्रौढ़ शिक्षा या आँगनबाड़ी केन्द्र, 0.8% दरिद्र व्यक्ति उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय, 10% दरिद्र व्यक्ति पब्लिक या कान्वेट या अन्य विद्यालय का उपभोग कर पा रहे हैं। शेष 96% दरिद्र शिक्षण संस्थानों के उपभोग से वंचित हैं।

तेइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	मजबूरी	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
23–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
23–12	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–23 बारह भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्रता के कारण दरिद्र व्यक्तियों की मजबूरी (उत्पीडन) का अध्ययन किया है। 1000 साक्षात्कारदाता दरिद्रता के कारण होने वाली मजबूरी को बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 1 अंक और पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 12 अंक (उत्तर हाँ के लिए 1, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से दरिद्रता के कारण मजबूरी या उत्पीडन पूँछा गया तो 1000 उत्तरदाताओं में सभी उत्तर हाँ बताया हैं जिसके लिए प्रत्येक उत्तरदाता को प्रत्येक भाग में उत्तर हाँ के लिए 1 अंक तथा पूरे प्रश्न के लिए अधिकतम 12 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 उत्तरदाताओं के प्राप्ताकों का योग भाग–1 में 1000, भाग–2 में 1000, भाग–3 में 1000, भाग–4 में 1000, भाग–5 में 1000, भाग–6 में 1000, भाग–7 में 1000 भाग–8 में 1000, भाग–9 में 1000, भाग–10 में 1000, भाग–11 में 1000, भाग–12 में 1000 जिनका कुल योग 12000 व औसत 12 है। इसी तरह उत्तरदाताओं के अधिकतम अंकों का योग 12000 व औसत 12 है। अधिकतम अंक योग व प्राप्तांक योग व औसत में अन्तर क्रमशः 0,0 है।

निष्कर्ष दरिद्रता के कारण दरिद्र व्यक्ति– (i) आर्थिक असमानता, (ii) पूँजीवाद से आवश्यक वस्तुओं के अभाव में जीवन यापन, (ii) जातिवाद, दहशत, रोजगार साधनों का अभाव, (iv) बेरोजगारी, निरक्षरता और अज्ञानता के दुष्परिणामों का प्रभाव, (v) मक्खी–मच्छरों एवं कीटों का प्रकोप, (vi) बाल–बन्धुआ मजदूरी और ऋणग्रस्तता, (vii) शोषण, दरिद्र कल्याण की योजनाओं के लाभों का अभाव, न्याय की उपेक्षा, (viii) योग्यता अनुरूप पदासीनता का अभाव, (ix) राजनीतिक भागीदारी का अभाव झेलने को मजबूर हैं।

चौबीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	अपराध	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
24–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–10	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
24–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–24 के दस भाग में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्रता के कारण से होने वाले अपराधों का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता दरिद्रता के कारण होने वाले अपराध बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 1 अंक और पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 10 अंक (उत्तर हाँ के लिए 1, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से दरिद्रता के कारण होने वाले अपराध के सम्बन्ध में पूँछा गया तो सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं सभी भागों के प्रत्येक उत्तर हाँ बताए हैं जिनके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 उत्तरदाताओं के प्राप्तांक–भाग–1 में 1000, भाग–2–में 1000, भाग–3 में 1000, भाग–4 में 1000, भाग–5 में 1000, भाग–6 में 1000, भाग–7 में 1000 भाग–8 में 1000, भाग–9 में 1000, भाग–10 में 1000 जिनका कुल योग 10000 एवं औसत 10 है। 1000 उत्तरदाताओं के लिए अधिकतम अंकों का योग 10000 जिसका औसत 10 है। अधिकतम अंक योग व प्राप्तांक योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–दरिद्रता के कारण (i) बालश्रम, (ii) जातिवाद, (iii) बाल–विवाह, (iv) आत्महत्या, (v) मादक द्रव्य सेवन, (vi) वैश्यावृत्ति, (vii) आत्महत्या, (viii) अस्पृश्यता, (ix) सामजिक विद्रोह, (x) चोरी, (i) डकैती, (xi) लूटपाट, (xii) हत्या, (xii) शोषण होते हैं।

पचीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	योजनालाभ	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
25–1	हाँ																
	कम					2					10			18	2	28	30
	नहीं	50	50	50	50	48	50	100	100	100	90	100	100	82	298	672	970
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–2	हाँ	1			1						20			8	2	28	30
	कम	22	13	3	26	11	21	46	20	23	22	41	46	23	96	221	317
	नहीं	27	37	47	23	39	29	54	80	77	58	59	54	69	202	461	653
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–3	हाँ	23	10	3	19	2	9	27	27	9	17	38	26	13	66	157	223
	कम																
	नहीं	27	40	47	31	48	41	73	73	91	83	62	74	87	234	543	777
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–4	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–5	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–6	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–7	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–8	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
25–9	हाँ																
	कम																
	नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–25 नौ भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र कल्याण की सरकारी योजनाओं के मिलने वाले लाभ का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता दरिद्र कल्याण की सरकारी योजनाओं के मिलने वाले लाभ बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 2 अंक और पूरे प्रश्न के लिए 18 अंक (उत्तर हाँ के लिए 0 अंक, कम के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 2 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कार दाताओं से दरिद्र कल्याण की सरकारी योजनाओं के मिलने वाला लाभ पूँछा गया तो भाग–1 के उत्तर के लिए 30 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 970 साक्षात्कारदाताओं ने नही बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 30 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक, 970 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए तथा भाग–2 के उत्तर के लिए 30 साक्षात्कारदाताओं ने हाँ, 317 साक्षात्कारदाताओं ने कम, 653 साक्षात्कारदाताओं ने नही बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 30 साक्षात्कार दाताओं को 0 अंक, 317 साक्षात्कारदाताओं को 1 अंक, 653 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए

हैं तथा भाग–3 के उत्तर में 223 उत्तरदाताओं ने हाँ, 777 साक्षात्कारदाताओं ने नही बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 223 उत्तरदाताओं को 0 अंक, 777 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक तथा भाग–4 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं तथा भाग–5 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं तथा भाग–6 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं तथा भाग–7 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं तथा भाग–8 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं तथा भाग–9 के उत्तर के लिए 1000 उत्तरदाताओं ने नहीं बताया है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं को 2 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं को कुल प्राप्तांक– भाग–1 में 1970 अंक, भाग–2 में 1623 अंक, भाग–3 में 1554, भाग–4 में 2000 अंक, भाग–7 में 2000 अंक, भाग–6 में 2000 अंक, भाग–7 में 2000 अंक, भाग–8 में 2000 अंक, भाग–9 में 2000, जिनका योग 17147 एवं औसत 17.147 है। इसी प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के अधिकतम अंकों का योग 18000 जिसका औसत 18 है। अधिकतम अंक योग एवं प्राप्तांक योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 853, 0.1851 हैं।

निष्कर्ष–निदर्श में चुने गए 1000 दरिद्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति है– (i) मनरेगा का लाभ 3% दरिद्रों को कम तथा 97% दरिद्रों को नहीं मिलता है, (ii) कोटे का राशन 3% दरिद्रों को मिलता है व 31.7% दरिद्रों को कम एवं 65.3% दरिद्रों को राशन नहीं मिलता है, (iii) दरिद्रता सम्बन्धी पेंशन 22.7% दरिद्रों को मिली है और 77.7% दरिद्रों को नहीं मिली है, (iv) 100% दरिद्रों को आवास नहीं मिला है, (v) 100% दरिद्रों को गैस कनेक्शन नहीं मिला है, (vi) 100% दरिद्रों को भूमि–पट्टा नहीं मिला है, (vii) 100% दरिद्रों को जीवन सुरक्षा बीमा नहीं मिला है, (viii) 100% दरिद्रों को उपयुक्त स्वास्थ्य चिकित्सा व शिक्षा लाभ नहीं मिलता है, (ix) 100% दरिद्रों को योग्यता अनुरूप रोजगार एवं पदासीनता लाभ नही मिला है।

विशेष–दरिद्र कल्याण की सरकारी योजनाओं के लाभ से 95.26% दरिद्र व्यक्ति वंचित हैं।

छब्बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	शुद्धजल	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
26–	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–26 में दरिद्र व्यक्तियों और उनके आश्रितों का जीवन भोजन–शिक्षा के अभाव एवं गन्दिगी तथा प्रदूषित जल से प्रभावित होने का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता अपने एवं आश्रितों का जीवन भोजन–शिक्षा के अभाव एवं गन्दिगी तथा प्रदूषित जल के प्रभाव को बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 2 अंक (हाँ के लिए 2 अंक, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनके एवं उनके आश्रितों का जीवन भोजन–शिक्षा के अभाव एवं गन्दिगी तथा प्रदूषित जल से प्रभावित के सम्बन्ध में पूँछा गया तो 1000 साक्षात्कारदाताओं ने हाँ बताया है जिसके लिए सभी 1000 साक्षात्कारदाताओं को प्रत्येक उत्तर– हाँ के लिए 2 अंक दिए हैं जिनका कुल योग 2000 एवं औसत 2 है। इसी प्रकार 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंक 2 का योग 2000 एवं औसत 2 अंक है। इस प्रकार अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांकों के योग एवं औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–100% दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों का जीवन भोजन–शिक्षा के अभाव एवं गन्दिगी तथा प्रदूषित जल से प्रभावित रहता है।

सत्ताइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र						ग्रामीण–क्षेत्र							कुल		
	वंचनकारण	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
27–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
27–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–27 चार भागों में विभाजित है। इस प्रश्न में दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ दरिद्रों को न मिल पाने के कारण का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ दरिद्रों को न मिल पाने के कारण बताता है जिसके प्रत्येक भाग के उत्तर के लिए 1 और पूरे प्रश्न के उत्तर के लिए कुल 4 अंक (हाँ के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ दरिद्रों को न मिल पाने के कारण के सम्बन्ध में पूँछा गया तो भाग–1 में 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर हाँ बताया हैं जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक दिए हैं तथा भाग–2 में 1000 साक्षात्कारदाताओं ने प्रत्येक उत्तर हाँ बताया हैं जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक दिए हैं तथा भाग–3 में 1000 साक्षात्कारदाताओं ने प्रत्येक उत्तर हाँ बताया हैं जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1–1 अंक दिए हैं तथा भाग–4 में 1000 साक्षात्कारदाताओं ने प्रत्येक उत्तर हाँ बताया हैं जिसके प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1–1 अंक दिए हैं। इस प्रकार 1000 उत्तरदाताओं के प्राप्तांक– भाग–1 में 1000, भाग–2 में 1000, भाग–3 में 2000, भाग–4 में 2000 जिसका कुल प्राप्तांक योग 4000 एवं औसत 4 है। 1000 साक्षात्कारदाताओं के लिए अधिकतम अंक योग 4000 एवं औसत अंकों 4 है। इस प्रकार अधिकतम अंक योग एवं प्राप्तांक योग तथा औसत में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं का लाभ दरिद्रों को न मिल पाने के 100% कारण– (i) दरिद्रता, (ii) अशिक्षा, (iii) दबंगो की अमानक पदासीनता और फर्जीबाड़ा तथा (iv) रिश्वत और (v) भ्रष्टाचार हैं।

अट्ठाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र							ग्रामीण–क्षेत्र							कुल	
	विकासयोग	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
28–	सक्रिय																
	निष्क्रिय	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
	कुलउत्तर	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–28 में दरिद्रता ग्रसित व्यक्तियों के मानव विकास में योगदान का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता मानव विकास में अपना योगदान बताता है जिसके प्रत्येक उत्तर के लिए 3 अंक दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से उनका मानव विकास में योगदान के सम्बन्ध में पूँछा गया तो प्रत्येक 1000 साक्षात्कारदाताओं ने उत्तर निष्क्रिय बताया है जिसके उत्तर के लिए 1000 साक्षात्कारदाताओं को उत्तर–निष्क्रिय के लिए 3 अंक दिए हैं जिनका कुल योग 3000 एवं औसत 3 है। 1000 साक्षात्कारदाताओं के उत्तर के लिए अधिकतम अंकों का योग 3000 एवं औसत 3 अंक है। अधिकतम अंकों के योग एवं प्राप्तांकों के योग तथा औसत अंकों में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष–मानव विकास में योगदान करने के लिए 100% दरिद्रता ग्रसित व्यक्ति निष्क्रिय रहते हैं।

उन्तीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रश्न	उत्तर	नगरीय–क्षेत्र							ग्रामीण–क्षेत्र							कुल	
	आवश्यकता	फर्रू	कमा	मोह	काय	शम	कंपि	बढ़	कमा.	मोह	काय	शम	नबा	राजे	नग	ग्राम	कुल
29–1	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–2	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–3	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–4	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–5	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–6	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–7	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–8	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–9	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–10	हाँ	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000
29–11	हाँ नहीं	50	50	50	50	50	50	100	100	100	100	100	100	100	300	700	1000

प्रस्तुत अध्ययन की साक्षात्कार अनुसूची में प्रश्न–28 के 11 भाग हैं। इस प्रश्न में मानव विकास और समाज कल्याण के लिए आवश्कता का अध्ययन किया है। प्रत्येक साक्षात्कारदाता मानव विकास और समाज कल्याण के लिए जरूरत बताता है। जिसके लिए अंक 11 एवं प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक (उत्तर हाँ के लिए 1 अंक, नहीं के लिए 0 अंक) दिए हैं। दरिद्रताग्रस्त 1000 साक्षात्कारदाताओं से मानव विकास और समाजकल्याण के लिए आवश्य है–(i) दरिद्रता उन्मूलन, (ii) भुखमरी उन्मूलन, (iii) बेहतर स्वास्थ्य, (iv) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, (v) भ्रष्टाचार उन्मूलन, (vi) स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, (vii) दरिद्रों को बेहतर रोजगार एवं आर्थिक विकास (viii) दरिद्रों के जीवन एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, (ix) दरिद्रों पर अत्याचार करने वालों को दण्ड (x) फर्जी दरिद्र बनकर दरिद्र कल्याण योजनाओं का लाभ हड़पने वालों पर अंकुश, (xi) व्यक्ति एवं लैंगिक समानता, (xii) सामाजिक न्याय पूँछा गई तो सभी उत्तरदाताओं ने सभी भागों के प्रत्येक उत्तर हाँ बताया है जिसके लिए 12 भागों में प्रत्येक उत्तर हाँ के लिए 1 अंक दिया हैं। इस प्रकार 1000 उत्तरदाताओं का प्राप्तांक योग भाग–1 में 1000, भाग–2 में 1000, भाग–3 में 1000, भाग–4 में 1000, भाग–5 में 1000, भाग–6 में 1000, भाग–7 में 1000 भाग–8 में 1000, भाग–9 में 1000, भाग–10 में 1000, भाग–11 में 1000 है जिनका कुल योग 11000 एवं औसत 11 है। इसी प्रकार 1000 उत्तरदाताओं के लिए अधिकतम अंक का योग 11000 जिसका औसत 11 है। अधिकतम अंक योग व प्राप्तांक योग अन्तर एवं औसत में अन्तर क्रमशः 0, 0 है।

निष्कर्ष मानव विकास एवं समाज–कल्याण के लिए (i) दरिद्रता उन्मूलन, (ii) भुखमरी उन्मूलन, (iii) बेहतर स्वास्थ्य, (iv) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, (v) भ्रष्टाचार उन्मूलन, (vi) स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, (vii) दरिद्रों को बेहतर रोजगार एवं आर्थिक विकास, (viii) दरिद्रों जीवन एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, (ix) दरिद्रों पर अत्याचार करने वालों को दण्ड, (x) फर्जी दरिद्र बनकर लाभ हड़पने वालों पर अंकुश, (xi) व्यक्ति एवं लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय आवश्यक है।

दरिद्रता भूख है और उस अवस्था से जुड़ी है निरन्तरता। अर्थात् सतत् भूख की स्थिति का बने रहना। दरिद्रता है एक उचित सहवास का अभाव, दरिद्रता है बीमार होने पर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले पाने में असक्षम होना, विद्यालय न जा पाना और न पढ़ पाना। दरिद्रता है आजीविका के साधनों का अभाव और दिन में दोनों समय भोजन न मिल पाना। छोटे–बच्चों की कुपोषण के कारण होने वाली मौतें दरिद्रता का वीभत्स प्रमाण है और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में शक्तिहीनता, राजनैतिक व्यवस्था में प्रतिनिधित्व न होना और अवसरों का अभाव दरिद्रता की परिभाषा का आधार तैयार करते हैं।

स्वतन्त्रता उपरान्त 70 वर्षों की योजनाओं के पश्चात् भी भारत अभी तक सबसे अधिक दरिद्रतम देशों में से एक है। कई देशों ने जो भारत से कहीं छोटे हैं, प्रगति की है। दुनिया के दरिद्रों में हर तीसरा व्यक्ति भारतीय है और इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। कुछ परिवर्तनीय स्थितियाँ जिनके कारण दरिद्र एक–दूसरे से भिन्न हैंः श्रमिक बल में सहभागिता की मात्रा, रोजगार का प्रकार, परिवार की विशेषताएँ, वृहत् समाज के ज्ञान की राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों के प्रति चेतना, राजनीति, धर्म तथा सामाजिक रीति–रिवाज के मूल्य अभिमुखकरण। दरिद्र केवल मात्रा में एक–दूसरे से भिन्न हैं परन्तु इनका स्वरूप समान है।

निम्न प्रति व्यक्ति आय, निम्न भोजन स्तर, सन्तुलित भोजन का अभाव, घटिया मकान और रहन सहन की बुरी दशाएँ–ये सभी स्वास्थ्य के स्तर को नीचा रखने की ओर ही क्रिया–शील होती हैं। इस घटनाचक्र की अभिव्यक्ति जीवन की निम्न प्रत्याशा और उच्च मृत्यु–दर में पायी जाती है। यू.एन.डी.पी.की मानव विकास रिपोर्ट 2013 के अनुसार, भारत में 2012 में औसत प्रत्याशित आयु 65.8 वर्ष है जबकि कोरियन गणराज्य में यह 80.7 वर्ष है। तथा भारत की शिशु मृत्यु–दर 2012 में 63 प्रति हजार है जबकि कोरियन गणराज्य में 4, मलेशिया में 7 प्रति हजार है।

भारत में लगभग 25% से 40% जनसंख्या कुपोषण की शिकार है। भारतीय भोजन में प्रति दिन औसतन 44 ग्राम प्रोटीन प्राप्त होती है जबकि उन्नत देशो में यह मात्रा तिगुनी है। भारत में 1960 में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धि 46 किलोग्राम थी जो 1997–98 में बढ़ कर 75 किलोग्राम हो गई है, परन्तु यह अब भी विकसित देशों की तुलना में कम है। वर्ष 1996 में 85% जनसंख्या को पीने में सुरक्षित पानी प्राप्त था। इसके कारण जनता की बीमारियों का मुकाबला करने की शक्ति कम हो जाती है और यह तत्त्व भारतीय श्रमिकों की निम्न कुशलता के लिए एक हद तक जिम्मेदार है।

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्ति की समस्याएँ ऐसी समस्याएँ हैं, जिसमें दरिद्र व्यक्ति अपनी मूल मानवीय आवश्यकता को पूरा कर पाने में असमर्थ रहता है। ये मूल आवश्यकताएँ– पर्याप्त पौष्टिक आहार प्राप्त करना, रहने के लिए उपयुक्त स्थान, पहनने के लिए उपयुक्त वस्त्र की उपलब्धता, शिक्षा ग्रहण करने को साधन एवं परिहार्य बीमारियों से बचने की क्षमता का वंचन हैं। दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का आकलन करने के परिणामस्वरूप दरिद्र व्यक्ति जिन महत्त्वपूर्ण समस्याओं का सामना करते हैं वे हैं–(i) भर पेट भोजन का अभाव, (ii) मौसम अनुकूल वस्त्रों का अभाव, (iii) रहने के लिए आवास का अभाव, (iv) सामान्य स्वास्थ्य का अभाव, (v) निरक्षरता, (vi) बेरोजगारी, (vii) ऋण ग्रस्तता, (viii) बन्धुआ मजदूरी (ix) बालश्रम, (x) शोषण,

(xi) भिक्षावृत्ति, (xii) वैश्यावृत्ति, (xiii) बालविवाह, (xiv) पूँजीवाद, (xv) जातिवाद, (xvi) अस्पृश्यता, (xvii) मध्यपान, (xviii) नशा, (xix) अन्याय, (xx) भ्रष्टाचार तथा (xxi) प्राकृतिक आपदा।

फर्रूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों के लिए यह भू–लोक ही नरक है। यहाँ के दरिद्र, बेरोजगार, खेतिहर मजदूर, दिहाड़ी मजदूर ये सब उस वर्ग के व्यक्ति है जो कठोर परिश्रम करने के बाद भी दो समय का भोजन अपने परिवार को नहीं दे पाते हैं। जिसके फलस्वरूप दरिद्र व्यक्ति और उनके प्रतिपाल्य कुपोषण का शिकार बन जाते हैं। बढ़ती मंहगाई, निम्न आय दरिद्र व्यक्तियों और उनके बच्चों को पौष्टिक मूल्यों वाले भोज्य पदार्थों को क्रय के योग्य नहीं छोड़ती है। जीवन के मूलभूत आवश्यक पदार्थों के अभावों में जीवन–यापन करना इनकी मजबूरी है।

फर्रूखाबाद जिले के दरिद्रों के पास खाने को भोजन और पहनने को वस्त्र नहीं हैं और न ही रहने के लिए घर है तथा पढ़ना–लिखना उनके वश की बात नहीं है। एक ओर अत्यधिक दरिद्र हैं तो दूसरी ओर पूँजीपति और अधिक धनी होते जा रहे हैं। अनेक दरिद्र व्यक्ति गन्दिगी में जन्म लेकर वहीं पलते हैं। अधिकांश दरिद्र गन्दी झोपड़ियों में ही अपना पूरा जीवन काट देते हैं। दरिद्रों के आदर्शों एवं विश्वासों में भी शिथिलता आ गई है। दरिद्र व्यक्तियों में स्पष्ट चिन्तन का अभाव है। धार्मिक विश्वास टूट रहे हैं। पुराने विचार समाप्त हो रहे हैं। समाज के पुराने आदर्श एवं पुरानी परम्पराएँ लुप्त हो रही हैं किन्तु उनका स्थान नये आदर्श ले रहे हैं। एक प्रकार की विचार शून्यता की स्थिति है। इसलिए भ्रष्टाचार भी शनैः–शनैः समाज में छाता जा रहा है। संयुक्त परिवार नष्ट हो रहे हैं अथवा फिर कलह के घर बनते जा रहे हैं।

जनपद के परिश्रमी–कृषक कंगालों और फकीरों जैसा जीवन यापन कर भूंखे पेट सोने को मजबूर है। जिसकी कमजोरी का लाभ उठाकर रहीस जनसेवा का ढोंगकर शासन–प्रशासन के उच्च पदों पर आसीन होकर जन–कल्याणकारी सरकारी योजनाओं का लाभ हड़पकर सामान्य जनता को भेंड़ों की तरह हाँक रहे हैं। जनता का बड़ा भाग भोजन–पानी के लिए गुहार लगाते हुए दर–दर भटक रहा है। भूखे भिखारियों के बच्चे बूँद–बूँद दूध के लिए तरस रहे हैं। हजारों लहशें बिना कफन मुर्दा खानों में जा रहीं हैं। जबकि लोकतान्त्रिक देश–प्रदेश के मन्त्री, अधिकारी और नेता देश के धन–सम्पत्ति पर जबरदस्त कब्जा कर ब्याज लाभ एवं चौरस–सट्टा व्यापार में लगे दिख रहे हैं। इनके द्वारा आयोजित समारोहों में सरकारी– सार्वजनिक धन–सम्पत्ति पानी की तरह बहाकर रहीस–लुटेरों को महिमा मंडित किया जा हरा है। यह लोग धनी–व्यापारी–सौदागरों के साथ रंगमंचों पर जाकर एक–दूसरे के प्रति इस लिए प्रेम–लगाव प्रदर्शित कर रहे हैं। ताकि जिम्मेदार विभागों के अधिकारी इनके अपराधों के विरुद्ध हाथ डालने की हिम्मत न जुटा सकें। जिसके कारण भारतीय जन–समाज की स्थिति दिनों–दिन बद् से बद्त्तर होती जा रही है और राष्ट्र–समाज विदेशी कर्ज में बुरी तरह डूबता जा रहा है।

मालिक–नियोक्ता, अमीर, अधिकारी और सरकार भी दरिद्रों से घृणा करती है। वे आलसी, अकुशल और समाज पर बोझ माने जाते हैं उनको प्रत्येक स्तर पर सताया जाता है, अपमानित किया जाता है और उनसे भेद–भाव किया जाता है। उनका कोई प्रतिनिधित्व नहीं करता और वे शक्तिहीन होते हैं। इस कारण सदैव शक्तिशाली व्यक्तियों के आक्रमण और

विद्वेष के निशाने बनाए जाते हैं। उन्हें निरक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनमे सामूहिक शक्ति का अभाव होता है और जब कभी वे स्थानीय या लघु स्तर पर समाज के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिक शक्तिशाली समूहों के विरुद्ध एक होने का प्रयत्न करते है तो उन व्यक्तियों को महसूस होता है कि उनके आधिपत्य को खतरा है और इस कारण उन दरिद्रों को कुचल दिया जाता है। उन्हें ऋणों पर ऊँची दर पर ब्याज देना पड़ता है। उन पर दोषारोपण किया जाता है और उन्हें अनुशासनहीनता, अपरिपक्व और बहुत कम दूरदर्शिता वाला कहा जाता है। जिन कार्यालयों में वे जाते हैं, वहाँ उनकी ओर बहुत कम ध्यान या बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जाता है। पुलिस तो सबसे पहले उन क्षेत्रों में जाती है जहाँ दरिद्र रहते हैं जैसे कि केवल दरिद्र ही अपराध करते हैं। वे विरले ही विश्वसनीय, भरोसे के और ईमानदार माने जाते हैं। इस प्रकार समाज के प्रत्येक स्तर पर प्रतिकूल रवैया दरिद्र व्यक्तियों की आत्मछवि को गिराता है, उनमें हीन–भावना को जन्म देता है और अपनी सहायता के लिए साधन जुटाने के प्रयत्नों पर उन पर रोक लगाता है।

जीविका उपार्जन के लिए दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित विभिन्न प्रकार के पेशे अपनाते हैं। कुछ दरिद्र व्यक्ति और उनके आश्रित खेत–खलिहान और जंगल में मिलने वाली सामग्रियों या कूड़ा–करकट के ढ़ेरों से कबाड़ा एकत्रित कर बेंचते हैं। अधिकांश दरिद्र अपनी पत्नी एवं बच्चों सहित ईंट–भट्टों पर पथाई–ढुलाई काम में पशुओं की भाँति रात–दिन काम कर रहे हैं। शीतगृहों में सड़े आलू बीनन वाले तथा तम्बाकू गोदामों की विषाक्त घुटन के बीच बड़ी सख्या में काम पर लगे बाल–वृद्ध श्रम बेंच रहे है। इसके बावजूद उनकी मजदूरी इतनी कम होती है कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्कताओं की वस्तुओं को प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

अधिकांश दरिद्र अपने रोगों का इलाज नहीं कराते हैं। वे जानते हैं कि पैसे के अभाव में उनका इलाज निजी अस्पतालों में नहीं होगा। सरकारी अस्पतालों के स्वीपर्स–चपरासियों द्वारा तीन दिन खाने के टेबलेट–कैप्सूल पकड़ा दिए जाएँगे। जब वे बहुत अधिक बीमार या मरणासन स्थिति में पहुँच जाते हैं तो उनके परिजन या पड़ोसी 102 या 108 नम्बर पर फोन करते हैं। सरकारी एम्बुलेंस आती है और रोगी को लेकर जाती है। एम्बुलेंस के अधिकांश चालक रोगी को सरकारी चिकित्सालय की जगह निजी चिकित्सालय में एडमिट करा देते हैं। कुछ समय बाद जब चिकित्सक द्वारा इलाज का बिल दिया जाता है तो रोगी के परिजन परेशान हो जाते हैं और ऐन–केन प्रकारेण परिजन ऋण लेकर बिल अदा करते हैं तो चिकित्सक द्वारा दूसरा बिल दे दिया जाता है और बिल न चुका पाने की स्थिति में रोगी छोड़ने हेतु कहा जाता है। परिजन मजबूर होकर रोगी छोड़ देते हैं और चिकित्सक रोगी के अंग निकाल कर बेंच देते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित करने एवं निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए बहुत बड़ी संख्या में सरकारी और निजी स्कूल एवं महाविद्यालय गली–कूँचे में संचालित हो रहे हैं। इनमें दरिद्र आश्रितों को पढ़ने के लिए प्रवेश दिए जाने का कोटा और रहने के लिए निःशुल्क हॉस्टल, भोजन के लिए मैस और पढ़ने के लिए पुस्तकालय से निःशुल्क पुस्तकें, सेमिनार–गोष्ठी में निःशुल्क भागीदारी, छात्रवृत्ति, शैक्षिक संस्थाओं में निःशुल्क सदस्यता आदि व्यवस्था निर्धारित है। मानव संसाधन मन्त्रालय एवं केन्द्र व

राज्य सरकारों सहित यू.जी.सी., शिक्षा बोर्ड, सासंद–विधायक क्षेत्रीय विकास निधियों एवं प्रतिपूर्ति शुल्क आदि के धन से विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को भवन आदि व्यवस्थाएँ दिए जाने के बावजूद इनके प्रबन्धन के नाम पर रहीसों ने जबरदस्त कब्जा कर लिया है। यह रहीस शिक्षा मानकों एवं आधिनियमों की जबरदस्त उपेक्षाकर अपने परिजनों आपसी हितबद्धों को प्रबन्ध तन्त्रों में पदासीन कर शिक्षा–डिग्री बेंचने में जुटे हुए हैं। सुविधाओं के नाम पर अवैध वसूली, छात्रावासों पर प्रबन्धकों के परिवारों का कब्जे, सरकारी कोष से मिलने वाले अनुदान एवं चन्दों की धनराशि यहाँ तक कि अनुदानित कम्प्यूटर–लैब–लैबोरेटरी ग्राण्ट से मिले उपकरण एवं पुस्तकों को बेंच लिए जाने तथा सेमिनार–संगोष्ठी में मनमानी धन उगाही से दरिद्र आश्रितों को जरूरी शिक्षा लाभ से जबरदस्त वंचित होना पड़ रहा है। एडिड विद्यालयों के मानदेय शिक्षकों एवं निजी विद्यालयों में शिक्षकों का पारिश्रमिक शोषण माफियाओं की आय का प्रमुख साधन है।

परिषदीय विद्यालयों एवं सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन होने तथा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में सी.सी.टी.वी. लगे होने तथा कक्षाओं में विद्यार्थियों की 75% उपस्थिति होने पर ही परीक्षाओं में बैठने का प्रावधान होने के बावजूद अधिकांश शिक्षक शिक्षण कार्य करने कक्षाओं में नहीं जाते, छात्र–छात्राएँ पढ़ने नहीं आते, पुस्तकालय की पुस्तकें पढ़ने हेतु दी नहीं जातीं, लैब में प्रक्टीकल्स नहीं होते, शिक्षण कक्षों की सफाई नहीं होती, प्रबन्धकों के परिजन प्राचार्य–प्राक्टर सीट पर बैठते, पूरे सत्र पढ़ाई नहीं होती, और न ही कक्षाओं का पाठ्यक्रम पूरा नहीं कराया जाता है। फिर भी न जाने किस आधार पर विश्वविद्यालयों एवं शिक्षा बोर्ड्स द्वारा ऐसे विद्यालयों–महाविद्यालयों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य को ठीक बताकर इनके छात्रों की परीक्षाओं को इन्हीं विद्यालयों–महाविद्यालयों में संचालित कराकर नकल आधारित डिग्री का वितरण कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि नकल परीक्षाओं एवं मनमाने कार्यों से धन उगाही के धन का बन्दर–बाँट होता है और भुगतान करने हेतु प्रबन्धक अथवा उनके सगे–सम्बन्धी आपसी हितबद्ध विश्वविद्यालय–बोर्ड्स के नियमित चक्कर काटते रहते है। अधिकांश प्राचार्य और प्रबन्धक अनेक विद्यालयों–महाविद्यालयों के प्राचार्य–शिक्षक भी बने हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की कुछ परम्पराएँ और रीति–रिवाज इस प्रकार के हैं कि लोगों को समय–समय पर मान मर्यादा को बनाए रखने की दृष्टि से काफी कुछ खर्च करना पड़ता है। उदाहरण के रूप में, विवाह के अवसर पर लड़की के माता–पिता को कर्ज तक लेना पड़ता है। कर्ज लेते वक्त सामान्यतः उन्हें अपनी भूमि साहूकार के यहॉ गिरवी रखनी पड़ती है और फिर ब्याज चढ़ता जाता है और वह जमीन को पुनः साहूकार के चंगुल से नहीं छुड़ा पाता है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी मृत्यु भोज की प्रथा पाई जाती है। आर्थिक स्थिति खराब होने के बावजूद भी व्यक्ति को अपने माता–पिता की मृत्यु के अवसर पर भोज करना पड़ता है जिसमें काफी कुछ खर्चा हो जाता है। इसी प्रकार के कुछ अन्य रीति–रिवाजों, प्रथाओं, परम्पराओं, आदि को निभाने के लिए व्यक्ति को अपनी आजीविका के मुख्य साधन भूमि से हाथ धोना पड़ता है। अधिकांश दरिद्रों की दरिद्रता और अज्ञानता का लाभ उठाकर उनके आवास व भूमि पर रहीसों, भू–माफियाओं, शातिर दिमाग के राजनैतिक नेताओं ने कब्जा कर व्यापारिक प्रतिष्ठान बना लिए हैं।

जनपद में दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में बाल–विवाह का प्रचलन अभी भी है। ग्रामीण समाज में विधवा–विवाह अभी भी निन्दनीय है। अनमेल विवाहों का भी खूब चलन है। देहज–प्रथा से दरिद्र व्यक्ति परेशान हैं। आर्थिक दृष्टि से भी संकट है। महंगाई दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। अन्नोत्पादन घट रहा है। आबादी दिन प्रति दिन बढ़ती जी रही है। इच्छाएँ एवं महत्त्वकांक्षाएँ बढ़ती जा रही हैं। जीवन–स्तर ऊँचा उठाने के प्रयत्न में सभी हैं किन्तु आय कम है। इस अन्तर को अनैतिकता की कमाई से कुछ व्यक्ति पूरा कर रहे हैं। इस प्रकार दरिद्र व्यक्ति संक्रान्ति काल से गुजर रहे है और सामान्यजनों का जीवन अस्त–व्यस्त है।

व्यापारी, उद्योगपति, राजनेता, नौकरशाह और ठेकेदार उत्पादन के साधनों (मशीन, मिल, कारखाना, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी) के उद्‌भव के साथ–साथ के दो विराट वर्गों में बँटे हुए हैं। प्रथम वर्ग अल्पसंख्यक उन लोगों का है जिनका इन उत्पादन के साधनों पर अधिकार है, अर्थात् व्यापारी, उद्योगपति, नौकरशाह, नेता। दूसरा वर्ग समाज के बहुसंख्यक श्रमिकों, बेरोजगार आदि का है जिनके पास पूँजीं या जीविका के अन्य साधन नहीं हैं उनके लिए जीवित रहने का एक ही मार्ग खुला हुआ है और वह है कि वे अपने आपको रहीस के पास जाकर बेंच दें, अर्थात् अपने श्रम से उत्पादन कार्य में सक्रिय भाग लें और उसके बदले में कागजों पर नाम लिखें तथा वेतन के नाम पर खैरात कितना होगा इसका निर्धारण श्रमिक नहीं, अपितु धनीवर्ग करता है। धनीवर्ग दरिद्रों की कमजोरियों को खूब जानता है और उसी के बल पर अपना स्वार्थ सिद्ध करता है। धनीवर्ग जानता है कि दरिद्र अपने श्रम और परिवार को भविष्य के लिए सुरक्षित करके नहीं रह सकता और न वह रातों–रात अपने को इतना संगठित या शक्तिशाली कर सकता है कि धनी लोगों से अपने श्रम का उचित वेतन का सौदा कर सके। फलस्वरूप धनी श्रमिक, बेरोगार, दरिद्र व्यक्तियों से अत्यधिक मेहनत करवा तो लेता है और उसके बदले में नाम मात्र का वेतन खैरात के रूप में देता है, अर्थात् श्रमिक अपने श्रम से जितना मूल्य उत्पन्न करता है, उसका उचित हिस्सा श्रमिक को वेतन के रूप में नहीं देता है, वरन् उसका एक बहुत छोटा भाग श्रमिक को देकर अधिकांश भाग धनी–पूँजीपति स्वयं हड़प जाता है।

कृषि से जुड़ती दरिद्रता पारम्परिक रूप से जनपद के ग्रामीण समाज का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि को ही जीवन व्यवस्था का आधार बनाता रहा है। इसी कृषि व्यवस्था के कारण वह विपरीत परिस्थितियों जैसे बाढ़, सूखा या आपातकालीन घटनाओं से जूझने की क्षमता रखता था। खेतों में भी उसका पूरा विश्वास फसलों में था जो खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती थी। जैसे–ज्वार, बाजरा। यही कारण था कि वे अपने पेट की जरूरत को पूरा कर पाने में सदैव सक्षम रहे। ये ऐसी फसलें थीं जिनमें कभी जल संकट पैदा नहीं हुआ, न ही जल संकट ने उन फसलों को प्रभावित किया। परन्तु विकास की तेज गति के फलस्वरूप कृषि में जो बदलाव आये वे भी दरिद्रता को विकराल रूप देने में जुटे हुए हैं। कृषक के माध्यम से उद्योगों को पोषित करने की नीति के तहत नगदी फसलों पर जोर दिया जाने लगा। ये फसलें अधिक सिचाई की माँग करती हैं, इसी कारण रासायनिक पद्धतियों का उपयोग भी लगातार बढ़ा है और कृषक की जमीन अनुत्पादक होती गई है। कृषि का आधुनिकीकरण होने के कारण अब बुवाई में ट्रेक्टरों और कटाई में हारवेस्टर्स का अधिक उपयोग होने लगा है इसके कारण कृषि मजदूरी के अवसरों में भारी कमी आई है। ऐसी स्थिति में जीवन–यापन करने और

प्रतिस्पर्धा से जूझने के लिए दरिद्र लोग कम से कम मजदूरी में भी श्रम करने के लिए तैयार हो जाते हैं और कम मजदूरी से भूखा रहना पड़ता है।

जनपद में लगभग 80% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और इसमें से भी 75 से 90% तक व्यक्ति कृषि पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निर्भर रहते हैं। भूमि कृषि–उत्पादन का प्रमुख माध्यम है। यहाँ भूमि पर सामान्यतः पारिवारिक अथवा वैयक्तिक स्वामित्व पाया जाता है। किसी के पास सैकड़ों एकड़ जमीन है, तो किसी के पास मुश्किल से एक, दो–चार बीघा भूमि ही है। जिस परिवार के पास एक, दो या चार एकड़ जमीन है, कलान्तर में जब ऐसा कोई परिवार विभाजित होता है तो वह खेत का टुकड़ा या तो बँट जाता है या परिवार के किसी एक सदस्य के पास शेष रह जाता है तो शेष सदस्यों को भूमि से हाथ धोना पड़ता है। ऐसी स्थिति में वे कृषक से गैर–कृषक बन जाते हैं। ऐसे लोगों की कृषि क्षेत्र में भूमिहीन श्रमिकों के रूप में कार्य करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। सीमान्त कृषक तथा छोटे कृषक भी भूमि के और अधिक विभाजन और अप–खण्डन से कालान्तर में गैर–किसानीकरण की प्रक्रिया के शिकार बन जाते हैं। उन्हें भी बाध्य होकर कहीं या तो भूमिहीन श्रमिक के रूप में या अन्य किसी स्थान पर जाकर कल–कारखाने में कार्य करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त जिन लोगों के पास ज्यादा उपजाऊ भूमि नहीं है, खेत छोटे और बिखरे हुए हैं, जिनके पास खाद, बीज, बैल, कृषि के उन्नत उपकरण की व्यवस्था नहीं है, उन्हें भी आगे चलकर गैर–किसानीकरण की स्थिति का सामना करना पड़ता है। ऐसे कृषक भी सामान्यतः विवश होकर अपनी जमीन को किसी बड़े भू–स्वामी या राजनैतिक व्यक्ति को बेंच देते हैं और स्वयं श्रमिकों की स्थिति में आ जाते हैं।

विकास के नाम पर बड़ी परियोजनाओं को शासकीय स्तर पर बड़ी तत्परता से लागू किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में बाँध, ताप, विद्युत परियोजनाएँ, वन्य जीव अभ्यारण्य शामिल हैं जिनके कारण हजारों गाँवों को विस्थापन की त्रासदी भोगनी पड़ी और उन्हें अपनी भूमि, घर के साथ–साथ परम्परागत व्यवसाय छोड़कर नए विकल्पों की तलाश में निकालना पड़ा। नई नीतियों के अन्तर्गत लघु और कुटीर उद्योग लगातार खत्म होते गए हैं। जिसके कारण गाँव और कस्बों के स्तर पर रोजगार की सम्भावनाएँ तेजी से घट रही हैं। कई उद्योग और मिलें बन्द हो रहे हैं वहाँ के श्रमिक संगठित–पंजीकृत नहीं हैं, ऐसी स्थिति में उनके संकट अधिक गम्भीर हो रहे हैं।

इन योजनाओं में विस्थापन को लाभकारी बता कर क्रियान्वित किया गया किन्तु भ्रष्टाचार और अनियोजित क्रियान्वयन के कारण लोगों के एक बड़े समुदायों के अस्तित्त्व पर ही संकट आ गया। अब सरकार स्वयं स्वीकार करती है कि वह विस्थापितों की जरूरतों की पूर्ति करने की क्षमता खो चुकी है। परन्तु फिर भी निरन्तर ऐसी योजनाएँ बढ़ती जा रही हैं जिनका क्रियान्वयन ही विस्थापन और दरिद्रों की भूमि के अधिग्रहण पर आधारित है। फर्रूखाबाद जनपद में यातायात समस्या को हल करने के लिए राजकीय एवं राष्ट्रीय मार्ग बनाए गए। इसके लिए कृषकों से जमीनें ली गई, इसके बदले में सरकार ने उन्हें मुआबजा अथवा भूमि तो दे दी, परन्तु कृषकों को भूमि पर कब्जा नहीं मिल पाया। ऐसे मामलों में अनेक वाद न्यायालय में लम्बित हैं जहाँ पीड़ित न्याय की आश में दिन भर बैठा रहता है और पेशकार एवं वकील को

पैसे न दे पाने से सुनवाई स्थिगित करके वादी का उत्पीडन किया जाता है। अनेक वादी न्याय की आश में न्यायालय आते–आते भिखारी बन गए हैं और दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं।

व्यवस्था का कहर भी मूलतः दरिद्रों पर ही टूटता है। अधिकतर कानूनों जैसे वन या फिर श्रम कानून का नकारात्मक प्रभाव आमतौर पर दरिद्रता से जूझ रहे समुदाय पर ही नजर आता है। एक ओर तो वैसे ही जंगल कम हो जाने के कारण ग्रामीणों की दैनिक आजीविका के साधन कम हो गए हैं वहीं दूसरी ओर कानून भी अपना जाल फेंकने से नहीं चूकता है। इसी तरह पुलिस की प्रताड़ना भी दरिद्रों को सबसे अधिक सहनी पड़ती है। खास कर कचरा बीनने वालों पर चोरी का आरोप लग जाना सामान्य घटना है वहीं भडगड्डा, नट, कंजड, जोगी, बेडिया, पंखिया, हबूडा समुदाय की महिलाओं पर भी इनका गहरा प्रभाव रहता है।

फर्रूखाबाद जनपद के ग्रामीण क्षेत्र ऐसे है जहाँ सामाजिक भेद–भाव अपने चरम पर है। यहाँ ऊँची और नीची जाति के बीच चिन्तनीय भेद नजर आता है। इन क्षेत्रों में निम्न जाति के व्यक्ति के साथ–खान–पान सम्बन्धी व्यवहार नहीं रखा जाता है, न ही उन्हें धार्मिक और सामाजिक समाराह में शामिल होने या स्थलों में जाने की इजाजत होती है। जनपद के अधिकांश ग्रामों में सफाईकर्मी के पद पर उच्च एवं धनी वर्ग के व्यक्ति पदासीन हैं जो अपनी ड्यूटी के अन्तर्गत सफाई कार्य स्वयं नहीं करके बाल्मीकों से कराते हैं।

उपेक्षित और पिछड़ी जनजातियों की श्रेणी में बेगा आदिवासी का नाम भी दर्ज है। जनजातियों को पिछड़ा हुआ आदिम कहने के सरकार ने चार सूचक–(i) कृषि में पूर्व प्रौद्योगिकी स्तर, (ii) साक्षरता का न्यूनतम स्तर, (iii) अत्यन्त पिछड़े एवं दूर दराज के क्षेत्रों में निवास करना तथा (iv) स्थिर या घटती हुई जनसंख्या निर्धारित किए हैं। इस आधार पर फर्रूखाबाद जिले में उपेक्षित एवं पिछड़ी जनजातियों में बेगा, नट, कंजड, बहेलिया, भढ़गड्डा प्रमुख हैं जो जीवन की मूलभूत वस्तुओं से वंचित रहकर पशु तुल्य जीवन–यापन करने को मजबूर हैं।

उक्त समुदायों की कुछ अपनी पारम्परिक विशेषताएँ हैं बेगा आदिवासी जंगलों पर निर्भर हैं, बहुत शान्त और अप्रतिक्रियावादी है। अधिक आकांक्षी नहीं हैं और यही विशेषताएँ अब उसके लिए अभिशाप बन गई। कारण बहुत रोचक है। अतीत में वह गाँव की राजनैतिक सीमाओं का हिस्सा रहा किन्तु सामाजिक वर्गवाद ने उसे सामन्तवादियों के अधीन कर दिया। व्यवस्था यह बनी कि वह किसी जमींदार की हाँ–हजूरी किए बिना सिर उठाकर नहीं गुजरेगा। यदि वह ऐसा करेगा तो उसे हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। बेगा ने प्रतिक्रिया नहीं की वह सहता रहा। अन्ततः दिन–प्रतिदिन के शोषण से तंग आकर उन्होंने गाँव की सीमा से बाहर बस्ती बना ली जिसे 'डेरा' कहा जाने लगा। शोषण से बचने के लिए उसे गाँव की राजनैतिक–सामाजिक सीमा से बाहर निकल जाना पड़ा और परिणामतः वह विकास एवं परिवर्तन के प्रभावों से भी महरूम रह गया। अन्ततः एकाकीपन इन समुदाय का चरित्र बन गया। न तो उनमें राजनैतिक नेतृत्त्व का विकास हुआ न ही सामाजिक शक्तियों का। जंगलों पर सरकार का नियन्त्रण हो गया और बेगा भूख से मरने लगे। भुखमरी की स्थिति में उनके नाम पर विकास कार्यक्रम चले पर क्षमता और नेतृत्त्व के अभाव में सब कुछ भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। वे अपनी इच्छा से

अपना 'मत' भी नहीं दे सकते हैं और तब उन्हीं व्यापक समाज में अपनी पहचान को समाहित कर देना होता है।

दरिद्रता का अभिशाप केवल बेगा नहीं भोग रहे हैं बल्कि नट, कंजड, बहेलिया, भढ़गड्डा सहित जनसंख्या का एक तिहाई भाग आज भाँति–भाँति के संकटों और शोषण से जूझ रहे हैं। ये वे व्यक्ति हैं जिनके पास सिर ढ़कने के लिए छत, तन ढ़कने के लिए वस्त्र, पेट भरने के लिए रोटी, पढ़ने के लिए साक्षरता एवं आजीविका के साधन एवं अपनी बात कहने के लिए स्वतन्त्रता नहीं है। इनका केवल आने वाला कल ही नहीं बल्कि बचा हुआ आज भी असुरक्षित है।

दरिद्रता की व्यवस्था से जूझने वाला समुदाय भ्रष्टाचार, हिंसा और शोषण, राजनैतिक, सामाजिक शक्ति के अभाव और असुरक्षित आजीविका के संकट का सामना करता है। कई ऐसी परम्पराएँ हैं जो बदलते परिवेश में दरिद्रता के चक्र को चलायमान रखने में अहम भूमिका निभाती है जैसे–मृत्यु भोज और वधू मूल्य। फर्रूखाबाद जिले में अब से तीन दशक पहले पचास से दो सौ रुपए में जन्म दिवस का आयोजन कर लिया जाता है परन्तु इस परम्परा को निभाने के लिए कम–से–कम पाँच हजार से बीस हजार रुपए व्यय करने पड़ते हैं। ऐसे जरूरी कार्यों सहित परम्परागत कार्यों हेतु दरिद्रों को कर्ज लेना पड़ता है। आज दहेज महामारी का कहर दरिद्रों की बेटियाँ पर टूट रहा है और वे अकाल मृत्यु का शिकार हो रही हैं।

दरिद्र केवल आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक और राजनैतिक भ्रष्टाचार का प्रति दिन सामना करता है। यह एक कटु सत्य है कि जब भी उनके लिए कोई अवसर तलाशा जाता है तो उसे साधन सम्पन्न व्यक्ति छीन लेते हैं। हम भारत में दरिद्रता रेखा के सर्वेक्षण का उदाहरण ही लेते हैं। 1997–98 के सर्वेक्षण में 30–40% ऐसे व्यक्तियों को दरिद्रता की रेखा के नीचे मान लिया गया जो अपनी 50 एकड़ की भूमि में खेती के लिए ट्रेक्टर का उपयोग करते हैं। हमारे गाँवों में अक्सर कहा जाता है कि अपने विकास की दिशा हमें अपनी ग्रामसभा में ही बैठकर तय करना है परन्तु अनुभव यह है कि संसाधनों पर नियन्त्रण तो अफसरशाही का ही है। इसी देश में हर तीसरे व्यक्ति के दरिद्र होने का एक बड़ा कारण क्षमतामूलक न्याय व्यवस्था का अभाव है। व्यक्ति छोटे–छोटे मामलों में फंसे रहते हैं और मृत्यु उनके जीवन का फैसला कर देती है। वे भूख से न मर जाएँ इसके लिए सरकार कम मूल्य का अन्न गाँव में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से भेजती है। परन्तु 56% अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग के आँकड़े 100% टीकाकरण का दावा करते हैं और गाँव में बच्चे उन्हीं बीमारियों से मर जाते हैं।

, दरिद्र व्यक्तियों का आर्थिक जीवन पूर्णतया अनिश्चित एवं अनियमित होता है। दरिद्र परिवार के सदस्य न तो धन कमाने में नियमित होते हैं और न ही खर्च करने में। यदि उन्हें किसी स्रोत से अधिक धन प्राप्त हो जावे तो वे उसे खर्च भी बहुत जल्दी कर देते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि ऐसे में ये मांस–मदिरा की दावत होती हैं और मद्यपान के उत्पात होते हैं।

आज दरिद्र व्यक्ति अनेक तनावों से ग्रस्त हैं, जिनसे मुक्ति पाने के लिए वे कई प्रकार के मादक–द्रव्यों का प्रयोग करते हैं। एक बार जब वे मादक–दव्य लेना शुरू कर देते हैं तो उनकी यह आदत बन जाती है। जब लोग समूह अथवा समाज से अत्याधिक लगाव महसूस

करते हैं तो उसके लिए अपने प्राण तक उत्सर्ग कर देते हैं अथवा जब वे अपने को समूह या समाज से कटा हुआ महसूस करते हैं तब भी वे आत्महत्या कर लेते हैं। नशे के कारण हत्याएँ होती हैं, घर बिकते है, लोग दिवालिया होते हैं, डाकू बनते हैं, बच्चों का अपहरण एवं कत्ल होता है, नामर्द बनते हैं, तलाक होती है, सुहाग उजड़ते हैं, अबोध बिगड़ते हैं, शक्ति नष्ट होती है, महिलाएँ अपमानित होती है और आत्महत्याएँ होती हैं। नशा दुःख और क्लेश पैदा करता है।

जनपद में साधारणतया भिखारी मन्दिर, मस्जिद, रेलवे–स्टेशन, बस–स्टेशन, बाजार, मेला, पार्क, स्नानघाट आदि सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई पड़ते हैं जहाँ लोगों का आना–जाना अधिक होता है। इन भिखारियों में बहुत से संगठित रूप से भिक्षावृत्ति करते हैं। अनेक मन्दिरों के सामने भिखारियों की फौज दिखाई देती है। ये लोग कुछ काम नहीं करते और इस तरह दरिद्रता बढ़ाते हैं। साधारणतया भिखारियों में नाना प्रकार की भयंकर बीमारियाँ और दुराचरण पाये जाते हैं। इस प्रकार, वे समाज के स्वास्थ्य तथा शान्ति और व्यवस्था के शत्रु हैं।

कुछ दरिद्रों के परिवारों के लोग साँप, बिच्छू, नेवले, बन्दर, रीक्ष, बैल आदि जानवरों एवं देवी–देवताओं के तमाशे दिखाया करते है और उसी तमाशगीरी से अपनी जीविका उपार्जित करते हैं। इन पेशों के अतिरिक्त कुछ दरिद्र व्यक्ति विभिन्न प्रकार के अपराधी पेशे भी अपनाया करते हैं। चोरी एवं लूट–खसोट कुछ दरिद्रों का सर्वमान्य पेशा है। चोरी हर प्रकार के माल की हुआ करती है। कुछ अपराधी दरिद्र व्यक्ति धन के अतिरिक्त पशुओं और यहाँ तक कि मनुष्य की, बच्चों की चोरी करने से भी नहीं चूकते। कुछ दरिद्र अधिक प्रबल एवं शक्तिशाली व्यक्तियों के दिशा–निर्देशों में जबरदस्ती अवैध रूप से धन या महावारी लिया करते हैं। इन पेशों के अतिरिक्त अनेक दरिद्र व्यक्तियों की स्त्रियाँ प्रायः अवैध–अनैतिक कार्यों में संलिप्त रहती हैं।

दरिद्रता का प्रकोप एक आयामी नहीं है बल्कि उसका आक्रमण बहुआयामी होता है। जब राजनीति की रोटी पकाने के लिए साम्प्रदायिक दंगों की आग जलाई जाती है तो दरिद्रों की बस्तियाँ ही जलती हैं और फुटपाथी मारे जाते हैं क्योंकि कानून व्यवस्था तो नेताओं और साधन सम्पन्नों की सुरक्षा में लगी रहती है और घड़याली आँसू चुनाव जीतने में सहायक बनते हैं।

दरिद्र व्यक्तियों में अपनी भूख का प्रश्न इतना गम्भीर होता है कि वे उसके अतिरिक्त कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं रहते हैं। सामान्यतः यही देखा गया है कि प्रभावशाली राजनैतिक वर्ग अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए इन दरिद्रों का उपभोग करते हैं।

दरिद्र व्यक्तियों के सम्बन्ध में मानवीय ढंग से नहीं सोचा जाता है। वे हमेशा उन पर निर्भर बने रहते हैं जो अविश्वसनीय एवं गैर–जिम्मेदार तथा भ्रष्ट हैं। परिणाम यह हुआ कि उनकी दरिद्रता का स्तर बढ़ता गया। आज अधिकांश होटलों, नर्सिंगहोम, गेस्टहाउस, स्कूलों, आवासों, होटलों, दूकानों आदि में झाड़ू–पोंछा एवं शौचालयों की सफाई कार्य में नाबालिग बच्चे लगे हुए हैं तथा बाल्मीक महिलायें मानव मल साफ करने का गरिमा हीन काम करती हैं।

आज समाज का स्वरूप **'मनुष्य का मनुष्य द्वारा शोषण'** करने वाला समाज है, धनी को अधिक धनी और दरिद्र को अधिक दरिद्र बनाने वाला समाज है। पूँजीपति उद्योगपति, राजनेता और नौकरशाह दरिद्र जनता, श्रमिकों और बेरोजगार व्यक्तियों का खून चूसकर पनप रहे हैं,

उनके श्रम और विकास के धन पर टिके हुए हैं और उन्हीं की अज्ञानता एवं मजबूरी का अनुचित लाभ उठाकर मौज–मस्ती कर रहे हैं। उद्योगपति, राजनेता, नौकरशाह, साहूकार एवं उनके गुर्गे साधारण जनता को उत्पीड़ित कर रहे हैं, उनका शोषण कर रहे हैं। जबकि भारतीय समाजिक व्यवस्था के संचालन एवं नियन्त्रण में 'नैसर्गिक न्याय सिद्धान्तों' का समावेश है। गाँधी का 'ट्रस्टीशिप', अम्बेडकर के 'स्व–अनुभव', विनोबा की 'सामाजिक 'समरसता', शास्त्री की 'नैतिकता', शहीदों की 'राष्ट्रनिष्ठा, भारतीयों की 'इन्सानियत' आदि मानवीय प्रेरणाएँ भारतियों के लिए गौरव पूर्ण सौभाग्य मानी जाती हैं। जिसकी उपेक्षा कर मानवीय विकास प्रभावित किया जा रहा है।

उपरोक्त परिस्थिति का परिणाम यह हो रहा है कि अधिकाधिक पूँजी पूँजीपतियों की तिजोरियों में एकत्रित हो रही है अर्थात् धनवान अधिक धनी बन रहे हैं और जो लोग अपना खून–पसीना एक करके उस धन को उत्पन्न कर रहे हैं, और जिनका कि वास्तव में धन पर अधिकार होना चाहिए वे क्रमशः दरिद्रता के निम्नतम स्तर पर पहुँच रहे हैं। श्रमिक और बेरोजगार व्यक्तिगत रूप में क्योंकि स्वतन्त्र होते हैं, इसलिए धनीवर्ग उसको इस रूप में बेंच या मार तो नहीं सकते हैं जैसा कि दासत्व के युग में दास के मालिक दासों के साथ करते थे परन्तु इस व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का भारी मूल्य भी उन्हें चुकाना पड़ता है और पूँजीपतियों द्वारा शोषण के फलस्वरूप उनकी दशा दिन–प्रतिदिन अधिक दयनीय होती जा रही है।

आर्थिक शोषण का एक और तरीका भी है खाद्यान्न की समस्या से पीढ़ित इन कमजोर जनों को प्रलोभन देकर भट्टों, कोल्ड स्टोर्स, मिलों, कृषि फार्मों, बगानों, खानों, होटलों, आवासों तथा स्कूलों में काम करने के लिए बड़ी संख्या में अपने क्षेत्र से बाहर भी ले जाया जाता है। वहाँ मजदूरों के रूप में इनकी दशा दयनीय हो रही है क्योंकि न तो ये एक समय–सारणी में बन्धे औपचारिक ढंग से काम करने के आदी हैं और न मजदूरी के तौर–तरीकों से परिचित हैं। आधुनिक अर्थों में उनके कोई श्रम संघ भी नहीं हैं। इसलिए इन नए कार्य स्थलों पर उनसे पशुओं की तरह कार्य लिया जाता है और उनके स्वास्थ्य और विकास की पूर्णतया उपेक्षा की जाती है। कानून भी प्रायः आर्थिक रूप से शक्तिशाली रहीसों का ही साथ देता है।

फर्रूखाबाद जनपद उ. प्र. राज्य का पिछड़ा जनपद है और आज भी विकास योजनाएँ या तो प्रदेश–बजट से जुड़ी रहती हैं या फिर सरकारी कागजी कार्यवाही में दबकर खानापूर्ति की औपचारिकता तक सीमित रहती हैं। इस जनपद के तहसील क्षेत्र अमृतपुर एवं कायमगंज तथा विकास खण्ड बढ़पुर क्षेत्र बाढ़ प्रभावित हैं। यहाँ का जन–जीवन अस्त–व्यस्त और गंगा एवं रामगंगा की भयानक बाढ़ की चपेट में रहने के कारण व्यक्ति–परिवार दरिद्रताग्रसित जीवन– यापन करने को अति मजबूर हैं। यह कैसी विडम्बना है कि, केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित योजनाएँ–दरिद्रता उन्मूलन एवं दरिद्रों के कल्याणकारी लाभ पर राष्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा व्यय होने के बावजूद दरिद्रता व भुखमरी में लगातार वृद्धि होती जा रही है।

स्वतन्त्रता के 70 वर्षों बाद भी प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि सन्तोषजनक नहीं हुई (1.5% जो वर्ष 1951–1981 के दौरान थी, से बढ़कर वर्ष 2014 में 7.4% हो गयी)। अनेक देशों में यह पाँच या छः गुना हो गई है और जापान में यह युद्ध के तुरन्त बाद की आय से पचास गुना है। भारत में दरिद्रों और रहीसों में असमानताएँ यूरोप या जापान की तुलना में बहुत अधिक हैं।

यही नहीं वे कम हाने के बजाय बढ़ रही हैं। एक सामान्य भारतीय जीवित रहने से आगे कुछ नहीं सोच सकता और अब तो केवल जीवित रहना भी सन्देह के दायरे में है।

आज की व्यवस्था न तो पैसे दिला सकती है और न नौकरी। प्रत्येक पाँचवा युवा भारतीय बेरोजगार है और प्रत्येक चौथा कृषक साधनहीन है। क्योंकि पर्याप्त संख्या में नौकरियाँ नहीं हैं और इस व्यवस्था के रहते कभी भी नहीं होंगी। इस कारण दूसरे पदार्थों की भाँति जिनकी कमी है, इन पर भी राशन लगाया जा रहा है। 'मण्डलीकरण' नौकरियों की राशन व्यवस्था के अतिरिक्त और कुछ नहीं हैं।

यद्यपि सरकार ने राजाओं के निजी कोष समाप्त करके दस करोड़ रुपए प्रति वर्ष बचा लिए किन्तु वह राजनीतिज्ञ महाराजाओं पर सैकड़ों करोड़ रुपए प्रति वर्ष व्यय कर रही है। आज के शासकों की जीवन शैली आलीशान है। परन्तु इन राजनीतिज्ञ महाराजाओं पर आक्रमण करने का कौन साहस कर सकता है, जो हमारे राष्ट्र के नीति निर्धारक होने का दावा करते हैं।

जब देश के उच्च शासकों की नीतियाँ विहित स्वार्थों, दम्भ एवं हट पर आधारित हैं, जब वे ऐसा सोचते है कि इतने विशाल देश में केवल वही व्यक्ति है जो 'उत्पीड़ित' के प्रति भावनाएँ रखते हैं, जब वे जाति बनाम जाति, ग्रामीण बनाम शहरी, उत्तर बनाम दक्षिण, सम्प्रदाय बनाम सम्प्रदाय, दरिद्र बनाम रहीस के आधार पर शासन करते हैं, जब वे देश में 'विभाजक बल' के रूप प्रमाणित हो चुके हैं, जब पद पर रहने हेतु उनके एकनिष्ट संकल्प रक्तमोक्षण एवं हिंसक कृत्यों को पैदा करते हैं, जब तन्त्र उच्च रूप से केन्द्रित और राजनीतिक बन गया है और समस्त राजनीतिक निर्णय लेने वाले, सत्ता के भूखे, अनैतिक एवं भ्रष्ट निर्णय लेने वाले दल हैं, जब राजनेता चुनाव हारने के उपरान्त भी अपने राजनीतिक स्वार्थों को छोड़ना नहीं चाहते सिर्फ इसलिए कि वे न्यायालयों में मुकदमों से बच सकें, जब राजनीतिक आय तीव्र गति से नहीं बढ़ रही और जब राजनीतिक नेतृत्त्व दिवालिया है, तब हम यह अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि हमारे देश से दरिद्रता में कभी कमी आ पाएगी और दरिद्रों के दुःख घटेंगे?

विकास का लाभ दरिद्र व्यक्तियों को नहीं मिल रहा है। वास्तविक दरिद्रों के पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है, रहने के लिए उपयुक्त आवास नहीं है, पहनने–ओढ़ने के लिए ऋतु अनुकूल वस्त्र–विस्तर नहीं है, बीमार होने पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं, जानकारी प्राप्त करने या लिख कर देने के लिए अक्षर ज्ञान नहीं है, आजीविका के साधन नहीं हैं, मजदूरी मिलती नहीं, नौकरी है नहीं, पैतृक पट्टे की भूमि दबंगों ने हड़प ली है, सरकारी राशन कोटेदार हड़प लेता है, शौचालय–आवास के नाम पर मिला धन प्रधानों ने हड़प कर खानापूर्ति के रूप में कुछ रंगीन ईंट–मिट्टी (सोइम ईंट) की दिवलियों की आड़ खड़ी कर दी गई हैं जिनकी गन्दिगी झरने और टूट–फूट (गिरने) से स्वास्थ्य और जन हानि हो रही है। इसका प्रभाव विकास पर भी पड़ा, जो पिछले वर्षों में लगातार धीमा हुआ है। भारत ने 90 के दशक में आर्थिक सुधार शुरू किया, पूर्व प्रधानमन्त्री मनमोहन उस समय देश के वित्त मन्त्री थे। सुधारों से उम्मीद थी कि लोगों के आर्थिक हालत सुधरेंगे, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान न देने कारण से दरिद्रता, कुपोषण, भ्रष्टाचार और लैंगिक विषमता जैसी सामाजिक समस्याएँ बढ़ी हैं, यह देश के विकास को प्रभावित कर रहा है, दो दशकों के आर्थिक सुधारों के कारण से देश ने प्रगति कर ली है,

लेकिन एक तिहाई से अधिक आबादी आज भी दरिद्रता रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। भारत इस अवधि में ऐसा देश बन गया है जहाँ दुनिया भर के एक तिहाई दरिद्र रहते हैं।

भारत विकास रिपोर्ट–2014 (H.D.I.) तीन मूलभूत मानकों, जैसे–स्वास्थ्य और दीर्घजीवन, शिक्षा और ज्ञान तथा समूचित जीवन स्तर जीने के आधार पर, 187 देशों के मूल्यांकन और श्रेणीकरण का एक तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। 2013 में भारत का (H.D.I.) मूल्यांकन 0.586 रहा है जिसमें 187 देशों में और क्षेत्रों में देश का 135–वाँ स्थान रहा। भारत के समान जनसंख्या वाला चीन अपने यहाँ दरिद्रों की संख्या में भारी कमी करने में सफल रहा है, परन्तु भारत विकास के लाभ आमजनों में समान ढंग से बाँट नहीं पाया। आर्थिक सुधारों के परिणामतः चीन का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर 12000 अरब डालर हो गया, जबकि समान आबादी के बावजूद भारत का सकल घरेलू उत्पाद इसका एक तिहाई ही है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में दोनों देशों के बीच गहरी खाई है। 2001 से 2012 के मध्य भारत में औसत आय 460 डालर से बढ़कर 1700 डालर हुई है जबकि चीन में यह 890 से बढ़कर 6800 डालर हो गई है।

पिछले वर्षों में भारत की विकास दर लगभग 9% रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आय बहुत धीमी गति से बढ़ी है। क्षेत्रीय विकास विशेषज्ञ प्रोफेसर रविशंकर श्रीवास्तव कहते हैं, ''हमारा विकास दरिद्रों का समर्थन करने वाला विकास नहीं था। विषमताएँ बढ़ी हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि दरिद्रता पर विकास की प्रक्रिया का प्रभाव बहुत से दूसरे देशों के मुकाबले बहुत रहा है,'' परिणामतः कुपोषण और दरिद्रता में इतनी वृद्धि हो गई कि सरकार को जनसंख्या के बड़े हिस्से को खाद्य पदार्थों की गारण्टी देने के लिए खाद्य सुरक्षा आर्डिनेंस लाना पड़ा।

हाल में जारी यू.एन. शिक्षा सूचकांक के अनुसार भारत 181 देशों में 147–वें स्थान पर है। हालाँकि पिछले वर्षों में अनेक गैर सरकारी स्कूल, कालेज और यूनिवर्सिटी खुले हैं। लेकिन राजनीतिक इच्छा के अभाव और भ्रष्टाचार की वजह से स्तरीय शिक्षा को बढ़ावा नहीं मिला है। आई.आई.टी. को विश्वभर में जाना जाता है लेकिन वे भारत के विकास के लिए जरूरी अभियन्ता और प्रबन्धक प्रशिक्षित करने की स्थिति में नहीं हैं। देश में औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने और नए रोजगार पैदा करने के लिए कामगारों एवं प्रबन्धकों के स्तरीय प्रशिक्षण की योजना का अभाव है।

शोध और विकास के क्षेत्र में भी भारत पर्याप्त व्यय नहीं कर रहा है। वह अपने प्रतिद्वन्दियों चीन और दक्षिण कोरिया से बहुत पीछे है। भारत रिसर्च और डेवलपमेंट पर होने वाले वैश्विक व्यय का मात्र 2.1% व्यय करता है जबकि यूरोप का हिस्सा 24.5% है। विकास की प्रवृत्ति ऐसी नहीं है कि वह निचले स्तर के व्यक्तियों की आय बढ़ाकर दरिद्रता का प्रभावशाली तरीके से मुकाबला कर सके।

भ्रष्टाचार देश की एक बड़ी समस्या बनी हुई है। ट्रान्सपैरेन्सी इण्टरनेशनल के अनुसार 176 देशों की सूची में भारत 94–वें स्थान पर है। भ्रष्टाचार विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दूनिया भर में रिश्वतखोरी का स्तर काफी ऊँचा है। भारत में 70% व्यक्तियों का मानना है कि पिछले एक दशक में भ्रष्टाचार की स्थिति और भी बिगड़ी है। पाँच वर्ष पूर्व सामाजिक कार्यकर्त्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में विशाल भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन हुआ, लेकिन

जन लोकपाल बनाने की माँग को राजनीतिक दलों का व्यापक समर्थन नहीं मिला, पार्टियाँ अपने को आर. टी. आई. कानून से भी अलग रखना चाहती हैं।

भारत की प्रमुख कारोबारी संस्था फेडरेशन ऑफ इण्डियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स इण्डस्ट्री (FICCI) का कहना है कि भारत का 2011 से 2012 के मध्य भ्रष्टाचार के कारण सात अरब डालर की हानि हुई। 2–जी टेलीकॉम, कामनवेल्थ गेम्स और कोयला घोटालों से हुई हानि को इसमें शामिल नहीं किया गया है जो हजारों करोड़ों के हैं। भ्रष्टाचार का अर्थव्यवस्था के विकास पर बहुत ही बुरा प्रभाव हो रहा है और जर्मनी जैसे देशों की विदेशी कम्पनियों ने तो इस पर अब खुलेआम अपनी चिन्ताएँ व्यक्त करना शुरू कर दी हैं।

नए रोजगार बनाने और दरिदता को रोकने में सरकार की विफलता की बजह से ग्रामीण क्षेत्रों से व्यक्तियों का नगरीय क्षेत्रों की ओर बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। इसके कारण शहरों के ढांचागत संरचना पर दबाव पैदा हो रहा है। आधुनिकता के कारण परम्परागत संयुक्त परिवार टूटे हैं और नौकरी के लिए युवाओं ने नगरों का रुख किया है, जिनका नितान्त अभाव है। परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई सामाजिक तनाव और कुण्ठा के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है, विशेषकर युवाओं और शिक्षित बेरोजगारों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं तथा महिलाओं के विरुद्ध हिंसा में तेजी आई है। दिसम्बर 2012 में नई दिल्ली में एक छात्रा के गैंगरेप ने आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरते भारत में महिलाओं की समस्याओं को उजागर किया है।

पिछले वर्षों में भारत के आर्थिक विकास में तेजी से आई कमी का कारण वैश्विक आर्थिक संकट बताया जा रहा है, लेकिन विकास दर को बनाए रखने में विफलता के कारण प्रतिभाओं का इस्तेमाल न करना और कुशल कारीगरों की कमी भी है। भारत मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली अपनी जनसंख्या की क्षमताओं का इस्तेमाल करने और उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ देने में नाकाम रहा है। उसने अभी तक नहीं समझा है कि उसका आर्थिक स्वास्थ्य व्यापक रूप से उपलब्ध प्रतिमाओं के बेहतर इस्तेमाल पर ही निर्भर है।

वर्तमान में लोकतान्त्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत सामान्य जन के लिए बनी राष्ट्रीय विकास की योजनाएँ एवं साधन स्वार्थी, विध्ववंशक, नाशक, धनी, ठगों एवं संगठित अपराधियों की सुख–सुविधाओं तथा आय के साधन बन गए हैं। इस सम्बन्ध में निरीक्षण तथ्य यह बताते हैं कि दरिद्र, असहाय, निरीह, पीड़ित, दुःखी, वृद्ध, बीमारी ग्रसित लोगों की पुकार सुनने वाला कोई नहीं हैं और यदि कोई ऐसे लोगों की सहायता करने की चेष्टा भी करता है तो संगठित अपराधी उसे समूल नष्ट करने में कोई कसर बाँकी नहीं रखते हैं।

उक्त व्याख्याओं एवं निष्कर्षों तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर स्पष्ट होता हैः–

1. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं में पूँजीवाद का प्रभाव हैं।
2. दरिद्र व्यक्ति न्यूनतम कैलोरी प्राप्त करने हेतु आवश्यक आय जुटाने में असमर्थ रहते हैं।
3. दरिद्र व्यक्ति और उनके प्रतिपाल्य जीवन उपयोगी आवश्यक शिक्षा से वंचित हैं।
4. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सामाजिक विचलन की समस्या उत्पन्न होती है।
5. दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएँ मानव विकास को प्रभावित करती हैं।

षष्टम्

अध्याय

सामान्यीकरण एवं सुझाव

प्रस्तुत शोध दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के प्रथम–अध्याय के अन्तर्गत दरिद्र व्यक्तियों की दरिद्रता की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। कोई मनुष्य दुःखी है तो कोई सुखी है परन्तु उसकी गणना आज एक संख्या के रूप में मानी जाती है। आज का मनुष्य परेशान है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देखा जाय तो मानव प्रत्येक क्षण दुःखी प्रतीत होता है। मनुष्य की इसी दुःखपूर्ण स्थिति को देखकर कुछ दार्शनिकों का मन दया से द्रवित हो गया और उन्होंने दीन–दुःखियों की सेवा करने को मानव–जीवन का चरम लक्ष्य घोषित किया। इस स्थिति में मानवतावाद की झलक मिलती है। मानवतावादी विचारक मानव को दुःखों से छुटकारा देने का उपाय ढूँढता है, दुःख के कारणों पर विचार करता है और कुछ समाधान प्रस्तुत करता है। इस प्रकार वह मनुष्य को इस भीड़–भाड़युक्त संसार में भी अकेला देखता है और उसमें निराशा, कुण्ठा, संत्रास, चिन्ता आदि को देखकर मनुष्य की दयनीय स्थिति पर विचार करने लगता है।

भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 26.05 करोड़ जनसंख्या दरिद्र हैं जबकि नगरीय क्षेत्रों में दरिद्र व्यक्तियों की संख्या 10.25 करोड़ जनसंख्या है। अतः कुल 36.30 करोड़ जनसंख्या की दरिद्रता की समस्या नहीं सुलझाई गयी तो एक बहुत बड़ा विस्फोट देश की अर्थ व्यवस्था को झगझोर कर रख सकता है। इस विस्फोट का सबसे बड़ा निशान अमीर व्यक्ति ही होंगें। जिन्होंने वक्त रहते दरिद्र व्यक्तियों की मजबूरी का अनुचित लाभ उठाकर दरिद्रों का खून चूसा और करोड़ों में नहाने लगे तथा विस्फोट के दरिमियान दरिद्रता से तंग आकर व्यक्ति हथियार उठाकर आतंकी तथा खूनखराबी को करके अमीर व्यक्तियों का जीना दूष्वार करके रख सकते हैं। अतः इस खतरनाक स्थिति से प्रबन्धन करने की अत्यन्त आवश्यकता है।

दरिद्रता से पीड़ित के लिए सहयोग जुटाने की तरह ही उन्हें यह समझाया जाना आवश्यक है कि अपने व्यक्तित्त्व में दक्षता व्यवस्था तत्परता की कमी बनाए रखने वाला स्वभाव ही खुशहाली के मार्ग में भयानक पहाड़ बन कर अड़ा हुआ है। वहीं दोष कभी अवसाद बनकर उत्पादन रोक देते हैं। कभी लापरवाही या अपव्यय बनकर साधनों को बर्बाद कर देते हैं। उक्त दोषों के रहते धन का सहयोग उल्टे आलस्य तथा दुर्व्यसन पैदा कर देता है, जो उन्नति के स्थान पर दुर्गति का कारण बनता है।

यदि व्यक्तियों में प्रगति के लिए व्यापक उत्साह उभारा जा सके और उसके आधार के रूप में अपनी दक्षता तत्पयता के प्रयासों को स्वीकारा जा सके तो समझना चाहिए कि दरिद्र उन्मूलन की आधी योजना सफल हो गई। ऐसा होने पर उदारचेताओं, संस्थाओं, सरकारी सहयोगों की व्यवस्था बनाकर शेष आधा कार्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

दूसरे विश्वयुद्ध में बुरी तरह आहत जापान, जर्मन रूस आदि ने थोड़े समय में ही आश्चर्यजनक उन्नति कर ली। किसी समय का अफीमची देश चीन आज बड़ों–बड़ों को आँख दिखाने की स्थिति में है। यह चमत्कार तब हुआ जब जन–जन ने निज दक्षता, व्यवस्था और श्रमशीलता उभारी और जनशक्ति को कष्ट साध्य कर्मठता में नियोजित किया।

अच्छा जीवन जीने का मतलब है अपने बच्चे की भूख मिटा पाने, उसे स्कूल भेज पाने, मनोरंजन, शारीरिक और मानसिक विकास के मार्ग को आसान कर पाने की स्थिति में होना। सुनिश्चित आजीविका के संसाधन हों। हम इस चिन्ता से मुक्त हों कि हमारे परिवार को कल खाने के लिए पौष्टिक भोजन मिलेगा या नहीं। हमारी मानसिक अवस्था शाँतिपूर्ण और मद्दगार हो और समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना पाने में सक्षम हों। प्रसन्न होना और एक दूसरे की भावनाओं को समझना भी समन्वित जीवन का एक हिस्सा है।

हमें अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने की स्वतन्त्रता हो। शक्ति और अधिकारों का उपयोग किसी भी तरह के शोषण में न हो और हम जो व्यवहार करें उसके प्रति स्वयं जबाबदेय भी हों। हमें ऐसे अवसर चुनने की स्वतन्त्रता मिले जिनसे कौशल का विकास किया जा सके ताकि जीवन और समाज को गलत दिशा में न जाने दिया जा सके।

वर्तमान में लोकतान्त्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत सामान्य जन के लिए बनी राष्ट्रीय विकास की योजनाएँ एवं साधन स्वार्थी, विध्ववंशक, नाशक, धनी, ठगों और संगठित अपराधियों की सुख–सुविधाओं तथा आय के साधन बन गए हैं। इस सम्बन्ध में निरीक्षण तथ्य यह बताते हैं कि दरिद्र, असहाय, निरीह, पीड़ित, दुःखी, वृद्ध, बीमारी ग्रसित लोगों की पुकार सुनने वाला कोई नहीं हैं और यदि कोई ऐसे लोगों की सहायता करने की चेष्टा भी करता है तो संगठित अपराधी उसे समूल नष्ट करने में कोई कसर बाँकी नहीं रखते हैं। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर **दरिद्रता उन्मूलन एवं जनसाधारण के हितों की सुरक्षा हेतु निम्नलिखित सुझाव हैंः–**

1. दरिद्र व्यक्तियों में 76.6% विवाहित, 21.6% विधवा, 0.4 परित्यक्त, 1.4% विदुर हैं, जिनमें कुल 22.0% परित्यक्त और विधवाएँ असहाय हैं। इन असहायों को सरकारी संरक्षण जरूरी है।

2. दरिद्रों के 2.7% परिवार 1 सदस्यीय, 5.4% परिवार 2 सदस्यीय, 8.1% परिवार 3 सदस्यीय, 13.3% परिवार 4 सदस्यीय, 18% परिवार 5 सदस्यीय, 18.8% परिवार 6 सदस्यीय, 14% परिवार 7 सदस्यीय, 10.8% परिवार 8 सदस्यीय, 5.3% परिवार 9 सदस्यीय, 2.3% परिवार 10 सदस्यीय, 2.3% परिवार 11 सदस्यीय, 0.3% परिवार 12 सदस्यीय हैं। 1–4 सदस्यीय कुल परिवारों का प्रतिशत 29.5 एवं 2–9 सदस्यीय कुल परिवारों का प्रतिशत 48.9 तथा 10–12 सदस्यों वाले परिवारों का प्रतिशत 3.6 हैं। दरिद्रों की अनियन्त्रित जनसंख्या वृद्धि नियन्त्रित होनी चाहिए।

3. दरिद्र में 71.1% खेतिहर मजदूर, 18.4% मजदूर, 10.5% भिखारी हैं जिन्हें संरक्षण जरूरी है।

4. दरिद्रों के पास चल–अचल सम्पत्ति का स्वामित्त्व नहीं है और वे चल–अचल सम्पत्ति के स्वामित्व से वंचित हैं, जबकि इनकों मिलने वाले आवास–पट्टे हड़पे गए हैं, मुक्त होने चाहिए।

5. दरिद्रों के 8.1% परिवारों में कोई न कोई सदस्य साक्षर है तथा अवशेष 91.9% परिवारों में सभी सदस्य अनपढ़–निरक्षर हैं। स्वतन्त्रतोत्तर भारत में ऐसी निरक्षरता जबाबदेह होनी चाहिए।

6. सभी दरिद्र व्यक्तियों के परिवारों में स्कूल जाने की आयु वाला कम–से–कम एक आश्रित स्कूल छात्र नहीं है अर्थात छात्र आयुकाल में भी शिक्षा से वंचित है। जबाबदेह होना चाहिए।

7. दरिद्रों के परिवारों में 88.3% दरिद्र एवं उनके आश्रित कुपोषित होने के कारण स्वास्थ्य से वंचित हैं। जिससे दरिद्रों हेतु बनी स्वास्थ्य व्यवस्था व्यर्थ सिद्ध हो रही है, विचारणीय है।

8. दरिद्रों के 75.2% परिवारों में एक या एक से अधिक बच्चों की कुपोषण से मृत्यु हो चुकी है और चिकित्सा तथा कुपोषण वे मरने वाले बच्चे दरिद्रों के ही हैं। जबाबदेह होना चाहिए।

9. सभी दरिद्रों के आवास विद्युतहीन हैं, दरिद्र कनेशन लाभ हड़पे जा रहे है, अंकुश जरूरी है।

10. सभी दरिद्रों के आवासों में स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध नहीं है, विचारणीय तथ्य है।

11. सभी दरिद्र आवासों के बाहर उपयुक्त सफाई या स्वच्छता का प्रबन्ध नहीं है। उनके आवासों के आस–पास दबंगों के घूरे हैं एवं सफाईकर्मी सफाई नहीं करते हैं, गन्दिगी हटनी चाहिए।

12. दरिद्र स्वच्छ छत एवं फर्श के आवास स्वच्छता से वंचित हैं, आवास आवंटन विचारणीय है।

13. सभी दरिद्रों के परिवारों का भोजन बनाने के लिए निकृष्ट ईंधन का प्रयोग होता है जबकि दरिद्रों के लिए बड़ी मात्रा में गैस सिलेण्डर बांटे गए हैं, फर्जी आवंटन जाँच जरूरी है।

14. दरिद्रों के पास मोटर चलित वाहन नहीं है तथा साइकिल, रेडियो, फ्रिज, कम्प्यूटर, टेलीफोन व टी.वी. में से ज्यादा–से–ज्यादा केवल एक सुविधा है, जरूरी वस्तुएँ होनी चाहिए।

15. दरिद्रों में 17.1% शाकाहारी और 82.9% मांसाहारी हैं। दरिद्रों एवं उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में शामिल रहने वाले खाद्य पदार्थों में सभी दरिद्रों के भोजन में गेहूँ, मक्का, बाजरा की रोटी, चावल, नमक, तेल, शुद्ध जल की मात्रा कम होती है तथा सभी दरिद्रों के दैनिक भोजन में हरी–मौसमी सब्जी, सलाद, दाल, चना, अंकुरित बीज, घी, दूध, दही, पनीर, चीनी, नाश्ता, चाय, मिठाई, फल की मात्रा नहीं होती है तथा 82.7% दरिद्रों एवं उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में मांस–मछली की मात्रा कम तथा 82.9% दरिद्रों एवं उनके आश्रितों के दैनिक भोजन में अण्डों की मात्रा कम होती है। अतः भरपेट भोजन मिलना चाहिए।

16. दरिद्र भोजन में जरूरी खाद्य पदार्थों में 83% का वंचन है, पौष्टिक भोजन मिलना चाहिए।

17. सभी दरिद्रों के आवासों की स्थिति अच्छी नहीं है तथा उनके निवास स्वच्छ, हवादार, लेंटर्ड भवन में नहीं है और न ही रहने हेतु स्वच्छ वातावरण में झोपड़ी युक्त पुराना या नया भवन है। यह गन्दे वातावरण में झोपड़ी या कच्चे या जर्जर मकान या गन्दे नालों के किनारे या सड़क फुटपाथ पर प्लास्टिक तान कर जीवन–यापन कर रहे हैं। जबकि दरिद्रों को मिलने वाले सरकारी आवास हड़पे गए हैं। आवास आवंटन घपले की उच्चस्तरीय जाँच जरूरी है।

18. दरिद्र एवं उनके प्रतिपाल्य उपयुक्त आवासों में रहने से वंचित हैं। आवास मिलने चाहिए।

19. दरिद्रों के स्वास्थ्यमें 43% व्यक्ति सामान्य, 41.9% कमजोर, 5.2% व्यक्ति रोगी, 48.6% व्यक्ति कुपोषित है तथा इनके बच्चों का स्वास्थ 13.8% बच्चे सामान्य, 49% बच्चे कमजोर, 1.4% बच्चे रोगी, 35.8% बच्चे कुपोषित हैं, को नियमित एवं निःशुल्क चिकित्सा मिलनी चाहिए।

20. दरिद्रों में 53.8% दरिद्र एवं 37.2% उनके आश्रित रोगी–कुपोषित हैं और कुल 41.9% दरिद्र एवं 49% दरिद्रों के बच्चों का स्वास्थ कमजोर है। जिनका संरक्षण जबाबदेह होना चाहिए।

21. सभी दरिद्र –(i) अस्वस्थ होने पर उचित चिकित्सा के लिए, (ii) उचित शिक्षा के लिए, (iii) अपनी समस्या कहने के लिए, (iv) तीन पहर का भोजन पाने के लिए, (v) कैलोरी युक्त भरपेट भोजन पाने के लिए, (vi) जरूरी वस्त्र क्रय के लिए, (vii) जरूरी जूते–चप्पल खरीदने के लिए, (vii) स्वयं का उपयुक्त घर बनाने या क्रय के लिए, (ix) उचित काम से पर्याप्त धन अर्जित करने के लिए, (x) सामाजिक न्याय पाने के लिए, (xi) हिंसात्मक गतिविधियों से अपनी व आश्रितों की सुरक्षा के लिए अक्षम हैं। अतः दरिद्रों को सक्षम बनाया जाना चाहिए।

22. दरिद्रता उन्मूलन सम्बन्धी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी दरिद्रो तक पहुँचाने वाले उपलब्ध स्रोत न ही दरिद्रों की मद्द कर रहे हैं और न ही दरिद्रता उन्मूलन दायित्त्वों का निर्वाहन कर रहे हैं जिससे दरिद्रता उन्मूलन हेतु उपलब्ध स्रोत व्यर्थ सिद्ध हो रहे हैं, गम्भीर एवं विचारणीय तथ्य है। अनावश्यक व्यवस्था समाप्त होनी चाहिए।

23. दरिद्रों के परिवारों में 0.72% दरिद्र प्राथमिक या उच्च प्राथमिक पाठशाला या मदरसा, 0.3% दरिद्र प्रौढ़ शिक्षा या आँगनबाड़ी केन्द्र, 0.8% दरिद्र व्यक्ति उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालय, 10% दरिद्र व्यक्ति पब्लिक या कान्वेट या अन्य विद्यालय का उपभोग कर पा रहे हैं। शेष 96% दरिद्र शिक्षण संस्थानों के उपभोग से वंचित हैं। सरकारी शिक्षा जबाबदेह होनी चाहिए।

24. दरिद्रता के कारण दरिद्र व्यक्ति –आर्थिक असमानता, पूँजीवाद से जरूरी वस्तुओं के अभाव में गुजारा, जातिवाद, दहशत, रोजगार साधनों का अभाव, बेरोजगारी, निरक्षरता एवं अज्ञानता के दुष्परिणामों का प्रभाव, मक्खी–मच्छरों एवं कीटों का प्रकोप, बाल–बन्धुआ मजदूरी और ऋणग्रस्तता, शोषण, दरिद्र कल्याण की योजनाओं के लाभों का अभाव, न्याय की उपेक्षा, योग्यता अनुरूप पदासीनता का अभाव, राजनीतिक भागीदारी का अभाव झेलने को मजबूर हैं। अतः उक्त गतिविधियों पर अंकुश लगना चाहिए और दोषी व्यक्ति दण्डित होने चाहिए।

25. बालश्रम, जातिवाद, बाल–विवाह, आत्महत्या, मादक द्रव्य सेवन, वैश्यावृत्ति, आत्महत्या, अस्पृश्यता, सामजिक विद्रोह, चोरी, डकैती, लूटपाट, हत्या, शोषण पर अंकुश लगना चाहिए।

26. दरिद्रों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति है–(i) मनरेगा का लाभ 3% दरिद्रों को कम तथा 97% दरिद्रों को नहीं मिलता है, (ii) कोटे का राशन 3% दरिद्रों को मिलता है एवं 31.7% दरिद्रों को कम एवं 65.3% दरिद्रों को राशन नहीं मिलता है, (iii) दरिद्रता सम्बन्धी पेंशन 22.7% दरिद्रों को मिली है एवं 77.7% दरिद्रों को नहीं मिली है, (iv) 100% दरिद्रों को आवास नहीं मिला है, (v) 100% दरिद्रों को गैस कनेक्शन नहीं मिला है, (vi) 100% दरिद्रों को भूमि–पट्टे नहीं मिले है, (vii) 100% दरिद्रों को जीवन सुरक्षा

बीमा नहीं मिला है, (vii) 100% दरिद्रों को उपयुक्त स्वास्थ्य चिकित्सा व शिक्षा लाभ नहीं मिलता है, (ix) 100% दरिद्रों को योग्यता अनुरूप रोजगार व पदासीनता लाभ नही मिला है। सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ वितरण में दरिद्र उपेक्षा पर अंकुश लगना चाहिए।

27. दरिद्र कल्याण योजनाओं के लाभ से 95.26% दरिद्र वंचित हैं। जिन्हें लाभ मिलना चाहिए।

28. सभी दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों का जीवन भोजन–शिक्षा के अभाव एवं गन्दिगी तथा प्रदूषित जल से प्रभावित रहता है। अति गम्भीर तथ्य है, तत्काल सुधार होना चाहिए।

29. दरिद्रों के कल्याण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं का लाभ दरिद्रों को न मिल पाने का 100% कारण–दरिद्रता, अशिक्षा, दबंगो की अमानक पदासीनता एवं फर्जीबाड़ा, रिश्वत तथा भ्रष्टाचार है। जिनका उन्मूलन और अपराधियों को दण्डित किया जाना चाहिए।

30. मानव एवं समाज कल्याण के लिए (i) दरिद्रता उन्मूलन, (ii) भुखमरी उन्मूलन, (iii) बेहतर स्वास्थ्य, (iv) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, (v) भ्रष्टाचार उन्मूलन, (vi) स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, (vii) दरिद्रों को बेहतर रोजगार व आर्थिक विकास, (viii) दरिद्रों जीवन एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, (ix) दरिद्रों पर अत्याचार करने वालों को दण्ड, (x) फर्जी दरिद्र बनकर लाभ हड़पने वालों पर अंकुश, (xi) व्यक्ति एवं लैंगिक समानता तथा सामाजिक न्याय आवश्यक है।

31. मा.कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के मानक प्रतिकूल एवं अपात्र आवंटियो और निवासियों तथा फर्जी प्रपत्रों एवं फर्जी दरिद्र बनकर आवासों में कब्जाधारकों के विरुद्ध बेदखल सहित दण्डनीय एवं वसूली कार्यवाही होनी चाहिए तथा फर्जी दरिद्रों एवं अपात्रों के आवंटनों तथा खरीद–फरोख्त कर अवैध रूप से निवास कर रहे लोगों एवं अवैध कब्जेदारों सहित आवास क्रय–विक्रय करने वालों के विरुद्ध दण्डनीय कार्यवाही होनी चाहिए तथा फर्जी दरिदों को बेदखल कर वास्तविक दरिद्रों को उक्त आवासों का आवंटन होना चाहिए।

32. केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित मान्यता प्राप्त एडिड–अनएडिड, पब्लिक विद्यालयों में व्याप्त अनियमितताओं पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए और शिक्षण विहीन एवं नकल परीक्षा कराने वाले विद्यालय तत्काल बन्द होने चाहिए। धार्मिक, भारतीय, अन्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय नाम से गैर पंजीकृत विद्यालयों पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। शिक्षकों–प्रबन्धतन्त्रों के फर्जीबाड़ों, फर्जी छात्र संख्या के आधार पर नियुक्त, शिक्षक–कर्मी वेतन, निजी आवास के पास वाले स्कूल में तैनाती, शिक्षामानक एवं छात्रहित उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगाकर, मानकीय व्यवस्था अनुरूप शैक्षिक जगत में योगदान दिया जाना चाहिए।

33. मानकविहीन शिक्षण–प्रशिक्षण ने अनेक समस्याओं को जन्म दिया है। शिक्षक, शिक्षण, प्राचार्य, प्रक्टीकल्स, पुस्तकालयों का अभाव–अमानकता से शिक्षा एवं उसके उद्देश्य नष्ट हो रहे हैं और नकल, ट्यूशन, बिना पाठन डिग्री वितरण व्यवसायों से शिक्षा प्रदूषित हो रही है जिस पर जबाबदेही–नियन्त्रण एवं शिक्षा के मानकीय प्रावधानों का अनुपालन होना चाहिए।

उक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित सुझाव दरिद्रता उन्मूलन के लिए जरूरी प्रतीत होते हैं:–

(1) दरिद्र–असहायों के कल्याण के लिए संचालित पेंशनों, आवासों, शौचालयों, अन्त्योदय कार्डस का लाभ लेने वाले फर्जी दरिद्र दण्डित कर पात्र दरिद्रों मात्र को ही दिया जाना चाहिए।

(2) लगभग सभी ग्रामसभाओं में खुली बैठक किए बिना प्रधानों द्वारा सक्षम को दरिद्र कल्याण योजनाओं का लाभ बेंचकर सरकारी धन–सम्पत्ति हड़पी जा रहा है, अंकुश लगना चाहिए।

(3) सदैव से नगर निवासी रहीस–व्यापारी गाँव में फर्जी वोट बनवाकर एवं गाँवों में धन बांटकर प्रधानी हथिया कर ग्राम विकास योजनाओं का लाभ हड़प रहे हैं, अंकुश लगना चाहिए।

(4) फर्जी दरिद्रों के अन्त्योदय, बी.पी.एल. वृद्धा–विधवा–बिकलांग पेंशन पर अंकुश लगना चाहिए।

(5) फर्जी दरिद्रों को मिला सरकारी लोहिया–इंद्रा–काशीराम आवासों, शौचालयों, गैस सिलेंडर्स को वापस लिया जाना चाहिए।

(6) ग्रामसभाओं के सफाईकर्मी की नौकरी अधिकांश सवर्णों ने लेकर सफाई काम बाल्मीकों से कराकर फर्जीबाड़े से वेतन हड़पा जा रहा है, पदधारकों से गली–नाली साफ कराई जाए।

(7) सरकारी विकास योजनाओं के धन से बनाकर नगर–ग्राम के दरिद्रों को आवंटित हुए तथा बनने के बाद से ही बन्द पड़े अमानक शौचालयों–आवासों का दुरुपयोग रोका जाना चाहिए।

(8) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत दरिद्रों को मिलने वाला राशन–तेल हड़पने के लिए रहीस अपनी पत्नी–नौकरों को कोटेदार बनाकर फर्जीबाड़े कर रहे हैं, अंकुश लगना चाहिए।

9) जनपद के अनेक प्रधान–कोटेदार सम्बन्धित गाँवों के वर्तमान निवासी न होने के बावजूद पदासीन होकर खुली बैठक बगैर मनमाने प्रस्ताव से धन उगाही में जुटे हैं, अंकुश जरूरी है

(10) लगभग सभी ग्रामसभाओं–नगरों में सामान्य जनता की खुली बैठकें एवं प्रस्ताव तथा सुनवाई कभी नही होती और फर्जी प्रस्तावों पर लाभ का बंदर–बांट होता है, अंकुश लगना चाहिए।

(11) सरकारी योजनाओं का लाभ आवंटनों में दरिद्रो की उपेक्षा एवं रहीसों की पात्रता तथा फर्जी दरिद्रता के आधार पर सरकारी धन–सम्पत्ति के बंदर–बांट पर अंकुश लगना चाहिए।

(12) दरिद्रों के लिए संचालित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के आवंटनों में व्याप्त अनियमितताओं पर अंकुश लगाकर रहीसों की फर्जीबाड़े तत्काल बन्द कराकर योजनाओं के लाभ की खरीद–फरोख्त पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए तथा ग्राम–नगर के अध्यक्षों–सचिवों–लेखपालों के फर्जीबाड़ों, फर्जीबाड़े पर मनरेगा भुगतान, आँगनबाड़ी की पंजीरी–भोजन को हड़पकर हो रहे बन्दर–बाँट पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

(13) दरिद्र, शोषित, पीडित, वृद्ध, अपाहिज, छात्र, रोगी संरक्षण एवं सहानुभूति के पात्र हैं इनकी व्यथा का उपचार एवं आवश्यकता की पूर्ति की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

(14) कृषि कार्य करने वाले अधिकांश लोगों के पास भूमि का अभाव होने के कारण जमीदारों व रहीसों से भूमि बटाई या कटौती पर लेकर अन्न उत्पादित कर रहे हैं और प्राकृतिक आपदा की मार भी झेल रहे है, जबकि आपदा राहत धन एवं उत्पादन सम्मान का सरकारी लाभ जमींदार, व्यापारी, राजनेता अर्थात तथाकथित कृषक हड़प रहे हैं, अंकुश लगना चाहिए।

(15) जनपद के दरिद्रों के कल्याण हेतु बनी सरकारी योजनाओं का लाभ फर्जी दरिद्रों द्वारा हड़पा जा रहा यहाँ तक कि दूध व्यवसाइयों को पशुपालक, कटौती पर खेत उठाने वाले रहीस–व्यापारी फसलउत्पादक बनाकर कुपात्र पुरस्कृत हो रहे है, अंकुश लगना चाहिए।

(16) यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक एवं प्रधानाचार्य हाजिरी लगाकर विद्यालय शिक्षण कार्य छोड़कर गायब हो जाते हैं एवं कुछ शिक्षक अनुपस्थित शिक्षकों के फर्जी हस्ताक्षर या आख्या दर्ज कर देते हैं। अंकुश लगना चाहिए।

(17) जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनेक कक्ष होने एवं अनेक शिक्षक होने के बावजूद अधिकांश स्कूलों में सभी छात्र–छात्राएँ एक साथ एक ही कक्ष या बरामदे में बैठे या खेलते मिले हैं और शिक्षक–शिक्षकाएँ पढ़ाने के स्थान पर आपस में हास–परिहास करते रहते है तथा जिले के लगभग 90% स्कूलों में छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यन्त निम्न है, जो अति विचारणीय एवं गम्भीर तथ्य है। तत्काल सुधार होना चाहिए।

(18) जनपद के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में जहाँ छात्र संख्या पर्याप्त एवं शिक्षकों का अभाव है वहाँ बी.आर.सी. व एन.पी.आर.सी. तथा जिले के शिक्षाधिकारी कक्षाओं के जाकर शिक्षण कार्य करने में योगदान नहीं देते हैं, जबाबदेह व्यवस्था होनी चाहिए।

(19) शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के छात्रों को सत्र समाप्त तक पुस्तकें ड्रेस, जूते, मोजे, सूटर एवं लेखन सामग्री नहीं दिए जाने से छात्रों के लिए इन वस्तुओं की उपयोगिता और औचित्य नहीं रह जाता है। नियमित सुधार होना चाहिए।

(20) जनपद के प्राइवेट व कांवेण्ट स्कूलों में बड़ी आयु के नर्सरी से लेकर पांचवी कक्षा तक के छात्र बने मिले हैं जिन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में 1–8 तक पढ़ने के बावजूद जब उन्हे कोई योग्यता नहीं मिली तो पढ़ने–योग्यता के लिए यहाँ आकर निम्न कक्षाओं में प्रवेश लेना पड़ा और मन लगा कर पढ़ रहे हैं। जबाबदेह तत्काल दण्डित होने चाहिए।

(21) जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के अधिकांश छात्रों ने बताया कि यहाँ पढ़ाई न होने के कराण वह प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं, वहीं पढ़ने जाते हैं यदा–कदा यहाँ आकर खाना, ड्रेस, पुस्तकें ले जाते हैं। जब कोई अधिकारी आता है तो हमें प्राइवेट स्कूल से बुला लिया जाता है। जबाबदेह तत्काल बर्खास्त होने चाहिए।

(22) जिले के परिषदीय स्कूलों में पढ़ाई न होने से कोई भी जागरूक अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है और इन स्कूलों में छात्र–शिक्षण का अभाव एवं शिक्षकों का जमाव एवं नवीन भर्ती की तैयारी है। राष्ट्रीय धन–संपत्ति का दुरुपयोग बंद होना चाहिए।

(23) अपंजीकृत अध्यात्मिक विश्वविद्यालयों, केन्द्रों, ट्रस्टों की मानव तस्करी चरम पर है, अंकुश लगना चाहिए।

(24) जनपद की जनसंख्या एवं बेरोजगारी तीव्रता से बढ़ रही है जिसके कारण रोजी–रोटी का संकट है, सरकार नौकरी एवं व्यापारी उचित वेतन नहीं दे रहें हैं, रोजगार मिलने चाहिए।

(25) जनपद में इलेक्टिड पदासीनों के गुर्गों का आतंक चरम पर है, अंकुश लगना चाहिए।

(26) ईंटभट्टों, होटलों, दूकानों, धनी आवासों, तम्बाकू–बीड़ी–जरदोजी उद्योगों में लगे बालश्रमिकों को मुक्त कराकर एवं कबाड़ बीनने वाले बच्चो को सरकारी संरक्षण में लिया चाहिए।

(27) शराब ठेकों के अनेक अनुज्ञापियों ने अपनी शराब दूकानें अन्य लोगों को बेंच दी है और यह शराब के ठेके खूंखार अपराधी नकली शराब बेंचकर चला रहे हैं, निरस्त होने चाहिए

(28) आज अराजकता चरम पर होने से 'भारतीय संविधान' और 'लोकतान्त्रिक व्यवस्था' उपेक्षित है। विधायिका वाले 'मेरी सरकार कहकर दहाड़ते है, कार्यपालिका वाले फर्जीबाडों में जुटे हैं और न्यायपालिका मुकदमा बोझ कह कर पल्ला झाड़ रही है। ऐसी स्थिति में देश का विकास और साधारण जनता बुरी तरह समस्याग्रस्त है, इसके बावजूद संवैधानिक मुखिया अर्थात् सरकार अपने विरुद्ध प्रस्ताव के भय से मौन रहते हैं, सरकार सक्रियता जरूरी है।

(29) आज अपराध जगत में सक्रिय लोगों को सरकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा–सम्मान तथा सत्यनिष्ठों का उत्पीड़न चरम पर दिखता है, तत्काल अंकुश लगना अति आवश्यक है।

(30) निष्कर्ष–आजादी के 70 वर्षों बाद भी आरोप ट्रायल के नाम पर आरोपियों को काल कोठरी में बन्द कर उनका अमानुषिक उत्पीडन की समस्या भारतीय लोकतन्त्र और संविधान को एक खुली चुनौती दे रही है। चूँकि हिरासती की स्वतन्त्रता न्यायिक संरक्षण में परिवर्तित हो जाती है और इसके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का दायित्त्व सरकार और प्रशासन का है जिसमें सुधार और निगरानी का उत्तरदायित्त्व जबाबदेह होना चाहिए।

दरिद्रता दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:–

(1) अधिकतर राजनैतिक दल 'दरिद्रता हटाओ का नारा' तो देती हैं। किन्तु ये नारा मात्र चुनावी स्टण्ट बनकर रह जाता है। वास्तव में देखा जाए तो न सरकार, न प्रशासन और न ही सम्पन्न वर्ग में दरिद्रता हटाने का सच्चे मन से प्रयास किया है यदि सरकार सुदृढ़ इच्छा–शक्ति से दरिद्रता हटाने का प्रयास करती है, तो निश्चित रूप से दरिद्रता दूर हो सकती है।

(2) दरिद्रता दूर करने के सन्दर्भ में जो भी नीतियाँ बनायी जाती हैं वे बड़ी ही व्यवस्थिति तथा सुदृढ़ होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उनका संचालन भी कुशलता से होना चाहिए तथा विचौलियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए तथा पैसे का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े नियम बना कर लागू करना होगा।

(3) आम नागरिक अशिक्षा के कारण अपने अधिकार तथा दायित्वों के प्रति जानकारी नहीं रखता तथा यह एक पुराने ढर्रे पर जिन्दगी गुजर बसर करता है। उसे सरकार द्वारा चलाए गए किसी कार्यक्रम की कोई जानकारी नहीं होती। लेकिन इस चीज की सामाजिक चेतना के माध्यम से सुधारा जा सकता है। ऐसा होने से उसके अधिकारों का कोई हनन नहीं कर पाएगा।

(4) अब समय आ गया है कि हमें चीन की जनसंख्या की नीति को अपनाने की अर्थात् एक बच्चा नीति को अपनाना होगा। जब तक यह नीति नहीं अपनायी जाएगी तब तक दरिद्रता का उन्मूलन नहीं हो सकता। यह कार्य तभी सम्भव होता है, जब व्यक्ति अधिक शिक्षित होता है। अतः शिक्षा का प्रचार–प्रसार एवं विस्तार करने की प्रमुख आवश्यकता है।

(5) यदि हम सोंचे कि दरिद्रता की समस्या सरकार द्वारा ही दूर होगी तो मात्र यह भ्रम होगा। दरिद्रता की समस्या को दूर करने के लिए आम जनता को अपना सहयोग बढ़ा–चढ़ाकर देना होगा तथा दरिद्रता उन्मूलन सम्भव है।

(6) भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था अकुशल, सुस्त, भ्रष्ट एवं निर्णय लेने में अक्षम है। वास्तव में प्रशासन जनता की रक्षा करने में पूर्ण रूप से अक्षम है तथा बदमाशों एवं गुण्डों को संरक्षण देने में सहयोग करता है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह ट्रेनिंग दी जानी चाहिए कि वे सहृदय दरिद्रों की सहायता करें तथा भ्रष्ट मानसिकाता से दूर रहें। ईमानदार प्रशासनिक अधिकारियों को प्रसस्ति तथा प्रोन्नति मिलनी चाहिए, जिससे उनका मनोबल बढ़ता रहे।

(7) जैसा कि विदित है कि भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश व्यक्ति कृषि पर आश्रित हैं। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में दरिद्रता का अनुपात काफी अधिक है। यदि ठीक प्रकार से कृषि का विकास किया जाए तो दरिद्रता का उन्मूलन आसानी से किया जा सकता है। कृषि क्षेत्र में आय को बढ़ाने के लिए भूमि सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करना, कृषकों से उच्च गुणवत्ता वाले बीज तथा खाद सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त फसल बीमा, विपणन व्यवस्था, संस्थागत वित्त व्यवस्था, भूमि सुधार, कृषकों की सुरक्षा, आधुनिकीकरण तथा उच्च गुणवत्ता वाली छिड़काव की दवायें उपलब्ध करानी होगी तभी दरिद्रता दूर होगी।

(8) भूमि की कमी तथा जनसंख्या वृद्धि ने कृषि पर जनसंख्या को भार बढ़ा दिया है अतः इस भार को दूर करने के लिए गैर–कृषि रोजगार में वृद्धि करने की आवश्यकता है। ग्रामीण एवं कुटीर, उद्योग, कताई–बुनाई, दस्तकारी, खिलौने, रंगाइ–छपाई, मिट्टी के पात्र तथा मूर्तियाँ बनाने के कार्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

(9) ग्रामीण क्षेत्रों में दरिद्रता का प्रतिशत अधिक है अतः ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाओं को क्रियान्वयित करने की अत्यन्त आवश्यकता है जिन्हें मुख्यमंत्रियों द्वारा मौके पर जा–जाकर देखना होगा कि वास्तव में योजनायें लागू की भी जा रही हैं अथवा कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं।

(10) नगरों में दरिद्रता दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रमों को बनाना एवं उन्हें क्रियान्वित किए जाने की अत्यन्त आवश्यकता है इसमें दरिद्र परिवारों को प्रशिक्षण दिया जाना तथा वित्तीय सहायता प्रदान करना भी शामिल होना चाहिए। इससे दरिद्रों को रोजगार मिलने में सहायता मिलेगी।

(11) कृषि पर जनसंख्या का भार कम करने के लिए यह आवश्यक है, कि उद्योगों के विकास पर पूर्ण ध्यान दिया जाए। इसके लिए आधारभूत उद्योगों को लगाना, निजीकरण को बढ़ावा, पूँजी की उचित व्यवस्था, उदार औद्योगिक नीति तथा अनुसन्धान तथा विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता इत्यादि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ऐसा होने से रोजगारों के आवसरों में वृद्धि होगी।

(12) नीति आयोग द्वारा जनजातियों तथा अनुसूचित जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लिए विकास योजना क्रियान्वित करनी होगी। वितरण व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है, उपलब्ध साधनों का पूर्ण उपयोग आवश्यक है, बचत तथा विनियोगों में वृद्धि करनी होगी, दरिद्रता की संख्या वाले राज्यों को वृहद् पैकेज दिया जाना इत्यादि सुझाव दरिद्रता को निपटने में बहुत सहायता कर सकते हैं।

परिभाषित शब्दावली

अन्याय	:	व्यक्ति के हितों की उपेक्षा, परेशान करना, लोभ–लालच देकर शोषण।
अनिवार्य	:	आवश्यक, जरूरी।
अमानवीय	:	मानव से पृथक, मानव जीवन के प्रतिकूल।
अस्थियाँ	:	कंकाल, हड्डियों का संग्रह।
अल्प	:	कम, मात्रा में कम।
आहार	:	भोजन, खाना, शरीर पोषण की वस्तु।
आँकड़ा	:	तथ्य।
अधोवस्त्र	:	नीचे के वस्त्र।
अनुष्ठान	:	कोई धार्मिक कृत्य, नियम पूर्वक आरम्भ किया जाना।
अनुसन्धानकर्ता	:	शोध करने वाला, खोज करने वाला।
अनुसूची	:	पीछे जोड़ी गई सूची।
अपरिमिति	:	बेहद, बेहिसाब, अत्यधिक।
अप्राचल	:	बिना पैरामीटर, अमापनीय।
अभाव	:	कमी, वंचन।
अभिव्यक्ति	:	प्रकट करना, प्रकाशन।
अल्पकालिक	:	कुछ समय, क्षणिक।
अवलोकन	:	ध्यान पूर्वक देखना।
अस्पृश्यता	:	छुआ–छूत, अपने से हीन मानकर व्यक्ति को उपेक्षित–पृथक करना।
असहभागी	:	सहभागिता का अभाव, सहयोग बिना हिस्सेदारी।
असहाय	:	जिसका कोई सहारा न हो, अनाथ।
आकलन	:	गणना करना।
आबादी	:	जनसंख्या।
आवश्यकता	:	जरूरत।
आश्रित	:	जिनके जीवन का भार हो, पारवारिक सदस्यों के जीवन का दायित्त्व।
उत्पाद	:	उत्पन्न होने वाली वस्तु।
उद्देश्य	:	अभिप्राय, इरादा।
उद्योग	:	वस्तु की उपयोगिता उत्पन्न करने वाला, कारखाना।
उन्मूलन	:	हटाना, मुक्त करना।
उपकल्पना	:	निश्चय, तैयार करना, परिकल्पना।
औद्योगिक क्राँति	:	कारखाना क्षेत्र में परिवर्तन, उद्योगों का नवीन स्वरूप।
कर्म	:	काम, क्रिया, आचरण।
कल्याण	:	हितों की सुरक्षा।
कामगार	:	श्रमिक, मजदूर।
काउण्ट	:	गणना।
कार्यक्रम	:	कार्य किये जाने की सूची।
कुण्ठा	:	निराशा, भावनाओं का हनन।

कुपोषण	:	पोषण रहित, स्वास्थ्य उपेक्षा, पर्याप्त या भरपेट भोजन का अभाव।
कुपोषित	:	सही ढंग से पोषण न होना, शारीरिक जरूरी वस्तु वंचन में जीवन।
कोटा	:	खाद्यान्न एवं वस्तुओं का आवंटन, आवंटित वस्तुओं के वितरण केन्द्र।
कोढ़ी	:	चर्मरोग से अंग–भंग होने वाले रोग से प्रभावित व्यक्ति, अपंग।
खाज	:	चर्म रोग, खुजली की बीमारी।
खाद्यान्न	:	भोजन या खाने का अन्न।
क्षमता	:	शक्ति, सक्षम।
गहनता	:	गहराई से, अत्यन्त ध्यान से विचार करना।
गुणात्मक	:	गुणयुक्त।
घृणा	:	विरोध भाव रखना, उपेक्षित।
छुटकारा	:	मुक्ति।
ज्वलन्त	:	जलती हुई, गम्भीर।
ज्वालामुखी	:	भूमि से निकलने वाली भयानक लौ, भूमि के अन्दर से निकली अग्नि।
जनगणना	:	आबादी की गणना।
जनसंख्या	:	देश–राज्य,स्थान आदि पर बसे लोगों की संख्या, आबादी।
जातिवाद	:	जाति के प्रभाव से व्यक्ति को विचलित करना, जातीय उन्माद।
जीविका	:	गुजारा, जीवन–यापन।
टी. वी.	:	टेली विजन, सूक्ष्म दृश्यों का प्रदर्शन, दृश्यों को प्रदर्शन करने वाला।
दरिद्रता	:	मूलभूत आवश्यक वस्तुओं के अभाव में जीवन–यापन, निर्धनता, गरीबी।
डालर	:	विदेशी मुद्रा, भारतीय मुद्रा से 65 गुना अधिक मूल्य वाली मुद्रा।
दाता	:	देने वाला।
दान	:	देन, खरात, दी गई कोई वस्तु।
दिवालिया	:	धन–सम्पत्ति हीन, सब कुछ गवांने वाला, जिसके पास कुछ भी न हो।
दुर्बल	:	कमजोर, असहाय, असमान्य स्वास्थ्य, ।
दुर्व्यसन	:	बुरी आदत।
तथ्य	:	आँकड़ा।
दुःर्बल	:	कमजोर, कमजोर स्वास्थ्य, बीमार, रोगी, कुपोषित।
दोषारोपण	:	दोष लगाना, आरोपित करना।
न्यूनतम	:	बहुत कम।
निर्वाह	:	गुजर–बसर।
निर्दोष	:	बिना दोष।
निरन्तर	:	लगातार, अनवरत।
निरक्षर	:	लिखने और पढ़ने में असमर्थ व्यक्ति, अक्षर न जानने वाला।
निराकरण	:	हल करना।
निरीक्षण	:	देखा जाने योग्य, देखना।
परिलक्षित	:	अच्छी तरह देखाभाला हुआ।
परिहार्य	:	जो छोड़ा न जा सके, अपनाने योग्य।
प्रतिदर्श	:	नमूना।

प्रतिमान	:	परछाईं, प्रतिमूर्ति, नमूना, मानक, स्टेण्डर्ड।
प्रतिशत	:	सौ पर, सौवाँ भाग, फीसदी, परसेंट।
प्रदूषण	:	नष्ट करना, अपवित्र करना।
पर्याप्त	:	उचित, अनुकूल मात्रा।
प्राकृतिक आपदा	:	दैव संकट, प्राकृति प्रकोप से प्रभावित जीवन, सूखा–बाढ़–भूकम्प प्रभाव।
प्राचल	:	पैरामीटर, मापनीय।
प्राचीन	:	पुराना।
प्रारूप	:	प्रलेख, प्राथमिक स्वरूप।
पीड़ित	:	हमला या घटना का शिकार, शोषित, जिसका उत्पीडन हुआ हो।
पंचवर्षीय	:	पाँच वर्ष के लिए, पाँच वर्षों का संचालन।
पूँजीवाद	:	निवेश करने वालों का एकाधिकार, रहीसों का बोलबाला, श्रमिक उपेक्षा।
बचाव	:	सुरक्षा, बचने हेतु।
बन्धुआ मजदूर	:	श्रमिक बन्धन, लोभ–लालच या कर्ज प्रभाव से गुलामी युक्त मजदूरी।
बाल मजदूरी	:	कम पैसे में नाबालिगों से श्रम, पढ़ने–लिखने और कच्ची उम्र में श्रम।
बाल विवाह	:	नाबालिग–कच्ची उम्र के बालक–बालिका को योनि सम्बन्ध में बाँधना।
बेरोजगारी	:	श्रमिक को काम मिलने का अभाव, नौकरी अथवा मजदूरी का अभाव।
भ्रष्टाचार	:	भ्रष्ट आचरण करना, धन प्रभाव में दायित्व निर्वहन की उपेक्षा करना।
भिक्षावृत्ति	:	भीख मांगना, लाचारी दिखाकर रहमो–कर्म गुणगान कर वस्तु मांगना।
भुखमरी	:	भूख से मरना, भोजन के अभाव में मृत्यु होना।
नशा	:	मादक पदार्थों का सेवन, चरस–भांग–अफीम के सेवन का आदी होना।
फैक्ट्री	:	कारखाना, उद्योग।
बेकारी	:	काम करने के इच्छुक व्यक्तियों को काम न मिलना, बेरोजगारी।
भेद–भाव	:	अन्तर, अपने से प्रथक मानना।
मद्यपान	:	शराब पीना, शराब पर आदी होना, पियक्कड़, शराबी।
मल्टी पावर्टी	:	बहुआयामी दरिद्रता या गरीबी या निर्धनता।
मानव विकास	:	जीवन की वस्तुओं का विकल्प देना, मानव या मनुष्य का विकास।
मिलियन	:	दस लाख।
मुक्तोत्तर	:	स्वतन्त्र उत्तर, बिना जोर–दबाव के उत्तर।
मुहैय्या	:	उपलब्ध।
मौसमी	:	मौसम अनुरूप।
योगदान	:	सहायता देना।
ऋणग्रस्तता	:	कर्ज की जगड़न।
व्यक्ति	:	मनुष्य, मानव, स्त्री और पुरुष दोनों का उद्‌बोधन।
व्यय	:	खर्च, वस्तु विनमय हेतु धन देना, गुजर–बसर साधनों पर खर्च करना।
व्यवसायिक	:	व्यापार सम्बन्धी।
व्यष्टि	:	इकाई, व्यक्ति, सूक्ष्म।
व्याख्या	:	विवेचन, विवरण।
वस्त्र	:	कपड़े, पहने जाने वाले कपड़े।

वर्गीकरण	:	वर्ग के अनुसार विभाग करना।
वंचित	:	अभाव ग्रसित।
वितरण	:	बाँटना।
विपदा	:	संकट।
विवेचना	:	परीक्षण, मीमांसा।
विश्लेषण	:	जाँच करना, छानबीन करना।
विषमता	:	असमानता, विभेद, अन्तर।
विसंगति	:	संगतिहीन।
वैश्यावृत्ति	:	यौनि व्यापार, धन विनमय से यौनि सम्बन्ध स्थापित करना।
शोध	:	शुद्ध करना, खोज करना।
स्वतन्त्रता	:	मुक्त, किसी जोर–दबाव से मुक्त अपनी इच्छानुसार काम करना।
सजीवों	:	वनस्पति एवं प्राणी।
सन्दर्भ	:	जिसके सम्बन्ध में कहा जा रहा है, विषय या समस्या से सम्बन्धित।
सभ्यता	:	शिष्टता, नम्रता, सभ्य होने का भाव।
समन्वित	:	एकत्रित।
समस्या	:	व्यक्ति की स्थिति परिवर्तन कारक, स्थिति पर बुरा प्रभाव, विचलन।
समष्टि	:	सम्पूर्ण, समग्र।
समाज	:	समुदाय, दल, समूह, सभा, संगठित संस्था।
समुदाय	:	व्यक्ति के एक ऐसा संग्रह जिसके सदस्य अपनी प्रतिदिन की क्रियाओं के सम्पादन हेतु एक सामान्य भूभाग को सहयोगियों के रूप में प्रयोग करते हैं तथा जिसमें 'हम–भावना' प्रबल रूप से विद्यमान होती है।
सर्वव्यापी	:	सभी जगह उपस्थित, यूनीवर्सल।
सहभागिता	:	भागीदार, साझेदारी।
साधन	:	कार्य में सहयोग देने वाली वस्तुएँ।
सामान्यीकरण	:	सामान्य रूप देना, साधारणीकरण।
सामूहिक	:	समूह द्वारा होने वाला, समूह से सम्बन्धित।
सार्वजनिक	:	सबके मध्य, जनता के बीच, समाज के सामने, खुलेआम।
साक्षात्कार	:	सामने आना, प्रत्यक्ष भेंट, मुलाकात, स्पष्ट ज्ञान।
साक्षरता	:	शिक्षित होने का भाव।
सापेक्षिक	:	सापेक्ष किया हुआ, अपेक्षा सहित।
संकलन	:	एकत्रीकरण, इकटठा करना।
संग्रह	:	एकत्रित, इकट्टा।
संस्कार	:	व्यवस्थिति करना, सुधारना, सफाई, शुद्धि।
संसाधन	:	साधनों सहित, साधनयुक्त।
श्रमिक	:	श्रम करने वाला, कामगर, मजदूर।
हतोत्साहन	:	भावनाओं की हत्या, निराशा।
हरण	:	छीनना, हड़पना, चुराना।

परिशिष्ट

अगम्यता 5
अक्षमता 5
अज्ञानता 39
अर्जित 4
अष्टम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 335
अठारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 346
अट्ठाइसें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 359
अथाह 19
अध्ययन में प्रयुक्त उत्तर प्रदेश के कानपुर विश्व विद्यालय से सम्बद्ध डिग्री कालेजों की संख्या 322
अध्ययन में प्रयुक्त उ. प्र. के कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध फर्रूखाबाद के डिग्री कालेजों की सूची 323
अदृश्य 62
अदूरदृश्यता 328
अन्त्योदय 104
अनभिज्ञता 63
अनुक्रम 155
अनुरूप 6
अनुसूची 153
अनुसूची का आकार 164
अनुसूची प्र.सं. 1–5 तक के तथ्यों का वर्गीकरण 181
अनुसूची प्र.सं.6–15 तक के तथ्यों का वर्गीकरण 182
अनुसूची के प्रश्न सं. 16 के तथ्यों का वर्गीकरण 183
अनुसूची के प्रश्न सं. 17 के तथ्यों का वर्गीकरण 184
अनुसूची के प्रश्न सं. 18 के तथ्यों का वर्गीकरण 184
अनुसूची के प्रश्न सं. 19 के तथ्यों का वर्गीकरण 184
अनुसूची के प्रश्न सं. 20 के तथ्यों का वर्गीकरण 185
अनुसूची के प्रश्न सं. 21 के तथ्यों का वर्गीकरण 186
अनुसूची के प्रश्न सं. 22 के तथ्यों का वर्गीकरण 187
अनुसूची के प्रश्न सं. 23 के तथ्यों का वर्गीकरण 188
अनुसूची के प्रश्न सं. 24 के तथ्यों का वर्गीकरण 189
अनुसूची के प्रश्न सं. 25 के तथ्यों का वर्गीकरण 190
अनुसूची के प्रश्न सं. 26 के तथ्यों का वर्गीकरण 190
अनुसूची के प्रश्न सं. 27 के तथ्यों का वर्गीकरण 190
अनुसूची के प्रश्न सं. 28 के तथ्यों का वर्गीकरण 191
अनुसूची के प्रश्न सं. 29 के तथ्यों का वर्गीकरण 191
अनुभूति 4
अनुसन्धान 19
अपरमिति
अपरिष्कृत 11
अप्रकाशित 19
अप्राचलिक विधि या प्रतिचयन 119
अपेक्षाकृत 6
अभिकथन 39
अभिमुखीकरण 15
अभिवृत्तियों 110
अभिलेखों 19
अमर्त्य सेन की गरीबी और अकाल 97
अर्द्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची 162
अवधारणा 5
अवरुद्ध 24
अवलोकन 112
अकर्मण्डता 62
अनुक्रमणन 85
अपवंचन 71
अभियुक्त 64
अवधारणा 3
अवलोकन 111
अवसाद 56
अल्पकालिक 14
अल्पपोषण 38
अस्पृश्यता 24
असन्तुलन 11
असंवेदनशील 34
अस्मिता 5
आई.आर.डी.पी.एन.आर.ई.पी 104
आक्रान्त 29
आक्षाँश 114
आठवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण व व्याख्या 340
आत्मबोध 5
आत्महत्याजन्य 56
आदर्शमूलक 85
आधारशिला 19
आयाम 94
आर पर्ल 115
आस्थाहीनता 61
इक्कीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 349
इकरारनामा 63
इक्नोमिक्स 79
इन्जेक्शन 55
उत्तर प्रदेश : परचय एक दृष्टि में 166
उत्तर प्रदेश का परिचय 124
उत्तर प्रदेश का मानचित्र 123
उ. प्र. के जनपद फर्रूखाबाद का मानचित्र 125

उत्तर प्रदेश जनगणना–2001 170
उत्तर प्रदेश की जनसंख्या–2011 का जिलेबार..
विवरण के मुख्य तथ्य 170
उत्तेजक 57
उदारीकरण 72
उन्नीसवें प्रश्नके तथ्यों का विश्लेषण एवं
व्याख्या 347
उन्तीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं
व्याख्या 360
उपकल्पना 13
उपभोक्ता सर्वेक्षण 96
उपलक्षित 21
उपागम 110
उष्ण 66
उष्ण कटिबन्धीय सघन वन 114
ऊर्जा 27
एकांगी 53
एटकिन्सन का मापम 89
एप्लायमेण्ट 70
एलाइड 79
एशिया प्रान्त 74
औचित्यहीन 59
औषधि 19
क्लेश 58
कटिबन्धीय 66
कदाचित 47
कवच 64
क्रमबद्ध 154
कल्याण 12
काउन्सिल 78
कार्यक्षेत्र–जनपद फर्रूखाबाद 161
कालातीत 62
कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के आवंटियों–
निवासियों का वर्तमान स्वरूप 315
काष्ठ 94
कास्ट ऑफ लिविंग 96
कुजनेट्स विषमता 97
केन्द्रीयकरण 80
कैलोरी 5
खाद्यान्न 25
खोजपरक प्रश्न 155
क्षुधा 67
क्षेत्रक 14
ग्लोबलाइजेशन ऑफ पावर्टी 97
ग्यारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 344
गारण्टीयुक्त 72
गिनी लारेन्ज 81
गुणांक 88
गुणात्मक 10
घृणा 28
चक्रवात 66
चतुर्थ प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण–व्याख्या 331
चिरकाल 14
चौदहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण–व्याख्या 341
चौबीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण–व्याख्या 354
छठवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 333
छब्बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 357
जनगणना 99
जनगणना 2011 के अनुसार भारत के शीर्ष 4
राज्य व देश की जनसंख्या में उनका प्रति.117
जनजातीय 66
जनपद फर्रूखाबाद 127
जनपद फर्रूखाबाद का रंगीन मानचित्र 126
जनपद फर्रूखाबाद : परिचय एक दृष्टि में 172
जनसंख्या 114
जनसंख्या एवं निदर्श 131
जनसंख्या और जनगणना में प्रयुक्त सिद्धांत 117
जागरूकता 15
जिज्ञासु 19
जीवन प्रत्याशा 107
झकझोर 11
झुग्गी 32
टास्क फोर्स 96
टेक्टोलिक क्रियायें 66
डालर 3
डाल्टन का मापक 89
डिस्ट्रीब्यूटर 70
डेविंग 125
डॉ.नीतू सिंह तोमर का फर्रूखाबाद जिले के ग्रामीण
एवं नगरीय क्षेत्रों में भ्रमण–जनसम्पर्क का विवरण 153
तथ्यों का विश्लेषण 325
तथ्यों का संकलन 152
तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण 385
तहसील एवं विकासखंड 164
त्रुटिपूर्ण 10
तृतीय प्रश्न तथ्यों का विश्लेषण व व्याख्या 330
तिलांजलि 61
तुच्छ 21

तुलना 10
तुष्टि 6
तेइसवें प्रश्नके तथ्यों का विश्लेषण–व्याख्या 353
तेरहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण–व्याख्या 340
दक्षता 4
द्रवित 23
दृष्टि 2
दृष्टिकोण 5
दरिद्रता का आकलन 96
दरिद्रता आकलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्ड 98
दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ 102
दरिद्रता की गहनता 94, 95
दरिद्रता सूचकांक 93
दसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 337
दासता 52
द्वितीय प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 329
द्विभाजी 155
दीर्घकालीन 11
दुष्चक्र 77
दुष्वार 11
देशांतर 114
द्रोणमुख 63
न्यादर्श 22
नवउदारवादी 82
नमोद्दिष्ट 99
निकृष्ट 61, 94
निदर्श 7, 119
निदर्शों का चयन 176
नियन्त्रण 56
नियन्त्रित अवलोकन 111
निराश्रयता 72
निर्धारण 19
निर्वाह 6
निरीक्षण–जनसम्पर्क अनुसार फर्रूखाबाद नगर के कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के निर्मित भवनों व आवंटियों की स्थिति तालिका–दो 316
निरीक्षण–जनसंपर्क अनुसार कांशीराम शहरी दरिद्र आवास फर्रूखाबाद नगर के भवनों में वर्तमान निवासियों की स्थिति तालिका–तीन 316
निष्ठा 53
नीतिशास्त्रीय 85
नीलकण्ठ के अनुसार 103
नैतिकता 32
नैसर्गिक न्याय सिद्धान्त 64
नौवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण व व्याख्या 336
परिकल्पनाओं 21
परित्यक्तता 46
परिमाणात्मक 24
परिलक्षित 77
परिवारों का चयन 104
परिसर 86
पत्रिका 104
पहलुओं 20
प्रजातान्त्रिक 81
प्रतिचयन 119
प्रतिदर्श 119
प्रतिदर्श हेतु चुनी गई 1000 इकाइयों की सूची 134
प्रतिदर्श में चूने गए दरिद्र व्यक्तियों से सम्बन्धित तथ्यों का वर्गीकरण 177
प्रतिदर्श अनुसूची में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों की आयु वर्गानुसार वर्गीकरण 178
प्रतिदर्श अनुसूची में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों की आय वर्गानुसार वर्गीकरण 179
प्रतिदर्श अनुसूची में चुने गए दरिद्र व्यक्तियों के लिंग, शिक्षा, व्यवसाय एवं जाति वर्गीकरण 180
प्रतिस्थितियों 106
प्रतिपादन 99
परिपक्वता 110
प्ररचना 110
प्र.सं.1–15 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक व परिणाम 192
प्र.सं.16–18 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक एवं योग 210
प्र.सं.19–21 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक एवं योग 228
प्र.सं.22–23 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक एवं योग 243
प्र.सं.24–25 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक एवं योग 262
प्र.सं.26–29 में उत्तरदाताओं के प्राप्तांक एवं योग 280
प्र.सं.1–5 तक में प्राप्तांकों का कुल योग 181–192
प्र.सं.6–15 तक प्राप्तांकों का कुल योग व प्रतिशत 192
प्र.सं.1–29 में के प्राप्तांकों का कुल योग व प्रतिशत 266
प्र.सं.1–29 में के प्राप्तांकों का कुल योग व प्रतिशत 266
प्रतिनिधि 86
प्रतिपाल्य 12
प्रतिबन्धित
प्रस्तुत अध्ययन में सम्बन्धित साहित्य 19
प्रसम्भावना 117
प्रथम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 328
प्रस्तावित 20
प्रसरण 86
प्रेक्षण 112

पंचम प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 332
पंचवर्षीय योजनाएँ एवं दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ 105
पन्द्रहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 342
प्रतिदश सूची में चुने गए दरिद्रों से सम्बन्धित तथ्य 151
पचीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 355
परम समानता रेखा 88
प्रायोज्य 113
प्रारूप 20
प्रावधान 46
पीड़ित 7
पी. वी. यंग 119
पुनर्निरीक्षण 20, 21
पुनरावृत्ति 22
पुनरावलोकन 21
पुनर्गठित 103
पुष्टकारक 155
पैमाना 11
प्राचलिक विधि 119
प्रौद्योगिकी 6
फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों से प्राप्त तथ्य 302
फर्रूखाबाद जनपद का इतिहास 127
फर्रूखाबाद जनपद के कांशीराम शहरी दरिद्र आवासों के निर्मित भवनों एवं उनके निवासियों की स्थिति तालिका–एक 316
फर्रूखाबाद के दरिद्र हवालातियों के अमानुषिक उत्पीडन का वर्तमान स्वरूप 324
फर्रूखाबाद जनपद के नगरों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य 174
फर्रूखाबाद जनपद के विकासखंडों से सम्बन्धित मुख्य तथ्य 175
फर्रूखाबाद जनपद में संचालित सरकारी योजनाओं के आवंटन की स्थिति 301
फर्रूखाबाद के शिक्षा संस्थानों की शिक्षा का वर्तमान स्वरूप 319
फर्रूखाबाद जिले की जनसंख्या 2011 ब्लाक–नगर वार वितरण के मुख्य तथ्य 133
बहिष्करण 99
बहिर्मुखता 6
बहुआयामी दरिद्रता सूचकांक 94
बहुअर्थक 155
बहुविकल्प 155
बहुवैकल्पिक 155
बाइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 351
बारहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 339
बीसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 348
बैसिमूल्य 68
भारत की जनसंख्या 2011, दरिद्रता 2014 का राज्यबार वितरण के मुख्य तथ्य 163
भारत की दरिद्रता अनुपात एवं प्रतिशत 94
भारत की दरिद्रता की व्यापकता के अनुमान एवं कुल दरिद्रता वर्ष 1967 से 2011 तक 95
भारत के राज्यवार मानव विकास सूचकांक 102
भारत : परिचय एक दृष्टि में 168
भिक्षावृत्ति 24
भुखमरी सूचकांक 95
भूकम्परोधी 66
महबूब उल हक 107
मानक त्रुटि 114
मानचित्रःकांशीराम शहरी दरिद्र आवास फर्रूखाबाद 318
मानव दरिद्रता सूचकांक 93
मानव विकास 106
मानव विकास सूचकांक 107
मानवीय 12
माल्थस 115
मुख्य तथ्य 175
मूल्यांकन 110
मन्दी 51
मलिन बस्तियाँ 73
मृत्युदर 118
मितव्यता 52
मुख्यालय फतेहगढ 127
मानकत्रुटि 136
मॉल्थस 115
माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त 115
मालियत 94
मिश्रित स्मृति अवधि विधि 96
मुक्तोत्तर प्रश्न 155
मुद्रा स्फीत 89
मैत्रिक 155
मोरलैण्ड 115
मौलिकता 19
यन्त्र चालित 99
योजनाबार 81
रचनात्मक 19
रासायनिक 27
राष्ट्रीयकरण 104
ऋणग्रस्तता 44
रिक्टर 66

रिपब्लिक ऑफ हंगर 97
रूपान्तरित 53
रोजगार गारण्टी कार्यक्रम 102
लारेन्ज वक्र 88
लिंगानुपात 118
लोकायुक्त 62
लोकतन्त्र 76
वर्जित 60
वस्तुपरक 85
वस्तुनिष्ठ 154
व्यसन 55
वांछनीय 5
विकासखण्ड़ 164
विच्युति 86
विचलन 61
वितरण 4
विद्धमान 11
विनमय 77
विदोहन 10
विभेद 76
विमाओं 108
विराट 50
विशेषज्ञ 20
विषमता वक्र 98
विषमता समायोजन 99
विषाणुओं 35
विसंगति 4
विस्तृत 19
विस्फोट 11
वेश्यावृत्ति 24
वेश्विक 94
वेश्विक पहेली 38
वैक्टीरिया 38
श्रंखला 114
श्रेणीबद्ध 155
स्तरीकरण 6
सत्ताइसवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण व व्याख्या 358
सत्रहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 345
स्मृति 7
स्वाभिमान 5
स्वामित्त्व हरण 52
स्वायत्तता 5
संकल्पना 85
संज्ञेय 60
संचय 50
संरक्षात्मक 5
संवृद्धि 83
संसजग 39
संसाधन 5
सम्पदा 10
सम्पन्नता 10
सम्पर्क के आधार पर प्रतिदश–अनुसूची हेतु चुने गए व्यक्तियों की सूची 134
सम्पूर्ण व्याख्याओं एवं दिए गए निष्कर्षों तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर स्पष्ट होता है 373समकालीन 6
समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम 102
समग्र 72
समाचार–पत्र 164
समाज 158
समाज कल्याण अधिकारी 119
समीक्षा 20
सर्वदा 7
सर्वव्यापी 3
सहचर्यात्मक 110
सहभागी अवलोकन.....
साइक्लोन 66
साइबर क्राइम 60
सातवें प्रश्न तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 334
सांख्यकी 173
साक्षात्कार 112
साक्षात्कार अनुसूची 156
साक्षात्कार प्रक्रिया 171
सापेक्ष 93
सापेक्षता 5
सामन्तवादी 50
सामान्यीकरण एवं सुझाव 375
सार्वभौमिक 53
सुव्यवस्थिति 110
सूचकांक 7
सोलहवें प्रश्न के तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या 343
हार्वेस्टर 99
हिमाच्छादित 114
हेरोइन 57

सन्दर्भ–सूची

अखिलेश एम., सामाजिक मानवशास्त्र, साहित्य भवन, पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्रा. लि. आगरा, 2002.

अहूजा राम, भारतीय समाज, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर.

अहूजा राम, सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर, 2016

आर्थिक समीक्षा, 2014–15, यंग ग्लोबल पब्लिकेशन्स, गणेश नगर, दिल्ली, वर्ष 2016

उत्तर प्रदेश तथ्य सार, सम–सामायिक घटना चक्र, 188ए/128 एलनगंज, चर्च लेन, इलाहाबाद, वर्ष 2016

उत्तर प्रदेश समग्र अध्ययन, बौद्धिक प्रकाशन, झूंसी, इलाहाबाद, 2016

एस. महेन्द्र एवं सी. रवि, गरीबी और असमानता, अखिल भारत और राज्य, 1983–2005, इक्नॉमिक्स एण्ड पॉलिटिक्स वीकली, फरवरी, 10, 2007

कपिल एच.के., अनुसन्धान विधियाँ, भार्गव भवन, कचहरी घाट, आगरा, 2004

कुमार अरुण, आधुनिक शिक्षा और दलित, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, 2015.

कुमार अशोक, सूचना का अधिकार, रजत प्रकाशन, देवलोक कालोनी, दिल्ली रोड़, मेरठ, वर्ष 2011

कुमार आनन्द, समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएँ, विवेक प्रकाशन, जवाहर जगर, दिल्ली, वर्ष 1990–91

कुमार ए., जनजातीय विकास एवं पंचायती राज, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2016

कोस्टा, भारत में निर्धनता का अध्ययन, भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चंद्र एण्ड कम्पनी लिमिटेड दिल्ली, 1997

खरे कुसुम एवं तलहा, उ.प्र.माध्यमिक शिक्षा राजाज्ञा एवं आदेश संग्रह, हरमीला पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, 2009

खुराना ललिता, कुरुक्षेत्र, सशक्त हो रहे ग्रामीण युवा, अरावली पब्लिकेशन्स, ओखला, नई दिल्ली, अगस्त 2016

गुप्ता एम.एल. एवं शर्मा डी.डी.समाजशास्त्र, प्रतियोगिता साहित्य सीरीज, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004

गुप्ता योगेंद्र मोहन, वार्षिकी, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर, वर्ष 2013

गुप्ता एम. एल. एवं शर्मा डी.डी., समाजशास्त्र, साहित्य पब्लिकेशन्स, साहित्य भवन, आगरा, संस्क.19, वर्ष 2011

गोयल तरुण, सामान्य ज्ञान 2012, अरिहन्त पब्लिकेशन्स प्रा.लि., टी.पी. नगर, मेरठ, वर्ष 2012

चान्टिया आलोक व मिश्रा प्रीति, गरीबी और मानवाधिकार, नई दिशाएँ, रा.मा.अ.आ. भारत, अंक 12, वर्ष 2015

चावला रमेश, भीम सेन अम्बेडकर और भारतीय लोकतन्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2017

छत्तीसगढ़ समसामायिकी 2011–12, चिन्मय सागर, सिविल अकादमी लेखन सहयोग, गीतांजली–11

जागरण वार्षिकी 2015, दैनिक जागरण प्रेस, सेक्टर 63, नोयडा, संस्करण 19, वर्ष 2015

जैन नीरज, हिन्दी प्रकाश निबन्ध संग्रह, आदर्श पुस्तक मन्दिर, शिकोहाबाद.

जैन महेन्द्र, प्रतियोगिता दपर्ण, भारतीय अर्थ व्यवस्था, 641, प्रथम तल, डॉ.मुखर्जी नगर, दिल्ली–9, वर्ष 2016

जिला एवं सांख्यकीय पत्रिका, अर्थ एवं लेखा प्रभाग, फर्रूखाबाद, वर्ष 2014–15, तालिका–1

जैन महेन्द्र, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण (प्रिण्ट यूनिट,) स्वदेशी बीमा नगर, आगरा, वर्ष 2016

जोशी आनन्द एवं राहुल धीरेन्द्र, पत्रिका इयर बुक, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन प्रा. लि., जयपुर, वर्ष 2008

जोशी रतन, पर्यावरण अध्ययन, साहित्य पब्लिकेशन्स, साहित्य भवन, आगरा, वर्ष 2004

झा विश्वनाथ, औद्योगिक समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2002.

टॉवनसेण्ड पीटर–मीनिंग ऑफ पॉवर्टी, बी.जे.एस., 1965

त्रिवेदी आदित्य कुमार, जिला फर्रूखाबाद, नन्दन पुस्तक भण्डार किराना बाजार फर्रूखाबाद, प्रथम संस्करण, 2002

त्रिपाठी केसरी नन्दन एवं कुमार आलोक, उत्तर प्रदेश : समग्र अध्ययन, बौद्धिक प्रकाशन, झूंसी, इलाहाबाद, 2016

त्रिपाठी राम प्रसाद, विश्व इतिहास (प्राची), ज्ञान सिक्योरिटी प्रेस, बी.एन.रोड़, चौलक्खी, लखनऊ, सं.2, वर्ष 1988

त्रिपाठी सत्येन्द्र, सामाजिक अनुसन्धान एवं सांख्यिकी, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2017

दत्त एवं सुन्दरम भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चन्द्र एंड कम्पनी प्रा.लि., रामनगर, नईदिल्ली, संस्क. 55, वर्ष 2016

दाधिच नरेश, महात्मा गाँधी का चिन्तन, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2011

दास पी. के., भारतीय सामाजिक शोधःसिद्धान्त एवं विश्लेषण, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहरनगर, जयपुर, वर्ष 2017

देसाई ए. के., भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2015

दोषी एस. एल., आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2007

नौरोजी दादाभाई, पावर्टी एण्ड अन–ब्रिटिश रूल इन इण्डिया (लन्दन 1901)

पत्रिका न्यूज फर्रूखाबाद, 500 साल पुराना है फर्रूखाबाद के गंगाघाटों का इतिहास बेवसाइट–पत्रिका.काम

प्रकोष्ठ रचनात्मक/ग्राम प्रबन्धन, आदर्श ग्राम योजना, श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, शाँतिकुज, हरिद्वार, 2015

प्रतियोगिता दर्पण हिन्दी मासिक, उपकार प्रकाशन, आगरा, नवम्बर–2003.

पाण्डेय मनोहर, सामान्य ज्ञान 2016, अरिहन्त पब्लिकेशन्स इण्डिया लिमिटेड, टी. पी. नगर, मेरठ, वर्ष 2016

पाठक ऋतेश व रावत राधमा, **योजना** सामाजिक सुधार विशेषांक, सूचना भवन, लोधीरोड़, नई दिल्ली, जुलाई 2017

पुरी वी. के. एण्ड मिश्र एस. के., भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालया पब्लिकेशिंग हाउस, मुम्बई, वर्ष 2014

बघेल डी. एस., अपराध शास्त्र, विवेक प्रकाशन जवाहर नगर, दिल्ली–7, संस्करण 11, वर्ष 2013

ब्रह्मस्व, भव्य समाज का अभिनव निर्माण, अखण्ड ज्योति पब्लिकेशन्स, जनजागरण प्रेस मथुरा, संस्क.2, वर्ष 1998

बाहरी हरदेव, हिन्दी शब्दकोश, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1993..

बोस निर्मल कुमार, भारत में ग्रामीण जीवनःएकता एवं विभिन्नता, रावत पब्लिकेशन्स,जवाहरनगर, जयपुर,वर्ष 2013

भारत का संविधान (द्विभाषी एडीशन), सेण्ट्रल लॉ पब्लिकेशन्स, दरभंगा केस्टल, इलाहाबाद, संस्क.7, वर्ष 2012

भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011, योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

मंगल के. पी. एवं आर. एन. सिंह, यू. जी. सी. बी. एड. दिग्दर्शन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2, वर्ष 2010

मित्तल एम.एल. एवं रस्तोगी श्रीमती वर्षा, भारतीय समाज, साधना प्रकाशन, रस्तोगी स्ट्रीट, मेरठ, वर्ष 1991–92

मिश्र जगदीश प्रसाद, भारतीय समाज, भारत प्रकाशन, अशोक मार्ग, लखनऊ, 2001

मुकर्जी रवीन्द्र नाथ, सामाजिक शोध एवं साख्यिकी, विवेक प्रकाशन दिल्ली, 2000.

मुकर्जी रवीन्द्रनाथ, सामाजिक विचारधारा (काम्टे से मुकर्जी तक), विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली, 2002.

मुकर्जी रवीन्द्रनाथ एवं दुबे देवाशीष, भारतीय समाज एवं संस्कृति, सरल प्रकाशन, सुभाष नगर, बरेली, 1994.

मुकर्जी रवीन्द्रनाथ, समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, दिल्ली, 2001

यादव रामजी लाल, समाजशास्त्र, रमेश पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, वर्ष 2011

योजना, विज्ञान एवं प्रसार व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग, ईस्ट ब्लाक IV, लेबल VII, आर.के.पुरम, नई–दिल्ली.

रस्तोगी आर. के., भारतीय समाज एवं संस्कृति, संजीव प्रकाशन मेरठ, संस्करण तृतीय, वर्ष 1997

रस्तोगी आर. के., मानवशास्त्र, संजीव प्रकाशन मेरठ, संस्करण चतुर्थ वर्ष 1997

राजपूत राम कृष्ण, स्मारिका, फर्रूखाबाद : हमारी विरासत, जी.एम.प्रकाशन, सहकारी समिति फर्रूखाबाद, 2011–12

राय ओ.पी.सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 का अधि.संख्या 20 (द्विभाषी), नागरी प्रेस, आलोपीबाग, 2009

राय पारसनाथ व भटनागर चाँद, अनुसन्धान परिचय, अग्रवाल हास्पिटल रोड, आगरा, 1974.

राय विजय कुमार, उत्तर प्रदेश एक अवलोकन, विवास पॅनोरमा प्रकाशन, दिल्ली.

रावत हरिकृष्ण, समाजशास्त्र विश्वकोश, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 1998.

रावत हरिकृष्ण, मानवशास्त्र विश्वकोश, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2016.

रुहेला सत्यपाल, सामाजिक सर्वेक्षण और अनुसन्धान के मूलतत्व, विकास पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1970,

रंगराजन विशेषज्ञ समूह 2014 विधि आधारित, भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रतियोगिता दर्पण स्वदेशीनगर,आगरा, 2017

लाल रामजी, समाजशास्त्र, रमेश पब्लिशिंग हाउस, 12–एच, न्यू दरियागंज रोड़, नई दिल्ली, वर्ष 2011

लाल श्याम., अम्बेडकर और दलित आन्दोलन, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2015

वदित एच.के., अनुसन्धान विधियाँ (व्यवहारिक विज्ञानों में), एच.पी.भार्गव बुक हाउस, कचहरी घाट, आगरा, 2004

विद्यामेद्य, गाँधी जी का आर्थिक चिन्तन, विद्या प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, अंक–मार्च 2002

शर्मा ज्योति, शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आर्यन प्रिण्टर्स, आगरा, संस्करण 19, वर्ष 2011

शर्मा जी. एल., सामाजिक मुद्दे, रावत पब्लिकेशन्स, अन्सारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली, वर्ष 2015

शर्मा के. एल., भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2006

शर्मा के. एल., सामाजिक स्तरीकरण, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2011

शर्मा रमेश चन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त, राजीव प्रकाशन, मेरठ, संस्करण 11, वर्ष 2004

शर्मा रमेश चन्द्र, समिष्ट आर्थि विश्लेषण, राजीव प्रकाशन, मेरठ, संस्करण 11, वर्ष 2004

शर्मा रामनाथ, अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र तथा सामाजिक विघटन, एटलाँटिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली, वर्ष 2004

शर्मा श्रीराम, गरीबी भगाएँ, गरिमा बढ़ाएँ' युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट, गायत्री तपोभूमि, मथुरा, वर्ष 2015

सदा राकेश, उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान, अरिहन्त पब्लिकेशन्स इण्डिया लिमिटेड, टी. पी. नगर, मेरठ, वर्ष 2016

सम–सामायिक घटना चक्र, उत्तर प्रदेश तथ्य सार 2016, एलनगंज, चर्च लेन, इलाहाबाद,, वर्ष 2016

सामाजिकी,उ.प्र.समाजशास्त्र परिषद,सांख्यिकी वार्षिक पत्रिका,जनपद फर्रूखाबाद,राज्य नियोजन संस्थानउ.प्र.2001

सिंघी नरेन्द्र कुमार, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहरनगर, जयपुर, 2001

सिंह अरुण, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र एवं शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल बनारसीदास,जवाहरनगर,दिल्ली,2013

सिंह आर., विकास, विस्थापन और पुनर्वास, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2016

सिंह धर्मेन्द्र, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2017

सिंह नरेन्द्र देव एवं हरिदत्त, भारतीय संस्कृति का इतिहास, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ 2004

सिंह बी.पी., उत्तर आधुनिकतावादःराजनीति, समाज एवं संस्कृति, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहरनगर, जयपुर, 2011

सिंह रमेश, भारतीय अर्थव्यवस्था, एम.सी.ग्रेव हिल एजूकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नईदिल्ली, संस्करण 6, वर्ष 2014

सिंह विजय पाल सिंह एवं रस्तोगी श्रीमती पूजा, भारतीय आर्थिक नीति, विशाल प्रकाशन मन्दिर, मेरठ, वर्ष 2005

सिंह वी. एन., नगरीय समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2015

सिंह शिव बहादुर, विकास का समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जवाहर नगर, जयपुर, वर्ष 2010

सिंह सहदेव, हमारे सामाजिक विघटन की कहानी, आदित्य प्रकाशन, इटावा, संस्करण प्रथम, वर्ष 1994

सेन आमत्य, गरीबी और अकाल, वर्ष 2002

सेन अमर्त्य, आर्थिक विषमताएँ, अनुवाद भवानी बागला शंकर, राजपाल एण्ड संस,कश्मीरी गेट, दिल्ली, वर्ष 2001

सेंसस ऑफ इंडिया 2011,उ.प्र.सीरीज–10,पार्ट 12–बी,डिट्रिक्ट सेंसस हैंडबुक फर्रू,डाइरेक्टोरेट ऑफ सेंसस,उ.प्र.

स्रोतःराष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण, दत्त एवं सुन्दरम भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चंद्र एंड कम्पनी, दिल्ली, संस्क.55, 2016

सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 (द्विभाषी एडीशन), मानव लॉ हाउस, इलाहाबाद, वर्ष 2009

हाबर्ड बेकर, 1966, 436

राष्ट्रीय सहारा, हिन्दी दैनिक, 123/474, कालपी रोड़, कानपुर.

हाक, हिन्दी दैनिक, 63 ई, इंडिस्टियल एरिया, वहादराबाद, हरिद्वार,

बदायूँ शिखर, हिन्दी दैनिक, सिविल लाइन्स, बदायूँ

राजपथ, हिन्दी दैनिक, मित्र नगर, गूलर रोड़, अलीगढ़.

स्वराज्य टाइम्स, हिन्दी दैनिक, पथवारी, बेलनगंज, आगरा.

कानपुर उजाला, हिन्दी दैनिक, 12/10, ग्वाल टोली, कानपुर.

आज, हिन्दी दैनिक, बास मण्डी, कानपुर.

हिन्दुस्तान, हिन्दी दैनिक, कानपुर.

दैनिक जागरण, हिन्दी दैनिक, 2 सर्वोदय नगर, कानपुर.

अमर उजाला, हिन्दी दैनिक, इंडिस्ट्रियल एरिया, कानपुर.

Association of Indian University, New Delhi, 1979.

Bibliography of Doctoral Desertations, 1970-75.

Bibliography of Doctoral Desertations, Inter University Board of India, New Delhi, 1974.

Modern Dictionary Environment, Discovery Publishing House, New Delhi, 1991.

The Eastern Anthropologist Volume 53, Numbers 3-4 July-December 2000.

WWW.UP Opinion Poll.in/2016/07/Cast-Wise-Population-in-Uttar-Pradesh.html

Government of India, Servey 1992 (New Delhi, 1992)

Bill Pritchard and Ana Rammohan, “Not Palatable for The Poor”, Hindustan Times, October 16, 2013

Denis Gouler, The Cruel Choice : A New Concept in The Theory of Development (New York. 1971)

J. Harris, Rural Developent : Theories of Preasant Economy & Agrorian Change, Rawat Publications, Jawahar Nagar, Jaipur, 2017